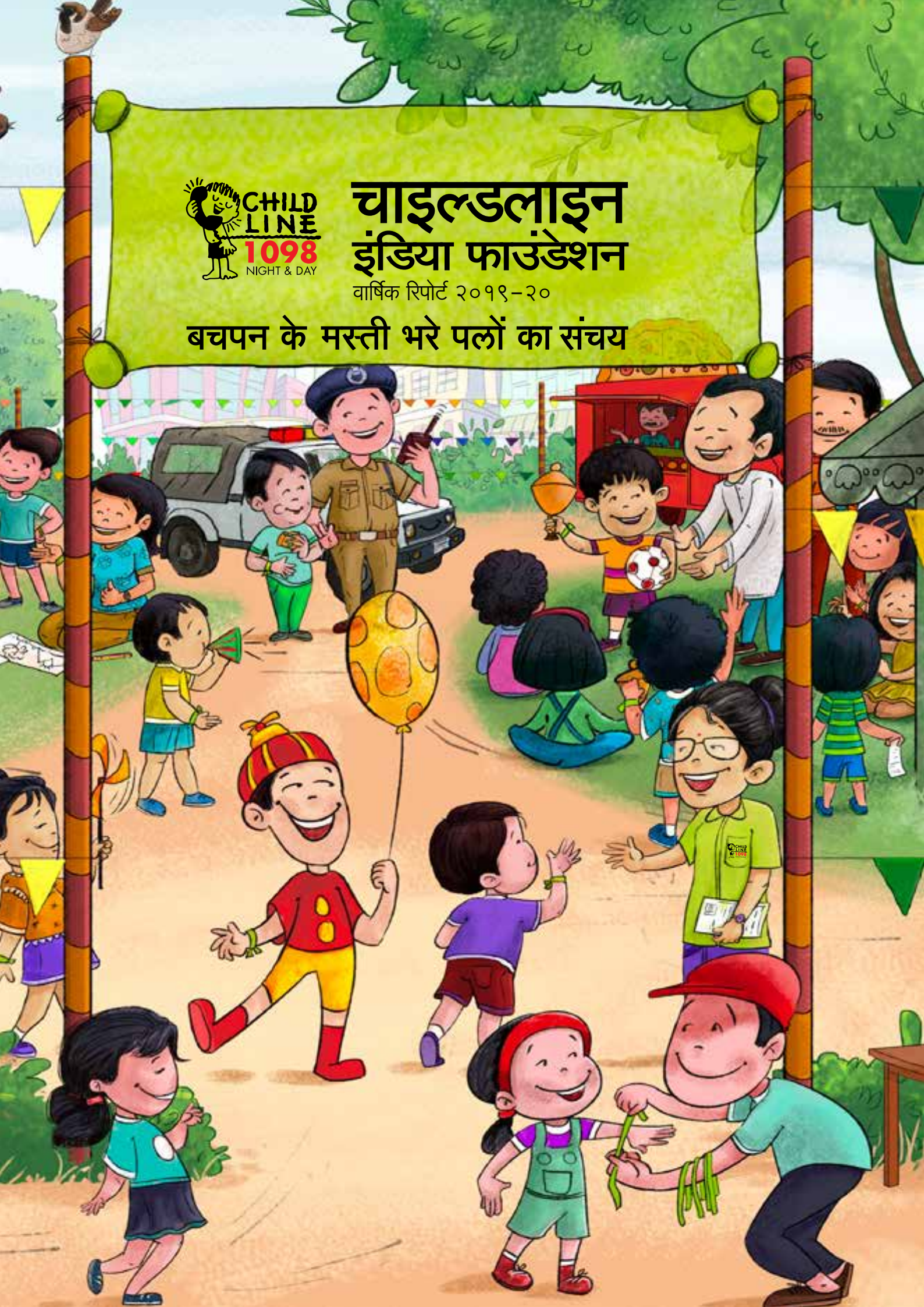

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

वार्षिक रिपोर्ट २०१९–२०

बचपन के मस्ती भरे पलों का संचय

SAY NO TO
CHILD LABOUR
STOP CHILD LABOUR

प्रकाशन का विवरण:

वार्षिक रिपोर्ट २०१९–२०

अप्रैल २०१९ से लेकर मार्च २०२० तक की अवधि के लिए सूचित किए गए आँकड़े

द्वारा प्रकाशित

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

द्वारा संकलित, लिखित और संपादित

संचार और सामरिक पहल विभाग, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

द्वारा समर्थित प्रकाशन

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एम.डब्ल्यू.सी.डी), भारत सरकार (जी ओ आई).

प्रकाशन की रचना/डिजाइन

कोकोनट ब्रांड सोलूशन्स

कोकोनट मीडिया बॉक्स एल.एल.पी. की एक इकाई

द्वारा मुद्रित

मेहरा इम्प्रेशंस

आभार:

चाइल्डलाइन वार्षिक रिपोर्ट २०१९–२० को संभव बनाने के लिए उन सभी व्यक्तियों की दृढ़ इच्छाशक्ति और कठोर परिश्रम को धन्यवाद है, जिन्होंने पर्दे के पीछे रह कर इसको सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस प्रयास में योगदान देने वाले सभी लोगों को चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन धन्यवाद करना चाहता है। हम केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा प्रदत महत्वपूर्ण सहयोग को स्वीकार करते हैं, साथ ही साथ हमारे सहयोगी संगठनों, दान देने वाले दाताओं, स्वयं–सेवकों और समुदाय के प्रति हम अपना आभार प्रकट करते हैं। प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय संसाधन केंद्रों, संपर्क केंद्रों और ज़मीनी स्तर पर कार्यरत सभी चाइल्डलाइन कर्मचारियों को भी धन्यवाद है जिनके बिना हमारा यहाँ पहुँचना संभव नहीं हो पाता और अंत में, चाइल्डलाइन पर पूर्ण विश्वास करने और हमें सहयोग प्रदान करने देने के लिए देश भर के उन सभी बच्चों के प्रति भी हम अपना आभार व्यक्त करते हैं।

©चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

बी–११०१, रतन सेंट्रल,

डॉ बाबा साहब अंबेडकर रोड, परेल (पूर्व),

मुंबई–४०००१२

दूरभाष : +९१–२२–६८२५ १०९८

आभार

चाइल्डलाइन वार्षिक रिपोर्ट २०१९–२० का निर्माण ऐसे असंख्य व्यक्तियों के अटल विश्वास और कड़े परिश्रम के कारण ही संभव हो पाया है जिन्होंने पृष्ठभूमि में रहकर एक अद्वितीय भूमिका निभाई है। चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन उन सभी का हार्दिक आभारी है जिन्होंने इस प्रयास में अपना योगदान दिया। हम महिला एवं बाल विकास केंद्रीय मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से प्राप्त अपरिहार्य सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। हम हमारे साझेदार संगठनों, अनुदानकर्ताओं, वालंटियर तथा समुदाय के सम्पूर्ण नेटवर्क के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। हम मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय संसाधन केन्द्रों, संपर्क केन्द्रों एवं फ़ील्ड पर उपस्थित समस्त चाइल्डलाइन स्टाफ़ से कहना चाहेंगे कि आपके बिना हमारा अस्तित्व असंभव है।

अंत में, चाइल्डलाइन पर अपना अटूट विश्वास बनाये रखने वाले देश के कोने–कोने में मौजूद बच्चों के लिए हमारा यह संदेश है कि हम आपके ऋणी रहेंगे एवं हमारी ओर से आपको हमेशा सहयोग प्रदान किया जाएगा।

कदम १

बच्चे या संबंधित व्यक्ति द्वारा १०९८ पर कॉल करना

कदम २

बच्चे या संबंधित व्यक्ति द्वारा चाइल्डलाइन संपर्क केंद्र से जुड़ना

कदम ३

चाइल्डलाइन समूह द्वारा बच्चे की सहायता के लिए पहुँचना

कदम ४

बच्चों को पुनर्वास प्रदान किया जाना और निरंतर ध्यान देते रहना

चाइल्डलाइन एक राष्ट्रीय २४x७ निःशुल्क आपातकालीन फोन आउटरीच सेवा है जो जरूरतमंद बच्चों की देखभाल और सुरक्षा की जरूरत तथा उनको दीर्घकालिक पुनर्वास संबंधी मामलों से जोड़ता है।

चाइल्डलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए कोई भी संबंधित वयस्क/बच्चा/बच्ची १०९८ पर रात और दिन किसी भी समय पर कॉल कर सकता/सकती है।

चाइल्डलाइन बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यू.एन.सी.आर.सी) के अनुसमर्थन में भारत द्वारा किया गया पहला राष्ट्रीय स्तर का प्रयास है।

चाइल्डलाइन १०९८ सेवा का विशेष उल्लेख किशोर न्याय अधिनियम (बच्चों की देखभाल और संरक्षण),२०१५ संबंधी मामलों में किया गया है (संदर्भ धारा (२) २५) जे.जे. २०१५)।

दृष्टिकोण

एक बाल-मैत्रीपूर्ण राष्ट्र जो सभी बच्चों के अधिकारों और संरक्षण को सुनिश्चित करता है।

लक्ष्य

चाइल्डलाइन प्रत्येक जरूरतमंद बच्चे तक पहुँच बनाएगी और फोर सीएस के माध्यम से उनके अधिकारों और सुरक्षा की जरूरत की सुनिश्चितता भी करेगी।

१) उत्प्रेरक

सक्रिय वकालत के माध्यम से व्यस्थित होना।

२) सहयोग

बच्चों और राज्य, सभ्य समाज, समष्टिगत और समुदाय के बीच एकीकृत प्रयासों के माध्यम से बाल-सुलभ सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना।

३) जोड़ना

प्रौद्योगिकी के माध्यम से अंतिम निष्कर्ष तक पहुँचना।

४) संवाद

बाल संरक्षण को सबके लिए प्राथमिक बनाना।

अनुक्रमणिका

उत्प्रेरित – १२

सहकार्य – ३६

जोड़ना – ७४

संवाद – ९५

वित्तीय विहंगावलोकन – १४६

हितधारक – २१५

हमारे कार्यकारी निदेशक की ओर से संदेश

प्रिय मित्रों और सहकर्मियों,

इस वार्षिक रिपोर्ट में हमें वित्त वर्ष २०१९–२०२० के दौरान चाइल्डलाइन द्वारा संचालित गतिविधियों, आयोजनों और किए गए विभिन्न पहलों की एक झलक मिलती है। ये आयोजन इस वर्ष के मूल विषय **''बचपन के बेफ़िक्र पलों को संजोये रखना''** को दर्शाते हैं ।

वर्ष २०१९–२०२० में चाइल्डलाइन ने ७२ लाख से भी ज़्यादा कॉल के जवाब दिए और आम लोगों के बीच ३.४ लाख मामलों में हस्तक्षेप किया । हमने चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह और हौसले के रूप में अपने फ़्लैगशिप आयोजनों का सफ़ल क्रियान्वयन देखा ।

इस वर्ष की प्रमुख पहलों में निष्ठा भी शामिल है जो एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए एक क्षमता–विकास कार्यक्रम है । हम चाइल्डलाइन टीम के सदस्यों, कार्यक्रम संयोजकों और शिक्षकों को धन्यवाद देना चाहेंगे जिनके योगदानों ने इस कार्यक्रम को सफ़ल बनाया ।

यह पहल यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित और समर्थित है । हम अज़ीम प्रेमजी फिलैनथ्रोपिक इनिशिएटिव्स (एपीपीआई) के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहेंगे जिन्होंने प्रोग्राम फ़ॉर कांटेक्ट विद चिल्ड्रेन फ्रॉम रेलवे स्टेशन्स (पीसीसीआरएस) को अपना निरंतर सहयोग दिया जो कि अब ७ स्टेशनों में क्रियाशील है ।

हम केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, रेलवे मंत्रालय तथा उनके प्रशासनिक स्टाफ, आरपीएफ, जीआरपी, भारत सरकार तथा राज्य सरकारों की ओर से प्राप्त महत्वपूर्ण सहयोग को स्वीकार करते हैं । उनका प्रोत्साहन एवं प्रेरणा हमारे लिए अपरिहार्य बन गया है । मैं जिला अधिकारियों, समस्त विधिक निकायों, सीडब्ल्यूसी, दानकर्ताओं, स्वयंसेवियों एवं देश भर के समुदायों सहित हमारे साझेदार संगठनों के नेटवर्क एवं हितधारकों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहूंगा ।

हम मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय संसाधन केंद्रों व संपर्क केंद्रों के चाइल्डलाइन स्टाफ़ तथा महत्वपूर्ण कर्मियों को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहेंगे । आप लोगों के निरंतर सहयोग के बिना हमारे लिए इतनी सारी सफलताएं प्राप्त करना पूर्णतः असंभव था । साथ ही, हम उन सभी के अटल साहस तथा कठोर परिश्रम को सम्मानित करना चाहेंगे जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर काम करते हुए वार्षिक रिपोर्ट के इस संस्करण के उचित विकास को सुनिश्चित किया ।

अंत में, हम देश भर के उन सभी बच्चों एवं माता–पिताओं के प्रति अपना आभार तथा सहयोग देना चाहेंगे जो चाइल्डलाइन पर भरोसा करते हैं ।

डॉ. अंजैया पंडिरी पीएचडी

कार्यकारी निदेशक, सदस्य सचिव
चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन (सी.आई.एफ)

भारत में बाल संरक्षण एक प्रमुख चिंता का विषय है, विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों से संबंधित बच्चों के संदर्भ में जो विभिन्न प्रकार के शोषण और उत्पीड़न की चपेट में हैं। बाल दुर्व्यवहार, बाल तस्करी, बाल श्रम, कन्या भ्रूण हत्या और शिशु हत्या, बाल विवाह, कुपोषण इत्यादि से संबन्धित विषय बच्चों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों में से एक हैं। ऐसे मुद्दे मुख्यतः छह वर्ष से कम उम्र तक के बच्चों, सड़कों पर रहने वाले एवं अनाथ बच्चों, शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों, एच.आई.वी / एड्स या अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से प्रभावित बच्चों, संघर्ष / समाज से बहिष्कृत और प्राकृतिक विपदा से विस्थापित बच्चों के मामलों में देखा जाता है। चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन (सी.आई.एफ) एक गैर–लाभकारी संगठन है, जो बाल–सुलभ राष्ट्र बनाने की दृष्टिकोण के साथ बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा को भी सुनिश्चित करता है। यह केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय की नोडल एजेंसी है, जो पूरे देश में १०९८ संपर्क सेवा की स्थापना करवाने, उसके प्रबंधन और निगरानी के लिए मूल संगठन के रूप में कार्य करता है। सी.आई.एफ की जिम्मेदारियों में सेवा वितरण और वित्त संबंधी मामलों की निगरानी, प्रशिक्षण, अनुसंधान और प्रलेखन, जागरूकता पैदा करना, वकालत, साथ ही सेवा के स्रोतों का निर्माण करना इत्यादि शामिल हैं।

चाइल्डलाइन

चाइल्डलाइन १०९८ सेवा, सी.आई.एफ. द्वारा विकसित और प्रबंधित सेवा है जो जरूरतमंद और निः सहाय बच्चों के देखभाल और संरक्षण के उद्देश्य की पूर्ति के लिए सरकारी विभागों और नागरिक समाज द्वारा संचालित प्रासंगिक और दीर्घकालिक सुरक्षा, संरक्षण और पुनर्वास कराने वाली संगठनों द्वारा चालित २४X७, नि: शुल्क आपातकालीन फोन आउटरीच सेवा है। इस सेवा में किसी भी बच्चे या वयस्क द्वारा १०९८ पर कॉल करने और १०९८ पर कॉल प्राप्त होने से एक घंटे के भीतर प्रशिक्षित टीम के द्वारा बच्चे तक पहुँचने और सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया जाता है।

चाइल्डलाइन बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यू.एन.सी.आर.सी), के अनुसमर्थन में भारत द्वारा किया गया पहला राष्ट्रीय स्तर का प्रयास है। इसके अतिरिक्त, इसका विशेष उल्लेख किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, २००० संबंधी मामलों में किया जाता है, जहाँ सरकार ने अनुरोध किया है कि स्थानीय स्तर पर राज्य एजेंसियों और स्थानीय एजेंसियों को एक साथ लाने और अधिनियम के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए चाइल्डलाइन एक मुख्य स्रोत के रूप में कार्य करता है।

महिला और बाल विकास मंत्रालय (एम.डब्लू.सी.डी) २००६ में जब अस्तित्व में आया, तो इसने चाइल्डलाइन इंडिया फ़ाउंडेशन को भारत के सभी जिलों में चाइल्डलाइन मॉडल लागू करने के लिए नोडल एनजीओ के जन्मदाता के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। बाल संरक्षण प्रक्रिया के क्रमानुसार कार्यान्वयन के ढाँचे के रूप को तैयार करने के लिए, चाइल्डलाइन ने राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान के साथ हाथ मिलाया और "बाल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय पहल (एन.आइ.सी.पी.)' कार्यक्रम को विकसित किया। बाद में यह एम.डब्ल्यू.सी.डी द्वारा शुरू किए गए एकीकृत बाल संरक्षण योजना कार्यक्रम (आई.सी.पी.एस) का बुनियादी ढाँचा बन गया, जो चाइल्डलाइन सेवाओं के विस्तार के लिए निधि प्रदान करता है। मार्च २०१९ तक, चाइल्डलाइन अखिल भारतीय स्तर पर मौजूद है, जो ३५ राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के ५०२ शहरों / जिलों में काम कर रही है, और प्रति वर्ष ८९,९८,००० से अधिक कॉलों का जवाब दे रही है।

उद्देश्य

- जरूरतमन्द और निःसहाय बच्चों के संरक्षण के लिए १०९८ पर आपातकालीन स्थिति का उत्तर देते हुए उन तक अपनी शारीरिक उपस्थिती दर्ज करना।
- दूरसंचार प्रौद्योगिकी को अपनाते और एकीकृत करते हुए, सभी जिलों को १०९८ की सेवा से जोड़ना और इसे देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले सभी बच्चों के लिए उपलब्ध कराना।
- संगठनों के बीच नेटवर्किंग का एक मंच प्रदान करते हुए बच्चों के पुनर्वास की सुविधा प्रदान कराने वाली सभी प्रणालियों को समर्थन प्रदान करना।
- चाइल्ड फ्रेंडली सिस्टम बनाने के लिए एलाइड सिस्टम्स (पुलिस, हेल्थकेयर, किशोर न्याय अधिनियम, परिवहन, कानूनी, शैक्षिक, संचार, मीडिया, राजनीतिक और सामुदायिक) तौर पर मिलकर काम करना।
- उन बच्चों की सेवाओं के लिए वकालत करना जो असुलभ, अस्तित्वीहीन या अपर्याप्त हैं।
- बच्चों के लिए राष्ट्रीय ढांचे और नीति के अंतर्गत कार्य कर रहे गैर सरकारी संगठनों और सरकारी संगठनों की एक निकाय बनाना।
- देश में एक नोडल बाल संरक्षण एजेंसी बनाना जो बच्चों को बाल संरक्षण सेवाएँ प्रदान करें।
- वैश्विक गतिविधियों को मजबूत बनाते हुए और उसमें भागीदारी द्वारा योगदान और कार्य करते हुए बाल संरक्षण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना है और साथ में यह भी सुनिश्चित करना है कि बच्चों की आवाज सुनी गई है।

कार्यक्रम और गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय टोल–फ्री नंबर १०९८ पर कॉल का उत्तर देना और जरूरतमंद बच्चों की देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों के लिए बचाव और आपातकालीन आउटरीच सेवाओं की सुविधा प्रदान करना।
- पुलिस, प्रशासन, श्रम, स्वास्थ्य, रेलवे और ऐसे अन्य प्रासंगिक स्थानीय विभागों की मदद से बचाव और अन्य आउटरीच सेवाओं के बीच समन्वय बिठाना।

• बच्चों की देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाल कल्याण समिति (सी.डब्ल्यू.सी) के समक्ष उनको प्रस्तुत करना।

• बच्चों के दीर्घकालीन पुनर्वास में जहाँ भी आवश्यकता हो,बाल कल्याण समिति का समर्थन करना।

• गुमशुदा बच्चों की ट्रैकिंग के लिए राष्ट्रीय नेटवर्क का समर्थन करना।

• बाल संरक्षण से संबंधित राष्ट्रीय व्यापक डेटाबेस के संकलन के लिए बचाव और पुनर्वासित बच्चों से संबंधित आँकड़े को प्रदान करना।

• लोगों के बीच जागरूकता को पैदा करना और १०९८ हेल्पलाइन नंबर तक उनकी पहुंच को सुनिश्चित करना।

• बचाए गए बच्चों की तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य बाल संरक्षण सेवाओं, समुदाय और स्थानीय निकायों के साथ संबंध स्थापित करना।

साझेदारी मॉडल

सी.आई.एफ का ऐसा मानना है कि चाइल्डलाइन को सफल और प्रभावी होने के लिए तथा भारत भर के लाखों बच्चों की जरूरतों तक पहुँचने और उनको पूरा करने में साझेदारी के ढाँचे में कार्य करना महत्वपूर्ण हो जाता है, जो इसे पूरा करता है:

• कोई हेल्पलाइन अलग रूप में काम नहीं कर सकती।

• सभी सेवा साझेदार पारस्परिक संबंध साझा करते हैं।

• साझेदारों की स्पष्ट और निश्चित भूमिकाएँ होती हैं जो मॉडल के प्रति संयुक्त स्वामित्व की भावना पैदा करती हैं।

• सभी साझेदार मॉडल के दृष्टिकोण, लक्ष्य और सफलता को साझा करते हैं।

इसलिए, चाइल्डलाइन महिला और बाल विकास मंत्रालय, दूरसंचार विभाग,राज्य सरकारों, स्वैच्छिक एजेंसियों, अकादमिक संस्थानों, व्यवसायिक और सामुदायिक क्षेत्रों और बच्चों के बीच एक अनूठी साझेदारी है। यह संकट और आपात स्थितियों में बच्चों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है और सेवाओं का एक अच्छे तरीके से जुड़ा हुआ नेटवर्क है जो पहले से ही जगह पर स्थिर होकर देखभाल और बच्चों की सुरक्षा की दिशा में कार्य कर रही है। यह संपर्क के एकल बिंदु के रूप में कार्य करता है जो समर्थन, सलाह, सक्रिय हस्तक्षेप और यहाँ तक कि अक्सर सहानुभूति देने के लिए तत्काल पहुँच की सुविधा भी प्रदान करता है।

परिचालन संरचना

चाइल्डलाइन संपर्क केंद्र (सी.सी.सी)

चाइल्डलाइन संपर्क केंद्र (सी.सी.सी) २४ घंटे की वॉयस रिस्पांस सुविधा है जो समकालीन बी.पी.एस (बिजनेस प्रोसेस सर्विसेज) तकनीक का उपयोग करती है। यहाँ पाँच स्थानों में छह केंद्रीकृत कॉल प्राप्त करने वाले केंद्र (मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु) हैं, और सभी चाइल्डलाइन शहर/जिले इससे जुड़े हुए हैं।

चाइल्डलाइन सलाहकार बोर्ड/जिला सलाहकार समिति

चाइल्डलाइन सलाहकार बोर्ड या जिला सलाहकार समिति बच्चों की प्रमुखनीति-निर्माण संस्था है। शहरी और जिला स्तर पर क्रमशः जिलाधिकारी और कलेक्टर की अध्यक्षता में, सरकारी अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, कॉर्पोरेट, संबंधित व्यक्तियों द्वारा चाइल्डलाइन के प्रदर्शन की समीक्षा की जाती है, नए निर्देश निर्धारित किए जाते हैं, सेवा को और बेहतर बनाने के लिए रणनीति की सिफारिश की जाती है, और प्रशिक्षण और वकालत के लिए मुख्यधारा की ओर मुड़ता है।

नोडल संगठन

नोडल संगठन आमतौर पर शैक्षणिक संस्थान या गैर सरकारी संगठन होते हैं जो शहरी सेवा की संरचना को सहायता और सुविधा प्रदान करते हैं। ये १०९८ सेवा प्रदाताओं के बीच समन्वय करते हैं और यह सेवा की गड़बड़ियों को दूर करना सुनिश्चित करते हैं। इन पर स्थानीय सहयोगी प्रणाली के सदस्यों के साथ नेटवर्किंग करने और प्रशिक्षण देने, समन्वय करने और कैब की बैठकों को कॉल करने की ज़िम्मेदारी होती है।

कोलैब संगठन

सहयोगी संगठन या कोलैब साझेदार चाइल्डलाइन के लिए हस्तक्षेप इकाइयों के रूप में कार्य करते हैं। जब एक बार सी.सी. सी १०९८ पर प्राप्त कॉल का जवाब देता है और यदि ऐसा लगता है कि इस मामले में आपातकालीन हस्तक्षेप की आवश्यकता है, तो इस मामले एक कोलैब पार्टनर को स्थानांतरित कर दिया जाता है, जो आवश्यक हस्तक्षेप करने के लिए स्थानीय कर्मचारियों को उस स्थान पर भेजता है। कोलैब साझेदार आउटरीच तक पहुँच बनाते हैं और जागरूकता का निर्माण भी करते हैं।

सहयोगी संगठन और उप केंद्र

सहयोगी संगठन और उप केंद्र आमतौर पर शहर के उपनगरों में या ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होते हैं, और कोलैब पार्टनर्स के काम के पूरक होते हैं। कोलैब पार्टनर्स के मामलों को संगठनों/उप केन्द्रों को जमीनी स्तर की कार्रवाई करने के लिए सहायता के रूप में भेजा जाता है। ये आमतौर पर जमीनी स्तर पर पर्याप्त समुदाय आउटरीच वाले संगठन होते हैं।

संसाधन संगठन

संसाधन संगठन परामर्श, आश्रय, कानूनी सलाह, प्रायोजन, गोद लेने आदि जैसी विशेष सेवाएँ प्रदान करते हैं और चाइल्डलाइन द्वारा संदर्भित बच्चों के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार करते हैं।

उत्प्रेरक

सक्रिय वकालत के माध्यम से सिस्टम में
बाल–अनुकूल परिवर्तन को उत्प्रेरित करना

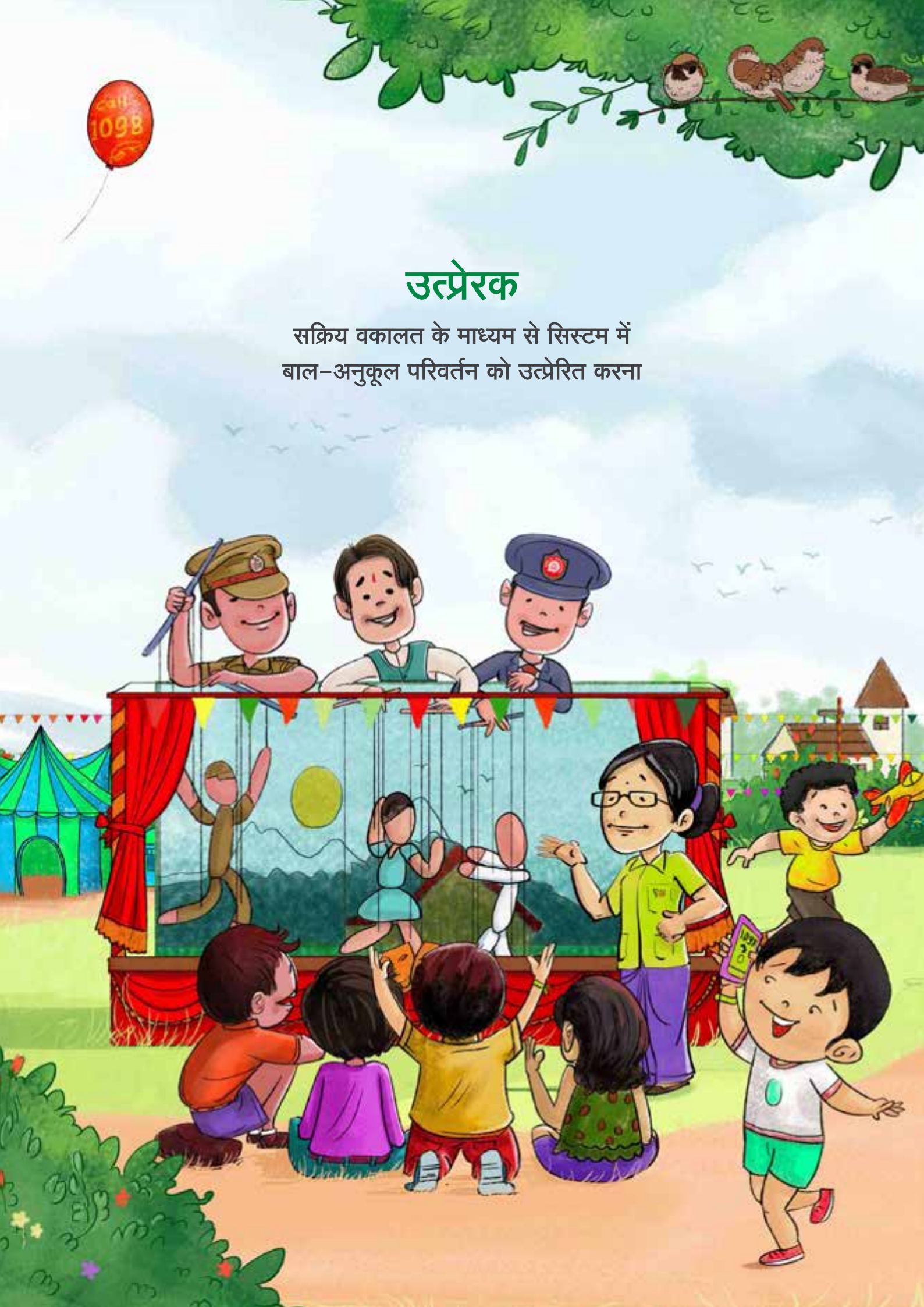

बाल अधिकारों और संरक्षण की वकालत

बाल अधिकारों और संरक्षण पर वकालत हमारे चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन के बाल अनुकूल भारत के दृष्टिकोण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के मुख्य स्तंभों में से एक है। हमारे वकालती प्रयासों का देश भर के प्रत्येक जिले/राज्य में चाइल्डलाइन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हमारे वकालती प्रयासों का बल एकीकृत बाल सुरक्षा योजना के कार्यान्वयन को सुगम बनाने पर रहा है, बाल संरक्षण के लिए सजग विभिन्न कानूनों जैसे यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, २०१२, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, २०१५, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, २००६, बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, १९८६ पर हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करना रहा है। वकालती और नेटवर्किंग पहल का स्थानीय ग्राम पंचायत के साथ निकायों, राज्य और केंद्र सरकार के स्तर पर अधिकारियों को संलग्न कर सभी स्तरों पर इसका अभ्यास किया जा रहा है। चूँकि, पूरे बोर्ड में हितधारकों से मान्यता मिलने के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन सेवाओं को आसानी से लागू करने और अपनाने की अनुमति प्रदान करती है।

उत्तर

हरियाणा

अंबाला रेलवे, चाइल्डलाइन

चाइल्डलाइन टीम ने बच्चों की अत्यंत देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे कर्मचारियों के लिए "मानक परिचालन प्रक्रिया' पर एक उन्मुखीकरण पहल का आयोजन किया। इस पहल में जी.आर.पी, आर.पी.एफ, बाल कल्याण समिति के जवानों सहित कुल २५ लोगों ने भाग लिया।

बच्चों की देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु रेलवे के लिए एस.ओ.पी (मानक परिचालन प्रक्रिया)

पंजाब

मोहाली

चाइल्डलाइन के पदाधिकारियों के लिए मोहाली स्थित राष्ट्रीय जन सहयोग और बाल विकास क्षेत्रीय केंद्र द्वारा २७ से २९ नवंबर तक किशोर न्याय अधिनियम, २०१५ पर ओरिएंटेशन प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इसमें जम्मू–कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश से संबंधित ३९ चाइल्डलाइन पदाधिकारियों ने भाग लिया।

उन्मुखीकरण के निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य थे:

- किशोर न्याय अधिनियम, २०१५ और नियमों, २०१६ के प्रावधानों पर चाइल्डलाइन कार्यकर्ताओं को उन्मुख करना।
- देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले जरूरतमंद बच्चों की देखभाल, सुरक्षा, पुनर्वास और उनके सुदृढीकरण से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा करना।
- किशोर न्याय अधिनियम, २०१५ के सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए जिला स्तर पर विभिन्न एजेंसियों के साथ हम कैसे समन्वय कर सकते हैं, इस पर चर्चा करना।
- किशोर न्याय अधिनियम, २०१५ के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कुछ रणनीतियाँ विकसित करना।

दिल्ली

चाइल्डलाइन का उद्देश्य हितधारकों को प्रभावित करना है जिससे बच्चों के लिए एक अधिक मजबूत सुरक्षा कवच बनाया जा सके, और बाल मुद्दों को नीति निर्माताओं और सरकारी अधिकारियों के सामने प्रमुखता से लाया जा सके तथा आवश्यक परिवर्तनों और प्रमुख हितधारकों को शामिल करने का प्रस्ताव भी दिया जा सके। दिल्ली की चाइल्डलाइन समूह ने २०१९–२०२० में इस वकालत की पहल की:–

- दिल्ली के स्कूल में चाइल्डलाइन १०९८ की जागरूकता के संदर्भ में राष्ट्रीय महिला आयोग की सचिव, निदेशक एवं अतिरिक्त निदेशक शिक्षा विभाग, एन.सी.टी सरकार के साथ बैठक हुई। यह भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना सी.डब्ल्यू–१–११/६/२०१९–सी.डब्ल्यू–आई. पार्ट (२) (ई–७६७५३२) २४ सितंबर, २०१९, और लिखित याचिका (क्रिमिनल) नंबर १/२०१९ माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिए गए संज्ञान के संदर्भ में है। इसके परिणाम के रूप में, दिल्ली के

लगभग सभी स्कूलों में साइनबोर्ड लगा दिए गए।

• सचिव, निदेशक और अतिरिक्त निदेशक– शिक्षा विभाग, एन.सी.टी दिल्ली सरकार की वेबसाइटों और स्कूली वाहनों पर चाइल्डलाइन १०९८ सेवाओं की दृश्यता के लिए परिपत्र जारी करने और शिक्षा का अधिकार अधिनियम, २००९ के तहत स्कूल प्रबंधन समिति (एस.एम.सी) में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जिला चाइल्डलाइन की नियुक्ति/नामांकन के संबंध में राष्ट्रीय प्रदेश सरकार के सचिव, निदेशक एवं अतिरिक्त निदेशक, शिक्षा विभाग के साथ बैठक।

• बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए, एन.सी.टी. दिल्ली सरकार के साथ दिल्ली आयोग की निम्नलिखित संदर्भों में नियमित बैठकें हुई :

– दिल्ली राज्य में चाइल्डलाइन राज्य सलाहकार बोर्ड (एस.एबी) का गठन।

– जे.जे सिस्टम एंड चाइल्ड प्रोटेक्शन सर्विसेज के तहत राज्यों और जिलों की विभिन्न समितियों में चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन (सी.आई.एफ) और जिला चाइल्डलाइन की नियुक्ति/नामांकन।

– राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बाल अधिकार संरक्षण के लिए दिल्ली आयोग की वेबसाइट पर चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन का वेब लिंक प्रदर्शित करना।

– दिल्ली में चाइल्डलाइन १०९८ के निरंतर प्रचार के संबंध में।

दिल्ली राज्य आयोग के साथ बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए, दिल्ली की एन.सी.टी क्षेत्र, दिल्ली सरकार की नियमित बैठकों के निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले गए थे–:

• डी.सी.पी.सी.आर ने राज्य सलाहकार बोर्ड के गठन के लिए निदेशक–डी.डब्ल्यू.सी.डी को एक परिपत्र जारी किया।

• डी.सी.पी.सी.आर ने संभागीय आयुक्त (राजस्व) के कार्यालय को एक परिपत्र जारी किया और उसके बाद, राज्य संचालन समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में सी.आई.एफ की नियुक्ति का उल्लेख करते हुए एक पत्र जारी किया गया।

• चाइल्डलाइन संकेत चिन्ह को बाल अधिकार संरक्षण आयोग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर शामिल किया गया है।

• डी.सी.पी.सी.आर ने दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग और दिल्ली नगर निगम स्कूलों को एक परिपत्र जारी किया।

• डी.सी.पी.सी.आर ने संबंधित सरकारी अधिकारियों को एक पत्र जारी कर दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन और प्रमुख स्थानों पर चाइल्डलाइन की दृश्यता बढ़ाने का अनुरोध किया।

• डी.सी.पी.सी.आर ने राष्ट्रीय बाल भवन (जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन है) को भी पत्र लिखा, जिसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय बाल भवन एन.बी.बी–दिल्ली ने अपने परिसर में चाइल्डलाइन होर्डिंग को लगाने पर अपनी सहमती प्रदान की।

• दिल्ली के आई एस.बी.टी कश्मीरी गेट पर घोषणा होनी शुरू हो गई हैं।

• डी.टी.सी बसों, दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन, स्कूलों, निजी कैब, सार्वजनिक स्थानों में १०९८ हेल्पलाइन नंबर के प्रदर्शन सुनिश्चित किया गया।

• उत्तरी रेलवे के अंतर्गत दिल्ली डिवीजन के डी.सी.एम.डी.आर.एम, ए.डी.आर.एम (एडमिन) के साथ बैठकें की गई जिसके अंतर्गत–

– दिल्ली मंडल में सी.एच.जी की बैठक में नियमितीकरण पर ज़ोर दिया गया।

– १०९८ की जागरूकता गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

– रेलवे के साथ सी.एन.सी.पी के लिए स्टेशन फंड का उपयोग के बारे में बताया गया।

– १०९८ की घोषणा की गई।

– रेलवे स्टेशन और प्लेटफार्म पर स्थापित इलेक्ट्रॉनिक स्क्रॉलिंग मशीनों पर १०९८ का प्रदर्शन को सुनिश्चित किया गया।

– बच्चों की काउंसलिंग और उनके आश्रय से संबन्धित मुद्दों के लिए सी.एच.डी को अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध कराया जाएगा।

गुरुग्राम की बैठक

७ जनवरी, २०२० को चाइल्डलाइन के गुरुग्राम कार्यालय में बैठक बुलाई गई थी, जिसमें श्री रूप सुदेश विमल, हेमा खत्री, फिजा सगीर, हीनू सिंह, शैजू वर्गीज, समीक्षा रापेरिया और राकेश यादव मौजूद थे। इस बैठक के दौरान कुछ मुद्दों और विषयों पर चर्चा की गई जिनमें त्वरित हस्तक्षेप की आवश्यकता थी: –

• चाइल्डलाइन के कर्मचारियों के लिए तनाव में कमी और क्षमता निर्माण पर बल देने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

• त्रैमासिक बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें आयोग के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे यह भी सुनिश्चित किया गया कि दिशा–निर्देशों के अनुसार उचित रूप से दर्ज किसी भी मामलों में विलम्ब से बचते हुए इनका उत्तर दिया जाए, जिससे कि बच्चों के सर्वोत्तम हित की रक्षा की जा सके।

• मानव संसाधन की व्यवस्था और उसकी आवश्यकता पर चर्चा की गई जो शुरूआत के प्रारम्भिक छह महीनों में सिर्फ डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लिखने में सहायता प्रदान करेगा।

• इससे बाद में रिपोर्टों की समीक्षा करने में मदद मिलेगी क्योंकि चाइल्डलाइन के पास कई वर्षों के विस्तृत आँकड़े हैं।

• सभी बाल कल्याण समितियों द्वारा चाइल्डलाइन को प्रदान किए जाने वाले प्रत्येक मामले का अनुवर्ती और बहाली सहायता का विवरण रखा जाए।

• जिलाधिकारी, अस्पताल तथा सरकारी परिसरों में अधिक होर्डिंग्स लगाए जाएँ और मेट्रो, आई.एस.बी.टी, आनंद विहार चाइल्डलाइन के बारे में दृश्यता बढ़ाने के लिए घोषणाएँ की जाएँ।

उत्तर प्रदेश

बहराइच

२८ सितंबर, २०१९ को संगठनों और भारत तथा नेपाल के पुलिस के सहयोग से बहराइच जिले के रूपडीहा सीमा पर मानव तस्करी से निपटने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक से दोनों देशों के पुलिस कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय बनाने में मदद मिली।

उत्तर प्रदेश के बहराइच के रुपदीहा सीमा पर मानव तस्करी से निपटने के लिए की गई बैठक

झांसी

झांसी जिले के बी.आर.सी मौरानीपुर ब्लॉक में १३ अगस्त, २०१९ को चाइल्डलाइन टीम द्वारा शिक्षकों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रखंड के सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। इस बैठक में बच्चों से संबंधित समस्याओं व मामलों पर चर्चा की गई और बाल हेल्पलाइन नंबर १०९८ के बारे में जानकारी दी गई। प्रधानाचार्यों ने अपने स्कूलों में शिकायत पेटी लगाने का सुझाव दिया ताकि बच्चे बिना किसी डर के अपनी लिखित शिकायत और मुद्दों को बॉक्स में डाल सकें। सभी प्रधानाचार्यों ने अपने–अपने स्कूलों में शिकायत पेटियाँ लगाने पर सहमति जताई।

रामपुर

यूपी के रामपुर में बाल संरक्षण को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष सी.एम.ओ व सी.डी.ओ के साथ चाइल्डलाइन रामपुर की गई बैठक।

उ.प्र. के रामपुर में बाल संरक्षण को लेकर जिला बाल संरक्षण समिति की जिला पंचायत अध्यक्ष सी.एम.ओ व सी.डी.ओ के साथ रामपुर में की गई बैठक।

यूपी के मुरादाबाद में जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक।

पूर्व

मणिपुर

सी.आइ.एफ प्रतिनिधियों की यात्रा के दौरान एक चाइल्डलाइन निदेशकों की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सभी चाइल्डलाइन निदेशक शामिल हुए और अपने–अपने जिलों में चाइल्डलाइन की चल रही गतिविधियों को साझा किया। इस बैठक के दौरान यह योजना बनाई गई कि जल्द ही चाइल्डलाइन निदेशक प्रमुख सचिव एस.डब्ल्यू.डी, मणिपुर सरकार से मुलाकात करेंगे।

सी.आई.एफ प्रतिनिधियोंके साथ चाइल्डलाइन निदेशकों की बैठक

नागालैंड

हितधारकों के साथ देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों के लिए सहयोगात्मक विचार–विमर्श

- नागालैंड की चाइल्डलाइन ने पुलिस की पाठशाला के सहयोग से पुलिस विभाग के साथ एक बैठक का आयोजन किया जहाँ विभाग ने चाइल्डलाइन की अवधारणा पर मिलकर काम करने की इच्छा जताई।
- मई २०१९ के महीने में, नागालैंड राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण ने "बाल संरक्षण": पर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम के लिए निमंत्रण पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- चाइल्डलाइन के साथ समन्वय में सामूहिक कार्रवाई करने की दिशा में सी.आई.एफ प्रतिनिधि को उस कार्यशाला में एक संसाधन के स्रोत के रूप में भाग लेने के लिए बुलाया गया था।
- गृह विभाग ने एन.एस.एल.एस.ए द्वारा प्रकाशित आई.ई.सी सामग्रियों में चाइल्डलाइन के संकेत चिन्ह और संदेश को भी शामिल किया।

मेघालय

अपनी भेंट के दौरान सी.आई.एफ प्रतिनिधियों ने एस.सी.पी.सी.आर (राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग), गृह, मेघालय के राज्यपाल, समाज कल्याण विभाग के साथ मुलाकात की और उन्हें मेघालय में चाइल्डलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरे के बाद गृह विभाग की ओर से चाइल्डलाइन को समर्थन देने के लिए परिपत्र जारी किया गया था। इसके अतिरिक्त कोमल फिल्म में, चाइल्डलाइन के संकेत चिन्ह और संदेश को समाज कल्याण विभाग की वेबसाइट पर भी शामिल किया गया।

त्रिपुरा

राज्य स्तरीय चाइल्डलाइन सलाहकार बोर्ड के गठन के संबंध में त्रिपुरा की सामाजिक कल्याण और सामाजिक शिक्षा सरकार के निदेशक के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया।

त्रिपुरा के सेपाहिजला जिले में चाइल्ड फ्रेंडली पुलिस स्टेशन की शुरुआत:

त्रिपुरा पुलिस के समन्वय से इसके पहले चाइल्ड फ्रेंडली पुलिस कॉर्नर को स्थापित किया जा सका। इसके उद्घाटन में सी.आई.एफ प्रतिनिधि के साथ चेयरपर्सन टी.एस.सी.पी.सी.आर, डी.सी.पी.ओ सेपाहिजला, स्थानीय विधायक व पुलिस कर्मी भी मौजूद थे

पश्चिम त्रिपुरा और बेलोनिया में चाइल्ड फ्रेंडली पुलिस जैकेट का वितरण:

पॉक्सो अधिनियम, २०१२, अध्याय ६, धारा २४ (२) में यह लिखा है कि बच्चे का बयान दर्ज करते समय पुलिस अधिकारी वर्दी में नहीं होने चाहिए। इसके अलावा जे.जे एक्ट मॉडल, नियम १६, के खंड ९ के उप खंड त में साफ तौर पर कहा गया है कि बाल कल्याण अधिकारी को सादे कपड़ों में होना चाहिए।

चाइल्डलाइन पश्चिम त्रिपुरा और बेलोनिया टीम ने सी.आई.एफ, समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा त्रिपुरा सरकार, जिला प्रशासन और पुलिस कर्मियों के समन्वय से एक कार्यक्रम आयोजन किया गया था जहाँ पुलिस कर्मियों के लिए बाल मित्र जैकेट (चाइल्ड फ्रेंडली जैकेट) प्रदान किए गए थे।

टी.एस.सी.पी.सी.आर के चेयरपर्सन और स्थानीय विधायक
के साथ समाज कल्याण और सामाजिक
शिक्षा मंत्रालय द्वारा चाइल्ड फ्रेंडली जैकेट का उद्घाटन।

सुश्री प्रतीमा भौमिक, माननीय संसद सदस्य, त्रिपुरा, सुश्री संताना चाम्मा, माननीय मंत्री, समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा, त्रिपुरा सरकार, सुश्री नीलिमा घोष,अध्यक्ष टी.एस.सी.पी.सी.आर, जिला प्रशासन व सी.आई.एफ प्रतिनिधि उपस्थित थे।

असम

राज्य स्तरीय चाइल्डलाइन सलाहकार बोर्ड के गठन के संबंध में असम सरकार के सामाजिक कल्याण और सामाजिक शिक्षा निदेशक के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। इसके बाद, आर.आर.सी.एच द्वारा विभाग को एक पत्र भेजा गया और राज्य स्तरीय चाइल्डलाइन एडवाइजरी बोर्ड का गठन किया गया। इसके बाद ए.एस.सी.पी.सी.आर के अध्यक्ष के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। उनसे आयोग द्वारा प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में चाइल्डलाइन लोगो (प्रतीक चिन्ह) और केस स्टडी को शामिल करने का अनुरोध किया गया था। वह इस प्रस्ताव के लिए सहमत हो गई और इसलिए इस मामले को इसमें शामिल कर लिया गया है। बाद में, चाइल्डलाइन का लोगो और दो केस स्टडीज को भी वार्षिक रिपोर्ट में शामिल कर लिया गया।

पश्चिम

महाराष्ट्र

मुंबई

मुंबई की चाइल्डलाइन टीम ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया:–

ठाणे की चाइल्डलाइन टीम ने स्थानीय पुलिस स्टेशनों द्वारा असहयोग के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए ठाणे पुलिस अधीक्षक के कार्यालय का दौरा किया।

चाइल्डलाइन ने नवी मुंबई में महाराष्ट्र पुलिस के साथ बाल अधिकार सप्ताह के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लिया। सी.आर.पी.सी के ३० साल पूरे होने पर चाइल्डलाइन टीम ने डीजी ऑफिस मुंबई में ४,८३,०२९ छात्रों और ७५९७ शिक्षण और शिक्षणेत्तर अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।

चाइल्डलाइन की टीम ने सी.एस.ए और पॉक्सो एक्ट के संबंध में महाराष्ट्र के ७वें निष्ठा बैच के लिए एक प्रशिक्षण अभियान चलाया, जिसमें महाराष्ट्र भर में कुल १५७६ शिक्षकों को २७ सत्रों में प्रशिक्षित किया गया।

चाइल्डलाइन की टीम ने गुजरात और म.प्र के लगभग ५०० शिक्षकों को ४ बैचों में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, २०१२ पर प्रशिक्षण दिया।

चाइल्डलाइन टीम के समन्वयकों ने गढ़चिरौली, नासिक, चंद्रपुर, मुंबई, परभणी, नागपुर, सोलापुर और कोल्हापुर में जिला स्तर पर निष्ठा प्रशिक्षण का आयोजन किया।

यूनिसेफ और महाराष्ट्र पुलिस द्वारा साझेदारी में बच्चों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने वाले चलाए जा रहे अभियान में चाइल्डलाइन की टीम ने भाग लिया।

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन (सी.आई.एफ) के प्रतिनिधियों ने मॉड्यूल प्रशिक्षण में बहुमूल्य विषयों पर जानकारी प्रदान की।

डी.डब्ल्यू.सी.डी मुंबई ने वार्ड स्तरीय बाल संरक्षण समितियों की स्थापना में सहयोगियों की भूमिका पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें चाइल्डलाइन टीम ने भाग लिया।

मध्य प्रदेश

छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा में आई.सी.पी.एस योजना पर
महिला एवं संबद्ध प्रणाली के साथ की गई बैठक।

चाइल्डलाइन मंडला ने कलेक्टर कार्यालय द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया।

दक्षिण

आंध्र प्रदेश

चाइल्डलाइन–यनम(पुडुचेरी) टीम की पुडुचेरी के उपराज्यपाल–डॉ किरण बेदी के साथ बातचीत

पुडुचेरी की उपराज्यपाल डॉ किरण बेदी, श्री सुंदरासैन, राहुल अलवाल और श्री शिवराजमीणा ने ६ फरवरी, २०२० को चाइल्डलाइन यनम का दौरा किया था। मासिक कॉल के आँकड़ों, बच्चों के मुद्दों और चाइल्डलाइन के सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में पूछताछ करने के बाद, माननीय उपराज्यपाल ने चाइल्डलाइन जागरूकता कार्यक्रम के लिए उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने का वादा किया।

श्रीमती के. दमयंती, आई.ए.एस, मुख्य सचिव, महिला विकास और बाल कल्याण विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार ने सितंबर २०१९ और फरवरी २०२० में चाइल्डलाइन टीम के साथ उनके कार्यों की समीक्षा की। श्रीमती कृतिका शुक्ला, आई.ए.एस, निदेशक, महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग, डॉ अंजय्या पांडिरी, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक, श्री प्रसाद मूर्ति, किशोर कल्याण एवं सुधारक सेवा विभाग के संयुक्त निदेशक इन बैठकों के हिस्सेदार रहें।

किशोर कल्याण पर महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक

तेलंगाना

मंडल और प्रखंड स्तर पर चाइल्डलाइन सेवाओं को बढ़ाने के लिए एक वर्ष के दौरान २२ एम.ए.बी बैठकें आयोजित की गईं जिनमें विकराबाद जिले में १६ एम.ए.बी और पेडापल्ली में १ एम.ए.बी, इसके बाद भद्रादरी कोठागुडेम में १ एम.ए.बी और वारंगल के शहरी जिले में ४ एम.ए.बी बैठकें शामिल हैं। यह बैठकें चाइल्डलाइन और अन्य प्रमुख हितधारकों के फ्रंट–लाइन कार्यकर्ताओं का समर्थन करने के लिए किया गया था।

तेलंगाना के पेडापल्ली जिले के सुल्तानाबाद मंडल में मंडल सलाहकार बोर्ड की बैठक

कर्नाटक

बेंगलुरु में बच्चों में जागरूकता पैदा करना

केरल

जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के साथ बैठक

त्रिवेंद्रम, कन्नूर, कालीकट, कोट्टायम, इडुक्की, पलक्कड़, वायनाड जिलों के डी.एल.एस.ए सचिव, सी.आई.एफ के अधिकारियों से मिले और पॉक्सो मामलों पर प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तियों से संयुक्त प्रयास और सहायता करने के साथ जेजे कमेटी की चर्चाओं को मजबूती प्रदान करने का अनुरोध किया। उनके इस अनुरोध के आधार पर डी.एल.एस.ए ने व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने में सहायता करने, पंचायत निर्वाचित सदस्यों को कानूनी जागरूकता प्रदान करने और युवा क्लब के सदस्यों को पॉक्सो जागरूकता पैदा करने पर अपनी सहमति प्रदान की।

जिलाधिकारियों के साथ बैठक:

कालीकट, कन्नूर, त्रिवेंद्रम, कोल्लम, पलक्कड़, मलप्पुरम, वायनाड- सी.आई.एफ प्रतिनिधियों ने चाइल्डलाइन के हस्तक्षेपों को अपडेट किया, कैब बैठक के लिए अनुरोध किया और विभागों के बीच के समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवधि के दौरान कालीकट, कन्नूर और त्रिवेंद्रम, कासरगोड, त्रिशूर और माहे में भी कैब बैठक का आयोजन किया गया। कैब के फैसलों के आधार पर विभिन्न विभागों को परिपत्र जारी किए गए। पालक्काड के कलेक्टर ने बाल विवाह और नशाखोरी से बचने के लिए तमिलनाडु की बोर्ड पंचायत के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार करने का सुझाव भी दिया।

जिला पुलिस प्रमुख:

कोल्लम, मलप्पुरम, इडुक्की और माहे: जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की गई और ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति जागरूकता सृजन में पुलिस और चाइल्डलाइन के बीच समन्वय स्थापित करने का अनुरोध किया गया। पुलिस कर्मियों ने अनुरोध के आधार पर चाइल्डलाइन ओपन हाउस कार्यक्रम में भाग लिया। इस बैठक के परिणाम के रूप में माहे में एस.जे.पी.यू प्रशिक्षण की योजना बनाई गई।

डी.सी.पी.ओ.एस और सी.डब्ल्यू.सी

एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोल्लम, वायनाड, इडुक्की, कोट्टायम: इसमें इन्होंने बाल दुर्व्यवहार और उपेक्षा को रोकने के लिए स्कूल काउंसलर्स, आई.सी.डी.एस पर्यवेक्षकों, सी.डी.पी.ओ और चाइल्डलाइन के बीच समन्वय को मजबूत करने का अनुरोध किया।

चाइल्डलाइन जन जागरूकता कार्यक्रम

बाल विवाह के बुरे प्रभावों को दर्शाते हुए चाइल्डलाइन गया द्वारा गणतंत्र दिवस की झाँकी

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह, बिलासपुर

जन जागरूकता पर चाइल्डलाइन की रैली

चाइल्डलाइन का स्टाल

शिलॉन्ग में विश्व बालश्रम निषेध दिवस मनाते बच्चे

चाइल्डलाइन जागरूकता के लिए रंगोली प्रतियोगिता

हितधारकों को सक्रिय करना

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन भारत में एक मजबूत बाल संरक्षण प्रणाली की दिशा में कुशलता से और निरंतर कार्य कर रहा है। भारत सरकार, राज्य सरकार और नागरिक सामाजिक संगठनों के सहयोग से चाइल्डलाइन का उद्देश्य राष्ट्रीय एजेंडे में बाल मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दिलाना है। सी.आई.एफ अपने साथी नेटवर्क और संबद्ध प्रणालियों, बैठकों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से आपसी समन्वय स्थापित करते हुए एक शक्तिशाली बाल संरक्षण नियम बनाने का अभ्यास भी करता है।

उत्तर

जम्मू–कश्मीर

एकीकृत बाल संरक्षण योजना (आई.सी.पी.एस) अधिकारियों के साथ चाइल्डलाइन कश्मीर डिवीजन की सहयोगात्मक बैठक। चाइल्डलाइन अनंतनाग, चाइल्डलाइन बडगाम और चाइल्डलाइन श्रीनगर की एक सहयोगी बैठक ७ मार्च, २०१९ को श्रीनगर के इंद्रहामा स्थित सेजर कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई थी।

इस बैठक का मुख्य एजेंडा चाइल्ड लाइन कश्मीर संभाग के एकीकृत बाल संरक्षण योजना (आई.सी.पी.एस) के प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ बाल कल्याण के विभिन्न आयामों पर चर्चा करना था। चाइल्डलाइन श्रीनगर ने बैठक का औपचारिक उद्घाटन किया।

उन्होंने प्रतिभागियों का पूरे दिल से स्वागत किया और इस बैठक के आयोजन के उद्देश्यों को भी समझाया।

इस बैठक के उद्देश्य निम्नलिखित थे:

- चाइल्डलाइन और आई.सी.पी.एस के बीच सहयोग और सहभागिता।
- उभरते विकारों की जाँच करना और उन पर काबू पाने के तरीकों को सामने रखना।
- जे.जे एक्ट के नियम और प्रारूप।
- केस स्टडीज पर चर्चाएँ।
- हस्तक्षेप के दौरान चाइल्डलाइन टीम के प्रत्यक्ष आने वाली चुनौतियाँ और बाधाएँ।
- चाइल्डलाइन और आई.सी.पी.एस के बीच की खाई को पाटना।

गहन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम

अनंतनाग की चाइल्डलाइन टीम ने जम्मू–कश्मीर (उप जिला) के स्वास्थ्य विभाग के साथ १९ से २० जनवरी, २०२० तक पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम के संचालन में सहयोग किया। इसका उद्देश्य विकलांगता की किसी भी संभावना को रोकने के लिए बच्चों के उचित टीकाकरण को सुनिश्चित करना था। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान की सफलता में योगदान देने वाली चाइल्डलाइन टीम द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों और समर्पण की सराहना भी की।

पंजाब

अमृतसर

यौन शोषण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट (जे.जे एक्ट) से बच्चों के संरक्षण के लिए १३–१४ अप्रैल को प्रधान कार्यालय द्वारा कर्मचारियों के लिए इन–हाउस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था। इस दिन की मुख्य अतिथि सीनियर एडवोकेट आशा पॉल, सी.एच.एफ, सुप्रीम कोर्ट दिल्ली की वकील और रेव फादर जोसेफ कोककाट, पवित्र ट्रिनिटी सेमिनरी में एक उलेमाओं के प्रोफेसर थे। जालंधर के सूबे के एपिस्कोपल एडमिनिस्ट्रेटर आर.टी रेव बी.पी एग्रेलो रूफिनो ग्रेसियस ने अपनी बहुमूल्य यात्रा और प्रेरणादायक शब्दों के माध्यम से टीम को प्रोत्साहित किया। इसके लिए स्थल डायोसेसन पेस्ट्रोल केंद्र, चोगीटी, जालंधर था। परियोजना प्रभारी द्वारा परियोजना रिपोर्टिंग, जवाबदेही, रजिस्टर रख–रखाव, केस हैंडलिंग या विभिन्न व्यवसायों पर हस्तक्षेप जैसे अन्य विभिन्न पहलुओं पर इन–हाउस प्रशिक्षण प्रदान किए गए थे।

स्टाफ रिसोर्स पर्सन के लिए इन–हाउस ट्रेनिंग–
सीनियर एडवोकेट आशा पॉल द्वारा

दिल्ली

चाइल्डलाइन टीम ने चाइल्डलाइन १०९८ सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने और बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों और कानूनों के बारे में जागरूक करने के लिए सरकारी अधिकारियों और अन्य कार्यकर्ताओं के साथ सत्र का आयोजन किया। इन सत्रों के माध्यम से ही चाइल्डलाइन की टीम पुलिस कर्मियों, आशा व अगनवाड़ी कर्मियों, अस्पताल के कर्मचारियों, श्रम विभाग के अधिकारियों व बाल देखभाल गृहों के कर्मचारियों तक पहुँच सकी।

रेलवे चाइल्डलाइंस ने सभी प्रकार के स्टेशन स्तर के हितधारकों – प्राथमिक, माध्यमिक और प्रमुख हितधारकों, रेलवे स्टेशनों पर चाइल्डलाइन १०९८ सेवाओं के बारे में जागरूक करने एवं बाल अधिकारों और बाल संरक्षण से संबंधित विषयों के प्रति जागरूक करने के संवेदनीकरण का आयोजन किया। पिछले वर्ष लगभग २० संवेदनीकरण सत्रों का आयोजन किया गया था।

चाइल्डलाइन द्वारा संवेदनीकरण सत्र

उत्तर प्रदेश

मेरठ, कानपुर, पीलीभीत, बिजनौर, गौतमबुद्ध नगर के उपायुक्तों के साथ बैठकें की गईं, जिसमें उन्होंने डी.सी.पी.सी के प्रभावी कामकाज पर चर्चा के साथ डी.सी.पी.सी की बैठकों की स्थिति और दिशा–निर्देशों के बारे में भी चर्चा की। इसके बाद उन्होंने शहर के प्रमुख स्थानों पर चाइल्डलाइन १०९८ की दृश्यता पर चर्चा की। ठीक इसके बाद बच्चों और हितधारकों के बीच पदोन्नति को भी लेकर चर्चा की। इसके आगे, उन्होंने चाइल्डलाइन सेवाओं के कामकाज के बारे में चर्चा की, चाइल्डलाइन को प्रतिक्रिया और कार्यक्रम संबंधी सहायता प्रदान किया।

महाराजगंज

महाराजगंज की चाइल्डलाइन ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में हितधारकों के साथ बैठक का आयोजन किया।

वाराणसी

शांतनु, इंस्पेक्टर क्राइम सेल, वाराणसी द्वारा साइबर अपराध पर प्रशिक्षण।

फिरोज़ाबाद

सी.आई.एफ का पोस्टर एसपीआरए फिरोज़ाबाद के श्री राजेश चौरसिया को मुख्तार आलम समन्वयक, चाइल्डलाइन फिरोज़ाबाद के द्वारा भेंट किया गया।

एस.पी.आर.ए ने सभी थानों के सी.डब्ल्यू.ओ को अपने संबन्धित पुलिस स्टेशन परिसरों में पोस्टर चिपकाने का आदेश दिया।

गोरखपुर

गोरखपुर जिले की एस.जे.पी.यू की बैठक हर माह पुलिस लाइन के मीटिंग हॉल में होती थी। गोरखपुर जिले की विशेष किशोर संरक्षण इकाई पिछले महीने की गतिविधियों का मूल्यांकन करने और अगले महीने के लिए योजनाएँ तैयार करने के उद्देश्य से अपनी टीम के सदस्यों की बैठक का आयोजन करती है। इन बैठकों में एस पी क्राइम, चाइल्डलाइन टीम, बाल कल्याण समिति के सदस्य, विभिन्न बाल गृह के निदेशक, आई.सी.पी.एस, पुलिस ए.एच.टी.यू ने भाग लिया।

इन बैठकों का मुख्य एजेंडा हितधारकों के बीच सहयोग और समझ का निर्माण करना होता है। हालाँकि यह बैठक महीने में एक बार होती है, लेकिन टीम के सदस्य सोशल मीडिया के जरिए एक–दूसरे से संवाद करते रहते हैं। इसलिए, जब भी टीम के किसी सदस्य को कोई दिक्कत होती है, तो अन्य साथी सुझाव देकर उसका समर्थन करते हैं।

२५ फरवरी, २०१९ को सेंट जोसेफ स्कूल हॉल में बच्चों के विकास के लिए मीडियाकर्मियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अशोक, प्रोफेसर गोपाल, डॉ महेंद्र कुमार और डॉ मुमताज थी। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं संबंधित विधान विषय पर चर्चा की गई। अपनी उपस्थिति को चिह्नित कराने वालों में चाइल्डलाइन के सभी सदस्यों के साथ शहरी और केंद्रीय समन्वयक और विभिन्न सम ाचार पत्र, टेलीविजन चैनल, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार भी शामिल थे।

पूर्व

दक्षिण सिक्किम के चाइल्डलाइन निदेशक ने दक्षिण सिक्किम के माननीय सांसद को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

पूर्वी सिक्किम के चाइल्डलाइन ने पुलिस विभाग के साथ फेस मास्क वितरित किया।

पश्चिम

दमन

- दमन में ९ से १३ जून, २०१९ तक इन–हाउस प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण में सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे। इसमें चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन की ओर से सिटी इंचार्ज वैजंती माटोरा ने सुगम और आसान बनाया। उन्होंने टीम को बाल अधिकार और बाल संरक्षण के मुद्दों से परिचित कराया।

- इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नई टीम को चाइल्डलाइन के बारे में बताना और उनकी क्षमता का निर्माण करना था। इस प्रशिक्षण में चाइल्डलाइन, बाल संरक्षण नीति, केस हस्तक्षेप, कॉल वर्गीकरण, सिटी मैपिंग, रिस्क एनालिसिस, नेटवर्किंग विद एलाइड सिस्टम और अन्य विषयों के कामकाज से संबंधित सत्र शामिल थे। टीम को उस विधान से भी परिचित कराया गया जो भारत के बच्चों से संबंधित था। टीम ने खेल, व्यायाम, रोल प्ले, प्रस्तुति, नुक्कड़ नाटक और सेल्फ स्टडी के माध्यम से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

- प्रशिक्षण के दौरान, टीम आउटरीच के लिए कई क्षेत्रों का दौरा किया। बच्चों को खेल के माध्यम से चाइल्डलाइन १०९८ सेवा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। टेलीफोनिक हस्तक्षेप की प्रक्रिया को समझने के लिए हेल्पलाइन नंबर १०९८ पर डेमो कॉल कर के दिखाया गया।

दक्षिण

कर्नाटक

कर्नाटक में, रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क ने बेंगलुरु के शहरी जिले में के.एस.आर और यशवंतपुरा, हुबली और धारवाड़, कालाबुरागी और वाडी रेलवे स्टेशनों जैसे प्रमुख छह स्टेशनों की स्थापना की। इन्होंने स्टेशन निदेशक/प्रबंधक, आर.पी.एफ,

जी.आर.पी और अन्य रेलवे हितधारकों के साथ बाल सहायता समूह की बैठकों का आयोजन किया। प्रमुख सी.एच.जी बैठक के मुख्य निष्कर्ष थे–:

हुबली सी.एच.डी.के – स्टेशन प्लेटफॉर्म पर नाइट अवेयरनेस अभियान

- के.एस.आर, वाई.पी.आर, कालाबुरागी, हुबली में विभाग और हितधारकों के बीच समन्वय और सहयोग में सुधार किया गया।
- के.एस.आर स्टेशन पर दृश्यता में वृद्धि हुई।
- हुबली और बीदर में नियमित गतिविधियों के लिए कमरों के साथ–साथ एडी.आर.एम द्वारा परामर्श के लिए अतिरिक्त कमरे की सुविधा प्रदान की गई है ।
- बचाव अभियानों के दौरान समय पर सहायता प्रदान की गई।
- हुबली, वाई.पी.आर और के.एस.आर स्टेशनों में नियमित ऑडियो और वीडियो स्क्रॉल के लिए सीनियर डी.एस.सी द्वारा अनुमति प्रदान की गई।

तमिलनाडु

संबद्ध विभागों की बैठक के दौरान तमिलनाडु की चाइल्डलाइन टीम ने सभी जिलों की निगरानी और सुविधा यात्रा की। हमेशा की तरह निर्णायक हितधारकों के बच्चों के संरक्षक के रूप में भूमिका पर चर्चा की गई और अभिनव प्रथाओं को साझा किया गया। इस अवधि के दौरान सी.आई.एफ अधिकारियों ने डी.सी.पी.यू, श्रम, जिलाधिकारी, पुलिस अधिकारियों, समाज कल्याण, आदिम कल्याण, परिवहन और स्वास्थ्य जैसे विभागों के अधिकारियों से मुलाकात भी की।

परिणाम:

- जिला स्तर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने स्कूलों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम और स्थायी दृश्यता आयोजित करने की अनुमति प्रदान की।
- क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने यह सुनिश्चित किया कि स्कूल बसें अपने वाहनों पर १०९८ का संकेत चिन्ह लगाएँ।
- उपायुक्त ने बाल श्रम की रोकथाम पर व्यक्तिगत पत्र लिखे
- उपायुक्त यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी संबंधित विभागों को हस्तक्षेप के लिए, बाल संरक्षण और उत्प्रेरक प्रणालियों के बारे में विस्तृत जानकारी है ।
- निवासी आदिवासी स्कूलों के १७०० से अधिक छात्रों के लिए कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

सहयोगी भागीदारों को संवेदनशील बनाना

चाइल्डलाइन की प्रतिज्ञा और प्रधानता देश के बच्चों के लिए एक सुरक्षात्मक वातावरण तैयार कर रही है। यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि सभी हितधारकों द्वारा बाल संरक्षण और बाल अधिकारों को समझा जाए और प्रचलित भी किया जाए। अधिक संवेदनशील और सक्रिय समाज बनाने के लिए पुलिस, स्वास्थ्य देखभाल संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, परिवहन अंडरटेकिंग, दूरसंचार, मीडिया और गैर सरकारी संगठनों सहित संबद्ध प्रणालियों को उत्प्रेरित करना महत्वपूर्ण होता है, जिनकी बाल संरक्षण में बड़ी हिस्सेदारी होती है।

२०१९–२० के दौरान कैब, डी.सी.पी.सी, कैब, ब्लॉक कैब और तालुका कैब लिया गया

क्षेत्र	कैब की बैठक	डीसीपीसी की बैठक	प्रखंड स्तर पर कैब की बैठक	कैब, डीसीपीसी कैब और ब्लॉक कैब
उत्तर	५७	२७४	२	३३३
पूर्व	८८	५५	३३	१७६
पश्चिम	२०	१२०	०	१४०
दक्षिण	४९	९६	९७	२४२
कुल	२१४	५४५	१३२	८९१

सिटी एडवाइजरी बोर्ड (कैब) की बैठक:–

उत्तर

जम्मू–कश्मीर

कठुआ

सिटी एडवाइजरी बोर्ड की बैठक १२ जून, २०१९ को कठुआ के उप–आयुक्त की अध्यक्षता में सम्मेलन हॉल डीसी कार्यालय, कठुआ में आयोजित की गई थी।

इस बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कठुआ, मुख्य शिक्षा अधिकारी कठुआ, डिप्टी एस.पी प्रशासन श्री हरीश चंदर शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी, कठुआ और डी.सी.पी.यू, सहायक श्रम आयुक्त कठुआ, बी.एस.एन.एल कठुआ, कठुआ की चाइल्ड लाइन टीम के महाप्रबंधक भी उपस्थित थे। उन्होंने आपातकालीन मामलों में बच्चों के चिकित्सा उपचार के लिए चाइल्डलाइन के सामने आने वाले मुद्दों के बारे में चर्चा की।

किसी बच्चे की आपातकालीन चिकित्सा स्थिति के मामलों में, चाइल्डलाइन जिला अस्पताल, कठुआ को एक परिपत्र जारी कराना चाहती है जिसके अंतर्गत आपातकालीन स्थितियों में बिना किसी अनुमोदन के अस्पतालों से पूर्ण की अपेक्षा की मांग की गई थी।

कैब बैठक के नतीजे–:

चाइल्डलाइन कठुआ के भविष्य के एजेंडे पर संबंधित विभागों, हितधारकों को आवश्यक कार्रवाई और समर्थन करने का आश्वासन दिया गया। प्रभावी कार्यान्वयन और सर्वोत्तम परिणामों के लिए, डी.एस.डब्ल्यू.ओ/डी.सी.पी.यू के निदेशक चाइल्डलाइन के आपातकालीन कार्य के लिए एक टास्क फोर्स तैयार करने करने की बात कर रहे थे। मुख्य शिक्षा अधिकारी कठुआ ने सभी सरकारी और निजी स्कूल परिसर में चाइल्डलाइन इमरजेंसी नंबर प्रदर्शित करने का आश्वासन भी दिया। इसके अलावा, सी.ई.ओ ने सभी स्कूल बसों में चाइल्डलाइन इमरजेंसी नंबर प्रदर्शित करने की प्रारंभिक शुरुआत की।

कठुआ जिले के सभी थानों से चाइल्डलाइन कठुआ तक एक सहयोग का सर्कुलर जारी किया जाए और चाइल्डलाइन इमरजेंसी नंबर १०९८ को प्रदर्शित करने वाले छोटे बोर्ड/फ्लैक्स को भी लटकाया जाए।

इसके बाद, सभी सरकारी और निजी स्कूलों को स्कूल परिसर में चाइल्डलाइन इमरजेंसी नंबर १०९८ को लटकाने/प्रदर्शित करने के लिए एक परिपत्र प्रदान किया जाए और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जागरूकता कार्यक्रमों और बाल श्रम मामलों में चाइल्डलाइन को सहयोग करने के लिए राष्ट्रपति और उद्योगों के लिए एक परिपत्र जारी किया जाए।

सिटी एडवाइजरी बोर्ड (कैब) की बैठक, कठुआ

पंजाब

अमृतसर

पंजाब अमृतसर की चाइल्डलाइन ने २० जून, ६ अगस्त, २०१९ और ८ फरवरी, २०२० को त्रैमासिक संसाधित बैठक का आयोजन किया, जिसमें सहायक जिला आयुक्त, केंद्रीय पुलिस अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई स्टाफ, बाल कल्याण समिति और बाल श्रम आयुक्त सहित कई अन्य लोगों ने भी भाग लिया। उन्होंने इस आयोजन में महिलाओं और बाल सुरक्षा के मुद्दों को संबोधित करने के लिए भाग लिया। इस बैठक के परिणाम के रूप में महिलाओं और बच्चों के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना बनाना था।

राजस्थान के अजमेर में कैब की बैठक

अमृतसर के डिप्टी कमिश्नर के साथ शिवदुलर सिंह ढिल्लों व अन्य अधिकारी कैब मीटिंग

अजमेर के चाइल्डलाइन कार्यालय में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण सत्र

राजस्थान

अजमेर

८ जून, २०१९ को चाइल्डलाइन अजमेर ने कार्यालय परिसर में एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक का उद्देश्य बाल श्रम को समाप्त करने के लिए नीतियाँ बनाना और सभी संबंधित विभागों में इसके प्रति जागरूकता पैदा करना था। इस बैठक में पुलिस विभाग के डिप्टी एस.पी, अजमेर उत्तर, मिस प्रियंका, बाल अधिकार विभाग की अमिता सिंह, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी श्री अशोक विश्नोई, डी.एल.एस.ए, श्रम विभाग और थाना एवं चाइल्डलाइन टीम के ३३ पदाधिकारी भी शामिल हुए थे।

इसके अलावा, बच्चों के संरक्षण के तहत हस्तक्षेप कॉल, रिपोर्टिंग और प्रलेखन के लिए चाइल्डलाइन अजमेर टीम के लिए एक क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया जिसमें केस वर्क कौशल और तकनीक, ओपन हाउस, बच्चों को उलझाने के लिए उपकरण, फोन प्रतिक्रिया, बच्चों के हस्तक्षेप कॉल के लिए शब्दावली, रिपोर्टिंग और प्रलेखन आदि शामिल थे।

पूर्व

नागालैंड

पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल ५० चाइल्डलाइन राज्य एडवाइजरी बोर्ड की बैठकें पूर्वोत्तर क्षेत्र में आयोजित की गईं, जिसमे चाइल्डलाइन राज्य एडवाइजरी बोर्ड नगालैंड की बैठक भी शामिल है जिसकी अध्यक्षता नगालैंड सरकार के समाज कल्याण विभाग के सचिव ने की।

कैब बैठक के नतीजे :

- चाइल्डलाइन लोगो (संकेत चिन्ह), संदेश, केस स्टडीज को ए.एस.सी.पी.एस (असम) के न्यूजलेटर में शामिल किया गया है।
- डी.सी/डी.एम द्वारा चाइल्डलाइन आईडी कार्ड पर हस्ताक्षरित/नवीनीकृत किया गया।
- दीमापुर (नागालैंड) चाइल्डलाइन को उपायुक्त की तरफ से एक मोटर साइकिल दी गई।
- शिलांग और आरआई–भोई (मेघालय) को मुख्यमंत्री निधि और डी.आर.डी.ए से दो कारें दी गई।

• कोहिमा (नागालैंड) के उपायुक्त द्वारा बाल श्रम को बचाने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल का गठन किया गया।

• एस.पी द्वारा थोबल (मणिपुर) में चाइल्ड फ्रेंडली पुलिस कॉर्नर का उद्घाटन।

• चाइल्डलाइन सेनापति (मणिपुर) को कार पर चाइल्डलाइन स्टिकर रखने और जिले के महत्वपूर्ण स्थानों पर होर्डिंग्स लगाने के लिए पर्यटन विभाग और स्थानीय निकायों से अनुमति प्रदान की गई।

• चाइल्डलाइन सेपाहिजला, त्रिपुरा को जिले में मानव तस्करी विरोधी इकाई की सदस्यता मिली।

• एस.पी खोवाई त्रिपुरा ने चाइल्डलाइन को 'प्रयास' के समन्वय से काम करने की अनुमति दी है, जो त्रिपुरा पुलिस की एक पहल थी ताकि समुदाय के साथ मिलकर काम किया जा सके।

राज्य चाइल्डलाइन सलाहकार बोर्ड की बैठक फरवरी, २०२० के महीने में आयोजित की गई थी। नागालैंड के आयुक्त सह समाज कल्याण विभाग सरकार ने इस बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में नगालैंड के सभी जिलों के चाइल्डलाइन निदेशकों और समन्वयकों ने भाग लिया।

इस बैठक में अपर सचिव सूचना एवं जनसंपर्क, प्रशिक्षण अधिकारी–निदेशालय स्कूल शिक्षा, उप सचिव नगर निगम कार्य, अवर सचिव श्रम एवं रोजगार, कौशल, विकास एवं उद्यमिता, सहायक विधिक स्मरण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, समाज कल्याण भी उपस्थित थे।

प्रमुख चर्चाएँ:

• नगालैंड में संशोधित बाल एवं किशोरावस्था श्रम (निषेध एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, २०१६ के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए और सभी जिलों में बाल श्रम पर जिला टास्क फोर्स का उन्मुखीकरण किया गया।

• सी.आई.एफ, एस.सी.पी.एस और चाइल्डलाइन के समन्वय से पॉक्सो अधिनियम पर विशेष ध्यान देने के साथ न्यायिक मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण।

• स्कूलों में जागरूकता लाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा चाइल्डलाइन को अधिकृत करने का नोटिस।

• ए.एच.टी.यू द्वारा सभी जिलों में मानव तस्करी पर संवेदनीकरण।

नागालैंड के कोहिमा में चाइल्डलाइन राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक

पश्चिम बंगाल

पिछले वित्तीय वर्ष में अप्रैल २०१९ से मार्च २०२० तक, कोलकाता, दक्षिण २४ परगना, हुगली, पश्चिम मेदिनीपुर, पूर्व बर्धमान, मालदा, उत्तर २४ परगना, बांकुड़ा, बीरभूम, कूच बेहर, उत्तर दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, नादिया, कालिम्पोंग, दार्जिलिंग, दक्षिण दिनाजपुर और पुरुलिया जिलों में कैब बैठकोंका आयोजनकिया गया।

इस बैठक में लिए गए मुख्य निर्णय : –

किसी भी बाल विवाह के मामलें में, पुलिस के साथ ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की टीम चाइल्डलाइन की टीम के हस्तक्षेप किए बिना आश्वस्त किए गए स्थान पर जाएगी। पुलिस सी.डब्ल्यू.सी के सामने बच्चे को पेश करेगी और हमेशा की तरह चाइल्डलाइन के प्रतिनिधि के आने का इंतजार नहीं करेगी।

डी.पी.ओ, एस.एस.एम और डी.पी.ओ (आई.सी.डी.एस) द्वारा चाइल्डलाइन १०९८ की दृश्यता के संबंध में सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्र में वॉल पेंटिंग लगाई जाएगी।

• पुलिस कर्मचारी और संबंधित प्राधिकरण बाल विवाह की रोकथाम के दौरान चाइल्डलाइन उत्तर दिनाजपुर को सहयोग देंगे।

• किसी भी बच्चे को पुलिस पहले सी.डब्लू.सी के सामने पेश करेगी और बच्चे को सी.डब्ल्यू.सी के सामने पेश किए बगैर परिवार को सौंपा नहीं जाएगा।

• मामले में हस्तक्षेप के दौरान संबद्ध प्रणाली चाइल्डलाइन को आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

• कूचबिहार के चाइल्डलाइन टीम के सदस्यों हेतु आईडी कार्ड जारी करने संबंधी विचार–विमर्श करना।

• सभी ब्लॉक डेवलपमेंट बैठकों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की

बैठकों में चाइल्डलाइन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

- चाइल्डलाइन के प्रचार को बढ़ाने हेतु परिवहन, विद्यालयों, बी.डी.ओ कार्यालयों, ग्राम पंचायतों, पुलिस स्टेशनों, बस स्टैंड आदि सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग लगाना।
- घाटल ब्लॉक के रेड लाइट एरिया में बच्चे की स्थिति पर सर्वेक्षण संबंधी मामलें।
- आर.टी.ओ से अनुरोध किया जाएगा कि जागरूकता के लिए जिले में चलने वाले सभी सरकारी और निजी परिवहन वाहनों में प्रदर्शित करने हेतु चाइल्डलाइन स्टिकर का वितरण किया जाए।
- दक्षिण दिनाजपुर जिले में बाल श्रम के सभी मामलों में श्रम विभाग से सहयोग के बारे में चर्चा करना।
- जिले में चाइल्ड फ्रेंडली कॉर्नर की स्थापना के संबंध में चर्चा करना क्योंकि चाइल्डलाइन एक आपातकालीन आउटरीच सेवा है और यह बच्चों को आश्रय उपलब्ध नहीं कर सकती है।

नादिया में सी.ए.बी की बैठक, पश्चिम बंगाल

कोलकाता में सी.ए.बी की बैठक, पश्चिम बंगाल

दक्षिण दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल में सी.ए.बी की बैठक

पश्चिम
गुजरात

चाइल्डलाइन सलाहकार बोर्ड का गठन मामले के हस्तक्षेपों के दौरान उत्पन्न होने वाली कमियों को पाटने के उद्देश्य से किया जाता है और इसमें सभी संबद्ध प्रणालियों, गैर–सरकारी संगठनों, संबंधित व्यक्तियों, मीडिया आदि के वरिष्ठ स्तर के पदाधिकारी भी शामिल रहते हैं। यह एक आवधिक समीक्षा करते समय शहर की चाइल्डलाइन के लिए एक नीति बनाने वाली संस्था के रूप में कार्य करता है। सी.ए.बी बैठकों के मुख्य झलकियाँ निम्नलिखित हैं:

- प्रायोजन योजना पर आनंद के जिला कलेक्टर, सी.ए.बी के अध्यक्ष द्वारा चर्चा की गई थी।
- डी.सी.पी.ओ को घर के तीन बच्चों के लिए एम.ए वात्सल्य कार्ड जारी करने के लिए स्वास्थ्य विभाग से सहायता की जरूरत होती है।

दमन और दीव में सी.ए.बी की बैठक

• जिलाधिकारी ने बाल विवाह मामलों और बचाव कार्यों में कुशल हस्तक्षेप के लिए चाइल्डलाइन की सराहना की ।

• चाइल्डलाइन १०९८ सेवा द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा के लिए जिला कलेक्टर के साथ खेड़ा में कैब की बैठक आयोजित की गई।

• सभी सरकारी विभागों में होर्डिंग और पोस्टरों के माध्यम से अपनी सेवा दृश्यता बढ़ाने के लिए चाइल्डलाइन १०९८ को सुझाव दिया गया।

महाराष्ट्र

कोल्हापूर

सी.ए.बी का गठन उन सभी विभागों से सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त करने और विभिन्न मामलों से संबंधित मुद्दों और प्रक्रियाओं पर चर्चा करने के लिए होते हैं जो बच्चों से जुड़े होते हैं। जिलाधिकारी कैब के अध्यक्ष होते हैं। डी.एस.पी, डी.डब्ल्यू.सी.डी, डी.सी.पी.यू, सी.डब्ल्यू.सी, जे.जे.बी, सहायक श्रमायुक्त, सिविल अस्पताल के डीन व सिविल सर्जन, प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा अधिकारी, सी.ई.ओ, डिप्टी सी.ई.ओ, डब्ल्यू.सी.डब्ल्यू, जे.ड.पी, रेलवे मैनेजर, एस.टी मैनेजर, बी.एस.एन.एल मैनेजर, डी.ई.ओ सभी सी.ए.बी के सदस्य होते हैं। कैब की बैठक में नगर आयुक्त विशेष आमंत्रित सदस्य होते हैं।

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में सी.ए.बी की बैठक

निर्णय का कार्यान्वयन

• सी.एस.आर से गुजरने वाले नए रिक्शे में आर.टी.ओ १०९८ नंबर की जागरूकता के लिए सहायता प्रदान करता है।

• वी.सी.पी.सी को बच्चों के मुद्दों और हस्तक्षेप के दौरान चाइल्डलाइन का समर्थन करना चाहिए ।

• सी.डब्ल्यू.सी को बाल विवाह के मामलों में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। पुलिस विभाग को क्राइम मीटिंग्स में चाइल्डलाइन के साथ भाग लेना चाहिए और इन मामलों में सहयोग देना चाहिए।

• सी.पी.आर अस्पताल को बैठक में चाइल्डलाइन के साथ भाग लेना चाहिए और कर्मचारियों को चाइल्डलाइन के बारे में जागरूक करना चाहिए।

महाराष्ट्र के नांदेड़ में सी.ए.बी की बैठक

दक्षिण

तेलंगाना

चाइल्डलाइन सलाहकार बोर्ड (सी.ए.बी) की बैठक खम्मम और जगतियाल, मंचेरियल, जोगुलम्बा गडवाल और वारंगल शहरी जिलों में हुई। खम्मम के सी.ए.बी की बैठक की अध्यक्षता जिला कलेक्टर श्री आर.वी. कर्णन, भा.प्र.से. एवं जगतियाल जिले में आयोजित सी.ए.बी की बैठक जिला कलेक्टर श्री सरत भा.प्र.से. की अध्यक्षता में आयोजित किए गए।

जिला शिक्षा अधिकारी खम्मम ने सभी स्कूलों में चाइल्डलाइन १०९८ के प्रदर्शन के लिए और चाइल्डलाइन के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को परिपत्र जारी किया।

जिला पंचायत अधिकारी द्वारा सभी पंचायतों को चाइल्डलाइन पर जागरूकता सृजन और पंचायत बैठकों/ग्राम सभाओं में बाल संरक्षण मुद्दों पर चर्चा करने हेतु परिपत्र जारी किया गया। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत भवनों पर चाइल्डलाइन प्रतीक चिह्न (लोगो) और नंबर को रंगीन करने का भी निर्देश दिया।

खम्मम जिले के जिला मध्यवर्ती शिक्षा अधिकारी द्वारा चाइल्डलाइन के साथ समन्वय में जागरूकता कार्यक्रम को संचालित करने के लिए जिले के सरकारी जूनियर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को एक परिपत्र जारी किया।

तेलंगाना में आयोजित सी.ए.बी बैठक

तेलंगाना में आयोजित सी.ए.बी बैठक

सी.ए.बी बैठक का परिणाम:

- पंचायतों के माध्यम से प्रचार में वृद्धि।
- ४४ जी.पी.एस के रूप में वॉल राइटिंग।
- संबंद्ध प्रणालियों का समन्वय एवं सहयोग में सुधार हुआ।
- श्रम विभागों से सहयोग में सुधार हुआ।
- बाल मजदूरी के मुद्दे पर संबद्ध प्रणालियों के साथ २ अनुवर्ती सम्मिलन (अभिबिंदुता) बैठकें आयोजित की गईं।
- श्रम विभाग के साथ २ अनुवर्ती संमिलन (अभिबिंदुता) बैठकों के परिणामस्वरूप ईंट भट्ठा के आसपास १० कार्य–स्थल (वर्कसाइट) स्कूल स्थापित हुए।
- संबद्ध विभागों के साथ तालमेल में सुधार हुआ।
- समन्वय में सुधार हुआ।
- शिक्षा विभाग के सहयोग में सुधार हुआ।

कर्नाटक

राज्य में सी.ए.बी का गठन २०१७ में किया गया और कर्नाटक राज्य सरकार के साथ नियमित नेटवर्किंग एवं समर्थन के रूप में उन्होंने नियमित आधार पर बैठकें आयोजित की गई। संबंधित राज्य विभाग के निदेशकों के साथ बैठकों की अध्यक्षता की श्रीमती उमा महादेवन, भा.प्र.से., प्रमुख सचिव डी.डब्ल्यू.सी.डी द्वारा गई। कर्नाटक के सभी जिला कलेक्टरों को परिपत्र जारी किया गया।

२६ जिलों में नियमित रूप से जिला स्तरीय सी.ए.बी बैठकें आयोजित की गई और साथ ही आईडी कार्ड भी प्रदान किए गए। प्रचार, जागरूकता सृजन और सेवाओं का संवर्धन जैसी अन्य प्रमुख पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

९ एवं १० नवम्बर, २०१९ को, एन.आई.पी.सी.सी.डी द्वारा आयोजित जेजे प्रणाली में बच्चों के पुनर्वास और सामाजिक पुन: एकीकरण पर परामर्श बैठक आयोजित की गई। सुश्री जेनिफर ने बैठक में भाग लिया और दक्षिण क्षेत्र में चाइल्डलाइन गतिविधियों को प्रस्तुत किया।

एन.आई.पी.सी.सी.डी द्वारा मजिस्ट्रेट, जे.जे.बी, सी.डब्ल्यू.सी, डी.सी.पी.ओ और चाइल्डलाइन के सदस्यों के लिए बाल संरक्षण पर उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन २८ और २९ जनवरी, २०२० को किया गया।

सी.आई.सी सुश्री जेनिफर ने ५ जुलाई को एन.सी.पी.सी.आर की बैठक में भाग लिया जो कलबुर्गी मंडल (डिवीजन) में आयोजित किया गया। उन्होंने चाइल्डलाइन के आँकड़ों (डेटा) को प्रस्तुत किया और कुछ मामलों को एनसीपीसीआर के संज्ञान में लाया गया।

२ फरवरी, २०२० को सुश्री चित्रा अंचन ने **राज्य स्तरीय संवेदीकरण व जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया जिसे जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र के सभी प्रमुखों व प्रधानाचार्यों के लिए आयोजित किया गया था।** इस सत्र के सभी वक्ताओं में से सुश्री अंचन भी एक थीं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों को उनकी परीक्षाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण से जागरूक बनाना था। सुश्री अंचन ने चाइल्डलाइन के बारे में और यह कैसे कार्य करता है, के विषय पर भी चर्चा की। साथ ही, विद्यालयों के संबंध में प्रकृति की पुकार पर भी चर्चा हुई। यह पहल के एस.सी.पी.सी.आर के निर्देशों के अनुसार की गई।

सी.ए.बी बैठक का परिणाम:

- सी.ए.बी का गठन २८ जिलों में किया गया है।
- सी.डी.पी.ओ की सहायता से आपातकालीन मामलों के दौरान चाइल्डलाइन टीम के लिए वाहन सुविधा प्रदान कराया गया।
- प्रचार और सेवा संवर्धन से संबंधित ४२ परिपत्र प्राप्त किए गए।

• डी.सी ने नियमित समन्वय बैठकों का संचालन करने का आदेश दिया।

• तालुका स्तर के अधिकारियों ने एक व्हाट्सएप समूह का गठन किया।

• अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और सभी सरकारी भवनों के दीवार पर चित्रकला बनाई गई।

• बाल विवाह, सी.एस.ए और अन्य मामलों के दौरान चाइल्डलाइन टीम का समर्थन करना।

• सी.डी.पी.ओ की सहायता से आपातकालीन मामलों के दौरान चाइल्डलाइन टीम के लिए वाहन सुविधा प्रदान करायी गई।

• सभी मैरेज हॉल के मालिकों और पुजारियों के लिए पी.सी.एम के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

कोडगु, कर्नाटक में सी.ए.बी बैठक

केरल

वर्ष २०१९–२०२० की अवधि में आयोजित चाइल्डलाइन सलाहकार बोर्ड (सी.ए.बी) की बैठकें अनेक परिणाम दे सकीं। सी.आई.एफ ने १४ जिलों में १४ सी.ए.बी की बैठकें आयोजित करने की योजना बनाई थी, जिसमें से ९ सी.ए.बी आयोजित की गईं, जिन जिलों में सी.ए.बी की बैठकों का आयोजन नहीं किया गया, वे डी.सी.पी.सी की बैठकों में सी.ए.बी के कार्यसूची (एजेंडा) की कमी को पूरा किया। हालांकि, सी.ए.बी बैठकों से विभिन्न संबद्ध जिला विभागों के प्रमुखों ने डी.सी.पी.सी की तुलना में कई सकारात्मक निर्णय लिए हैं। कुछ सी.ए.बी सी.आई.एफ के प्रतिनिधियों की भागीदारी से आयोजित की गईं और उनसे उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए।

कुल मिलाकर, ये सी.ए.बी बैठक की अध्यक्षता करने के लिए जिला कलेक्टर/ए.डी.एम की भागीदारी सुनिश्चित कर और म हत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कोझीकोड

सी.ए.बी की बैठक के परिणामस्वरूप जिला चिकित्सा अधिकारी ने अस्पतालों और उसके परिसर में चाइल्डलाइन प्रदर्शित बोर्डों के लिए निर्देश जारी किए। कोझिकोड बीच अस्पताल में पांच प्रदर्शित बोर्ड लगाए गए। उप निदेशक शिक्षा ने प्रधान अध्यापकों को डी. एल.एस.ए और चाइल्डलाइन के सहयोग से पॉक्सो जागरूकता आयोजित करने का निर्देश दिया। कुटुम्बश्री जिला मिशन के समन्वयक ने सी.डी.एस अध्यक्षों और जिला युवा कल्याण बोर्ड के प्रशिक्षण के लिए चाइल्डलाइन का समर्थन किया। चाइल्डलाइन ने बाल संरक्षण में युवाओं की भूमिका पर युवा क्लब लीडरों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया ।

त्रिसूर

१६ जून, २०१९ को त्रिसूर चिड़ियाघर के पूछताछ काउंटर के पास चाइल्डलाइन प्रदर्शित बोर्ड लगाया गया। चाइल्डलाइन पोस्टर सभी पुलिस स्टेशनों पर प्रदर्शित किए गए। विद्यालय स्तर पर म ादक पदार्थों के सेवन एवं नशीली दवाओं के दुष्परिणाम के प्रति जागरूकता–शून्य क्षेत्र एवं नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। २२ अक्टूबर, २०१९ को सी.एम. पी.ओ के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण डब्ल्यू.सी.डी के सहयोग से आयोजित किया गया। एन.एच.एम के सहयोग से स्कूल जे.एफ एन. एस के लिए भी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

त्रिवेंद्रम

स्वास्थ्य विभाग ने सी.एस.ए पीड़ितों को चिकित्सा जांच और उपचार की प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसके लिए डी.एम.ओ द्वारा एक परिपत्र जारी किया गया। जिला कलेक्टर ने सभी यात्री वाहनों में चाइल्ड १०९८ नंबर चिपकाने के लिए परिवहन अधिकारी से अनुरोध किया। स्थानीय स्वशासन के निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कासरगोड

जिले के सभी विद्यालयों की कक्षाओं में पोस्टर प्रदर्शित के माध्यम से चाइल्डलाइन प्रदर्शिता तय करने हेतु आदेश दिया गया। इसके बाद महिला मंद्रिरम के बच्चों को बस रियायत कार्ड जारी किया गया और आर.टी.ओ का पास भी दिया गया। चाइल्डलाइन १०९८ के प्रदर्शित बोर्ड को पंचायत कार्यालय में रखा गया था।

चाइल्ड हेल्प डेस्क (CSD)

रेलवे स्टेशनों पर आपातकालीन सेवाओं में त्वरणशीलता

भारत का रेलवे नेटवर्क विश्व में सबसे बड़ा नेटवर्क है जो देश को जोड़ता है तथा पूरे वर्ष यात्रियों और वस्तुओं के आवागमन को सुगम बनाता है। इसमें ७,३४९ स्टेशनों के बीच ६७,४१५ किलोमीटर की दूरी पर १,२३,५४२ किलोमीटर की दूरी पर ट्रैक शामिल है। वर्ष २०१८–१९ में इस नेटवर्क में प्रति वर्ष ८४० करोड़ से अधिक यात्री या एक दिन में २३ मिलियन से अधिक यात्री सफर करते हैं।

संपूर्ण विश्व में भारत देश में ही सबसे अधिक बच्चे (३९% जनसंख्या) हैं। अनुमानों के मुताबिक, देश में कम से कम ४०% बच्चे ऐसी स्थितियों में रहते हैं जो उन्हें दुर्व्यवहार और शोषण के प्रति असुरक्षित बनाती हैं। इस आबादी का एक बड़ा हिस्सा शहरी इलाकों में रहता है, छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों से चल कर आजीविका के अवसरों की खोज करने, बेहतर जीवन जीने की उम्मीद में और कुछ मामलों में फिल्म सितारों से मिलने के अपने सपनों को साकार करने के लिए भी जीवन व्यतीत करते हैं। और इनमें से बहुत से इन शहरी केंद्रों तक पहुंचने के लिए रेलवे नेटवर्क का उपयोग करते हैं। वे शहर रेलगाड़ियों के माध्यम से यात्रा करके या तो व्यक्तिगत भगोड़े बच्चों के रूप में या कई मामलों में एक संगठित तस्करी नेटवर्क के माध्यम से समूहों के रूप में पहुंचते हैं। इस प्रक्रिया में बड़े रेलवे स्टेशन महत्वपूर्ण पारगमन बिंदु हैं। विशाल रेलवे नेटवर्क, जो देश की इतनी महत्वपूर्ण जीवनरेखा है, का दुरुपयोग गंभीर रूप से किया जाता है।

बहुत से बच्चे, जो रेलगाड़ियों में शहरी केंद्रों पर आते हैं, रेलवे स्टेशनों में पहले रुकने के लिए काम करते हैं। इस प्रकार ये रेलवे स्टेशन कमजोर बच्चों की पहचान करने और उनकी सहायता करने के लिए प्रमुख आउटरीच बिंदु बन सकते हैं इसलिए रेलवे स्टेशनों पर समन्वित प्रयासों और ध्यान केंद्रित कार्यक्रमों की मांग की है।

चाइल्डलाइन ने कई साझेदार के सहयोग को शामिल करते हुए रेलवे स्टेशनों के आसपास सुरक्षा जाल प्रदान करने के लिए संस्थागत तंत्र की स्थापना की जिसका उद्देश्य था अंतरण (स्थानांतरण) के दौरान सुरक्षा से लेकर शोषण तक या यहां तक कि वैकल्पिक विकल्प उपलब्ध कराकर सड़कों पर रहने वाले बच्चों को बचाना है। इसका उद्देश्य बच्चे की जरूरतों पर प्रतिक्रिया देना था, इससे पहले कि यह ऐसी स्थिति में आगे बढ़ जाए जहां बच्चा शोषण और शोषण के प्रति अधिक कमजोर (असुरक्षित) हो जाता है।

वर्ष २०१५–१६ में बच्चों के प्रति अतिसंवेदनशीलता को दूर करने और उनके दुरुपयोग को रोकने के लिए साझा कार्यसूची (एजेंडा) के साथ दो प्रमुख मंत्रालयों और कई सिविल सोसायटी के भागीदारों के बीच साझीदारी ने एक अनूठी पहल की शुरुआत की। मार्च २०१५ में एक मानक परिचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी) तैयार की गई थी और १९ मई, २०१५ को रेल मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे जो ऑपरेटिव निर्देशों में से एक था वह एसओपी का एक हिस्सा था।

एक संस्थागत तंत्र के रूप में रेलवे स्टेशनों पर चाइल्डलाइन चिल्ड्रन हेल्प डेस्क/कियोस्क/बूथ स्थापित किए गए। इन्हें चाइल्डलाइन के साझेदारों द्वारा संचालित किया जाना था, जो बच्चों को प्राप्त कर रहे थे, उनका पुनर्वास किया जा रहा था और उन्हें बहाल किया जा रहा था। चाइल्डलाइन सहायता डेस्क उन रेलवे स्टेशनों पर बच्चों की ओर तत्काल ध्यान देने में मदद करती है, जो बिना वयस्कों/सहचर के होते हैं और इस प्रकार भागे हुए बच्चों, खोए हुए या परित्यक्त बच्चों और अन्य कठिन परिस्थितियों में बच्चों को व्यवस्थित और संस्थागत तरीके से समस्या के निदान में मदद करती है। एक प्रमुख क्षेत्र में स्थित होने के कारण सहायता डेस्क न केवल संवेदनशील बच्चों की जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि खतरा होने पर बच्चों की मदद कैसे की जा जाए जिससे नागरिक भागीदारी को भी बढ़ावा दिया जा सकता है।

रेलवे के संपर्क में आने वाले बच्चों को नियमित दायरे में आने वाली चाइल्डलाइन सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है जो आउटरीच प्रयासों, १०९८ हेल्पलाइन पर सूचित किए जाने वाली कॉल एवं दर्ज़ रिपोर्ट के आधार पर और संबंधित वयस्कों द्वारा संदर्भित मामलों में चलते हैं। बच्चों की सहायता में बच्चों की शोषण की स्थिति से संरक्षण, उन्हें बाल कल्याण समिति (सी.डब्लू.सी) के समक्ष प्रस्तुत करना और उसके बाद लंबे पुनर्वास सेवाओं के संबंध शामिल हैं।

मार्च २०२० तक, चाइल्डलाइन पूरे भारत में १२८ रेलवे स्टेशनों पर कार्यरत है और इस कार्यक्रम को उत्तरोत्तर अधिक रेलवे स्टेशनों तक बढ़ाया जाएगा।

परिपत्र

कार्यालय जिलाधिकारी चित्रकूट।

[illegible]

सार्वजनिक स्थानों और स्कूलों में चाइल्डलाइन १०९८ की दीवार पेंटिंग के लिए जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किया गया परिपत्र।

कार्यालय सामु० स्वा० केन्द्र अधीक्षक निचलौल–महराजगंज

[illegible]

प्रमुख स्थानों पर चाइल्डलाइन का डिस्प्ले के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी परिपत्र

OFFICE OF THE BLOCK DEVELOPMENT OFFICER CAD BLOCK BARNOTI

CIRCULAR

Sub: - Regarding Co-operation of awareness program by the Childline Kathua.

Childline India Foundation is going to organize awareness programe among the children of below 18 in our block. It is enjoined upon all the Secretary Panchayats to inform all the Panches and Sarpanches of our block to provide mass publicity among the masses and co-operate with the officer/official of Childline Kathua Project of Ministry of Women and Child Development, Government of India.

No:-BDO/B/2019-20/2165
Dated: - 10/03/2020

(Om Dutt Attri)
Block Development Officer
Kathua

बी.डी.ओ बरनोटी का परिपत्र

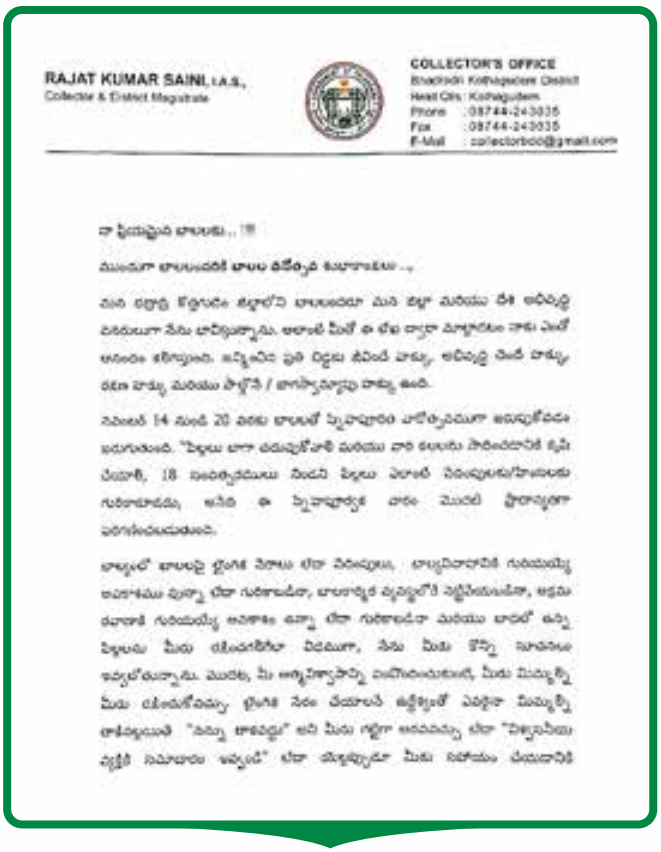

RAJAT KUMAR SAINI, I.A.S.,
Collector & District Magistrate

COLLECTOR'S OFFICE
Bhadradri Kothagudem District
Head Qrs: Kothagudem
Phone : 08744-243035
Fax : 08744-243035
E-Mail : collectorbdd@gmail.com

[illegible]

भद्राद्री कोठागुडम के कलेक्टर महोदय का संदेश

... 24 X 7 ... CHILDLINE 1098 ...

బాలల సహాయ లైన్	:	1098
జిల్లా ... కోఆర్డినేటర్	:	96406 71098
జిల్లా బాలల సంరక్షణ అధికారి	:	99894 90353
జిల్లా బాల సంక్షేమ సమితి	:	94922 04510
జిల్లా సంక్షేమ అధికారి	:	94922 67936
జిల్లా విద్యాశాఖాధికారి	:	90007 73421

కలెక్టర్

జిల్లా కలెక్టర్

भद्राद्री कोठागुडम के कलेक्टर महोदय का संदेश

GOVERNMENT OF ASSAM
SOCIAL WELFARE DEPARTMENT
Block – D, 1st Floor, Dispur,
Janata Bhawan, Guwahati- 781 006, socialwelfare1975@gmail.com

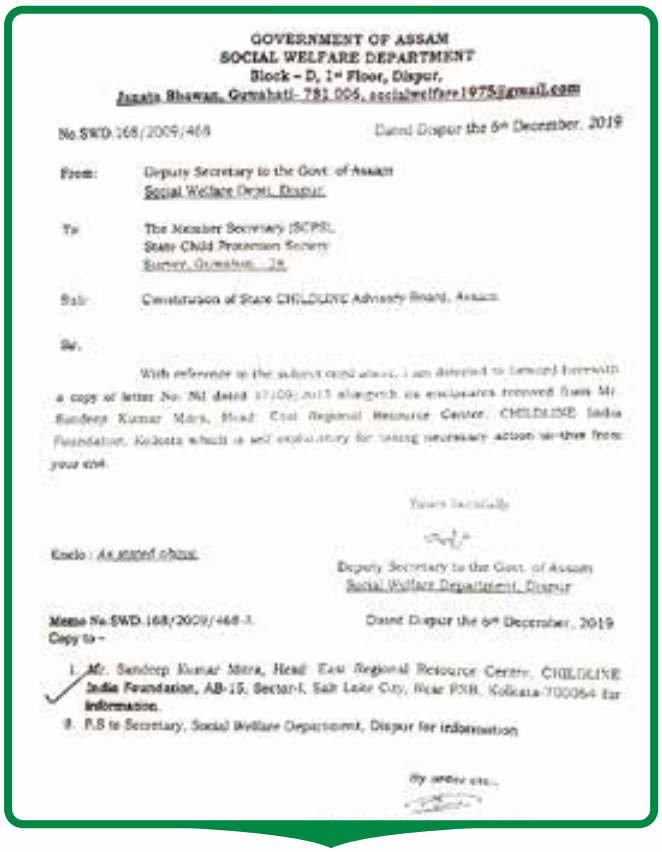

No.SWD.168/2009/468 Dated Dispur the 6th December, 2019

From: Deputy Secretary to the Govt. of Assam
Social Welfare Deptt. Dispur.

To: The Member Secretary (SCPS),
State Child Protection Society
..., Guwahati – 28

Sub: Constitution of State CHILDLINE Advisory Board, Assam.

Sir,

With reference to the subject cited above, I am directed to forward herewith a copy of letter No. Nil dated 17/09/2019 alongwith its enclosures received from Mr. Sandeep Kumar Mitra, Head, East Regional Resource Centre, CHILDLINE India Foundation, Kolkata which is self explanatory for taking necessary action from your end.

Yours faithfully,

Deputy Secretary to the Govt. of Assam
Social Welfare Department, Dispur

Enclo: As stated above.

Memo No.SWD.168/2009/468-A Dated Dispur the 6th December, 2019
Copy to –

1. Mr. Sandeep Kumar Mitra, Head, East Regional Resource Centre, CHILDLINE India Foundation, AB-15, Sector-I, Salt Lake City, Near PNB, Kolkata-700064 for information.
2. P.S to Secretary, Social Welfare Department, Dispur for information.

By order etc.,

असम में राज्य स्तरीय सलाहकार बोर्ड का गठन

PROCEEDINGS OF THE DISTRICT EDUCATIONAL OFFICER & EX- OFFICIER DISTRICT PROJECT OFFICER, KHAMMAM
Present: Sri. P. Madan Mohan, M.Com, M.S.W., B.Ed.,

R.C.NO.4856/B8 Child line 1098 (CAB)/TSS/ 2019-20 Dt: .10.2019

Sub: TSS, Khammam-CHILDLINE-1098 Advisory Board (CAB)- Instructions to all HMs and MEOs to display CHILDLINE Logo - and conduct awareness camps for implementation of Child Protection Policy & Rights- Reg.-Orders – Issued.

Ref: 1. Letter of Child Line-1098-Khammam from the Society for Community Participation & Education in Rural Development-Khammam Dt:19.09.2019.
2. Minutes of the meeting held on 26.09.2019 at Collector, Khammam.

@O@

The District Collector & Chairman of Child line Advisory Board (CAB) conducted meeting with the concerned officers for effective implementation of Child Rights Protection Policy and conduct awareness camps on Child line in all schools.

In this connection all the Headmasters of all managements are instructed to protect and implement all Child rights and also implement the following guidelines.

1. Display of CHILD LINE Logo in the school- (Wall Painting)
2. Allow child line-1098 team to conduct awareness camps on child line – 1098 services during their visit to school.
3. A study Certificate should be issued in the case of child marriage and child labour intervention.
4. Provide study certificate of the children when child line team needed in the intervention.
5. During the team visit to the school, allow them to taste the midday meal.
6. During the MEOs meetings, complex meeting and HM & Teachers meetings permission maybe given to child line to discussion children issues.

The Mandal Educational Officers are instructed to Communicate to all the Headmasters for effective implementation of all the guidelines under child protection policy and rights and also depute CRPs to assist child line 1098 in the process of rejoining the dropout children.

The MEOs are also instructed to see that the above guidelines are implemented effectively in schools during their visit and monthly reports may be submitted to this office.

District Educational Officer &
Ex- Officio District project Officer,
TSSA, Khammam district.

To
All the HMs of all schools (Govt. & Private) through MEOs
Copy to all the Mandal Educational officers for taking necessary action.
Copy Submitted to the Chairman of Child line Advisory Board& Chairman, TSSA& District Magistrate Khammam for favour of Information.
Copy to PA file.

डी.ई.ओ परिपत्र–खम्मम–तेलंगाना

CHILDLINE -1098, Hisar
(A project of Ministry of Women & Child Development, Government of India)

Date-28/08/2019

सेवा में
जिला कार्यक्रम अधिकारी,
हिसार।

विषय- हिसार जिले के आंगनवाड़ी केन्द्रों में चाइल्डलाइन नंबर 1098 प्रदर्शित करवाने बारे।

श्रीमती जी,

... (ICPS) ...

... (MRYDO) ...

धन्यवाद।

केंद्र कोऑर्डिनेटर
चाइल्डलाइन,हिसार(1098)

जिला हिसार के सभी अगनवाड़ी केंद्र में १०९८ डिसप्ले।

DISTRICT OFFICE: JAGATSINGHPUR
(SOCIAL WELFARE SECTION)

No. 1077 /DSW   Dated 31st August 2019

To,
The CDPOs of all 8 Blocks
Jagatsinghpur district.

Sub: Allow CHILDLINE Jagatsinghpur team for Awareness programmes on 1098 service.

Madam,
You are aware that CHILDLINE 1098 service is available in our district since 28.3.2010.
Radhakrushna Club is assigned the project as a Collaborative(Collab) organisation to build awareness among different stake holders towards propagation of 1098 service and different Child Right issues like Child Marriage, Child labour, Drop out of Children, Physical & Sexual abuse of children etc.
You are therefore requested to permit CHILDLINE team to build awareness among AWWs at sector & Project level and among SHG members at Anganwadi Centre level.

If any instance of Child Abuse and Child Right violation cases came to knowledge, immediately to be reported to Toll Free Number 1098.

This is for your kind information & necessary action.

Yours faithfully,
District Social Welfare Officer,
Jagatsinghpur.

No. 1079 /DSW, dated 31st August 2019.

Copy to the District Child Protection Officer, Jagatsinghpur / Director, Childline C/O- Radhakrushna Club, Durga Bazar, Jagatsinghpur for information.

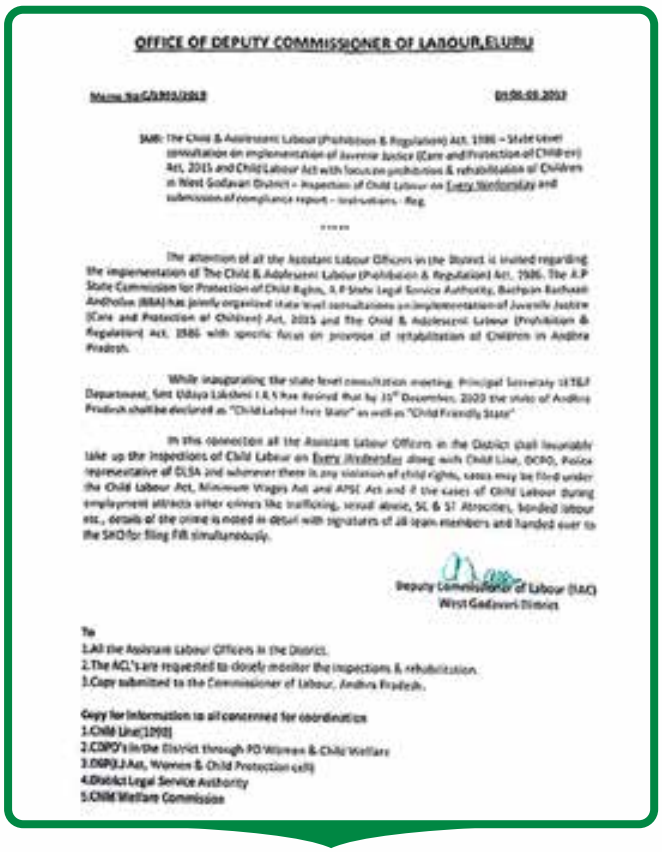

District Social Welfare Officer,
Jagatsinghpur

डी.एस.डब्ल्यू.ओ– जगतसिंहपुर–परिपत्र

OFFICE OF DEPUTY COMMISSIONER OF LABOUR,ELURU

SUB: The Child & Adolescent Labour (Prohibition & Regulation) Act, 1986 – State Level consultation on implementation of Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 and Child Labour Act with focus on prohibition & rehabilitation of Children in West Godavari District – Inspection of Child Labour on Every Wednesday and submission of compliance report – Instructions - Reg.

*****

The attention of all the Assistant Labour Officers in the District is invited regarding the implementation of The Child & Adolescent Labour (Prohibition & Regulation) Act, 1986. The A.P State Commission for Protection of Child Rights, A.P State Legal Service Authority, Bachpan Bachaao Andholan (BBA) has jointly organized state level consultations on implementation of Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 and The Child & Adolescent Labour (Prohibition & Regulation) Act, 1986 with specific focus on provision of rehabilitation of Children in Andhra Pradesh.

While inaugurating the state level consultation meeting, Principal Secretary LET&F Department, Smt Udaya Lakshmi I.A.S has desired that by 31st December, 2020 the state of Andhra Pradesh shall be declared as "Child Labour Free State" as well as "Child Friendly State"

In this connection all the Assistant Labour Officers in the District shall invariably take up the inspections of Child Labour on Every Wednesday along with Child Line, DCPO, Police representative of DLSA and wherever there is any violation of child rights, cases may be filed under the Child Labour Act, Minimum Wages Act and APSE Act and if the cases of Child Labour during employment attracts other crimes like trafficking, sexual abuse, SC & ST Atrocities, bonded labour etc., details of the crime is noted in detail with signatures of all team members and handed over to the SHO for filing FIR simultaneously.

Deputy Commissioner of Labour (FAC)
West Godavari District

To
1.All the Assistant Labour Officers in the District.
2.The ACL's are requested to closely monitor the inspections & rehabilitation.
3.Copy submitted to the Commissioner of Labour, Andhra Pradesh.

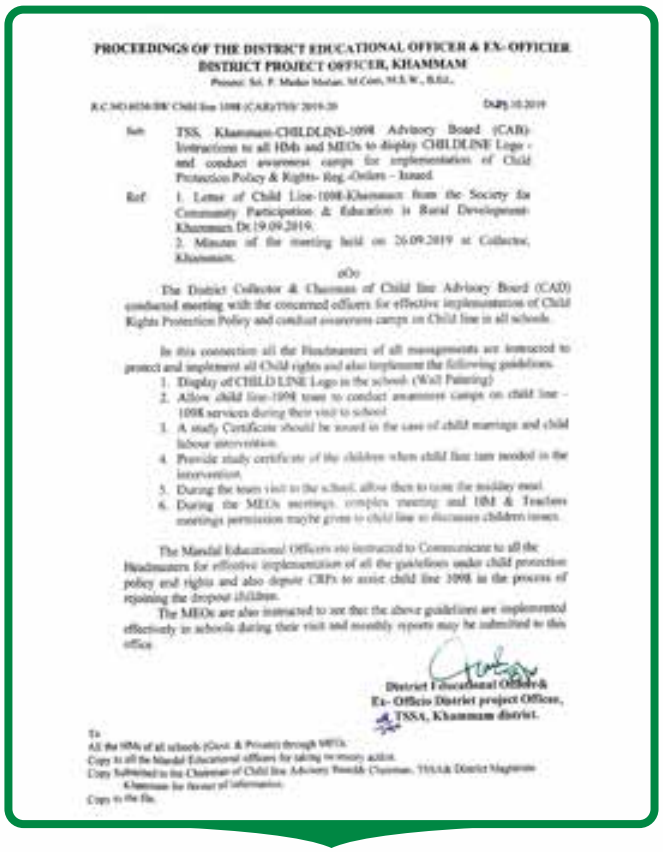

Copy for information to all concerned for coordination
1.Child Line(1098)
2.CDPO's in the District through PD Women & Child Welfare
3.DSP(JJ Act, Women & Child Protection cell)
4.District Legal Service Authority
5.Child Welfare Commission

श्रम उपायुक्त, पश्चिम गोदावरी द्वारा जारी परिपत्र

PROCEEDINGS OF THE DISTRICT EDUCATIONAL OFFICER & EX-OFFICIER DISTRICT PROJECT OFFICER, KHAMMAM

Sub: TSS, Khammam-CHILDLINE-1098 Advisory Board (CAB) Instructions to all HMs and MEOs to display CHILDLINE Logo and conduct awareness camps for implementation of Child Protection Policy & Rights- Reg. Orders – Issued.

Ref: 1. Letter of Child Line-1098-Khammam from the Society for Community Participation & Education in Rural Development Khammam Dt.19.09.2019.
2. Minutes of the meeting held on 26.09.2019 at Collector, Khammam.

The District Collector & Chairman of Child line Advisory Board (CAB) conducted meeting with the concerned officers for effective implementation of Child Rights Protection Policy and conduct awareness camps on Child line in all schools.

In this connection all the Headmasters of all managements are instructed to protect and implement all Child rights and also implement the following guidelines.
1. Display of CHILD LINE Logo in the schools (Wall Painting)
2. Allow child line-1098 team to conduct awareness camps on child line – 1098 services during their visit to school.
3. A study Certificate should be issued in the case of child marriage and child labour intervention.
4. Provide study certificate of the children when child line team needed in the intervention.
5. During the team visit to the school, allow then to taste the midday meal.
6. During the MEOs meetings, complex meeting and HM & Teachers meetings permission maybe given to child line to discusses children issues.

The Mandal Educational Officers are instructed to Communicate to all the Headmasters for effective implementation of all the guidelines under child protection policy and rights and also depute CRPs to assist child line 1098 in the process of rejoining the dropout children.
The MEOs are also instructed to see that the above guidelines are implemented effectively in schools during their visit and monthly reports may be submitted to this office.

District Educational Officer&
Ex- Officio District project Officer,
TSSA, Khammam district.

डी.ई.ओ परिपत्र– खम्मम – तेलंगाना

E-mail ID: icpsaarakar@gmail.com   Ph.No-080-22879382

Head, South Regional Resource Center Child Line India Foundation, T.Nagar, Chennai-600017.

डी.डब्ल्यू.सी.डी, दूरदर्शन केंद्र –कर्नाटक परिपत्र

सहयोग

बाल, राज्य, सिविल सोसाइटी, कॉरपोरेट्स,
समुदाय और बाल अनुकूल सामाजिक व्यवस्था के लिए
कार्य करने वाले सभी लोगों के प्रयासों के
साथ सहयोग और एकीकरण करना।

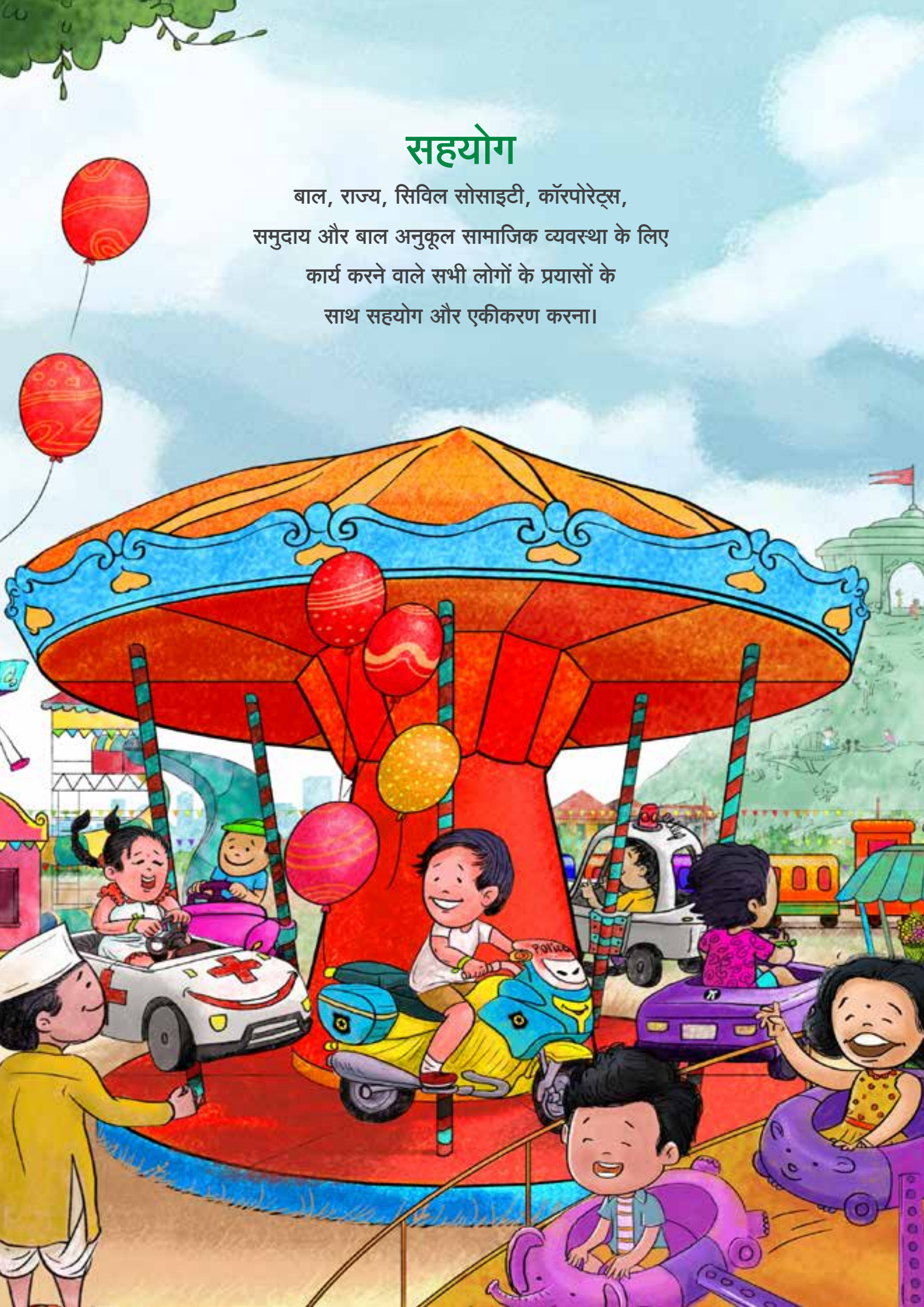

चाइल्डलाइन नेटवर्क

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन प्रत्येक दिन अपनी पहुंच बढ़ाने और विस्तारित करने हेतु, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करता है कि वह देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले हर बच्चे तक पहुँचने के अपने मिशन को पूरा करने में सक्षम हो और यह सुनिश्चित हो कि देश के प्रत्येक बच्चे को चाइल्डलाइन की आपातकालीन हेल्पलाइन सेवा पहुंच प्राप्त हो।

पूरे देश में चाइल्डलाइन टीम आवश्यक रूप से काम करती है। नए स्थानों का पता लगाने के लिए, प्रशासन में अधिकारियों से लेकर स्थानीय संगठनों तक के विभिन्न भागीदारों (साझेदारों) के साथ बातचीत करने का प्रयास करती है जिससे यह राष्ट्र के सामूहिक बाल संरक्षण नेटवर्क का विस्तार कर सके।

दिनांक ३१.०३.२०२० के अनुसार चाइल्डलाइन पार्टनर इकाइयां

	मॉडल	स्थान	सहयोग (सहकार्य)	नोडल	सहायता	उपकेंद्र	कुल	रेलवे सहयोग (सहकार्य)	कुल इकाई
उत्तर	शहरी	८५	८४	९	०	०	९३		
	गांव/देहात	७८	७७	४	०	३७	११८		
	कुल	**१६३**	**१६१**	**१३**	**०**	**३७**	**२११**	**४०**	**२५१**
पूर्व	शहरी	१९	१८	५	१०	०	३३		
	गांव/देहात	९७	९५	१०	०	११४	२१९		
	कुल	**११६**	**११३**	**१५**	**१०**	**११४**	**२५२**	**२५**	**२७७**
उत्तर पूर्व	शहरी	१४	१३	६	१	०	२०		
	गांव/देहात	३६	३४	०	०	१७	५१		
	कुल	**५०**	**४७**	**६**	**१**	**१७**	**७१**	**१**	**७२**
पश्चिम	शहरी	६९	७१	११	३	०	८५		
	गांव/देहात	५२	५१	०	०	१४	६५		
	कुल	**१२१**	**१२२**	**११**	**३**	**१४**	**१५०**	**२८**	**१७८**
दक्षिण	शहरी	६८	७१	२२	८	०	१०१		
	गांव/देहात	५१	४८	१४	०	५३	११५		
	कुल	**११९**	**११९**	**३६**	**८**	**५३**	**२१६**	**३४**	**२५०**
कुल इकाई	शहरी	२५५	२५७	५३	२२	०	३३२		
	गांव/देहात	३१४	३०५	२८	०	२३५	५६८		
	कुल	**५६९**	**५६२**	**८१**	**२२**	**२३५**	**९००**	**१२८**	**१,०२८**

पूर्वनियोजित दौरे

क्षेत्र	योजना	वास्तविक
उत्तर	६८	५०
पूर्व	८५	५८
पश्चिम	४१	३१
दक्षिण	२९	२९
कुल	**२२३**	**१६८**

संस्थानिक (इनहाउस) प्रशिक्षण

क्षेत्र	योजना	वास्तविक
उत्तर	२९	२९
पूर्व	४९	४९
पश्चिम	३९	३३
दक्षिण	१९	२०
कुल	**१३६**	**१३१**

एनवी१–डी.सी.एल.एस एवं आर.सी.एल.एस

क्षेत्र	योजना	वास्तविक
उत्तर	१६३	१७५
पूर्व	१७२	१७३
पश्चिम	१४२	१२६
दक्षिण	१४०	१४२
कुल	**६१७**	**६१६**

एनवी२–डी.सी.एल.एस एवं आर.सी.एल.एस

क्षेत्र	योजना	वास्तविक
उत्तर	२१	१८
पूर्व	२१	३२
पश्चिम	३०	३०
दक्षिण	१७	१७
कुल	**८९**	**९७**

कुल नेटवर्क दौरें (एनवी१एवं एनवी२)

क्षेत्र	योजना	वास्तविक
उत्तर	१८४	१९३
पूर्व	१९३	२०५
पश्चिम	१७२	१५६
दक्षिण	१५७	१५९
कुल	**७०६**	**७१३**

सिफ़ारिश एवं विशेष दौरें

क्षेत्र	योजना	वास्तविक
उत्तर	८१	६२
पूर्व	४२	५४
पश्चिम	१४	१४
दक्षिण	३९	३९
कुल	**१७६**	**१६९**

दिनांक ३१.०३.२०१९ को एवं ३१.०३.२०२० को जिला लोकेशन

क्षेत्र	३१.०३.२०१९ को	२०१९–२० के दौरान सामिल किया गया	३१.०३.२०२० को
उत्तर	**१३८**	**२५**	**१६३**
पूर्व	**१४६**	**२०**	**१६६**
पश्चिम	**१०१**	**२०**	**१२१**
दक्षिण	**११७**	**२**	**११९**
कुल	**५०२**	**६७**	**५६९**

रेलवे चाइल्डलाइन दिनांक ३१.०३.२०१९ से लेकर दिनांक ३१.०३.२०२० तक

क्षेत्र	३१.०३.२०१९ को	२०१९–२० के दौरान सामिल किया गया	३१.०३.२०२० को
उत्तर	२७	१३	४०
पूर्व	२३	३	२६
पश्चिम	२०	८	२८
दक्षिण	२२	१२	३४
कुल	**९२**	**३६**	**१२८**

प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आँकलन

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन ने सितंबर, २०१६ में चाइल्डलाइन ज्ञान केंद्र (चाइल्डलाइन नॉलेज हब) की स्थापना की, जिसे इसके बड़े समग्र उद्देश्यों के साथ मूल आधार से सूचना को जोड़ने की आवश्यकता है। यह बच्चों की मौजूदा संरक्षण जरूरतों को समझने, शिष्टाचारों के बारे में जानकारी और कौशल विकसित करने, कानूनों और विधि निर्माण के बारे में जानकारी और कौशल का निर्माण करने के लिए बनाया गया है, जो सहयोग के दौरान पालन किया जा रहा है और संपूर्ण एकीकृत बाल संरक्षण योजना की संरचना के साथ कार्यक्रमों को एकीकृत करता है। इसे हासिल करने के लिए ज्ञान केंद्र (नॉलेज हब) अनुसंधान सहायक सिद्ध होगा जो उन्हें सुदृढ़ बनाएगा, अनुभवात्मक शिक्षण पर नीतिगत जानकारी प्रदान करेगा तथा बाल संरक्षण से जुड़े कार्मिकों के बीच क्षमता का निर्माण करेगा। प्रशिक्षण चाइल्डलाइन ज्ञान केंद्र के कार्यों का मुख्य भाग है। इस घटक के तहत किए गए क्रियाकलापों में प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आँकलन, पाठ्यक्रम का डिजाइन, तथा सी.आई.एफ टीम, चाइल्डलाइन पार्टनर्स टीम के लिए तकनीकी एवं कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा आवश्यकतानुसार साझेदारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं जो यह ध्यान में रखते हुए कि क्षेत्रानुसार प्रशिक्षण की जरूरतें अलग–अलग हैं। प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आँकलन (टी.एन.ए) करना महत्वपूर्ण था। प्रश्नावली जैसे उपकरणों का इस्तेमाल कर, मामले के परिदृश्यों में कर्मियों के सामने आने वाली बाधाओं और चुनौतियों को स्पष्ट किया गया और जानकारी एकत्र करने के लिए प्रमुख साझेदारों के साथ एक–एक साक्षात्कार किया गया। टी.एन.ए ने प्रशिक्षण योजना तैयार करने और प्रशिक्षक नियमावली (ट्रेनर मैनुअल) विकसित करने में मदद की। इसके परिणामस्वरूप, सी.आई.एफ मौजूदा और अपेक्षित कौशल, ज्ञान और दृष्टिकोण (मनोभावों) के बीच अंतरालों को पहचानने में सक्षम हुआ। इसके परिणाम स्वरूप, सी.आई.एफ चाइल्डलाइन और सहभागी कार्मिकों के बीच मौजूदा और अपेक्षित कौशल, ज्ञान और दृष्टिकोण के बीच अंतराल की पहचान करने में सक्षम हुआ और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में क्या शामिल होना चाहिए, इसकी पहचान करने और यह भी सुनिश्चित करना कि उचित और प्रासंगिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उत्तर

सी.आई.एफ कार्मिकों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन ने चाइल्डलाइन टीमों को किसी भी बाल हस्तक्षेप मामले के दौरान कानून और प्रक्रिया से पूरी तरह सुसज्जित करने में मदद करने के लिए भागीदारों के साथ सहयोग किया। वर्ष २०१९–२० के दौरान प्रशिक्षण मुख्य रूप से संकेन्द्रीकरण, भावनात्मक सहायता, मार्गदर्शन कौशल और बाल संरक्षण अधिनियमों पर केन्द्रित था। मार्च २०२० में रेलवे चाइल्डलाइन टीमों को आउटरीच कार्यनीतियां, रेलवे को एस.ओ.पी पर प्रशिक्षण, आउटरीच रणनीतियों प्रलेखन, तस्करी (ट्रैफिकिंग) तथा हस्तक्षेप की श्रेणियां प्रदान की गईं। चाइल्डलाइन रेलवे टीम ने प्रभावित बच्चों के मनोसामाजिक सहयोग पर बल देते हुए दिल्ली जिले में दंगा पीड़ितों को राहत सेवाएं प्रदान की। बाद में युनिसेफ के साथ समन्वय स्थापित कर चाइल्डलाइन ने संकटग्रस्त बच्चों के लिए मनोसामाजिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सरकार, गैर सरकारी विभागों द्वारा आयोजित कार्यशालाओं के दौरान बच्चों के अनुकूल स्थानों की स्थापना की गई, जो कि मुख्य विशेषताएं थीं। कुल मिलाकर, चाइल्डलाइन टीम ने किशोर न्याय अधिनियम, २०१५, पॉस्को अधिनियम, २०१२, बाल विवाह अधिनियम और आई.टी.पी.ए, मादक द्रव्यों के सेवन आदि विषयों पर १३३ सत्रों के प्रशिक्षणों/कार्यशालाओं में भाग लिया।

पूर्व

पॉस्को अधिनियम, २०१२ के तहत वार्षिक समीक्षा बैठक और कौशल निर्माण पर प्रशिक्षण

पूर्व ज़ोन की पी.सी.सी.आर.एस टीम और चाइल्डलाइन हावड़ा रेलवे टीम की वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी और पॉक्सो अधिनियम २०१२ पर कौशल निर्माण का प्रशिक्षण सुश्री गार्गी बनर्जी, पूर्व वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, बाल अधिकारों के लिए केंद्र, राष्ट्रीय न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय, साल्ट लेक, कोलकाता, द्वारा दिया गया था। २० फरवरी से २१ फरवरी, २०२० तक बोलपुर– शांतिनिकेतन, बीरभूम में जानकारियों के आदान–प्रदान के लिए चाइल्डलाइन बीरभूम टीम द्वारा पॉस्को मामलों को साझा किया गया।

वित्त वर्ष २०१९–२०२० के दौरान पश्चिम बंगाल के विभिन्न समूहों में पी.एफ.एम.एस प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जहां सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पी.एफ.एम.एस) के संचालन के बारे में कई चर्चाएँ हुई।

पॉक्सो अधिनियम २०१२ के तहत वार्षिक समीक्षा बैठक और कौशल निर्माण पर प्रशिक्षण

पश्चिम बंगाल के सभी भागीदारों के साथ पी.एफ.एम.एस पर प्रशिक्षण

पश्चिम

सी.आई.एफ सार्वजनिक मंचों, बैठकों और कार्यशालाओं पर एक संगठन के रूप में अपने उद्देश्यों के प्रतिनिधित्व में लगातार अग्रणी रही है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, सी.एफ.आई ने कई तरह के संगठनों से बातचीत कर अपने विचार जमीनी स्तर से साझा किए हैं जिसमें से कुछ प्रमुख मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

सी.आई.एफ के प्रतिनिधि ने आईजेएम द्वारा आयोजित कार्यशाला में बंधुआ बाल श्रम पर एक सत्र आयोजित किया जिससे प्रवासी मजदूरों की गतिशीलता के आधार पर बाल मजदूरों की विस्तार संकल्पनात्मक सीमाओं का विश्लेषण किया जा सके।

चाइल्डलाइन ने दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण और किशोर न्याय अधिनियम, २०१५ के कार्यान्वयन पर परामर्श बैठक और बीबीए द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यवाहकों के सम्मुख आने वाली परिचालनात्मक चुनौतियों में भाग लिया।

चाइल्डलाइन गुजरात ने गांधीनगर के कर्णावती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बाल शारीरिक शोषण और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर दो दिन के प्रशिक्षण में भाग लिया।

सी.आई.एफ के प्रतिनिधि ने गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा के प्रतिनिधियों के साथ बच्चों के वैकल्पिक देखभाल पर दो दिवसीय परामर्श में भाग लिया। परिवार और सामुदायिक देखभाल पर विशेष ध्यान रखते हुए बच्चों के संस्थानीकरण में विस्तार से विचार–विमर्श के दौरान वैकल्पिक देखभाल की योजना और कार्यान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गए। राज्य की टीमों द्वारा संस्थानीकरण प्रक्रिया की दिशा में एक विस्तृत योजना बनायी गयी।

भीख माँग रहे बच्चे और उनके जबरन प्रवास पर आयोजित महाराष्ट्र राज्य के परामर्श और प्रसार बैठक में सी.आई.एफ के प्रतिनिधि और चाइल्डलाइन टीम ने भाग लिया।

बचपन बचाव आंदोलन द्वारा आयोजित बाल श्रम के मुद्दे पर और युनिसेफ द्वारा आयोजित बच्चों हेतु बजट तैयार करने संबंधी कार्यक्रम में सी.आई.एफ के प्रतिनिधि ने क्रमश: एक दिन एवं दो दिन भाग लिया।

बच्चों के लिए वैकल्पिक देखभाल पर चाइल्डलाइन टीम के साथ सी.आई.एफ प्रतिनिधि ने दो दिवसीय परामर्श में भाग लिया।

युनिसेफ के साथ बाल हिंसा के खिलाफ अभियान के तहत महाराष्ट्र पुलिस मुख्यालय की बैठक में सी.आई.एफ के प्रतिनिधि द्वारा प्रशिक्षण के विषय–वस्तु मॉड्यूल के लिए बहुमूल्य इनपुट उपलब्ध कराए गए।

महाराष्ट्र राज्य के परामर्श और प्रसार बैठक में सी.आई.एफ प्रतिनिधि और चाइल्डलाइन टीम ने भाग लिया।

एम.एस.सी.ई.ए.आर.टी द्वारा सरकारी स्कूलों में, जहां बाल संरक्षा और सुरक्षा मुद्दे थे, वहां एक कार्यशाला भी आयोजित की गई

बाल अधिकार सप्ताह के दौरान बच्चों के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना विषय पर महाराष्ट्र पुलिस के महानिदेशक सुबोध जायसवाल के साथ चाइल्डलाइन टीम ने बैठक में भाग लिया।

वार्ड स्तरीय बाल संरक्षण समिति की स्थापना और गली के (सड़क पर रहने वाले) बच्चों के लिए आधार कार्ड बनाने में कार्पोरेटर्स की भूमिका पर डी.डब्ल्यू.सी.डी मुंबई द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चाइल्डलाइन ने माननीय गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित किशोर न्याय अधिनियम, २०१५ के कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक में किए गए कार्य और उन्हें प्राप्त करना विषय पर प्रस्तुति प्रस्तुत की ।

भीख माँग रहे बच्चे और उनके जबरन प्रवास पर आयोजित महाराष्ट्र राज्य के परामर्श और प्रसार बैठक में सी.आई.एफ के प्रतिनिधि और चाइल्डलाइन टीम ने भाग लिया।

चाइल्डलाइन राज्य की टीमों द्वारा संस्थानीकरण की प्रक्रिया की एक विस्तृत योजना तैयार की गई।

दक्षिण

आर.आर.सी.एच स्टालों के माध्यम से जागरूकता पैदा करने के लिए एम.सी.सी कॉलेज का दौरा करता है

निष्ठा प्रशिक्षण – चाइल्डलाइन एवं सी.एस.ए

पूर्व

निष्ठा एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम है। इसका लक्ष्य प्राथमिक स्तर पर सभी शिक्षकों और स्कूल के प्राचार्यों में दक्षता का निर्माण करना है। कार्यकर्ताओं (राज्य, जिले, प्रखंड, समूह स्तर पर) को सीखने के परिणामों, विद्यालय आधारित मूल्यांकन, शिक्षार्थी–केन्द्रित अध्यापन, शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल, विविध अध्यापन के माध्यम से बच्चों की विविध आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए समन्वित तरीके से प्रशिक्षित किया जाता है। इसका आयोजन राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर राष्ट्रीय संसाधन समूहों (एन.आर.जी) तथा राज्य संसाधन समूहों (एस.आर.जी) के गठन द्वारा किया गया है जो बाद में ४२ लाख शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन से बाल संरक्षण कार्मिक के विशेषज्ञ प्रशिक्षक सी.एस.ए और पॉस्को अधिनियम, २०१२ पर सत्र आयोजित करने के लिए उत्तरदायी थे।

झारखंड

राची

निष्ठा प्रशिक्षण :

सी.आई.एफ को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित विद्यालयों के प्रधानों तथा शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण देने के लिए रांची में कार्मिक संसाधन के रूप में आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में बाल शारीरिक शोषण और पोक्सो अधिनियम संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बाल तस्करी की रोकथाम के लिए रणनीति बनाने हेतु राउंड टेबल चर्चा:

अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता के सहयोग से शक्ति वाहिनी द्वारा रांची में २ दिवसीय राउंड टेबल सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें सी.आई.एफ प्रतिनिधि को सेमिनार के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। मानव तस्करी की रोकथाम के लिए किशोरों को शिक्षित करने और उन्हें सशक्त बनाने पर भी चर्चा की गई।

राज्य स्तर परामर्श (विमर्श)

चरण १:

सी.आई.एफ के प्रतिनिधि ने युनिसेफ द्वारा नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन .लॉ (एन.यू.एस.आर.एल) के समन्वय से राज्य स्तरीय परामर्श में भाग लिया। कार्यक्रम का लक्ष्य झारखंड राज्य में चाइल्डलाइन सेवाओं को मजबूत बनाना था जिससे चाइल्डलाइन टीम के क्षमता निर्माण के माध्यम से बाल सुरक्षा कार्मिकों के तकनीकी पूल का विकास किया जा सके।

चरण २:

सी.आई.एफ के प्रतिनिधि को झारखंड राज्य में चाइल्डलाइन के कार्य पद्धति को मजबूत करने के लिए नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एन.यू.एस.आर.एल) के सहयोग से युनिसेफ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय परामर्श में बाल शारीरिक शोषण और पोक्सो अधिनियम पर कार्मिक संसाधन के रूप में आमंत्रित किया गया ।

इन–हाउस ट्रेनिंग–उडुपी और बीदर, चाइल्ड हेल्प डेस्क, कर्नाटक

टीएसआईपीआरडी हैदराबाद और जिला–करीमनगर, तेलंगाना में निष्ठा प्रशिक्षण

कुल आयोजित टीओटी बैचों की संख्या	राज्य स्तर पर प्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या	जिला स्तर पर प्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या
४	८९६	९४०००

आउटरीच एवं जागरूकता

क्रमांक संख्या	गतिविधि	कवरेज		
		बच्चे	वयस्क	साझेदार
१	विद्यालय में आयोजित जागरूकता एवं आउटरीच	६०७,५१२	६,५६६	१८,३२४
२	विशेष कार्यक्रम	५७,२३४	४,२९६	३,९४५
३	स्थानीय त्योहार	२३,५६८	१६८,५७६	२,०५४
	कुल	**६८८,३१४**	**१७९,४३८**	**२४,३२४**

देश भर में चाइल्डलाइन की सक्रियता

उत्तर
जम्मू–कश्मीर
पुंछ

बाल अधिकार व चाइल्डलाइन १०९८ के बारे में
श्रीनिकेतन पुंछ में जागरूकता कार्यक्रम

१ जून, २०१९ को चाइल्डलाइन की टीम ने श्रीनिकेतन पुंछ में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए टीम ने बच्चों को उनके अधिकारों और चाइल्डलाइन के हेल्पलाइन नंबर १०९८ के बारे में जागरूक किया। टीम ने शारीरिक शोषण, बाल विवाह, शारीरिक दंड, नशाखोरी और बाल श्रम जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही चाइल्डलाइन ने छात्रों के बीच पर्चों का वितरण भी किया।

श्रीनिकेतन पुंछ में बाल अधिकार व
चाइल्डलाइन १०९८ के बारे में जागरूकता कार्यक्रम

डी.जी.पी, जम्मू कश्मीर के साथ एस.पी.सी सी.आई.एफ की बैठक सफल रही जिसके नतीजे के रूपमें जम्मू कश्मीर के सभी पुलिस अधिकारियों को पॉक्सो पर प्रशिक्षितकिया गया।

अनुच्छेद ३७० को निरस्त करने के बाद कैब–कठुआ की बैठक का आयोजन किया गया था।

एस.पी.सी, सी.आई.एफ, जे.के के समर्थन में पहल–कर्फ्यू के दौरान आवगमन पर प्रतिबंध को देखते हुए टीम के सदस्यों को संभागीय आयुक्त के आदेश पर सभी डी.सी द्वारा आईडी कार्ड सह कर्फ्यू पास जारी किए गए।

अनुच्छेद ३७० के निरस्तीकरण के दौरान, जम्मू-कश्मीर के बच्चों की सुरक्षा के लिए सभी आई.यू.एस और उनकी लैंडलाइन सेवाओं को निरंतरता बनाए रखने के लिए राज्यपाल के सलाहकार के साथ एक बैठक का आयोजनकिया गया था।

कर्फ्यू के दौरान कुपवाड़ा सम्मेलन की तैयारी। आकांक्षी शहरों में नए आईयू की स्थापना करने के आदेश एम.डब्ल्यू.सी.डी के पत्र से प्राप्त होने के बाद, एस.पी.सी, सी.आई.एफ ने कर्फ्यू के दौरान सम्मेलन की तैयारी का आयोजन किया।

अनुच्छेद ३७० को निरस्त करने के बाद उस समय के दौरान तनावपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद एसपीसी द्वारा सीएचडी टीम के लिए इन-हाउस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

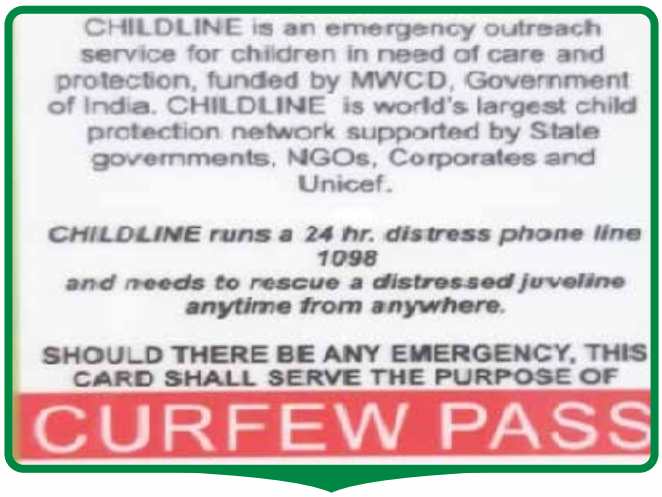

डी.सी द्वारा कर्फ्यू पास जारी किए गए।

जगतपुर

२३ जनवरी, २०२० को कठुआ की चाइल्डलाइन ने बच्चों को चाइल्डलाइन के उद्देश्यों, कार्यों और टोल-फ्री नंबर १०९८ के बारे में जागरूक करने के लिए स्लम क्षेत्रों में स्क्रीनिंग का आयोजन किया जो बच्चों की जरूरत, देखभाल और सुरक्षा के लिए सातों दिन चौबीस घंटे कार्यरत है। चाइल्डलाइन टीम ने बाल अधिकार, बाल श्रम, बाल शारीरिक शोषण और बाल मित्र स्थान और बच्चे के अधिकारों पर चर्चा की।

चाइल्डलाइन की टीम ने कार्यक्रमों में मौजूद बच्चों और लोगों के सामने १०९८ नंबर पर डेमो कॉल भी किया। चाइल्डलाइन टीम के सदस्यों ने बच्चों को स्वच्छता पर एक अभिनव फिल्म दिखाई और उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया।

जगतपुर में कठुआ की चाइल्डलाइन टीम द्वारा स्लम एरिया में स्वच्छता पर जागरूकता अभियान

चंडीगढ़

चंडीगढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

हरियाणा

रोहतक

रोहतक में पोक्सो एक्ट पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डी.पी.ओ, डी.सी.पीयू, ए.एच.टीयू, सी.डब्ल्यू.सी, जे.जे.बी, रिसोर्स संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता जैसे प्रतिभागियों शामिल हुए।

रोहतक में पोक्सो एक्ट पर कार्यशाला

दिल्ली

महत्वपूर्ण दिनों का उत्सव

दिल्ली की चाइल्डलाइन टीमों ने बच्चों और बाल संरक्षण विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण दिवस का उत्सव मनाया। चाइल्डलाइन टीम उस महत्वपूर्ण दिन से संबंधित संदेश देने वाले विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हैं और इन गतिविधियों के माध्यम से, चाइल्डलाइन टीम बच्चों, वयस्कों और हितधारकों को इस मुद्दे से अवगत कराते हैं। वर्ष २०१९–२० के दौरान, बाल–विरोधी मजदूर दिवस, बाल दिवस, बालिका दिवस, पर्यावरण दिवस आदि राष्ट्रीय त्यौहारों जैसे कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती और सांस्कृतिक/धार्मिक त्योहार जैसे होली, दिवाली, क्रिसमस और ईद आदि भी दिल्ली की चाइल्ड लाइन टीम द्वारा मनाए गए।

बच्चों के लिए चाइल्डलाइन स्टॉल

बाल दिवस मना रही दिल्ली की चाइल्डलाइन

पर्यावरण दिवस चाइल्डलाइन के साथ

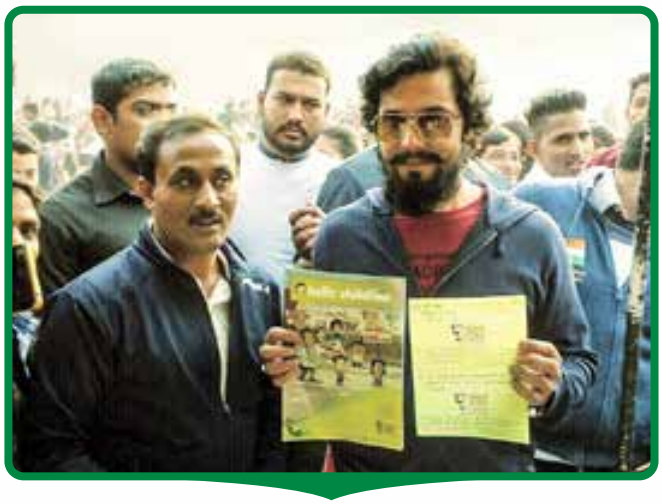

१४ नवंबर, २०१९ को दिल्ली में बच्चों के लिए दौड़ का आयोजन

चाइल्डलाइन दिल्ली की टीम ने दो राष्ट्रीय त्योहारों–जशन–ए–हिंद सांस्कृतिक महोत्सव और बुकरू–बाल साहित्य महोत्सव के लिए अपना समर्थन दिया। एक स्टॉल लगाने द्वारा सभी सूचना, शिक्षा और संचार सामग्री को प्रदर्शित कर आगंतुकों को वितरित किया गया।

नीति आयोग द्वारा रेलवे चाइल्डलाइन का दौरा

दर्शकों के लिए कोमल फिल्म की स्क्रीनिंग भी रखी गई। दोनों त्योहारों ने टीम को चाइल्डलाइन १०९८ सेवाओं के बारे में आम लोगों में जागरूकता पैदा करने में मदद की।

दिल्ली की चाइल्डलाइन टीम ने पोक्सो रन में भाग लिया – बाल शारीरिक दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता पैदा करना और तख्तियों के साथ, उन्होंने चाइल्डलाइन की १०९८ सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा की। इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली में गैर–सरकारी संगठनों समूह द्वारा किया गया था।

पंजाब
अमृतसर

बाल मजदूर दिवस पर रैली

१२ जून, २०१९ को चाइल्डलाइन अमृतसर ने रंजीत अवे ब्लॉक, सी एंड डी में अंतरराष्ट्रीय बाल मजदूर दिवस पर रैली का आयोजन किया। इस रैली का आयोजन समाज में बाल श्रम को रोकने और बाल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

बाल मजदूर दिवस पर रैली

रोपड़

रोपड़ के सरस मेले में जागरूकता

रोपड़ के सरस मेले में जागरूकता

राजस्थान

अजमेर

२४ जनवरी, २०२० को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर अजमेर के ज़िला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डी.एस.एल.ए) ने जिले में जागरूकता रैली का आयोजन किया। अजमेर की चाइल्डलाइन ने डी.एस.एल.ए की इस पहल में भी भाग लिया जिसमें उन्होंने मोबाइल वैन के माध्यम से बालिका दिवस पर जागरूकता फैलाने का काम किया। चाइल्डलाइन और डी.एस.एल.ए के सदस्यों ने इस रैली के माध्यम से अजमेर के लोगों को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। बालिकाओं से संबंधित मुद्दों को लेकर लोगों के बीच जागृति लाने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

अजमेर में मोबाइल वैन के माध्यम से जागरूकता रैली

उत्तर प्रदेश

मथुरा

मथुरा की रेलवे चाइल्डलाइन ने मथुरा रेलवे स्टेशन पर स्कूली बच्चों के साथ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। चाइल्डलाइन के पोस्टर के माध्यम से उन्होंने टोल फ्री नंबर १०९८ का संदेश दिया। बच्चों ने यात्रियों को १०९८ के बारे में जानकारी दी। आर.सी.एल की टीम ने लोगों को बताया कि अगर किसी बच्चे को किसी भी तरह की परेशानी दिखाई देती है तो वे १०९८ नंबर पर कॉल कर सकते हैं।

मथुरा रेलवे स्टेशन द्वारा चाइल्डलाइन १०९८ पर जागरूकता अभियान

गोरखपुर

प्रमुख हितधारकों जैसे कुली, सफाई कर्मचारी, विक्रेता, टी.टी/टी.सी आदि के साथ समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। रेलवे स्टेशनों पर बाल संरक्षण में हस्तक्षेप में रेलवे स्टेशनों पर रहने वाले कुली एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे स्टेशन की प्रकृति और हर कोने से भलीभांति परिचित होते हैं।

उनके पास तस्करों की पहचान करने और यात्रियों के साथ घनिष्ठ संपर्क रखने की विशेषज्ञता होती है। टी.टी/टी.सी अधिकारियों से अनुरोध किया गया कि वे ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर संकट में फंसे बच्चों की भलाई के लिए अपना अपना सहयोग प्रदान करें। रेलवे स्टेशनों पर विक्रेता अन्य महत्वपूर्ण हितधारक होते हैं।

ये प्लेटफार्मों में प्रवेश करने वाले प्रत्येक यात्री और जनता पर नजर रखते हैं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य रेलवे के संपर्क में आने वाले बच्चों के लिए समर्थन और सेवाओं को उपलब्ध कराना है। चूँकि वे रेलवे स्टेशन के कोने–कोने से भली–भांति अवगत हैं, इसलिए वे देह व्यापार के मुद्दों को

रोकने के लिए अच्छा समर्थन प्रदान कर सकते हैं।

उनका यात्रियों, रैगपिकर्स आदि से अधिक संपर्क रहता है और इससे बच्चे के जीवन को बचाने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। सी.एच.डी की टीम ने चाइल्डलाइन और उसके टोल फ्री नंबर १०९८ की सेवाओं पर एक सत्र का आयोजन किया।

१ से ३१ जुलाई, २०१९ तक आई.सी.पी.एस, पुलिस और चाइल्डलाइन–गोरखपुर ने संयुक्त रूप से गोरखपुर जिले में **बालिका सुरक्षा कवच अभियान** का आयोजन किया। यह अभियान १६ स्कूलों में चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से छात्रों को १०९८, १००, १०९०, १८१ जैसे टोल फ्री नंबरों का उपयोग करने की सलाह दी गई जो लोगों को विशेषकर बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए थे। चाइल्डलाइन की टीम ने पूरे अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया; बच्चों को जागरूकता फिल्म कोमल को दिखने के साथ उन पर होने वाली अतिक्रमण की पहचान और ऐसे स्थिति में कैसी प्रतिक्रिया करनी चाहिए, यह बताया। प्रत्येक स्कूल में बच्चों ने सवाल पूछे, जिन पर उन्हें संतोषजनक जवाब भी दिए गए। बाल अधिकार और बाल संरक्षण संबंधी कार्यक्रमों के तहत लगभग १६०० बच्चों को उन्मुख किया गया था।

पूर्व

बिहार

मेले में बाल संरक्षण के मुद्दे पर चाइल्डलाइन कैमूर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

रोहतास

कोविड–१९ के प्रकोप के दौरान जरूरतमंद बच्चों और उनके परिजनों को चाइल्डलाइन रोहतास द्वारा भोजन का वितरण।

बिहार के रोहतास में घर पर भोजन का वितरण

रेलवे चाइल्डलाइन छपरा द्वारा बाल संरक्षण के
मुद्दे और चाइल्डलाइन पर यात्रियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम

छत्तीसगढ़

कबीरधाम के डी.एस.पी द्वारा बच्चों को साइकिल का वितरण

कबीरधाम के जागरूकता अभियान में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार का वितरण

असम में बाल संरक्षण दिवस का अवलोकन

असम

असम के जोरहाट के पुस्तक मेला में नुक्कड़ नाटक

असम के कोकराझार में आउटरीच कार्यक्रम

मणिपुर

इंफाल ईस्ट की चाइल्डलाइन टीम ने विश्व पर्यावरण दिवस, २०१९ पर इंफाल ईस्ट के विभिन्न स्थानों पर पेड़ लगाए।

मणिपुर के इंफाल ईस्ट में वृक्षारोपण

मणिपुर के इंफाल पश्चिम में लॉकडाउन के दौरान राहत सामग्री का वितरण

मेघालय

सी.आई.एफ प्रतिनिधि ने एस.सी.पी.सी.आर, गृह, समाज कल्याण विभाग मेघालय के राज्यपाल के साथ मुलाकात की और उन्हें मेघालय की चाइल्डलाइन सेवा के बारे में जानकारी दी तथा शिलांग वित्त वर्ष २०१८–१९ की वार्षिक रिपोर्ट भी उन्हें प्रदान की। इस भेंट के बाद गृह विभाग की ओर से चाइल्डलाइन को समर्थन देने के लिए परिपत्र जारी किया गया।

इसके अतिरिक्त, कोमल फिल्म, चाइल्डलाइन का संकेत चिन्ह और संदेश भी समाज कल्याण विभाग की वेबसाइट पर शामिल किए गए।

मेघालय के जोवाई के सेफई गांव स्कूल जागरूकता

नागालैंड

नागालैंड के दीमापुर की चाइल्डलाइन ने विश्व जल दिवस मनाया

नागालैंड के कोहिमा के कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम

मिजोरम

१५ नवंबर २०१९ को मैमिट की चाइल्डलाइन टीम ने जी.एस.ए प्ले, मैमिट में एक रोमांचक दिन का आयोजन किया। चाइल्डलाइन टीम ने बच्चों द्वारा खेले जाने वाले डर्ट थ्रो, बॉल थ्रो और कप गेम का आयोजन किया और प्रत्येक प्रतिभागी बच्चे को पुरस्कार भी दिया। बच्चों को कलर हैंडप्रिंट पेंट भी कराया गया।

मिजोरम के जीएसए प्लेग्राउंड मैमिट में रोमांचक दिन का आयोजन

त्रिपुरा

पोक्सो अधिनियम, २०१२ के अध्याय ६, धारा २४ (२) के अनुसार, बच्चे का बयान दर्ज करते वक्त पुलिस अधिकारियों को अपनी वर्दी में नहीं होना चाहिए। साथ ही जेजे एक्ट मॉडल, नियम १६ के खंड ९ के उप खंड त के अनुसार बाल कल्याण अधिकारी को भी सादे कपड़ों में होना चाहिए।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए, त्रिपुरा की सामाजिक कल्याण और सामाजिक शिक्षा सरकार के समन्वय से चाइल्डलाइन पश्चिम त्रिपुरा और बेलोनिया, जिला प्रशासन और पुलिस कर्मियों ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया था जहाँ पुलिस कर्मियों के लिए 'शिशुमित्र जैकेट' (चाइल्ड फ्रेंडली जैकेट) का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में त्रिपुरा की माननीय सांसद सुश्री प्रतीमा भौमिक, सुश्री सैंटाना चाम्मा, माननीय मंत्री समाज कल्याण एवं सामाजिक शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार, सुश्री नीलिमा घोष, अध्यक्ष टी.एस.सी.पी.सी.आर, जिला प्रशासन और सी.आई.एफ भी उपस्थित थीं। त्रिपुरा की अगरतला प्रेस क्लब में समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा पुलिस कर्मियों के लिए चाइल्ड फ्रेंडली जैकेट प्रदान की गई।

त्रिपुरा के अगरतला प्रेस क्लब में त्रिपुरा सरकार के समाज कल्याण और शिक्षा मंत्रालय द्वारा चाइल्ड फ्रेंडली जैकेट का प्रदर्शन

त्रिपुरा के अगरतला प्रेस क्लब में त्रिपुरा सरकार के समाज कल्याण और शिक्षा मंत्रालय द्वारा चाइल्ड फ्रेंडली जैकेट का प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल

हुगली में डब्ल्यूबीसीपीसीआर के सहयोग से राज्य स्तरीय परामर्श कार्यक्रम

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन ने पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सहयोग से हुगली के उत्तरपाड़ा स्थित मखला हाई स्कूल में १६ सितंबर, २०१९ को गुमशुदा बच्चों की स्थिति पर एक दिवसीय कार्यशाला/परामर्श का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में २४ विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं व शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डब्ल्यू.बी.सी.पी.सी.आर के सदस्यों–श्री सिंह, प्रसून भोमिक और श्रीमती अनीता बसु, ई.आर.आर.सी प्रमुख–श्री संदीप कुमार मित्रा, डी.एस.डब्ल्यू.ओ– उमा बसु सेन, डी.एस.डब्ल्यू.ओ– सुतापा चक्रवर्ती, उत्तरपाड़ा नगर पालिका अध्यक्ष– दिलीप यादव एवं सी.डब्ल्यू.सी अध्यक्ष– सुभाषेश नंदी ने की।

हुगली में डब्ल्यू.बी.सी.पी.सी.आर के सहयोग से राज्य स्तरीय परामर्श कार्यक्रम

हुगली और कालिम्पोंग में बाल समूह की बैठक

बाल समूह का मुख्य उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समुदाय के बच्चों के बीच बाल संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करना है। पिछले वित्तीय वर्ष में कालिम्पोंग और हुगली में दो नए बाल समूह बनाए गए।

हुगली और कालिम्पोंग में बाल समूह की बैठक

गंगा सागर मेले के दौरान करीब दो लाख श्रद्धालुओं ने आउटराम घाट पर अपना गंतव्य स्थान और ट्रांजिट पड़ाव बनाया।

पिछले कुछ वर्षों में बच्चों के लापता होने के कई मामले सामने आए हैं। चाइल्डलाइन कोलकाता और चाइल्डलाइन साउथ २४ परगना ने पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डब्ल्यू.बी.सी.पी.सी.आर) के सहयोग से गंगा सागर मेला ग्राउंड और आउटराम घाट, कोलकाता में चाइल्डलाइन हेल्प डेस्क स्थापित करने की पहल की।

जिला प्रशासन के सहयोग से चाइल्डलाइन ने जिले भर के विभिन्न मेलों में अपने स्टॉल को लगाने की बात कही।

कोविड-१९ के आकस्मिक प्रकोप के दौरान, हमारी चाइल्डलाइन टीम आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम करने, बच्चों और परिवारों को पोषण, पी.पी.ई किट सहायता प्रदान करने, मामले के हस्तक्षेप, बच्चों को ई.एस.जी सहायता करने आदि विभिन्न तरीकों को अपनाकर दिशा में काम कर रही हैं।

गंगा सागर मेला २०१९ के दौरान की गतिविधियाँ

गंगा सागर मेला २०१९ के दौरान की गतिविधियाँ

आदिवासी मेले में चाइल्डलाइन बांकुड़ा का स्टॉल

स्वाबाला मेले में चाइल्डलाइन २४ परगना का स्टॉल

स्वाबाला मेले में चाइल्डलाइन २४ परगना का स्टॉल

पश्चिम बंगाल की चाइल्डलाइन टीम द्वारा कोविड-१९ पर गतिविधियों की झलक

पश्चिम बंगाल की चाइल्डलाइन टीम द्वारा कोविड-१९ पर जागरूकता अभियान

पश्चिम बंगाल की चाइल्डलाइन टीम द्वारा कोविड-१९ पर गतिविधियों की झलक

ओडिशा

पूरे वर्ष भर में, चाइल्डलाइन टीम ने गांवों, ब्लॉकों, मलिन बस्तियों, बाजारों, नगर पालिका क्षेत्रों, आवासीय स्कूलों, दिन स्कूलों, ए.डब्लू.डब्लू केंद्रों, सरकारी कार्यालयों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड और अन्य स्थानों में २२६५१९ घंटे के आउटरीच का आयोजन किया।

चाइल्डलाइन झारसुगुड़ा को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन झारसुगुड़ा द्वारा झारसुगुड़ा जिले में बाल संरक्षण पर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान सरकार के अधिकारी, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न संगठनों के कर्मचारी व अन्य अतिथि उपस्थित थे।

ओडिशा में जागरूकता अभियान

ओडिशा में जागरूकता अभियान

ओडिशा के स्कूल में कोविड–१९ जागरूकता गतिविधियाँ

झारसुगुड़ा में बाल संरक्षण पर कार्य में उत्कृष्टता के लिए सम्मान

झारखंड

ओडिशा में जागरूकता अभियान

जागरूकता अभियान की गतिविधियाँ

जिला प्रशासन के सहयोग से चाइल्डलाइन ने समय–समय पर विभिन्न जिलों में लगने वाले कई मेलों, मेलों और सांस्कृतिक उत्सवों में अपने स्टॉल लगाती रही। दोमुहानी, सोनारी के पास नदी स्वच्छता कार्यक्रम: सुवर्णरेखा में नदी स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

यह राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ए.बी.वी.पी) और चाइल्डलाइन, पूर्वी सिंहभूम द्वारा एक सहकारी अभियान था। यह नदी को साफ करने और बच्चों के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करने और समुदाय के लिए राहत प्रदान करने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक संयुक्त अभियान था जो अपने दैनिक उपयोग के लिए नदी के पानी पर पूरी तरह से निर्भर थे।

झारखंड में जागरूकता फैलाने के लिए स्टॉल

सोनारी के दोमुहानी के पास नदी स्वच्छता कार्यक्रम

पश्चिम

महाराष्ट्र

भंडारा

चाइल्ड लाइन के संदेश को तेजी से प्रचारित करने के लिए ऑटो यूनियन के साथ बातचीत के माध्यम से बच्चों की विभिन्न समस्याओं से ऑटो चालकों का परिचय करवाया गया। यह कार्य भंडारा रेलवे स्टेशन से बस स्टॉप तक चलने वाले ऑटो पर बैनर लगाकर किया जा सकता था। इसका मुख्य उद्देश्य हम सभी का बच्चों के प्रति नैतिक दायित्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था और इस कार्य को ऑटो पर बैनर लगाने के माध्यम से किया जा सकता था। इन बैनरों ने चाइल्डलाइन की हेल्पलाइन संख्या द्वारा कई लोगों तक पहुँच बनाने को बढ़ावा देने में भी मदद की।

महाराष्ट्र के भंडारे में चाइल्डलाइन १०९८ का ऑटो रिक्शा पर ब्रांडिंग

कोल्हापुर

कोल्हापुर की चाइल्डलाइन द्वारा स्कूल जागरूकता कार्यक्रम

कोल्हापुर की चाइल्डलाइन टीम ने छात्रों और शिक्षकों को टोल फ्री नंबर १०९८ और बच्चों से जुड़े विभिन्न मुद्दों के बारे में छात्रों और शिक्षकों को जागरूक करने के लिए शैक्षणिक वर्ष के दौरान स्कूल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। चाइल्डलाइन की टीम ने बाल श्रम, बाल विवाह, शारीरिक दुर्व्यवहार, इंटरनेट

के गुण और अवगुण, पौष्टिक आहार, स्वास्थ्य समस्याओं, व्यायाम का महत्व, स्वच्छता, व्यक्तित्व विकास आदि जैसे मुद्दों को भी समझाया। पूरे वर्ष के चाइल्डलाइन की टीम ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में **जागरूकता फैलाई और लगभग ८९६५ बच्चों तक अपनी पहुँच बनायी।**

मध्य प्रदेश

बैतूल

मध्य प्रदेश के बैतूल के अर्जुन वार्ड में स्कूल चलें अभियान

भोपाल

बुकरू ट्रस्ट के साथ
सी.आई.एफ के सहयोग से जन जागरूकता कार्यक्रम

सी.आई.एफ के सहयोग से जन जागरूकता कार्यक्रम

बुकरू ट्रस्ट के साथ सी.आई.एफ के सहयोग से जन जागरूकता कार्यक्रम

नरसिंहपुर की चाइल्डलाइन टीम ने पोक्सो अधिनियम पर स्कूल के शिक्षकों और छात्रावास के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया

भोपाल के भारत भवन में बुकरू ट्रस्ट के सहयोग से सी.आई.एफ ने जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जहाँ भोपाल चाइल्डलाइन की तीन इकाइयों ने एक स्टॉल का आयोजन किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में बच्चों सहित १०००–१५०० लोग भाग लेने पहुंचे। इस कार्यक्रम के आजोयक ने स्टाल पर आने वाले लोगों से भारी प्रतिक्रिया प्राप्त की और बुकरू टीम से भी इसे अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

खेड़ा

चाइल्डलाइन की टीम ने पुलिस होमगार्ड के साथ संतराम मेला, डाकोर मेला, फागवेल मेला और मीनावाड़ा मेले जैसे सार्वजनिक मेलों में भाग लिया और हेल्पलाइन नंबर १०९८ के बारे में जागरूकता पैदा की और साथ में १२ बच्चों का बचाव भी किया। यहाँ तक कि चाइल्डलाइन की टीम ने बचाए गए बच्चों के माता–पिता को सार्वजनिक स्थानों पर अपने बच्चों की देखभाल करने की सलाह भी दी।

सिलवासा

चाइल्डलाइन टीम ने चिकित्सा शिविर में भाग लिया

मसत में स्कूल जागरूकता कार्यक्रम

खानवेल गार्डन में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें १० स्टाफ सदस्यों के साथ १६० बच्चों ने भाग लिया जहाँ उन्हें चाइल्डलाइन १०९८ नंबर के बारे में समझाया गया जो जरूरतमंद बच्चों की मदद करता है। बच्चों को चाइल्डलाइन के पर्चे भी वितरित किए गए।

आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने निशुल्क स्वास्थ्य जाँच के लिए शिविरों का भ्रमण किया। चाइल्डलाइन टीम ने भी शिविर में भाग लिया और लोगों और बच्चों को पर्चे भी वितरित किए तथा उन्हें चाइल्डलाइन १०९८ जो देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले बच्चों के लिए एक २४ घंटे राष्ट्रीय निःशुल्क आपातकालीन फोन आउटरीच सेवा है, के द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में जागरूक किया। चिकित्सा शिविर में करीब १०० लोगों ने भाग लिया।

दक्षिण

आंध्र प्रदेश

बाल विवाह के खिलाफ अभियान (#EducateGirlChild EmpowerGirlChild) शिक्षित बालिका सशक्त बालिका के तहत चाइल्डलाइन की टीम ने ८वीं और ९वीं कक्षा के बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिताएं कराई। ए.पी.एस.डब्ल्यू.आर.ई.आइ.एस के सचिव ताडेपल्ली ने अनंतपुरम, वासद्र कडपा, चित्तूर, एस.पी. एस.आर नेल्लोर, गुंटूर, कृष्णा, पश्चिम गोदावरी, पूर्वी गोदावरी, विशाखापट्टनम, विजियानगरम और श्रीकाकुलम जिलों के १९ ए.पी.एस.आर.ई.आई.एस स्कूलों में बच्चों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर ड्राइंग प्रतियोगिताएं आयोजित करने के परिपत्र दिए। ड्राइंग प्रतियोगिताओं का विषय एंड चाइल्ड मैरिज एंड एजुकेट गर्ल चाइल्ड था।

बाल विवाह के खिलाफ कला के माध्यम से बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया

बाल विवाह के खिलाफ विजयनगरम में आयोजित बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिता

विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पर डार्ट बोर्ड खेलते बच्चे

बाल विवाह के खिलाफ एक मजबूत संदेश का चित्रण करती बच्चों की ड्राइंग

फ्लावर शो स्टॉल पर बच्चों से बातचीत करते अनम (पुडुचेरी) की चाइल्डलाइन टीम

नो टू चाइल्ड मैरिज के संदेश का विस्तार करने के लिए बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिता

१९ स्कूलों के कुल १२१४ बच्चों ने ड्राइंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया। चाइल्डलाइन ने कार्यक्रम का भव्य संचालन किया जिससे स्कूली बच्चों के अंतर्निहित ड्राइंग कौशल सामने आए। बाल विवाह को रोकने के लिए बच्चों ने आनंदमय और यद्यपि उत्तेजक चित्रण किया। प्रत्येक स्कूल में ५ सर्वश्रेष्ठ चित्रों का चयन किया गया और प्रोत्साहन के रूप में पुरस्कार दिए गए । ड्राइंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों ने यह महसूस किया कि बाल विवाह पर निर्णय लेते समय अभिभावक उनकी भावनाओं को समझेंगे और उनका सम्मान करेंगे।

कर्नाटक

चाइल्डलाइन १०९८ और बाल अधिकार संरक्षण पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम

चिक्काबल्लापुरा में नशाखोरी और ऑनलाइन सुरक्षा पर जागरूकता

बाल विवाह के खिलाफ विजयनगरम में आयोजित बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिता

पूरे कर्नाटक में स्वयं सहायता समूहों, ऑटो चालकों, युवा समूहों, आशा कार्यकर्ताओं, कॉलेजों, पंचायत सदस्यों, पी.डी.ओ, आदिवासियों, एन.आर.ई.जी कार्यकर्ताओं, मलिन बस्तियों, समुदायों आदि जैसे विभिन्न लक्षित समूहों के लिए नियमित जागरूकता अभियान चलाए गए। इस जागरूकता सत्र के बाद, कई संबंधित वयस्कों ने चाइल्डलाइन को बच्चों से संबंधित मुद्दों की रिपोर्ट सौंपने के लिए आगे आए।

तेलंगाना

तेलंगाना के महबूबाबाद जिले में वाक्पटुता प्रतियोगिता में बालिकाओं का भाग लेना

तेलंगाना के पेडापल्ली जिले में मनरेगा मजदूरी करने वालों को चाइल्डलाइन गतिविधियों पर जागरूकता

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तेलंगाना के निजामाबाद रेलवे स्टेशन पर बच्चों के साथ बातचीत करते हुए

बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण एवं स्वच्छ विद्यालयों पर स्कूलों, के.जी.बी.वी, आवासीय छात्रावासों और सी.सी.आई में बच्चों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, पुलिस जैसे संबद्ध विभागों के हितधारक भी शामिल हुए। स्कूलों/छात्रावासों में ड्राइंग, वाक्पटुता, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

तमिलनाडु

मदुरै के सीएचडी में बाल श्रम विरोधी दिवस
पर हस्ताक्षर अभियान

किसी भी विशेष आयोजन, अभियान और प्रमुख अवसरों का पालन जनता के साथ-साथ बच्चों को संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य के विभिन्न त्योहारों में सबसे महत्वपूर्ण त्योहार मदुरै का चित्राराय महोत्सव और कांचीपुरम का अथी वरदर महोत्सव थे। साथ ही विश्व बाल मजदूर दिवस पर सभी बच्चों को जिलाधिकारी की ओर से एक अभिनव पत्र देना एक और उल्लेखनीय घटना थी।

वेल्लोर में राज्य बालिका सुरक्षा दिवस पर बाइक रैली

मदुरै की चाइल्डलाइन का प्रदर्शनी स्टाल

तूतीकोरिन के जिलाधिकारी द्वारा
चाइल्डलाइन की टीम को सौंपी गई बचाव वैन

इस वर्ष के दौरान, १५ लाख से अधिक बच्चों तक नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, ऑडियो/वीडियो प्रस्तुतियाँ, कलाई पर बाँधने वाली बैंड, गतिविधिओं पर आधारित सत्र, व्याख्यान भागीदारी के विभिन्न रूपों और विधियों जैसे माध्यमों का उपयोग किया गया।

सीएल कन्नियाकुमारी में जिला कलेक्टर और
पुलिस अधीक्षक द्वारा ली गई शपथ

चाइल्डलाइन की दृश्यता

दिल्ली स्कूलों में सी.एस.ए होर्डिंग

मांड्या में सार्वजनिक जगहों में दीवारों पर पेंटिंग

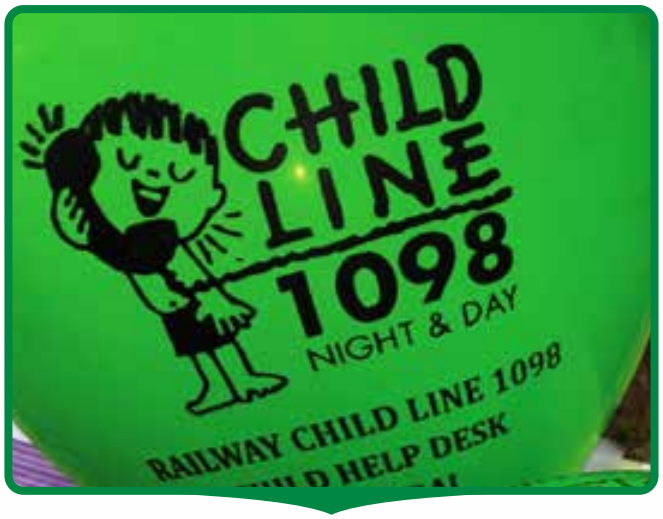

चाइल्डलाइन छपे हुए गुब्बारे, मदुरई

वेल्लोर में स्कूलों की दीवारों पर दृश्यता

चाइल्डलाइन छपे हुए कप

वाड़ी तालुका, कलबुर्गी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पी.एच.सी) में दीवारों पर पेंटिंग

पंचायत में दीवारों पर पेंटिंग

चाइल्डलाइन विलूप्पूरम में दीवारों पर पेंटिंग

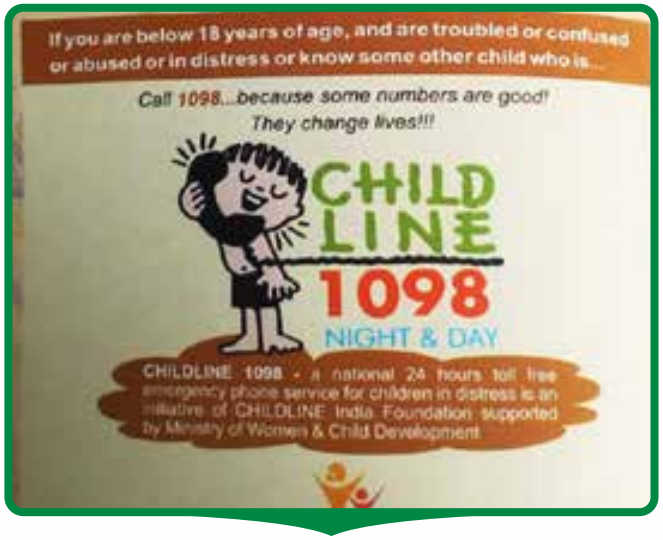

जागरुकता के लिए बैनर

सड़कों पर कला के ज़रिए चाइल्डलाइन जागरुकता

श्री. कावर पाल गुर्जर, राज्य शिक्षा मंत्री हरियाणा को
चाइल्डलाइन १०९८ से सम्मानित किया गया

एसबीए दृश्यता प्रकाशन – तांबरम, सी.एच.डी

ओपन हाउस

भारत के बच्चों की आवाज़

उत्तर

हिमाचल प्रदेश

कांगड़ा

चाइल्डलाइन कांगड़ा ने जी.एस.एस.एस लोहार्डी (आंतरिक क्षेत्र) में एक ओपन हाउस सत्र का आयोजन किया और बाल विवाह पर वाद–विवाद और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की

चाइल्डलाइन कांगड़ा द्वारा जी.एस.एस.एस में ओपन हाउस

चंड़ीगढ़

चंड़ीगढ़ रेलवे स्टेशन पर ओपन हाउस

दिल्ली

चाइल्डलाइन द्वारा बच्चों के विचार और उन्हें जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है उसे जानने के लिए उनके साथ समय–समय पर बातचीत की जाती है। समय समय पर ओपन हाउस आयोजित किया जाता है जिसमें बच्चों को सुना जाता है और सरकारी प्रणालियों से सहायता मांगना संभव हो पाता है। जैसे की नाम से पता चलता है, "ओपन हाउस", चाइल्डलाइन के साथ जुड़े हुए बच्चों के लिए एक मंच है जो चाइल्डलाइन १०९८ के सेवाओं की समस्याओं से निपटने, निर्धारण, समीक्षा और मूल्यांकन का कार्य करता है। इसके साथ ही यह चाइल्डलाइन टीम के साथ समस्याओं को सामने लाने और कठिनाइयों के लिए समाधान की पहचान करने हेतु बच्चों को मौका देता है। साल २०१९–२० में, दिल्ली राज्य में ९३ ओपन हाउस में लगभग ५४०५ हज़ार बच्चे जुड़े हुए थे। ओपन हाउस बैठकों के ज़रिए निम्नलिखित कुछ समस्याएँ थी जिनकी पहचान कर ओपन हाउस बैठकों के ज़रिए उनका समाधान किया गया:

- डी.एल.एस.ए और डी.सी.पी.ओ द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं के साथ नशीले पदार्थों के सेवन और बाल विवाह की समस्याओं पर चर्चा की गई
- जो बच्चे मुख्यधारा की स्कूलों में प्रवेश प्राप्त करने की कोशिश कर रहे थे उन्हें नगरपालिका स्कूलों में नामांकन के लिए सहायता प्राप्त हुई
- समुदाय के लोगों और बच्चों को सुरक्षित स्पर्श और असुरक्षित स्पर्श के बारे में जागरुक किया गया
- मोबाइल इस्तेमाल की लत के परिणामों पर चर्चा की गई और पालकों को पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों में बच्चों को जोड़ने के लिए सूचनाएँ दी गई।

चाइल्डलाइन द्वारा दिल्ली में ओपन हाउस

हरियाणा

हिसार

चाइल्डलाइन हिसार ने २७ अगस्त, २०१९ को गवर्मेंट सीनियर सेकंडरी स्कूल गांव किरमारा, ब्लॉक अगरोहा, हिसार जिले में एक ओपन हाउस चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया। किरमारा गांव से

बच्चों सहित कुल ३७६ प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। चाइल्डलाइन टीम द्वारा उन्हें श्रम कानून, जे.जे कानून और पोक्सो कानून के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के लिए स्थानीय सरपंच और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, गांववासियों द्वारा सहायता की गई।

हिसार में ओपन हाउस

हिसार में बच्चों के लिए ओपन हाउस सत्र

हिसार में ओपन हाउस बैठक

मेवात में ओपन हाउस बैठक

पानीपत में ओपन हाउस बैठक

राजस्थान

सवाई माधोपुर

माधोपुर में ओपन हाउस गतिविधियाँ

माधोपुर में ओपन हाउस गतिविधियाँ

माधोपुर में बच्चों के लिए ओपन हाउस गतिविधियाँ

पंजाब
अमृतसर

अमृतसर में ओपन हाउस गतिविधियाँ

बाल विवाह, बाल मजदूरी और भीख मांगना, बाल शारीरिक उत्पीड़न इत्यादि जैसी बच्चों द्वारा सामना की जा रही सामाजिक समस्याओं के बारे में उनमें जागरुकता फैलाने के लिए चाइल्डलाइन अमृतसर द्वारा ३ स्कूलों, २ पिकनिक स्थलों, ४ झुग्गी–बस्तियों और २ गांवों में ओपन हाउस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शिक्षकों, पालकों, मजदूरों और गाँव के सरपंच के साथ ९६५ बच्चों ने हिस्सा लिया।

अमृतसर की झुग्गी बस्तियों में ओपन हाउस गतिविधियाँ

उत्तर प्रदेश
गोरखपुर

गोरखपुर, यूपी में ओपन हाउस कार्यक्रम

ओपन हाउस कार्यक्रमों को महिने में एक बार, या तो रेल्वे प्लैटफॉर्म पर या रेल्वे स्टेशन परिसर के आसपास आयोजित किया जाता था। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कुल १२ ओपन हाउस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्टेशन पर बाल सहायता केंद्र की सेवाओं और इसके टोल–फ्री नंबर १०९८ के बारे में सी.एच.डी कर्मचारियों को जागरुक किया गया था। चाइल्डलाइन के बारे में पर्चे और विवरण–पुस्तिकाओं का वितरण किया गया। कचरा बिनने वाले बच्चों के माता–पिता का समुपदेशन किया गया। रेल्वे परिसर में रह रहे परिवारों और बच्चों के बारे में उन्होंने एक आधार रेखा सर्वेक्षण तैयार किया और इन लोगों का पुनर्वसन सुनिश्चित करने के लिए मासिक समन्वय बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कनवा खेड़ा में ओपन हाउस

रोहतास

चाइल्डलाइन रोहतास द्वारा सेमारी गांव में आयोजित ओपन हाउस कार्यक्रम

छत्तीसगढ़

चाइल्डलाइन कबीरधाम द्वारा आयोजित स्कूल में ओपन हाउस

चाइल्डलाइन सारन द्वारा आयोजित ओपन हाउस कार्यक्रम

बिहार

चाइल्डलाइन कैमूर द्वारा आयोजित ओपन हाउस कार्यक्रम

रेल्वे चाइल्डलाइन छपरा द्वारा आयोजित ओपन हाउस कार्यक्रम

असम

कोकराझार, असम में ओपन हाउस कार्यक्रम

मणिपुर

बिष्णुपुर, मणिपुर में ओपन हाउस कार्यक्रम

मेघालय

जोवाई, मेघालय में स्कूली बच्चों के लिए ओपन हाउस

त्रिपुरा

ईंट भट्ठा क्षेत्र में चाइल्डलाइन धलाई द्वारा संचालित ओपन हाउस कार्यक्रम

ओडिशा

बच्चों से जुड़ी प्रमुख समस्याओं पर चर्चा करने के लिए समुदाय के स्तर पर और आवासीय स्कूलों में ओपन हाउस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

ओपन हाउस के दौरान उठाए गए मुद्दे:

- गाँव के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग (पी.एच.डी) की पानी आपूर्ति का ठप हो जाना। इससे गांववालों और बच्चों को पीने के पानी की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। रोहिदासपाड़ा गांव के सतनामीपाड़ा में कोई ट्यूब वेल नहीं है।
- गांव में आंगनवाड़ी इमारत की अनुपलब्धता। प्राथमिक स्कूल के केवल एक कमरे में आँगनवाड़ी केंद्र काम कर रहा है। आंगनवाड़ी और प्राथमिक स्कूल दोनों के लिए ही शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध नहीं कराया जा रहा।
- प्राथमिक स्कूल भी गांव से कुछ किलोमीटर की दूरी पर है और स्कूल के लिए अलग रास्ता नहीं है। इसलिए बारिश के मौसम में बच्चों को स्कूल जाने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।
- बच्चों के पास कोई आधारकार्ड नहीं है।
- बारिश के दौरान बच्चों को स्कूल जाने के लिए बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

ओपन हाउस के दौरान उठाए गए मुद्दों पर की गई कार्रवाई :

- ३ दिनों के भीतर पी.एच.डी की पानी आपूर्ति के लिए मरम्मत हेतु कार्रवाई करने के लिए वॉर्ड पार्षद के साथ बैठक
- इसके बाद चाइल्डलाइन टीम सतनामीपाडा में नई ट्यूब वेल खोदने के लिए आर.डब्ल्यू.एस.एस को एक पत्र लिखने में मदद

करेगी। इसके साथ ही चाइल्डलाइन सदस्य गांववालों के साथ मिलकर सरपंच के साथ पीने के पानी से जुड़ी समस्या सुलझाने के लिए चर्चा करेंगे

- आंगनवाडी इमारत की समस्या सुलझाने के लिए चाइल्डलाइन ने जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी को एक अनुरोध पत्र प्रस्तुत किया
- इसके साथ ही चाइल्डलाइन ने गांववासियों की सहायता से एक अलग नई सड़क के निर्माण के लिए झारसुगुड़ा नगरपालिका के कार्यकारी अधिकारी को भी अनुरोध पत्र प्रस्तुत किया।
- चाइल्डलाइन टीम ए.डब्ल्यू.डब्ल्यू और आशा कार्यकर्ता की मदद से आधार कार्ड बनाने के लिए तीन बच्चों के आवश्यक दस्तावेज़ों की व्यवस्था करेगी।
- चाइल्डलाइन टीम ने एक कॉन्क्रीट सड़क के निर्माण के लिए योजना प्रस्तुत करने के लिए सरपंच के साथ चर्चा की

ओपन हाउस कार्यक्रमों के नतीजे

- चाइल्डलाइन टीम ने तीन बच्चों के लिए आवश्यक दस्तावेज़ों की व्यवस्था की और वॉर्ड सदस्यों की मदद से उन्होंने आधार कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जो उन्हें बाद में जारी किए गए।
- ए.डब्ल्यू.डब्ल्यू केंद्र के लिए सरपंच द्वारा एक अलग कमरे की व्यवस्था कर दी गई है।
- अन्य मुद्दों के लिए सम्बद्ध प्रणालियों के साथ नियमित रुप से आगे की कार्यवाही की जा रही है।

झारखंड

झारखंड में चाइल्डलाइन ने कुल ४८० ओपन हाउस कार्यक्रमों का आयोजन किया है और इन कार्यक्रमों के ज़रिए २०५५४ बच्चों तक पहुँचा जा सका है। स्कूलों में खेल मैदान और सीमा दीवार की कमी, स्कूलों में पीने के पानी और साफ सफाई की समस्या, समुदायों में ट्यूब–वेल की आवश्यकता, स्कूली पढ़ाई छोड़ने के मामले और बाल विवाह, छेड़छाड़ की घटनाएँ इत्यादि से जुड़ी समस्याएँ थी।

चाइल्डलाइन टीम इन ओपन हाउस कार्यक्रमों में बच्चों की समस्याओं पर आवाज़ उठाती है और इन्हें सुलझाने के लिए संबंधित प्राधिकारियों तक लेकर जाती है।

इसके साथ ही आगे की कार्यवाही के लिए दौरा किया जाता है, बच्चों को सूचित किया जाता है कि उनकी समस्याएँ सुलझाने के लिए चाइल्डलाइन टीम द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं।

ओडिशा की आवासीय स्कूलों में ओपन हाउस गतिविधियाँ

पश्चिम बंगाल

चाइल्डलाइन बीरभूम, मालदा और आसनसोल द्वारा आयोजित ओपन हाउस कार्यक्रम

चाइल्डलाइन बीरभूम, मालदा और आसनसोल द्वारा आयोजित ओपन हाउस कार्यक्रम

ओपन हाउस का प्रमुख उद्देश्य बच्चों के लिए एक मंच उपलब्ध कराना है जहाँ वे चाइल्डलाइन १०९८ की गुणवत्ता पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं और इच्छा प्रकट कर सकते हैं कि चाइल्डलाइन किस प्रकार कार्य करे। बच्चे उनके विचार, उनके जीवन की

समस्याएँ व्यक्त कर सकते हैं जिसे उन्हें कहीं और व्यक्त करने में दिक्कतें आती हैं।

बच्चों के लिए ओपन हाउस गतिविधियाँ

पश्चिम

महाराष्ट्र

कोल्हापूर में ओपन हाउस कार्यक्रम

कुष्ठरोग वसाहत झुग्गी बस्ती में ओपन हाउस

ओपन हाउस एक गतिविधि है जो महिने में एक बार बच्चों के साथ आयोजित की जाती है ताकि उन्हें चाइल्डलाइन गतिविधियों, खास तौर पर टोल–फ्री नंबर १०९८ के बारे में शिक्षित किया जा सके। इससे चाइल्डलाइन टीम के सदस्यों को बच्चों द्वारा सामना किए जा रहे समस्याओं को समझने में मदद मिलती है और धीरे धीरे घनिष्ठता होने पर वे अपनी बातें खुल कर कह सकते हैं। चाइल्डलाइन कोल्हापूर ने झुग्गी बस्तियों के बच्चों, स्कूल जाने वाले और स्कूल न जाने वाले बच्चों के साथ शहर में ११ ओपन हाउस कार्यक्रम आयोजित किए। कुल ५५८ बच्चे इसमें शामिल हुए।

सोलापुर

रेल्वे चाइल्डलाइन सोलापुर ने जुलाई २०१९ से फरवरी २०२० के बीच सोलापुर स्टेशन के पास के इलाकों में ५ ओपन हाउस कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने बच्चों के साथ सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षित कैसे रहा जाए, शिक्षा और साफ सफाई का महत्व और चाइल्डलाइन की सेवाओं के बारे में चर्चा की। करीब २८५ बच्चे इन ओपन हाउस कार्यक्रमों में उपस्थित रहे।

सोलापुर रेल्वे स्टेशन पर ओपन हाउस कार्यक्रम

गुजरात

राजकोट, गुजरात में ओपन हाउस

मध्य प्रदेश

बैतूल

मनसा नगर बैतूल में ओपन हाउस

मंडला निवास लूहारी गांव स्कूल में ओपन हाउस कार्यक्रम

चाइल्डलाइन ने टीकमगढ़, म. प्र. में झुग्गी बस्तियों में ओपन हाउस कार्यक्रम आयोजित किया।

दक्षिण

कर्नाटक

संपूर्ण कर्नाटक राज्य में बच्चों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर ओपन हाउस आयोजित किए जाते हैं। यह एक महत्वपूर्ण साधन है जो सीधे तौर पर बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करता है। चाइल्डलाइन बच्चों की जरुरतें, समुदाय में उनकी समस्याओं के बारे में आवाज उठाने के लिए मंच प्रदान करता है और आमंत्रित किए गए सम्बद्ध विभागों के सामने उनके स्थानीय समुदाय समस्याओं को सुलझाने के लिए सहायता करता है। ओपन हाउस में पालकों और समुदायों को भी आमंत्रित किया जाता है। कुल ३५५ ओपन हाउस बैठकें आयोजित की गई जिनमें ५१८७ बच्चे, ३५०६८ वयस्क और २९३९ अधिकारी शामिल हुए।

ओपन हाउस कार्यक्रम-बेलगावी जिला

ओपन हाउस में रिपोर्ट की गई समस्याएँ :

मामलों में हस्तक्षेप :

स्कूल छोड़ना, बाल विवाह, बाल मजदूरी, एकल पालक, शारीरिक शिक्षा, शारीरिक दुर्व्यवहार, मानसिक दुर्व्यवहार, इत्यादि।

मूलभूत सुविधाएँ और अन्य जनता से जुड़ी समस्याएँ :

पीने के पानी, शौचालय सुविधा, खेल के मैदान, स्कूल प्रांगण, मध्यान्ह भोजन समस्याएँ, विभिन्न विषयों के शिक्षकों की कमी जैसी स्कूल की बुनियादी सुविधाओं की कमी। स्कूल परिसर में स्थानीय लोगों द्वारा शराब का सेवन और स्कूल परिसर का दुरुपयोग, गांव में जल निकासी, सड़क की समस्या, खुले हुए कुएँ, सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था ना होना इत्यादि।

ओपन हाउस का असर

- मामलों के दर्ज किए जाने में बढ़ोतरी
- कई स्कूलों और खेल के मैदानों में सीमा दीवार के निर्माण की पहल के लिए चाइल्डलाइन द्वारा काम आसान किया गया
- लड़कियों और लड़कों के लिए कई स्कूलों में अलग अलग शौचालय, स्थानीय पंचायत नेताओं के ज़रिए पीने के पानी की सुविधाएँ और मध्यान्ह भोजन से जुड़ी समस्याओं का समाधान
- आई.सी.पी.एस योजना, आर.बी.एस.के योजना इत्यादि के अंतर्गत कई बाल प्रायोजन योजनाओं को जोड़ा गया
- जहाँ भी स्कूल परिसरों का दुरुपयोग हो रहा था वहाँ पुलिस द्वारा नियमित बीट की शुरुआत की गई
- कई गांवों में जल निकासी समस्या के समाधान, खुले कुओं को ढंकना और सड़क पर प्रकाश की व्यवस्था के लिए चीज़ें सुगम करना
- इससे विभागों और इसके साथ ही समुदाय के लोगों के बीच स्वस्थ समन्वय स्थापित करने में मदद मिली
- परिवहन विभाग के समन्वय से कई गांवों में बस सुविधाएँ शुरु की गई और स्कूली बच्चों के साथ बातचीत करते समय बस चालक और वाहक के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव सुनिश्चित किया गया

बच्चों से जुड़ी समस्याएँ साझा करने के लिए ओपन हाउस बच्चों और समुदाय के लिए एक अनोखा कार्यक्रम है। इससे चाइल्डलाइन को भी बच्चों को सुनने और सुझावों सहित चाइल्डलाइन और अन्य विभागों की सेवा के बारे में प्रतिक्रिया एकत्रित करने का मौका उपलब्ध होता है। लाइन विभाग से अधिकारी भी ओपन हाउस कार्यक्रमों में शामिल होते हैं।

बच्चों, समुदाय के लोगों और सम्बद्ध विभागों के साथ कुल १५६ ओपन हाउस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुल ९४८७ बच्चे, १४०४ हितधारकों ने इसमें हिस्सा लिया और ३९० मामलों को इन ओपन हाउस के ज़रिए दर्ज किया गया।

ओपन हाउस के दौरान उठाए गए मुद्दे:

- स्कूल बीच में ही छोड़ देना
- सुरक्षित पीने के पानी की कमी
- खेल मैदान सुविधाओं का ना होना
- किचन के लिए छप्पर ना होना
- कम्प्यूटर लैब की अनुपलब्धता
- सीमा दीवार का ना होना
- छेड़–छाड़ की समस्या
- एसएडीएआरएएम प्रमाणपत्र / विकलांगता प्रमाणपत्र
- साफ सफाई सुविधाओं की कमी
- मध्यान्ह भोजन/ आहार की समस्या
- नशीले पदार्थ का सेवन
- आंगनवाड़ी केंद्र की समस्याएँ
- आरटीसी से जुड़ी समस्याएँ

ओपन हाउस के पहले लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं था

१ स्कूल ने लड़कियों के लिए अलग शौचालय का निर्माण किया

ओपन हाउस बैठकों के प्रमुख नतीजे :

- स्कूल छोड़ चुके १४५ बच्चों को फिर से दाखिल किया गया
- २७ बच्चों को आश्रय उपलब्ध कराया गया
- ८९ नशे का सेवन करने वाले बच्चों को मुख्यधारा में लाया गया

- छेड़छाड़ के २२ मामलों को सुलझाया गया
- ५ स्कूलों में सुरक्षित पीने के पानी की व्यवस्था
- ३ स्कूलों को खेल के मैदानों की सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई
- ३ रसोईघरों में छप्परों का नए तौर पर निर्माण किया गया
- २ स्कूलों में कम्प्यूटर लैब का परिचालन शुरु किया गया
- २ स्कूलों में सीमा दीवार का नए तौर पर निर्माण
- स्कूली स्तर पर १८ छेड़छाड़ की समस्याओं को सुलझाया गया
- बच्चों के लिए १२ एस.ए.डी.ए.आर.ए.एम / विकलांगता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए गए
- ३६ स्कूलों में साफसफाई सुविधाओं में सुधार
- १ स्कूल में लड़कियों के लिए अलग शौचालय का निर्माण
- २९ जगहों पर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता में सुधार
- करीबी आंगनवाड़ी से जोड़ते हुए २० आंगनवाड़ी सेवाएँ – पोषणयुक्त आहार का प्रावधान
- गांव आर.टी.सी से जुड़ी ४ समस्याएँ– स्कूलों में विनती स्टॉप, बस के समय में बदलाव इत्यादि

तेलंगाना

ओपन हाउस कार्यक्रम–पेड्डापल्ली जिले

तमिलनाडू

कुल ४४२ ओपन हाउस आयोजित, जिसके ज़रिए २९९०५ बच्चों और २२४२४ वयस्कों तक पहुंचा गया और करीब ४९१ मामलों को दर्ज किया गया। स्कूल/गाँव स्तर की आधारभूत ज़रुरतों, परिवहन सुविधाओं जैसी समस्याओं को भी संबोधित कर सुलझाया गया।

केरल

केरल में २२२ और लक्षद्वीप और पुडुचेरी के केंद्रशासित ज़िलों में २४ ओपन हाउस आयोजित कर हासिल करने की योजना थी। इस लक्ष्य में से केरल ने १६८ और केंद्रशासित प्रदेश में १२ ओपन हाउस का आयोजन किया गया। लक्ष्य को पूरा न कर पाने का प्रमुख कारण २०१९ के मानसून के दौरान ज़्यादातर ज़िलों में अनुभव की गई लगातार और अप्रत्याशित बाढ़ की स्थिति थी।

चाइल्डलाइन की शुरुआत से ही ओपन हाउस इसका एक रणनीतिक घटक कार्यक्रम रहा है। इसके साथ ही बच्चों की आवाज़ सुनने के लिए ओपन हाउस चाइल्डलाइन का महत्वपूर्ण साधन भी रहा है।

साल २०१९–२०२० के दौरान सरकारी विभाग के उचित सरकारी विभाग के प्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ चाइल्डलाइन द्वारा ओपन हाउस आयोजन में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की गई थी। यहाँ बच्चों को उनकी समस्याएँ अधिकारियों के सामने रखने के लिए मंच उपलब्ध कराया गया था। इससे अधिकारियों को बच्चों के मुँह से ही उनकी समस्या जानने का मौका मिला जिसके कारण आयोजित किए गए ओपन हाउस के नतीज़ों पर स्थायी असर देखा गया। आमने–सामने बातचीत किए जाने से बच्चों की कई सम स्याओं का निराकरण हो गया जैसे : निजी बस कर्मचारियों द्वारा अभद्र व्यवहार, आसपास अवैध शराब के निर्माण और वितरण पर उत्पाद शुल्क विभाग की कार्रवाई, सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था, दूर जगहों के लिए बस सेवाएँ, स्कूल परिसर के आसपास बच्चों की सुरक्षा, घर पर उपेक्षित किए जाने की घटनाएँ, छेड़छाड़ से बचाव इत्यादि। ओपन हाउस के ज़रिए बच्चों द्वारा सुरक्षा और देखभाल की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया गया जिनमें से ज़्यादातर समस्याओं का निराकरण किया गया जबकि शेष पर अब भी कार्य जारी है।

चाइल्डलाइन केरल द्वारा ओपन हाउस कार्यक्रम

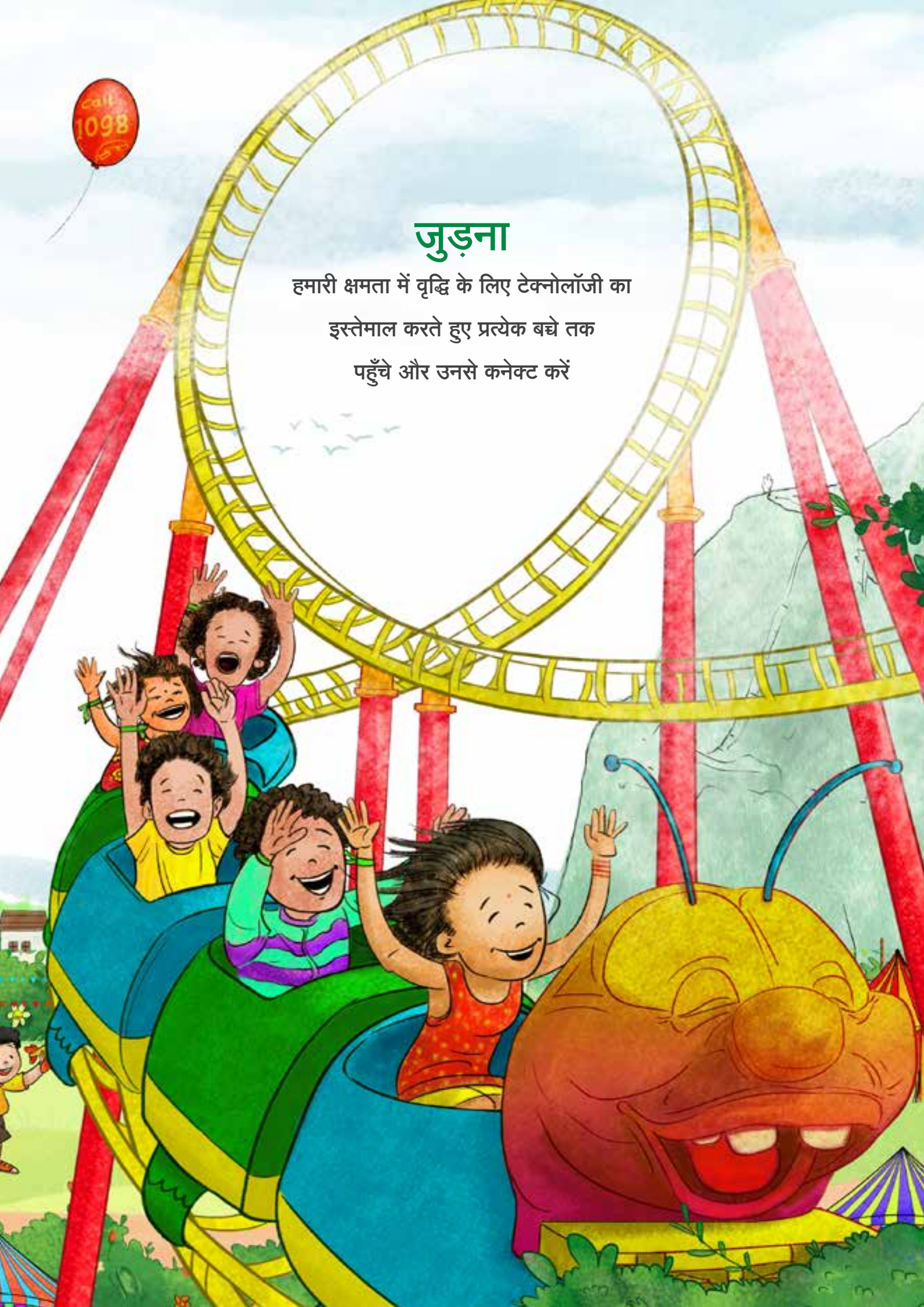

जुड़ना

हमारी क्षमता में वृद्धि के लिए टेक्नोलॉजी का
इस्तेमाल करते हुए प्रत्येक बच्चे तक
पहुँचे और उनसे कनेक्ट करें

कॉल का विश्लेषण

चाइल्डलाइन १०९८ सेवा ९२५ भागीदार संस्थाओं (३१ मार्च, २०२० तक) के एक अच्छी तरह एकीकृत नेटवर्क के ज़रिए भारत में ३५ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के ५०२ शहरों/ज़िलों में उपलब्ध है। देखभाल और सुरक्षा की ज़रुरत वाले बच्चों के लिए और परेशानी में फंसे बच्चों को राहत पेश करने हेतु पहली प्रत्यर्थी होने के अलावा यह मौजूदा बाल संरक्षण कार्य प्रणाली को आकार देने और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

ज़िलों की संख्या	१६१	१५९	११८	१२०	५५८
श्रेणियाँ	उत्तर	पूर्व	पश्चिम	दक्षिण	राष्ट्रीय
हस्तक्षेप					
चिकित्सा	५,२१६	१०,५२१	५,६५८	३,५४५	२४,९४०
आश्रय	३,०६६	८,१०७	३,०५०	७,९७७	२२,२००
पुनःस्थापन	२३४	१२,०५७	१८३	१३,११८	२५,५९२
दुर्व्यवहार से संरक्षण	२९,१६०	२५,७९०	१७,९८५	५६,४७८	१२९,४१३
कानून के साथ संघर्ष की स्थिति में बच्चा	२३३	८३	१९४	२३३	७४३
प्रायोजन	४,२६९	१,६५३	३,६४९	३,१७३	१२,७४४
गुमशुदा	२१,२४८	६,८८६	१३,६३३	३,५४६	४५,३१३
कोरोना (कोविड–१९)	५६०	१६	१३७	२०	७३३
भावनात्मक सहायता और मार्गदर्शन	५,७८३	४,८१०	४,४६४	१०,७४४	२५,८०१
अन्य हस्तक्षेप	११,०३८	१३,२९२	१०,९८५	२०,६००	५५,९१५
सेवाओं के लिए जानकारी/रेफरल	५०,९८१	५९,४५४	७,३८८	१०५,१६०	२२२,९८३
हस्तक्षेप के लिए आगे की कार्यवाही	५९,७७६	१०१,३७१	१६,८००	१४,०१९	१९,१९६६
विश्वास निर्माण	१,१६८,७७३	४९९,८९४	४३६,९३५	७६९,७९७	२,८७५,३९९
क्रैंक/चैट	६४५,४७८	३६७,९४१	३६४,२६२	१८७,११५	१,५६४,७९६
हस्तक्षेप कॉल्स – ख	**२,००५,८१५**	**१,१११,८७५**	**८८५,३२३**	**१,१९५,५२५**	**५,१९८,५३८**
II. ग़ैर–हस्तक्षेप कॉल्स					
जागरुकता निर्माण कॉल्स	५२,५१३	२०,९२१	५४,८३२	७०,८५६	१९९,१२२
तकनीकी कनेक्टिविटी समस्याएँ	२९४,४१९	५७१,५२१	५०२,१०३	५२८,७१९	१,८९६,७६२
कोई अन्य	१४९	०	४२	७५	२६६
गैर–हस्तक्षेप कॉल्स– ख ख	**३४७,०८१**	**५९२,४४२**	**५५६,९७७**	**५९९,६५०**	**२,०९६,१५०**
कुल – ख + ख ख	**२,३५२,८९६**	**१,७०४,३१७**	**१,४४२,३००**	**१,७९५,१७५**	**७,२९४,६८८**

प्रत्यक्ष हस्तक्षेप कॉल्स

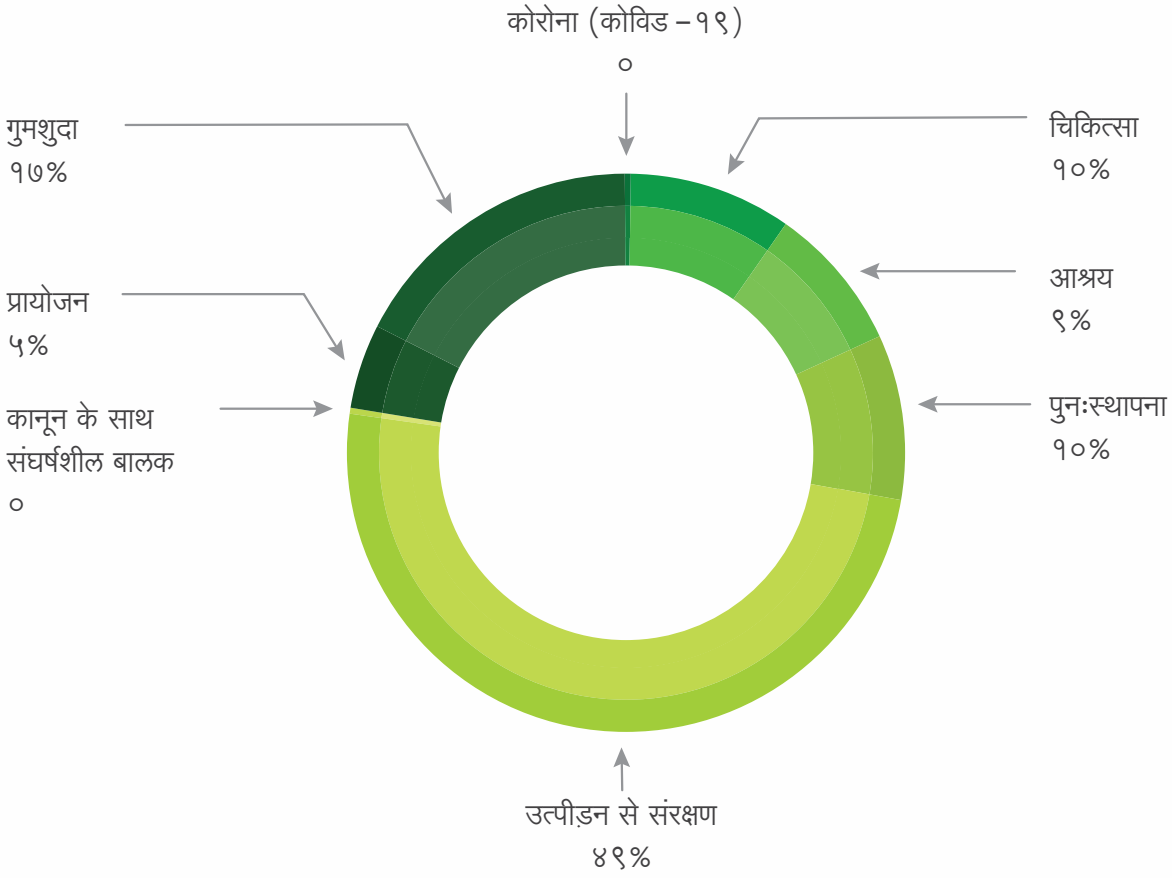

अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप कॉल्स

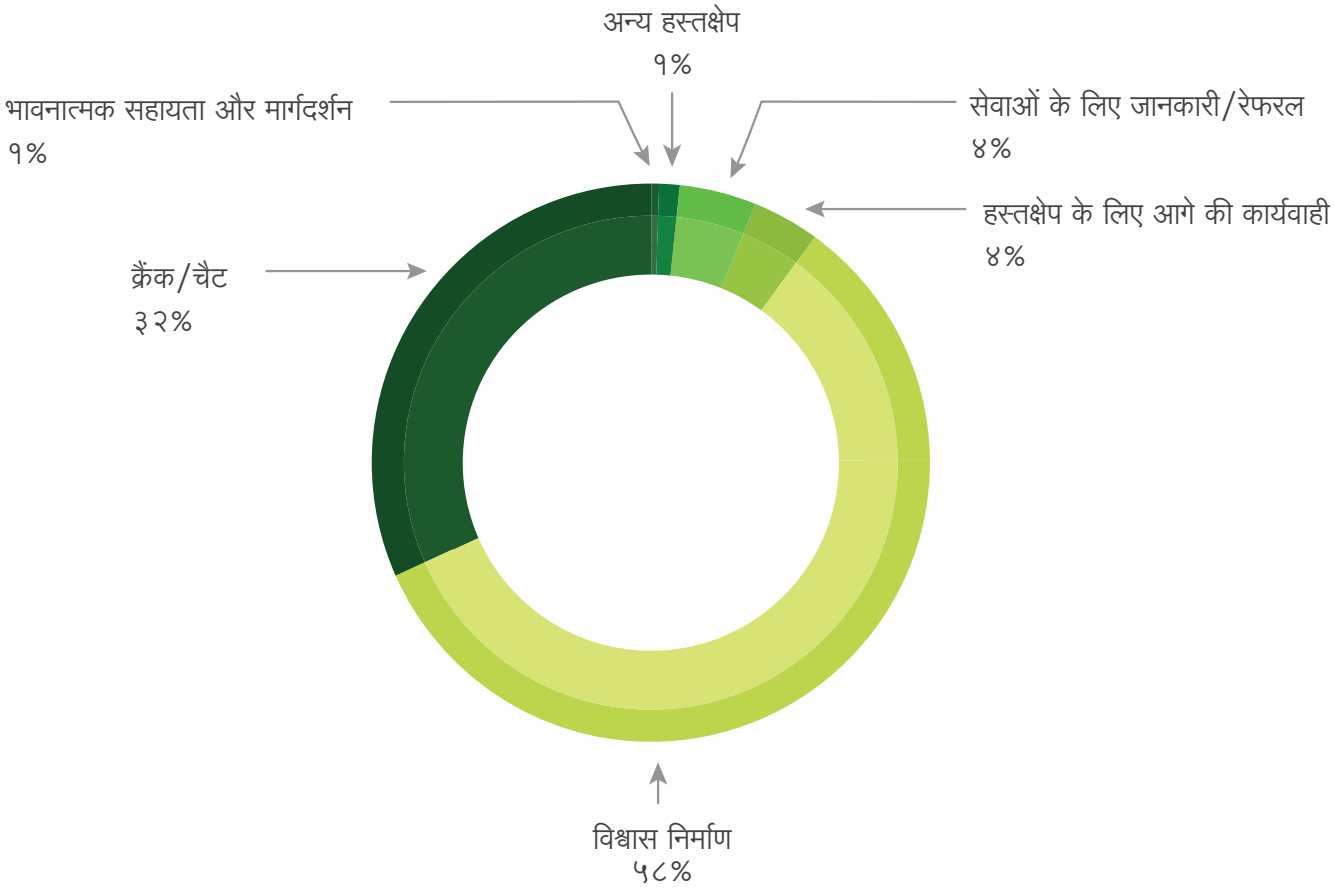

चाइल्डलाइन मामलों का स्त्रोत

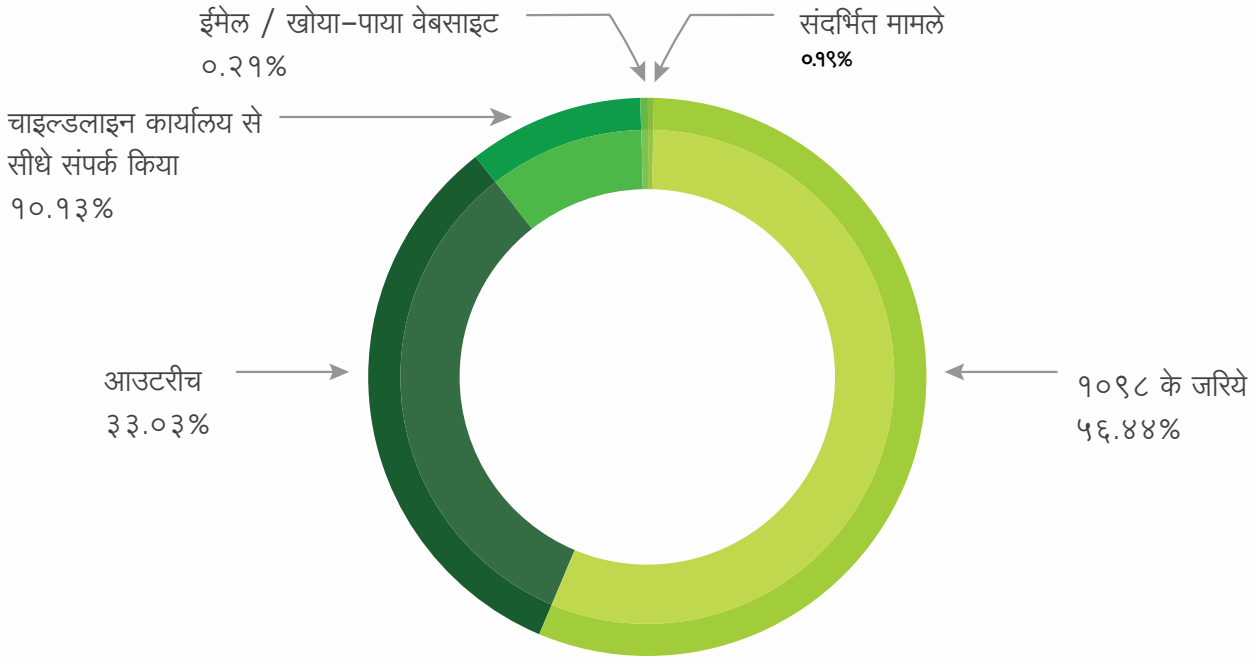

किस प्रकार बच्चों ने चाइल्डलाइन १०९८ पर कॉल किया?

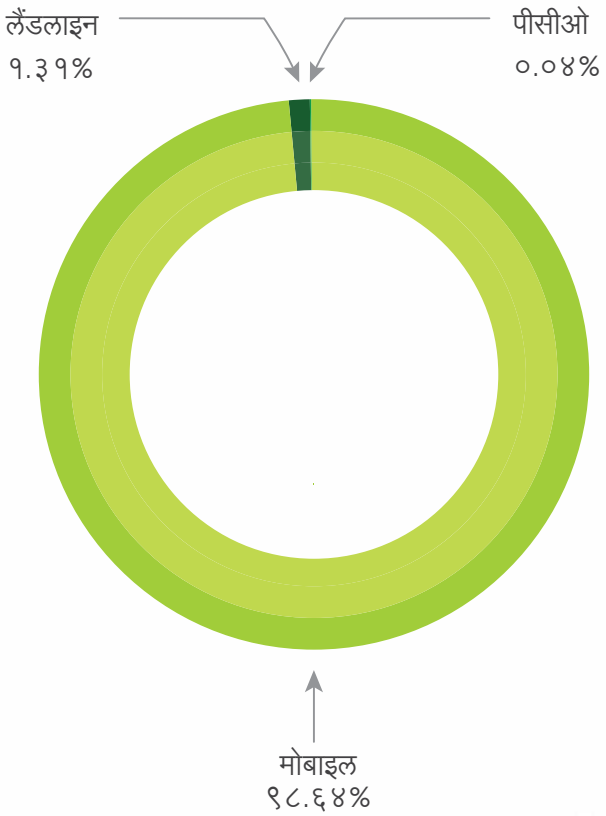

सहायता प्रदान किए गए बच्चों का आयू समूह

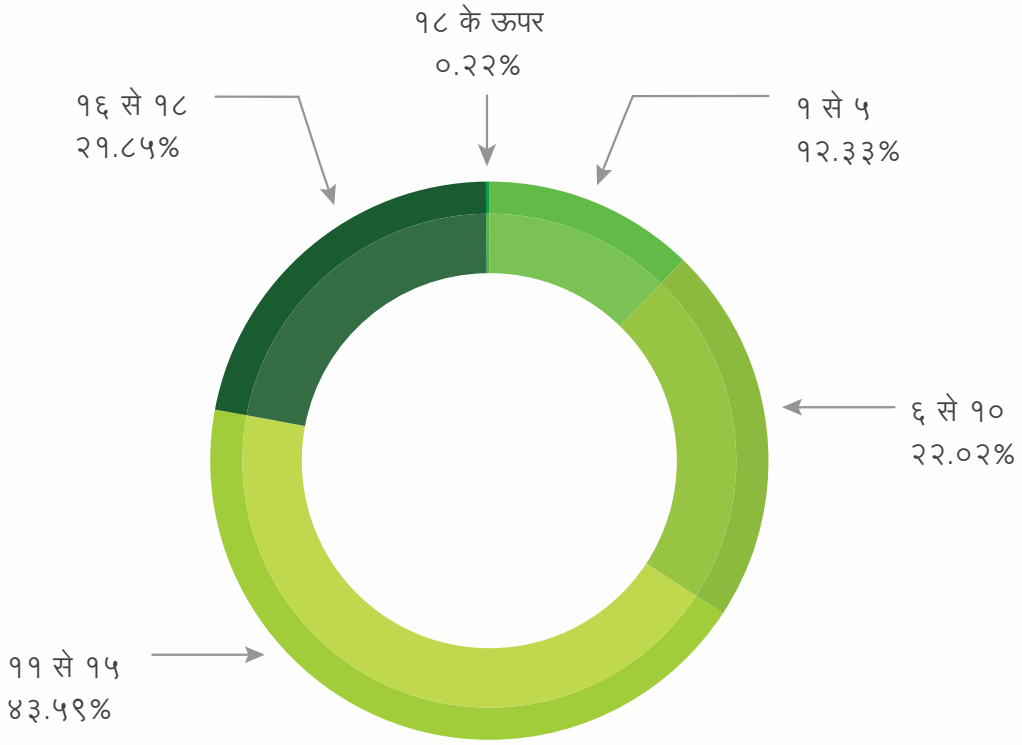

सहायता प्रदान किए गए बच्चों का लिंग

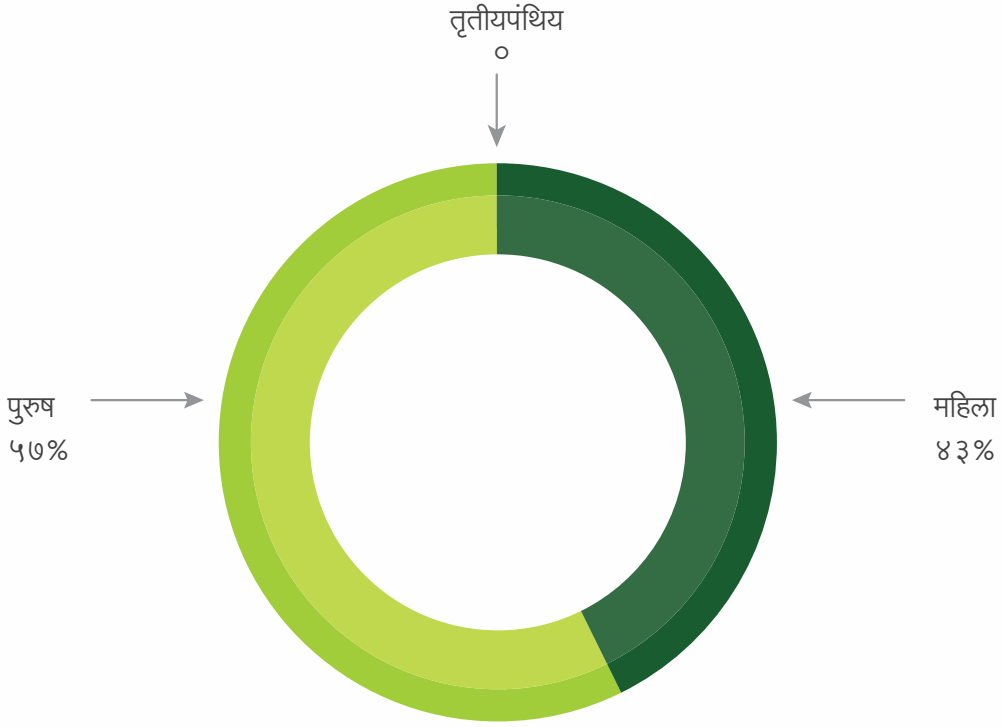

नोट : – चाइल्डलाइन को ९ तृतीयपंथियों के मामले प्राप्त हुए हैं। बेहद कम संख्या के कारण प्रतिशत शून्य प्रदर्शित हो रहा है।

चाइल्डलाइन संपर्क केंद्र (सी.सी.सी)

देखभाल और संरक्षण की ज़रुरत वाले बच्चों के लिए चाइल्डलाइन १०९८ सेवा एक मुफ्त २४ घंटो वाली, आपातकालीन, फोन-आउटरीच सेवा है। प्रत्येक परेशानी में फंसे बच्चे की आवाज़ चाइल्डलाइन संपर्क केंद्रों (सी.सी.सी) के ज़रिए हम तक पहुँचती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि परेशानी में फंसे प्रत्येक बच्चे की मदद के लिए पुकार सुनी जाए और उस तक सहायता पहुँचे, चाइल्डलाइन सेवा देश के प्रत्येक कोने तक पहुँचना ज़रुरी है। इसी उद्देश्य के साथ समकालीन टेक्नोलॉजी और प्रणाली का इस्तेमाल सी.सी.सी में किया जाता है जहाँ कॉल्स भेजे जाते हैं। वर्तमान में ५ जगहों (मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और बैंगलुरु) में कॉल प्राप्त करनेवाले ६ केंद्र हैं और सभी चाइल्डलाइन शहरों/ज़िलों को उनसे जोड़ा गया है। सी.सी.सी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर रात-दिन लगातार कॉल का जवाब दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक बच्चा जो १०९८ पर कॉल करता है उसे स्थानीय स्तर पर भागीदारों के ज़रिए सहायता उपलब्ध कराई जा सके। सी.सी.सी में सी.आए.फ कर्मचारी रखे जाते हैं और क्लाउड आधारित कनेक्टिविटी का इस्तेमाल करते हुए टेक्नोलॉजी/इन्फ्रास्ट्रक्चर को टीसीएस को आउटसोर्स किया गया है।

सी.सी.सी कैसे कार्य करती है

एक बार १०९८ पर सी.सी.सी में कॉल प्राप्त होने पर, एक प्रशिक्षित चाइल्डलाइन संपर्क अधिकारी (सीसीओ) द्वारा इस कॉल का जवाब दिया जाता है। यदि फोन पर ही कॉल का समाधान हो जाता है तो यह सी.सी.सी ऑपरेशन बन जाता है। हालाँकि ऐसे कॉल के लिए जिसमें प्रत्यक्ष हस्तक्षेप की ज़रुरत होती है, सीसीओ विवरण की सूची बनाता है और सहयोगी भागीदारों (चाइल्डलाइन हस्तक्षेप इकाई) को उस शहर में कॉल करता है जहाँ से कॉल आया है। इसके बाद सहयोग भागीदार आगे की कार्रवाई करता है और सी.सी.सी को हस्तक्षेप के अनुमानित समय के बारे में सूचित करता है और हस्तक्षेप के बाद इस केस का संपूर्ण विवरण सी.सी.सी को रिपोर्ट करता है। इससे सी.सी.सी को दस्तावेजीकरण पूरा कर पाना संभव होता है। कभी कभी कॉलर स्थानीय भाषा में बात करता है। ऐसे मामलों में सी.सी.सी स्थानीय सहयोग भागीदार के साथ एक कॉन्फरेंस कॉल की व्यवस्था करता है।

विस्तार मॉडल

- दूरस्थ स्थित प्राथमिक डाटा केंद्र मुंबई में और डिज़ास्टर बैकअप द्वितीयक डाटा केंद्र चेन्नई में है
- डाटा सेंटर को सीआरएम सॉफ्टवेयर सर्वर, कॉल रिकॉर्डिंग सर्वर, जेनेसिस प्लैटफॉर्म सर्वर, डाटा बैकअप सर्वर होस्ट करना होता है
- इन्हें एम.पी.एल.एस (मल्टी प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग) क्लाउड के ज़रिए प्रत्येक सी.सी.सी स्थल से जोड़ा जाता है
- प्रत्येक शहर में टी.सी.एस फैसिलिटी पर सी.सी.सी स्थलों को एम.पी.एल.एस क्लाउड आधारित कनेक्टिविटी के ज़रिए डाटा केंद्रों से जोड़ा जाता है
- वेंडर्स में शामिल हैं: होस्टेड सॉल्यूशन मॉडल (डाटा केंद्र और एम.पी.एल.एस कनेक्टिविटी) और प्रत्येक शहर में सी.सी.सी सुविधा के लिए टाटा कन्सल्टेंसी सर्विसेज़ (टी.सी.एस) और सी.आर.एम सॉफ्टवेयर के लिए टैलिस्मा

प्रत्येक सी.सी.सी स्थल का कवरेज

उत्तर

गुड़गांव सी.सी.सी: उत्तर से आंशिक कॉल : जम्मू एवं कश्मीर, हि. प्र., पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, चंड़ीगढ़

पूर्व

कोलकाता सी.सी.सी : पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय, मणीपुर, त्रिपुरा, नागालैंड, सिक्किम, मिज़ोरम, अरुणाचल प्रदेश और अंदमान

पश्चिम

मुंबई सी.सी.सी : उत्तर से आंशिक कॉल : उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली। पश्चिम : मप्र, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मुंबई

दक्षिण

चेन्नई और बैंगलुरु सी.सी.सी: तमिलनाडू, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, पुडुचेरी

सी.सी.सी विवरण (*मार्च ३१, २०१९ तक)

सूचकांक	संख्या
सी.सी.सी स्थल की संख्या	६
सीटों की संख्या	१३५
कवर किए गए चाइल्डलाइन स्थलों की संख्या	५९९
पीआरआई इन्कमिंग लाइनें	३६० (१२ **PRI**)
कवरेज	संपूर्ण भारत

क्षेत्र (सी.सी.सी)	पेश किए गए कॉल्स (कुल कॉल)	जवाब दिए गए कॉल्स	छोड़े गए कॉल्स	१० सेकंड से कम अवधि के छोड़े गए कॉल
गुड़गांव उत्तर	२,६०५,१२२	२,१८८,७१०	४१६,४१२	१९४,१४९
कोलकाता (पूर्व)	१,९२४,८०८	१,६९९,१७४	२२५,६३४	९३,९८६
चेन्नई (दक्षिण)	१,३४०,७९१	१,२१८,८९८	१२१,८९३	५२,२४४
बैंगलुरु (दक्षिण)	५७९,७३७	५७०,५३९	९,१९८	४,८२४
मुंबई (विक्रोली)	१,१६९,२०१	१,०२१,५६९	१४७,६३२	४२,२५१
मुंबई (गोरेगांव)	६२१,२९०	५७९,९३९	४१,३५१	१८,२९४
	६८६,७४६	६०६,५६९	८०,१७७	३३,८१२
	२२,८९२	२०,२१९	२,६७३	१,१२७

वर्णन	कुल	
कुल शहरों की संख्या मार्च २०२० तक	५५९	
प्राप्त हुए कॉल्स की कुल संख्या	८,२४०,९४९	
जवाब दिए गए कॉल्स की कुल संख्या	७,२७८,८२९	
छोड़ दिए गए कॉल्स की कुल संख्या	९६२,१२०	
औसत १० सेकंड से कम के छोड़ दिए गए कॉल्स	४०५,७४८	
प्रति माह प्राप्त हुए औसत कॉल्स	६८६,७४६	
प्रति माह जबाव दिए गए औसत कॉल्स	६०६,५६९	
प्रति माह छोड़ दिए गए औसत कॉल्स	८०,१७७	११.६७%
प्रति माह औसत १० सेकंड से कम के छोड़ दिए गए कॉल्स	३३,८१२	
प्रति दिन प्राप्त होने वाले औसत कॉल्स	२२,८९२	
प्रति दिन जबाव दिए गए औसत कॉल्स	२०,२१९	
प्रति दिन छोड़ दिए गए औसत कॉल्स	२,६७३	
प्रति दिन औसत १० सेकंड से कम के छोड़ दिए गए कॉल्स	१,१२७	
जवाब दिए गए कॉल्स की औसत गति :	:०२ सेकंड	
कॉल टाइम पर औसत :	:५० सेकंड	
औसत छोड़ दिया गया टाइम :	:०२ सेकंड	

जवाब दिए गए

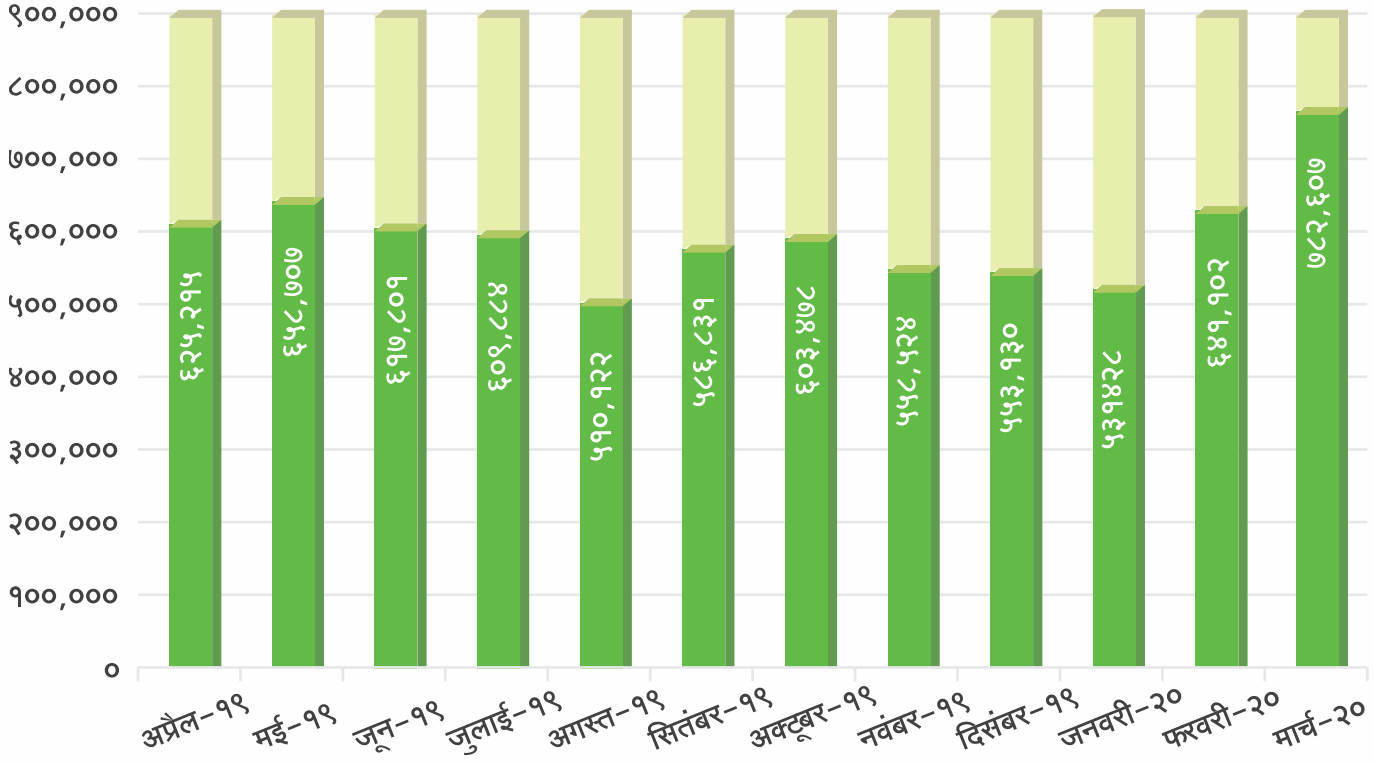
९००,०००
८००,०००
७००,०००
६००,०००
५००,०००
४००,०००
३००,०००
२००,०००
१००,०००
०
६२५,२९५
६५८,७०७
६१७,८०९
६०९,८८४
५१०,१२२
५८६,८३१
६०३,४७८
५५८,५२४
५५३,१३०
५३१४२८
६४१,१०२
७८२,६०७
अप्रैल–१९
मई–१९
जून–१९
जुलाई–१९
अगस्त–१९
सितंबर–१९
अक्टूबर–१९
नवंबर–१९
दिसंबर–१९
जनवरी–२०
फरवरी–२०
मार्च–२०

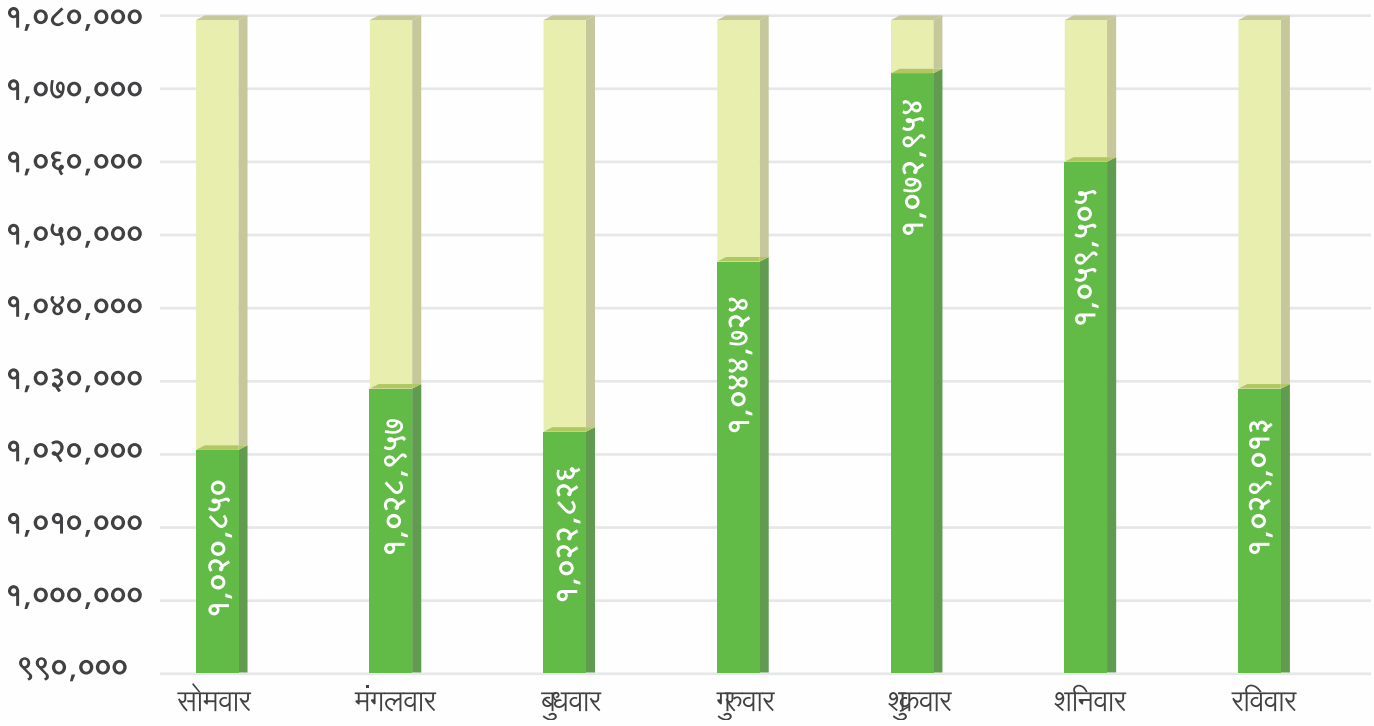
१,०८०,०००
१,०७०,०००
१,०६०,०००
१,०५०,०००
१,०४०,०००
१,०३०,०००
१,०२०,०००
१,०१०,०००
१,०००,०००
९९०,०००
१,०२०,८५०
१,०२८,९५७
१,०२२,८२६
१,०४४,७२४
१,०७२,९५४
१,०५९,५०५
१,०२९,०७३
सोमवार
मंगलवार
बुधवार
गुरुवार
शुक्रवार
शनिवार
रविवार

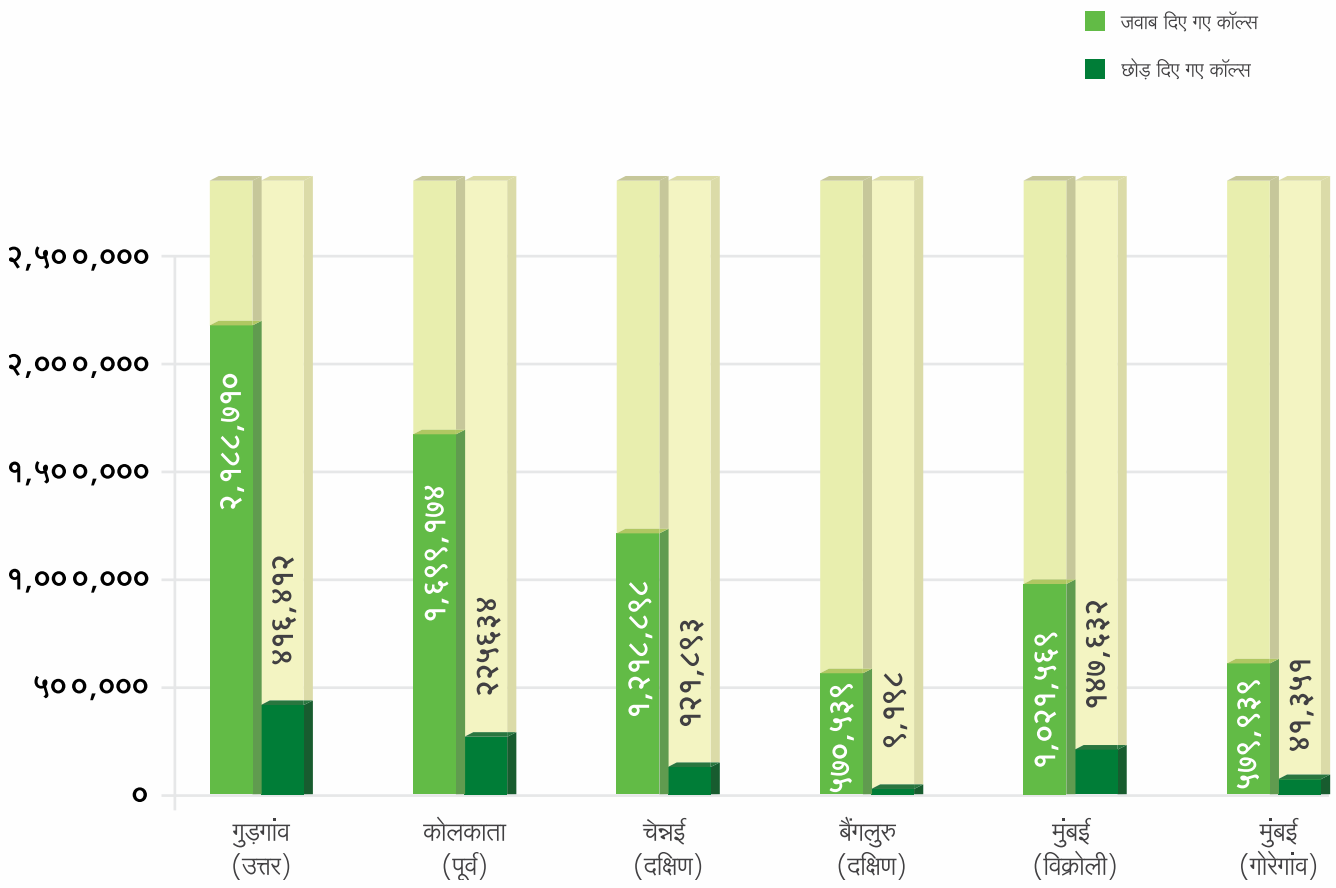

विभाग के अनुसार हस्तक्षेप

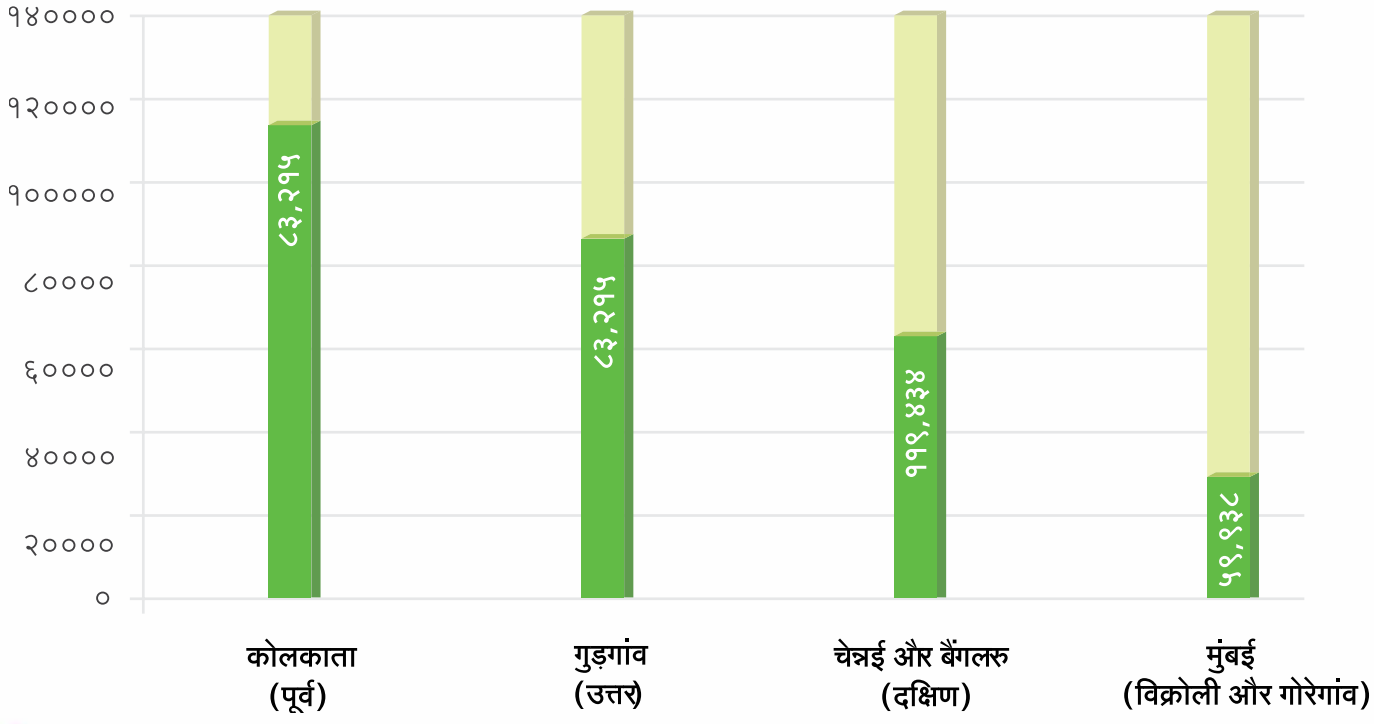

वार्षिक ट्रेंड : अप्रैल १, २०१९ से मार्च ३१, २०२० के दौरान जवाब दिए गए और छोड़ दिए गए कॉल्स का प्रतिशत

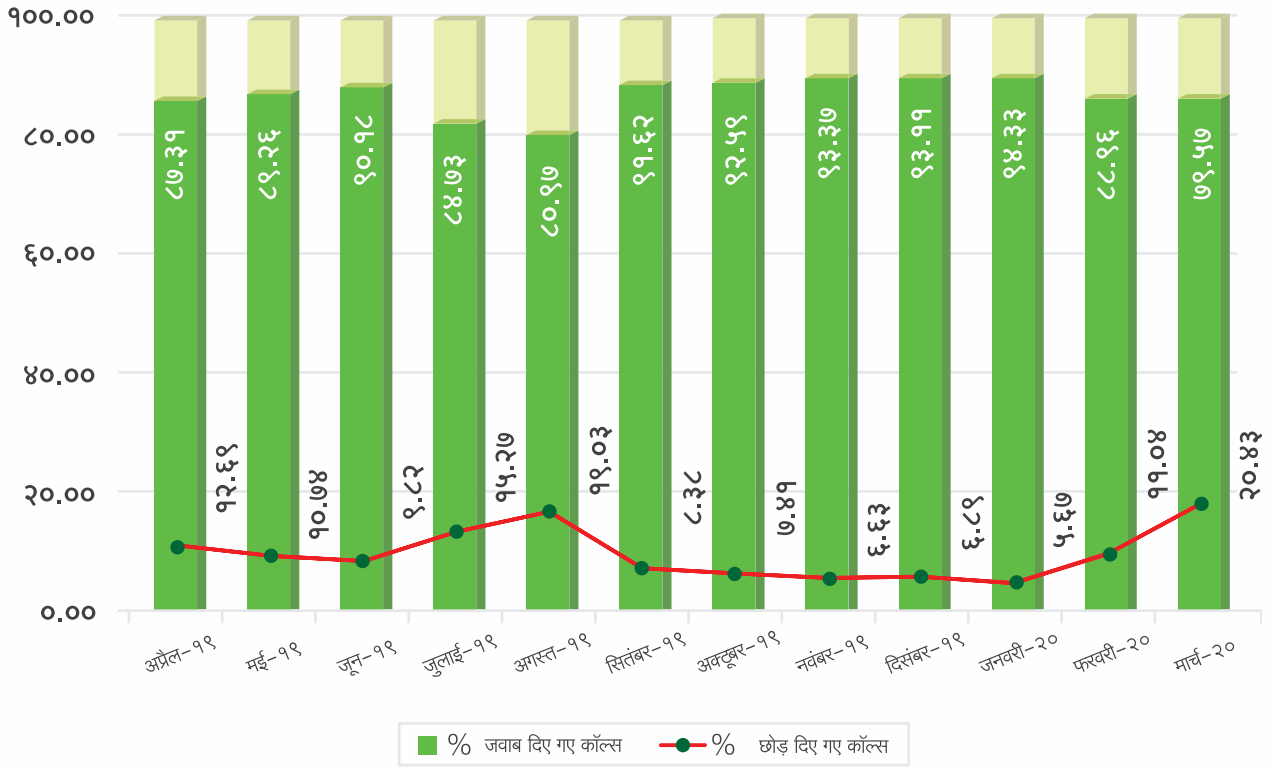

अप्रैल १, २०१९ से मार्च ३१, २०२० के दौरान जवाब दिए गए विरुद्ध छोड़ दिए गए कॉल्स

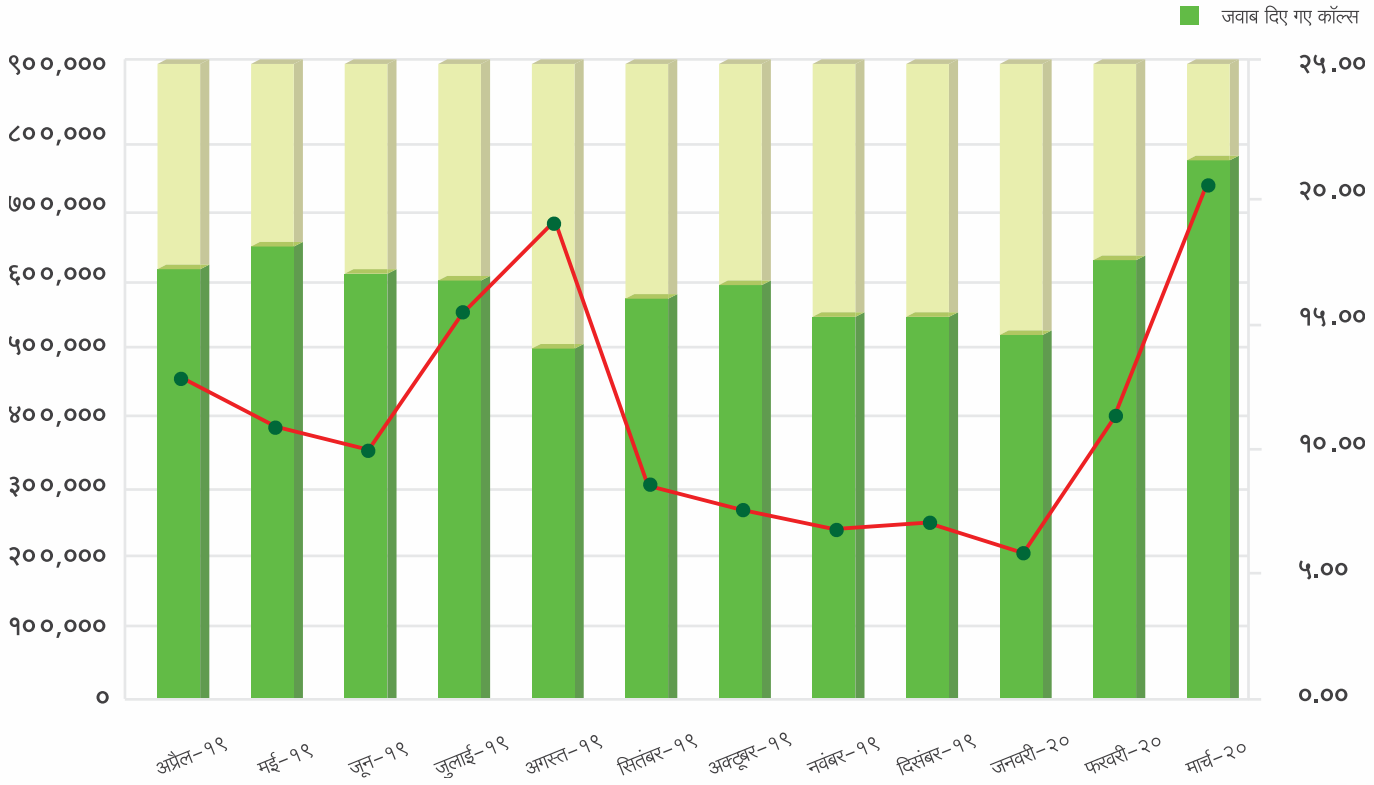

एमटीडी ट्रेंड-जवाब देने की गति और सेवा स्तर का औसत

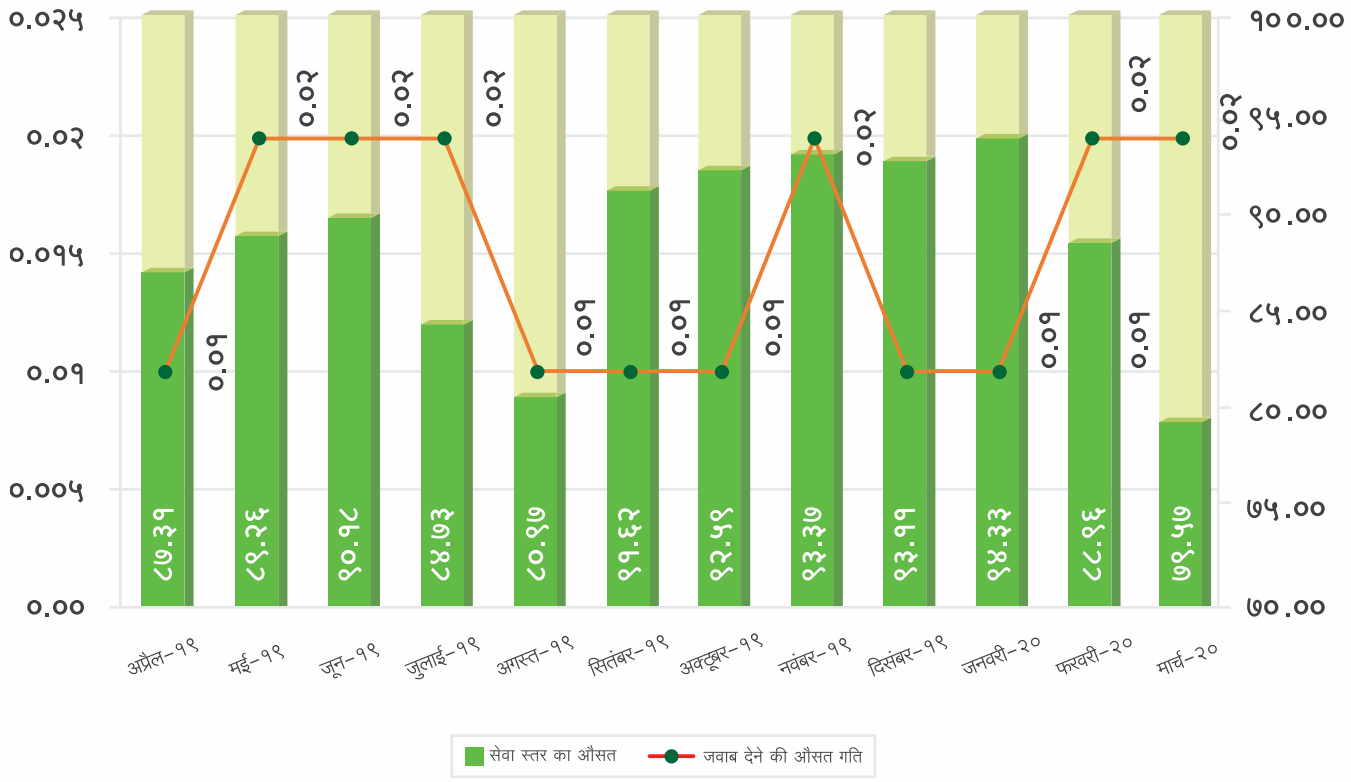

परेशानी में फंसे बच्चों के लिए सहायता

नीचे उल्लिखित सहायता / मामले चाइल्डलाइन द्वारा किए गए अनगिनत कार्यों में से केवल कुछ उदाहरण हैं।

**** पहचान की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उल्लिखित मामलों के विवरणों को बदल दिया गया है।***

केस स्टडी

आपातकालीन चिकित्सा

८ जुलाई २०१९ को चाइल्डलाइन को संगीता (बदला हुआ नाम) की ओर से उसकी बेटी के संबंध में एक कॉल प्राप्त हुआ जिसे चलने में परेशानी हो रही थी। चाइल्डलाइन टीम ने कॉलर को बच्ची के साथ चाइल्डलाइन कार्यालय में पहुँचने का अनुरोध किया। कॉलर अगले दिन उसकी बच्ची के साथ चाइल्डलाइन कार्यालय में पहुँची और उसने खुलासा किया खेलते समय उसकी बच्ची को घुटने में चोट लग गई थी। बच्ची को तुरंत नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया।

बच्ची की जाँच की गई और एक्स रे निकाला गया, जिसके बाद डॉक्टरों ने जानकारी दी कि उसके घुटनों में पानी भर गया है और पानी को निकालने के लिए तुरंत एक छोटी सर्जरी करवाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही, एक सप्ताह के बाद एक और सर्जरी कराने की आवश्यकता होगी, अन्यथा बच्ची को अपना पैर खोना पड़ सकता है। चाइल्डलाइन टीम ने सफलतापूर्वक दोनों सर्जरियाँ करवाई और बच्ची को विकलांग होने से बचा लिया।

नशीले पदार्थ का सेवन / नशे की लत

यह केस स्टडी एक १६ वर्षीय बच्चे के संबंध में है जो तीन साल तक नशीले पदार्थ के सेवन के प्रभाव में रहा। चाइल्डलाइन अनंतनाग को चाइल्डलाइन संपर्क केंद्र की ओर से एक कॉल प्राप्त हुआ और कॉलर ने चाइल्डलाइन अनंतनाग को जानकारी दी की उक्त बच्चा नशीले पदार्थ का सेवन करता है और वह उचित सहायता चाहता है।। चाइल्डलाइन अनंतनाग काउन्सलर और एक टीम इस केस को पूरी तरह समझने और बच्चे के साथ घनिष्ठता बनाने के लिए के लिए बच्चे के पास गए। काउन्सलर ने बच्चे को उसकी समस्या से बाहर आने के लिए बहुत प्रयास किए और इस प्रकार काउन्सलिंग का पहला सत्र पूरा किया गया। काउन्सलिंग सत्र के दौरान यह पाया गया कि बच्चा मानसिक रुप से भटक गया है और हमारी सहायता प्राप्त नहीं कर पा रहा है। उसकी स्थिति इतनी खराब थी कि वह होश में ही नहीं रहता था। उसके मातापिता ने उसे ठीक कराने के लिए सभी प्रकार की कोशिशें की थी लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। इसके साथ ही चाइल्डलाइन अनंतनाग ने नशा मुक्ति केंद्र से इस बच्चे को दाखिल करने के लिए संपर्क किया और उन्हें सकारात्मक जवाब मिला। इस बीच भर्ती प्रक्रिया को आसान करने के लिए सी.डब्ल्यू.सी पुलवामा को भी इस केस के बारे में सूचित किया गया था।

मानव तस्करी का मामला

घाटी में २०१९ के अशांतता के माहौल में एक १६ साल की लड़की को बिहार ले जाकर बेच दिया गया था। घाटी में सभी प्रकार के संचार पर प्रतिबंध लगा हुआ था। इस मामले को एक न्यूज़ चैनल द्वारा टीवी पर दिखाया गया था। अगले दिन चाइल्डलाइन की टीम संबंधित गांव में पहुँची और उक्त परिवार के बारे में पुष्टि की। सौभाग्य से चाइल्डलाइन ने उक्त परिवार का पता लगा लिया और परिवार के लोगों से बातचीत की। बच्ची के पिता ने हमें जानकारी दी कि एक बाहरी व्यक्ति ने उसकी बेटी की अवैध तरीके से बिहार में तस्करी की है, जो उसी गाँव में मिस्त्री के तौर पर काम कर रहा था। इस संबंध में पुलिस थाने में सी.आर.पी.सी. की धारा ३६३ के अंतर्गत एफ. आई.आर दर्ज की गई। चाइल्डलाइन अनंतनाग की टीम ने केस की स्थिति जानने के लिए संबंधित पुलिस थाने का दौरा किया। संबंधित जाँच अधिकारी ने हमें केस के बारे में बताया कि लड़की को बचाने के लिए पीड़िता के परिवार के सदस्यों के साथ एक पुलिस पार्टी को इटावा गांव भेजा गया था लेकिन लड़की को बचाने की कोशिश नाकाम रही क्योंकि तस्करी करने वाले ने बच्ची को कहीं और भेज दिया था। उसी दिन सी.एल.ए ने सी.ड.ब्ल्यू.सी अनंतनाग, ज़िला बाल तस्करी निरोधक यूनिट अनंतनाग और पुलिस उप-अधीक्षक को इस केस के बारे में सूचित कर दिया। इसके साथ ही सीएलए ने चाइल्डलाइन सुपौल को भी उक्त केस के बारे में सूचित किया और एक बचाव योजना की शुरुआत की गई। जन्म प्रमाणपत्र, एफ.आई. आर कॉपी सहित सभी आवश्यक दस्तावेज़ चाइल्डलाइन सुपौल भेज दिए गए। चाइल्डलाइन सुपौल द्वारा बचाव कार्य किया गया और अंत में लड़की को सुपौल के शेल्टर होम में रखा गया। बच्ची के पुनर्वसन के लिए एक बचाव दल अनंतनाग से सुपौल के लिए रवाना हुआ और ११ अक्तूबर २०१९ को बच्ची को उसके परिवार को सौंप दिया गया।

बाल दुर्व्यवहार

९ जनवरी, २०२० को केरल के कासरगोड़ ज़िले से चाइल्डलाइन को एक सूचना देने वाले के ज़रिए कॉल आया। खबर देने वाले ने

बताया कि एक दस साल की बच्ची को वो जिस स्कूल में पढ़ती है वहाँ के चपरासी द्वारा शारीरिक चोट पहुँचाई गई है। जानकारी के आधार पर चाइल्डलाइन टीम ने वहाँ का दौरा किया।

जब चाइल्डलाइन टीम बच्ची के घर पर पहुँची तो पता चला कि वह अपने माता पिता, दादा–दादी और छोटी बहन के साथ एक किराए के मकान में रहती है। उसके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं और माँ गृहिणी है। बच्ची कासरगोड़ जिले के एक स्कूल में ५वीं कक्षा में पढती है।

बच्ची से घर पर मिलने के बाद टीम को पता चला कि बच्ची डरी हुई थी और स्कूल नहीं जाना चाहती थी। लड़की ने बताया कि एक दिन वह मदरसा का पाठ पूरा किए बगैर वह स्कूल में सुबह ८.४५ बजे पहुँच गई और उस वक्त स्कूल में अन्य छात्र वहाँ नहीं थे। सामान्य तौर पर शिक्षक वहाँ मौजूद रहते थे लेकिन उस दिन अरबी भाषा का शिक्षक छुट्टी पर था। जब बच्ची स्टाफरुम में झाड़ू लेने गई तो चपरासी वहाँ आया और उसे गुप्तांग दिखाने लगा। बच्ची बहुत घबरा गई और उसने वहाँ से भागने की कोशिश की लेकिन उसने उसे पकड़ लिया और ज़बरदस्ती उसे चूमा और गले लगाया। बाद में बच्ची ने अपने दोस्तों को इस घटना के बारे में बताया। इसके बाद शाम को माँ ने पाया कि वह काफी घबराई हुई थी, तो कई बार पूछने पर बच्ची ने अपनी माँ को सबकुछ बता दिया और फिर उन्होंने हेल्पलाइन नंबर १०९८ पर कॉल किया।

बच्ची से बात करने के बाद, पता चला कि उसके अन्य दोस्तों का भी चपरासी के साथ यही अनुभव था। बच्ची के साथ अकेले में गोपनीय बात करने के बाद चाइल्डलाइन की टीम स्कूल में गई और मुख्य अध्यापक की अनुमति लेकर उसके दोस्तों से बातचीत की। चाइल्डलाइन टीम को पता चला की इसी तरह की घटनाएँ कुछ अन्य छात्रों के साथ भी हुई थी। उसी दिन यह जानकारी पोक्सो कानून, २०१२ की धारा १९(१) के अनुसार कासरगोड़ शहर पुलिस के एस.एच.ओ को दी गई। इसके बाद तुरंत पुलिस आई और उन्होंने ६ बच्चों का बयान दर्ज किया और इसके साथ ही मेडिकल जाँच कराई और सी.आर.पी.सी की धारा १६४ के अनुसार मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज किया। अगले दिन दुर्व्यवहार के आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया गया। इतना ही नहीं इसी व्यक्ति ने उसी ज़िले के एक स्कूल में करीब १० छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया था जहाँ वह पहले काम करता था।

वर्तमान में बच्ची उसके माता–पिता के साथ रहती है और वह स्कूल जा रही है। चाइल्डलाइन ने लगातार भावनात्मक मदद और मार्गदर्शन के ज़रिए बच्ची को सामान्य करने के लिए आगे की कार्यवाही की। कुल मिलाकर बच्ची की प्रगति संतोषजनक है और जबकि कानूनी प्रक्रिया पोक्सो कोर्ट में साथ साथ चल रही है, चाइल्डलाइन कासरगोड़ बच्ची को सदमे से उबारने के लिए सभी संभव कोशिशें कर रही है।

बाल दुर्व्यवहार

४ फरवरी २०२० को एक अज्ञात कॉलर ने चाइल्डलाइन १०९८ पर कॉल कर जानकारी दी किस प्रकार एक सौतेले पिता द्वारा उसके दो बच्चों के साथ गंभीर शारीरिक दुर्व्यवहार किया जा रहा है। बच्चे रप्थाडू गाँव के हैं और सरकारी स्कूल, अनंतपुर में पढ़ रहे हैं।

९ फरवरी २०२० को चाइल्डलाइन टीम ने स्कूल की मुख्याध्यापिका से मुलाकात की और इन बच्चों के बारे में पूछताछ की। चाइल्डलाइन ने व्यक्तिगत रुप से घटना के बारे में बच्चों से बातचीत की और उन्हें यह पता चला कि सौतेले पिता उनकी बुरी तरह पिटाई करते हैं। उन्हें तुरंत ग्राम सचिवालयम ले जाया गया जो स्कूल से लगकर ही है और उन्हें महिला पुलिस कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। वहाँ से जानकारी शहर पुलिस थाना अनंतपुर भेजी गई। शहर पुलिस थाने से एक पुलिस कॉन्स्टेबल घर आकर माता–पिता से मिला और उन्हें बच्चों के साथ खराब व्यवहार या शारीरिक रुप से दुर्व्यहार ना करने के बारे में समुपदेशन किया। उसने उन्हें चेतावनी दी कि यदि ऐसी घटना फिर हुई तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चाइल्डलाइन टीम ने बच्चों का समुपदेशन किया और उन्हें भरोसा दिलाया, इसके बाद कहा कि यदि उन्हें फिर से पीटा जाता है या परेशान किया जाता है तो वे इसके बारे में शिक्षक को बताएँ।

अगले ही दिन १० फरवरी, २०२० को मुख्याध्यापिका ने चाइल्डलाइन पर फिर से कॉल किया और शिकायत की कि बच्चों को उनके सौतेले पिता द्वारा बुरी तरह पीटा गया है और इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। चाइल्डलाइन टीम फौरन स्कूल में गई और इस पूरी घटना को नोट किया।

शरीर पर जख़्मों की तस्वीरें ली गई और इन्हें चाइल्डलाइन से डी.सी.पी.ओ और सी.डी.पी.ओ को भेजा गया जो फौरन स्कूल पहुँचे और स्थिति का जायज़ा लिया। बच्चों के साथ व्यक्तिगत बातचीत में उन्होंने बताया कि उनके पिता बिना किसी कारण के उन्हें पीटते हैं और उन्हें घर जाने और सौतेले पिता का सामना करने में बहुत डर लगता है। अधिकारियों ने बच्चों के परिवार से जाकर मिलने का फैसला किया ताकि इस समस्या को सुलझाया जा सके। इसलिए डी.सी.पी.ओ और सी.डी.पी.ओ ने रप्थाडू पुलिस के एस.आई (वरिष्ठ निरीक्षक) को बुलाया और स्थिति समझाई, उनसे उन्हें मदद देने के लिए कहा क्योंकि वे बच्चों के परिवार से मिलने जा रहे थे।

बच्चों की माँ ने बच्चों को पीटे जाने की बात को लेकर कड़ा विरोध किया, और उसका व्यवहार टीम के साथ बहुत अहंकार से भरा था। कुछ देर तक वह कहती रही कि बच्चे ऊंचाई से गिर गए जिसके कारण उन्हें चोट आई। लेकिन जब टीम ने उन्हें समझाया कि ये चोटें दुर्घटनात्मक रुप से गिरने के कारण नहीं हुई है, तो वह झगड़ा

करने लगी कि पालक के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है बच्चों को कैसे नियंत्रण में रखना है और जब वे गलत बर्ताव करते हैं या बदतमीज़ी करते हैं तो उनकी पिटाई करने का उन्हें पूरा अधिकार है। उसने टीम को धमकी भी दी कि इस तरह की पूछताछ और समुपदेशन लज्जास्पद है और यदि वे फिर उनके घर बच्चों के बारे में बात करने आए तो वे आत्महत्या कर लेंगे। हालाँकि टीम ने उसे और उसके पति को चेतावनी दी कि वे इस तरह की हरकत फिर से ना करें। उन्होंने पुलिस थाने में भी कॉल किया और अनुरोध किया कि वे सख़्ती से बच्चों के पिता को चेतावनी दें कि बच्चों के साथ कोई क्रूरता नहीं होनी चाहिए।

इन दो बच्चों पर शारीरिक दुर्व्यवहार की खबर ११ फरवरी, २०२० को स्थानीय अखबारों में छपी। इन मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए रप्थाडू पुलिस स्टेशन के एस.आई ने चाइल्डलाइन १०९८ को कॉल किया और उन्हें पुलिस स्टेशन आने का अनुरोध किया। जब तक टीम के सदस्य पुलिस स्टेशन पहुँचे, तब तक बच्चों के माता पिता भी वहाँ पहुँच गए थे। चाइल्डलाइन के सदस्यों ने पिछले दो दिनों के दौरान हुई घटनाओं के बारे में एसआई को समझाया। इसी दौरान डी.सी.पी.ओ और सी.डी.पी.ओ भी पुलिस स्टेशन आ गए थे।

आगे की कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत देने की एसआई की सलाह पर, चाइल्डलाइन सी.डी.पी.ओ और डी.सी.पी.ओ ने बच्चों की ओर से एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की। आई.पी.सी की धारा ३२४ और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, २०१५ की धारा ७५ के अंतर्गत एक एफ.आई.आर दर्ज की गई। बच्चों को मेडिकल जाँच और जख़्मों पर इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भेजा गया।

बाद में सी.डब्ल्यू.सी के आदेश पर बच्चों को राज्य सरकार द्वारा संचालित बाल सदन में अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराया गया जबकि उनके माता–पिता को हिरासत में भेजा गया।

१२ फरवरी, २०२० को बच्चों को चाइल्डलाइन टीम सदस्य और रप्थाडू पुलिस स्टेशन की एक महिला पुलिस अधिकारी के अनुरक्षण में सी.डब्ल्यू.सी के सामने पेश किया गया। इसके बाद, सी.डब्ल्यू.सी के आदेश के अनुसार बच्चों को एक गांव में बाल देखभाल गृह में भेजा गया जहाँ एक एन.जी.ओ एक सी.सी.आई चला रही है। इसके साथ ही उन्हें आहार, आश्रय और शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के आदेश भी दिए गए। उन्होंने आदेश दिए कि माँ उनके लिए किसी भी तरह की परेशानी निर्माण ना करते हुए हर महिने दूसरे और ४थे रविवार को उन्हें मिलने के लिए आ सकती है। इसके साथ ही उन्होंने आदेश दिए कि बच्चों के असली पिता और उनके दादा दादी बच्चों को उन्हें परेशान या कोई समस्या खड़ी ना करते हुए१ले और ३रे रविवार को बच्चों से मिल सकते हैं।

बाल विवाह

शांति कुमारी (बदला हुआ नाम), एक १३ साल की लड़की पूर्व बर्धमान ज़िले के ऑस्ग्राम पश्चिमपारा में रहती थी। उसके माता पिता द्वारा उसकी शादी तय कर दी गई थी क्योंकि उनके गांव में यह रिवाज़ था कि बच्चों की जितनी कम उम्र में संभव हो शादी करा दी जाए। चाइल्डलाइन पूर्व बर्धमान को एक चिंतित वयस्क की ओर से कॉल प्राप्त हुआ जिन्होंने उन्हें जानकारी दी एक बच्चे का विवाह तय किया गया है और अगले ही दिन विवाह होने वाला है। चाइल्डलाइन पूर्व बर्धमान ने फौरन पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक से आवश्यक कार्रवाई करने हेतु संपर्क किया। पुलिस और ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (बी.डी.ओ.) की मदद के साथ चाइल्डलाइन की टीम नाबालिग लड़की के घर पर गई और उसके माता–पिता से एक लिखित घोषणापत्र लिया जिसमें यह लिखा गया था कि वे १८ वर्ष से पहले उनकी लड़की का विवाह नहीं करेंगे और उन्हें जागरुक करने की कोशिश की कि किस तरह बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है। समुदाय के लोगों के साथ नाबालिग लड़की के माता पिता को इस तथ्य की जानकारी दी गई कि इसके कई बुरे परिणामों की वजह से बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है। इस प्रकार चाइल्डलाइन पूर्व बर्धमान बाल विवाह के एक मामले को रोकने में सफल रही।

घर से भागे बच्चे

जयदीप (बदला हुआ नाम) के माता पिता अलग अलग रहते थे। यह बच्चा उसके बड़े भाई सहित बिहार में उनके दादा–दादी के साथ रहता था। जल्द ही बच्चे की माँ आई और बच्चे को अपने साथ हरियाणा ले गई। माँ एक दूसरे आदमी के साथ रहती थी जिसके ३ बच्चे थे और एक उनका अपना बच्चा था। जयदीप को एक निजी स्कूल में भेजा गया, लेकिन उस पर जिस तरह का ध्यान दिए जाने की ज़रुरत थी वो उसे नहीं मिल रहा था। उसे उसके सौतेले पिता की पूर्व पत्नी द्वारा धमकी दी जा रही थी। आखिरकार वो घबरा गया और उसके घर से भाग गया। यह बच्चा हरियाणा पुलिस को मिला और उसे एक देखभाल संस्थान में २ वर्षों के लिए रखा गया। बाद में उसके परिवार का पता लगाया गया और उसकी माँ और सौतेले पिता उसे लेकर वापस चले गए जहाँ उन्होंने पाया कि बच्चा ना ही पढ़ना चाहता था और ना ही काम करना।

एक बार फिर वह घर से भाग गया और उसे चाइल्डलाइन दिल्ली द्वारा ढूंढा गया। डेली डायरी और मेडिकल जाँच के बाद चाइल्डलाइन टीम ने बच्चे को बाल कल्याण समिति काल्काजी, नई दिल्ली के सामने पेश किया। सी.डब्ल्यू.सी में पेश किए जाने के दौरान बच्चे ने बताया कि ना तो वह अपनी माँ के साथ रहना चाहता है और ना ही उसके असली पिता के घर जाना चाहता है। बच्चा अपने लिए सही फैसला नहीं कर पा रहा था। बच्चे को उसके माँ को सौंपा गया और कुछ दिनों

के बाद उसे मामा द्वारा गोपनीय तरीके से ले जाकर उसके पिता को सौंप दिया गया। शुरु में बच्चा खुश था लेकिन जल्दी ही उसके पिता उसे मारने लगे। वह भाग कर अपने सौतेले पिता के घर गया और वहाँ से भी वह भाग गया। उसके उलझे और टूटे हुए परिवार की वजह सेवह बहुत दुखी था।यह तीसरी बार था जब वह अपने घर से भागा था और अंत में वह चाइल्डलाइन हेल्प डेस्क के संपर्क में आया। (स्थान की तारीख आवश्यक है)

चाइल्डलाइन ने उसका समुपदेशन किया और उसे जीवन के महत्व के बारे में बताया। जल्द ही उसका व्यवहार बदलने लगा और वह अपने जीवन को लेकर सकारात्मक हो गया। इसके बाद से वह अपने नाना–नानी और उसके बड़े भाई के साथ रहने लगा। और बाद में महामारी और लॉकडाउन के बाद उसके बारे में फॉलो–अप किया गया और अब वह खुशी से अपने जैविक पिता के साथ रह रहा है।

बाल दुर्व्यवहार

चाइल्डलाइन संपर्क केंद्र (सी.सी.सी) ने भोपाल चाइल्डलाइन को एक १३ साल के बच्ची के बारे में सूचित किया जो नशीले पदार्थ का सेवन करती थी। कॉल करने वाली व्यक्ति उस बच्ची की मां थी।

बच्ची को उसके मामा के साथ चाइल्डलाइन कार्यालय में लाया गया। महिला टीम सदस्यों ने बच्ची के साथ बातचीत की और बच्ची ने उसकी कहानी बताई। बच्ची के पिता हाथरिक्षा खींचने वाले हैं जबकि माँ अक्सर बीमार रहती है और बिस्तर से उठ नहीं सकती। वे दो बहनें हैं और वह उसके मामा के साथ रहती है जबकि उसकी बहन उसके माता–पिता के साथ रहती है। लड़की ने कक्षा ७वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी। एक बार जब उसने पढ़ाई छोड़ दी तो उसके इलाके के दोस्तों ने उसे नशीले पदार्थ लेने की आदत लगा दी। बातचीत के दौरान टीम को लगा कि बच्ची स्थिति की पूरी तस्वीर नहीं बता रही है लेकिन उन्होंने उसे और बताने के लिए नहीं कहा।

अगले दिन, टीम बच्ची के मामा के घर गई जहाँ टीम की महिला सदस्यों ने बच्ची से फिर बातचीत की। समुपदेशन के दौरान बच्ची फूट फूट कर रोने लगी और उसने चाइल्डलाइन टीम को कहा कि वह इसके आगे उन्हें कुछ भी नहीं बता पाएगी।

बच्ची को उसकी नानी के साथ चाइल्डलाइन कार्यालय ले जाया गया जहाँ उसने बताया कि ६ महिने पहले क्या हुआ था। जब भी वह अपनी नानी से झगड़ा करती तो वो रात को बिना किसी को बताए घर छोड़ देती थी। उसके बाद वह बस स्टैंड गई जहाँ उसे एक लड़का मिला, जिसने उसे एक सिगरेट पेश की जिसमें मारिजुआना (गांजा) भरा हुआ था। सिगरेट पीने के बाद उस पर नशा चढ़ गया और वह बेहोश हो गई। इसके बाद लड़के ने उसके साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया। अगली सुबह उसने पाया कि उसके कपड़े खराब हालत में थे और उसे महसूस हुआ कि उसके साथ कुछ दुर्भाग्यिपूर्ण हुआ है। वो उसके साथ दो दिन रही जहाँ गांजा, हैश (चरस), निट्रोबिट टैब्लेट और शराब का सेवन करने के लिए एक और लड़का उनके साथ जुड़ा। दो लडकों के साथ वह ऑटोरिक्षा चालकों के साथ भी गई और इस दौरान भी उसके साथ कई बार शारीरिक तौर पर दुर्व्यवहार किया गया। इसके बाद इन तीनों को शहर भर में घुमाया गया जहाँ पैसों के बदले में उन पर अत्याचार किया जाता था। मिले पैसों को वे आपस में बाँट लेते और इसका इस्तेमाल नशीले पदार्थ खरीदने के लिए करते थे। इसके बाद बच्ची ने चाइल्डलाइन टीम से उसे इस हालत से बाहर निकालने के लिए प्रार्थना की।

पूरी विधिवत प्रक्रिया के बाद भारतीय दंड संहिता (आई.पी.सी) ३७६ और पोक्सो कानून की धारा ३ और ४ के अंतर्गत जुर्म करने वालों के खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज की गई। सक्षम प्राधिकारी के आदेश द्वारा बच्ची को बालिका गृह में रखा गया। इस बीच दोषी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

बाल भिक्षावृत्ति

चाइल्डलाइन टीम को एक फल विक्रेता से जानकारी प्राप्त हुई कि करीब १३ साल का एक लड़का यहाँ वहाँ घूमता हुआ पाया गया। इसके साथ ही अन्य लोग उसे गलत गतिविधियों में शामिल कर रहे थे जो बच्चे के भविष्य के लिए अच्छा नहीं था। चाइल्डलाइन टीम उस जगह पर पहुँची और बच्चे से मिली और उसे चाइल्डलाइन केंद्र पर लाया गया।

समुपदेशन के दौरान बच्चे ने बताया कि जब वह छोटा था तो उसकी माँ ने उसे छोड़ दिया था और दूसरे आदमी से शादी कर ली और उसके पिता हमेशा ही शराब के नशे में रहते हैं।

इसलिए वह उसकी चाची के साथ रहता था। वह कचरा बीनता था और उसकी कमाई चाची को जाती थी जो बदले में उसे खाना देती थी। बच्चे ने आगे चाइल्डलाइन टीम को बताया कि वह भंगार की दुकान पर बैठता था और शराब की बोतल सप्लाय करता था और वे बदले में उसे पांच से दस रुपए देते थे। तो इस तरह बच्चा रोज़ाना ५०० से ६०० रुपए इकट्ठा करता था और वो पूरा पैसा अपनी चाची को देता था।

सभी जानकारी पाने के बाद चाइल्डलाइन टीम ने चाची से जाकर मुलाकात की। हालांकि वह बच्चे के बारे में कोई भी ज़्यादा जानकारी देने में इच्छुक नहीं थी और इसके बजाय वह चाइल्डलाइन टीम पर ही चिल्लाने और दोष देने लगी। टीम ने यह जानकारी सी.डब्ल्यू.सी, बाल संरक्षण अधिकारी और ज़िला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय के साथ साझा की। डी.पी.ओ और महिला एवं बाल कल्याण विभाग ने चाइल्डलाइन को बच्चे और उससे संबंधित

लोगों के पास एक बार फिर जाने और बच्चे के बारे में ज़्यादा विवरण लाने के लिए कहा। लेकिन वहाँ कोई भी नहीं मिला एवं दरवाजे पर ताला लगा था। टीम ने एक बार फिर एस.जे.पी.यू यूनिट के साथ इलाके का दौरा किया और अंत में बच्चे को तिवारी बाज़ार मैदान में उसके परिवार के साथ पाया। टीम ने उन्हें सूचित किया कि यदि उन्होंने बच्चे को ऐसी गतिविधियों में शामिल किया तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इसके बाद चाची और बच्चे के पिता ने आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ सी.डब्ल्यू.सी के सामने पेश होना स्वीकार किया।

५ अगस्त, २०२०को पिता सी.डब्ल्यू.सी के सामने पेश हुए और बताया कि उसकी पत्नी ने उसे छोड़ दिया था जब बच्चा ६ साल का था, और अब वह उसके बच्चे के साथ ही सड़क पर रहता है। उसने यह भी कहा कि वह अपने बच्चे को आश्रय गृह में रखने को तैयार है यदि बच्चा वहाँ से उसकी शिक्षा जारी रखता है। सी.डब्ल्यू.सी ने इस संबंध में आदेश जारी किए और बच्चे को आश्रय गृह में भेज दिया। बच्चा अब एक आश्रय गृह में रह रहा है और नियमित रुप से स्कूल जा रहा है और टीम द्वारा बच्चे की प्रगति के बारे में आगे की कार्यवाही की जा रही है।

बाल मज़दूरी

ताहिर (बदला हुआ नाम) एक १२ साल का बच्चा जो आनुवंशिक रुप से उत्तर प्रदेश के एक गांव का है और उसके माता-पिता और भाई बहनों सहित आठ सदस्यों के साथ रहता है। उसके माता-पिता शिक्षित नहीं थे। ताहिर के पिता ही अकेले परिवार के लिए आजीविका कमाते थे। हालांकि बच्चे के पिता के लिए घर के रोज़ाना खर्चों का वहन कर पाना काफी मुश्किल था, इसलिए बच्चे की बड़ी बहन को पिता की मदद के लिए एक घर के नौकर के तौर पर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा। परिवार की खराब आर्थिक स्थिति के कारण बच्चे के पिता को सभी छह बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा का इंतजाम कर पाना मुश्किल था। इसलिए ताहिर को एक स्थानीय गांव में घर के करीब ही मदरसा में शिक्षा के लिए नामांकित किया गया था। लेकिन ताहिर मदरसा में पढ़ना नहीं चाहता था और आखिरकार उसने पढ़ाई छोड़ दी। उसके पिता ने उसे एक दुकान में काम दिलाने की कोशिश की लेकिन दुकानदारों को लगा कि वह छोटा है और अच्छी तरह काम नहीं कर पाएगा।

आखिरकार, उसे एक घर में घरेलू नौकर का काम मिल गया जहाँ उसने एक साल के लिए काम किया। बाद में उसे काम से निकाल दिया गया और उस पर चोरी का आरोप लगाया गया। घर पर वापिस आने के बाद ताहिर अपने माता-पिता से मिलकर काफी खुश था। जब तक वह काम कर रहा था उसके पिता के सभी खर्चों का इंतज़ाम हो पा रहा था इसलिए उन्होंने इसे फिर से काम पर लगाने की कोशिश की। दूसरी बार जहाँ वह घरेलू काम करता था, उसे वहां से भी एक महिने में ही चोरी का आरोप लगाकर निकाल दिया गया। इसके बाद उसे एक महिला के साथ दिल्ली भेज दिया गया जहाँ ताहिर की बहन उस महिला के माँ के घर में काम करती थी।दिल्ली में भी बच्चे पर चोरी का आरोप लगाया गया लेकिन उसने कोई जुर्म नहीं किया था। घर की मालकिन को बागवानी का शौक था लेकिन किसी ने पौधों के पास दानेदार शक्कर रख दी थी जिससे वे नष्ट हो गए।

पूरे परिवार ने इसके लिए उसे दोष दिया और यहाँ तक कि जिस महिला ने उसे लाया था वह भी उसे दोष देनेवालों में शामिल हो गई। परिवार के एक सदस्य द्वारा ताहिर कीपिटाई की गई, इसलिए उसने भागने की योजना बना ली। ताहिर के पिता वहाँ ताहिर की खुशहाली जानने के लिए फोन किया करते थे लेकिन उन्हें हमेशा बताया जाता कि वह अच्छा है और खुश है। आखिरकार, ताहिर को मौका मिला और वो भाग गया। वह दिल्ली की सड़कों पर भटक रहा था जब एक दयालु इंसान उससे मिला और उससे उसके हाल के बारे में पूछा। बाद में, उसी इंसान ने चाइल्डलाइन १०९८ पर कॉल किया और उन्हें बच्चे के बारे में जानकारी दी। फौरन टीम वहाँ पहुँच गई और वह टीम के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। चाइल्डलाइन टीम द्वारा अच्छी तरह व्यवहार किए जाने के बाद उसने खुलकर सब बातें बताई।

दूसरी ओर टीम बच्चे को उसके परिवार का पता लगाने की कोशिशों में मदद कर रही थी। पुलिस ने बच्चे को काम पर रखने वालों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। फॉलो अप के ज़रिए यह जानकारी प्राप्त हो गई थी कि सी.सी.आई टीम बच्चे के नाम पर बैंक खाता खोल सकती थी। ताहिर को नौकरी पर रखने वालों ने रु. ५०,००० /- जमा किए जिसे सी.डब्ल्यू.सी के दिशानिर्देशों के अनुसार फिक्स्ड डिपोज़िट में परिवर्तित कर दिया गया ताकि कोई भी इस राशि का दुरुपयोग ना कर सके।

इस बीच बच्चे के माता-पिता भी उससे मिलने और उसे वापिस घर ले जाने के लिए आए। उसके माता-पिता को सामने पाकर बच्चा बहुत खुश हुआ क्योंकि वह उनके साथ अपने मूल स्थान जाने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा था। बच्चे के माता-पिता और टीम के साथ बाल अधिकार और बाल संरक्षण के बारे में एक स्वस्थ बातचीत हुई। इसलिए इन सभी तथ्यों पर विचार करते हुए सी.डब्ल्यू.सी ने बच्चे को उसके माता-पिता को सौंपने का निर्देश दिया। काम देने वाले की ओर से ३८,०००/- की मुआवजा राशि दी जानी बाकी थी। संबंधित अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से बच्चे को संपूर्ण मुआवजा राशि प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया गया। उसके माता पिता के साथ वापिस जाने के समय बच्चे ने खुद तय किया कि वह किसी दूसरी दुकान में काम करने के बजाय अब पढ़ाई करेगा। उसके बाद, बड़ा हो जाने पर वह उसकी दुकान खोलेगा और उसके परिवार की मदद केरगा।

वह कहानियाँ जो सुर्खियों में बनीं:

बाल विवाह के रोकथाम को निकाली रैली

पीलीभीत | हिन्दुस्तान संवाद

बाल विवाह के रोकथाम को लेकर मंगलवार को चाइल्डलाइन की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई।

बाल विवाह के रोकथाम को लेकर मंगलवार को चाइल्डलाइन की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली चाइल्डलाइन जिला समन्वयक निर्वान सिंह के नेतृत्व में विकास खंड मरौरी क्षेत्र के सैदपुर गांव के प्राथमिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने निकाली। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों की जानकारी दी।

चाइल्डलाइन टीम ने छात्र-छात्राओं को सेफटच एवं अनसेफ टच के बारे में जागरूक किया। चाइल्डलाइन जिला समन्वयक निर्वान सिंह ने बताया कि बाल विवाह रोकथाम के लिए संस्था समय-समय पर लोगों को जागरूक करती रहती है। इसका सकारात्मक परिणाम भी आ रहा रहा है। उन्होंने बताया कि चाइल्डलाइन बेबस, बेसहारा एवं मुसीबत में फंसे बच्चों की मदद करता है।

कोई भी बच्चा मुसीबत में हो तो उसकी सूचना चाइल्डलाइन हेल्प लाइन नंबर 1098 पर दें। यह सुविधा निशुल्क और 24 घंटे है। उन्होंने कहा कि इस नंबर पर बाल विवाह, बाल यौन शोषण, बाल बंधुआ मजदूरी, गुमशुदा हुए या प्राप्त हुए बच्चों की सूचना भी दी जा सकती है। रैली को सफल बनाने में चाइल्डलाइन काउंसलर नीतू चौहान, टीम मेंबर अखिल श्रीवास्तव, सना, इमरान, स्कूल की प्रधानाध्यापक प्रेमी सिंह मोहन अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

बाल विवाह के बारे में जागरूकता रैली के ऊपर समाचार रिपोर्ट

कार्रवाई | श्रम विभाग, पुलिस और चाइल्ड लाइन ने चाय-नमकीन की दुकानों से सात बच्चों को छुड़वाया

माता-पिता मजदूरी पर गए, बच्चों को बंधुआ बना गए

भास्कर संवाददाता | रतलाम

मजदूरी के लिए जिले से बाहर जाने वाले माता-पिता अपने बच्चों को रतलाम में बंधुआ मजदूर बनाकर चले गए। 12 घंटे दुकान पर काम करना और वहीं सोना यह दिनचर्या थी।

चाय और नमकीन की दुकानों से गुरुवार को छुड़वाए बच्चों ने चाइल्ड लाइन से काउंसिलिंग में यह जानकारी दी। गुरुवार को कलेक्टर श्री. चंद्रशेखर के निर्देश पर श्रम विभाग, पुलिस और चाइल्ड लाइन ने संयुक्त रूप से चांदनीचौक, त्रिपोलिया गेट तथा बाजना बस स्टैंड स्थित दुकानों पर चैकिंग की और सात बच्चों को मुक्त कराया। बाल कल्याण समिति के निर्देश पर सातों बच्चों को बालगृह भेज दिया।

माणकचौक थाना प्रभारी महेंद्र यादव ने बताया श्रम निरीक्षक एस.के. शर्मा, आर.के. सोनी, सुनील दुबे तथा चाइल्ड लाइन के प्रेम चौधरी, बलराम पाटीदार, सौरभ चतुर्वेदी, जोगिंदर राजपुरोहित तथा सुनीता देवड़ा के साथ टीमें 1 बजे चैकिंग की। कसारा बाजार, चांदनीचौक स्थित दुकानें चैक करते हुए त्रिपोलिया गेट, न्यू कैलाश, नए और पुराने बाजना बस स्टैंड पहुंचे। दस बच्चों को थाने लाए। तीन की उम्र 14 वर्ष से अधिक होने पर परिजन को सौंप दिया। सात बाल श्रमिक मिले।

आरोपी दुकान संचालक किशोर तेहलानी, संजय अग्रवाल, कालू जाटवी, सुभाष चौपड़ा, निर्मल गिरी, हितेश जैन व कमलेश चौधरी।

माता-पिता एक साल के लिए छोड़ गए

बाल श्रमिकों में छोटे-छोटे बच्चे धोलवाड़, झाबुआ और बाजना तथा एक बच्चा पश्चिमी का है। कोई तीन तो कोई पांच साल से काम कर रहा है। बच्चों ने बताया माता-पिता एक साल तक काम करने के लिए दुकान पर छोड़कर मजदूरी के लिए गए हैं। दुकान पर 12 घंटे काम करते हैं, वहीं सो जाते हैं। प्रेम चौधरी ने बताया काउंसिलिंग के बाद सातों बच्चों को शाम 4 बजे बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया जहां से बालगृह भेजने के आदेश हुए। बच्चों के परिजन को बुलाकर पूछताछ की जाएगी। रिपोर्ट बाल कल्याण समिति को देंगे।

इनके खिलाफ होगी कार्रवाई

श्रम निरीक्षक एस.के. शर्मा ने बताया सात दुकानों से सात बाल श्रमिक मिले हैं। दुकान संचालकों को नोटिस जारी किया है। जवाब मिलने के बाद न्यायालय में कार्रवाई की जाएगी।

इन दुकान संचालकों के यहां से मिले बाल श्रमिक

- हितेश पिता प्रकाशचंद्र जैन निवासी लक्कड़पीठा
- निर्मल पिता शिवगिरी निवासी शंकरगढ़
- कमलेश पिता लक्ष्मीनारायण चौधरी निवासी चौमुखीपुल
- सुभाष हीरालाल चौपड़ा निवासी सेठजी का बाजार
- कालू पिता काळूराम जाटवी निवासी बाजना बस स्टैंड
- किशोर पिता मोहनलाल तेहलानी निवासी त्रिपोलिया गेट
- संजय पिता रामचंद्र अग्रवाल निवासी बरबड़

दो साल कैद की सजा हो सकती है

अभिभाषक प्रकाश पाटीदार ने बताया सिटी में संशोधन कर बाल श्रम कानून को सख्त बनाया गया है। बालक केवल अपने पिता के व्यवसाय में सहयोग कर सकता है। 14 वर्ष से कम उम्र के बालक से किसी भी प्रकार का काम करवाने पर 50 हजार रुपए तक जुर्माना और दो साल की कैद का प्रावधान है।

रतलाम में बाल श्रम पर समाचार

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
MONDAY, MAY 20, 2019
hindustantimes | noida

15-year-old held for molesting class 8 student in Bisrakh

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

GREATER NOIDA: A 15-year-old youth was apprehended on Sunday for allegedly harassing a class 8 student in a village under Bisrakh police station area. Police registered a case against the suspect for molestation and the suspect for molestation and under the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act.

Manoj Kumar Pathak, station house officer, Bisrakh police station, said that the girl and the suspect are neighbours. Their families had some issues. The girl has accused the suspect of passing lewd comments against her," Pathak said.

Police said the girl got scared allegedly by the repeated threats made by the suspect and stopped going to school. Pathak said a few days ago, the girl dialled child helpline number (1098) and narrated her ordeal.

Satya Prakash, senior manager, FXB Suraksha-Childline, said that a team heard the matsaid that a team heard the matter and informed the district child welfare committee (CWC) about it.

"The girl had stopped going to school due to harassment. With CWC's intervention, a case was registered against the suspect at Bisrakh police station," he said. The Childline team also counselled the girl and extended support.

Pathak said that a police team visited the house of the suspect and apprehended him.

"He will be produced before the child welfare committee and sent to juvenile home," the SP said.

In July 2018, a child was allegedly molested by lifeguard of a prominent school's swimming pool in Greater Noida. Parents of the girl and other students had protested against the school administration, leading to the suspect's arrest.

In September last year, a 24-year-old lift serviceman was arrested for allegedly trying to molest a 12-year-old girl in the lift of a high-rise in the Kasna area of Greater Noida.

बाल दुर्व्यवहार पर जागरूकता रैली के ऊपर समाचार रिपोर्ट

सौतेली मां करती थी प्रताड़ित, बाल कल्याण समिति ने बच्चे को रेस्क्यू कर बालकुंज भेजा

[illegible]

बिछड़े बच्चे ओपन होम शेल्टर से लेने पहुंचा परिवार

[illegible]

[illegible]

बाल दुर्व्यवहार पर समाचार रिपोर्ट

दुर्गा शक्ति टीम ने बच्चों के साथ मनाया बाल दिवस

हिसार, 15 नवम्बर (निस)। बाल दिवस के उपलक्ष्य में दुर्गा शक्ति इंचार्ज इंस्पेक्टर सरोज ने अपनी टीम सहित ने चाइल्ड हेल्पलाइन के सहयोग से लघु-सचिवालय के राजकीय प्राथमिक स्कूल में बच्चों के साथ केक काटकर बाल दिवस मनाया।

निरीक्षक सरोज ने बच्चों को गुड टच व बेड टच के बारे विस्तार से बताया व स्कूल स्टाफ को भी बच्चों को इस बारे समय-समय जागरूक करने बारे कहा। चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने बच्चों को प्रोजेक्टर पर इसके बारे छोटी फिल्म दिखाई और चाइल्ड लाइन नंबर 1098 नंबर के बारे भी विस्तार से बताया व जागरूक किया। कार्यक्रम में राजकीय प्राथमिक स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती अनिता देवी, बिमला, ज्योति व कुसुम, मंजू बेनीवाल तथा चाइल्ड लाइन से भारत शर्मा, कुलदीप शर्मा व श्रीमती संयोगिता उपस्थित रहे।

सी.एस.डी सप्ताह के उत्सव मनाने के ऊपर न्यूज कटिंग

प्रादेशिक

बाल सुरक्षा की मुहिम चाइल्ड लाइन से दोस्ती से जुड़े रेलवे पुलिस की टीम

रेलवे कर्मियों ने चाइल्डलाइन से दोस्ती को सहयोग दिया

'ಮಕ್ಕಳ ಹಕ್ಕುಗಳ ರಕ್ಷಣೆ ಎಲ್ಲರ ಹೊಣೆ'

ಪತ್ರಿಕೆಯ ಕಳಕಳಿಗೆ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ಮೆಚ್ಚುಗೆ। ಇಲಾಖೆಯಿಂದ ಹತ್ತಾರು ಯೋಜನೆ ಜಾರಿ

सी.एस.डी सप्ताह के दौरान कोप्पल समाचार

ಬಾಲ ಕಾರ್ಮಿಕ ಪದ್ಧತಿ ಘೋರ ಅಪರಾಧ

ದೇವನಹಳ್ಳಿಯಲ್ಲಿ ಆಯೋಜಿಸಿದ್ದ ಕಾನೂನು ಅರಿವು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ನ್ಯಾ.ಯಾಧೀಶ ಕೆ.ಸುಂದೇಶ್

ಕನ್ನಡಪ್ರಭ Mon, 21 October 2019

आर बेंगलुरु का समाचार पत्र

'স্বচ্ছ' শৈশবের ডাক

দয়াল সেনগুপ্ত

সিউড়ি

চাইল্ডলাইন বীরভূম द्वारा
आयोजित स्वच्छता कार्यक्रमों का समाचार पत्र

16 वर्षीय किशोरी से 10 साल से कर रहा था पिता दुष्कर्म

घर से भाग कर आई किशोरी ने चाइल्ड लाइन की काउंसलिंग में किया खुलासा

रतलाम। नईदुनिया प्रतिनिधि

इंदौर जिले के एक गांव में 16 वर्षीय किशोरी के साथ उसके पिता द्वारा पिछले दस साल से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर पिता उसकी पिटाई भी करता था। यह खुलासा किशोरी ने चाइल्ड लाइन की काउंसलिंग और पुलिस के सामने किया। उसने स्टेशन रोड थाने पर पिता के खिलाफ मारपीट और दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ कई धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। मामला

थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट, सांवेर पुलिस करेगी आगे की कार्रवाई

सांवेर थाना क्षेत्र का होने से मामला वहां भेजा जा रहा है। आगे की कार्रवाई सांवेर पुलिस करेगी।

किशोरी 9 दिसंबर को घर से भागकर सांवेर के बस स्टैंड पहुंची थी। वहां से बस से वह इंदौर पहुंची और इंदौर-देवास जाने की बजाय रात में रतलाम आई थी। वह बस से उतरने की बजाय रोने लगी, कंडक्टर को शंका होने पर उसने पुलिस व चाइल्ड लाइन को सूचना दी। उसे स्टेशन रोड थाने ले जाया गया था। वहां से उसे चाइल्ड लाइन भेजा गया था। चाइल्ड लाइन पर टीम की सदस्यों ने 10 दिसंबर को काउंसलिंग की थी। इस दौरान उसने बताया था कि पिता उससे मारपीट कर प्रताड़ित करते हैं। 11 दिसंबर को फिर काउंसलिंग की तो उसने आपबीती बताई। उसके अनुसार पिता उससे गलत हरकत और दुष्कर्म करते रहते हैं। उसकी जिला महिला सशक्तिकरण अधिकारी ने काउंसलिंग की तो उसने वहां भी यही बात बताई। उसे वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र) पर रखा गया। काउंसलिंग रिपोर्ट स्टेशन रोड थाने पर भेजी गई और बाद में उसे भी थाने ले जाया गया। पुलिस ने किशोरी का मेडिकल भी कराया। पिता के खिलाफ शून्य पर भादंवि की धारा 376 (2) एफ, 376 (2) एन, 376 (2) आई, 323, 506 और पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

मां की हो चुकी है मौत: किशोरी ने पुलिस को बताया कि वह तीन वर्ष की थी, तब उसकी मां का निधन हो गया। उसका बड़ा भाई भी है। वह पिता और भाई के साथ रह रही थी। छह वर्ष की आयु थी, तब से पिता गलत हरकत व दुष्कर्म कर रहे हैं। विरोध करने पर मारते-पीटते हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। वह कक्षा नौवीं में पढ़ती है। उसने एक वर्ष पहले बड़े भाई को बताया था, तो वह उसे उसकी मौसी के घर छोड़ आए थे। वहां से पिता उसे वापस घर ले आए थे।

सगाई कर दी थी: किशोरी ने बताया कि उसके पिता ने इंदौर जिले के ही एक युवक से उसकी सगाई कर दी थी। वह 9 दिसंबर को फोन पर बात कर रही थी, तब पिता समझे कि वह उनकी किसी से शिकायत कर रही है और वेल्ट से उसकी पिटाई की थी। इससे वह घर से भाग निकली।

रतलाम चाइल्डलाइन समाचार नई दुनिया

पलवल स्टेशन पर खडी ईएमयू की बोगी में मिली 15 दिन की जिवित बच्ची

अजय प्रताप सिंह

पलवल। पलवल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर.8 पर खड़े ईएमयू ट्रेन की 136 नंबर बोगी में नवजात बच्ची शॉल में लिपटी हुई मिली। सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची और बच्ची को उपचार के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने मेडिकल के बाद बच्ची को स्वस्थ्य घोषित कर बाल कल्याण समिति को सौंप दिया। जीआरपी ने अज्ञात माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जीआरपी प्रभारी भीम सिंह ने बताया कि वह टेक्निक स्टाफ की चैकिंग कर रहे थे। स्टेशन पर मौजूद थे इसी दौरान सूचना मिली की कुरुक्षेत्र से आने वाले ईएमयू ट्रेन नंबर.64494 की

136 नंबर बोगी में एक नवजात बच्ची शॉल में लिपटी हुई है। इस ट्रेन का पलवल स्टेशन पर अंतिम ठहराव होता है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे और बच्ची को उपचार के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने मेडिकल के बाद बच्ची को स्वस्थ्य घोषित किया। सूचना मिलते बाल कल्याण समिति की सदस्य अल्पना मित्तल, विनोद गौड़, विनोद मंगल व चाइल्ड हेल्प लाइन संयोजिका रचना सैनि अस्पताल पहुंची और चिकित्सकों से जानकारी लेकर बच्ची को अपने कब्जे में लिया। अल्पना मित्तल ने बताया कि बच्ची पूर्ण रूप से स्वस्थ्य है और जिसकी उम्र लगभग दस से पंद्रह दिन की है। बाल कल्याण समिति द्वारा अपनी कार्रवाई पूरी कर बच्ची को फरीदाबाद स्थित सरकारी एजेंसी में भिजवा दिया गया है, क्योंकि पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए पलवल में कोई सरकारी एजेंसी नहीं है इसलिए बच्ची को फरीदाबाद भिजवाया गया है। जहां पर तीन महीने तक बच्ची को रखा जाएगा। यदि तीन महीने तक बच्ची के माता-पिता का पता नहीं लगता है तो उसे गोद देने के प्रक्रिया शुरू हो जाती है। यदि किसी को भी बच्ची के बारे में कोई जानकारी लेनी है तो वो बाल भवन स्थित बाल कल्याण समिति के कार्यालय में संपर्क भी कर सकता है।

पलवल रेलवे स्टेशन पर लापता बच्चे की न्यूज़ कटिंग (खबर)

'चाइल्ड लाइन से दोस्ती' सप्ताह के तहत चलाया हस्ताक्षर अभियान

हस्ताक्षर बोर्ड के सामने मौजूद चाइल्ड लाइन के सदस्य व अन्य अधिकारी।

दैनिक सवेरा

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह, हस्ताक्षर अभियान

जागरण सिटी

दुकानों पर कराई जा रही थी बाल मजदूरी, चार को छुड़ाया

कार्रवाई

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह, हस्ताक्षर अभियान

बच्चों को बताया 100 डायल का उपयोग और यातायात के नियम

बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई

अंजड़,। (आरएनएन)। यातायात सप्ताह के दौरान पुलिस ने शासकीय विद्यालय के बाद नगर कि निजी स्कूल में बच्चों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को ठीकरी रोड़ स्थित निजी स्कूल में बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। एसआई ललिता चौहान ने बच्चों को बताया कि साईकिल में रेडियम लगाना बेहद जरूरी है। रात के अंधेरे में यदि आप साईकिल से जा रहे हैं, तो पीछे या सामने आ रहा वाहन आपका रेडियम देखकर

पुलिस ने बच्चों को ट्रैफिक के नियम और 100 डायल के बारे में भी समझाया। छात्रों से कहा गया कि वे यातायात नियमों की जानकारी अपने अभिभावकों के साथ अन्य लोगों को भी दें। इसके बाद गुड़टच बेड़टच और बाल विवाह बाल अधिकार कि जानकारी दी। संजय आर्य ने चाईल्ड हेल्प लाईन नं. 1098 की जानकारी दी। इस दौरान थाना प्रभारी भुवानीराम वर्मा सहित थाना स्टॉफ, गायत्री सनियर और स्कूल प्राचार्य पंवार सहित शिक्षक व छात्र

यातायात सुरक्षा सप्ताह, बड़वानी समाचार रिपोर्ट

ಸಂಯುಕ್ತ ಕರ್ನಾಟಕ

ಬಾಲ್ಯ ವಿವಾಹವಾಗಿದ್ದ ಬಾಲಕಿ ಅನುಮಾನಾಸ್ಪದ ಸಾವು

ಶವ ಸಂಸ್ಕಾರ ತಡೆದ ಮಕ್ಕಳ ಸಹಾಯವಾಣಿ

बाल विवाह और हत्या पर
चाइल्डलाइन विजयपुरा के हस्तक्षेप पर समाचार

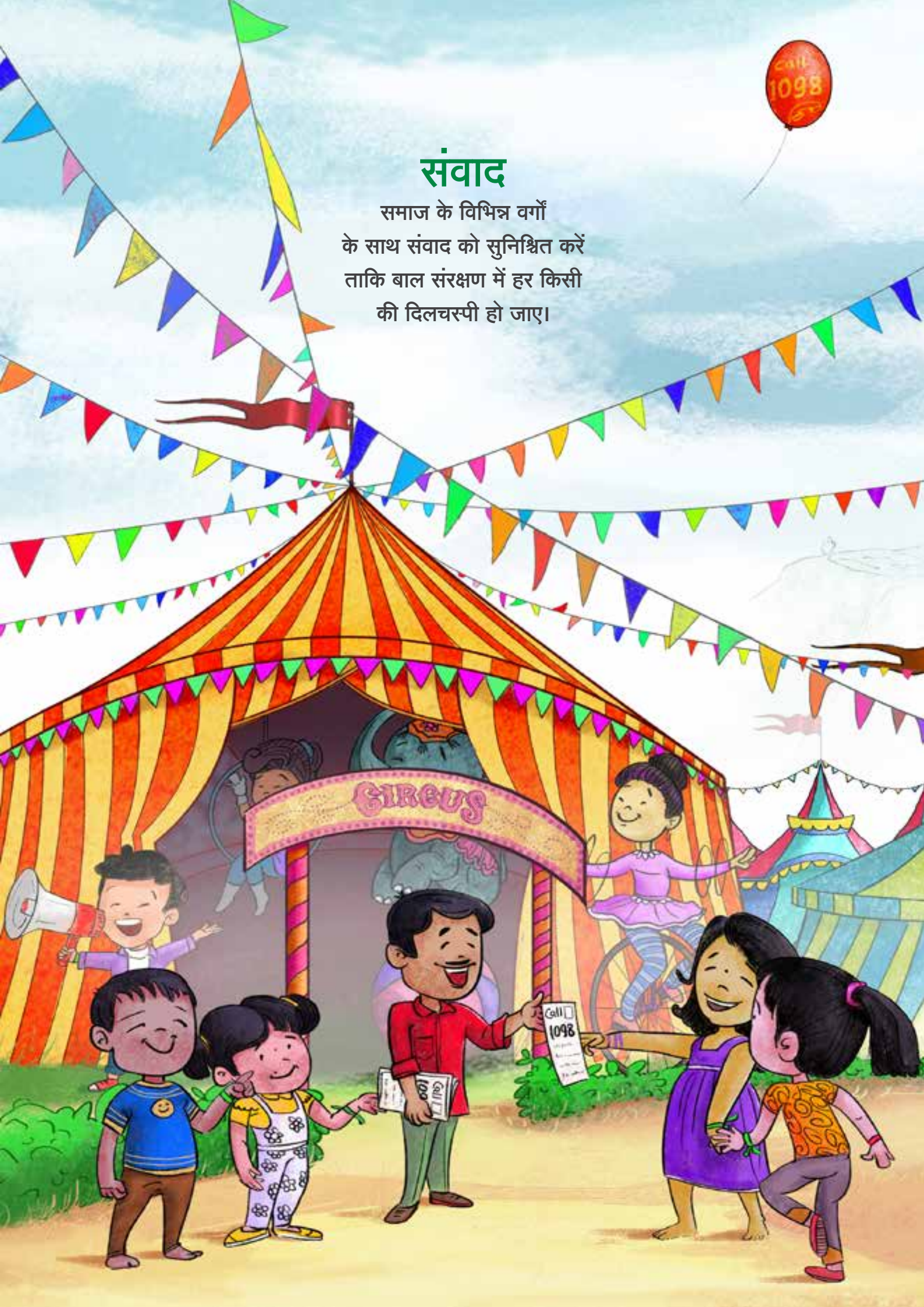

संवाद

समाज के विभिन्न वर्गों
के साथ संवाद को सुनिश्चित करें
ताकि बाल संरक्षण में हर किसी
की दिलचस्पी हो जाए।

अभियान

वर्ष २०१९–२०२० चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन के इसके संचार प्रयासों की बदौलत यादगार बन गया। इसने हितधारकों के एक के स्तर तक पहुंचने में प्रगति करने में इसके सभी संचार उपकरणों, प्रकाशनों, मुद्दे आधारित परियोजनाओं, मीडिया संघों, कॉर्पोरेट टाई–अप और भी बहुत कुछ में लागू करने के लिए ङ्कनवाचारङ्क लेंस को धन्यवाद है। क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान और कार्यक्रम चलाए गए। इसके अतिरिक्त, सोशल नेटवर्किंग साइटों पर लगातार अपडेट और लगातार बढ़ते डेटाबेस के कारण सी.आई.एफ को लोगों तक पहुंचने,बातचीत करने और जुड़ने की अनुमति प्रदान की गई।

बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस

उत्तर

जम्मू–कश्मीर

कठुआ

कठुआ की चाइल्डलाइन टीम ने बाल मजदूर दिवस पर बाल कल्याण समिति कठुआ के सहयोग से हाटली मोर, कठुआ के ढाबों, रेस्टोरेंट और फूड जॉइंट्स पर गतिविधियों का आयोजन किया। चाइल्डलाइन की टीम ने बाल श्रम विरोधी होर्डिंग चिपकाए और होटलों, ढाबों और रेस्तरां के मालिकों के बीच बाल श्रम जो एक दंडनीय अपराध होता है जिसमें दोषी को जुर्माना/चालान और अधिक भुगतान करना पड़ता है, के बारे में जागरूकता फैलाई।

बानी व बसोहली ब्लॉक व कठुआ शहर के दूर दराज के इलाकों) में कई स्कूलों में बाल मजदूर विरोधी दिवस पर गतिविधियों का आयोजन किया गया। कठुआ के सरकारी स्कूलों के स्टॉल पर प्रधानाध्यापक द्वारा बाल श्रम विरोधी विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता और व्याख्यान का आयोजन किया गया।

पुंछ

चाइल्डलाइन पुंछ द्वारा बाल श्रम के बारे में जागरूकता रैली

बाल मजदूर दिवस पर पुंछ की चाइल्डलाइन की टीम ने हरि कृष्ण पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री सब्ज़ार अहमद ने शिक्षा के महत्व और बाल श्रम के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला। चाइल्डलाइन की टीम ने १०९८ हेल्पलाइन नंबर के बारे में बच्चों में जागरूकता पैदा की, ताकि बाल श्रम रोका जा सके। इसके बाद टीम ने छात्रों से अनुरोध किया कि वे १०९८ पर बाल श्रम से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराएँ ताकि चाइल्डलाइन की टीम वहाँ पहुंच कर बच्चे को छुड़ा सके। इस कार्यक्रम में २०० से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

चाइल्डलाइन पुंछ द्वारा एंटी चाइल्ड लेबर पर जागरूकता रैली

हरियाणा

हिसार

१२ जून, २०१९ को हिसार शहर में बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय विभागों के कई अधिकारियों और बिस्नोई मंदिर मार्केट के अध्यक्ष डीसीपीयू से लेबर इंस्पेक्टर, एस.एच.ओ सिटी थाना, पी.ओ.एन.आइ. सी और डी.सी.पी.यू से सामाजिक कार्यकर्ता जैसे प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में बिस्नोई मंदिर मार्केट के सचिव, विभिन्न संस्थानों के छात्रों व शिक्षकों, अन्य हितधारकों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान बाजार के दुकानदारों, समुदाय के सदस्यों, विचारवान नेता, बच्चों और अभिभावकों के साथ एक कॉर्नर मीटिंग का आयोजन किया गया, ताकि स्कूली बच्चों को

शिक्षा के महत्व को समझाया जा सके और किसी भी क्षेत्र में बाल श्रम को शामिल न किया जा सके। दुकानों में बाल श्रम अभियान के खिलाफ स्टीकर प्रदर्शित किए गए। सभी हस्ताक्षरकर्ताओं ने शपथ ली कि, मैं कभी भी बाल अधिकारों का उल्लंघन नहीं करूंगा और न ही किसी को ऐसा करने की अनुमति दूँगा।

हरियाणा के हिसार में बाल श्रम के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान

हरियाणा के सिरसा में भीख मांगने और बाल मजदूरी नहीं करवाने की शपथ

पंजाब

अमृतसर

अमृतसर की चाइल्डलाइन ने विभिन्न सरकारी विभागों जैसे जिला बाल संरक्षण इकाई, पंजाब पुलिस, बाल श्रम विभाग, रेडक्रॉस सोसायटी, शिक्षा विभाग, मानव तस्करी विरोधी आदि कर्मचारियों के साथ मिलकर बच्चों को बाल श्रम और बच्चों को भीख मांगने से बचाने के लिए बाल श्रम छापामारी का आयोजन किया। उन्होंने पूरे अमृतसर शहर को कवर किया जिसके जरिए वे भीख मांगने और मेहनत करने वाले ४५ बच्चों की जान बचा सके।

१२ जून, २०१९ को अमृतसर की चाइल्डलाइन ने रंजीत आवे ब्लॉक, सी एंड डी में अंतरराष्ट्रीय बाल मजदूर दिवस पर रैली का आयोजन किया। रैली का आयोजन समाज में बाल श्रम को रोकने और बाल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

बाल मजदूर दिवस कार्यक्रम-बच्चों के साथ रैली

चाइल्ड लेबर सी.पी.ओ, नेहा चोपड़ा और ए.एस.आई, सी डिवीजन के बलजीत सिंह और पंजाब पुलिस (डी.सी.पी.यू), अमृतसर की चाइल्डलाइन के साथ छापामारी

जालंधर

जालंधर में बाल श्रम पर सत्र

उत्तर प्रदेश

गोरखपुर

१२ जून, २०१९ को चाइल्ड की हेल्प डेस्क ने एंटी चाइल्ड लेबर डे मनाया। सी.एच.डी कार्यालय के सामने से रैली निकाली गई। बच्चों ने तख्तियाँ थामकर बाल श्रम के खिलाफ आवाज बुलंद किया। इस कार्यक्रम का एक मुख्य उद्देश्य बाल श्रम मुद्दों पर जनता को जागरूक करना और बच्चों के अधिकारों के लिए उनके संरक्षक बनने के लिए प्रेरित करना था।

यूपी के गोरखपुर में एंटी चाइल्ड लेबर डे

पूर्व

झारखंड

वर्ष २०१९ के जून माह में जिला प्रशासन के साथ मिलकर झारखंड चाइल्डलाइन के सभी भागीदारों द्वारा बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस मनाया। इस दिवस को मनाने के लिए जागरूकता अभियान, हस्ताक्षर अभियान, रैलियां, बच्चों के समूहों का गठन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, बच्चों के शारीरिक शोषण पर जागरूकता अभियान चलाया गया।

पश्चिम बंगाल

चाइल्डलाइन बीरभूम द्वारा बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस मनाया गया।

असम

बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस का अवलोकन

मेघालय

चाइल्डलाइन नोंगपो द्वारा बाल श्रम रैली के खिलाफ विश्व दिवस

मेघालय के शिलांग में बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस

पश्चिम

मध्य प्रदेश

चाइल्डलाइन के सभी क्षेत्रों के लिए वर्ल्ड डे अगेन्स्ट चाइल्ड लेबर एक महत्वपूर्ण दिन है। मध्य प्रदेश में १० जून को चाइल्डलाइन की सभी टीमों ने बाल श्रम के खिलाफ अभियान चलाकर इस दिन को चिन्हित किया। भोपाल की चाइल्डलाइन टीम द्वारा आयोजित ऐसे ही एक दिन की गतिविधि में सहायक श्रमायुक्त श्री बीपी सिंह भी मौजूद थे, जिनके साथ श्रम अधिकारी और जिला प्रशासन भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के दौरान, चाइल्डलाइन की टीम ने इस दिन के महत्व के बारे में बताया और केस स्टडीज के साथ विभिन्न परिस्थितियों में बाल श्रम के बारे में टास्क फोर्स के समर्थन से चाइल्डलाइन के हस्तक्षेप का अनुभव भी साझा किया। चाइल्डलाइन ने पर्चे भी बांटे और बाल श्रम विरोधी नारे भी लगाए और इस अभियान में सभा में शामिल लोगों को चाइल्डलाइन का समर्थन करने का आग्रह किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान आयुक्त और २५० लोगों ने भाग लिया और बाल श्रम के खिलाफ चल रहे अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर भी किया।

श्री बीपी सिंह- सहायक श्रमायुक्त ने
भोपाल के हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया

महाराष्ट्र

पुराने नियमों के अनुसार एंटी चाइल्ड लेबर डे पर रैली का आयोजन किया गया था। यह रैली जिलाधिकारी कार्यालय से शुरू होकर जिला परिषद, गर्ल्स स्कूल में जाकर समाप्त हुई। इस रैली का आयोजन श्रम कार्यालय द्वारा किया जा रहा था और चाइल्डलाइन ने भी इसमें योगदान दिया, क्योंकि चाइल्ड लाइन ने एक आई.ई.सी वैन तैयार की थी जिसे मराठी और हिंदी भाषाओं में सभी आई.ई.सी से संबंधित वस्तुओं से सजाया गया था। चाइल्डलाइन ने इस मौके के लिए नारे भी लगाए।

महाराष्ट्र में आईईसी वैन की सजावट के
साथ श्रम कार्यालय रैली का आयोजन

दक्षिण

तमिलनाडु

एंटी चाइल्ड डे पर रैली- मदुरै

बालिकाओं का राष्ट्रीय दिवस

उत्तर

जम्मू-कश्मीर

भारत में हर साल २४ जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और भारत सरकार ने २००८ में की थी, जिसका उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों के सामने आने वाली सभी असमानताओं के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाना था।

अनंतनाग की चाइल्डलाइन ने जोन बड़स गाम में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जिसमें नौ आई.सी.डी.एस केंद्रों ने भाग लिया। बाल

कल्याण समिति अनंतनाग की अध्यक्ष डॉ तौहीदा मखदोमी सम्मानित अतिथि थीं। इस बीच स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, आई.सी.डी.एस वर्कर, हेल्पर भी पूरे कार्यक्रम में चाइल्डलाइन के साथ रहे। इसमें कुल ३८ बालिकाओं और २८ वयस्कों ने भाग लिया। इसके प्रमुख उद्देश्य थे:

- देश में असमानताओं का सामना करने वाली लड़कियों के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाना।
- बालिका के अधिकारों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना।
- बालिका के शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- अपने जीवन में लैंगिक भेदभाव का सामना कर रही लड़कियों को प्रतिभागी बनाना।

पुंछ

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ को लेकर जिले के कई स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम और रैलियों का आयोजन किया गया। इस संबंध में मदरसा जई उल उलूम में रैली का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के दौरान टीम ने बालिका शिक्षा की भूमिका व महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ और शिक्षा के महत्व, गर्भाधान पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम और बालिकाओं को बचाने के चाइल्डलाइन के तरीके और भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम को स्थानीय लोगों और मदरसा स्टाफ ने काफी सराहा।

चंडीगढ़

चंडीगढ़ के प्लाजा सेक्टर १७ में बालिका दिवस मनाया गया

पंजाब

होशियारपुर

३० जनवरी, २०२० को होशियारपुर की चाइल्डलाइन टीम ने डी.सी के लिए बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ पर एक मसौदा तैयार करने के लिए एन.जी.ओ की एक सभा का आयोजन किया। श्रीमती मीनू सेठी (अध्यक्ष, महिला मोर्चा), श्री जगमीत सिंह सेठी, श्रीमती शालिनी गुप्ता और श्री रशपाल सिंह (सदस्य, सी.डब्ल्यू.सी) और नौ गैर सरकारी संगठन एकत्र हुए और उपायुक्त को एक मसौदा सौंपा।

२४ फरवरी, २०२० को होशियारपुर के श्री हरप्रीत सिंह सुदन (ए.डी.सी) की उपस्थिति में होशियारपुर की चाइल्डलाइन टीम के सदस्यों द्वारा स्लम एरिया भंगीपूल में नुक्कड़ नाटक "बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ" का प्रदर्शन किया गया।

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ पर
चाइल्डलाइन होशियारपुर द्वारा नुक्कड़ नाटक किया गया

जालंधर

जालंधर के सरकारी स्कूल में राष्ट्रीय बालिका दिवस

राजस्थान

अजमेर

२४ जनवरी, २०२० को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर अजमेर के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डी.एस.एल.ए) ने जिले में जागरूकता रैली का आयोजन किया। अजमेर की चाइल्डलाइन ने डी.एस.एल.ए की इस पहल में भी हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने मोबाइल वैन के माध्यम से बालिकाओं के प्रति जागरूकता फैलाई। इस रैली के माध्यम से चाइल्डलाइन और डी.एस.एल.ए के सदस्यों ने अजमेर के लोगों को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। बालिकाओं के मुद्दों को लेकर लोगों के बीच जागरूकता का निर्माण करने के लिए हस्ताक्षर अभियान का भी आयोजन किया गया।

राजस्थान के अजमेर में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर रैली

राजस्थान के अजमेर में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर रैली

उत्तर प्रदेश

बालिका सुरक्षा जागरूकता अभियान (कवच)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य:

इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य लड़कियों और महिलाओं को उनके सुरक्षा अधिकारों के बारे में जागरूक करना था। यह अभियान चाइल्डलाइन द्वारा १८ गांवों के प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूलों में महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग के समन्वय से १० जुलाई २०१९ से लेकर ३१ जुलाई २०१९ तक आयोजित किया गया था। इस अभियान के दौरान ९०० से अधिक बच्चों को उनके सुरक्षा अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया।

बालिका सुरक्षा जागरुकता अभियान, उत्तर प्रदेश

बालिका सुरक्षा जागरुकता अभियान, उत्तर प्रदेश

गतिविधियों का विवरण

इस अभियान में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हो रहे विभिन्न प्रकार के अत्याचार और घरेलू हिंसा को लेकर चर्चाएँ की गई। इस

अभियान में यह भी कहा गया है कि महिलाएँ और युवतियाँ राज्य और केन्द्र सरकारों द्वारा संचालित विभिन्न सेवाओं जैसे १०९० वुमेन पावर लाइन, बच्चों के लिए १०९७, १८७१ आदि का उपयोग कर सकती हैं।

चाइल्डलाइन के बारे में सभी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई और इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि कोई भी बच्चा किसी भी आपात स्थिति में चाइल्डलाइन नंबर १०९८ डायल करने में संकोच न करे।

पूर्व

झारखंड

देवघर, गोड्डा, गुमला, सेरेकेला खरसावां और टाटानगर रेलवे चाइल्डलाइन की टीमों ने चाइल्डलाइन गीत, सामूहिक बैठकों, पर्चों के वितरण, फ्लैक्स प्रदर्शित करने, बाल मुद्दों के संबंध में सवाल–जवाब सत्र के माध्यम से राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया ताकि बच्चों को बाल अधिकारों और बालिका सुरक्षा पर ध्यान देने के साथ–साथ बच्चों के बाल संरक्षण के मुद्दों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया जा सके।

बालिका सुरक्षा जागरूकता अभियान, झारखंड

मणिपुर

थौबल

जिला प्रशासन के एक कार्यक्रम में
रिसोर्स पर्सन के रूप चाइल्डलाइन की टीम

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

पूर्व

मणिपुर

चाइल्डलाइन ने बालिका दिवस पर जागरूकता पैदा की

पश्चिम

महाराष्ट्र

बीड

चाइल्डलाइन बी्ड ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया, जिसमें अधीक्षक सोनटक मैडम, काउंसलर डांगे मैडम और चाइल्डलाइन टीम ने भाग लिया। उन्होंने लगभग ५० प्रतिभागी लड़कियों को चाइल्डलाइन और सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श के बारे में जानकारी प्रदान की।

चाइल्डलाइन बी्ड ने महाराष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया

बाल विवाह

उत्तर

हिमाचल प्रदेश

कांगड़ा

कांगड़ा में सी.एस.डी सप्ताह के दौरान बाल विवाह के विरोध में रैली

राजस्थान

झालावाड़

१५ नवंबर, २०१९ को चाइल्डलाइन ने खानपुर में आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया और लोगों को बाल विवाह और शादी के लिए सही उम्र के बारे में बताया। चाइल्डलाइन ने बाल विवाह के दुष्परिणामों और इसके कारण पैदा होने वाली मानसिक और शारीरिक समस्याओं के बारे में भी बताया।

१९ नवंबर, २०१९ को चाइल्डलाइन ने नाला स्कूल के बच्चों के साथ बाल अधिकार और स्वच्छ भारत मिशन के समर्थन में रैली निकाली और उन्हें बाल अधिकार और बाल विवाह के बारे में भी बताया।

राजस्थान के झालावाड़ बाजार में बाल विवाह पर पर्चे का वितरण

पूर्व

पश्चिम बंगाल

चाइल्डलाइन बीरभूम द्वारा
बाल विवाह की रोकथाम को लेकर साइकिल रैली

असम

बाल विवाह, बाल दुर्व्यवहार और बाल श्रम के
खिलाफ मोटरसाइकिल रैली की सवारी

बिहार

बक्सर की चाइल्डलाइन द्वारा बाल विवाह के
बुरे प्रभावों को दर्शाते हुए गणतंत्र दिवस की झांकी

एंटी ड्रग

उत्तर

हिमाचल प्रदेश

मंडी

हिमाचल प्रदेश के मंडी में नशा मुक्ति के लिए रैली

पंजाब

मनसा

मानसा के साथ नेशनल डे अगेन्स्ट ड्रग एबूज़

जम्मू–कश्मीर

इंटरनेशनल डे अगेन्स्ट ड्रग एबूज़ के विरुद्ध चाइल्डलाइन की कठुआ रैली

विश्व नशा मुक्ति दिवस की पूर्व संध्या पर अनंतनाग की चाइल्डलाइन ने राजकीय मध्य विद्यालय ट्रांगजन मंझोह, अनंतनाग में नशा मुक्ति पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों को नशे की लत के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करना था। बच्चों और स्टाफ के सदस्यों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से खुद को शामिल किया और बहुमूल्य जानकारी का आदान–प्रदान किया। बच्चों ने नशे की लत के खिलाफ विभिन्न नारे लगाए और हाथों में तख्तियां लेकर नशा मुक्ति से संबंधित संदेश का प्रदर्शन किया। इन संदेशों में जीवन के लिए हाँ और ड्रग्स के लिए न कहो और नशीली दवाओं का उपयोग जीवन का दुरुपयोग, स्वतंत्र जन्में, स्वतंत्र जियो आदि शामिल थे।

पुंछ

२६ जून, २०१९ को चाइल्डलाइन की टीम ने गवर्नमेंट हाई स्कूल सैनी में एंटी ड्रग्स के बारे में जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली में १५० से अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। टीम ने दवाओं के हानिकारक प्रभावों के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता फैलाई, और उन्हें सूचित किया कि ये दवाएँ दस मिनट का आनंद प्रदान कर सकती हैं, लेकिन बदले में, वे आपका बहुमूल्य जीवन नष्ट कर रही हैं। ये दवाएँ प्रतिरक्षा प्रणाली को नष्ट कर देती है और हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है तथा विभिन्न प्रकार के कैंसर को जन्म देती है जो अंतत मृत्यु की ओर ले जाती है। चाइल्ड लाइन की टीम ने छात्रों को हेल्पलाइन नंबर १०९८ के बारे में जागरूक किया और उनसे अनुरोध किया कि यदि उन्हें कोई वयस्क ऐसी दवाओं का सेवन करते दिखाई दे तो पुलिस हेल्पलाइन नंबर १०० पर सूचना दें।

पश्चिम

महाराष्ट्र

औरंगाबाद

औरंगाबाद में चाइल्डलाइन द्वारा तंबाकू विरोधी कार्यशाला

१ जून, २०१९ को औरंगाबाद में तंबाकू विरोधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उस आयोजन में आकाश कासलीवाल (एम.जी.वी.एस औरंगाबाद), अभिजीत शंघाई, रंगनाथ जोशी, डॉ ढाबगांवकर, डॉ ढागे, डॉ खामकर, डॉ अनिल बड़कुल और चाइल्डलाइन की टीम मौजूद थी।

घटनाएँ

असम

४ मार्च, २०२० को बाल संरक्षण दिवस का अवलोकन

झारखंड

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (८ मार्च) महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों की ख़ुशी मनाने वाला एक वैश्विक दिवस है। यह दिन लैंगिक समानता में तेजी लाने के प्रयासों को भी चिन्हित करता है

जिला प्रशासन के कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन
के रूप में चाइल्डलाइन टीम

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह: चाइल्डलाइन सेरेकेला-खरसावां की टीम ने सदर में डी.एल.एस.ए के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। अस्पताल, सेराकेला-खरसावां ताकि जागरूकता फैलाने, जागरूकता फैलाने और लोगों को विशेष रूप से सक्षम बच्चों की समस्या और उनकी सुरक्षा और विकलांगता से संबंधित योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सके ।

त्रिपुरा

त्रिपुरा के धर्मनगर में बाल दुर्व्यवहार पर जागरूकता कार्यक्रम

पश्चिम बंगाल

चाइल्डलाइन पश्चिम मेदिनीपुर द्वारा बाल अधिकार दिवस मनाया गया

चाइल्डलाइन दार्जिलिंग द्वारा
बच्चों के शारीरिक दुर्व्यवहार पर जागरूकता कार्यक्रम

चाइल्डलाइन से दोस्ती (सी.एस.डी)

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन (सी.आई.एफ) अपने प्रयासों के माध्यम से भारत में बाल संरक्षण को मजबूत और व्यवस्थित करने पर लगातार ध्यान केंद्रित करता रहा है। ये प्रयास सामूहिक रूप से भारत सरकार, राज्य सरकार और नागरिक समाज संगठनों के सहयोग से किए जाते हैं ताकि बच्चों के मुद्दों को राष्ट्रीय एजेंडे में प्राथमिकता मिल सके। इसके अलावा, चाइल्डलाइन अपने साथी नेटवर्क के साथ विभिन्न बैठकों के माध्यम से मुद्दों पर चर्चा करती है और परिणामस्वरूप एक प्रभावी बाल संरक्षण तंत्र का निर्माण करने के लिए सार्वभौमिक कार्यक्रम और प्रोटोकॉल का निर्माण करती है।

चाइल्डलाइन से दोस्ती एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान है जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को बाल संरक्षण प्रक्रिया में प्रमुख हितधारक बनाना है। इसकी उत्पत्ति का पता २००७ से लगाया जा सकता है, जब भारत सरकार ने चाइल्डलाइन को एक पाथ ब्रेकिंग जागरूकता अभियान बनाने का आदेश दिया था जो बाल संरक्षण के महत्व को उजागर करे। हर साल १४ से २० नवंबर तक चाइल्डलाइन से दोस्ती मनाया जाता है जो बाल संरक्षण के वर्तमान मुद्दों पर जानकारी साझा करके समुदाय को साथ जोड़ने के लिए, उंहें सक्रिय बनाने के लिए, प्रोत्साहित करने और जोखिम में बच्चों की असुरक्षा को कम कर आवश्यक कार्रवाई को करने में सक्षम बनाया जा सके।

पूरे देश में सप्ताह भर चले समारोहों से उत्पन्न लहर लगातार बढ़ती जा रही है, और नए केंद्र अभियान को विभिन्न और रोचक तरीके से अंजाम भी दे रही हैं। प्रत्येक वर्ष के साथ, चाइल्डलाइन अधिक से अधिक लोगों और समुदायों को बाल अधिकारों और बाल संरक्षण की अवधारणाओं से परिचित कराने की ओर अग्रसर हो रहे हैं, और जरूरतमंद बच्चों की मदद करने के लिए अपने तात्कालिक वातावरण में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित भी कर रहे हैं।

इस वर्ष, भारत भर में चाइल्डलाइन टीमों ने न केवल पुलिस स्टेशनों, सरकारी कार्यालयों, शैक्षिक संस्थानों, अस्पतालों और परिवहन केंद्रों जैसे रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों का दौरा किया बल्कि नुक्कड़ नाटकों, जागरूकता बैठकों और सार्वजनिक रैलियों, सांस्कृतिक, मनोरंजन और खेल कार्यक्रमों के साथ स्लम समुदाय की ओर भी कदम बढ़ाया। यहाँ चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह, २०१९ की कुछ झलकियाँ दी गई हैं।

उत्तर

दिल्ली

स्वास्थ्य सत्र

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के एक हिस्से के रूप में, दिल्ली की चाइल्डलाइन टीम ने समुदाय के लोगों के लिए ७ नवंबर, २०१९ को सफदरजंग फ्लाईओवर के नीचे रैन बसेरा में एक स्वास्थ्य सत्र का आयोजन किया।

चाइल्डलाइन टीम ने दिल्ली में प्रदूषण के तेजी से बढ़ने को लेकर जागरूकता फैलाई। लोगों के साथ औद्योगिक उत्सर्जन, कचरे का खराब निपटान, खनन, वनों की कटाई, जीवाश्म ईंधन के उपयोग और कृषि गतिविधियों सहित प्रदूषण के मुख्य कारणों पर चर्चा भी की।

दिल्ली की चाइल्डलाइन टीम ने व्यक्तिगत स्वच्छता और शारीरिक स्वच्छता और स्वस्थ वातावरण के महत्व के बारे में भी लोगों के साथ विचार साझा किया।

सत्र के अंत में टीम ने लोगों को प्रदूषण से बचाने के लिए श्वसन मास्क वितरित किए।

क्शरश्रींह शिीीळेप रीं ठरळप इरीशीर –डरषवरीक्षींपस लू उकखडऊडखछए ऊशश्रहळ

बाल श्रम के विरुद्ध रैली

दिल्ली की चाइल्डलाइन ने बाल दिवस के अवसर पर एंटी चाइल्ड डे पर प्रकाश डाला। चाइल्डलाइन की टीम ने कश्मीरी पार्क में बच्चों को रैली मार्ग के बारे में उन्मुख किया और बाल श्रम पर नारे भी लगाए। यह रैली कश्मीरी पार्क के भोगल मेन मार्केट होते हुए भोगल मार्केट के पुलिस बूथ पर तक हुई। इस रैली के बाद बच्चों ने नृत्य प्रदर्शन और बाल मजदूरी पर नुक्कड़

नाटक रखा। दिल्ली की चाइल्डलाइन टीम ने नुक्कड़ नाटक के बाद बाल श्रम के बारे में जागरूकता फैलाई और बच्चों ने नाटक के माध्यम से जो संदेश दिया, उसके बारे में भी बताया। चाइल्डलाइन की टीम ने चाइल्डलाइन के बारे में जानकारी भी साझा की और बच्चों को चाइल्डलाइन के पर्चे और किताबी स्टिकर भी वितरित किए।

भोगल मार्केट में बाल श्रम पर रैली

स्कूल के शिक्षकों के साथ सुरक्षा बंधन

दिल्ली की चाइल्डलाइन टीम ने कुछ बच्चों के साथ एक सरकारी स्कूल में जाकर टीचर के हाथों में दोस्ती बैंड बांधकर चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह मनाया। शिक्षकों ने बच्चों के साथ स्वस्थ संबंध बनाने का वादा किया। शिक्षकों ने हस्ताक्षर सह संदेश अभियान में भी भाग लिया जिसमें उन्होंने बच्चों के लिए सुंदर संदेश साझा किए।

स्कूल के शिक्षकों के साथ सुरक्षा बंधन

पंजाब

चंडीगढ़

पंजाब के चंडीगढ़ के सी.एस.डी सप्ताह के दौरान मुख्य अतिथियों में से एक अतिथि द्वारा बच्चों को संबोधित किया गया

चंडीगढ़ की चाइल्डलाइन ने चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह का आयोजन किया। इसका उद्देश्य बच्चों से जुड़े मामलों यानी बाल श्रम, भीख मांगना, आश्रय, चिकित्सा सहायता, देखभाल और किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार से सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक सप्ताह तक चलाये जाने वाला जागरूकता अभियान था।

पंजाब के चंडीगढ़ के सी.एस.डी सप्ताह के दौरान मुख्य अतिथियों में से एक अतिथि द्वारा बच्चों को संबोधित किया गया। चंडीगढ़ की चाइल्डलाइन टीम ने ११ नवंबर, २०१९ को आई.एस.बी.टी बस स्टैंड स्थित दफ्तरों, सफाई करने वाले इलाकों, माल साइडिंग, स्टाफ कॉम्प्लेक्स और कझेरी के नजदीक स्थित कॉलोनियों का दौरा किया।

विभिन्न मुद्दों पर आधारित ड्राइंग प्रतियोगिता

१३ नवंबर २०१९ को चंडीगढ़ की चाइल्डलाइन ने बच्चों के लिए सी.एस.डी सप्ताह के जश्न के एक हिस्से के रूप में सरकारी सीनियर सेकंड स्कूल, चंडीगढ़ में एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने चित्र के माध्यम से समाज को बाल श्रम रोकने, बाल विवाह, पर्यावरण बचाने, प्लास्टिक बैग का उपयोग नहीं करने, बाल उत्पीड़न (सुरक्षित स्पर्श और असुरक्षित स्पर्श) और अन्य मुद्दों के ऊपर संदेश दिया। चाइल्डलाइन की टीम ने बाल श्रम के बारे में जागरूकता फैलाई और उन्हें यह भी बताया कि यदि कोई बच्चा श्रम कर रहा है या संकट में या मुसीबत में है तो वह १०९८ पर कॉल करें। मानसा जिले में बाल दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला प्रशासन सहित

सभी हितग्राहियों और बाल अधिकारों के सहयोग से काम करने वाले अन्य संगठनों ने एकजुट होकर कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने उक्त कार्यक्रम में जिले में बाल संरक्षण सुनिश्चित करने की शपथ ली। इसके बाद इस शपथ समारोह में विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

चाइल्डलाइन चंडीगढ़, पंजाब द्वारा आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता

मानसा में बाल अधिकारों के लिए शपथ समारोह

जम्मू–कश्मीर

कठुआ

रंगोली प्रतियोगिता का विषय स्वच्छ भारत अभियान था और इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी मुख्य अतिथि थे। इस प्रतियोगिता के विजेताओं और प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार और प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में २३ छात्र–छात्राओं, ३५ शिक्षकों व स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का समापन कठुआ की चाइल्डलाइन टीम ने २४x७ चाइल्डलाइन आपातकालीन सेवाओं की गतिविधियों

चाइल्डलाइन कठुआ टीम द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीनगर

श्रीनगर की चाइल्डलाइन ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीनगर के छात्रों और कर्मचारियों के साथ बाल दिवस मनाया।

चाइल्डलाइन की टीम ने पूरा दिन बच्चों के साथ बिताया और इन कार्यक्रमों में उनसे जुड़ी सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों का आयोजन किया।

थियेटर समूह के बच्चों के साथ श्रीनगर की चाइल्डलाइन टीम

हिमाचल प्रदेश

कांगड़ा

कांगड़ा की चाइल्डलाइन ने १४ नवंबर, २०१९ से लेकर नौ दिनों तक चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह मनाते हुए कांगड़ा जिला में प्रतियोगिताएं, हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता कार्यक्रम, मेला, रैलियां आदि का आयोजन किया। चाइल्डलाइन की टीम ने बाल दिवस के तहत केंद्रीय विद्यालय बनौला में "बाल मेला" का भी आयोजन किया, जिसने इस उत्सव को और विशेष

बना दिया। इस मेले में चाइल्डलाइन की टीम ने चाइल्डलाइन हेल्पलाइन नंबर १०९८ विषय पर खेलकूद प्रतियोगिता और स्किट प्रतियोगिता जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। इस कार्यक्रम में एस.एच.ओ महिला थाना ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और छात्रों के प्रयासों की सराहना भी की। उन्होंने उन्हें अपने लक्ष्यों के प्रति कड़ी मेहनत करने और अपना जीवन को पूरी तरह जीने के लिए प्रोत्साहित किया। सुश्री चंदेल ने विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए।

केवीएस भानाला में बाल दिवस समारोह

हरियाणा

अंबाला

वृक्षारोपण

हरियाणा के अंबाला में बच्चों के साथ वृक्षारोपण अभियान

अंबाला की चाइल्डलाइन ने पौधे लगाने के समय पेड़ों और बच्चों की रक्षा करने की शपथ ली। बच्चों ने टीम की मदद से पौधे लगाए। इस गतिविधि की प्रक्रिया में बच्चों ने न केवल वृक्षारोपण की मूल बातें सीखीं, बल्कि प्लास्टिक के कचरे को कम करने के वैकल्पिक साधन के रूप में पौधे को उगाने के लिए प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग करने के रचनात्मक तरीके भी सीखे। चाइल्डलाइन की टीम ने बच्चों को दोस्ती बैंड भी बांधा।

भिवानी

चाइल्डलाइन भिवानी की टीम ने जागरूकता अभियान किया

भिवानी की चाइल्डलाइन टीम ने भिवानी रेलवे स्टेशन पर चाइल्डलाइन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जागरूकता अभियान का आयोजन किया। अनेक लोगों सहित छात्रों ने भी मौजूद थे और व्याख्यान को सुना भी। इसमें भाग लेने वाले लोग बहुत खुश थे और उन्होंने शपथ ली थी कि यदि वे किसी भी बच्चे के ऐसे मामले को देखेंगे तो वे चाइल्डलाइन संख्या १०९८ हेल्पलाइन पर कॉल करेंगे।

हिसार

चाइल्डलाइन हिसार ने हर्ष और उत्साह के साथ सी.एस.डी सप्ताह मनाया और चाइल्डलाइन के लिए अधिक से अधिक "दोस्त" बनाने की कोशिश की। इस वर्ष के सी.एस.डी सप्ताह के उत्सव के दौरान जिले में बाल संरक्षण तंत्र के लिए और अधिक से अधिक हितधारकों को शामिल करने पर जोर दिया गया।

इसके अलावा, यह भी सुनिश्चित किया गया कि समाज के सबसे कमजोर बच्चों से संपर्क किया जाए और उन्हें यह संदेश दिया जाए कि उन्हें जब भी कोई जरूरत हो चाइल्डलाइन समर्थन देने के लिए हमेशा तैयार है।

चाइल्डलाइन टीम ने सबसे हाशिए पर रहने वाले बच्चों तक पहुँचना सुनिश्चित ताकि वे समुदाय, हितधारक, पुलिस, विभिन्न विभागों के अधिकारी से बच्चों से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक साथ जुड़कर शामिल सकें।

हरियाणा में चाइल्डलाइन हिसार द्वारा अच्छे और बुरा स्पर्श के बारे में फिल्म की स्क्रीनिंग की गई

सी.एस.डी सप्ताह के दौरान आयोजित की गई प्रमुख गतिविधियों में बच्चों के साथ केक काटने का समारोह, आत्मरक्षा के बारे में अभिविन्यास, बाल अधिकार और बाल संरक्षण मुद्दे पर ड्राइंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, हस्ताक्षर अभियान, चाइल्डलाइन से दोस्ती बैंड बांधने, मेरी सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी के बारे में रैली और "फिल्म स्क्रीनिंग" जैसी गतिविधियाँ शामिल थी।

राजस्थान

बाड़मेर

चाइल्डलाइन बाड़मेर मोतीनगर गई और कच्ची बस्ती के बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया। चाइल्डलाइन की टीम ने बाल दिवस का महत्व समझाया और उस दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी बताया। चाइल्डलाइन की टीम ने बच्चों के साथ कई गतिविधियाँ की और चॉकलेट का वितरण भी किया।

चाइल्डलाइन बाड़मेर द्वारा मोतीनगर के कच्ची बस्ती में बाल दिवस समारोह बाड़मेर

सीकर

सीकर की चाइल्डलाइन ने बाल विवाह, बाल श्रम, और अच्छे और बुरे स्पर्श विषयों पर जागरूकता फैलाने के लिए कठपुतली शो, पिकनिक, हस्ताक्षर अभियान, फिल्म स्क्रीनिंग और चाइल्ड फेयर जैसे कई कार्यक्रम का आयोजन किया।

बाल मेले में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और उन्हें घोड़े और ऊँट की सवारी कराई गई। विशेष बच्चों के लिए फैशन शो, खेल और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

चाइल्डलाइन सीकर द्वारा आयोजित बाल मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश

बहराइच

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के दौरान चाइल्डलाइन द्वारा पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया। बच्चों ने चाइल्डलाइन के संदेश के साथ पतंग उड़ाया।

बहराइच में पतंग महोत्सव

फतेहपुर

चाइल्डलाइन फतेहपुर टीम ने एस.एच.ओ श्रीमती नमिता सिंह की उपस्थिति में के जी.ए.बी.वी त्रिलोकीपुर में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। बच्चों ने बाल अधिकार, बाल दुर्व्यवहार बाल श्रम जैसे विषयों पर पोस्टर बनाए।

केजीएबीवी त्रिलोकीपुर में चाइल्डलाइन पोस्टर प्रतियोगिता।

महोबा

महोबा की चाइल्डलाइन टीम ने चाइल्डलाइन १०९८ की सेवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए महोबा ज्ञानस्थली पब्लिक स्कूल में अभियान चलाया। स्कूल के बच्चों ने उल्लेखनीय मानव श्रृंखला के माध्यम से १०९८ चाइल्डलाइन के हेल्पलाइन नंबर का गठन किया, जो इसका साक्ष्य भी बना।

महोबा के ज्ञानस्थली पब्लिक स्कूल
में बच्चों द्वारा मानव श्रृंखला के माध्यम से
चाइल्डलाइन हेल्पलाइन नंबर १०९८ का गठन किया गयी ।

उत्तराखंड

नैनीताल

नैनीताल के धारहोर में चाइल्डलाइन नैनीताल ने एक हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया। टीम ने चाइल्डलाइन १०९८ और बाल अधिकारों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हस्ताक्षर अभियान पर अपने हस्ताक्षर किए और चाइल्डलाइन के दोस्त होने का वादा किया।

नैनीताल में जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें बच्चों ने तख्तियों/पोस्टरों (प्लैकार्ड) पर बाल अधिकारों के लिए संदेश दिया। बच्चों ने बाल अधिकार, बाल उत्पीड़न और बाल विवाह जैसे मुद्दों पर संदेश प्रसारित किए।

चंपावत में एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जहाँ शिक्षकों ने चाइल्डलाइन १०९८ के दोस्त बनने एवं समाज के बच्चों की रक्षा करने की शपथ ली।

नैनीताल के धाराहोर में आयोजित हस्ताक्षर अभियान

पूर्व

असम

असम के सिलचर में सी.एस.डी सप्ताह का आयोजन

चाइल्डलाइन असम ने सी.एस.डी सप्ताह के समारोह के तहत कार्यक्रम आयोजित किया। बच्चों के लिए चित्रकला, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, जिला प्रशासन, आई.सी.सी.एस के कार्यकर्ता, आई. सी.डी.एस के कार्यकर्ता, पुलिस कार्मिक, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल को सुरक्षा बंधन बैंड बांधना जैसे मुख्य कार्यक्रम थे।

टीम ने हस्ताक्षर अभियान और जिले के महत्वपूर्ण स्थानों पर भित्ति–चित्र (वाल पेंटिंग) संबंधी पहल की।

अरुणाचल प्रदेश

ईटानगर

चाइल्डलाइन ईटानगर ने सी.एस.डी सप्ताह आयोजन के तहत बच्चों के लिए चित्रकला (ड्राइंग) प्रतियोगिता का आयोजन किया। टीम ने अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में निःशुल्क दंत जांच और जागरूकता शिविर का आयोजन भी किया।

अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में सी.एस.डी सप्ताह का आयोजन

मणिपुर

इम्फ़ाल

चाइल्डलाइन इम्फाल ईस्ट (पूर्व) ने दिनांक १४ से २० नवंबर, २०१९ तक चाइल्डलाइन से दोस्ती अभियान मनाया। माननीय मंत्री श्री एल. जयंतकुमार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कानून एवं विधायी मामले, कला एवं संस्कृति तथा सीएडीए, मणिपुर सरकार ने हस्ताक्षर अभियान का उद्घाटन किया। "समुदाय कार्यक्रम (इवेंट विद कम्युनिटी)" के तहत चाइल्डलाइन इम्फाल पूर्व ने इम्फाल पूर्व के विभिन्न स्थानों पर घर–घर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जिससे स्थानीय लोगों को चाइल्डलाइन १०९८ के "दोस्त" बने।

माननीय मंत्री श्री एल. जयंतकुमार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कानून एवं विधायी मामले, कला एवं संस्कृति तथा सीएडीए, मणिपुर सरकार ने चाइल्डलाइन से दोस्ती अभियान का उद्घाटन किया।

मिज़ोरम

सी.एस.डी सप्ताह समारोह के तहत, चाइल्डलाइन मिज़ोरम टीम ने अइज़ोल, मिजोरम में जागरूकता सत्र का आयोजन किया ।

सी.एस.डी सप्ताह समारोह के दौरान अइज़ोल में जागरूकता सत्र

नागालैंड

सी.एस.डी सप्ताह के तहत चाइल्डलाइन नागालैंड ने नुईलैंड माध्यामिक विद्यालय में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया।

ओसी एवं कार्मिक, नागालैंड के साथ चाइल्डलाइन टीम

बिहार

चाइल्डलाइन बिहार ने राज्य के २२ जिलों में चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह का आयोजन किया, साथ ही बिहार राज्य के ८ प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर कुछ रंग–बिरंगे एवं अभिनव कार्यक्रमों को आयोजित किए गए।

बिहार के रेलवे स्टेशनों पर जागरूकता कार्यक्रम

पटना रेलवे जंक्शन में चाइल्डलाइन

रेलवे चाइल्डलाइन पटना ने रेलवे स्टेशन के परिसर में जागरूकता सत्र और अन्य कार्यक्रम आयोजित करके सी.एस.डी कार्यक्रम मनाया। स्टेशन में गाड़ियों की प्रतिक्षा कर रहे यात्रियों, जी.आर.पी, आर.पी.एफ, स्टेशन प्रबंधक और स्टेशन निदेशक को सुरक्षा बंधन बैंड बांधा गया। स्टेशन निदेशक ने बाल संरक्षण सुनिश्चित करने में और बच्चों के अधिकारों और संरक्षण के लिए लड़ने के लिए टीम की लगातार प्रयासों की सराहना की।

टीम ने सभी को सी.एस.डी कार्यक्रम के महत्व को समझाया। रेलवे के स्टाफ सदस्यों ने चाइल्डलाइन बिहार की पहल की प्रशंसा की और वादा किया कि वे उनके साथ सभी गतिविधियों में सहयोग करेंगे।

टीम ने चाइल्डलाइन सेवाओं के बारे में प्रतिपुष्टि (फीडबैक) लेने के लिए हस्ताक्षर अभियान का भी आयोजन किया।

छत्तीसगढ़

राजनंदगांव

चाइल्डलाइन राजनंदगांव ने सभागार में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करके उत्सव मनाया जहां एस.पी, डी.पी.ओ, डी.सी.पी. ओ और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। टीम ने भाग लेने वाले अधिकारियों को दोस्ती बैंड बांधा। चाइल्डलाइन राजनंदगांव द्वारा बाल–उत्पीड़न के खिलाफ रैली और हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

छात्रों और शिक्षकों को पोक्सो अधिनियम, जेजे अधिनियम एवं चाइल्डलाइन १०९८ सेवाओं के बारे में जागरूक किया गया।

बस स्टैंड पर एक आउटरीच गतिविधि को आयोजित की गई जहां टीम ने बाल अधिकारों, बाल शोषण और चाइल्डलाइन १०९८ सेवाओं के विषयों के बारे में जागरूकता प्रसारित किया गया।

यात्रियों, बस मालिकों, बस चालकों और परिचालाकों को पर्चे (पैम्फ़लेट) वितरित किए गए।

चाइल्डलाइन राजनंदगांव टीम ने रेलवे विभाग के सदस्यों को दोस्ती बैंड भी बांधें। टीम ने प्रधानमंत्री कौशल केंद्र में पॉक्सो अधिनियम पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

विद्यालय एवं कॉलेज छात्रों के
चाइल्डलाइन राजनंदगावं मानव (ह्यूमन) चैन

झारखंड

रांची

झारखंड की राज्यपाल सुश्री द्रौपदी मुर्मू के चाइल्ड लाइन रांची टीम

सी.एस.डी सप्ताह के तहत, चाइल्डलाइन रांची टीम ने रांची में अपने संचालन क्षेत्र के विभिन्न पुलिस स्टेशनों के स्टेशन प्रभारी को दोस्ती बैंड़ बांधा गया।

चाइल्डलाइन से दोस्ती बैंड को झारखंड की राज्यपाल सुश्री द्रौपदी मुर्मू के हाथों में भी बांधा गया।

टीम ने ड़ीसी, शहर के पुलिस अधीक्षक, एसडीओ, उप नगर निगम आयुक्त, सी.डब्लू.सी और डी.सी.पी.यू को दोस्ती बैंड बांधे गए।

टीम ने निदेशक आई.सी.पी.एस, विकलांगता आयुक्त के साथ मुलाकात की और दोस्ती बैंड बांधा गया उसके आई.जी–सी. आई.डी को भी दोस्ती बैंड बांधा गया। रेलवे चाइल्डलाइन रांची टीम ने न केवल रांची स्टेशन में अपितु मुरी, टोरी और हटिया स्टेशनों में जाकर वहां पदस्थ जी.आर.पी एवं आर.पी.एफ को दोस्ती बैंड्स बांधा गया।

उडिसा

ब्रह्मपुर

चाइल्डलाइन ब्रह्मपुर ने संबद्ध प्रणाली और अन्य साझेदारों को शामिल करते हुए "चाइल्डलाइन से दोस्ती" सप्ताह मनाया। बच्चों ने पुलिस अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों जैसे कलेक्टर, एडी.एम, डी.पी.सी कार्यालय, डी.एल.ओ, उप जिलाधिकारी को दोस्ती बैंड बांधा। विद्यालयों में चित्रकला (ड्राइंग) प्रतियोगिता, वार्तालाप गतिविधि (रोल प्ले), गायन प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, हस्ताक्षर अभियान आयोजित किए गए। बाल सुरक्षा और संरक्षण के विषय पर समुदायों के समझ एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया।

माननीय स्कूल और जन शिक्षा मंत्री श्री समीर रंजन दास के साथ चाइल्डलाइन टीम

पश्चिम बंगाल

मुर्शिदाबाद

चाइल्डलाइन मुर्शिदाबाद ने चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के तहत विद्यालय के बच्चों के साथ रैली और जागरूकता सृजन करने के हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया।

अजिमगंज रेलवे जंक्शन में टीम ने बच्चों और किशोरों के लिए चित्रकला (ड्राइंग) प्रतियोगिता, त्वरित प्रश्नोत्तरी (रैपिड क्विज़), हस्ताक्षर अभियान आयोजित की। रेलवे बाल संरक्षण समिति, सड़क एवं प्लेटफॉर्म के आसपास रह रहे बच्चों के बीच संवाद–सत्र आयोजित किया गया।

कालिकापुर माध्यमिक विद्यालय, रामनगर माध्यमिक मदरशा के बच्चों को चाइल्डलाइन से दोस्ती बैंड बंधा ।

टीम द्वारा आत्मरक्षा शिक्षा संबंधी कार्यशाला में कराटे कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल में आयोजित आत्मरक्षा शिक्षा संबंधी कार्यशाला

पश्चिम

महाराष्ट्र

परभणी पुलिस द्वारा बच्चों का मार्गदर्शन

सी.आई.एफ को यू.एन.सी.आर.सी के ३० वर्ष पूर्ण होने पर बाल सरंक्षा सप्ताह (१४ से २० नवंबर तक) के आयोजित कार्यक्रम में हिंसा को समाप्त करने के लिए राज्य स्तरीय अभियान (गतिविधियों की योजना सहित) में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। राज्य पुलिस, डब्लू.सी.डी और स्वास्थ्य एवं यू.एन. आई.सी.ई.एफ (युनिसेफ), महाराष्ट्र के समन्वय से यह कार्य किया गया। चाइल्डलाइन साझेदार (पार्टनर) जिला स्तरीय टीम (पुलिस, डब्ल्यू.सी.डी, सी.डब्ल्यू.सी, डी.सी.पी.यू और एस.जे. पी.यू) के हिस्सा थे। साथ ही विद्यालयों और कॉलेजों में चाइल्डलाइन एवं पुलिस की भूमिका दर्शाते हुए बाल–संरक्षण और इससे संबंधित मुद्दों के पर जागरूकता सृजन करने हेतु सत्र का आयोजन किया गया।

औरंगाबाद

चाइल्डलाइन औरंगाबाद ने दिनांक १४ नवंबर, २०१९ को औरंगाबाद रेलवे स्टेशन पर रंगोली के माध्यम से बाल अधिकारों के विषय पर जागरूकता प्रसारित करने के उद्देश्य से सीडीएस सप्ताह मनाया गया। इस कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति और रेलवे पुलिस थाने के प्रभारी को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग १५०० से २००० लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य रचनात्मक कला के माध्यम से बाल अधिकारों का संदेश प्रसारित करना था। टीम के द्वारा रेलवे स्टेशन पर हस्ताक्षर अभियान का भी आयोजन किया गया।

चाइल्डलाइन औरंगाबाद टीम द्वारा बाल आनंद मेलवा अभियान का आयोजन किया गया जिसमें ० से १८ वर्ष के बच्चों को चाइल्डलाइन से मिलने वाली सहायता के प्रकारों का वर्णन के संबंध में और चाइल्डलाइन की हेल्पलाइन नंबर वितरण हेतु आयोजित किया गया। बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के नाश्ते की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम में १९ विद्यालयों के १५०० से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

बाल अधिकारों से संबंधित जागरूकता के लिए रंगोली बनाई गई

मुंबई

सी.एस.डी सप्ताह के दौरान, चाइल्डलाइन मुंबई द्वारा सी.एस.टी स्टेशन पर सेल्फी अभियान का आयोजन किया गया जहां रेलवे के अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों एवं लोगों के साथ सेल्फी ली गई। टीम ने छोटा भीम एवं डोरेमोन बैनर के माध्यम से मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर जागरूकता अभियान चलाया। दादर रेलवे स्टेशन पर पुलिस अधिकारियों ने जनता को बाल–संरक्षा के बारे बताया।

मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर डोरेमोन एवं छोटा भीम के प्रतीकों के साथ सी.एस.डी सप्ताह का आयोजन

नागपुर

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के दौरान, चाइल्डलाइन नागपुर ने बस स्टैंड ऑफिस के स्टाफ के बीच चाइल्डलाइन १०९८ एवं बाल श्रम के बारे में जागरूकता अभियान चलाया। टीम ने नागपुर के सभी बस स्टैंड कार्यालय के कर्मचारियों को दोस्ती बैंड भी बांधा। टीम द्वारा एक रैली का भी आयोजन किया गया।

टीम ने यात्रियों व स्टॉल (दुकान) के मालिकों को चाइल्डलाइन पोस्टर और पत्रक (लीफलेट) का वितरण किया। टीम द्वारा चाइल्डलाइन गीत का गायन और नुक्कड़ नाटक किया गया।

नागपुर एसटी बस अड्डा (डिपो) पर सभी यात्रियों को चाइल्डलाइन पोस्टर और पत्रक (लीफलेट) का वितरण करते हुए ।

रत्नागिरी

चाइल्डलाइन रत्नागिरी ने एक रैली का आयोजित की जिसमें ४०० छात्रों ने भाग लिया। टीम के द्वारा सज़ावटी सुंदर गुब्बरे एवं रंगोली की व्यवस्था की गई। विद्यालयों में चाइल्डलाइन रत्नागिरी टीम एवं पुलिस अधिकारियों ने बाल अधिकार एवं बाल सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर एक जागरूगता सत्र का आयोजन किया। बाल अधिकारों पर एक नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया।

विद्यालयों में बच्चों को बाल अधिकारों के विषय शिक्षित करते हुए पुलिस अधिकारी

गुजरात

अहमदाबाद

चाइल्डलाइन अहमदाबाद ने चाइल्डलाइन १०९८ की सेवाओं एवं प्लास्टिक मुक्त अहमदाबाद संबंधी विषय पर छात्रों के साथ मिलकर एक जागरूकता रैली एवं उनमें जागरूकता का सृजन किया।

समाचार पत्रों (न्यूज़पेपर) के माध्यम से बैग बनाते हुए छात्र

आनंद

चाइल्डलाइन पद–चाल (वाल्कथन) २०१९

चाइल्डलाइन आनंद द्वारा चाइल्डलाइन पद–चाल (वाल्कथन) २०१९ का आयोजन किया गया। पद–चाल का मुख्य लक्ष्य बाल अधिकारों एवं सरंक्षण संबंधी मुद्दों संबंधी जागरूकता प्रसारित करना था जिसमें करीब ७० बच्चों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने हरी (ग्रीन) चाइल्डलाइन टोपी (कैपी) पहनकर एवं चाइल्डलाइन झंडों के साथ पद–चाल में शामिल हुए। पद–चाल का मुख्य विषय (थीम) "स्वच्छ भारत" एवं

"मेक इंडिया, ग्रीन इंडिया" था। बच्चों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई और चाइल्डलाइन ने उपस्थित सभी अतिथियों को चाइल्डलाइन १०९८ का समर्थन करने के लिए आभार व्यक्त किया।

कच्छ

माननीय जिलाधिकारी महोदय श्री नागराज द्वारा सी.एस.डी कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए

माननीय कलेक्टर श्री नागराज द्वारा बालगृह में केक काटकर कच्छ सी.एस.डी कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कलेक्टर ने उपस्थित लोगों एवं बच्चों को चाइल्डलाइन हेल्पलाइन नंबर १०९८ के बारे में बताया। चाइल्डलाइन टीम ने चाइल्डलाइन, बाल अधिकार, संवृद्धि और विकास के बारे में जानकारी साझा की। बच्चों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सामाप्त किया गया साथ ही दोपहर का भोजन की भी व्यवस्था की गई।

वडोदरा

रेडियो स्टेशन (रेडियो सिटी ९१.१ एफएम), वडोदरा में चाइल्डलाइन के लाभार्थी

चाइल्डलाइन वडोदरा ने बच्चों के लिए विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया। चाइल्डलाइन परियोजनाओं के बाल लाभार्थियों के लिए रेडियो शो का आयोजन किया गया। बड़े पैमाने पर विद्यालयों, कॉलेजों और बैंकों में स्वयंसेवकों को बढ़ाने और जागरूकता फैलाने के लिए स्वयंसेवा अभियान चलाया गया। टीम ने वडोदरा शहर भर में नाटकों की प्रस्तुति दी। टीम ने सरकारी अधिकारियों से भी मुलाकात कर दोस्ती बंधन बैंड बांधा। टीम ने एन.सी.एल.पी परियोजना के बच्चों को लेकर सयाजीबाग में पिकनिक मनाया और वडोदरा रेलवे स्टेशन पर हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस अभियान के माध्यम से बच्चों और अन्य भागीदारों/साझेदारों में १०९८, बाल अधिकार और बाल संबंधी कानूनों के बारे में जागरूकता को प्रसारित किया गया।

गोवा

चाइल्डलाइन गोवा टीम की सहायता से बच्चों द्वारा बनाया गया कागज़ की मछली (पेपर फिश)

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के अवसर पर जागरूकता रैली

सी.डी.एस सप्ताह के दौरान चाइल्डलाइन गोवा टीम ने १४ नवम्बर २०१९ को बाल दिवस के आयोजन किया। इस

कार्यक्रम के तहत टीम द्वारा विभिन्न गतिविधियों जैसे चित्रकारी एवम् हस्तकला, खेल और नृत्य को प्रस्तुत किया गया।

दादरा और नागर हवेली

बच्चों को स्वच्छता किट का वितरण

टीम द्वारा दिनांक २१ नवम्बर को बालभवन में स्व–स्वछता के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नरोली में बच्चों को स्व–स्वच्छता से संबंधित समाग्रियों से बना हुआ विशेष स्वच्छता किट का वितरण किया गया।

दमन

रिगवांडा प्रवासी क्षेत्र पर स्वच्छता अभियान

चाइल्डलाइन दमन ने एक हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया, रिगवांडा प्रवासी क्षेत्र में स्वच्छता अभियान के साथ–साथ चाइल्डलाइन १०९८ सेवाओं के बारे में समझाते हुए पोस्टर और पर्चे भी वितरित किए गए।

मध्य प्रदेश

अनूपपुर

अनूपपुर में पतंगबाज़ी (उड़ाना) अभियान का आयोजन

चाइल्डलाइन अनूपपुर ने अनूपपुर में पतंग उड़ाने का अभियान का आयोजन किया जिसमें पतंगों पर चाइल्डलाइन १०९८ के संदेश को दिखाया गया।

खरगोन

चाइल्डलाइन ने खरगोन जिले में नवाचार विचार दोस्ती पत्र का प्रारंभ हुआ जिसमें ६ विद्यालय से करीब १००० बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने अपने अनुभव और विचारों को साझा किया। विभिन्न गतिविधियाँ जैसे प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, बाल सभा का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह भी रखा गया जिसमें बच्चों को अपने सामने किसी भी संकट/समस्या के समय १०९८ में सूचना देने संबंधी शपथ दिलवाई गई।

खरगोन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह

दक्षिण

मीडिया को संबोधित करती हुईं सुश्री पद्मावती,
बाल कल्याण समिति, जिला – पूर्वी गोदावरी

अनंतपुरम, पूर्वी गोदावरी और श्रीकाकुलम के जिला कलेक्टरों ने आंध्र प्रदेश में चाइल्डलाइन से दोस्ती अभियान का उद्घाटन किया ।

चाइल्डलाइन आंध्र प्रदेश ने प्रेस बैठक का आयोजन किया जिसमें पूरे आंध्र प्रदेश में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों के मीडियाकर्मियों को अवगत कराया । इसका मुख्य उद्देश्य उन लोगों का ध्यान आकर्षित करना था जो चाइल्डलाइन से अनजान हैं। वे बच्चों की सुरक्षा में अपनी भूमिका निभाने के लिए लोगों की मदद करने के लिए और साथ ही साथ चल रहे प्रयासों में सहयोग देना चाहते हैं।

माननीय अध्यक्ष आंध्र प्रदेश विधान सभा
श्री टी सीताराम पोस्टर का उद्घाटन करते हुए

सभी जिलों के संबद्ध प्रणालियों के प्रमुखों ने सी.एस.डी अभियान के पोस्टरों का उद्घाटन किया। भाग लेने वाले अधिकारियों ने जिले में बाल अधिकारों के संरक्षण में चाइल्डलाइन की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की ।

कर्नाटक

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह का उद्घाटन

१४ नवंबर, २०१९ को चाइल्डलाइन कर्नाटक द्वारा राज्य भर में सी.एस.डी सप्ताह का उद्घाटन आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीसी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, एस.पी, डी.एच.ओ, सी.ई.ओ, डी.सी.पी.ओ, डी.एल.एस.ए, ए.एल.सी, डी.डी.पी.आई, डी.डी, सी.जे.एम, सी.डब्ल्यू.सी अध्यक्ष, सदस्य आदि जिला अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान पोस्टरों का विमोचन, हस्ताक्षर अभियान, सुरक्षा बंधन बैंड बांधने और सभी विभागों और विभिन्न साझेदारों द्वारा जिले को बाल हितैषी जिला सुनिश्चित करने की शपथ ली गई।

कर्नाटक सरकार तुमकुर के कानून एवं प्रवर्तन मंत्री श्री जे.सी. मधु स्वामी द्वारा तुमकुर में चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह का उद्घाटन

बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ जन जागरूकता

मौन जत्था– बागलकोट में बाल सुरक्षा और मैत्रीपूर्ण
जिले के लिए पद-यात्रा

चाइल्डलाइन कर्नाटक ने पूरे राज्य में बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम पर अभियान का आयोजन किया। टीम ने पर्चे व पोस्टर वितरित कर चाइल्डलाइन के बारे में जागरूकता को प्रसारित किया। मंगलुरु, बेलादेवी, धारवाड़, चामराजनगर, मैसूरू और दावणगेरे जिलों में बाल तस्करी और बाल सुरक्षा की रोकथाम को लेकर टीम द्वारा बाइक, साइकिल और ऑटो रैलियों का आयोजन किया गया। टीम ने जनता को निर्देश दिया कि बाल भिक्षावृत्ति को प्रोत्साहित न करें और यदि कभी भी उन्हें कोई बच्चा श्रम करते हुए या संकट में पाया जाता है उसकी जानकारी चाइल्डलाइन १०९८ के साथ जानकारी साझा करें। चाइल्डलाइन टीम ने छात्रों को दोस्ती बंधन बैंड बांधा और बाल अधिकारों के संबंध में बस स्टैंड, कॉलेज, रेलवे स्टेशन, बाजार, थिएटर, धार्मिक स्थल, ऑटो स्टैंड आदि जैसे विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया।

केरल

एर्णाकुलम

चाइल्डलाइन एर्नाकुलम और छात्र प्रतिनिधियों ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों माननीय न्यायमूर्ति सी.के. अब्दुल रहीम, माननीय न्यायमूर्ति देवन रामचंद्रन, माननीय न्यायमूर्ति वी.जी. अरुण, माननीय न्यायमूर्ति अनु शिवरमन और केरल राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के.टी. निसार अहमद के साथ चर्चा की ।

सुश्री अदीला अब्दल्ला, आई.ए.एस, जिलाधिकारी, वायनाड बच्चों के साथ चर्चा करती हुईं

तमिलनाडु

टीम ने स्कूल, कॉलेज, नशा मुक्ति केंद्र में चाइल्डलाइन हेल्पलाइन नंबर १०९८ पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया और रेडियो एफएम ९०.४, डिंडीगुल में १०९८ के बारे में बताया गया।

रेडियो एफएम ९०.४, डिंडीगुल पर बाल संरक्षा के बारे में जानकारी साझा करती हुई चाइल्डलाइन तमिलनाडु की टीम

चाइल्डलाइन तमिलनाडु की टीम ने "स्वच्छ भारत मिशन" स्वच्छ भारत अभियान अभियान के संदर्भ में विद्यालयों में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्रों, एच.एम, शिक्षकों और चाइल्डलाइन तमिलनाडु की टीम ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बच्चों को विद्यालय परिसर में हरित (ग्रीन) वातावरण बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

चाइल्डलाइन तमिलनाडु की टीम ने कांचीपुरम जिले में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसी क्रम में, जिले में बच्चों द्वारा विद्यालय, गांव और घरों में १८५० पेड़ पौधे लगाए गए।

कांचीपुरम जिले में वृक्षारोपण कार्यक्रम

तेलंगाना

जिला स्तर पर बाल दिवस समारोह के रूप में, चाइल्डलाइन से दोस्ती का उद्घाटन जिला स्तर पर जिला अधिकारियों और राज्य

स्तर पर राज्य अधिकारियों द्वारा सी.एस.डी के पोस्टर का विमोचन करके किया गया ।

बच्चों के साथ जिलाधिकारी, खम्मम द्वारा सी.एस.डी पोस्टर का विमोचन

विशेष जरूरतमंद बच्चों के लिए कार्यक्रम

चाइल्डलाइन से दोस्ती समारोह के भाग के रूप में, चाइल्डलाइन तेलंगाना की टीम ने विशेष जरूरतमंद बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। अपनी विशेषज्ञता और कौशल को साबित करने के लिए विशेष जरूरतमंद बच्चों के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए चित्रकला (ड्राइंग) प्रतियोगिता, निबंध लेखन, भाषण और उपयुक्त खेल गतिविधियों जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों व अधिकारी ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

महबूबनगर जिले में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान
विशेष जरूरतमंद वाले बच्चे

भद्राद्री कोठागुडेम और खम्मम जिलों के जिलाधिकारी ने चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी विद्यायलयों को जिले में बच्चों के संरक्षण और विकास से संबंधित संदेश पत्र लिखा। पत्र में लिखे गए संदेश १४ नवंबर, २०१९ को प्रार्थना के दौरान बच्चों को समझाया गया था।

केजीबीवी, महबूबनगर जिले के बच्चों द्वारा स्वच्छ विद्यालय पर पेंटिंग

ऑनलाइन सुरक्षा पर जागरूकता

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के दौरान चाइल्डलाइन तेलंगाना द्वारा विद्यालयों में बच्चों को बाल अधिकार, बाल संरक्षण और स्वच्छ विद्यालय के विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिक्षा, महिला एवं बाल विकास और पुलिस जैसे संबद्ध विभागों के भागीदार भी शामिल थे ।

टीम ने चित्रकला (ड्राइंग), भाषण, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान बच्चों और भागीदारों ने चाइल्डलाइन की शपथ भी ली।

हौसला २०१९

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन, २४ घंटे की आपतकालीन आउटरीच सेवा, महिला और बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से आयोजित बच्चों और उनके अधिकारों के लिए "हौसला २०१९' नामक बाल संरक्षण संस्था (चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशन) उत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बाल संरक्षा, सुरक्षा और अधिकारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देश की राजधानी में १८ से २१ दिसंबर, २०१९ तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य पूरे देश में बाल अधिकार के साक्षी बच्चों को एक साथ आने के लिए प्रोत्साहित करना और चार दिन के इस उत्सव में होने वाली विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों को सीखना, साझा करना, प्रतिस्पर्धा करना है।

हौसला कार्यक्रम का उद्घाटन

केक–कटिंग समारोह

कार्यक्रम की शुरुआत १८ दिसंबर, २०१९ को बच्चों के आगमन के साथ शुरू हुआ। माननीय राज्य मंत्री ने १९ दिसंबर, २०१९ को कार्यक्रम को संबोधित किया, जहां बच्चों के लिए शतरंज, चित्रकला और स्क्रैबल जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं की व्यवस्था की गई थी। खेल के उद्घाटन और कई स्पोर्ट्स मीट जिसमें विभिन्न प्रतिस्पर्धी खेल जैसे उच्च कूद, १०० मीटर लंबी कूद जैसे कुछ खेल २० दिसंबर, २०१९ को व्यवस्थित किए गए। हौसला २०१९ उत्सव कार्यक्रम २१ दिसंबर, २०१९ को समापन समारोह और पुरस्कार वितरण के साथ समाप्त हुआ।

केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी "बाल पंचायत" हौंसला कार्यक्रम को संबोधित करती हुईं।

हौसला उत्सव पर सुश्री हर्लीन वालिया, उप निदेशक, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

गतिविधियों पर चर्चा के दौरान, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक डॉ अंजय्या पंडिरी ने कहा कि "भाग लेने वाले बच्चों की संख्या को देखते हुए हम हौसला सप्ताह को लेकर बेहद उत्साहित हैं। बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके विकास और सुरक्षा को प्रोत्साहित करने में हम उनके लिए सर्वोत्तम प्रयास कर सकते हैं। हौसला सप्ताह बच्चों की अधिकतम संख्या तक पहुंचने और जागरूकता प्रसारित करने और लोगों तक पहुंचने में मदद करने का हमारा एक उपायों में से एक है।"

बच्चों के लिए जादू नाटक

हौसला उत्सव में फेस पेंटिंग

हौसला उत्सव में मैजिक शो

हौसला उत्सव में चाइल्डलाइन टीम

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक डॉ अंजय्या पंडिरी, चाइल्डलाइन टीम के साथ

- चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान बाल सरंक्षण (चाइल्ड केयर इंस्टीटयूशन) संस्थानों द्वारा बच्चों के लिए शतरंज, चित्रकला, स्क्रैबल और ऐसी अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों/प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- बच्चों ने माननीय मंत्री से बातचीत की ।
- देश भर में बाल सरंक्षण संस्थानों के ६०० से अधिक बच्चों ने हौसला सप्ताह, २०१९ के दौरान सीखने, साझा करने और प्रतिस्पर्धा करने में हिस्सा लिया ।

स्वच्छ भारत अभियान

उत्तर

जम्मु एवं कश्मीर

शासकीय माध्यमिक विद्यालय चक्क सज्जन, कठुआ, सरपंच पंचायत चक सोना नुपा में स्वच्छ भारत अभियान पर पौधरोपण अभियान चला गया।

१० अक्टूबर, २०१९ को चक सज्जन से खरोट, कठुआ तक स्वच्छ भारत अभियान पर एक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

दिल्ली में स्वच्छ भारत अभियान (एस.बी.ए)

चंडीगढ़

रेलवे स्टेशन पर आयोजित स्वच्छ भारत अभियान

दिल्ली में स्वच्छ भारत अभियान (एस.बी.ए)

दिल्ली

"स्वच्छ भारत अभियान" के तहत चाइल्डलाइन दिल्ली ने बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देना एवं उनके समुचित स्वास्थ्य और स्वच्छता को सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया। इस जागरूकता अभियान के तहत गतिविधियाँ न केवल बाहरी गंदगी से उत्पन्न समस्याओं के लिए थी बल्कि वे आंतरिक (मन) को साफ करने और बच्चों के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने के बारे मं भी था। चाइल्डलाइन ने संदेश के प्रचार–प्रसार के लिए और जागरूकता सृजन करने के लिए विभिन्न संचार विधियों/तकनीकों जैसे स्वच्छता अभियान, व्यक्तिगत और साम ान्य स्वच्छता किटों का वितरण, चित्रकला (ड्राइंग) प्रतियोगिताएं, रैलियां, नुक्कड़ नाटक आदि का भी आयोजन किया। कुल मिलाकर, पूरे दिल्ली में, जनवरी २०२० से मार्च २०२० तक तीन महीने की अवधि में इस तरह की ३१ गतिविधियों का आयोजन किया गया।

हरियाणा

फरीदाबाद

फरीदाबाद रेलवे स्टेशन में हस्ताक्षर अभियान में भाग लेते हुए आर.पी.एफ

पंजाब

अमृतसर

अमृतसर की रेलवे चाइल्डलाइन ने रेलवे स्टेशन, गुमतला बाईपास की झुग्गी बस्ती, अटारी सीमा, बोदवाल गांव और मोहकमपुर झुग्गी बस्तियों के लिए विभिन्न श्रेणियों जैसे बच्चे, झुग्गी बस्तियों के बच्चे, स्कूली बच्चे, मजदूर, कुली, सफाई वाले, यात्री, अधिकारी, रिक्शा चालक, कमजोर परिस्थितियों के बच्चे आदि के लोगों के लिए स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों और अन्य लोगों के बीच ग्रीन सिटी, क्लीन सिटी, माय ड्रीम सिटी पर जागरूकता का बढ़ाना था।

अमृतसर में ग्रामिणों और बच्चों के साथ स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम

लुधियाना

लुधियाना रेलवे स्टेशन पर आयोजित स्वच्छ भारत अभियान

राजस्थान

अजमेर

"स्वच्छ सोच व स्वच्छ व्यवहार बनाए स्वच्छ भारत" अभियान – शासकीय बालिकागृह (गर्ल्स शेल्टर होम) और रेलवे स्टेशन में स्वच्छता और स्वच्छ आदतों को बढ़ाने, कोविड–१९ के प्रति जागरूकता प्रसारित करने संबंधी जरूरतों को समझते हुए, चाइल्डलाइन अजमेर ने "स्वच्छ सोच व स्वच्छ व्यवहार बनाए स्वच्छ भारत" अभियान घोषणा की।

चाइल्डलाइन अज़मेर द्वारा स्वच्छ भारत अभियान

उत्तर प्रदेश

गोरखपुर

स्वच्छ भारत पखवाड़ा के तहत स्वच्छता किट का वितरण

रेलवे चाइल्डलाइन, गोरखपुर द्वारा २ अक्टूबर, २०१४ को विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कठपुतली नाटक, रैलियां, स्वच्छता अभियान और रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता किट वितरण, पोस्टकार्ड बनाने की प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम लोगों के साथ–साथ बच्चों को स्वच्छता के महत्व, कूड़ेदान के इस्तेमाल, प्लास्टिक या

पॉलिथीन थैलों की की बेकारता, वृक्षारोपण के महत्व के साथ–साथ व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरूक करना था। बच्चों को कठपुतली नर्तन के माध्यम से स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया गया। पोस्टकार्ड लेखन के दौरान बच्चों ने स्वच्छता के अपने अभ्यास को दर्शाया और अपने विचार लिखे कि वे कहां बदलाव चाहते हैं और कैसे। आम जनता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए रेलवे स्टेशन पर एक रैली का आयोजन किया गया। एकत्रित हुए बच्चों ने तख्तियां थामे और स्वच्छ भारत अभियान के नारे लगाए। बच्चों को स्वच्छता किट विरतण किया गया और बच्चों की मदद करने के लिए सफाई कर्मचारियों को उनके महत्वपूर्ण समर्थन के लिए सम्मानित किया गया।

उड़िसा

स्वच्छ भारत अभियान (एस.बी.ए) कार्याक्रम:

स्वच्छ भारत अभियान, उड़िसा

भुवनेश्वर, पुरी, बालासोर, कोरापुट, राउरकेला, कंधमाल, कालाहांडी, क्योंझर, गंजाम, गजपति, झारसुगुड़ा, रायगढ़, बलांगीर, कटक, ढेंकानाल व मलकानगिरी नाम के जिलों ने एस.बी.ए कार्यक्रमों का सफल संचालन किया गया। टीम के द्वारा समाज के लोगों और बच्चों के लिए रैली, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, सस्वर पाठ और जागरूकता कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई। इन कार्यक्रमों में विभिन्न जिलों से आए हितधारक/साझेदार और जिला संबद्ध प्रणालियां, डी.एम, एडी.एम, एस.पी, पुलिस, डी.सी.पी.ओ, सी.डब्ल्यू.सी अध्यक्ष और सदस्य, जे.जे.बी सदस्य, चाइल्ड केयर संस्था के पर्यवेक्षक, शिक्षक, ए.डब्ल्यू.डब्ल्यू, आशा, डी.ई.ओ, डी.ए.एल.एस.ए के सचिव और अन्य लोग उपस्थित थे जिन्होंने अपने बहुमूल्य संदेश साझा किए।

झारखंड

स्वच्छ भारत अभियान, झारखंड

स्वच्छ भारत अभियान, झारखंड

झारखंड के विभिन्न जिलों जैसे धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, खूंटी, चाईबासा, देवघर, रांची, बोकारो, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, सिमडेगा, पलामू, पाकुड़, गोड्डा, गढ़वाईं में डी.सी, एस.एस.पी, एस.पी, डी.एस.डब्ल्यू.ओ, सी.डब्ल्यू.सी, डी.सी.पी.ओ व अन्य जिला प्रशासन की मौजूदगी के बीच दिसंबर, जनवरी, फरवरी व मार्च माह में स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया। अभियान आंतरिक स्वच्छता (क्लीनलीनेस इनसाइड आउट) – स्वच्छ सोच और स्वच्छ व्यवहार बनाए स्वच्छ समाज, सुरक्षित देश पर केंद्रित था। इसका मुख्य उद्देश्य जागरूक करना, जागरूकता पैदा करना, जिम्मेदारी की भावना पैदा करना और सभी प्राप्तकर्ताओं के व्यवहार में बदलाव लाना है, जिसके परिणामस्वरूप एक स्वच्छ और सुरक्षित देश का निर्माण हो।

अभियान को कई गतिविधियों के साथ अभिकल्पित किया गया जिसमें समाज के मुख्य प्रभावकारी व्यक्तियों के ओपन हाउस सेंसिटीजेशन के दौरान आंतरिक स्वच्छता के प्रमुख विचार के

महत्व पर जागरूकता पैदा करने और बच्चों को शिक्षित करने के साथ-साथ बाल भागीदारी पर ध्यान देते हुए नुक्कड़ नाटक, फिल्में, प्रतियोगिताओं, कठपुतली नर्तन जैसे आउटरीच कार्यक्रम शामिल थे। टीम ने बच्चे, शिक्षक, विद्यालय के प्रधानाचार्य, जिला प्रशासन, बाल देखभाल संस्थान, रेलवे स्टेशन प्रशासन, संबंधित सेवाएं तथा सार्वजनिक स्थानों की सफाई एवं स्वच्छता तथा वृक्षारोपण और पर्यावरण हितैषी हेतु कचरे का निपटान से संबंधित अनेक गतिविधियाँ शामिल थीं।

पश्चिम बंगाल

चाइल्डलाइन सियालदह रेलवे द्वारा
सियालदह रेलवे स्टेशन पर बैनर का प्रदर्शन।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत चाइल्डलाइन दक्षिण २४ परगना द्वारा
सी.सी.आई (नव दिगंता) में स्वच्छ भारत अभियान

असम

असम के हैलाकांडी, गुवाहाटी, बारपेटा, जोरहाट जिलों और गुवाहाटी रेलवे स्टेशन में स्वच्छ भारत अभियान आयोजित किया गया । एस.बी.ए आर.सी.एल गुवाहाटी के समापन समारोह में समाज कल्याण मंत्रालय, श्रीमती प्रमिला रानी ब्रम्हा, आयुक्त और असम सरकार के समाज कल्याण विभाग के सचिव सह सदस्य सचिव एस.सी.पी.एस, श्री रूपक कुमार मजूमदार, एस.सी.पी.सी.आर की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता चांगककोटी, ने भाग लिया। चं, श्रीमती पूरबी मजूमदार, सूचना आर्थिक अपराध ब्यूरो के संयुक्त एसपी ब्यूरो ।

एसबीए कार्यक्रमों में बच्चों के साथ राज्य के एसडब्ल्यूडी मंत्री

श्रीमती सुनीता चांगककोटी, अध्यक्ष एससीपीसीआर, आई. जी.पी.सी.आई.डी असम पुलिस, श्री सुरेंद्र कुमार (आईपीएस), श्रीमती अजंता शर्मा (एसीएस), उप श्रमायुक्त, असम और महिला विशेष प्रकोष्ठ (स्पेशल सेल फॉर वुमन) की श्रीमती गुलश्मी रेखा बोरहा ने गुवाहाटी, डी.सी.एल में एसबीए कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

अध्यक्ष, ए.एस.सी.पी.सी.आर दीप प्रज्वलित करते हुए

अरुणांचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता, कविता पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता जैसे आयोजित किए गए।

नागालैंड

नगालैंड के कोहिमा में स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता, कविता पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

एसएबी मीटिंग के बाद नागालैंड का चाइल्डलाइन परिवार

सिक्किम

पूर्वी सिक्किम में स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता, कविता पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम, सिक्किम

मेघालय

श्री मेटाब लिंगदोह– माननीय अध्यक्ष, मेघालय विधान सभा (मुख्य अतिथि), श्रीमती. एम. खारकोंगोर– अध्यक्ष, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (सम्मानित अतिथि) के रूप में तथा राज्य बाल संरक्षण समिति की परियोजना प्रबंधक– श्रीमती आई. रैपथाप को शिलांग में एस.बी.ए प्रोग्राम के लिए आमंत्रित किया गया था।

स्वच्छ भारत अभियान के दौरान मेघालय विधानसभा के अध्यक्ष

मिज़ोरम

एस.बी.ए कार्यक्रम में वृक्षारोपण

२५ जनवरी, २०२० को, श्री शशांक (एस.पी मामित) ने स्वच्छ भारत के बारे में भाषण दिया और बच्चों के लिए एक क्विज़ का आयोजन भी किया। उनके भाषण देने के बाद, प्रतिभागी वृक्षारोपण के लिए दिनथर गए थे जिसे चाइल्डलाइन ने आयोजित किया था।

त्रिपुरा

स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन त्रिपुरा और पूर्वी सिक्किम के धलाई में किया गया था। उन्होंने चित्रकला प्रतियोगिता, कविता पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए थे।

एसबीए कार्यक्रमों में चाइल्डलाइन बेलोनिया

पश्चिम

दमन

बच्चों की देखभाल और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए रेलवे के लिए एस.ओ.पी (मानक संचालन प्रक्रिया)

चित्रकला (ड्राइंग) प्रतियोगिता सरकारी मराठी माध्यम विद्यालय में आयोजित की गई थी, साथ ही बच्चों को ड्राइंग शीट, पेंसिल, शार्पनर, इरेज़र, स्केल और कलर्स जैसी ड्राइंग सामग्री भी बच्चों को प्रदान की गई क्योंकि उन्होंने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बाद में, कक्षावार उत्कृष्ट चित्रकला के लिए पुरस्कार भी वितरित किया गया, साथ ही भाग लेने वाले सभी बच्चों के लिए सांत्वना भी प्रकट की। १०९८ और उसकी सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा की गई, साथ ही आत्म–स्वच्छता और स्वच्छ परिवेश के महत्व पर बल दिया गया था।

मिनी बस स्टैंड, टोकरखाड़ा के पीछे चॉल में एक सफाई अभियान चलाया गया था, जहाँ चाइल्डलाइन टीम ने उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में, साथ ही कचरें को कूड़ेदान में फेंककर अपने आसपास के परिवेश की सफाई रखनें और नियमित अंतराल पर हाथ धोनें के बारे में बताया। इस अभ्यास के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए, बच्चों को स्नैक्स और जलपान के साथ बच्चों को हैंड वॉश वितरित किए गए। साथ ही, टीम के सदस्यों ने उन्हें आत्म–स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व के बारे में समझाया जो विभिन्न बीमारियों की रोकथाम में उनकी मदद कर सकता है। चाइल्डलाइन टीम ने उन्हें १०९८ के बारे में और उसकी सेवाओं के बारे में पैम्फलेट के माध्यम से समझाया।

गोवा

दक्षिण गोवा चाइल्डलाइन टीम ने डिकारपाले की एक झुग्गी में लड़कों के आश्रय गृह में ड्राइंग प्रस्तुति का आयोजन किया था। बच्चों को स्वच्छ विचार, स्वच्छ वाणी, स्वच्छ व्यवहार, साफ रवैया और यह भी कि आसपास के परिवेश को कैसे साफ रखें इस बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। उन्हें उदाहरणों के माध्यम से बताया गया था कि अपने नकारात्मक विचारों और आचरण को किस तरह विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से साफ किया जा सकता है जिन्हें वे करना पसंद करते है। फिर उन्हें चित्र निकालने के लिए ४५ मिनट का समय निर्धारित किया गया था और इसके लिए उन्हें स्टेशनरी भी दी गई थी। चित्रकला निकालने के बाद, बच्चों ने टीम के सदस्यों के साथ एक एक्शन गीत गाने के लिए भाग लिया।

उन्होंने कोंकण रेलवे के सहयोग से बच्चों और युवा वयस्कों के शारीरिक शोषण, तस्करी, बाल श्रम और भीख मांगना आदि पर थिविम और करमाली रेलवे स्टेशनों पर एक नुक्कड़ नाटक किया।

गोवा के स्कूलों में स्वछता की गतिविधियाँ

गुजरात

आनंद

स्वच्छ भारत अभियान के तहत, चाइल्डलाइन ने महावीर स्लम क्षेत्र में "स्वच्छता और सफाई" कार्यक्रमों का आयोजन किया। हमने इस विषय पर सत्र लेते हुए उन्हें स्वच्छता के महत्व को समझने में मदद की हैं। चाइल्डलाइन टीम ने उनके साथ सभी व्यावहारिक कार्यों के द्वारा उचित स्नान करना, नाखून काटना, बाल धोना और बालों को तेल लगाना की गतिविधियों का आयोजन किया था। कार्यक्रम में नगरपालिका के वार्ड काउंसलर भी उपस्थित थे और उन्होंने बच्चों को स्वच्छता का संदेश भी दिया।

यात्रियों और आनंद रेलवे अधिकारियों को
स्वच्छता का महत्व समझाने के लिए स्ट्रीट प्ले का आयोजन,
आनंद गुजरात

गुजरात

गांधीनगर में एस.बी.ए चित्रकला प्रतियोगिताएं।

मध्य प्रदेश

बड़वानी

स्वच्छ भारत अभियान पर जागरूकता अभियान,
खजुराहो के छतरपुर जिले के स्थानीय पर्यटक गाइड के स्कूली बच्चों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

स्वच्छ भारत अभियान संबंधी जागरूकता अभियान स्कूली बच्चों के साथ संवादात्मक कार्यक्रम के माध्यम से आयोजित किया गया था।

स्वच्छ भारत अभियान पर जागरूकता अभियान

चाइल्डलाइन बड़वानी टीम द्वारा २७ जनवरी, २०२० को एक उच्च माध्यमिक विद्यालय में संयुक्त रूप से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। उसमंत बच्चों को "स्वच्छ बोली, स्वच्छ व्यवहार और स्वच्छ सोच' इस विषय पर चित्र बनाने के लिए कहा गया था। १०वीं कक्षा की एक छात्रा को उसकी चित्रकला के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया, जिसमें उसने गीला और सूखा कचरा अलग-अलग किस तरह रखा जाता है यह चित्रित किया था। इसी तरह, अच्छे विचारों को ध्यान में रखना चाहिए, और बुरे विचारों को नष्ट करना चाहिए। दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले छात्र ने बताया कि जिस तरह से हम अपने आस-पास के परिवेश को साफ-सुथरा रखते हैं, उसी तरह हमें अपने दिमाग को भी साफ रखना चाहिए। स्वच्छ उद्धरण के लिए साफ मन का होना आवश्यक है, स्वच्छ विचार हमारे मन में आने चाहिए, तभी हम स्वच्छ भाषण दे सकेंगे। ९वीं कक्षा की एक छात्रा इसिका को तीसरा स्थान दिया गया, जिसने पर्यावरण स्वच्छ रखने का संदेश दिया जो महिलाओं की सुरक्षा से संबंधी है। अंत में प्रिंसिपल ने पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने अपने भाषण में कार्यक्रम के आयोजन के लिए तथा इसमें विद्यार्थियों के भाग लेने के लिए चाइल्डलाइन की सराहना की। साथ ही चाइल्डलाइन टीम ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ इस सत्र का समापन किया।

दक्षिण

आंध्र प्रदेश

डॉक्टर. एम हरी जवाहरलाल डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट, विजयनगरम के द्वारा स्वच्छ भारत अभियान पोस्टर का अनावरण

कर्नाटक

स्वच्छ भारत अभियान के तहत, चाइल्डलाइन, बेंगलुरु शहरी, कोडागु, यादगिरी और रायचूर ने हर महीने ३ कार्यक्रमों की योजना बनाई है। सी.सी.आई या स्कूल के परिवेश की सफाई करना, बच्चों के विचारों, व्यवहार और कार्यों में स्वच्छता से संबंधित शिक्षा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना। समुदाय को स्वच्छता के बारे में शिक्षित करने के लिए विशेष खुला सत्र का आयोजन करना जिसमें सुरक्षित संबंध, ऑनलाइन सुरक्षा, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी विषयों पर चर्चा करना।

एसबीए कार्यक्रम के परिणाम:

- सुरक्षित और स्वच्छ परिवेश के प्रति बच्चों और प्रमुख हितधारकों के बीच स्वामित्व और जिम्मेदारी को बढ़ाया।
- बच्चों के स्कूलों, आश्रय स्थलों, सार्वजनिक स्थानों, रेलवे स्टेशनों और घरों में और आस-पास के परिवेश में सफाई हुई, स्वच्छता और सुरक्षा मानकों में सुधार हुआ है।
- चाइल्डलाइन १०९८ टीम और हितधारकों के बीच शानदार तालमेल बनाना।
- अधिकारियों से समर्थन और सहयोग प्राप्त करना।

कोडागु में स्वच्छ भारत अभियान

कोडागू में एस.बी.ए अभियान में वृक्षारोपण

तेलंगाना

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री गजानन माल्या, ने सिकंदराबाद का दौरा किया और निजामाबाद रेलवे स्टेशन पर स्वछता कार्यक्रमों में शामिल हुए, बच्चों के साथ बातचीत की और क्विज़ प्रतियोगिता में विजेताओं को स्वेटर वितरित किए।

ताम्बरम, सी.एच.डी में एसबीए का दृश्यात्मक प्रकाशन

उत्तर

कोविड–१९ सर्वव्यापी महामारी

जम्मू और कश्मीर

पुंछ

लॉकडाउन के दौरान, पुलिस विभाग की मदद से चाइल्डलाइन पुंछ टीम ने कोविड–१९ से सुरक्षा के लिए स्लम बस्ती में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। पहले चरण में, चाइल्डलाइन पुंछ नेशनल डेवलपमेंट यूथ क्लब ने कोविड–१९ के बारे में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया और लोगों से घर पर रहने और इकट्ठा जमा होने से बचने के लिए अनुरोध किया। टीम ने प्रवासी मजदूरों के बीच सूखा राशन और अन्य खाद्य सामग्री का भी वितरण किया और किसी भी आपात स्थिति के लिए हेल्पलाइन नंबर १०९८ साझा किया। पुलिस विभाग के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीम ने सामाजिक दूरी के महत्व पर जोर दिया और "जान है तो जहान है" के बारे में बताया।

कार्यक्रम आयोजित करने के बाद, टीम को सामने कई मामलें आए और उनकी सहायता भी की गई। इसके अलावा, टीम ने बच्चों को मास्क भी वितरित किए। चाइल्डलाइन पुंछ नेशनल डेवलपमेंट यूथ क्लब द्वारा स्लम बस्ती में कोविड–१९ के बारे में एक विस्तारित कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें घातक वायरस के बारे में जागरूकता फैलाने का काम किया गया। चाइल्डलाइन पुंछ टीम ने लोगों से अनुरोध किया कि वे अपने घरों से अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें क्योंकि वायरस को देखा नहीं जा सकता है लेकिन यह किसी को भी संक्रमित कर सकता है। साथ ही टीम ने बच्चों को आहार–पोषण संबंधी सुझाव दिए और किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए माता–पिता को यह हेल्पलाइन नंबर १०९८ साझा किया।

दिल्ली

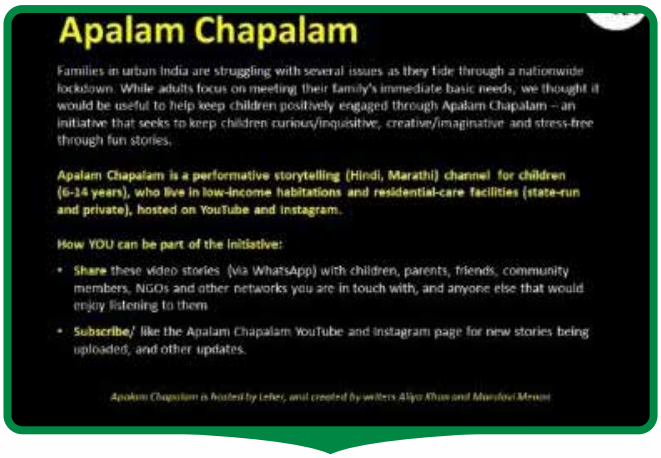

अपलम चपलम पहल

बाल दुर्व्यवहार के खिलाफ चाइल्डलाइन की पहल

शहरी भारत में परिवार देश भर के लॉकडाउन के कारण कई मुद्दों से जूझ रहे हैं। जहां वयस्क अपने परिवार की तात्कालिक बुनियादी जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, तो हमने सोचा कि यह उपयोगी साबित होगा कि बच्चों को सकारात्मक रूप से अपलम–चपलम पहल के माध्यम से जोड़ कर रखने में मदद होगी – यह एक ऐसी पहल है जो बच्चों को जिज्ञासु/ खोजी, रचनात्मक/ कल्पनाशील और तनावमुक्त बनाने के लिए मज़ेदार कहानियाँ प्रस्तुत करती है।

पंजाब

होशियारपुर

कोविड–१९ संकट के दौरान, चाइल्डलाइन होशियारपुर टीम ने कार्मेलाइट चैरिटेबल सोसाइटी (एन.जी.ओ) की सहायता से तथा जिला प्रशासन के सहयोग से अलग–अलग स्लम इलाकों और गांवों में किराने की चीजें, दवाइयां, पका हुआ खाना, दूध और सैनिटाइज़र वितरित किए।

चाइल्डलाइन होशियारपुर जागरूकता अभियान

चाइल्डलाइन की अपलक चपलम के साथ गतिविधियाँ

चाइल्डलाइन होशियारपुर मास्क, सैनिटाइज़र का वितरण करते हुए

उत्तर प्रदेश

ललितपुर

चाइल्डलाइन द्वारा जागरूकता गतिविधियाँ

इस गतिविधि का प्रमुख उद्देश्य लोगों और बच्चों को महामारी के बारे में जागरूक करना है। कोविड–१९ के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए राजवन गाँव में इन गतिविधियों का आयोजन किया गया है। ग्रामवासियों को अच्छी तरह से हाथ धोने, सामाजिक दूरी बनाए

रखने और अपनी नाक और मुंह को ढक कर रखने की आवश्यकता के बारे में समझाया गया। साथ ही हेल्पलाइन नंबर १०९८ के संबंध में निर्देश भी दिए गए थे। यह भी देखा गया है कि कुछ बच्चे और उनके परिवार लॉकडाउन के कारण बहुत बुरी स्थिति में थे। उनके घरों में उनके पास बहुत कम खाने योग्य सामग्री बची थी। उनके घरों में उनके पास बहुत कम खाना था।

लॉकडाउन चरण के दौरान बच्चों और उनके परिवारों की सहायता करें। १० परिवारों के ३४ बच्चों को राशन किट दी गई है क्योंकि उनके परिवार को लॉकडाउन में काफी परेशानी को झेलना पड़ा। इन परिवारों की आर्थिक स्थिति ज्यादा खराब थी और उन्हें भुखमरी की मार तक सामना करना पड़ा था।

चाइल्डलाइन अपने गतिविधियों के माध्यम से कोविड–१९ के बारे में जागरूकता फैलाते हुए

चाइल्डलाइन द्वारा कोविड–१९ के बारे में जागरूकता गतिविधियाँ

पूर्व

पश्चिम बंगाल

कोविड–१९ के अचानक हुए प्रकोप के दौरान, हमारी चाइल्डलाइन टीमें विभिन्न तरीके से लोगों तक पहुँचने और जागरुकता फैलाने, पोषणयुक्त आहार उपलब्ध करने, बच्चों और परिवारों के लिए पी.पी.ई किट सहायता, केस हस्तक्षेप, बच्चों के लिए ई.एस.जी सहायता इत्यादि काम करने में व्यस्त थीं।

पश्चिम बंगाल में पीपीई किट उपलब्ध कराते हुए चाइल्डलाइन

पश्चिम बंगाल में पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराते हुए चाइल्डलाइन

ओडिशा

राउरकेला रेल्वे स्टेशन पर चाइल्डलाइन ने राशन का वितरण किया

चाइल्डलाइन कटक और चाइल्डलाइन राउरकेला उनके ज़िलों में बेहतरीन काम कर रहे थे। चाइल्डलाइन कटक ने फुटपाथ पर

रह रहे लोगों, कटक रेल्वे स्टेशन में परिसर के बच्चों और उनके परिवारों के लिए तैयार भोजन उपलब्ध कराया। चाइल्डलाइन राउरकेला ने गरीब गांववासियों और बुजुर्गों के लिए सूखा खाना और राशन उपलब्ध कराया। उन्होंने राउरकेला रेल्वे स्टेशन पर बच्चों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए सूखे भोजन के पैकेट का वितरण किया।

चाइल्डलाइन ने राशन उपलब्ध करा कर गरीब गांववासियों को मदद की

इम्फाल

मेघालय में लॉकडाउन के दौरान राशन वितरण

पश्चिम

मध्य प्रदेश

लॉकडाउन के दौरान, बुरहानपुर और खंडवा के चाइल्ड्लाइन टीम ने बच्चों को रचनात्मक ढंग से व्यस्त रखने के लिए एक नया विचार प्रस्तुत किया, ताकि वे अपने खाली समय का सार्थक ढंग से उपयोग कर सकें। पड़ोस के बच्चों से शुरुआत की, जो ओपन हाउस कार्यक्रमों और चिल्ड्रेन्स पार्लियामेंट के हिस्सा थे, चाइल्डलाइन टीम ने बच्चों को एक छोटा वीडियो बनाने के लिए कहा कि वे महामारी के बारे में क्या समझते हैं। टीम ने उन्हें कोविड–१९ के कारणों और सावधानियाँ बरतने के बारे में बताया और जागरूक भी किया। इसलिए हर दिन, बच्चों ने नई बातें सीखी और वायरस और इसके निवारक उपायों के बारे में बात करने के लिए स्वंय के विभिन्न वीडियो बना कर अपना ज्ञान साझा करने के लिए कहा गया। चाइल्डलाइन टीम ने प्रतियोगिता भी आयोजित की थी जिसमें बच्चों से चित्रकला, कविताएं और गायन गतिविधियाँ आदि के माध्यम से अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए कहा गया था। जहाँ ३ स्थान तक के लिए पुरस्कार आवंटित किए थे जहां नकद राशि के रूप में पुरस्कार दिए गए थे। इस गतिविधि में, १० से १६ वर्ष के आयु के बच्चों ने भाग लिया था।

चाइल्डलाइन द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता, बुरहानपुर और खंडवा

चाइल्डलाइन द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता, खंडवा

मध्य प्रदेश में चाइल्डलाइन टीम ने पका हुआ खाना, राशन, पानी, ब्रेड और स्नैक्स की व्यवस्था करके निकट सहयोग के साथ काम किया। अभी तक, चाइल्डलाइन ३९ जिलों के १३५७ परिवारों तक पहुंच चुकी है। बुरहानपुर चाइल्डलाइन ने कोविड–१९ के कारणों और सावधानियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए बच्चों के छोटे वीडियो तैयार किए। इस तरह के मामलें में हस्तक्षेप के दौरान टीम ने मास्क और हैंड सेनिटाइज़र का उपयोग किया और कोविड–१९ के बारे में सही और स्पष्ट जानकारी प्रदान करते समय हमेशा सावधानी बरती है।

मध्य प्रदेश की चाइल्डलाइन टीम राशन की व्यवस्था करते हुए।

गुजरात

दमण और दीव

भारत में, महामारी के कारण, १०० लोगों की जान चली गई और हजारों लोग अभी भी इस घातक वायरस से संक्रमित हैं। लॉकडाउन के कारण, कई लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी जिसके परिणाम स्वरूप खाने के लिए कोई भोजन नहीं होता था। ये प्रवासी श्रमिक और गाँव देहात के परिवार से आते हैं। सार्वजनिक परिवहन बंद होने के कारण ये परिवार विभिन्न स्थानों में फंस गए। इस अवधि के दौरान चाइल्डलाइन के कॉल में ५० प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। गुमशुदा प्रकोष्ठ, गांधीनगर के पुलिस उपाधीक्षक ने मार्च २०२० में गुजरात के पुलिस अधीक्षक (एस.पी) और पुलिस आयुक्तों (सी.पी) को एक परिपत्र जारी किया था, ताकि लॉकडाउन अवधि के दौरान अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने और बाल देखभाल संस्था (सी.सी.आई) या बाल कल्याण समिति (सी.डब्ल्यू.सी) में बच्चों को ले जाने में सहायता प्रदान करने के लिए चाइल्डलाइन १०९८ को आवश्यक सेवाएं प्रदान की जा सके। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि इस अवधि के दौरान स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से पुलिस और चाइल्डलाइन को बच्चों को आपातकालीन चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने और फिर उन्हें सी.डब्ल्यू.सी के समक्ष पेश करने की जरूरत है। जिला स्तर पर की सभी इकाइयों को चाइल्डलाइन १०९८ को २४द७ सहायता प्रदान करने की व्यवस्था करने को कहा गया है। इस परिपत्र ने चाइल्डलाइन को लॉकडाउन के दौरान बच्चों और उनके परिवारों की जरूरतों का प्रभावी ढंग से जवाब देने में मदद की है।

केंद्र शासित प्रदेशों में चाइल्डलाइन को कर्फ्यू पास मिले हैं। टीमों ने कोविड–१९ के बारे में जानकारी देने, बच्चों सहित परिवारों की काउंसलिंग करने, समुदायों को सामुदायिक रसोईघर से जोड़ने, खाद्य सामग्री की आपूर्ति करने और बच्चों और परिवारों के लिए स्वास्थ्यकर वस्तुओं (मास्क, हैंड वाश और सैनिटाइज़र) उपलब्ध करना। बच्चों के साथ २११८ परिवारों को पका हुआ भोजन या राशन किट, हैंड सैनिटाइजर और मास्क दिए गए। दमन टीम ने कलेक्टर को अपने घर कस्बों में जाने वाले प्रवासी मजदूर परिवारों की सूची बनाने में सहायता की थी, ताकि वे सुरक्षित रह सकें।

दमण और दीव में चाइल्डलाइन की गतिविधियाँ

दमन में चाइल्डलाइन की जागरूकता गतिविधि

सोशल मीडिया

समाज की सफाई का मतलब बाहरी धूल से नहीं है, यह हमारा दिमाग और हमारे आसपास के लोगों का दिमाग साफ करने के बारे में है। कोटा, राजस्थान में चाइल्डलाइन के स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत सम्माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला द्वारा की गई।

लाइक-८६, कमेंट-३ कमेंट, शेयर-२०

कला का प्रत्येक नमूना 'खोए बचपन' को दर्शाता है। अपनी आंखों से इस कहानी को सुनने के लिए आज काला घोड़ा आर्ट्स फेस्टीवल में हमें भेंट दीजिए। नॉलेज पार्टनर चाइल्डलाइन इंडिया के साथ रिफॉर्म मुंबई द्वारा शुरु की गई पहल

लाइक-९१, कमेंट- शेयर-२४

अच्छाई में देरी हो सकती है लेकिन इसे लॉक डाउन नहीं किया जा सकता। कोरोनावायरस के कारण हुए लॉकडाउन के बावजूद हमें कॉल्स प्राप्त हो रहे हैं और हम ज़रुरतमंद बच्चों को बचा रहे हैं। यदि आपको कोई परेशानी में फंसा बच्चा दिखे तो हमें १०९८ पर कॉल करें या ऑनलाइन रिपोर्ट करें

लाइक-२०२, कमेंट-२०, शेयर -९४

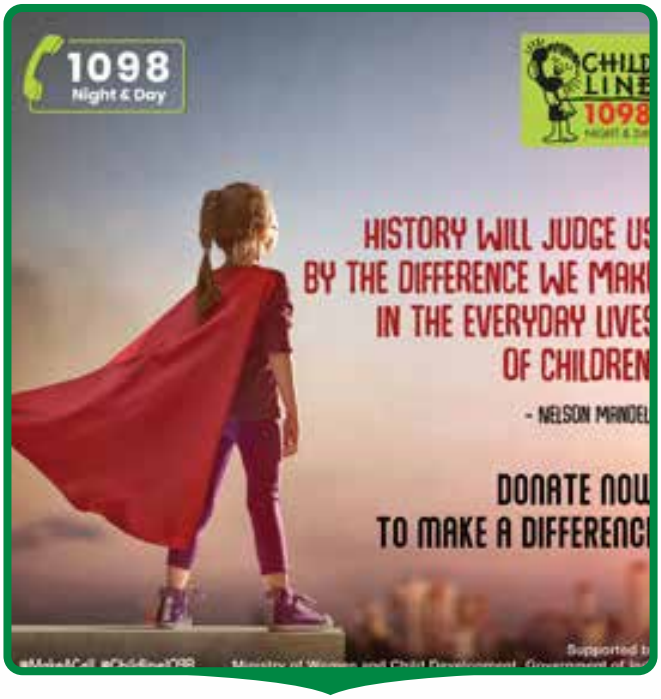

किसी की मदद करना बाद् के जीवन में एक लहर जैसे प्रभाव का कारण बन सकता है। चाइल्डलाइन् में स्वयंसेवा के ज़रिए एक बच्चे के जीवन के बदलाव का एक हिस्सा बनें। स्वयंसेवक बनने के लिए इस लिंक पर जाए:
https://www.childlineindia.org.in/volunteer-for-CHILDLINE...

लाइक-१२५, कमेंट-४, शेयर -५६

य.एन.सी.आर.सी की ३० वीं वर्षगांठ
(संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार कन्वेंशन)
केरल में चाइल्डलाइन इकाइयों द्वारा एक राज्यव्यापी आयोजन
'रन फॉर सेफ चाइल्डहुड' के माध्यम से जागरूकता
फैलाने के लिए बहुत उत्साह के साथ मनाय

लाइक– ८१

WCD के वेबसाइट पर चाइल्डलाइन१०९८

प्रकाशन

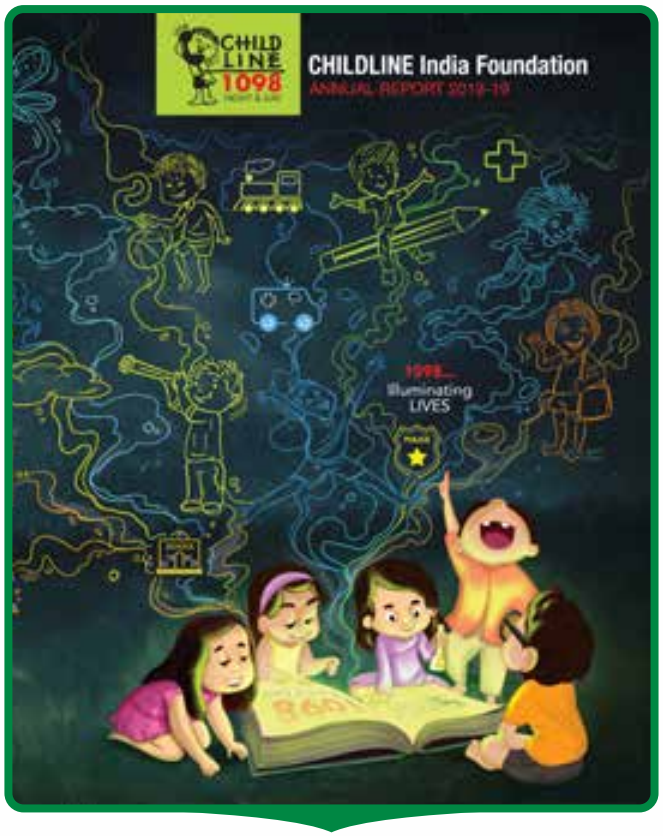

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन की वार्षिक रिपोर्ट, २०१८–१९

चाइल्डनेट २०१८–१९

रेल्वे स्टेशनों के साथ संपर्क में बच्चों के लिए कार्यक्रम (पी.सी.सी.आर.एस) रिपोर्ट, २०१७–१८

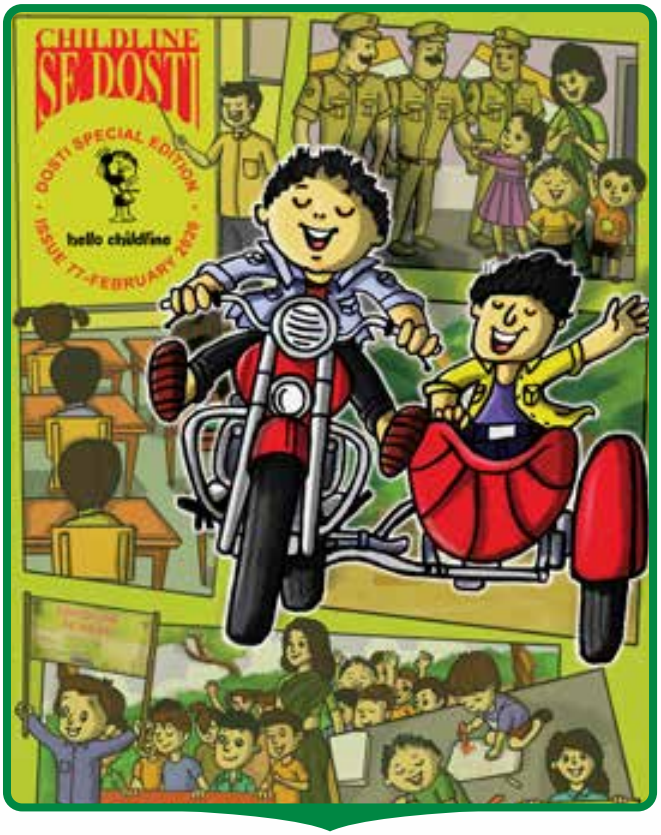

चाइल्डलाइन से दोस्ती रिपोर्ट, २०१८–१९

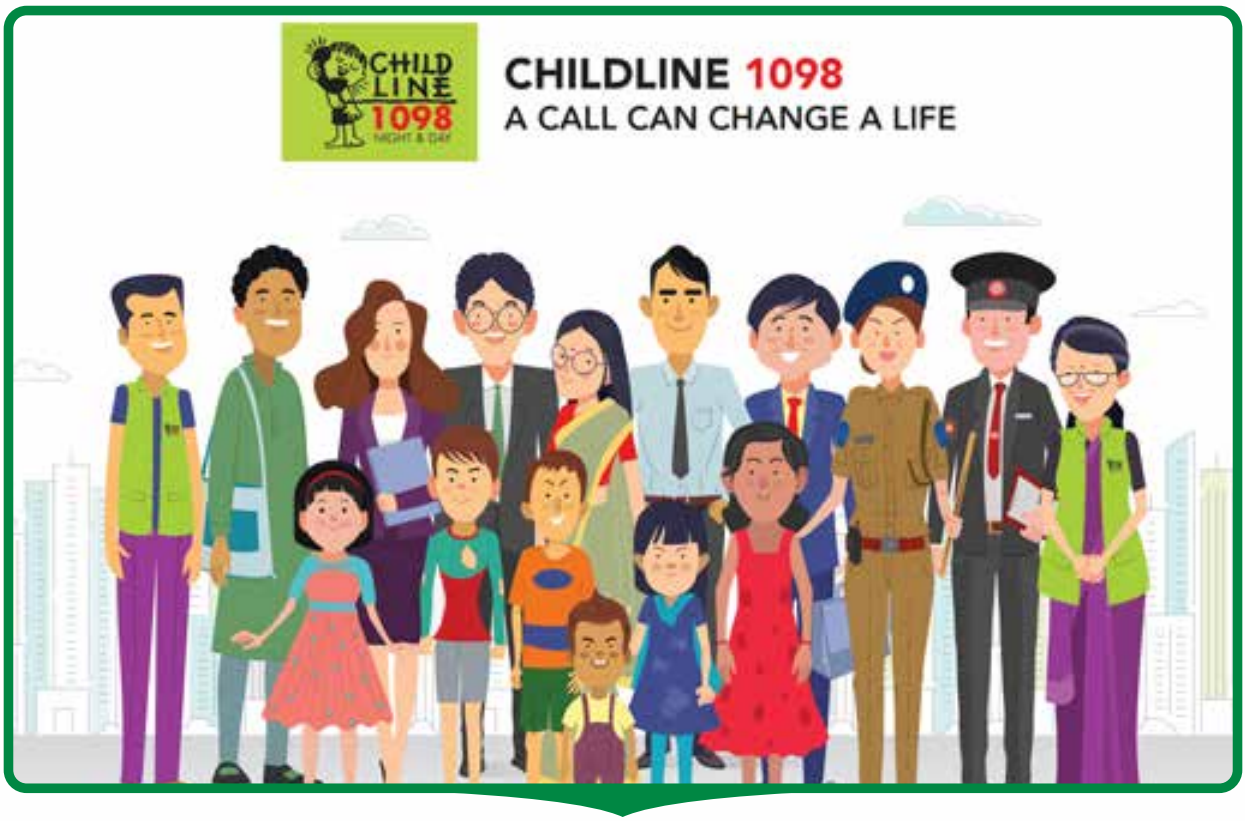

प्रभाव रिपोर्ट, २०१८–१९

प्रचार डिज़ाइन

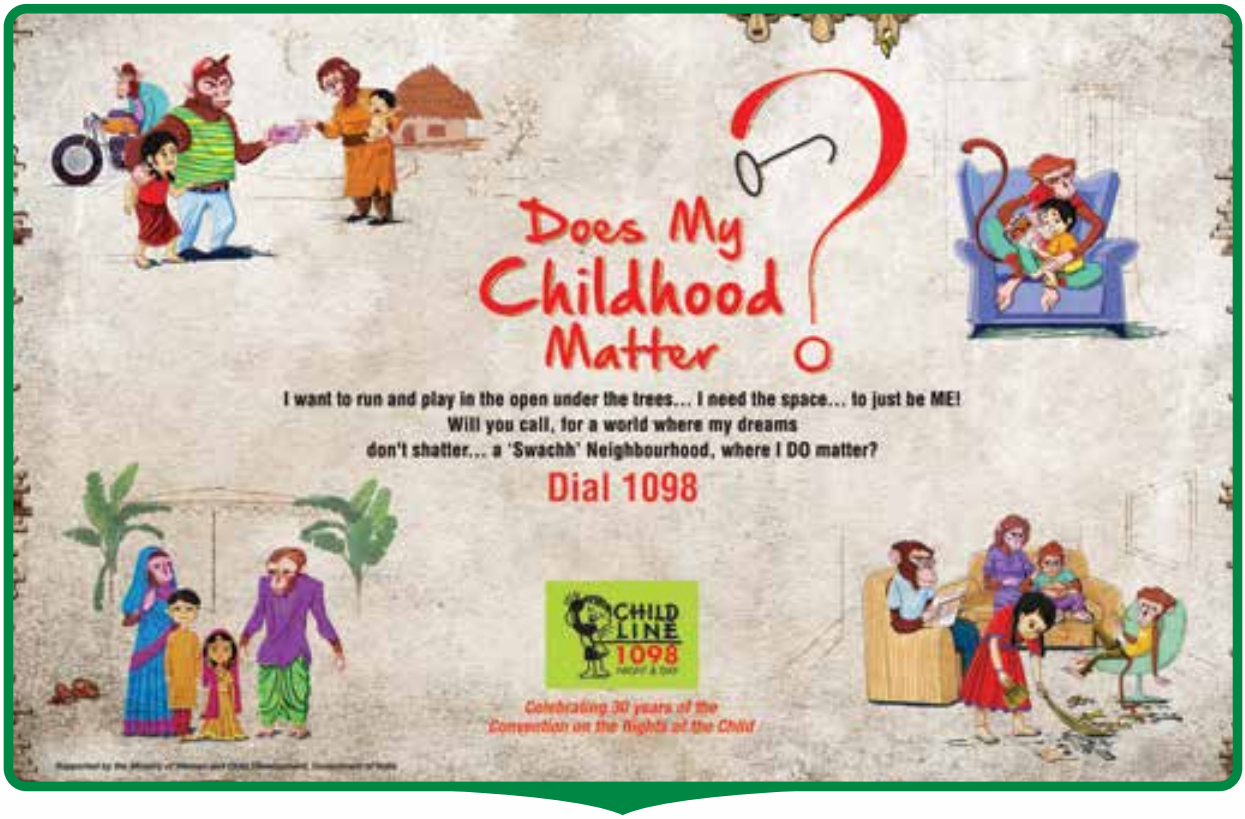

स्वच्छता भारत अभियान एक्शन प्लान क्रिएटिव्ज़

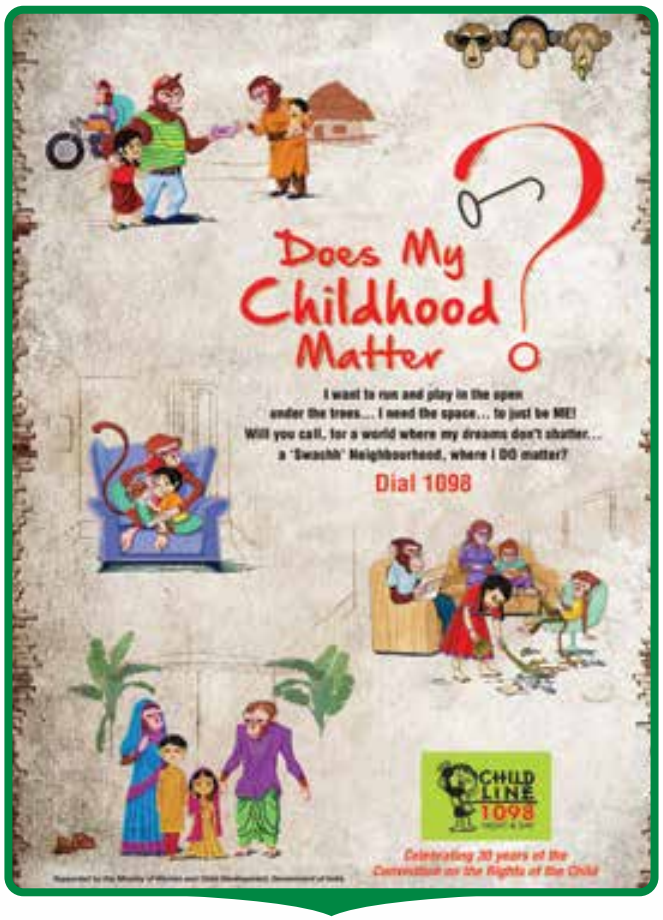

स्वच्छता भारत अभियान पोस्टर

स्वच्छता भारत अभियान लीफलेट

चाइल्डलाइन बस साइड पैनल

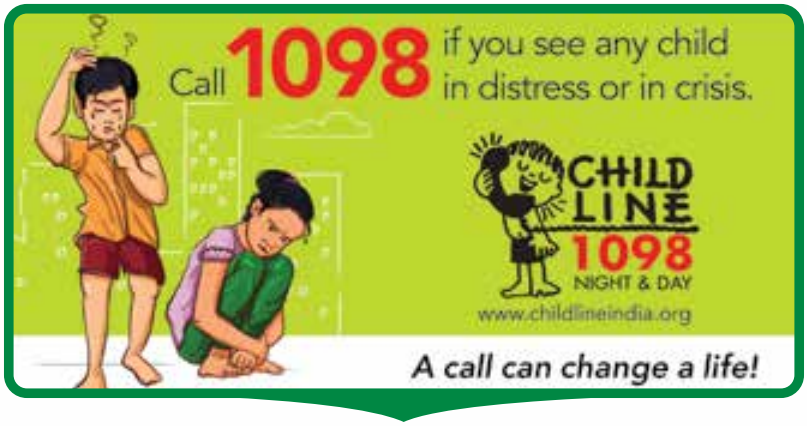

चाइल्डलाइन बस बैक पैनल

अवॉर्ड्स / पुरस्कार

चाइल्डलाइन नोडल द्वारा चाइल्डलाइन तमिलनाडू के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान

गणतंत्र दिवस के मौके पर चाइल्डलाइन टीम द्वारा उत्कृष्ट सेवा और प्रदर्शन के लिए सम्माननीय ज़िला कलेक्टर और सम्माननीय पुलिस अधीक्षक द्वारा चाइल्डलाइन रतलाम का सम्मान किया गया।

South Central Railways

Guntakal Division

Certifcate of Apprecation

This is to Certified that Appreciation to Mr.M.Balaji Naik in Recognisation of your active involment and participation in CHILD LINE at Tirupathi Railway Station, Guntkal Division for your out standing services in Railway Child Help Desk on 2018

Thanking you for joing hands with us to create child friendly railway station

Tirupati
Guntakal Division

Divitional Railway Manager
Guntakal Division

डी.आर.एम.की ओर से सी.एच.डी.के–तिरुपति को प्रशंसा प्रमाणपत्र

मदुरई रेल्वे, सीएचडीके–ई.के.टी.ए द्वारा प्राप्त प्रशंसा प्रमाणपत्र

बाल अतिसंवेदनशीलता नक्शा

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन ने "बाल अतिसंवेदनशीलता नक्शा' तैयार किया – एक ज़िलेवार नक्शा जिसमें संपूर्ण देश में बच्चों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं को चित्रित किया गया, जिसे २४ जनवरी, २०१९ को बच्चों के लिए राष्ट्रीय कृति योजना के एक भाग के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रकाशित किया गया।

ङ्बाल अतिसंवेदनशीलता नक्शाङ्क देश के कुल ६७८ ज़िलों में से ४०९ ज़िलों को कवर करता है। यह बाल विवाह, बाल तस्करी, गुमशुदा और घर से भागे बच्चों, बाल मजदूरी, नागरिक अशांति से प्रभावित बच्चे, बाल दुर्व्यवहार, स्कूल छोड़ना और कम साक्षरता दर, कुपोषण, भ्रूण हत्या, और एच.आई.वी प्रभावित बच्चे जैसे अरिक्षतताओं को अधोरेखित करता है।

ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और महाराष्ट्र को नक्शे में बाल तस्करी प्रवण राज्यों के तौर पर प्रमुखता से दिखाया गया है, जबकि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ कुपोषण से सबसे ज़्यादा प्रभावित हैं। बाल कुपोषण से निपटने के मामले में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, नागालैंड और मिज़ोरम सहित उत्तर–पूर्वी राज्यों का प्रदर्शन खराब रहा है

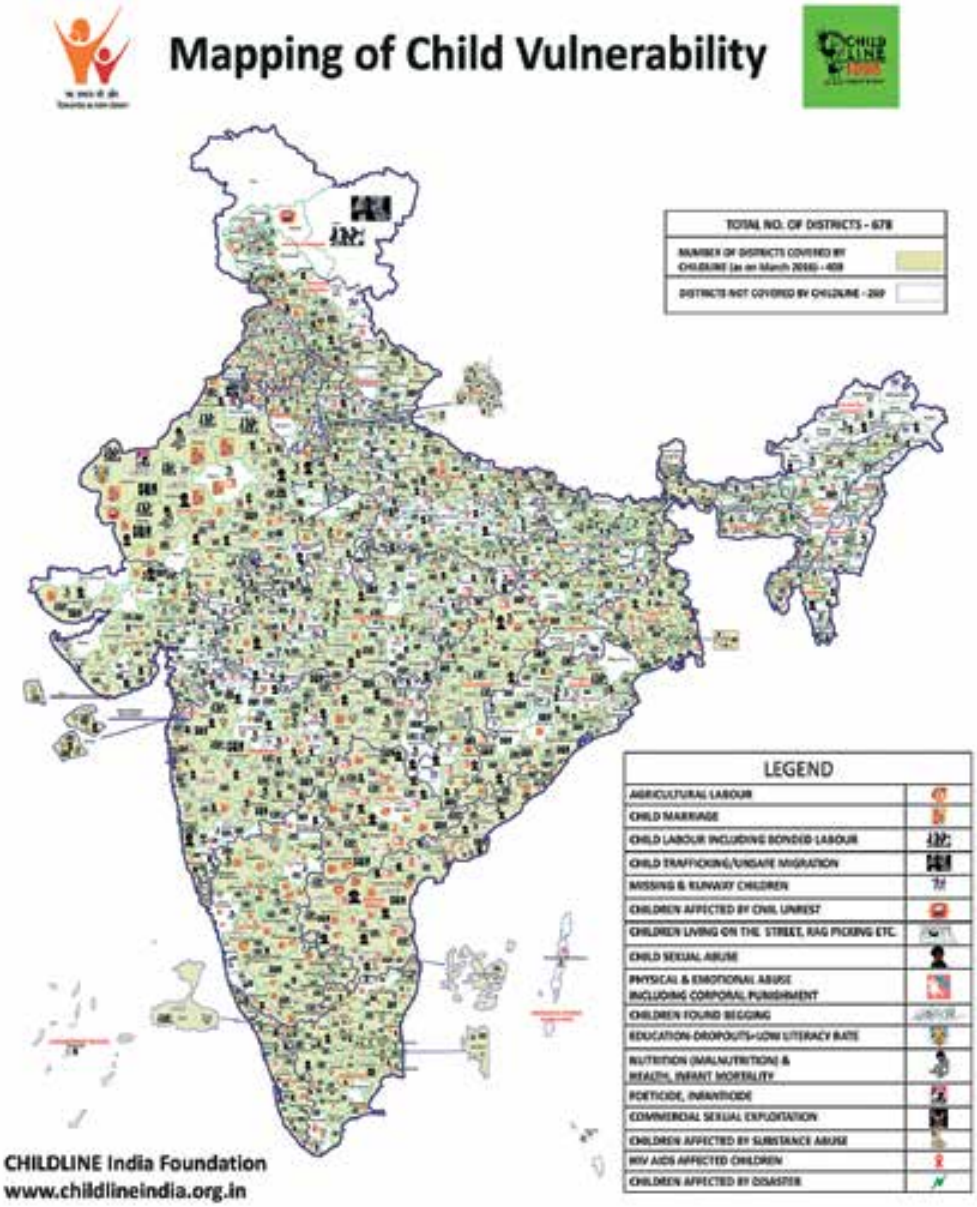

संसाधन एकत्रीकरण

संसाधन एकत्रीकरण टीम द्वारा वित्तीय वर्ष २०१९–२० में रुपए २ करोड़ से ज़्यादा निधि एकत्रित की गई, भारत सरकार के अनुदान के अतिरिक्त जो सी.आई.एफ को बाल संरक्षण सेवा योजना (पूर्व एकीकृत बाल संरक्षण योजना) के अंतर्गत प्राप्त होता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अलावा अन्य प्रमुख दानकर्ता/भागीदारों में शामिल हैं यूनिसेफ, अज़ीम प्रेमजी फिलांथ्रॉपिक इनिशिएटीव्स एवं सत्व।

संसाधन एकत्रीकरण भी बढ़कर ९–सदस्यीय टीम बन गई है। संस्थागत, कॉर्पोरेट, कार्यक्रम चैनल एवं अनुदान लेखक के लिए कर्मचारियों को भर्ती किया गया था। संचार प्रमुख एवं एक संचार विशेषज्ञ को भी भर्ती किया गया था। निधि उभारने के अंतर्गत भूमिकाएँ जिनके लिए भर्ती अब भी जारी है उनमें शामिल हैं डिजिटल एवं एच.एन.आई अनुदान संचयन ।

१). संस्थागत भागीदारियाँ

क) यूनिसेफ (UNICEF)

चाइल्डलाइन नॉलेज हब को मज़बूत करने के लिए रु. ७५.६९ लाख के अनुदान के साथ चाइल्डलाइन को सहायता प्रदान की। इस भागीदारी के ज़रिए सी.आए.फ ने बाल संरक्षण में जुड़े सी.आए.फ और चाइल्डलाइन के भागीदार कर्मचारियों के बीच ज्ञान और कौशल में कमी का पता लगाने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकताओं का निर्धारण किया, और इसके बाद सी.आई.एफ के भीतर ही मास्टर ट्रेनर्स (एम. टी) की एक मूल टीम का निर्माण करने के लिए मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण (टी.ओ.ओ.एम.टी) की व्यवस्था की। सी.आई.एफ संपर्क केंद्र ऑपरेटरों और चाइल्डलाइन भागीदारों के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण योजना को अंतिम रुप देने की प्रक्रिया में है जिसे अगले वित्तीय वर्ष में शुरु किया जाना है, जिसके लिए सहायता करने हेतु सैद्धांतिक रुप से यूनिसेफ ने सहमति दर्शाई है।

ख). अज़ीम प्रेमजी फिलांथ्रॉपिक इनिशिएटीव्स (ए.पी.पी.आई)

जिन्होंने रेल्वे स्टेशनों के साथ संपर्क में बच्चों के लिए कार्यक्रम (पी.सी.सी.आर.एस) की सहायता के लिए ६ साल की अवधि के लिए (२०२३ तक) रु. ३० करोड़ संकल्पित किया था, इस वित्त वर्ष रु. ७८.१९ लाख रुपए का अनुदान जारी किया। इसके परिणाम स्वरुप सी.आई.एफ इस कार्यक्रम का विस्तार एक और रेल्वे स्टेशन तक यानि वाराणसी (उत्तर प्रदेश) तक कर सकी, जिसकी वजह से पी.सी.सी.आर.एस स्टेशनों की संख्या ७ तक पहुँच गई है। इसके अलावा ए.पी.पी.आई ने सी.आई.एफ को उसके संगठनात्मक विकास और संसाधन एकत्रीकरण टीम के विस्तार हेतु ५ वर्ष की अवधि के लिए रु. २०.८ करोड़ भी संकल्पित किए थे।

ग). सत्व ने दो वर्ष से ज़्यादा की भागीदारी, जो फरवरी २०२० में समाप्त हुई, में सी.आई.एफ को उसके संगठनात्मक विकास रणनीति को परिभाषित और शुरु करने में सहायता प्रदान की।

२). कॉर्पोरेट दानकर्ता

एस.बी.आई कैप्स ने बाल देखभाल संस्थानों के नवीनीकरण के लिए सी.आई.एफ को रु. २४.७१ लाख का विचाराधीन अनुदान जारी किया।

३) कार्यक्रम

सी.आई.एफ ने टाटा मुंबई मैरथॉन के दौरान रु. १४.०७ लाख निधि एकत्रित करने के लिए यूनायटेड वे के साथ भागीदारी की। इस निधि में से ५०% से ज़्यादा सनोफी इंडिया लिमिटेड द्वारा एकत्रित की गई थी जो एक कॉर्पोरेट भागीदार के तौर पर जुड़ी। ६ व्यक्तिगत चैम्पियंस (जिन्होंने कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया) ने सी.आई.एफ को कैम्पेन पेज तैयार कर सहायता प्रदान की जिसके ज़रिए रु. ५.४२ लाख एकत्रित किए गए।

४) डिजिटल

सी.आई.एफ ने कुल ५,४५९ व्यक्तिगत दानकर्ताओं से ऑनलाइन डोनेशन के ज़रिए रु. १४.१९ लाख की राशि एकत्रित की। वेबसाइट में भी कुछ बदलाव किए गए ताकि प्रस्तावित दानकर्ता वेबसाइट के ज़रिए सीधे दान कर सकें और इसके साथ ही साइट पर विशिष्ट अनुदान संचयन के लिए अभियान चलाए जा सकें। कुल ऑनलाइन डोनेशन में से रु. ४.८ लाख सी.आई.एफ वेबसाइट के ज़रिए प्राप्त हुए। इसके अलावा कोविड–१९ के मंडराते खतरे को ध्यान में रखते हुए मार्च के अंत में सी.आई.एफ ने कोविड–१९ की उसकी प्रतिक्रिया में सहायता के लिए धन एकत्रित करने हेतु वेबसाइट पर अनुदान संचयन अभियान तैयार किया।

५) स्कूल कार्यक्रम

सी.आई.एफ ने देश के ९ शहरों की १०४ स्कूलों में ३५,००० छात्रों के साथ जुड़ते हुए उन्हें बाल अधिकारों और चाइल्डलाइन १०९८ सेवाओं के बारे में परिचय कराया। इसके साथ ही सी.आई.एफ ने स्कूली कार्यक्रमों के ज़रिए दान के रुप में रु. २१.३९ लाख एकत्रित किए।

रेल्वे स्टेशनों के साथ संपर्क में बच्चों के लिए कार्यक्रम

अज़ीम प्रेमजी फिलांथ्रॉपिक इनिशिएटीव्स (ए.पी.पी.आई) द्वारा समर्थित

जनवरी २०१६ में, अज़ीम प्रेमजी फिलांथ्रॉपिक इनिशिएटीव्स (ए.पी.पी.आई) ने चाइल्डलाइन गतिविधियों को सशक्त करने के लिए चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन की गतिविधियों में सहायता करने की उनकी इच्छा व्यक्त की। सहायता की व्यापकता सबसे ज़्यादा असुरक्षित बच्चों के लिए रोकथाम से लेकर लंबी अवधि के पुनर्वसन सेवाओं तक और चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन को सशक्त करने के लिए थी।

संपूर्ण भारत में २० रेल्वे स्टेशनों पर गतिविधियों को सहायता करने के लिए ए.पी.पी.आई ने प्रतिबद्धता दर्शाई जिसमें से चरणबद्ध तरीके से ७ के लिए सहायता दी जा चुकी है।

२०१७ में पहले हावड़ा और चेन्नई स्टेशनों में और उसके बाद ५ स्टेशनों के लिए सहायता उपलब्ध कराई गई जिसमें शामिल हैं पुरानी दिल्ली, पटना, बेंगलुरु, वाराणसी और सी.एस.एम.टी। इस कार्यक्रम की शुरुआत से लेकर ३० अप्रैल, २०२० तक टीमों ने ऐसे १५,३७१ बच्चों तक पहुँच कर उन्हें बचाने का कार्य किया है जिन्हें देखभाल और संरक्षण की ज़रुरत थी। साल दर साल हमारी कार्यक्रम और रणनीतियों ने हमारी पहुँच में विस्तार किया है, उदाहरण के तौर पर २०१७–१८ =१६२१, २०१८–१९ = ६३२४, २०१९–२०२० = ७४२६ (मार्च ३१, २०२० तक संचयी रुप से =१५,३७१ बच्चों तक पहुँचा गया)

२०१९–२०२० में ७ स्टेशन स्तर के भागीदारों के साथ निम्नलिखित गतिविधियों ने हितधारकों के साथ बच्चों के बचाव कार्य में सहायता को सुगम बनाया:

- आर.पी.एफ/जी.आर.पी.एफ अधिकारियों को संवेदनशील करना और प्रशिक्षित करना
- रेल्वे कमर्शियल स्टाफ का प्रशिक्षण एवं उन्हें संवेदनशील करना
- वरिष्ठ रेल्वे अधिकारियों के साथ नियमित बाल सहायता समूह बैठकें आयोजित करना
- यात्रियों के साथ बाल सुरक्षा जाल के बारे में जागरुकता निर्माण करना इत्यादि
- बाल दिवस गतिविधियाँ और अन्य कार्यक्रम आयोजित करना

यह कार्यक्रम विशिष्ट रुप से उन बच्चों के लिए है जिन्हें रेल्वे स्टेशनों के पास स्थित आधुनिक – खुले आश्रय गृहों के ज़रिए अस्थायी आश्रय की ज़रुरत है। नशीले पदार्थ के सेवन और नशामुक्ति सेवाओं के ज़रुरतमंद बच्चों के लिए सहायता उपलब्ध कराना और समाज में बच्चों के सामाजिक समावेश हेतु प्रोत्साहन के लिए सहायता प्रदान कराना।

साल २०१९–२०२० के दौरान, पी.सी.सी.आर.एस टीम देखभाल और संरक्षण के ज़रुरतमंद ७४२६ बच्चों तक पहुँच सकी। निम्नलिखित ग्राफ २०१९–२०२० में पी.सी.सी.आर.एस की प्रगति का स्पष्ट चित्रण करता है।

वार्षिक २०१९–२०

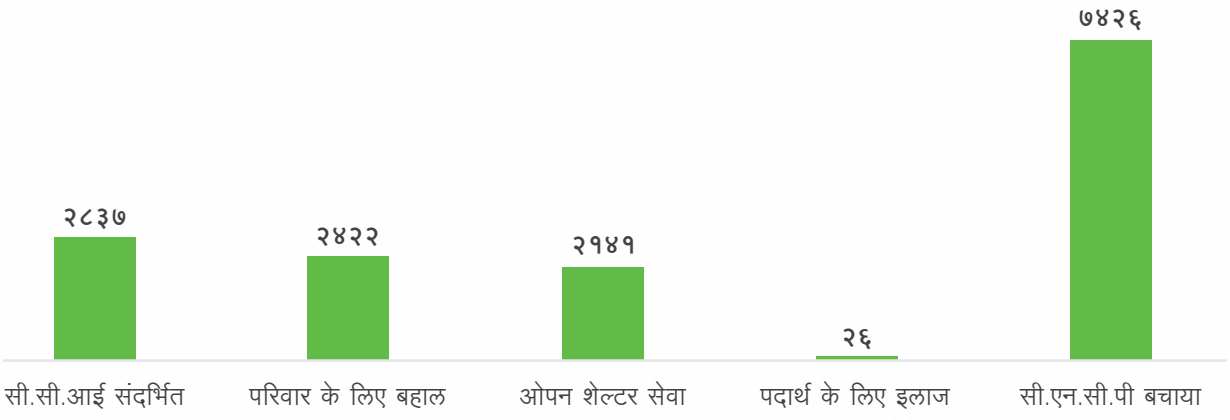

वित्तीय संक्षिप्त विवरण

वित्तीय विहंगावलोकन

वित्तीय वर्ष २०१९–२० का ग्राफिकल अवलोकन

कुल सरकारी अनुदान: रु.११९४४ लाख

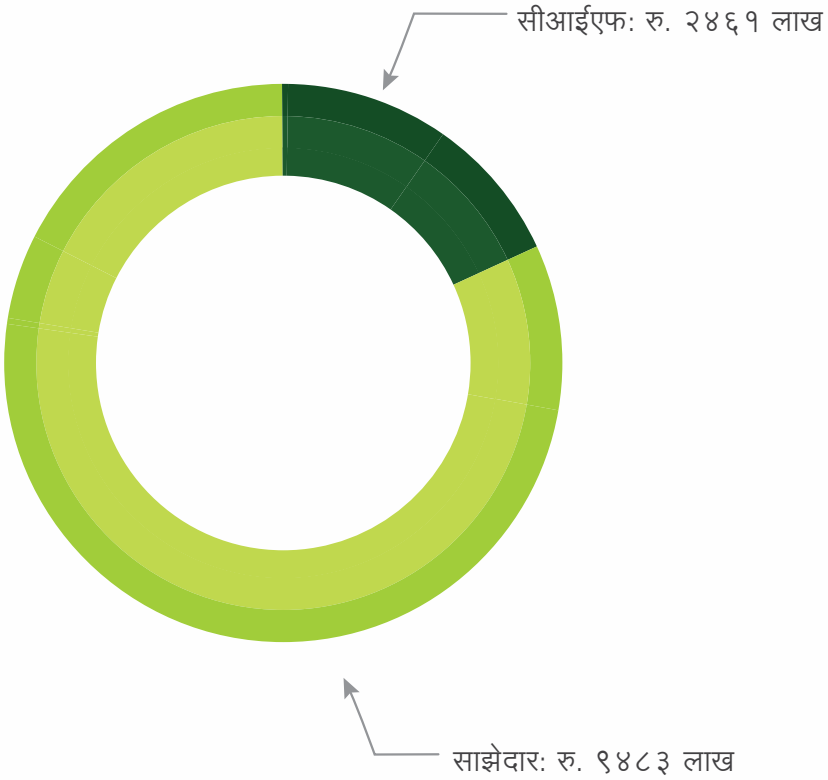

सीआईएफ आय का विश्लेषण

कुल प्राप्तियां : रु.३४७० लाख

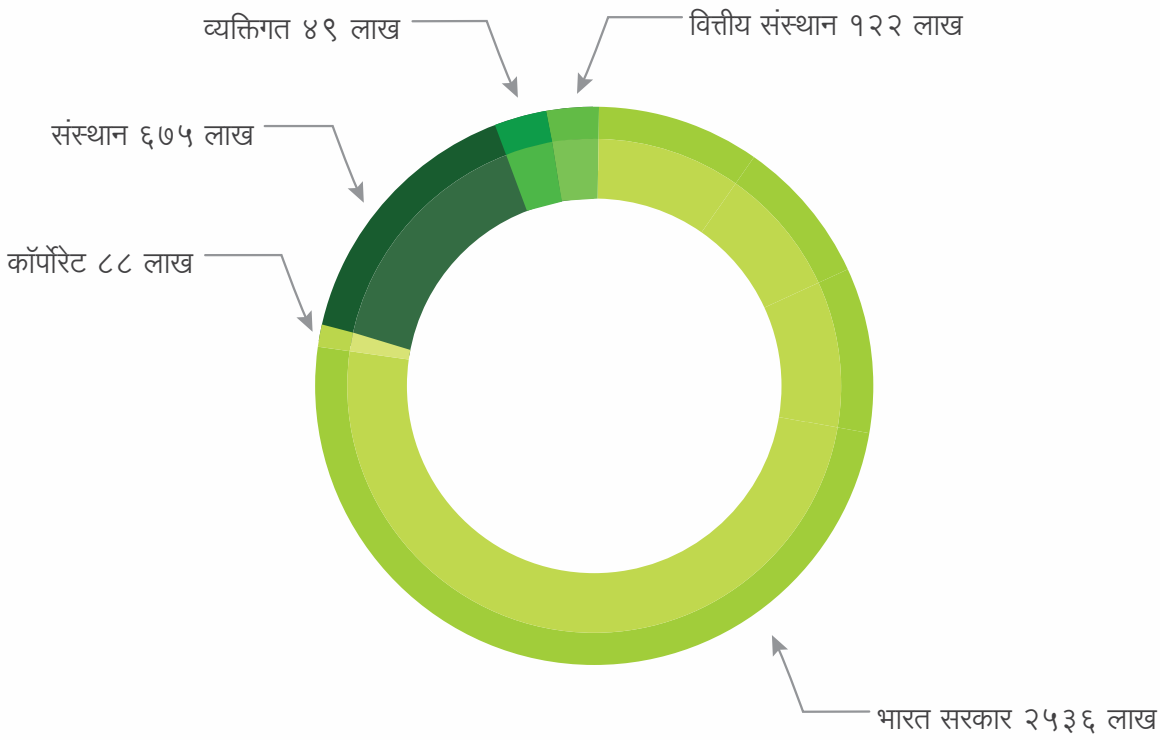

सीआईएफ खर्चों का विश्लेषण

कुल खर्च: रु ३६४४ लाख

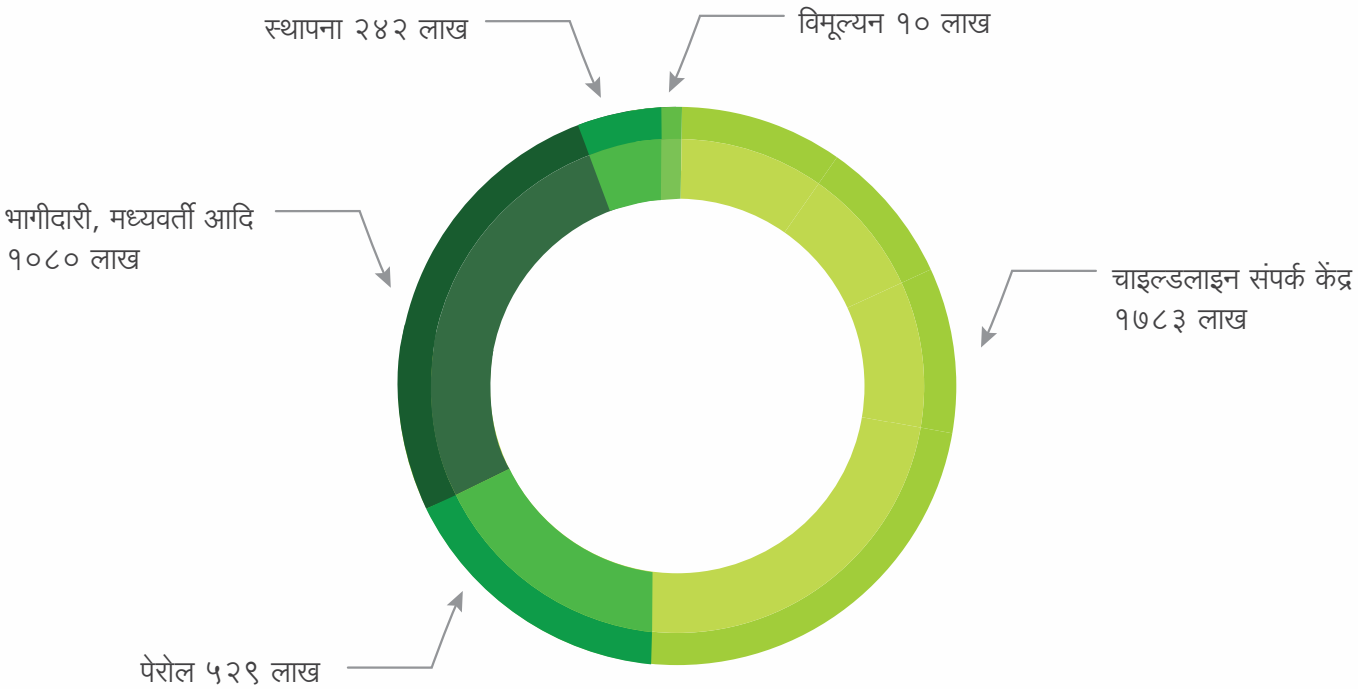

अकाउंट्स के संबंध में एक ऑडिटर की रिपोर्ट
द बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट की धारा ३३ एवं ३४ की
उप–धारा (२) और नियम १९ के तहत ऑडिट की गयी.

पंजीकृत क्रमांक: एफ– २१७४३ (बॉम्बे)
पब्लिक ट्रस्ट का नाम: चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन
३१, मार्च, २०२० को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

a)	क्या नियमित रूप से खातों को अधिनियम एवं नियमों के प्रावधानों के अनुसार संशोधित किया जाता है;	हाँ
b)	क्या प्राप्त की गई राशि और वितरण सत्यता के साथ खातों में दर्शाए गए हैं;	हाँ
c)	क्या शेष नकद और वाउचर्स मैनेजर (प्रबंधक) या ट्रस्टी ऑडिट की तिथि पर अकाउंट्स के साथ अनुबंध में थे;	हाँ
d)	क्या ऑडिटर द्वारा मांगे गए सभी बुक्स, डीड्स, अकाउंट्स, वाउचर्स या अन्य दस्तावेज या रिकार्ड्स उनके सामने पेश किए गए थे;	हाँ
e)	क्या चल और अचल संपत्तियों का एक रजिस्टर ठीक से बनाए रखा जाता है, उसमें समय–समय पर क्षेत्रीय कार्यालय में होने वाले बदलावों और पिछली ऑडिट रिपोर्ट में उल्लिखित दोषों और अशुद्धियों का विधिवत अनुपालन किया गया है;	हाँ
f)	क्या मैनेजर या ट्रस्टी या किसी अन्य व्यक्ति को ऑडिटर के सामने पेश किया गया और उनके द्वारा माँगी गयी आवश्यक जानकारी को उनके सामने प्रस्तुत किया गया;	हाँ
g)	ट्रस्ट की किसी भी संपत्ति या धन को ट्रस्ट के प्रायोजन या उद्देश्य के अलावा किसी अन्य प्रायोजन या उद्देश्य के लिए लागू किया गया था;	नहीं
h)	एक वर्ष से अधिक समय के लिए बकाया राशि या लिखी गयी राशि, यदि कोई हो;	लागू नहीं
i)	क्या मरम्मत के लिए निविदाएं (टेंडर) आमंत्रित किए गए थे या निर्माण कार्य में रु. ५००० से अधिक का खर्च शामिल है;	हाँ
j)	क्या सार्वजनिक ट्रस्ट के किसी भी पैसे को धारा ३५ के प्रावधानों के विपरीत निवेश किया गया है;	नहीं
k)	अलगाव, यदि कोई है, तो धारा ३६ के प्रावधानों के विपरीत अचल संपत्ति जो ऑडिटर के ध्यान में आई है;	लागू नहीं
l)	अनियमित, अवैध या अनुचित व्यय के सभी मामले, या धनराशि को पुनर्प्राप्त करने में विफलता या चूक सार्वजनिक ट्रस्ट से संबंधित या अन्य संपत्ति या धन या अन्य संपत्ति की हानि या बर्बादी, और क्या इस तरह के खर्च, विफलता, चूक, नुकसान या बर्बादी, विश्वास के उल्लंघन या गलत व्यवहार या ट्रस्टियों की ओर से किसी अन्य कदाचार या ट्रस्ट के प्रबंधन में रहते हुए किसी अन्य व्यक्ति के परिणामस्वरूप हुई थी;	कोई नहीं
m)	नियम १६ए द्वारा प्रदान किए गए फॉर्म में बजट भरा गया था;	नहीं
n)	क्या ट्रस्टियों की अधिकतम और न्यूनतम संख्या को बनाए रखा गया है;	हाँ
o)	क्या बैठके (मीटिंग) प्रदान किए गए पत्र के अनुसार आयोजित की जाती है;	हाँ
p)	क्या बैठक (मीटिंग) की कार्यवाही की मिनट बुक्स को अद्यतन किया जाता है;	हाँ
q)	क्या ट्रस्ट के किसी भे निवेश में ट्रस्टी को कोई रूचि है;	नहीं
r)	ट्रस्टियों में से कोई भी ट्रस्ट का कर्जदार या लेनदार है;	नहीं
s)	क्या पिछले वर्ष के अकाउंट्स में ऑडिटर्स द्वारा की गयी अनियमितताओं का ऑडिट के दौरान ट्रस्टियों द्वारा विधिवत रूप से अनुपालन किया गया है;	लागू नहीं
t)	कोई ख़ास विषय जिस पर ऑडिटर को लगा कि डिप्टी या असिस्टेंट चैरिटी कमिश्नर के ध्यान में लाना आवश्यक है;	अ) फाउंडेशन की लेखा–परीक्षा कोविड–१९ महामारी के कारण जारी लॉकडाउन प्रतिबंधों के चलते असामान्य परिस्थितियों में दूर से संचालित की गई। टेलीफ़ोन/ ईमेल के ज़रिए चर्चा के साथ दस्तावेज़ीकरण तथा अन्य आवश्यकताएँ पूरी की गईं एवं उन गोपनीय आंकड़ों पर कुछ प्रतिबंध लगाए गए जिन्हें दूर से प्रदान करना असंभव था। हमने इन मामलों के संबंध में हमारी लेखा–परीक्षा राय जारी करने के लिए प्रासंगिक वैकल्पिक प्रक्रियाएं अपना ली थीं। इन मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। ल) हमारी टिप्पणियां, यदि वित्तीय विवरणों में कोई कथित है, हमारी रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग है।

सामान तिथि की सलंग्न रिपोर्ट के अनुसार
चंदभोय और जसूभोय के लिए
चार्टेड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या १०१६४७डब्ल्यू

अम्बेश दवे
भागीदार
सदस्यता संख्या ०४९२८९
यू डी आई एन: २१०४९२८९AAAAAF९३७६

स्थान: मुंबई
दिनांक : १५ जनवरी, २०२१

बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, १९५०
अनुसूची खद उ
(नियम ३२)

वर्ष समाप्ति के लिए देने वाली आय के योगदान का विवरण: ३१ मार्च, २०२०
पब्लिक ट्रस्ट (लोक न्यास) का नाम: चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन
पंजीकृत क्रमांक: एफ– २१७४३ (बॉम्बे)

		रु	रु	रु
I.	आय और व्यय खाते में दर्शाई गई आय			
	(अनुसूची खद) में दान शामिल हैं (अनुसूची ए') और सकल राशि पर लिया गया फंड रेसिंग इवेंट (अनुसूची ऋ)			**३४,७०,३८,२१८**
II.	धारा ५८ और नियम ३२ के तहत दान की चीजें प्रभार्य नहीं है		–	
(i)	अन्य पब्लिक ट्रस्ट और धर्मादास से प्राप्त दान		**२,१८,४३०**	
(ii)	सरकार और स्थानीय अधिकारियों से प्राप्त अनुदान			
	भारत सरकार से प्राप्त अनुदान – स्वच्छ भारत के तहत	१,११,८०,५४५		
	भारत सरकार से प्राप्त अनुदान – आईसीपीएस के तहत	२४,२४,६६,५१६	**२५,३६,४७,०६१**	
(iii)	निक्षेप और मूल्यह्रास (डेप्रिसिएशन) फंड पर ब्याज :		–	
(iv)	धर्मनिरपेक्ष शिक्षा के उद्देश्य से खर्च की गई राशि :		–	
(v)	चिकित्सा राहत के उद्देश्य से खर्च की गई राशि		**१,००,०००**	
(vi)	पशुओं के पशु चिकित्सा के उद्देश्य से खर्च की गई राशि		–	
(vii)	संकट, सूखा, बाढ़, आग या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली परेशानी से राहत के लिए दान से किया गया खर्च		–	
(viii)	कृषि कार्यों के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि से होने वाली आय में से कटौती:			
	(२) भूमि राजस्व (लैंड रीवेन्यू) और स्थानीय निधी उपकर (लोकल फंड सेस) :		–	
	(ल) वरिष्ठ मकान मालिक को देय किराया :		–	
	(ल) उत्पादन की लागत, अगर ट्रस्ट द्वारा भूमि की खेती की जाती है :		–	
(ix)	गैर–कृषि उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भूमि की आय से कटौती:			
	(२) मूल्यांकन, उपकर और अन्य सरकारी या नगर निगम कर		–	
	(ल) वरिष्ठ मालिक को डे जमीन का किराया		–	
	(ल) बीमा प्रीमियम		–	
	(व) बिल्डिंग के समुच्चय किराए के १० प्रतिशत पर मरम्मत		–	
	(श) किराए पर दी गयी बिल्डिंग के सकल किराए का ४ प्रतिशत संग्रह की लागत		–	
(x)	इस तरह की आय का १ प्रतिशत प्रतिभूतियों, स्टॉक आदि से आय या प्राप्तियों के संग्रह की लागत		–	
(xi)	अनुमानित सकल किराए के १० प्रतिशत किराए पर और बिना आय अर्जित करने वाले भवनों के संबंध में मरम्मत के कारण कटौती		–	
				२५,३९,६५,४९१
	सकल वार्षिक आय योगदान के लिए प्रभार्य रु.			**९,३०,७२,७२७**

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त अनुसूची के तहत स्वीकार्य कटौती का दावा करते हुए, अनुसूची में उल्लिखित किसी भी वस्तु के खिलाफ, जिसमें दोहरे कटौती का प्रभाव है, पर ट्रस्ट ने दो बार संपूर्ण रूप से या आंशिक रूप से किसी भी राशि का दावा नहीं किया है.

चंदभोय और जसूभोय के लिए
चार्टेड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या १०१६४७डब्ल्यू

अम्बेश दवे
भागीदार
सदस्यता संख्या . ०४९२८९

दिनांक: 15 JAN 2021

ट्रस्ट का पता:
चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन
११०१, रतन सेंट्रल, ११वीं मंजिल,
डॉ. बी. अम्बेडकर रोड, परेल,
मुंबई– ४०० ०१२

संचालक मंडल के लिए और की ओर से
दिनांक: 15 JAN 2021

बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, १९५०
अनुसूची – **VIII**
(नियम १७(१))

पब्लिक ट्रस्ट (लोक न्यास) का नाम: चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन
बैलेंस शीट ३१ मार्च, २०२० के अनुसार

(रुपयों में)
पंजीकृत क्रमांक: एफ– २१७४३ (बॉम्बे)

फंड्स और दायित्व	३१ मार्च, २०२० तक	३१ मार्च, २०१९ तक	संपत्तियां और परिसंपत्तियां	३१ मार्च, २०२० तक	३१ मार्च, २०१८ तक
ट्रस्ट फंड या कॉर्पस			**अचल संपत्तियां**		
पिछली बैलेंस शीट के अनुसार बैलेंस	७१,६९,६१३	७१,५५,११३	पिछली बैलेंस शीट के अनुसार बैलेंस	–	–
वर्ष के दौरान समायोजन	–	–	वर्ष के दौरान परिवर्धन (एडिशन)	–	–
जोड़ें– वर्ष के दौरान प्राप्त हुआ कॉर्पस दान	१४,०००	१४,५००	घटाएं– वर्ष के दौरान सेल्स	–	–
	७१,८३,६१३	**७१,६९,६१३**	वर्ष के लिए मूल्यह्रास (डेप्रिसिएशन)	–	–
				–	–
आवंटित किया गया धन					
मूल्यह्रास (डेप्रिसिएशन) फंड	–	–			
निक्षेप (सिंकिंग) फंड	–	–	**निवेश**		
आरक्षित फंड	–	–	जीओआई ८% सेविंग्स (कर योग्य) बांड्स २००३	–	–
अन्य आवंटित फंड्स					
सरकार (अनुसूची ए')	१३,२०,६२,३८८	२२,२७,०९,०७५			
अन्य (अनुसूची बी')	९,२४,६८,४४८	७,९९,१२,८२१			
	२२,४५,३०,८३६	**३०,२६,२१,८९६**	**अचल परिसंपत्तियां**		
			(अनुसूची सी')		
सीआईएफ़ कर्मचारी कल्याण कोष			पिछली बैलेंस शीट के अनुसार बैलेंस	३६,५०,४४५	३३,६७,९३५
पिछली बैलेंस शीट के अनुसार बैलेंस	३९,५७,०७४	३८,२७,१८८	वर्ष के दौरान परिवर्धन (एडिशन)	९,००,६५४	१२,२८,२७५
जोड़ें: वर्ष के दौरान	–	–	घटाएं: वर्ष के दौरान निपटान/समायोजन	–	–
जोड़ें: एफडी पर ब्याज	१,३४,९७९	१,२९,८८६	घटाएं: वर्ष के लिए मूल्यह्रास	१०,१४,७०६	९,४५,७६७
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग किया गया	–	–		**३५,३६,३९३**	**३६,५०,४४३**
	४०,९२,०५३	**३९,५७,०७४**			
दायित्व			**लोन (ऋण) (सुरक्षित या असुरक्षित)**		
व्यय के लिए (#)	५,३४,१३,६३६	१,९६,४३,२०३	लोन विद्वत्ता	–	–
ऋणदाताओं के लिए	१,४७,७०,७००	–	अन्य लोन	–	–
वर्कशॉप के लिए अग्रिम राशि	४,४२,०९९	४,४२,०९९			
देय टीडीएस / पेशेवर कर के लिए	२५,७२,५४२	२०,९५,६१४	**अग्रिम**		
ब्लॉक अनुदान के लिए	३,६४,८७,४११	२४,२२,२८,४००	ट्रस्टियों को	–	–
पुराने चेक दायित्व के लिए	४,११,१२५	३३७,८२८	कर्मचारियों को (*)	३,६७,७०८	१,१२,२२७
	१०,८०,९७,५१३	**२६,४७,४७,१४४**	ठेकेदारों को	–	–
			वकीलों को	–	–

आय व व्यय खाता			अन्य/जमा राशि को/अग्रिम ( )	३,१६,६६,०६५	१०,५८२,८८१
पिछली बैलेंस शीट के अनुसार बैलेंस	८,३९,७१,५११	८,६६,१२,४३८	प्राप्त टीडीएस को	–	–
घटाएं: सीआईएफ़ स्टाफ वेलफेयर फंड का हस्तान्तरण	–	–	अन्य प्राप्तियां (ऽ)	२,४२,७८,७०१	८,९४,६८९
जोड़ें: वर्ष के लिए अधिशेष	(१,७३,८६,६३८)	(२६,४०,९२७)	**वसूल किया गया आयकर**	३०,८२,३३६	२८,३९,२६३
	६,६५,८४,८७२	**८,३९,७१,५११**		**५,९३,९४,८१०**	**१४,४२९,०६०**
			बकाया आय		
			अर्जित ब्याज	२९,७१,४३५	२१,१७,१९५
			पूर्वादात (प्रीपेड) खर्चे	११,१८,५५०	११,६५,८१०
				४०,८९,९८५	**३२,८३,००५**
			नकद और बैंक बैलेंस		
			अ) चालू खाते में (अनुसूची डी')	१४,४४,९२,६०१	४४,३८,००,९०७
			इ) बचत खाते में (अनुसूची डी')	७,२२,५२,४४६	६,०८,७३,७००
			उ) सावधि जमा खाते में (अनुसूची डी')	१२,६६,९१,५१०	१३,६३,४५,१९६
			ऊ) कैश इन हैंड (अनुसूची डी')	३१,१४३	८४,९२७
			नकद और बैंक का कुल	**३४,३४,६७,७००**	**६४,११,०४,७३०**
बैलेंस सी/एफ	**४१,०४,८८,८८९**	**६६,२४,६७,२३८**	**बैलेंस सी/एफ**	**४१,०४,८८,८८९**	**६६,२४,६७,२३८**

(#) व्यय हेतु देनदारियों में अन्तर्क्षेत्रीय शेष राशियां २,१३,२५,७१२/– रुपए शामिल हैं यानी सीआईएफ़ देय, मुख्य कार्यालय अग्रिम राशी एवं देय, आदि (एफ़सीआरए शेष राशियों को छोड़कर, जो पुष्टिकरण, मिलान एवं आगामी समायोजन, यदि कोई है, के अधीन हैं।

($) अन्य जमा राशियों/अग्रिम राशियों में क्षेत्रों को दी गई अग्रिम राशियां ३६,१५,४७८/– रुपए शामिल हैं (एफ़सीआरए शेष राशियों को छोड़कर), जो पुष्टिकरण, मिलान एवं आगामी समायोजन, यदि कोई है, के अधीन हैं।

(@) अन्य प्राप्य २,४२,७८,७०१/– रुपए पुष्टिकरण, मिलान एवं आगामी समायोजन, यदि कोई है, के अधीन हैं।

(*) कर्मचारियों को अग्रिम में उनकी ओर से पीएफ़ योगदान के प्रति १,७९,१७८/– रुपए शामिल हैं, जो सीआईएफ़ द्वारा प्रदत्त है और संबंधित कर्मचारी/रियों से वसूली योग्य है।

सामान तिथि की सलंग्न रिपोर्ट के अनुसार
चंदभोय और जसूभोय के लिए
चार्टेड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या १०१६४७डब्ल्यू

अम्बेश दवे
भागीदार
सदस्यता संख्या . ०४९२८९

स्थान: मुंबई
दिनांक : 15 JAN 2021

बकाया आय: –
(यदि खातों को नकद के आधार पर रखा गया है)

किराया –
ब्याज –
अन्य आय –
कुल –

गवर्निंग बोर्ड के लिए और की ओर से

टी अनुसूची– खद
(व्यापक नियम १७(१))

पब्लिक ट्रस्ट का नाम: चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन
३१ मार्च, २०२० को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय

(रुपयों में)
पंजीकृत क्रमांक: एफ– २१७४३ (बॉम्बे)

व्यय	१ अप्रैल, २०१९– ३१ मार्च, २०२०	१ अप्रैल, २०१८– ३१ मार्च, २०१९	आय	१ अप्रैल, २०१९– ३१ मार्च, २०२०	१ अप्रैल, २०१८– ३१ मार्च, २०१९
संपत्ति में संबंध में व्यय			किराए द्वारा	–	–
कीमत, कर, सेस	–	–			
मरम्मत और रखरखाव	–	–	**ब्याज द्वारा**		
वेतन	–	–	सिक्यूरिटी पर (जीओआई ८% सेविंग बोंड २००३)	–	–
बीमा	–	–	लोन पर	–	–
मूल्यहास (समायोजन के प्रावधान के माध्यम से)	–	–	आयकर पर प्राप्त रिफंड पर	८५,९४५	–
अन्य व्यय	–	–	बैंक और सावधि जमा खाते पर	१,२१,८७,००७	९,७५३,३७५
				१,२२,७२,९५२	**९७,५३,३७५**
	–	–			
			लाभांश द्वारा	–	–
स्थापना व्यय (अनुसूची ई')	**२,२०,१३,८६४**	**१,७९,७७,६५२**			
			नकद या वस्तु (नेट) में दान द्वारा (अनुसूची जी')	३८,६०,५४७	५५,१३,८५७
ट्रस्टियों को पारिश्रमिक (रेमुनरेशन)	–	–			
पारिश्रमिक (गणित के मामले में) गणित के प्रमुख को, उसके घरेलू खर्च सहित, यदि कोई हो।	–	–	स्वीकृति द्वारा (अनुसूची एच')	२४,२४,६६,५१६	२१,२६,९५,९१८
कानूनी व्यय	**४५,०००**	**–**	**अन्य स्त्रोतों से आय के द्वारा**		
			इनाम	–	–
ऑडिट शुल्क	**१,७१,१००**	**१,७१,१००**	फंड जमा करने के लिई कार्यक्रम (नेट) (अनुसूची आय')	१४,२८,४७१	२८,८८,०३५
			चाइल्डलाइन कार्यक्रम	–	–
योगदान और शुल्क	**१८,६१,४५५**	**१७,५७,५०१**	विविध प्राप्तियां	६०,६५५	२८,९३३
				१४,८९,१२५	**२९,१६,९६८**
लिखी गयी राशि					
(२) डूबत कर्ज (बेड डेब्ट्स)	–	–			
(ल) लोन स्कॉलरशिप (छात्रवृत्ति)	–	–			
(ल) बकाया किराया	–	–	अप्रतिबंधित आरक्षण से ट्रांसफर द्वारा	–	–
(व) अन्य चीज़ें	–	–			
संदेहजनक डेब्ट्स के लिए प्रावधान	–	–	**आवंटित फंड्स से ट्रान्सफर करने के द्वारा**		
			अनुसूची ए'	१,११,८०,५४५	–
विविध व्ययों के लिए	**१,३२,५३१**	**१,१०,६६०**	अनुसूची बी'	७,५७,६८,५३३	७,१६,६९,९४४
				८,६९,४९,०७८	**७,१६,६९,९४४**
मूल्यहास के लिए	**१०,१४,७०६**	**९,४५,७६७**			
बिक्री पर नुकसान/ फिक्स्ड एसेट का आदान–प्रदान	–	–	बैलेंस शीट में कमी के कारण	**१,७३,८६,६३८**	२६,४०,९२७

ट्रस्ट की वस्तुओं पर खर्च					
(र) धार्मिक	–	–			
(ल) शिक्षा	–	–			
(ल) चिकित्सा सहायता	–	–			
(व) गरीबी में सहायता	–	–			
(श) अन्य दानशील (चैरिटेबल) वस्तुएं (अनुसूची एफ')	**३३,९१,८६,२०१**	**२८,४२,२८,३०९**			
सरप्लस को बैलेंस शीट में लिया गया	–				
कुल	**३६,४४,२४,८५६**	**३०,५१,९०,९८८**	**कुल**	**३६,४४,२४,८५६**	**३०,५१,९०,९८८**

समान दिनांक की हमारी सलंग्न रिपोर्ट के अनुसार
चाँदभोय और जस्सूभोय के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण संख्या १०१६४७डब्ल्यू

अम्बेश दवे
भागीदार
सदस्यता संख्या . ०४९२८९

स्थान: मुंबई
दिनांक : 15 JAN 2021

गवर्निंग बोर्ड के लिए और की ओर से

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

१ अप्रैल, २०१९ से ३१ मार्च, २०२० की अवधि के लिए रिसीप्ट्स और पेमेंट अकाउंट

रिसीप्ट (प्राप्तियां)	कुल	पेमेंट (भुगतान)	कुल
ओपनिंग बैलेंस			
नकद	८४,९२७	फिक्स्ड एसेट्स	९,००,६७०
एसबीआई डी.एन. रोड खाता १०२७१०८६०६४	४३५,४७५,८०९	जमा	१६,३४,१७३
एसबीआई डी.एन. रोड खाता १०२७१०८५९४६	७,१६२,६९१	स्थापना व्यय (CIF)	२,२०,१३,८६४
एसबीआई ह्यूजेस रोड खाता १००६६९४०२७३	१,१६२,४०६	कानूनी और पेशेवर (प्रोफेशनल) शुल्क	४५,०००
आईसीआईसीआई बैंक- नाना चौक	२३,९३२,४८१	विविध खर्च	१,३२,५३१
आईसीआईसीआई बैंक खाता संख्या . १०४३०१००११९७	२,२५२,१५९	ऑडिट शुल्क	१,७१,१००
एक्सिस बैंक	२७,१६६	ट्रस्ट की चीज़ों पर खर्च	३३,४८,५५,७१८
एक्सिस बैंक खाता संख्या ९१७००१००३६६१४५७६	३,२६,८६,७५९	भागीदारों के स्वीकृत भुगतान को ब्लॉक	१,२३,८३,५९,१९३
आईसीआईसीआई बैंक- कोलकाता	६,३१,९४८	खर्च के लिए एडवांस ($)	१,२७,६८,३४५
आईसीआईसीआई बैंक- दिल्ली	४,५८,८४३	भुगतान किया गया अनुदान	२,४९,२९०
आईसीआईसीआई बैंक- चेन्नई	३,१९,८३७	भुगतान किया गया एपीपीआई व्यय ($)	४४,५१,८६९
एक्सिस बैंक - एपीपीआई आरआरसी	५,६४,५०७	भुगतान की गई विविध देनदारियां	७४,८०३
एसबीआई सावधि जमा	७,०१,९२,४०५		
आईसीआईसीआई बैंक सावधि जमा	६,५८,२९,२९४		
एक्सिस बैंक सावधि जमा	२३,४९७	**क्लोजिंग बैलेंस**	
कोटक बैंक सावधि जमा	३,००,०००	नकद	३१,१४३
		एसबीआई डी.एन. रोड खाता १०२७१०८६०६४	१२,९३,३९,२३५
कार्पस दान	१४,०००	एसबीआई ह्यूज़ेस रोड खाता १००६६९४०२७३	१९,६३,४९३
सीआईएफ़ और साझेदारी संगठनों के लिए अनुदान	१,१९,४३,८५,०००	एसबीआई - परेल खाता ३८७९४०१५६६९	९०,२२,९९४
मुंबई नोडल अनुदान	५,९१,३२५	एसबीआई डी.एन. रोड खाता १०२७१०८५९४६	४१,६६,८८०
दिल्ली नोडल अनुदान	६,४२,२५३	आईसीआईसीआई बैंक- नाना चौक	३९,०१,९९५
आवंटित फंड	८,८३,२४,१६१	एक्सिस बैंक	२८,१३२
दान	३९,३४,६०५	आईसीआईसीआई बैंक-कोलकाता	१८,११,२१३
ब्याज	१,०४,५९,३५४	आईसीआईसीआई बैंक- दिल्ली	१३,७०,७६०
सीआईएफ़ स्टाफ वेलफेयर फंड पर ब्याज	१,३४,९७९	आईसीआईसीआई बैंक- चेन्नई	३,२१,८०४
फंड जमा करने का कार्यक्रम	१३,५४,४१२	आईसीआईसीआई बैंक खाता संख्या १०४३०१००११९७	७,४२,६८६
विविध प्राप्तियां	६०,६५५	एसबीआई सावधि जमा	७,२९,७१,०९६
आयकर प्रतिदाय	७,१६,२८५	एक्सिक्स बैंक सावधि जमा	२३,४९७
आरआरसी को मुख्य कार्यालय निधि हस्तांतरण ($)	१,७४,०२,४९६	आईसीआईसीआई बैंक सावधि जमा	५,३३,९६,९१६
		कोटक महिन्द्रा बैंक सावधि जमा	३,००,०००

		एक्सिस बैंक खाता संख्या ९१७०१००३६६१४५७६	६,३०,४८,४४०
		एक्सिस बैंक– पूर्व	१,७९,८६५
		एक्सिस बैंक– उषर	१,६४,२४४
		एक्सिस बैंक– दक्षिण	५,६७,६९४
		एक्सिस बैंक– पश्चिम	१,१५,६१३
	१,९५,९१,२४,२५६		**१,९५,९१,२४,२५६**

($) ये राशियां पुष्टिकरणों, मिलान एवं समायोजन, यदि कोई है, के अधीन हैं।

समान दिनांक की हमारी सलंग्न रिपोर्ट के अनुसार
चाँदभोय और जस्सूभोय के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण संख्या १०१६४७डब्ल्यू

अम्बेश दवे
भागीदार
सदस्यता संख्या . ०४९२८९

स्थान: मुंबई
दिनांक : 15 JAN 2021

गवर्निंग बोर्ड के लिए और की ओर से

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने वाले अनुसूचियां

सरकार द्वारा आवंटित किया गया धन

अनुसूची ए'

आवंटित किए गए धन का नाम	वर्ष	ओपनिंग बैलेंस (०१.०४.२०१९) रु.	जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त रु.	जोड़: भागीदारों से प्राप्त अव्ययित अनुदान	घटाएं: साझेदार संगठन को भुगतान / देय रु.	घटाएं: सीआईएफ़ को हस्तांतरण (प्रशासन भाग)	घटाएं: आय एवं व्यय खाते में ट्रांसफर रु.	क्लोजिंग बैलेंस (३१.०३.२०२०) रु.
भारत सरकार–भागीदारों के लिए ब्लॉक अनुदान	२०१९–२०	१७,६९,९९,९१६	१,१९,४३,८५,०००	४१,९२,५३१	१,०३,६८,१०,७३५	२४,६०,८५,९१८	–	९,२६,८०,७९४
	२०१८–१९	(१,१७,२१८)	१,७५,८३,४२,२२५	१,७४,०६५	१,३५,१३,६२,४३१	२३,००,३६,७२५	–	१७,६९,९९,९१६
सीआईएफ़ के लिए भारत सरकार अनुदान	२०१९–२०	२,७६,७४,५८२	२४,६०,८५,९१८	–	–	–	२४,१२,३२,९३८	३,२५,२७,५६२
	२०१८–१९	९९,१३,७७५	२३,००,३६,७२५	–	–	–	२१,२२,७५,९१८	२,७६,७४,५८२
स्वच्छता एक्शन प्लान के लिए भारत सरकार अनुदान	२०१९–२०	१,८०,००,०००	–	–	–	–	१,११,८०,५४५	६८,१९,४५५
	२०१८–१९	–	१,८०,००,०००	–	–	–	–	१,८०,००,०००
एनसीपीसीआर	२०१९–२०	९,६९९	–	–	–	–	–	९,६९९
	२०१८–१९	(४५,४२,४३३)	४५,५२,१३२	–	–	–	–	९,६९९
एनआईएसडी	२०१९–२०	२४,८७८	–	–	–	–	–	२४,८७८
	२०१८–१९	२४,८७८	–	–	–	–	–	२४,८७८
	२०१९–२०	**२२,२७,०९,०७५**	**१,४४,०४,७०,९१८**	**४१,९२,५३१**	**१,०३,६८,१०,७३५**	**२४,६०,८५,९१८**	**२५,२४,१३,४८३**	**१३,२०,६२,३८८**
	२०१८–१९	५२,७९,००२	२,०१,०९,३१,०८२	१,७४,०६५	१,३५,१३,६२,४३१	२३,००,३६,७२५	२१,२२,७५,९१८	२२,२७,०९,०७५

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने वाले अनुसूचियां

अन्य आवंटित धन

अनुसूची बी

आवंटित किए गए धन का नाम	वर्ष	ओपनिंग बैलेंस (०१.०४.२०१९) रु.	जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त रु.	घटाएं: लौटाया गया / स्थानांतरण / समायोजन वर्ष के दौरान रु.	घटाएं: पूंजीगत व्यय रु.	घटाएं: आय एवं व्यय खाते में ट्रांसफर रु.	जोडें: बैलेंस शीट पर स्थानां–तरण रु.	क्लोजिंग बैलेंस (३१.०३.२०२०) रु.
र) परिक्रामी (रिवॉल्विंग) फंड								
सर दोराब टाटा ट्रस्ट	२०१९–२०	१,००,००,०००	–	–	–	–	–	१,००,००,०००
	२०१८–१९	१,००,००,०००	–	–	–	–	–	१,००,००,०००
एजीफंड इनाम	२०१९–२०	३९,३३,३३२	–	–	–	२८,२०,००९	–	११,१३,३२३
	२०१८–१९	३९.३३,३३२	–	–	–	–	–	३९,३३,३३२
ल) सीआईएफ़ आंतरिक लागत के लिए								
गूगल–सामान्य संचालन सहायता के लिए आवंटन	२०१९–२०	१,३५,०३,९७०	–	–	–	१३,६८,४९२	–	१,२१,३५,४७८
	२०१८–१९	१,३५,३१,७००	–	–	–	२७,७३०	–	१,३५,०३,९७०
एचडीएफसी–यौन दुर्व्यवहार के लिए	२०१९–२०	४२,८५७	–	–	–	–	–	४२,८५७
	२०१८–१९	४२,८५७	–	–	–	–	–	४२,८५७
पिरोजषा गोदरेज फाउंडेशन–केन्द्रीय	२०१९–२०	३३२	–	–	–	–	–	३३२
कॉल सेंटर	२०१८–१९	३३२	–	–	–		–	३३२
पिरोजषा गोदरेज फाउंडेशन–बाल यौन शोषण	२०१९–२०	४४,६५३	–			–	–	४४,६५३
	२०१८–१९	४४,६५३	–			–	–	४४,६५३
द इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड, चेन्नई सीएल	२०१९–२०	३,२४,२०२	–	–	–	–	–	३,२४,२०२
	२०१८–१९	३,२४,२०२	–	–	–	–	–	३,२४,२०२
एम्पावरमेंट एरीज इनोवेटिव प्रोजेक्ट	२०१९–२०	४५,९५९	–	–	–	४५,९५९	–	–
	२०१८–१९	४५,९५९	–	–	–	–	–	४५,९५९
प्लान इंटरनेशनल	२०१९–२०	७,८६,८३८	–	–	–	७,८६,८३८	–	–
	२०१८–१९	७,८६,८३८	–	–	–	–	–	७,८६,८३८
सीएसए अवेयरनेस इनिशिएटिव	२०१९–२०	१,५८७,६३९	–	–	–	२,१८,४३०	–	१३,६९,२०९
	२०१८–१९	८,११,२४९	३३,५१,०००	–	–	२५,७४,६१०	–	१५,८७,६३९
बेट–सीएसए प्रोजेक्ट	२०१९–२०	७,८९,८४३		–	–	१,३७,८१८	–	६,५२,०२५
	२०१८–१९	९,३०,१३५		–	–	१,४०,२९१	–	७,८९,८४३
जेन–संगठन विकास के लिए	२०१९–२०	२५,००,०००	–	–	–	–	–	२५,००,०००
	२०१८–१९	–	२५,००,०००	–	–	–	–	२५,००,०००

यूनिसेफ	२०१९–२०	(१७,३३,९९१)	७५,६८,९५६	–	–	८५,४५,८७०	–	(२७,१०,९०५)
	२०१८–१९	–	१,०३,२०,६००	–	–	१,२०,५४,५९१	–	(१७,३३,९९१)
ल) सीआईएफ आउटरीच/ इन्वॉल्वमेंट के लिए								
एस्तेर बेंजामिन ट्रस्ट का आवंटित अनुदान	२०१९–२०	१,८६,५१६	–	–	–	१,८६,५१६	–	–
सर्कस रेस्क्यू के लिए	२०१८–१९	१,८६,५१६	–	–	–	–	–	१,८६,५१६
मुंबई के बच्चों के लिए सामान्य आवंटन	२०१९–२०	९,१८४	–	–	–	–	–	९,१८४
	२०१८–१९	९,१८४	–	–	–	–	–	९,१८४
एपीपीआई (एप्पी)	२०१९–२०	३,०९,८७,१९५	७,८१,९१,०००			५,४६,७१,२७०		५,४५,०६,९२५
	२०१८–१९	(४,६५,०७३)	८,३१,२७,१६७	–	–	५,१६,७४,८९९	–	३,०९,८७,१९५
एच टी पारेख फाउंडेशन– आश्रय संबंधित कार्यक्रम और क्षमता बढ़ाने के लिए आवंटन	२०१९–२०	–	–	–	–	–	–	–
	२०१८–१९	३,८९,३७८	–	–	–	३,८९,३७८	–	–
पिक्चर मोशन– सामान्य संचालन सहायता	२०१९–२०	५१,८४,६५६	–			–		५१,८४,६५६
	२०१८–१९	९६,७४,५१९	–			४४,८९,८६३		५१,८४,६५६

आवंटित किए गए धन का नाम	वर्ष	ओपनिंग बैलेंस (०१.०४.२०१९) रु.	जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त रु.	घटाएं: लौटाया गया / स्थानांतरण / समायोजन वर्ष के दौरान रु.	घटाएं: पूंजीगत व्यय रु.	घटाएं: आय एवं व्यय खाते में ट्रांसफर रु.	जोड़ें: बैलेंस शीट पर स्थानां–तरण रु.	क्लोजिंग बैलेंस (३१.०३.२०२०) रु.
आरसीएम– शेल्टर होम के लिए आवंटित	२०१९–२०	३१,९१२	–	–	–	–	–	३१,९१२
	२०१८–१९	३१,९१२	–	–	–	–	–	३१,९१२
एसबीआई कैप– शेल्टर होम के अद्यतन (अप–ग्रेडेशन) के लिए आवंटन	२०१९–२०	६४,९८,८१८	२४,७१,२०५	–	–	६४,९८,८१८	–	२४,७१,२०५
	२०१८–१९	–	६५,००,०००	–	–	१,१८२	–	६४,९८,८१८
सीआईएफ मुंबई पार्टनर्स के वेतन के लिए वोल्कार्ट	२०१९–२०	५,८४७	–	–	–	–	–	५,८४७
	२०१८–१९	५,८४७	–	–	–	–	–	५,८४७
अगरतला के लिए सी एंड ए मोड़ केजी अनुदान	२०१९–२०	१९,६२९	–	–	–	–	–	१९,६२९
आश्रय संवर्धन	२०१८–१९	१९,६२९	–	–	–			१९,६२९
के लिए कैथोलिक राहत सेवा	२०१९–२०	६,२४०	–	–	–	–	–	६,२४०
लखनऊ सीपी मीट	२०१८–१९	६,२४०	–	–	–	–	–	६,२४०
के लिए कैथोलिक राहत सेवा	२०१९–२०	१००	–	–	–	–	–	१००
गुलबर्गा एनएएस और सा–झेदारी संगठन को सहायता	२०१८–१९	१००	–	–	–	–	–	१००

चाइल्डलाइन संगठन के लिए सारिक आवंटन	२०१९–२०	३५,५९६	–	–	–	३५,५९६	–	–
	२०१८–१९	३५,५९६	–	–	–	–	–	३५,५९६
श) कैपेक्स व्यय के लिए								
जेजे कैपिटल व्यय	२०१९–२०	१,९४,८२२	–	–	–	१,९४,८२२	–	–
	२०१८–१९	१,९४,८२२	–	–	–	–	–	१,९४,८२२
कैपिटल इक्विपमेंट की खरीदारी	२०१९–२०	९०,०५५	–	–	–	–	–	९०,०५५
	२०१८–१९	९०,०५५	–	–	–	–	–	९०,०५५
ष) अन्य व्यय के लिए								
आदित्य बिरला ईअर– मेडिकल व्यय	२०१९–२०	९२,२९३	–	–	–	–	–	९२,२९३
	२०१८–१९	९२,२९३	–	–	–	–	–	९२,२९३
सीआईएफ़ दसवर्षीय कार्यक्रम	२०१९–२०	१६,५७४	–	–	–	–	–	१६,५७४
	२०१८–१९	१६,५७४	–	–	–	–	–	१६,५७४
सामान्य शिक्षा प्रायोजन	२०१९–२०	१७,०१७	–	–	–	–	–	१७,०१७
	२०१८–१९	१७,०१७	–	–	–	–	–	१७,०१७
बुनियादी ढाँचे को तैयार करना	२०१९–२०	१,३५,०००		–	–	६४,३७१	–	७०,६२९
	२०१८–१९	१,३५,०००	–	–	–	–	–	१,३५,०००
बच्चों के आपातकालीन और पुर्नवास	२०१९–२०	१,३८,४६६	–	–	–	–	–	१,३८,४६६
	२०१८–१९	१,३८,४६६	–	–	–	–	–	१,३८,४६६
संकट में बच्चों की प्रतिक्रया	२०१९–२०	२,५५,८५७	–	–	–	–	–	२,५५,८५७
	२०१८–१९	४,३७,२५७	–	–	–	१,८१,४००	–	२,५५,८५७
बाल संरक्षण के लिए संवेदनशीलता पहल	२०१९–२०	१८,०००	–	–	–	–	–	१८,०००
	२०१८–१९	१८,०००	–	–	–	–	–	१८,०००
अस्पताल में भर्ती और चिकित्सा व्यय	२०१९–२०	४२,३०३	–	–	–	–	–	४२,३०३
	२०१८–१९	४२,३०३	–	–	–	–	–	४२,३०३
आश्रय और शिक्षा प्रदान करना	२०१९–२०	५,६६,८०३	–	–	–	४३,६८३	–	५,२३,१२०
	२०१८–१९	५,७८,८०३	–	–	–	१२,०००	–	५,६६,८०३
बचाव और चिकित्सा प्रयास	२०१९–२०	६६,०४०	–	–	–	५०,०४०	–	१६,०००
	२०१८–१९	६६,०४०	–	–	–	–	–	६६,०४०
यूंडब्ल्यूएम– क्रिट मेडिकल और शेल्टर होम के उन्नयन के लिए आवंटन	२०१९–२०	१३,४०,७९२	९३,०००	–	–	१,००,०००	–	१३,३३,७९२
	२०१८–१९	१२,९७,५४२	१६७,२५०	–	–	१,२४,०००	–	१३,४०,७९२
आपदा राहत कोष	२०१९–२०	२१,४७,४७०	–	–	–	–	–	२१,४७,४७०
	२०१८–१९	२१,४७,४७०	–	–	–	–	–	२१,४७,४७०
कुल	**२०१९–२०**	**७,९९,१२,८२१**	**८,८३,२४,१६१**	**–**	**–**	**७,५७,६८,५३३**	**–**	**९,२४,६८,४४८**
	२०१८–१९	**४,५६,१६,७४८**	**१०,५९,६६,०१७**	**–**	**–**	**७,१६,६९,९४४**	**–**	**७,९९,१२,८२१**

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची
अचल सम्पत्ति (फिक्स्ड एसेट्स)

अनुसूची'सी'

एसेट (संपत्ति)	१ अप्रैल, २०१९ तक	वर्ष के दौरान परिवर्धन (एडिशन)	वर्ष के दौरान निपटान	३१ मार्च, २०२० तक	अवधि के दौरान मूल्यह्रास	३१ मार्च, २०२० तक
फर्नीचर और फिक्स्चर (१०%)	१०,१९,३३१	१,०७,९७०	–	११,२७,३०१	१,०७,३१७	१०,१९,९८४
कंप्यूटर (४०%)	१४,७२,२८२	६,५३,३४८	–	२१,२५,६३०	७,२१,०८३	१४,०४,५४७
कार्यालय उपकरण (१५%)	८,८३,४८२	१,३९,३३८	–	१०,२२,८२०	१,४५,००४	८,७७,८१६
रेस्क्यू वैन (१५%)	२,७५,३४८	–	–	२,७५,३४८	४१,३०२	२,३४,०४६
कुल	**३६,५०,४४३**	**९,००,६५६**	**–**	**४५,५१,०९९**	**१०,१४,७०६**	**३५,३६,३९३**
पिछला वर्ष	**३३,६७,९३५**	**१२,२८,२७५**	**–**	**४५,९६,२१०**	**९,४५,७६७**	**३६,५०,४४३**

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची

नकद और बैंक बैलेंस: –

अनुसूची डी

विषय	३१ मार्च, २०२० तक	३१ मार्च, २०१९ तक
(र) के साथ चालू खाते में		
भारतीय स्टेट बैंक खाता संख्या १०२७१०८५९४६	४१,६६,८८०	७१,६२,६९१
भारतीय स्टेट बैंक खाता संख्या १०२७१०८६०६४	१२,९३,३९,२३५	४,३५,४७५,८०९
भारतीय स्टेट बैंक खाता संख्या १००६६९४०२७३	१९,६३,४९३	११,६२,४०६
भारतीय स्टेट बैंक खाता संख्या .३८७९४०१५६६९	९०,२२,९९४	–
	१४,४४,९२,६०१	**४४,३८,००,९०६**
(ल) के साथ बचत खाते में		
आईसीआईसीआई बैंक खाता संख्या ०००४०११४८५६५ (कोलकाता)	१८,११,२१३	६,३१,९४८
आईसीआईसीआई बैंक खाता संख्या ०००४०११४८५६६ (दिल्ली)	१३,७०,७६०	४,५८,८४३
आईसीआईसीआई बैंक खाता संख्या ०००४०११४८५६७ (चेन्नई)	३,२१,८०४	३,१९,८३७
आईसीआईसीआई बैंक खाता संख्या ०००४०११२३६४३	३९,०१,९९५	२,३९,३२,४८१
आईसीआईसीआई बैंक खाता संख्या १०४३०१००११९७	७,४२,६८६	२२,५२,१५९
एक्सिस बैंक खाता संख्या ४६५०१०१०००१७४९९	२८,१३२	२७,१६६
एक्सिस बैंक खाता संख्या९१७०१००३६६१४५७६	६,३०,४८,४४०	३,२६,८६,७५९
एक्सिस बैंक आरआरसी खाता	१०,२७,४१६	५,६४,५०७
	७,२२,५२,४४६	**६,०८,७३,७००**
(ल) सावधि जमा खाते में		
भारतीय स्टेट बैंक	७,२९,७१,०९७	७,०१,९२,४०५
एक्सिस बैंक	२३,४९७	२३,४९७
कोटक महिन्द्रा बैंक	३,००,०००	३,००,०००
आईसीआईसीआई बैंक	५,३३,९६,९१६	६,५८,२९,२९४
	१२,६६,९१,५१०	**१३,६३,४५,१९६**
(व) कैश इन हैंड (नकद)		
ट्रस्टी के साथ	–	–
मैनेजर के साथ	३१,१४३	८४,९२७
इम्प्रेस्ट (रकम)	–	–
	३१,१४३	**८४,९२७**

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची

स्थापना खर्च

अनुसूची'ई'

विषय	१ अप्रैल, २०१९– ३१ मार्च, २०२०	१ अप्रैल, २०१८– ३१ मार्च, २०१९
बिजली शुल्क	१०,३७,१०८	८,६६,६४१
किराया	१,४५,४९,१४९	१,१८,५१,९५६
बैंक शुल्क	५५,४३०	६०,७०२
बीमा	७,८२,३३९	५,९९,९६९
संपर्क	७,७०,०७५	७,३२,०२६
वाहन और यात्रा	१,१९,९२२	९२,५४३
डाक/ कूरियर	५,६३,०९४	५,९४,३९७
प्रिंटिंग और स्टेशनरी	५,३१,७८६	५,७८,५४४
मरम्मत और रखरखाव	८,७०,६९८	१२,७८,७४५
ब्रोकरेज शुल्क	६,५२,०००	१,४५,८००
बुक्स/पीरियोडिकल्स/सॉफ्टवेयर	१५,१७९	२८,४०५
स्टाफ वेलफेयर खर्च	४,१६,३५३	४,७९,०९६
पेशेवर शुल्क	७,७२,११०	२,७५,३९०
पीएफ नियोक्ता योगदान	२,५९,२४६	–
अन्य व्यय	६,१९,३७५	३,९३,४३८
कुल	**२२,०१३,८६४**	**१७,९७७,६५२**

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची

अन्य चैरिटेबल वस्तुओं पर व्यय **अनुसूची एफ'**

विषय	१ अप्रैल, २०१९– ३१ मार्च, २०२० रु.	१ अप्रैल, २०१८– ३१ मार्च, २०१९ रु.
अन्य चैरिटेबल वस्तुएं		
वेतन / मानदेय (संदर्भ नोट) – भारत सरकार	४,०६,४२,६७७	३,३७,३६,४३२
वेतन / मानदेय (संदर्भ नोट) – सामान्य	१,२२,६२,६४८	९६,८२,६५६
सामान्य व्यय	२,१४,२९३	–
सीएलबी– गतिविधियाँ	२,३९,७७६	२,७९,५८९
दिल्ली नोडल खर्च	२,७६,०४७	३,४०,६०८
प्रेपेरेटरी/ मॉनिटरिंग व्यय	५,९००	७,३२,५९६
फंड जमा करने के कार्यक्रम	५०,७०७	५,१६,७४७
प्रत्यक्ष ऑनलाइन व्यय	१४,१९३	–
भारत सरकार से		
जागरूकता और वकालत	४६,८२,१८५	४४,९५,७६५
केन्द्रीय कॉल सेंटर का व्यय	१७,८३,३२,५५५	१४,६०,६५,३९५
शोध और दस्तावेजीकरण	१९,०१,८९०	१८,६९,८५२
सेवा व्यय	१,१२,४९,३५६	१,१४,५५,०३३
परामर्शी बैठक और क्षमता निर्माण	२३,६४,८९५	२४,०३,६०४
स्वच्छता कार्यवाही योजना	१,११,८०,५४५	–
खोया पाया	–	९,८०,०८८
(अ)	**२६,३४,१७,६६८**	**२१,२५,५८,३६५**
आवंटित व्यय		
एपीपीआई	५,४६,७१,२७०	५,१६,७४,८९९
बेट– सीएसए प्रोजेक्ट	१,३७,८१८	१,४०,२९१
गूगल– सामान्य संचलान सहायता के लिए आवंटन	१३,६८,४९२	२७,७३०
एगफंड प्रशासन	२८,२०,००९	–
एरिस इन. प्रोजेक्ट	४५,९५९	–
ईबीटी – बच्चों का बचाव	१,८६,५१६	–
बचाव के लिए निश्चित	५०,०४०	–
जीसीएफ़ – आश्रय सुधार के लिए निश्चित	४३,६८३	–
जे एवं जे गतिविधि तथा पूंजीगत व्यय के लिए जेएवंजे निश्चित	१,९४,८२२	–
योजना प्रशासन	७,८६,८३८	–
चाइल्डलाइन संगठन के लिए एसएआरआईक्यू निश्चित निधि	३५,५९६	–
एचटीपी– आश्रय संबंधित कार्यक्रम और क्षमता निर्माण के लिए आवंटन	–	३,८९,३७८
पिक्चर मोशन– सामान्य संचलान सहायता	–	४४,८९,८६३
आरएफ– सीएसए प्रोजेक्ट	२,१८,४३०	२५,७४,६१०
यूडबल्यूएम– गंभीर चिकित्सा मामले के लिए आवंटन	१,००,०००	१,२४,०००
यूनिसेफ	८५,४५,८७०	१,२०,५४,५९१
सामान्य – अवसंरचना विन्यास	६४,३७१	–
संकट में बच्चों के लिए प्रतिक्रया	–	१,८१,४००
आश्रय और शिक्षा प्रदान करने के लिए	–	१२,०००
एसबीआई कैप– शेल्टर होम के अपग्रेडेशन के लिए आवंटन	६४,९८,८१८	१,१८२
(इ)	**७,५७,६८,५३३**	**७,१६,६९,९४४**
कुल (अ)+(इ)	**३३,९१,८६,२०१**	**२८,४२,२८,३०९**

नोट: इसमें सलाहकारों, लेखाकार और प्रशासनिक कर्मचारियों को दी जाने वाली ९३,९३,३३७/– (पिछले वर्ष की ९८,०१,४३७/–) राशि शामिल है, जो प्रबंधन की दृष्टि से चैरिटेबल वस्तुओं के लिए है.

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची

दान

अनुसूची' जी'

विषय		१ अप्रैल, २०१९– ३१ मार्च, २०२०	१ अप्रैल, २०१८– ३१ मार्च, २०१९
दान			
सामान्य		१,५४,६५३	१,५०,५०२
सीधा ऑनलाइन		४,८२,४००	३,२६,२२९
बिल डेस्क		८,६५,३७०	२,८४,०१६
स्कूल के लिए जमा फंड		२३,५८,१२४	४७,६७,३५०
	(अ)	**३८,६०,५४७**	**५५,२८,०९७**
घटाएं– व्यय			
सीधा ऑनलाइन		–	१४,२४०
स्कूल के लिए जमा फंड		–	–
	(इ)	**–**	**१४,२४०**
कुल	**(अ)–(इ)**	**३८,६०,५४७**	**५५,१३,८५७**

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची

अनुदान

अनुसूची एच'

विषय	१ अप्रैल, २०१९– ३१ मार्च, २०२०	१ अप्रैल, २०१८– ३१ मार्च, २०१९
	रु.	**रु.**
भारत सरकार– सीआईएफ़	२४,१२,३२,९३८	२१,२२,७५,९१८
भारत सरकार– मुंबई नोडल	५,९१,३२५	४,२०,०००
भारत सरकार– दिल्ली नोडल	६,४२,२५३	–
कुल	**२४,२४,६६,५१६**	**२१,२६,९५,९१८**

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची

फंड जमा करने का कार्यक्रम (फंड रेसिंग इवेंट)

अनुसूची 'आई'

विषय		१ अप्रैल, २०१९– ३१ मार्च, २०२०	१ अप्रैल, २०१८– ३१ मार्च, २०१९
दान			
दिल्ली हाफ इयर मैराथन		–	–
मुंबई मैराथन		१४,२८,४७१	३५,९३,२८९
	(अ)	**१४,२८,४७१**	**३५,९३,२८९**
घटाएं: व्यय			
बेंगलुरु मैराथन		–	–
दिल्ली हाफ इयर मैराथन		–	–
मुंबई मैराथन		–	७,०५,२५४
	(इ)	**–**	**७,०५,२५४**
कुल	**(उ)=(अ)–(इ)**	**१४,२८,४७१**	**२८,८८,०३५**

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

३१ मार्च, २०२० तक खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची

अनुसूची' जे'

अकाउंटिंग के महत्वपूर्ण नियम

र) यह फाइनेंसियल स्टेटमेंट भारत में आमतौर पर स्वीकार किए गए अकाउंटिंग सिद्धांतों और इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया द्वारा लागू अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स के अनुसार ऐतिहासिक लागत के अनुसार तैयार किए गए हैं.

फाइनेंसियल स्टेटमेंट्स में सभी आय और व्यय स्वीकृत अनुदान व दान को छोड़कर उपार्जित आधार पर लिए गए हैं.

ल) फिक्स्ड एसेट्स का उल्लेख लागत में मूल्यह्रास को घटा कर किया जाता है. लागत में इन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण और स्थापना से संबंधित सभी खर्च शामिल हैं. विशेष प्रोजेक्ट के लिए दाताओं से प्राप्त राशि से अर्जित संपत्तियां संबंधित प्रोजेक्ट पर प्रभारित की जाती है और उसी राशि की संड्री रिसीट्स में संबंधित एंट्री के साथ न्यूनतम राशि रु. १ पर फिक्स्ड एसेट्स अनुसूची में अकाउंटेड किया जाता है. मुफ्त में प्राप्त असेट्स (दान के रूप में) न्यूनतम कीमत लिए जाते हैं.

ल) आयकर अधिनियम, १९६१ के अनुसार विधि और दर के अनुसार मूल्यह्रास का शुल्क लिया जाता है. अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास आय और व्यय खाते में लगाया गया है.

व) रुपए दस हजार के नीचे खरीदे गए एसेट को वर्ष के दौरान बाहर निकाल दिया जाता है.

श) प्रतिबंधित रेवेन्यु फंड्स के लिए प्राप्त दान को बैलेंस शीट में 'फंड्स एंड लायबिलिटीज' में डाला जाता है. आय और व्यय खाते में ट्रान्सफर फ्रॉम इयरमार्क्ड फंड्स हेड के अंदर समान राशि के साथ एक्स्पेंसेस ओन द ऑब्जेक्ट्स ऑफ़ द ट्रस्ट हेड के अंदर खर्चों का खुलासा किया जाता है. फिक्स्ड एसेट्स की खरीद के लिए प्राप्त राशि को इयरमार्क्ड फंड्स के अंदर दर्शाया जाता है और व्यय, यदि कोई हो, ऐसे फंड को इयरमार्क्ड फंड में डेबिट किया जाएगा.

अनुसूची के'

अकाउंट्स के लिए नोट्स

र) भारत सरकार से प्राप्त अनुदान ब्लॉक करें और रसीद के समय देयता के रूप में दर्ज किया गया, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन एवं भागीदार संगठनों के बीच हस्ताक्षरित समझौतों के आधार पर भागीदार संगठनों के लिए वितरित की जाती है.

साझेदारी संगठनों को किए गए वितरण/देय भुगतान द्वारा देयता (लायबिलिटी) कम हो जाती है. साझेदारी संगठनों के व्यय पेशेवर अकाउंटेंट द्वारा प्रमाणित होते है. चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन का मैनेजमेंट इन यूटिलाइजेशन प्रमाणपत्रों और अन्य संबंधित दस्तावेजों पर निर्भर करता है, जो अकाउंटिंग का आधार बनते हैं.

ल) चैरिटी कमिश्नर को देय शुल्क ९९,७०,५३८/- रूपए ३१ मार्च २००९ से २०२० तक समाप्त हुए वर्षों के लिए भुगतान नहीं की गयी है, क्योंकि बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत अधिकारी फीस जमा नहीं कर रहे हैं.

ल) १ अगस्त २०१२ से प्रभावी होने के साथ, फाउंडेशन के गवर्निंग बोर्ड ने कर्मचारियों के लाभ के लिए एक कर्मचारी कल्याण कोष (स्टाफ वेलफेयर फंड) की स्थापना की है, जिसमें आय और व्यय खाते से उक्त राशि को स्थानांतरित करके २५ लाख रुपये का प्रारंभिक योगदान दिया है.

आगे बढ़ते हुए, गवर्निंग बोर्ड के निर्णय के अनुसार, वार्षिक अधिशेष का १०% स्टाफ वेलफेयर फंड में स्थानांतरित किया जाएगा, जो अधिकतम १० लाख रुपये के वार्षिक योगदान के अधीन होगा.

व) वर्ष के दौरान, फाउंडेशन ने ईपीएफ़ तथा विविध प्रावधान अधिनियम, १९५२, ०१.०२.२०२० से प्रभावी, का अनुपालन किया है। प्रदान किए गए आंकड़ों के अनुसार, फाउंडेशन ने दिनांक ३१ जनवरी, २०२० तक कर्मचारियों की ओर से (कर्मचारी योगदान) पीएफ़ योगदान २,०९,७१५ रुपए जमा कराए हैं, हालांकि, यह राशि संबंधित कर्मचारियों के वेतन से काटी नहीं गई है। हमें सूचित किया गया है कि फाउंडेशन ने सीटीसी के बजाय घर ले जाएं ढांचे का पालन किया है क्योंकि स्टाफ़ के लिए एक झटके में समस्त कर्मचारी पीएफ़ को वहन करना मुश्किल होगा। अतः प्रबंधन ने इस राशि की वसूली अगले २ वर्षों में करने का निर्णय लिया है।

श) पिछले वर्ष के आंकड़ों को इस वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप करने के लिए जहां भी आवश्यक हो, फिर से एकत्र किया गया है.

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन- स्वैच्छिक अनुपालन: क्रेडिबिलिटी अलायन्स नोर्म्स

१. पहचान:

सिद्धांत

- संगठन मौजूद और पंजीकृत होना चाहिए. ☑

मौजूदगी

- पंजीकरण की तिथि से संगठन न्यूनतम १ वर्ष के लिए अस्तित्व में है. ☑
- संगठन द्वारा दिया गया भौतिक पता सत्यापित है. ☑

कानूनी स्थिति

- संगठन ट्रस्ट / सोसायटी के रूप में पंजीकृत है. ☑
- संगठन के पंजीकरण दस्तावेज अनुरोध पर उपलब्ध हैं. ☑

२. लक्ष्य और प्रभाव

सिद्धांत

- संगठन क्या करने का लक्ष्य बना रहा है, और साथ ही अपने लक्ष्य/प्रायोजन/उद्देश्य/इरादों से संबंधित उपलब्धियों को बताने में सक्षम होना चाहिए है. ☑
- एक साझा किया गया लक्ष्य/उद्देश्य/इरादा पंजीकृत दस्तावेजों से परे व्यक्त किया जाता है. ☑
- प्रभाव/उपलब्धि/परिणाम/प्रदर्शन ☑
- संगठन ने संकेतक को परिभाषित किया है, जो इसके घोषित उद्देश्यों के खिलाफ प्रदर्शन का माप करेगा. ☑

३. गवर्नेंस (अधिकार)

सिद्धांत

- संगठन विशेष रूप से सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है और विशेष रूप से क्योंकि स्वैच्छिक संगठन सार्वजनिक धन पर आकर्षित होते हैं. ☑
- संगठन के पास जो भी नाम है, उसके पास एक गवर्निंग बोर्ड है. ☑

बोर्ड की संरचना:

- बोर्ड के कम से कम २/३ सदस्य रक्त या विवाह से असंबद्ध हो. ☑
- आधे से अधिक बोर्ड के सदस्यों की पारिश्रमिक भूमिका नहीं हो. ☑
- बोर्ड कोरम के साथ वर्ष में कम से कम दो बार मिलता हो. ☑
- बोर्ड के सदस्यों को सभी पारिश्रमिक और प्रतिपूर्ति का खुलासा किया जाना हो. ☑
- बोर्ड की बैठक के मिनट्स प्रलेखित और प्रसारित किए जाते हो. ☑
- बोर्ड में रोटेशन पॉलिसी मौजूद हो और उसका अभ्यास किया जाता हो. ☑
- बोर्ड कार्यक्रम, बजट, वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट और ऑडिटेड फाइनेंसियल स्टेटमेंट्स को मंजूरी देता हो. ☑
- बोर्ड कानूनों और नियमों के साथ संगठन के अनुपालन को सुनिश्चित करता हो. ☑

४. संचालन

सिद्धांत

- संगठन को अपने कार्यक्रम और संचालन कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से जनहित में करने चाहिए. ☑

प्रोग्राम (कार्यक्रम)

- संगठन की गतिविधियाँ उसके लक्ष्य/उद्देश्य/इरादें के अनुरूप हो. ☑

मैनेजमेंट (प्रबंधन)

- उपयुक्त प्रणाली के लिए जगह में हो ☑
  - आवधिक कार्यक्रम योजना / निगरानी / समीक्षा
  - आंतरिक नियंत्रण
  - परामर्शी निर्णय – बनाना

मानव संसाधन

- कर्मियों (स्वयंसेवकों सहित) के लिए स्पष्ट भूमिकाएं और जिम्मेदारियां मौजूद हो. ☑
- सभी कर्मियों को अनुबंध / नियुक्ति का पत्र जारी किया जाता हो. ☑
- उपयुक्त कार्मिक नीति लागू हो. ☑

५. स्वीकार्यता और पारदर्शिता

सिद्धांत

- संगठन आंतरिक और बाहरी हितधारकों के प्रति जवाबदेह और पारदर्शी हो. ☑

जवाबदेही

- हस्ताक्षरित ऑडिट विवरण उपलब्ध हैं: बैलेंस शीट, आय और व्यय विवरण, रसीदें और भुगतान खाता, इन पर अनुसूची, खाते पर नोट और सांविधिक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट. ☑

पारदर्शिता

- संगठन के वार्षिक रिपोर्ट को प्रमुख हितधारकों को प्रसारित / संप्रेषित किया जाता है और संगठन के वित्तीय वर्ष की समाप्ति के ८ महीने के भीतर हर साल अनुरोध पर उपलब्ध होता है. ☑
- संगठन को अपनी वार्षिक रिपोर्ट, अपने प्रमुख के वेतन और लाभों, ३ उच्चतम भुगतान वाले कर्मचारियों के सदस्यों और सबसे कम भुगतान वाले कर्मचारियों के सदस्यों के बारे में बताना होगा. ☑
- वार्षिक रिपोर्ट में वेतन स्तर के अनुसार कर्मचारियों के वितरण का खुलासा किया जाना चाहिए. ☑

क्रेडिबिलिटी अलायन्स नोर्म्स के अनुसार खुलासा

संगठन का मूल और संक्षिप्त इतिहास

चाइल्डलाइन

१०९८ बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए पहली और एकमात्र आपातकालीन टेलीफोन हेल्पलाइन सेवा है. १९९६ में अपनी स्थापना के बाद से, चाइल्डलाइन (मार्च २०१७ तक) देश भर के ४१२ शहरों में बच्चों की जरूरतों की एक विस्तृत श्रृंखला का जवाब देता है, जिसमें चिकित्सा सहायता, आश्रय, बचाव, प्रत्यावर्तन / बहाली, प्रायोजन, भावनात्मक समर्थन और मार्गदर्शन से संबंधित मामले शामिल हैं. चाइल्डलाइन, सरकारी विभागों, दूरसंचार विभाग, शैक्षणिक संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों, कॉर्पोरेट क्षेत्र, संबंधित व्यक्तियों और निश्चित रूप से बच्चों के बीच नेटवर्किंग साझेदारी का एक अनूठा मॉडल है. चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन, चाइल्डलाइन सेवाओं को शुरू करने, कार्यान्वित करने और निगरानी करने और बाल संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रलेखन, जागरूकता और वकालत करने के लिए जिम्मेदार केंद्रीय एजेंसी है. चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन भी कॉल के विश्लेषण से उभरने वाले रुझानों के आधार पर विशिष्ट नवीन आवश्यकता आधारित सेवाओं की शुरूआत करता है.

पंजीकृत पता

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

बी–११०१, ११वीं मंजिल, रतन सेंट्रल, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर रोड, परेल (पूर्व), मुंबई– ४०००१२, महाराष्ट्र

वेबसाईट: **www.childlineindia.org**

सोसायटी पंजीकरण अधिनियम १८६० के तहत पंजीकृत – नंबर ७१७, १९९९ (२८/५/१९९९ का बीबीएस)

बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट १९५० के तहत पंजीकृत – १०/१/२००० का नंबर एफ – २१७४३ (बीओएम)

आयकर अधिनियम की धारा १२ ए के तहत पंजीकृत, डीआईटी (ई) / एमसी / १२–ए / ३४३२६ / ९९–२०००

मुख्य बैंकरों का नाम और पता:

भारतीय स्टेट बैंक, डी.एन. रोड ब्रांच, फोर्ट, मुंबई– ४०० ००१

आईसीआईसीआई, तल मंजिल, मातृ मंदिर, तारदेव रोड, भाटिया अस्पताल के सामने, मुंबई– ४००००७

नाम और पता लेखा परीक्षक

चंदभोय और जसोभोय

चार्टर्ड अकाउंटेंट, २०८, फीनिक्स हाउस, 'ए' विंग, ६२, सेनापती बापट मार्ग,

लोअर परेल, मुंबई ४०० ०१३।

बोर्ड के सदस्य/ ट्रस्टियों/हितधारकों के लिए अदायगी

न.	नाम	पद	वेतन (प्रति वर्ष)	अदायगी
१	श्री राकेश श्रीवास्तव	अध्यक्ष (प्रबंधक)		
२	श्री अली रज़ा रिजवी	सदस्य		
३	श्रीमती आस्था सक्सेना खटवानी	सदस्य (प्रबंधक)		
४	प्रो. शालिनी भारत	सदस्य (प्रबंधक)		२१८००/-
५	श्री सुब्रह्मण्यम रामदोराई	सदस्य		
६	कुमारी मैरी वीनस	सदस्य		
७	कुमारी निघत शाफी पंडित	सदस्य		२००/-
८	प्रो. संदीप जोशी	सदस्य		
९	कुमारी विद्या रेड्डी	सदस्य		४०८७७/-
१०	श्री विनायक लोहानी	सदस्य		१५२४५/-
११	डॉ मैरी वीनस जोसफ	सदस्य		११६३८/-
१२	श्री सुबोनेंबा लॉन्गकुमेर	सदस्य		२१७१३/-
१३	कुमारी विनीता वेद सिंघल	सदस्य		
१४	श्री रजत गुप्ता	सदस्य		
१५	डॉ अंजैया पांडीरी	कार्यकारी निदेशक, सीआईएफ और सदस्य सचिव		६६९१३१/-
	कुल			७८०६०४/-

बोर्ड के सदस्य/ ट्रस्टियों/हितधारकों के लिए अदायगी

कर्मचारियों के लाभ सहित सकल वेतन	महिला	पुरुष	कुल
१००००-२५०००	२८	३३	६१
२५००१-५००००	२८	५३	८१
५०००१-१०००००	८	१२	२०
१००००० से ऊपर	४	२	६
१०००० से कम		१	१

*कॉन्ट्रैक्ट पर कर्मचारियों को छोड़कर.

संगठन के प्रमुख, कार्यकारी निदेशक
(मानदेय सहित): रु. १९६१७५/- प्रति माह

उच्चतम वेतन पूर्णकालिक नियमित कर्मचारी: रु. १९६१७५- प्रति माह

न्यूनतम वेतन पूर्णकालिक नियमित कर्मचारी: रु. ७९२४/- प्रति माह

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान सभी स्टाफ का कुल राष्ट्रीय विजिट वर्ष के दौरान, ६४८ आधिकारिक दौरे / टूर्स किए गए. इसमें से ५३७ नेटवर्क यात्रा (३२ विशेष दौरे सहित), ७९ वकालत यात्रा और ७० चाइल्डलाइन टीम प्रशिक्षण थी.

राष्ट्रीय यात्रा के लिए कुल व्यय: रु. ११,४५५,०३३/-

वर्ष के दौरान कोई भी कर्मचारी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा नहीं किया है.

नेटवर्क/लिंक

चाइल्डलाइन, ९२५ संगठनों का एक नेटवर्क है जो बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए काम करता है. यह सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, गैर सरकारी संगठन और कॉर्पोरेट क्षेत्र का एक नेटवर्क है.

वित्त वर्ष २०१९–२० के दौरान विभिन्न किस्तों के लिए भागीदारों को ३१/०३/२०२० तक ब्लॉक अनुदान वितरित किया गया

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
१	जिला	पूर्व	झारखंड	बोकारो	आस्था रिहेबिलिशन सेंटर	उप केंद्र				२,५०,६९७	३,०१,५००	५,५२,१९७
२	जिला	पूर्व	मणिपुर	चुराचांदपुर	महिला और बाल उन्नति के लिए कार्रवाई	उप केंद्र				२,८३,५००	३,०१,५००	५,८५,०००
३	जिला	पूर्व	उड़ीसा	संबलपुर	आदर्सा	कोल्लब				६,६२,६६०	६,५५,६५०	१३,१८,३१०
४	रेलवे	पूर्व	झारखंड	टाटानगर रेलवे स्टेशन	आदर्श सेवा संस्थान	कोल्लब				६,०७,०६१	८,३८,०००	१४,४५,०६१
५	जिला	पूर्व	त्रिपुरा	धर्मानगर (कंचापुर)	आदर्शा संघा	उप केंद्र				३,११,५००	३,०१,५००	६,१३,०००
६	जिला	पूर्व	त्रिपुरा	धर्मानगर (जम्पुई–हिल्स)	आदर्शा संघा	उप केंद्र				३,११,५००	३,०१,५००	६,१३,०००
७	जिला	पूर्व	झारखंड	पूर्वी सिंहभूम	आदर्श सेवा संस्थान	कोल्लब				६,११,३०२	७,१८,०००	१३,२९,३०२
८	जिला	पूर्व	उड़ीसा	बलांगीर	बलांगीर	आधार				४,०८,९१८	७,१८,०००	११,२६,९१८
९	जिला	पूर्व	बिहार	सीतामढ़ी	अदिथि	नोडल				२,१०,०००	२,१०,०००	४,२०,०००
१०	जिला	पूर्व	बिहार	पुरना–बैसी	अखिल भारतीय ग्राम ीण विकास परिषद्	उप केंद्र				२,९१,९३२	३,०१,५००	५,९३,४३२
११	जिला	पूर्व	मणिपुर	थौबल	सभी पिछड़े वर्ग और आर्थिक विकास संगठन (एबीसी–ईडीओ)	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
१२	जिला	पूर्व	अरुणाचल प्रदेश	लोअर दिबंग वैली	अलोम्ब्रो मायू याकु चि अमे अरोग (अम्या एनजीओ)	कोल्लब				३,१३,१९४	७,१८,०००	१०,३१,१९४
१३	जिला	पूर्व	उड़ीसा	बालासोर	ग्रामीण आंदोलन के लिए वैकल्पिक	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
१४	जिला	पूर्व	झारखंड	पाकुर	अमन समाज कल्याण एवं आर्थिक विकास संस्थान	उप केंद्र				२,५२,२६५	३,०१,५००	५,५३,७६५
१५	जिला	पूर्व	असम	बरपेटा	आंचलिक ग्राम उन्नयन परिषद	कोल्लब				७,८८,०००	७,१८,०००	१५,०६,०००
१६	जिला	पूर्व	बिहार	सहरसा	अनुसूचित जानती अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति	कोल्लब				७,१७,३६७	७,१८,०००	१४,३५,३६७
१७	जिला	पूर्व	झारखंड	गुमला	एआरओयूएसई (एनीमेशन रूरल आउटरीच सर्विस)	कोल्लब				५,८२,५६१	७,१८,०००	१३,००,५६१
१८	जिला	पूर्व	अरुणाचल प्रदेश	नामसाई	अरुणाचल पाली, विद्यापीठ सोसाइटी	कोल्लब				–	२,०८,९६८	२,०८,९६८
१९	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	बुर्द्वान	आसनसोल बुर्द्वान सेवा केंद्र	कोल्लब				५,३२,७९८	७,१८,०००	१२,५०,७९८
२०	जिला	पूर्व	उड़ीसा	संबलपुर	आशा	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२१	जिला	पूर्व	ओडिशा	ढेंकनाल	आशा	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२२	जिला	पूर्व	असम	कामरूप रूरल	ग्रामीण विकास के लिए असम केंद्र–रानी ब्लॉक	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
२३	जिला	पूर्व	असम	कामरूप रूरल	ग्रामीण विकास के लिए असम केंद्र-रानी ब्लॉक	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२४	जिला	पूर्व	सिक्किम	गंगटोक (पूर्व सिक्किम)	भारत में सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अस-ेसिएशन (आशी)	कोलब				६,६९,३०३	८,१६,०००	१४,८५,३०३
२५	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कबीरधाम	आस्था समिति	कोलब				६,७३,५६८	७,१८,०००	१३,९१,५६८
२६	जिला	पूर्व	उड़ीसा	बालासोर	अस्वसना	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२७	जिला	पूर्व	झारखंड	गढ़वा	अवार्ड	उप केंद्र				२,९३,२४१	३,०१,५००	५,९४,७४१
२८	रेलवे	पूर्व	बिहार	कटिहार रेलवे स्टेशन	बल महिला कल्याण	कोलब				८,३८,०००	८,३८,०००	१६,७६,०००
२९	जिला	पूर्व	बिहार	कटिहार	बल महिला कल्याण	कोलब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
३०	जिला	पूर्व	बिहार	पटना	बल सखा	कोलब				६,४७,०६९	७,१८,०००	१३,६५,०६९
३१	रेलवे	पूर्व	बिहार	पटना रेलवे स्टेशन	बल सखा	कोलब				५,८१,४६२	८,३८,०००	१४,१९,४६२
३२	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	दार्जीलिंग	बल सुरक्षा अभियान ट्रस्ट	उप केंद्र				१,३४,१३९		१,३४,१३९
३३	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	कलिंपोंग	बल सुरक्षा अभियान ट्रस्ट	कोलब				४,०१,९७८	७,१८,०००	११,१९,९७८
३४	जिला	पूर्व	उड़ीसा	कंधामल	बनबासी सेवा समिति	कोलब				७,०१,६७०	७,१८,०००	१४,१९,६७०
३५	जिला	पूर्व	झारखंड	गिरिडीह	बनवासी विकास आश्रम	उप केंद्र				३,०१,४९४	३,०१,५००	६,०२,९९४
३६	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	जगदलपुर	बस्तर सामाजिक जन विकास समिति	कोलब				७,१६,९९१	७,१८,०००	१४,३४,९९१
३७	जिला	पूर्व	उड़ीसा	कत्तैक	बसुन्धरा	कोलब				७,३९,१६४	७,१८,०००	१४,५७,१६४
३८	जिला	पूर्व	उड़ीसा	भुबनेश्वर	भैरबी क्लब	सहायता				१,९०,५००	१,९०,५००	३,८१,०००
३९	जिला	पूर्व	झारखंड	धनबाद	भारतीय किसान संघ	कोलब				६,२४,४०१	७,१८,०००	१३,४२,४०१
४०	जिला	पूर्व	झारखंड	पाकुर	भारतीय किसान संघ (बीकेएस)	नोडल				८७,६२२	२,१०,०००	२,९७,६२२
४१	जिला	पूर्व	बिहार	मधुबनी	बिहार सेवा समिति	उप केंद्र				२,९३,४१५	३,०१,५००	५,९४,९१५
४२	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	अलिपुर्दुअर	बिमला स्मृति समिति	उप केंद्र				२,२८,४५८	३,०१,५००	५,२९,९५८
४३	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	अलिपुर्दुअर	बिर्पारा कल्याण सोसायटी	उप केंद्र				२,४०,६२६	३,०१,५००	५,४२,१२६
४४	जिला	पूर्व	त्रिपुरा	कैलाशाहर	ब्लाइंड एंड हैंडीकैप्ड एसोसिएशन	नोडल				२,००,६५२	२,१०,०००	४,१०,६५२
४५	जिला	पूर्व	मेघालय	शिलोंग	बोस्को इंटीग्रेटेड डेव-लपमेंट सोसायटी	कोलब				७,७३,९३६	७,१८,०००	१४,९१,९३६
४६	जिला	पूर्व	मेघालय	री-भोई	बोस्को इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट सोसायटी (बीआईडीएस)	कोलब				७,०८,७३६	७,१८,०००	१४,२६,७३६
४७	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कंकर	बुल बुल शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान	उप केंद्र				२,६४,३१८	३,०१,५००	५,६५,८१८
४८	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	बस्ती लोकल कम्युनिकेशन एंड सोशल वेलफेयर	सहायता				१,३४,९१९	१,९०,५००	३,२५,४१९
४९	जिला	पूर्व	नागालैंड	मोकोकचुंग	केयर एंड सपोर्ट सोसायटी	कोलब				७,१७,५३९	७,१८,०००	१४,३५,५३९

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
५०	जिला	पूर्व	ओडिशा	गजपति	सेंटर फॉर चाइल्ड एंड वूमेन डेवलपमेंट (सीसीडबल्यूडी)	उप केंद्र				२,५९,९३८	३,०१,५००	५,६१,४३८
५१	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	एन(२४) परगानास	सेंटर फॉर कम्युनिकेशन एंड डेवलपमेंट	नोडल				९७,९७७	२,१०,०००	३,०७,९७७
५२	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	पुरुलिया	सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड सोसिओ इकनोमिक रीजनरेशन	कोल्लब				६,१७,२०३	७,१८,०००	१३,३५,२०३
५३	जिला	पूर्व	मिज़ोरम	ऐज़वल	सेंटर फॉर पीस एंड डेवलपमेंट (सीपीडी)	कोल्लब				६,१८,०३०	७,१८,०००	१३,३६,०३०
५४	जिला	पूर्व	मिज़ोरम	मामित	सेंटर फॉर पीस एंड डेवलपमेंट (सीपीडी)	कोल्लब				५,४७,४६४	७,१८,०००	१२,६५,४६४
५५	जिला	पूर्व	उड़ीसा	मयुरभंज	सेंटर फॉर रीजनल एजुकेशन फारेस्ट एंड टूरिज्म डेवलपमेंट एजेंसी (सीआर–ईएफटीडीए)	उप केंद्र				२,४५,०३६	३,०१,५००	५,४६,५३६
५६	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	पश्चिम मेदिनीपुर	चक–कुमार एसोसि –एशन फॉर सोशल सर्विस	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
५७	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	मालदा	चंचल जनकल्याण समिति	उप केंद्र				२,६१,७५२	३,०१,५००	५,६३,२५२
५८	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	नदिया	चपरा सोशल एंड इकनोमिक वेलफे –यर एसोसिएशन (एसईडबल्यूए)	नोडल				१,८९,९९३	२,१०,०००	३,९९,९९३
५९	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	एन (२४) परगानास, एससी बोन–गांव (बोनगांव और बगदाह)	चरुइगछि लाइट हाउस सोसायटी	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
६०	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	बलरामपुर	छायादीप समिति	उप केंद्र				२,७६,५२०	३,०१,५००	५,७८,०२०
६१	जिला	पूर्व	झारखंड	छत्र	चेतना भारती	कोल्लब				–	१,७८,०८६	१,७८,०८६
६२	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	रायपुर	चेतना चाइल्ड एंड वूमेन वेलफेयर सोसायटी	सहायता				१,९०,३५३	१,९०,५००	३,८०,८५३
६३	जिला	पूर्व	झारखंड	साहिबगंज	चेतना विकास	उप केंद्र				२,५४,८३२	३,०१,५००	५,५६,३३२
६४	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	सुरगुजा	छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान (सीजीपीएस)	उप केंद्र				२,९३,७४२	३,०१,५००	५,९५,२४२
६५	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	सूरजपुर	छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान (सीजीपीएस)	कोल्लब				७,५९,८०७	७,१८,०००	१४,७७,८०७
६६	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद	चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट	नोडल				२,७०,०००	२,१०,०००	४,८०,०००
६७	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	उत्तर दिनाजपुर	चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट	कोल्लब				६,४४,२९८	७,१८,०००	१३,६२,२९८
६८	रेलवे	पूर्व	पश्चिम बंगाल	सीलदाह रेलवे स्टेशन	चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट– सीआईएनआई आशा	कोल्लब				७,९४,६९५	८,३८,०००	१६,३२,६९५
६९	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	दार्जीलिंग	चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट– नार्थ बंगाल यूनिट	कोल्लब				५,९७,८५७	७,१८,०००	१३,१५,८५७

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
७०	रेलवे	पूर्व	पश्चिम बंगाल	नया जल्पैगुदी रेलवे स्टेशन	चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट– नार्थ बंगाल यूनिट	कोल्लब				७,३१,१०२	८,३८,०००	१५,६९,१०२
७१	जिला	पूर्व	झारखंड	सिमडेगा	छोटानागपुर कल्याण निकेतन	उप केंद्र				२,८७,७९०	३,०१,५००	५,८९,२९०
७२	जिला	पूर्व	झारखंड	रांची	छोटानागपुर कल्याण निकेतन	सहायता				१,६८,६३९	१,९०,५००	३,५९,१३९
७३	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	सिनी आशा	कोल्लब				८,६७,२१७	८,३८,०००	१७,०५,२१७
७४	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	एस (२४) परगानास	सिनी डीएच यूनिट	कोल्लब				७,०४,५३४	७,१८,०००	१४,२२,५३४
७५	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	सिटी लेवल प्रोग्राम फॉर स्ट्रीट एंड वर्किंग चिल्ड्रन (सीएलपीओए)	नोडल				१,९२,५६१	२,१०,०००	४,०२,५६१
७६	जिला	पूर्व	उड़ीसा	रौर्केला	कम्युनिटी एक्शन फॉर द अपलिफ्टमेंट ऑफ़ सोसिओ इकनोमिकली (सीएयूएसई)	सहायता				१,७७,७१४	१,९०,५००	३,६८,२१४
७७	जिला	पूर्व	नागालैंड	दीमापुर	कम्युनिटी एजुकेशनल सेंटर सोसायटी	नोडल				२,०९,४५०	२,१०,०००	४,१९,४५०
७८	जिला	पूर्व	बिहार	किशनगंज ठाकुरगंज और पोठिया	सामाजिक कार्य और निवास के लिए समृद्ध समाज	उप केंद्र				३,११,५००	३,०१,५००	६,१३,०००
७९	जिला	पूर्व	बिहार	पुरबी चंपारण	व्यापक स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास सोसायटी सीएचएआरडीएस)	उप केंद्र				२,३८,९१८	३,०१,५००	५,४०,४१८
८०	जिला	पूर्व	बिहार	किशनगंज	क्रिसेंट एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट	कोल्लब				७,०४,४४६	७,१८,०००	१४,२२,४४६
८१	जिला	पूर्व	ओडिशा	देओगढ़	सीएसडीआर (सतत विकास और अनुसंधान के लिए केंद्र)	उप केंद्र				२,९९,९४०	३,०१,५००	६,०१,४४०
८२	जिला	पूर्व	झारखंड	हज़ारीबाग	दर्पण	नोडल				२,६०,१२९	२,१०,०००	४,७०,१२९
८३	जिला	पूर्व	मणिपुर	इम्फाल	मानवविज्ञान विश्वविद्यालय, मणिपुर विश्वविद्यालय के विभाग	नोडल				२,७०,०००	२,१०,०००	४,८०,०००
८४	जिला	पूर्व	असम	सिलचर	देशबंधू क्लब	कोल्लब				६,०२,४९५	७,१८,०००	१३,२०,४९५
८५	जिला	पूर्व	असम	हैलाकंडी	देशबंधू क्लब	कोल्लब				७,१६,३८७	७,१८,०००	१४,३४,३८७
८६	जिला	पूर्व	ओडिशा	कलहंडी	गरीब और आदिवासी जागृति के लिए विकास एजेंसी–डीएपीटीए	कोल्लब				६,१८,१८०	७,१८,०००	१३,३६,१८०
८७	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	एन (२४) परगानास	धगिया सोशल वेलफेयर सोसायटी	कोल्लब				७,१७,९१६	७,१८,०००	१४,३५,९१६
८८	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	दक्षिण २४ परगानास	दिगम्बरपुर अंगीकार	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
८९	जिला	पूर्व	उड़ीसा	राउरकेला	दिशा	कोल्लब				७,५९,७४८	७,१८,०००	१४,७७,७४८
९०	जिला	पूर्व	ओडिशा	देओगढ़	दिशा	कोल्लब				६,१५,१०९	७,१८,०००	१३,३३,१०९
९१	रेलवे	पूर्व	उड़ीसा	राउरकेला रेलवे स्टेशन	दिशा	कोल्लब				८,२५,८५६	८,३८,०००	१६,६३,८५६

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
९२	जिला	पूर्व	बिहार	बुक्सार	दिशा एक प्रयास	उप केंद्र				२,३३,८५४	३,०१,५००	५,३५,३५४
९३	जिला	पूर्व	बिहार	भोजपुर	दिशा एक प्रयास	कोलब				–	२,२२,६७८	२,२२,६७८
९४	जिला	पूर्व	बिहार	भागलपुर	दिशा ग्रामीण विकास मंच	कोलब				७,१६,०००	७,१८,०००	१४,३४,०००
९५	जिला	पूर्व	बिहार	बांका	दिशा ग्रामीण विकास मंच	उप केंद्र				२,१७,५००	३,०१,५००	५,१९,०००
९६	रेलवे	पूर्व	बिहार	भागलपुर रेलवे स्टेशन	दिशा ग्रामीण विकास मंच	कोलब				८,३८,०००	८,३८,०००	१६,७६,०००
९७	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद	दोम्कल विकास केंद्र	उप केंद्र				१,७५,५५१	३,०१,५००	४,७७,०५१
९८	रेलवे	पूर्व	पश्चिम बंगाल	हावड़ा रेलवे स्टेशन	डॉन बोस्को अशलायम	कोलब				८,०२,७९२	८,३८,०००	१६,४०,७९२
९९	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	हावड़ा	डॉन बोस्को अशलायम	कोलब				८,८०,१३४	८,३८,०००	१७,१८,१३४
१००	जिला	पूर्व	अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	डॉन बोस्को स्कूल	कोलब				७,०८,२५८	७,१८,०००	१४,२६,२५८
१०१	जिला	पूर्व	सिक्किम	साउथ सिक्किम	दृष्टि	कोलब				४,७३,९१२	७,१८,०००	११,९१,९१२
१०२	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	अलिपुर्दुअर	ड्यूआर्स अल्टर–नेटिव मेडिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट (डीएमआरआई)	कोलब				५,२७,४५४	७,१८,०००	१२,४५,४५४
१०३	जिला	पूर्व	बिहार	पटना	पूर्व और पश्चिम शैक्षिक सोसायटी	नोडल				१,०७,५००	२,१०,०००	३,१७,५००
१०४	जिला	पूर्व	बिहार	दरभंगा	पूर्व और पश्चिम शैक्षिक सोसायटी	नोडल				२,०२,०१९	२,१०,०००	४,१२,०१९
१०५	जिला	पूर्व	बिहार	किशनगंज	पूर्व और पश्चिम शैक्षिक सोसायटी	नोडल				२,०२,२४०	२,१०,०००	४,१२,२४०
१०६	जिला	पूर्व	ओडिशा	कोरापुट	एकता	उप केंद्र				२,५६,९५०	३,०१,५००	५,५८,४५०
१०७	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	भिर्भुम	एल्म्हर्स्ट सामुदायिक अध्ययन संस्थान	कोलब				६,३१,५६८	७,१८,०००	१३,४९,५६८
१०८	जिला	पूर्व	मणिपुर	उळरुल	एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा	कोलब				६,९६,६९६	७,१८,०००	१४,१४,६९६
१०९	जिला	पूर्व	बिहार	कैमूर (भभुआ)	गाँधी कुस्त निवारण प्रतिष्ठान	कोलब				५,२९,९२८	७,१८,०००	१२,४७,९२८
११०	जिला	पूर्व	ओडिशा	नयागढ़	गनिया उन्नयन कमिटी	कोलब				५,३५,०००	७,१८,०००	१२,५३,०००
१११	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद रूरल	गोराबाजार साहिद खुदीराम पथगर	उप केंद्र				२,९८,६२०	३,०१,५००	६,००,१२०
११२	जिला	पूर्व	झारखंड	देओगढ़	ग्राम ज्योति	कोलब				५,७०,९००	७,१८,०००	१२,८८,९००
११३	जिला	पूर्व	झारखंड	धनबाद (एससी–निरसा)	ग्राम प्रौद्यिगिक विकास संस्थान	उप केंद्र				२,९५,०४०	३,०१,५००	५,९६,५४०
११४	जिला	पूर्व	झारखंड	धनबाद (एससी–टुंडी)	ग्राम प्रौद्यिगिक विकास संस्थान	उप केंद्र				२,८७,४००	३,०१,५००	५,८८,९००
११५	जिला	पूर्व	झारखंड	साहिबगंज	ग्राम प्रौद्यिगिक विकास संस्थान–ईपीवीएस	कोलब				६,९८,४५०	७,१८,०००	१४,१६,४५०
११६	जिला	पूर्व	असम	नागांव	ग्राम विकास परिषद	कोलब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
११७	जिला	पूर्व	बिहार	मुजफ्फरपुर	ग्रामीण जन कल्याण परिषद	उप केंद्र				२,९०,१५२	३,०१,५००	५,९१,६५२
११८	जिला	पूर्व	बिहार	बुक्सार	ग्रामीण संसाधन विकास परिषद	कोल्लब				६,५७,४७५	७,१८,०००	१३,७५,४७५
११९	जिला	पूर्व	झारखंड	पाकुर (एससी-लिट्टीपारा पश्चिम (उप्परी)	ग्रामीण विकास केंद्र	उप केंद्र				२,५९,२१०	३,०१,५००	५,६०,७१०
१२०	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	दांतेवाडा	ग्रामोदय सेवा संस्थान	कोल्लब				६,१७,१९६	८,६४,७०२	१४,८१,८९८
१२१	जिला	पूर्व	बिहार	दरभंगा-सिंघवारा	ग्रामोदय वीथी	उप केंद्र				२,९७,४०१	३,०१,५००	५,९८,९०१
१२२	जिला	पूर्व	बिहार	दरभंगा-कोटि	ग्रामोदय वीथी	उप केंद्र				३,११,४७०	३,०१,५००	६,१२,९७०
१२३	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	बलोदा बाजार-भाटापारा	गृहिणी	कोल्लब				२,५१,४३०	७,१८,०००	९,६९,४३०
१२४	जिला	पूर्व	बिहार	सुपौल	ज्ञान सेवा भारती संस्थान	कोल्लब				७,१७,७६०	७,१८,०००	१४,३५,७६०
१२५	जिला	पूर्व	बिहार	दरभंगा-बहेरी	ज्ञान सेवा भारती संस्थान	उप केंद्र				३,११,५००	३,०१,५००	६,१३,०००
१२६	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	मालदा	मालदा का हैदरपुर शेल्टर	कोल्लब				५,२०,७९३	६,२९,९५०	११,५०,७४३
१२७	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	कुच बेहर	हल्दीबाड़ी कल्याण संगठन	उप केंद्र				२,७१,१०७	३,०१,५००	५,७२,६०७
१२८	जिला	पूर्व	बिहार	मुजफ्फरपुर	हनुमान प्रसाद ग्रामीण, विकास सेवा समिती	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
१२९	जिला	पूर्व	ओडिशा	मलकनगिरी	हार्मोनी	उप केंद्र				२,७९,३६७	३,०१,५००	५,८०,८६७
१३०	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	जंजगिर-चंपा	हेल्प एंड हेल्प समिति	कोल्लब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
१३१	रेलवे	पूर्व	ओडिशा	भुबनेश्वर रेलवे स्टेशन	हमारा बचपन ट्रस्ट	कोल्लब				५,२२,७१७	८,३८,०००	१३,६०,७१७
१३२	जिला	पूर्व	असम	गुवाहाटी	भारतीय बाल कल्याण परिषद	कोल्लब				७,८७,४८१	७,१८,०००	१५,०५,४८१
१३३	जिला	पूर्व	असम	कामरूप रूरल	भारतीय बाल कल्याण परिषद	कोल्लब				५,२०,४७२	९,१५,४९९	१४,३५,९७१
१३४	रेलवे	पूर्व	असम	गुवाहाटी रेलवे स्टेशन	भारतीय बाल कल्याण परिषद	कोल्लब				६,७३,३४७	९,८६,७८१	१६,६०,१२८
१३५	जिला	पूर्व	ओडिशा	गजपति	भारतीय विकास के लिए भारतीय समाज (आईएसआरडी)	कोल्लब				४,७३,०५०	७,१८,०००	११,९१,०५०
१३६	रेलवे	पूर्व	ओडिशा	ब्रह्मपुर रेलवे स्टेशन	ग्रामीण विकास के लिए भारतीय समाज, ओडिशा	कोल्लब				७,०७,९४३	८,३८,०००	१५,४५,९४३
१३७	जिला	पूर्व	बिहार	पुरबी चंपारण	विकास शिक्षा और कार्रवाई के लिए संस्थान (आईडीईए)	उप केंद्र				२,३०,२५९	३,०१,५००	५,३१,७५९
१३८	जिला	पूर्व	मणिपुर	थौबल	एकीकृत ग्रामीण विकास सेवा संगठन (आईआरडीएसओ)	कोल्लब				६,७९,७९२	७,१८,०००	१३,९७,७९२

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
१३९	जिला	पूर्व	मणिपुर	इम्फाल वेस्ट	एकीकृत महिला और बाल विकास केंद्र	कोलब				७,०९,६००	७,१८,०००	१४,२७,६००
१४०	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	आईपीईआर	सहायता				१,९५,४२४	१,९०,५००	३,८५,९२४
१४१	जिला	पूर्व	उड़ीसा	बेरहामपुर	आईएसआरडी	कोलब				६,२२,७२३	७,१८,०००	१३,४०,७२३
१४२	जिला	पूर्व	झारखंड	गिरिडीह	जागो फाउंडेशन	कोलब				५,५३,१०६	७,१८,०००	१२,७१,१०६
१४३	जिला	पूर्व	मेघालय	जोवाई	जयंतिया हिल्स डेव–लपमेंट सोसायटी	कोलब				६,३४,२८८	७,१८,०००	१३,५२,२८८
१४४	जिला	पूर्व	मेघालय	पूर्व जयंतिया हिल्स	जयंतिया हिल्स डेव–लपमेंट सोसायटी	कोलब				७,०६,२९९	७,१८,०००	१४,२४,२९९
१४५	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	जल्पैगुरी	जलपाईगुड़ी कल्याण संगठन	कोलब				७,७०,८३२	७,१८,०००	१४,८८,८३२
१४६	जिला	पूर्व	झारखंड	साहिबगंज	जन लोक कल्याण परिषद	उप केंद्र				१,९८,२४४	३,०१,५००	४,९९,७४४
१४७	जिला	पूर्व	झारखंड	पाकुर	जन लोक कल्याण परिषद	कोलब				५,९२,७८८	७,१८,०००	१३,१०,७८८
१४८	जिला	पूर्व	बिहार	जमुई	जन प्रगति संस्थान	कोलब				५,२०,९४२	७,१८,०००	१२,३८,९४२
१४९	जिला	पूर्व	झारखंड	गढ़वा	जन सहभागी केंद्र	उप केंद्र				७४,८३९	३,०१,५००	३,७६,३३९
१५०	जिला	पूर्व	झारखंड	हज़ारीबाग	जन सेवा परिषद	उप केंद्र				२,५८,०१२	३,०१,५००	५,५९,५१२
१५१	जिला	पूर्व	बिहार	पश्चिम चंपारण	जन विकास	कोलब				७,१२,४९५	७,१८,०००	१४,३०,४९५
१५२	जिला	पूर्व	बिहार	समस्तीपुर	जवाहर ज्योति बाल विकास केंद्र	सहायता				२,७४,०२३	३,०१,५००	५,७५,५२३
१५३	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बर्धमान	जयप्रकाश सामाजिक परिवर्तन संस्थान	कोलब				१,८९,६६७	७,१८,०००	९,०७,६६७
१५४	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	आसनसोल	जयप्रकाश सामाजिक परिवर्तन संस्थान	कोलब				२,३२,६२३		२,३२,६२३
१५५	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	बुर्द्वान (एस–आसनसोल)	जयप्रकाश सामाजिक परिवर्तन संस्थान	उप केंद्र				३,०१,३९३	३,०१,५००	६,०२,८९३
१५६	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	भिर्भुम	जयप्रकाश सामाजिक परिवर्तन संस्थान	उप केंद्र				२,९०,२२९	३,०१,५००	५,९१,७२९
१५७	जिला	पूर्व	झारखंड	पाकुर	झारखंड विकास परिषद्	उप केंद्र				२,२७,५४५	३,०१,५००	५,२९,०४५
१५८	जिला	पूर्व	असम	कारबी अन्लोंग	जिर्सोंग असोंग	कोलब				४,८८,२२८	७,१८,०००	१२,०६,२२८
१५९	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	नार्थ २४, परगानास्म एस–धमखाली (संदेशकाली ख और खख)	जॉयगोपालपुर युवा विकास केंद्र	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
१६०	जिला	पूर्व	उड़ीसा	बलांगीर	कल्याण	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
१६१	जिला	पूर्व	बिहार	धरभंगा	कंचन सेवा आश्रम	कोलब				७,७९,४७४	७,१८,०००	१४,९७,४७४
१६२	रेलवे	पूर्व	बिहार	छपरा जंक्शन	कंचन सेवा आश्रम	कोलब				८,३६,८३७	८,३८,०००	१६,७४,८३७
१६३	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	दार्जीलिंग	कंचनजंघा उधार केंद्र कल्याण सोसायटी	उप केंद्र				२,२२,४१४	३,०१,५००	५,२३,९१४

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
१६४	जिला	पूर्व	सिक्किम	दक्षिण सिक्किम	कपिन्ज़ल सोशल फाउंडेशन	उप केंद्र				३,०७,४९७	३,०१,५००	६,०८,९९७
१६५	जिला	पूर्व	सिक्किम	पश्चिम सिक्किम	कपिन्ज़ल सोशल फाउंडेशन	कोल्लब				७,०६,८४७	७,१८,०००	१४,२४,८४७
१६६	जिला	पूर्व	बिहार	सीतामढ़ी	कर्पूरी ठाकुर ग्रामीण विकास संस्थान	कोल्लब				७,८८,०००	७,१८,०००	१५,०६,०००
१६७	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	एन (२४) परगानास, एससी-बरुंहत (हिंगलगंज और हसनाबाद)	कटखली सशक्तिकरण और युवा संघ (केईवायए)	सहायता				३,११,५००	३,०१,५००	६,१३,०००
१६८	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	एन (२४) परगना, एससी-हरो (हरो, दीगंगा और मिनखान)	खालिसैदी अनुभव वेलफेयर एसोसिएशन	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
१६९	जिला	पूर्व	बिहार	सहरसा	कोषी सेवा सदन	उप केंद्र				२,८९,५००	३,०१,५००	५,९१,०००
१७०	जिला	पूर्व	बिहार	वैशाली	लक्ष्य	उप केंद्र				५०,२५०		५०,२५०
१७१	जिला	पूर्व	झारखंड	लोहारदागा	लोहारदागा ग्राम स्वराज्य संस्थान	कोल्लब				४,५५,१६९	७,१८,०००	११,७३,१६९
१७२	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	गरियाबाद	लोक आस्था सेवा केंद्र	कोल्लब				७,०६,९५१	७,१८,०००	१४,२४,९५१
१७३	जिला	पूर्व	झारखंड	पाकुर (एससी-महेशपुर पश्चिम)	लोक आस्था सेवा केंद्र	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
१७४	जिला	पूर्व	झारखंड	छत्र	लोक प्रेरणा केंद्र	उप केंद्र				–	५५,३८७	५५,३८७
१७५	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	रायगढ़	लोकशक्ति समिति	कोल्लब				६,८०,७१५	७,१८,०००	१३,९८,७१५
१७६	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	दुर्ग	लोकशक्ति समाजसेवी संस्थान	कोल्लब				७,१६,३७९	७,१८,०००	१४,३४,३७९
१७७	जिला	पूर्व	बिहार	मुजफ्फरपुर	महिला विकास केंद्र	उप केंद्र				२,३६,४२५	३,०१,५००	५,३७,९२५
१७८	जिला	पूर्व	झारखंड	पलामू	महिला समग्र उत्थान समिति	उप केंद्र				१,९७,५६५	३,०१,५००	४,९९,०६५
१७९	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	बलरामपुर	मानव संसाधन संस्कृति विअक्स परिषद	कोल्लब				६,५७,८७७	५,९५,९२६	१२,५३,८०३
१८०	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	सुरगुजा	मानव संसाधन संस्कृति विअक्स परिषद	कोल्लब				५,३५,८०३	८,४०,०७४	१३,७५,८७७
१८१	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	पुरिलिया	मणिपुर कुष्ठ पुनर्वास केंद्र	उप केंद्र				२,५२,४९९	३,०१,५००	५,५३,९९९
१८२	जिला	पूर्व	मणिपुर	इम्फाल	मणिपुर महिला कल्याण समिति	कोल्लब				५,८९,५९३	७,१८,०००	१३,०७,५९३
१८३	जिला	पूर्व	मणिपुर	सेनापति	मणिपुर उत्तर आर्थिक विकास संघ (मानेदा)	कोल्लब				७,००,४३०	७,१८,०००	१४,१८,४३०
१८४	जिला	पूर्व	ओडिशा	क्योंझर	मनोज मंजरी शिशु भवन	कोल्लब				५,८९,०५४	७,१८,०००	१३,०७,०५४
१८५	रेलवे	पूर्व	झारखंड	धनबाद रेलवे स्टेशन	मंथन	कोल्लब				७,२५,६३९	८,३८,०००	१५,६३,६३९
१८६	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद	मफ्रत	उप केंद्र				२,९७,४१२	३,०१,५००	५,९८,९१२

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
१८७	जिला	पूर्व	बिहार	सहरसा	मीमांसा कल्याण समिति	उप केंद्र				२,८१,१००	३,०१,५००	५,८२,६००
१८८	जिला	पूर्व	बिहार	बांका	मुक्ति निकेतन	कोलब				७,१५,३४५	७,१८,०००	१४,३३,३४५
१८९	जिला	पूर्व	नागालैंड	कोहिमा	नागालैंड स्वैच्छिक स्वास्थ्य संघ	कोलब				६,३९,८०५	७,१८,०००	१३,५७,८०५
१९०	जिला	पूर्व	बिहार	वैशाली	नारायणी सेवा संस्थान	कोलब				६,४७,५२६	७,१८,०००	१३,६५,५२६
१९१	रेलवे	पूर्व	बिहार	दरभंगा रेलवे स्टेशन	नारायणी सेवा संस्थान	कोलब				७,५९,८५९	८,३८,०००	१५,९७,८५९
१९२	जिला	पूर्व	बिहार	सरन	नारायणी सेवा संस्थान	कोलब				५,९४,८१२	७,१८,०००	१३,१२,८१२
१९३	जिला	पूर्व	बिहार	पटना	नारी गुंजन	सहायता				१,४३,७७०	१,९०,५००	३,३४,२७०
१९४	जिला	पूर्व	झारखंड	रांची	राष्ट्रीय घरेलू काम गार कल्याण ट्रस्ट	कोलब				५,१५,०७९	७,४६,६९१	१२,६१,७७०
१९५	रेलवे	पूर्व	झारखंड	रांची रेलवे स्टेशन	राष्ट्रीय घरेलू काम गार कल्याण ट्रस्ट	कोलब				५,७३,९१९	८,३८,०००	१४,११,९१९
१९६	जिला	पूर्व	बिहार	भागलपुर	नौगछिया जन विकास लोक कर्यक्रम	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
१९७	जिला	पूर्व	झारखंड	हज़ारीबाग	नव भारती जाग्रति केंद्र	उप केंद्र				२,५३,९५४	३,०१,५००	५,५५,४५४
१९८	जिला	पूर्व	असम	कक्रझार	नेदन फाउंडेशन	कोलब				५,२९,१८०	८,९९,७९०	१४,२८,९७०
१९९	जिला	पूर्व	झारखंड	देवघर	एंटरप्राइज एनहांसमेंट एंड डेवलपमेंट सपोर्ट के लिए नेटवर्क (एनईईडीएस)	उप केंद्र				१,६२,३२४	३,०१,५००	४,६३,८२४
२००	रेलवे	पूर्व	पश्चिम बंगाल	मालदा रेलवे स्टेशन	न्यू अलीपुर प्रजाक डेवलपमेंट सोसायटी	कोलब				६,३९,५०६	८,३८,०००	१४,७७,५०६
२०१	रेलवे	पूर्व	पश्चिम बंगाल	आसनसोल रेलवे कोलाब	न्यू अलीपुर प्रजाक डेवलपमेंट सोसायटी	कोलब				२,०५,०११	८,३८,०००	१०,४३,०११
२०२	जिला	पूर्व	मणिपुर	चंदेल	न्यू इरा एनव–ायर्नमेंटल और डेवलपमेंट सोसाइटी	कोलब				–	१,५८,७८५	१,५८,७८५
२०३	जिला	पूर्व	मणिपुर	बिश्नुपुर	न्यू लाइफ फाउंडेशन	कोलब				७,७३,४९६	७,१८,०००	१४,९१,४९६
२०४	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	महासमुंद	निदान सेवा परिषद	कोलब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
२०५	जिला	पूर्व	बिहार	किशनगंज (एस–कोच–ाधमण और बहादुरगंज)	नीलू जन विकास संस्थान	उप केंद्र				२,२१,०६७	३,०१,५००	५,२२,५६७
२०६	जिला	पूर्व	असम	गुवाहाटी	एनईपीसीसीडी	नोडल				७८,७६७	२,१०,०००	२,८८,७६७
२०७	जिला	पूर्व	बिहार	पूर्बी चंपारण	एनआईआरडीईएसएच	कोलब				५,६१,७८४	७,१८,०००	१२,७९,७८४
२०८	जिला	पूर्व	बिहार	मुजफ्फरपुर	एनआईआरडीईएसएच	कोलब				५,३७,२९७	७,१८,०००	१२,५५,२९७
२०९	रेलवे	पूर्व	बिहार	मुजफ्फरपुर	एनआईआरडीईएसएच	कोलब				३,४९,३३३	८,३८,०००	११,८७,३३३
२१०	जिला	पूर्व	बिहार	ब्रह्मपुर	निर्माता	सहायता				१,९८,०००	१,९०,५००	३,८८,५००
२११	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	जंजगिर–चंपा	निवेदिता फाउंडेशन ट्रस्ट	उप केंद्र				२,८४,०९०	३,०१,५००	५,८५,५९०
२१२	जिला	पूर्व	मेघालय	पश्चिम खासी हिल्स जिला	नोंगस्टोइन सोशल सर्विस सोसायटी	कोलब				६,३४,७९२	७,१८,०००	१३,५२,७९२

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
२१३	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	एन (२४) परगानास, एससी-तरुनिपुर घाट (स्वरूपनगर और गैघता)	नार्थ २४ परगानास सम्म्यो स्रामो गीबी समिति	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२१४	जिला	पूर्व	असम	जोरहट	उत्तर पूर्व प्रभावित क्षेत्र विकास सोसायटी (एनईएडीएस)	उप केंद्र				२,५९,३२७	३,०१,५००	५,६०,८२७
२१५	जिला	पूर्व	असम	डिब्रूगढ़	युवा और आम लोगों के प्रचार के लिए नोर्थ ईस्ट सोसायटी	कोलब				२,२८,५९६	७,१८,०००	९,४६,५९६
२१६	जिला	पूर्व	असम	तिनसुकिया	युवा और आम लोगों के प्रचार के लिए नोर्थ ईस्ट सोसायटी (एनईएसपीवायएम)	कोलब				१,३४,१५०	७,१८,०००	८,५२,१५०
२१७	जिला	पूर्व	मिज़ोरम	लुंग्लेज	ओपन डोर्स	कोलब				४,७२,८७८	७,१८,०००	११,९०,८७८
२१८	जिला	पूर्व	उड़ीसा	कत्तैक	ओपन लर्निंग सिस्टम	नोडल				२,७०,०००	२,१०,०००	४,८०,०००
२१९	जिला	पूर्व	त्रिपुरा	उदयपुर	ग्रामीण जीवन रक्षा के लिए संगठन	कोलब				६,०१,४२६	७,१८,०००	१३,१९,४२६
२२०	जिला	पूर्व	दक्षिण त्रिपुरा	बेलोनिया (दक्षिण त्रिपुरा)	ग्रामीण जीवन रक्षा के लिए संगठन	कोलब				६,४५,४८५	७,१८,०००	१३,६३,४८५
२२१	जिला	पूर्व	उड़ीसा	रायगडा	पल्ली विकास	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२२२	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद	पल्स पल्ली उन्नयन समिति	कोलब				७,०८,०१०	७,१८,०००	१४,२६,०१०
२२३	जिला	पूर्व	बिहार	जमुई	परिवार विक्कास	उप केंद्र				२,४३,३०२	३,०१,५००	५,४४,८०२
२२४	जिला	पूर्व	बिहार	रोहतास	परिवर्तन विकास	उप केंद्र				२,५५,६१६	३,०१,५००	५,५७,११६
२२५	जिला	पूर्व	ओडिशा	मलकनगिरी	परिवर्तन	उप केंद्र				२,५७,१६२	३,०१,५००	५,५८,६६२
२२६	जिला	पूर्व	ओडिशा	मलकानगिरी (पोडिया और कालीमेला)	परिवर्तन	कोलब				४,६३,९६९	८,१८,७१४	१२,८२,६८३
२२७	जिला	पूर्व	बिहार	पुरना-क़स्बा	परिवेश पूर्ण-जागरण संस्थान	उप केंद्र				२,९८,९०१	३,०१,५००	६,००,४०१
२२८	जिला	पूर्व	ओडिशा	बरगढ़	पतंग	कोलब				२,८६,१७२	७,१८,०००	१०,०४,१७२
२२९	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कोरिया	पथ प्रदर्शक	कोलब				६,६७,०५७	७,१८,०००	१३,८५,०५७
२३०	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	सूरजपुर	पथ प्रदर्शक	उप केंद्र				२,७६,७२०	३,०१,५००	५,७८,२२०
२३१	जिला	पूर्व	बिहार	गया	पीपल फर्स्ट एजुकेशनल ट्रस्ट	कोलब				५,०७,१६१	७,१८,०००	१२,२५,१६१
२३२	रेलवे	पूर्व	बिहार	गया रेलवे स्टेशन	पीपल फर्स्ट एजुकेशनल ट्रस्ट	कोलब				७,२५,५२६	८,३८,०००	१५,६३,५२६
२३३	जिला	पूर्व	मणिपुर	बिश्नुपुर	पीपुल्स रिसोर्स डेव-लपमेंट एसोसिएशन (पीआरडीए)	उप केंद्र				३,०३,६७३	३,०१,५००	६,०५,१७३
२३४	जिला	पूर्व	बिहार	धलाई	प्रभा धलाई	कोलब				४,९२,७३७	७,१८,०००	१२,१०,७३७
२३५	रेलवे	पूर्व	पश्चिम बंगाल	खरगपुर (पश्चिम मेदनीपुर)	प्रबुद्धा भारती शिशु तीर्थ	कोलब				७,९०,५३९	८,३८,०००	१६,२८,५३९
२३६	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	पश्चिम मेद-नीपुर	प्रबुद्धा भारती शिशु तीर्थ	कोलब				७,१६,५१६	७,१८,०००	१४,३४,५१६

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
२३७	जिला	पूर्व	बिहार	सीतामढ़ी–सोनबरसा	प्रगति एक प्रयास	उप केंद्र				३,०९,२१६	३,०१,५००	६,१०,७१६
२३८	जिला	पूर्व	बिहार	सीतामढ़ी–रिगा	प्रगति एक प्रयास	उप केंद्र				३,१०,३१६	३,०१,५००	६,११,८१६
२३९	जिला	पूर्व	उड़ीसा	भद्रक	प्रगति जुबक संघ	उप केंद्र				२,०८,६२८	३,०१,५००	५,१०,१२८
२४०	जिला	पूर्व	ओडिशा	किओंझार	प्रकल्प	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२४१	जिला	पूर्व	बिहार	सीतामढ़ी–परिहार	प्रथम मुम्बई शिक्षा पहल	उप केंद्र				२,२८,१८१	३,०१,५००	५,२९,६८१
२४२	जिला	पूर्व	अंदमान और निकोबार	पोर्ट ब्लेयर	प्रयास जेएसी	कोल्लब				३,२८,७२१	७,१८,०००	१०,४६,७२१
२४३	जिला	पूर्व	अंदमान और निकोबार	हट बे	प्रयास जेएसी	सहायता				६४,१००	१,९०,५००	२,५४,६००
२४४	जिला	पूर्व	बिहार	समस्तीपुर	प्रार्थना किशोर सहायता केंद्र	कोल्लब				४,१९,९७५	७,१८,०००	११,३७,९७५
२४५	जिला	पूर्व	बिहार	पुरबी चंपारण	प्रार्थना किशोर सहायता केंद्र	उप केंद्र				२,३३,६२५	३,०१,५००	५,३५,१२५
२४६	जिला	पूर्व	असम	जोरहट	प्रेरोना प्रतिबंधी शिशु बिकास केंद्र	कोल्लब				४,८३,५७१	७,१८,०००	१२,०१,५७१
२४७	जिला	पूर्व	नागालैंड	दीमापुर	प्रोडिगल का घर	कोल्लब				७,११,११४	७,१८,०००	१४,२९,११४
२४८	जिला	पूर्व	ओडिशा	गजपति	ग्रामीण जागरूकता और कार्रवाई के लिए कार्यक्रम (पीआरएवीए)	उप केंद्र				२,९१,८८८	३,०१,५००	५,९३,३८८
२४९	जिला	पूर्व	त्रिपुरा	कैलाशहर	पुष्पराज क्लब	कोल्लब				५,९२,९०६	८,३८,०३७	१४,३०,९४३
२५०	जिला	पूर्व	उड़ीसा	जगतसिंहपुर	राधाकृष्ण क्लब	कोल्लब				७,११,५०५	७,१८,०००	१४,२९,५०५
२५१	जिला	पूर्व	असम	सिलचर	राजीव ओपन इंस्टिट्यूट	नोडल				२,०९,५६९	२,१०,०००	४,१९,५६९
२५२	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	भिर्भुम	रामपुरहाट स्पैस्टिक्स एंड हैंडिकैप्ड सोसायटी	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२५३	जिला	पूर्व	झारखंड	कोडरमा	राष्ट्रिय झारखंड सेवा संस्थान	उप केंद्र				३,०१,४९८	३,०१,५००	६,०२,९९८
२५४	जिला	पूर्व	झारखंड	गोड्डा	रेगुलेटरी एसोसिएशन फॉर सोशल एंड टेरीटोरियल असिस्ट (आरएएसटीए)	उप केंद्र				१,४१,००९	३,०१,५००	४,४२,५०९
२५५	जिला	पूर्व	नागालैंड	पेरेन	रोंग्मेज बैप्टिस्ट एसोसिएशन	कोल्लब				४,५६,९२२	७,१८,०००	११,७४,९२२
२५६	जिला	पूर्व	उड़ीसा	भुबनेश्वर	रुचिका समाज सेवा संगठन	कोल्लब				५,९९,६६६	७,१८,०००	१३,१७,६६६
२५७	रेलवे	पूर्व	ओडिशा	पूरी रेलवे स्टेशन	ग्रामीण और शहरी सामाजिक सांस्कृतिक मदद (आरयूएसएच)	कोल्लब				८,३८,०००	८,३८,०००	१६,७६,०००
२५८	रेलवे	पूर्व	कोलकाता	अलिपुर्दुअर जंक्शन	ग्रामीण सहायता	कोल्लब				६,७०,३८०	८,३८,०००	१५,०८,३८०
२५९	जिला	पूर्व	मणिपुर	चुराचांदपुर	ग्रामीण सहायता सेवा	कोल्लब				५,७५,७८५	७,१८,०००	१२,९३,७८५
२६०	जिला	पूर्व	उड़ीसा	मयुरभंज	ग्रामीण विकास कार्रवाई सेल (आरडीएसी)	कोल्लब				७,१७,२००	७,१८,०००	१४,३५,२००

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
२६१	जिला	पूर्व	उड़ीसा	संबलपुर	लोगों के सशक्तिकरण के लिए ग्रामीण संगठन (आरओपीई)	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२६२	जिला	पूर्व	असम	उदलगुरी	रूरल आर्गेनाइजेशन फॉर सोशल सर्विस (आरओएसएस)	कोह्लब				–	२,४३,३१०	२,४३,३१०
२६३	जिला	पूर्व	उड़ीसा	पूरी	आरयूएसएच	कोह्लब				७,८८,०००	७,१८,०००	१५,०६,०००
२६४	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	नारायणपुर	साथी समाज सेवी संस्था	कोह्लब				–	४,७५,३२३	४,७५,३२३
२६५	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कोंडागांव	साथी समाज सेवी संस्था	कोह्लब				६,६०,६१३	७,१८,०००	१३,७८,६१३
२६६	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	एस (२४) परगनास	सबुज संघ	कोह्लब				७,८१,६४२	७,१८,०००	१४,९९,६४२
२६७	जिला	पूर्व	असम	नागांव	सदु असोम ग्राम्य पुथिभारल संस्था	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२६८	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कंकर	सहभगी समाज सेवा संस्थान	कोह्लब				५,१५,४०१	७,१८,०००	१२,३३,४०१
२६९	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	धमतरी	सहभगी समाज सेवा संस्थान	कोह्लब				५,८३,१००	७,१८,०००	१३,०१,१००
२७०	जिला	पूर्व	झारखंड	खूंटी	सहयोग गाँव	कोह्लब				५,९६,९६२	७,१८,०००	१३,१४,९६२
२७१	जिला	पूर्व	झारखंड	सिमडेगा	सहयोग गाँव	कोह्लब				६,८९,१४२	७,१८,०००	१४,०७,१४२
२७२	जिला	पूर्व	झारखंड	बोकारो	सहयोगिनी	उप केंद्र				२,५०,४४९	३,०१,५००	५,५१,९४९
२७३	जिला	पूर्व	बिहार	मधुबनी	सखी	उप केंद्र				१,६४,१०१	३,०१,५००	४,६५,६०१
२७४	जिला	पूर्व	नागालैंड	किफिरे	सलोम चिल्ड्रन होम	कोह्लब				–	१,३१,७६३	१,३१,७६३
२७५	जिला	पूर्व	झारखंड	हज़ारीबाग	समाधान	उप केंद्र				२,७१,२३२	३,०१,५००	५,७२,७३२
२७६	जिला	पूर्व	बिहार	जमुई	समग्र सेवा	उप केंद्र				३,०८,५८९	३,०१,५००	६,१०,०८९
२७७	जिला	पूर्व	झारखंड	बोकारो	सामाजिक परिवर्तन संस्थान	कोह्लब				५,८०,१९७	७,१८,०००	१२,९८,१९७
२७८	जिला	पूर्व	झारखंड	कोदेरना	समर्पण	कोह्लब				६,६६,२१८	७,१८,०००	१३,८४,२१८
२७९	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	जशपुर	समर्पित	कोह्लब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
२८०	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	बिलासपुर	समर्पित	कोह्लब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
२८१	रेलवे	पूर्व	छत्तीसगढ़	बिलासपुर रेलवे स्टेशन	समर्पित- गरीबी उन्मूलन और सामाजिक अनुसंधान केंद्र	कोह्लब				८,३८,०००	८,३८,०००	१६,७६,०००
२८२	जिला	पूर्व	झारखंड	पलामू	संपूर्ण ग्राम विकास केंद्र	कोह्लब				३,८८,५४३	७,१८,०००	११,०६,५४३
२८३	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	सुरगुजा	संगता सहभागी ग्रामीण विकास संस्थान	उप केंद्र				२,७६,९५०	३,०१,५००	५,७८,४५०
२८४	रेलवे	पूर्व	रायपुर	रायपुर रेलवे स्टेशन	संकल्प संस्कृति समिति	कोह्लब				५,४०,१५६	८,३८,०००	१३,७८,१५६
२८५	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	रायपुर	संकल्प संस्कृति समिति	कोह्लब				६,४७,९९७	७,१८,०००	१३,६५,९९७
२८६	जिला	पूर्व	बिहार	धरभंगा (एस-मनीगछि, तारडीह)	सर्वो प्रयास संस्थान	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२८७	जिला	पूर्व	बिहार	मधुबनी	सर्वो प्रयास संस्थान	कोह्लब				५,३९,७००	८,७२,६००	१४,१२,३००
२८८	जिला	पूर्व	बिहार	पश्चिम चंपारण	सर्वोदय पुस्तकालय विकास शिक्षण संस्था	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
२८९	जिला	पूर्व	झारखंड	गढ़वा	सर्वांगीन ग्रामीण विकास समिति	कोल्लब				६,८४,९१७	७,१८,०००	१४,०२,९१७
२९०	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	हूगली	सत्य भारती	कोल्लब				६,९२,३९८	७,१८,०००	१४,१०,३९८
२९१	जिला	पूर्व	झारखंड	गिरिधि	सवेरा फाउंडेशन	उप केंद्र				१,८०,५६५	३,०१,५००	४,८२,०६५
२९२	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	नार्थ २४, परगानास्म एस–अशोकनगर	स्थेस्टानगर स्वानिवार महिला समिति	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
२९३	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	एस (२४) परगानास	स्कूल ऑफ वूमेन स्टडीज	नोडल				२,७०,०००	२,१०,०००	४,८०,०००
२९४	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कोरिया	सेवा भास्कर समाज कल्याण संस्थान	उप केंद्र				२,७४,३५०	३,०१,५००	५,७५,८५०
२९५	जिला	पूर्व	उड़ीसा	रायगढ़	शक्ति सामाजिक सांस्कृतिक और खेल संगठन (एसएस–सीएसओ)	कोल्लब				६,२३,५९९	७,१८,०००	१३,४१,५९९
२९६	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	बंकुरा	शमयिता मैथ	कोल्लब				७,४३,६३०	७,१८,०००	१४,६१,६३०
२९७	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	दांतेवाडा	शमयिता मैथ	उप केंद्र				२,२९,०६५	३,०१,५००	५,३०,५६५
२९८	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	बिलासपुर	शिखर युवा मंच	सहायता				१,९०,३२७	१,९०,५००	३,८०,८२७
२९९	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कोरबा (पोड़ी उप्रौदा)	शिखर युवा मंच	उप केंद्र				३,११,४६०	३,०१,५००	६,१२,९६०
३००	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कोरबा (पाली)	शिखर युवा मंच	उप केंद्र				३,११,४३६	३,०१,५००	६,१२,९३६
३०१	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	बेनेतारा	स्नेह सर्वोदय सेवा संस्था	कोल्लब				–	३,२८,६३४	३,२८,६३४
३०२	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कोरबा	शहरी ग्रामीण और जनजा–तीय के सामाजिक पुनरुद्धार समूह (एसआरओयूटी)	कोल्लब				–	१,८९,६६७	१,८९,६६७
३०३	जिला	पूर्व	मणिपुर	चुराचांदपुर	ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए सामाजिक मानव क्रिया	उप केंद्र				३,००,१६९	३,०१,५००	६,०१,६६९
३०४	जिला	पूर्व	ओडिशा	ढेंकनाल	स्वैच्छिक कार्रवाई के लिए सामाजिक संगठन	कोल्लब				६,०८,१३७	७,१८,०००	१३,२६,१३७
३०५	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	कोरबा	शहरी ग्रामीण और जनजातीय के सामाजिक पुनरुद्धार समूह (एसआरओयूटी)	कोल्लब				७,३३,५२९	७,१८,०००	१४,५१,५२९
३०६	जिला	पूर्व	झारखंड	गोड्डा	सोसाइटी फॉर एड–वांसमेंट इन ट्राइबल हेल्थ एजुकेशन एंड एनवायरनमेंट (साथी)	कोल्लब				३,८६,५३८	७,१८,०००	११,०४,५३८
३०७	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	दक्षिण दिनाजपुर	भागीदारी कार्रवाई और प्रतिबिंब के लिए सोसायटी	कोल्लब				५,३५,१६९	७,१८,०००	१२,५३,१६९
३०८	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	कुच बेहर	भागीदारी कार्रवाई और प्रतिबिंब के लिए सोसायटी (एसपी–एआर)	कोल्लब				५,२४,१०७	७,१८,०००	१२,४२,१०७

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
३०९	जिला	पूर्व	झारखंड	चैबासा	आदिवासियों के सुधार और उन्नति के लिए समाज	कोल्लब				३,३७,५६०	७,१८,०००	१०,५५,५६०
३१०	जिला	पूर्व	उड़ीसा	भद्रक	कमजोर समुदाय के लिए सोसायटी	कोल्लब				५,५५,०७९	८,८०,९२१	१४,३६,०००
३११	रेलवे	पूर्व	ओडिशा	झारसुगुड़ा रेलवे स्टेशन	सामाजिक आर्थिक स्वास्थ्य और कृषि विकास संघ (एस-ईएचएडीए)	कोल्लब				४,५७,४६२	८,३८,०००	१२,९५,४६२
३१२	जिला	पूर्व	ओडिशा	झारसुगुड़ा	सामाजिक आर्थिक स्वास्थ्य और कृषि विकास संघ (एस-ईएचएडीए)	कोल्लब				६,२६,४६८	७,१८,०००	१३,४४,४६८
३१३	जिला	पूर्व	उड़ीसा	नबरंगपुर	सामाजिक-आर्थिक विकास कार्यक्रम	कोल्लब				६,२०,४५०	७,१८,०००	१३,३८,४५०
३१४	जिला	पूर्व	ओडिशा	कोरापुट	दक्षिण उड़ीसा स्वैच्छिक कार्रवाई (एसओवीए)	कोल्लब				४,६६,६०६	७,१८,०००	११,८४,६०६
३१५	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	नदिया	श्रीमा महिला समिति	कोल्लब				७,८४,३१२	७,१८,०००	१५,०२,३१२
३१६	जिला	पूर्व	झारखंड	हज़ारीबाग	सृजन फाउंडेशन	कोल्लब				७,२४,८६२	७,१८,०००	१४,४२,८६२
३१७	जिला	पूर्व	झारखंड	गुमला	सृजन फाउंडेशन	उप केंद्र				२,५०,७१०	३,०१,५००	५,५२,२१०
३१८	जिला	पूर्व	छत्तीसगढ़	राजनांदगांव	सृजन सामाजिक संस्थान	कोल्लब				६,९४,३१४	७,२६,०५८	१४,२०,३७२
३१९	जिला	पूर्व	असम	बरपेटा	छात्र कल्याण मिशन	उप केंद्र				३,११,५००	३,०१,५००	६,१३,०००
३२०	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	साउथ २४ परगानास	सुंदरबन सामाजिक विकास केंद्र	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
३२१	जिला	पूर्व	बिहार	रोहतास	सुरजे	कोल्लब				६,०६,३९४	७,१८,०००	१३,२४,३९४
३२२	जिला	पूर्व	असम	तिनुसुकिया (संदिया ब्लॉक)	सुर्जुदय	उप केंद्र				३,००,१२४	३,०१,५००	६,०१,६२४
३२३	जिला	पूर्व	असम	तिनुसुकिया (मेर्घेरीटा	सुर्जुदय	उप केंद्र				२,८८,०९४	३,०१,५००	५,८९,५९४
३२४	जिला	पूर्व	बिहार	वैशाली	स्वर्गीय कन्हई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान	नोडल				१,९७,३०२	२,१०,०००	४,०७,३०२
३२५	जिला	पूर्व	बिहार	समस्तीपुर	स्वर्गीय कन्हई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
३२६	रेलवे	पूर्व	बिहार	हजिपुर रेल्वे स्टेशन	स्वर्गीय कन्हई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान	कोल्लब				७,९९,१७०	८,३८,०००	१६,३७,१७०
३२७	जिला	पूर्व	झारखंड	पाकुर (एससी-महेशपुर पूर्व)	ग्रामीण विकास के लिए टैगोर सोसायटी	उप केंद्र				२,९०,६३४	३,०१,५००	५,९२,१३४
३२८	जिला	पूर्व	बिहार	पुरना	तटवासी समाज न्यास	कोल्लब				७,५१,१९८	७,१८,०००	१४,६९,१९८
३२९	जिला	पूर्व	बिहार	पुरना-बरहारा कोठी	तटवासी समाज न्यास	उप केंद्र				३,११,५००	३,०१,५००	६,१३,०००
३३०	जिला	पूर्व	बिहार	नवाडा	तटवासी समाज न्यास	कोल्लब				–	१,७४,२२६	१,७४,२२६
३३१	जिला	पूर्व	झारखंड	पूर्व सिंहभूम	प्रौद्योगिकी संसाधन संचार और सेवा केंद्र (टीआरसीएससी)	उप केंद्र				२,२७,५९०	३,०१,५००	५,२९,०९०
३३२	जिला	पूर्व	झारखंड	सैरैकेला खरसावां	टेक्नोलॉजी रिसोर्स कम्युनिकेशन सर्विस	कोल्लब				४,२९,०००	७,१८,०००	११,४७,०००

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
३३३	जिला	पूर्व	त्रिपुरा	अगरतला	त्रिपुरा आदिवासी महिला समिति	नोडल				२,०८,१६१	२,१०,०००	४,१८,१६१
३३४	जिला	पूर्व	पश्चिम त्रिपुरा	खोवाई	त्रिपुरा आदिवासी महिला समिति	कोल्लब				४,४९,१५२	७,१८,०००	११,६७,१५२
३३५	जिला	पूर्व	त्रिपुरा	अगरतला	बाल कल्याण के लिए त्रिपुरा काउंसिल	सहायता				१,१६,५२५	२,०६,०४१	३,२२,५६६
३३६	जिला	पूर्व	सिक्किम	दक्षिण सिक्किम (मिल्ली)	तुरुक विकास सोसायटी	उप केंद्र				३,११,५००	३,०१,५००	६,१३,०००
३३७	जिला	पूर्व	बिहार	समस्तीपुर	यूनीक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसायटी	उप केंद्र				२,७७,८०५	३,०१,५००	५,७९,३०५
३३८	जिला	पूर्व	बिहार	वैशाली	वैशाली समाज कल्याण संस्थान	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
३३९	जिला	पूर्व	पश्चिम बंगाल	पश्चिम मेदिनीपुर	सामाजिक कार्यों के लिए विद्यासागर स्कूल	नोडल				१,८८,६००	२,१०,०००	३,९८,६००
३४०	जिला	पूर्व	झारखंड	गुमला	विकास भारती बिशुनपुर	उप केंद्र				२,३४,६०२	३,०१,५००	५,३६,१०२
३४१	जिला	पूर्व	बिहार	अररिया	विकास विहार	कोल्लब				५,१२,६७३		५,१२,६७३
३४२	जिला	पूर्व	त्रिपुरा	अगरतला	त्रिपुरा का वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन	कोल्लब				७,८२,०००	७,१८,०००	१५,००,०००
३४३	जिला	पूर्व	त्रिपुरा	सेपहिजला	त्रिपुरा का वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन (वीएचएटी)	कोल्लब				७,१३,२२४	७,१८,०००	१४,३१,२२४
३४४	जिला	पूर्व	बिहार	कटिहार	वेलफेयर इंडिया	उप केंद्र				२,९९,३०६	३,०१,५००	६,००,८०६
३४५	जिला	पूर्व	बिहार	कैमूर (भभुआ)	वूमेन लाइन	उप केंद्र				२,७८,०७२	३,०१,५००	५,७९,५७२
३४६	जिला	पूर्व	ओडिशा	कोंझार बंस्पल	सामाजिक–सांस्कृतिक जागरूकता के लिए महिला संगठन (डबल्यू ओएससीए)	उप केंद्र				३,०१,२६३	३,०१,५००	६,०२,७६३
३४७	जिला	पूर्व	ओडिशा	कोंझार – आनंदपुर	सामाजिक–सांस्कृतिक जागरूकता के लिए महिला संगठन (डबल्यू ओएससीए)	उप केंद्र				३,०१,४९६	३,०१,५००	६,०२,९९६
३४८	जिला	पूर्व	ओडिशा	कोरापुट	ग्रामीण विकास के लिए महिला संगठन (डबल्यूओआरडी)	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
३४९	जिला	पूर्व	झारखंड	रांची	जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस	नोडल				१,९१,६७८	२,७०,०००	४,६१,६७८
३५०	जिला	पूर्व	झारखंड	देओगढ़	यंग एक्शन फॉर मास, इंडिया (वायएएम, इंडिया)	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
३५१	जिला	पूर्व	सिक्किम	गंगटोक (पूर्व सिक्किम)–रंगोली	सिक्किम की युवा विकास संघ (वायओडीईएसएस)	उप केंद्र				१,९३,४११	३,०१,५००	४,९४,९११
३५२	जिला	पूर्व	सिक्किम	गंगटोक (पूर्व सिक्किम)–रोंग्पो	सिक्किम की युवा विकास संघ (वायओडीईएसएस)	उप केंद्र				२,१३,०४१	३,०१,५००	५,१४,५४१
३५३	जिला	पूर्व	उड़ीसा	बलांगीर	युवा सेवा केंद्र	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
३५४	जिला	उत्तर	हरियाणा	पलवल	अभिव्यक्ति फाउंडेशन	कोल्लब				६,८५,०४७	७,५४,८७१	१४,३९,९१८
३५५	जिला	उत्तर	हरियाणा	सोनीपत	आदर्श पैरामेडिकल वेलफेयर एसोसिएशन	कोल्लब			१,५१,०६५	–		१,५१,०६५

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
३५६	जिला	उत्तर	हरियाणा	भिवानी	आदर्श पैरामेडिकल वेलफेयर एसोसिएशन	कोह्लब				४,८०,८५६	७,१८,०००	११,९८,८५६
३५७	जिला	उत्तर	हरियाणा	सोनीपत	आदर्श पैरामेडिकल वेलफेयर एसोसिएशन	कोह्लब				–	१४,२५,१६०	१४,२५,१६०
३५८	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	हरिद्वार	आदर्श युवा समिति	कोह्लब				५,४९,९४७	८,२३,५५९	१३,७३,५०६
३५९	जिला	उत्तर	राजस्थान	कोटा	अलरिप्पू	कोह्लब				३,३८,७५६	८,१९,७९२	११,५८,५४८
३६०	रेलवे	उत्तर	राजस्थान	कोटा रेलवे स्टेशन	अलरिप्पू	कोह्लब				४,८९,०००	८,३८,०००	१३,२७,०००
३६१	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	रासी	अमन आंदोलन काचरू ट्रस्ट	कोह्लब				३७,०४०	७,१८,०००	७,५५,०४०
३६२	रेलवे	उत्तर	राजस्थान	जयपुर रेलवे स्टेशन	अन्ताक्षरी फाउंडेशन	कोह्लब				४,०६,१४८	८,३८,०००	१२,४४,१४८
३६३	जिला	उत्तर	राजस्थान	बरन	एओईएस संस्थान	कोह्लब				–	३,०९,३३३	३,०९,३३३
३६४	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	पिथोरागढ़	अर्पण– असोसिएशन फॉर रूरल प्लानिंग एंड एक्शन	कोह्लब				४,७०,५९६	७,१८,०००	११,८८,५९६
३६५	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद	आशा दीप फाउंडेशन	कोह्लब				७,७०,८६२	७,१८,०००	१४,८८,८६२
३६६	जिला	उत्तर	दिल्ली	गाज़ियाबाद	आशा दीप फाउंडेशन	उप केंद्र				३,००,७६०	३,०१,५००	६,०२,२६०
३६७	जिला	उत्तर	राजस्थान	सीकर	आशा का झरना	कोह्लब				४,७९,६९६	७,१८,०००	११,९७,६९६
३६८	जिला	उत्तर	पंजाब	रूप नगर (रोपर)	सामाजिक और ग्रामीण उन्नति के लिए संघ	कोह्लब				६,५७,२७३	७,१८,०००	१३,७५,२७३
३६९	जिला	उत्तर	पंजाब	फतेहगढ़ साहिब	एसोसिएशन फॉर सोशल और रूरल डेवलपमेंट (एए–सआरए)	कोह्लब				५,१२,७६७	७,१८,०००	१२,३०,७६७
३७०	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	वाराणसी	सामाजिक रूप से सीमांत एकीकृत चिकित्सीय कार्रवाई के लिए संघ (अस्मिता)	कोह्लब				७,०६,२८२	७,१८,०००	१४,२४,२८२
३७१	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गौतम बुद्ध नगर– दंकुर	अवसर–भारत	उप केंद्र				१,०३,१५५	३,०१,५००	४,०४,६५५
३७२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बाराबंकी	बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान	कोह्लब				७,०१,२५८	७,१८,०००	१४,१९,२५८
३७३	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बाराबंकी	बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान	उप केंद्र			५०,२५०	३,०१,५००	३,०१,५००	६,५३,२५०
३७४	जिला	उत्तर	हरियाणा	रोहतक	भारत ज्ञान विज्ञान	कोह्लब				३,९४,५७०	७,१८,०००	११,१२,५७०
३७५	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	सहारनपुर	भारत सेवा संस्थान	कोह्लब				६,४८,१६८	७,१८,०००	१३,६६,१६८
३७६	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	हरिद्वार रेलवे स्टेशन	भारत सेवा संस्थान	कोह्लब				५,६७,२७०	८,३८,०००	१४,०५,२७०
३७७	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बहरैच	भारती ग्रामोत्थान सेवा विकास संस्थान	उप केंद्र				२,०२,५९१	३,०१,५००	५,०४,०९१
३७८	जिला	उत्तर	राजस्थान	डूंगरपुर	भोरुका चैरिटेबल ट्रस्ट	उप केंद्र				१,८३,४७६	३,३४,१३६	५,१७,६१२
३७९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	ललितपुर	बुंदेलखंड सेवा संस्थान	उप केंद्र				१,६८,१२१	३,११,३३०	४,७९,४५१
३८०	जिला	उत्तर	दिल्ली	हज़रत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन	बटरफ्लाइज	कोह्लब				६,४८,०३१	९,८८,१४३	१६,३६,१७४

क्रम संख्या	साझे–दारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
३८१	जिला	उत्तर	दिल्ली	दक्षिण दिल्ली	बटरफ्लाइज	कोलब				७,२४,९२३	९,९६,२७६	१७,२१,१९९
३८२	जिला	उत्तर	दिल्ली	दक्षिणी पूर्व दिल्ली	बटरफ्लाइज	कोलब				६,४५,०६३	९,५०,८४७	१५,९५,९१०
३८३	जिला	उत्तर	पंजाब	होशियारपुर	कार्मलाईट चैरिटेबल सोसायटी	कोलब				७,१४,६२८	७,१८,०००	१४,३२,६२८
३८४	जिला	उत्तर	राजस्थान	जैसलमेर	सामुदायिक अर्थशास्त्र और विकास सला–हकार समाज के लिए केंद्र (सीईसीओईडी–ईसीओएन)	कोलब				३,६७,८७६	७,१८,०००	१०,८५,८७६
३८५	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	आगरा	चेतना	कोलब				४,५८,९१७	७,१८,०००	११,७६,९१७
३८६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	रामपुर	चेतना सेवा संस्थान	कोलब				–	१,८९,६६७	१,८९,६६७
३८७	जिला	उत्तर	हरियाणा	मेवात	चेतनालय	कोलब				५,१९,६४६	७,१८,०००	१२,३७,६४६
३८८	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	आगरा रेलवे स्टेशन	बचपन संवर्धन और कार्रवाई के माध्यम से (चेतना)	कोलब				२,६२,०३५	८,३८,०००	११,००,०३५
३८९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मथुरा रेलवे	बचपन संवर्धन और कार्रवाई के माध्यम से (चेतना)	कोलब				६,६८,३३३	७,१८,०००	१३,८६,३३३
३९०	जिला	उत्तर	दिल्ली	दिल्ली	चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन	नोडल				१,३०,६०८	२,१०,०००	३,४०,६०८
३९१	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मथुरा रेलवे स्टेशन	चिराग सोसायटी	कोलब				६,३२,५९७	८,३८,०००	१४,७०,५९७
३९२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	फ़िरोज़ाबाद	चिराघ	कोलब				७,१०,९७८	७,१८,०००	१४,२८,९७८
३९३	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बाँदा	चित्रकूट जन कल्याण समिति	कोलब				७,१८,०००		७,१८,०००
३९४	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	लखीमपुर	चित्रन्सू समाज कल्याण परिषद	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
३९५	जिला	उत्तर	राजस्थान	भिलवाड़ा	मानव विकास के लिए कट्स केंद्र	कोलब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
३९६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बरेली	दीप जन कल्याण समिति	कोलब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
३९७	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बरेली रेलवे स्टेशन	दीप जन कल्याण समिति	कोलब				६,९६,४४५	९,७९,५५५	१६,७६,०००
३९८	जिला	उत्तर	दिल्ली	उत्तर पूर्व दिल्ली	दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी	कोलब				७,७७,७९८	८,७५,०६७	१६,५२,८६५
३९९	जिला	उत्तर	दिल्ली	पूर्व दिल्ली	दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी	कोलब				७,४४,७४०	८,३८,०००	१५,८२,७४०
४००	जिला	उत्तर	दिल्ली	शाहदरा दिल्ली	दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी	कोलब				६,९३,८९५	८,९२,७२०	१५,८६,६१५
४०१	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बहरैच	मानव उन्नति के लिए विकास संघ (देहात)	कोलब				५,७४,०९०	७,१८,०००	१२,९२,०९०
४०२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	श्रावस्ती	मानव उन्नति के लिए विकास संघ (देहात)	कोलब				६,६०,१०२	७,१८,०००	१३,७८,१०२
४०३	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गोरखपुर	सोसायटी द्वारा विकास पहल	नोडल				२,६८,०००	२,१०,०००	४,७८,०००
४०४	जिला	उत्तर	राजस्थान	बारमेर	धारा संस्थान	कोलब				३,०३,६८६	६,२६,७६८	९,३०,४५४
४०५	रेलवे	उत्तर	उत्तराखंड	नैनीताल (हल्द्वानी रेलवे स्टेशन)	धरोहर विकास संस्थान	कोलब				७,८९,८६७	८,३८,०००	१६,२७,८६७

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
४०६	जिला	उत्तर	हरियाणा	सिरसा	दिशा	कोलब				४,२५,०१५	७,१८,०००	११,४३,०१५
४०७	जिला	उत्तर	राजस्थान	भरतपुर	दिशा फाउंडेशन	कोलब				६,६५,५८६	७,१८,०००	१३,८३,५८६
४०८	जिला	उत्तर	राजस्थान	अजमेर	दिशा– रोमन कैथोलिक डायोकेसन सोशल सर्विस सोसायटी	नोडल				१,७७,१११	२,१०,०००	३,८७,१११
४०९	जिला	उत्तर	पंजाब	गुरदासपुर	जिला बाल कल्याण परिषद	कोलब				३,९३,२१६	७,१८,०००	११,११,२१६
४१०	जिला	उत्तर	हरियाणा	जिंद	बाल कल्याण के लिए जिला परिषद	कोलब				२,२९,९३०	७,१८,०००	९,४७,९३०
४११	जिला	उत्तर	हरियाणा	कर्नल	बाल कल्याण के लिए जिला परिषद	कोलब				३,०४,२४१	७,१८,०००	१०,२२,२४१
४१२	रेलवे	उत्तर	हरियाणा	अम्बाला रेलवे स्टेशन	बाल कल्याण के लिए जिला परिषद	कोलब				५,३२,१३३	७,८१,७३७	१३,१३,८७०
४१३	जिला	उत्तर	हरियाणा	पानीपत	जिला रेड क्रॉस सोसाइटी	कोलब				१,४९,७७८	७,१७,९९९	८,६७,७७७
४१४	रेलवे	उत्तर	दिल्ली	आनंद विहार रेलवे स्टेशन	डॉन बोस्को अशलायम	कोलब				५,४३,९३१	८,३८,०००	१३,८१,९३१
४१५	जिला	उत्तर	दिल्ली	दक्षिण पश्चिम दिल्ली	डॉन बोस्को अशलायम	कोलब				५,७१,३०१	८,३८,०००	१४,०९,३०१
४१६	जिला	उत्तर	दिल्ली	पश्चिम दिल्ली	डॉन बोस्को अशलायम	कोलब				५,४१,५१५	८,३८,०००	१३,७९,५१५
४१७	जिला	उत्तर	पंजाब	पठानकोट	डॉ. सुदीप मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट	कोलब				३,७९,१२१	७,१८,०००	१०,९७,१२१
४१८	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	चंबा	एजुकेशन सोसायटी	कोलब				६,७२,७७४	७,१८,०००	१३,९०,७७४
४१९	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ एनआर रेलवे स्टेशन	एहसास	कोलब				६,६९,४०६	९,००,१६७	१५,६९,५७३
४२०	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ एनईआर रेलवे स्टेशन	एहसास	कोलब				६,३६,८४७	९,०९,१३७	१५,४५,९८४
४२१	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गौतम बुद्ध नगर– नोएडा	एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा	कोलब				७,१६,२८६	७,१८,०००	१४,३४,२८६
४२२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	वाराणसी	गाँधी अध्ययनपीठ	नोडल				१,२४,९५४	२,१०,०००	३,३४,९५४
४२३	रेलवे	उत्तर	राजस्थान	अजमेर रेलवे स्टेशन	ग़रीब नवाज़ महिला आवम बाल कल्याण समिति	कोलब				७,२२,६१७	८,३८,०००	१५,६०,६१७
४२४	जिला	उत्तर	राजस्थान	अजमेर	ग़रीब नवाज़ महिला आवम बाल कल्याण समिति	उप केंद्र				२,५२,११८	३,०१,५००	५,५३,६१८
४२५	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	रुद्रप्रयाग	गोमती प्रयाग जन कल्याण परिषद	कोलब				४,४६,६१४	७,१८,०००	११,६४,६१४
४२६	जिला	उत्तर	राजस्थान	पाली	ग्राम विकास सेवा संस्थान	कोलब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
४२७	रेलवे	उत्तर	राजस्थान	अजमेर	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संस्था	कोलब				८,३८,०००	८,३८,०००	१६,७६,०००
४२८	जिला	उत्तर	राजस्थान	अजमेर	ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संस्था	उप केंद्र				२,२७,२०८	३,०१,५००	५,२८,७०८
४२९	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	तेहरी गढ़वाल	ग्रामीण क्षेत्रिय विकास समिति	कोलब				–	३,०९,३३३	३,०९,३३३

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
४३०	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	अल्मोरा–चौखुटिया ब्लॉक	ग्रामीण समाज कल्याण समिति (जीआरएएसएस)	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
४३१	जिला	उत्तर	राजस्थान	दौसा	ग्रामीण विकास एवं पर्यावरण संस्थान	कोह्लब				१,८९,६६७	७,१८,०००	९,०७,६६७
४३२	जिला	उत्तर	राजस्थान	बारमेर	ग्रामीण विकास संस्थान	उप केंद्र				२,९४,७१७	३,०१,५००	५,९६,२१७
४३३	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बस्ती	ग्रामीण विकास सेवा समिति	कोह्लब				५,९६,५४९	७,१८,०००	१३,१४,५४९
४३४	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बलरामपुर	ग्रामीण विकास एवं पर्यावरण संस्थान	कोह्लब				७,८८,०००	७,१८,०००	१५,०६,०००
४३५	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	अलाहाबाद	ग्रामोत्थान जन सेवा संस्थान	कोह्लब				६,४७,०९९	८,५८,९०१	१५,०६,०००
४३६	जिला	उत्तर	राजस्थान	बूंदी	ग्रामराज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान (जीवीपीएस)	कोह्लब				५,४८,६६७	७,१८,०००	१२,६६,६६७
४३७	जिला	उत्तर	राजस्थान	नागपुर	ग्रीनवेल चिल्ड्रन सोसायटी	कोह्लब				५,१९,८३७	७,१८,०००	१२,३७,८३७
४३८	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	वाराणसी कांट. रेलवे स्टेशन	गुड़िया	कोह्लब				३,०४,५४०	८,३८,०००	११,४२,५४०
४३९	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	काँगड़ा	सामुदायिक केंद्र के लिए गुंजन संगठन	उप केंद्र				२,२३,२४०	३,०१,५००	५,२४,७४०
४४०	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	बुद्गम	हेल्प फाउंडेशन	कोह्लब				५,८६,८१९	७,१८,०००	१३,०४,८१९
४४१	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर	हेल्प फाउंडेशन	कोह्लब				४,८५,१७३	८,७७,७५७	१३,६२,९३०
४४२	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	उधमपुर	हीमोफिलिया सोसायटी	कोह्लब				२,७१,४४७	७,१८,०००	९,८९,४४७
४४३	रेलवे	उत्तर	जम्मू	जम्मू रेलवे स्टेशन	हीमोफिलिया सोसायटी	कोह्लब				२,४८,६२०	८,३८,०००	१०,८६,६२०
४४४	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	सोलन	हिमाचल प्रदेश वोलंटरी हेल्थ असोसिएशन	कोह्लब				३,२४,६४३	७,१८,०००	१०,४२,६४३
४४५	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	शिमला	हिमाचल प्रदेश वोलंटरी हेल्थ असोसिएशन	कोह्लब				३,२६,२७८	७,१८,०००	१०,४४,२७८
४४६	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	चमोली	हिमाद समिति (वैकल्पिक विकास के लिए हिमालयन सोसायटी)	कोह्लब				५,११,४९५	७,१८,०००	१२,२९,४९५
४४७	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	मनाली	हिमालयन फ्रेंड्स	कोह्लब				५,५०,६०६	७,१८,०००	१२,६८,६०६
४४८	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	पौरी गढ़वाल	हिमालयन इंस्टिट्यूट फॉर रूरल अवेकनिंग (एचआईआरए)	कोह्लब				१,२९,८३३	७,१८,०००	८,४७,८३३
४४९	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	मनाली	एचपी महिला कल्याण मंडल	नोडल				१,२९,४५६	२,१०,०००	३,३९,४५६
४५०	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	उना	मानवाधिकार संरक्षण सेल और वेलफेयर असोसिएशन	कोह्लब				४,६३,०६८	७,१८,०००	११,८१,०६८
४५१	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	मानव एकता आंदोलन	कोह्लब				६,४९,६०३	७,१८,०००	१३,६७,६०३
४५२	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	अनंतनाग	मानवता कल्याण संगठन हेल्पलाइन	कोह्लब				६,८२,५४०	७,१८,०००	१४,००,५४०

क्रम संख्या	साझे-दारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
४५३	जिला	उत्तर	राजस्थान	जयपुर	आई-इंडिया	कोलब				५,००,५४६	७,१८,०००	१२,१८,५४६
४५४	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	जम्मू	इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी	कोलब				३,०५,५०७	७,१८,०००	१०,२३,५०७
४५५	जिला	उत्तर	पंजाब	टर्न तरन	इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी	कोलब				-	२,७२,१९५	२,७२,१९५
४५६	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	डोडा	इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी	कोलब				६,९२,४६६	७,१८,०००	१४,१०,४६६
४५७	जिला	उत्तर	राजस्थान	जयपुर	विकास अध्ययन संस्थान	नोडल				२,२८,३९२	२,१०,०००	४,३८,३९२
४५८	जिला	उत्तर	राजस्थान	जोधपुर	जय भीम विकास शिक्षण संस्थान	कोलब				४,४३,१०४	७,१८,०००	११,६१,१०४
४५९	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	चमोली	जय नंदा देवी स्वरोजगार शिक्षण संस्थान	उप केंद्र				२,०५,९७९	३,०१,५००	५,०७,४७९
४६०	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	जम्मू	जम्मू यूनिवर्सिटी	नोडल				-	२,८४,७८५	२,८४,७८५
४६१	जिला	उत्तर	राजस्थान	सिरोही	जन चेतना संस्थान	कोलब				-	४,९४,६२४	४,९४,६२४
४६२	जिला	उत्तर	पंजाब	फाज़िका	जन ज्योति कल्याण समिति	कोलब				४,५७,६६७	७,८८,९३०	१२,४६,५९७
४६३	जिला	उत्तर	राजस्थान	जयपुर	जन कला साहित्य मंच संस्था	कोलब				७,६६,४७५	७,१८,०००	१४,८४,४७५
४६४	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	कौशाम्बी	जन कल्याण महा समिति	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
४६५	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	फतेहपुर	जन कल्याण महा समिति	कोलब				६,६७,०००	७,१८,०००	१३,८५,०००
४६६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बूदों	जन मित्र न्यास	कोलब				४,४७,२१७	७,१८,०००	११,६५,२१७
४६७	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	संत रविदास नगर (भदोही)	जनक समिति	कोलब				२,६६,८७१	७,१८,०००	९,८४,८७१
४६८	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	चंदौली	जनक समिति	कोलब				६,३३,०७६	७,१८,०००	१३,५१,०७६
४६९	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मीरुत रेलवे स्टेशन	जनहित फाउंडेशन	कोलब				-	६,२८,६६७	६,२८,६६७
४७०	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मीरुत	जनहित फाउंडेशन	कोलब				५,५८,४१६	८,४४,२३०	१४,०२,६४६
४७१	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	रामपुर रेलवे स्टेशन	जनहित सेवा संस्थान	कोलब				-	३,४९,३३३	३,४९,३३३
४७२	जिला	उत्तर	राजस्थान	राजसमंद	जतन संस्थान	कोलब				५,५५,६२६	७,१८,०००	१२,७३,६२६
४७३	रेलवे	उत्तर	राजस्थान	उदयपुर रेलवे स्टेशन	जतन संस्थान	कोलब				-	७,६८,३३३	७,६८,३३३
४७४	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	कठुआ	जय के वूमेन वेल-फेयर सोसायटी	कोलब				५,४८,७३६	७,१८,०००	१२,६६,७३६
४७५	जिला	उत्तर	राजस्थान	चुरु	झुंझुनू जिला पर्या-वरण सुधर समिति	कोलब				५,०६,३५०	७,१८,०००	१२,२४,३५०
४७६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	हरदोई	कल्याणं	उप केंद्र				२,१३,१५७	३,०१,५००	५,१४,६५७
४७७	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	कौशाम्बी	कमला ग्राम विकास संस्थान	उप केंद्र				२,३५,४६०	३,०१,५००	५,३६,९६०
४७८	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	अलाहाबाद रेलवे स्टेशन	कमला ग्राम विकास संस्थान	कोलब				८,३१,०२८	८,३८,०००	१६,६९,०२८
४७९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	हमीरपुर	कृति शोध संस्थान	कोलब				७,१८,०००	७,१७,७००	१४,३५,७००
४८०	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	महूबा	कीर्ति शोध संस्थान	कोलब				४,२९,०००	७,१८,०००	११,४७,०००
४८१	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	उधम सिंह नगर	कामों सेवा समिति	कोलब				६,७५,८११	७,१८,०००	१३,९३,८११

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
४८२	जिला	उत्तर	पंजाब	फिरोज़पुर	लाला फ़तेह चाँद ब्रिज लाल एजुकेशनल सोसायटी	कोह्लब				६,०३,४६४	७,१८,०००	१३,२१,४६४
४८३	रेलवे	उत्तर	पंजाब	फिरोज़पुर रेलवे स्टेशन	लाला फ़तेह चाँद ब्रिज लाल एजुकेशनल सोसायटी	कोह्लब				३,४९,३३३	८,३८,०००	११,८७,३३३
४८४	जिला	उत्तर	राजस्थान	अजमेर	महिला जन अधिकार समिति	उप केंद्र				९९,१९७	३,०१,५००	४,००,६९७
४८५	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	बिलासपुर	मानव सेवा संस्थान	कोह्लब				६,१६,३५६	७,१८,०००	१३,३४,३५६
४८६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मैनपुरी	मनीश सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान	कोह्लब				–	१,७४,२२६	१,७४,२२६
४८७	जिला	उत्तर	राजस्थान	सवाई माधोपुर	मर्सी रिहैबिलिटेशन सोसायटी	कोह्लब				४,२७,२४५	७,१८,०००	११,४५,२४५
४८८	जिला	उत्तर	हरियाणा	हिस्सार	मॉडल ग्रामीण युवा विकास संगठन	कोह्लब				५,२१,६६५	७,१८,०००	१२,३९,६६५
४८९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	फर्रुखाबाद	मदर निर्मला फाउंडेशन	कोह्लब				४,०९,६९९	७,१८,०००	११,२७,६९९
४९०	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	देहरादून	माउंटेन चिल्ड्रन्स फाउंडेशन (एम सीएफ)	कोह्लब				५,१२,२०५	७,१८,०००	१२,३०,२०५
४९१	जिला	उत्तर	राजस्थान	डूंगरपुर	मुस्कान संस्थान	कोह्लब				७,१५,६२०	७,१८,०००	१४,३३,६२०
४९२	जिला	उत्तर	पंजाब	जलंधर	नारी निकेतन ट्रस्ट	कोह्लब				३,३८,६९८	७,१८,०००	१०,५६,६९८
४९३	जिला	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	पूंच	राष्ट्रीय विकास युवा क्लब	कोह्लब				५,२५,९३९	७,१८,०००	१२,४३,९३९
४९४	जिला	उत्तर	पंजाब	फ़रीदकोट	नेचुरल केयर	कोह्लब				६,८४,४१३	७,१८,०००	१४,०२,४१३
४९५	जिला	उत्तर	पंजाब	बठिंडा	नेचुरल केयर	कोह्लब				४,७०,०७४	९,०३,३५०	१३,७३,४२४
४९६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बलिया	नव भारतीय नारी विकास समिति	कोह्लब				७,१२,८२०	७,१८,०००	१४,३०,८२०
४९७	जिला	उत्तर	हरियाणा	फरीदाबाद	नव सृष्टि	कोह्लब				४,६१,५२५	८,६४,४७५	१३,२६,०००
४९८	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बुलंदशहर	नवदीप सामाजिक विकास संस्था	कोह्लब	४,८०,२९८	९३,२००		–		५,७३,४९८
४९९	जिला	उत्तर	पंजाब	अमृतसर	संपूर्ण विकास के लिए नवजीवन चैरिटेबल सोसायटी	कोह्लब				७,१३,९९०	७,१८,०००	१४,३१,९९०
५००	ठरळश्रुरू	उत्तर	पंजाब	अमृतसर रेवले स्टेशन	संपूर्ण विकास के लिए नवजीवन चैरिटेबल सोसायटी	कोह्लब				८,२९,२०६	८,३८,०००	१६,६७,२०६
५०१	जिला	उत्तर	पंजाब	पटियाला	नवजीवन स्कूल ऑफ स्पेशल एजुकेशन	कोह्लब				४,०१,६७९	७,१८,०००	११,१९,६७९
५०२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	एनआईपीसीसीडी	कोह्लब				२,१०,०००	२,१०,०००	४,२०,०००
५०३	जिला	उत्तर	राजस्थान	अलवर	निर्वाण फाउंडेशन	कोह्लब				४,७७,४७१	७,१८,०००	११,९५,४७१
५०४	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	पिलिभिलित	पहल ग्रामीण सेवा समिति	उप केंद्र				२,१५,९८४	३,०१,५००	५,१७,४८४
५०५	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	झाँसी	परमार्थ समाज सेवी संस्थान	कोह्लब				४,४९,७३७	७,१८,०००	११,६७,७३७
५०६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	जालौन	परमार्थ समाज सेवी संस्थान	कोह्लब				–	४,७१,४६२	४,७१,४६२
५०७	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	लखीमपुर	सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए सहभागी गतिविधी (पीएसीई)	कोह्लब				६,६५,४६९	७,१८,०००	१३,८३,४६९

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
५०८	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	सिरमौर	पीपल्स एक्शन फॉर पीपल इन नीड	कोलब				६,५०,६१८	७,१८,०००	१३,६८,६१८
५०९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	झाँसी	प्रगति पथ	उप केंद्र				२,४१,४८१	३,०१,५००	५,४२,९८१
५१०	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	झाँसी रेलवे स्टेशन	प्रगति पथ	कोलब				८,२८,३१३	८,३८,०००	१६,६६,३१३
५११	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	सुल्तानपुर	प्रताप सेवा समिति	कोलब				–	१,८५,८०६	१,८५,८०६
५१२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बहरैच	प्रथम	नोडल				–	१,३०,७७५	१,३०,७७५
५१३	जिला	उत्तर	राजस्थान	चित्तौडगढ़	प्रयास	उप केंद्र				१,७४,८६९	३,०१,५००	४,७६,३६९
५१४	रेलवे	उत्तर	दिल्ली	नई दिल्ली रेलवे स्टेशन	प्रयास	कोलब				७,४२,२०८	९,३३,७९२	१६,७६,०००
५१५	जिला	उत्तर	दिल्ली	उत्तर-पश्चिम जिला	प्रयास जेएसी	कोलब				८,३८,०००	८,३८,०००	१६,७६,०००
५१६	जिला	उत्तर	दिल्ली	उत्तर दिल्ली	प्रयास जेएसी	कोलब				९,०८,०००	८,३८,०००	१७,४६,०००
५१७	रेलवे	उत्तर	राजस्थान	मुगलाई सराई रेलवे स्टेशन	प्रयत्न	कोलब				५,५२,५६१	१०,४५,०९७	१५,९७,६५८
५१८	जिला	उत्तर	राजस्थान	धोलपुर	प्रयत्न संस्था	कोलब				५,२३,९६१	७,१८,०००	१२,४१,९६१
५१९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बिजैनौर	प्रेमधाम चैरिटेबल सोसाइटी	कोलब				४,५६,९२२	७,१८,०००	११,७४,९२२
५२०	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	डोरिया	प्रोग्रेसिव एजेंसी टू ह्यूमैनिटी	कोलब				६,६८,३३३	७,१८,०००	१३,८६,३३३
५२१	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	जोनपुर	प्रोग्रेसिव एजेंसी टू ह्यूमैनिटी (पाथ)	कोलब				३,०९,३३३	७,१८,०००	१०,२७,३३३
५२२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	महाराजगंज	पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति	उप केंद्र				२,८६,४४२	३,०१,५००	५,८७,९४२
५२३	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गोरखपुर	पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति	कोलब				५,९६,७५८	८,३९,११७	१४,३५,८७५
५२४	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गोरखपुर रेलवे स्टेशन	पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति	कोलब				५,७८,८६७	९,९२,७७३	१५,७१,६४०
५२५	जिला	उत्तर	राजस्थान	डूंगरपुर	राजस्थान बाल कल्याण समिति	नोडल				२,१०,०००	२,१०,०००	४,२०,०००
५२६	जिला	उत्तर	राजस्थान	अजमेर	राजस्थान महिला कल्याण समिति	कोलब				६,२१,६७५	७,१८,०००	१३,३९,६७५
५२७	जिला	उत्तर	राजस्थान	कोटा	राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एंड गाइड	नोडल				१,९८,४७८	२,१०,०००	४,०८,४७८
५२८	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	आजमगढ़	रामसंवरी राम सिंहासन शिक्षण प्रचार समिति-आरआरएसपीएस	कोलब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
५२९	जिला	उत्तर	हरियाणा	महेंद्र गढ़	राव लाल सिंह शिक्षा समिति	कोलब				५,८२,६८४	७,१८,०००	१३,००,६८४
५३०	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मुजफ्फरनगर	राष्ट्रीय समुद्देशिया विकास संस्थान	कोलब				४,२९,०००	७,१८,०००	११,४७,०००
५३१	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	चंपावत	ग्रामीण पर्यावरण और शैक्षिक विकास संघ (आरईईडीएस)	कोलब				५,०२,९७३	७,१८,०००	१२,२०,९७३
५३२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	ललितपुर	साईं ज्योति ग्रामोद्योग समाज सेवा समिति	उप केंद्र				१,८६,१७७	३,०१,५००	४,८७,६७७
५३३	जिला	उत्तर	पंजाब	पठानकोट	सेंट फ्रांसिस होम	नोडल				७९,१०३	२,१०,०००	२,८९,१०३
५३४	रेलवे	उत्तर	दिल्ली	पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन	सलाम बालक ट्रस्ट	कोलब				६,५६,६०५	८,३८,०००	१४,९४,६०५

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
५३५	जिला	उत्तर	दिल्ली	केंद्रीय जिला	सलाम बालक ट्रस्ट	कोलब				६,८०,३७३	८,३८,०००	१५,१८,३७३
५३६	जिला	उत्तर	दिल्ली	नई दिल्ली	सलाम बालक ट्रस्ट	कोलब				५,८२,६११	९,२०,८५३	१५,०३,४६४
५३७	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बूदोन	सम्ग्र विकास संस्थान	उप केंद्र				१,३८,९०३	३,०१,५००	४,४०,४०३
५३८	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	पीलीभीत	समाज कल्याण एवं विकास अध्ययन केंद्र	कोलब				४,५२,७००	७,१८,०००	११,७०,७००
५३९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	कासगंज	समाज सुधार समिति	कोलब				६,५३,२५३	७,१८,०००	१३,७१,२५३
५४०	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	कुशीनगर	सामुदायिक कल्याण एवं विकास संस्थान	कोलब				४,५९,८५४	७,१८,०००	११,७७,८५४
५४१	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बुलंदशहर	संजीवनी मानव सेवा संस्था	कोलब				–	५,१३,९२५	५,१३,९२५
५४२	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	अल्मोरा–	संजीवनी विकास एवं जन कल्याण समिति	कोलब				५,४५,१९६	७,१८,०००	१२,६३,१९६
५४३	जिला	उत्तर	राजस्थान	झालावार	संकल्प सेवा समिति	कोलब				५,१८,४४९	७,१८,०००	१२,३६,४४९
५४४	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	हरदोई	सर्वोदय आश्रम	कोलब				५,१७,१२२	७,१८,०००	१२,३५,१२२
५४५	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	चित्रकूट	सर्वोदय सेवा आश्रम	कोलब				६,२१,९१४	८,४२,५३७	१४,६४,४५१
५४६	जिला	उत्तर	राजस्थान	उदयपुर	सेवा मंदिर	कोलब				५,०१,१७८	७,१८,०००	१२,१९,१७८
५४७	जिला	उत्तर	राजस्थान	उदयपुर	सेवा मंदिर	उप केंद्र				१,८१,७४५	३,०१,५००	४,८३,२४५
५४८	जिला	उत्तर	हरियाणा	गुड़गाँव	शक्ति वाहिनी	कोलब				७,८४,९१५	७,१८,०००	१५,०२,९१५
५४९	जिला	उत्तर	राजस्थान	झुंझुनू	शिक्षित रोजगार केंद्र प्रबंधक समिति	कोलब				५,१८,१०५	७,१८,०००	१२,३६,१०५
५५०	जिला	उत्तर	राजस्थान	टोंक	शिव शिक्षा समिति	कोलब				५,१४,३२८	७,१८,०००	१२,३२,३२८
५५१	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद रेलवे स्टेशन	शोभना ग्रामोदय सेवा समिति	कोलब				३,९४,३८७	८,३८,०००	१२,३२,३८७
५५२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	सिद्धार्थ नगर	शोहरतगढ़ एनवा–यरनमेंटल सोसा–यटी (एसइएस)	कोलब				५,१९,७२१	७,१८,०००	१२,३७,७२१
५५३	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	बूदोन	श्रमिक समाज शिक्षण संस्थान	उप केंद्र				२,६५,५३२	३,०१,५००	५,६७,०३२
५५४	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	शामली	श्रमिक सेवा केंद्र	कोलब				६,४५,५६२	७,१८,०००	१३,६३,५६२
५५५	जिला	उत्तर	राजस्थान	चित्तौगढ़	श्री आसरा विकास संस्थान	कोलब				४,०९,३२६	७,१८,०००	११,२७,३२६
५५६	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	उत्तरकाशी	श्री भुबनेश्वर महिला आश्रम	कोलब				४,६०,३५२	७,१८,०००	११,७८,३५२
५५७	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गौतम बुद्ध नगर– ग्रेटर नॉएडा	सामाजिक और विकास अनुसंधान एवं कार्य समूह (सद्रग)	उप केंद्र				२,०९,७५२	३,७२,१९०	५,८१,९४२
५५८	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मोरादाबाद	सर्वांगीण विकास के लिए सोसायटी	कोलब				५,३५,४५३	७,१८,०००	१२,५३,४५३
५५९	जिला	उत्तर	पंजाब	माणसा	सर्वांगीण विकास के लिए सोसायटी–एसएआरडी	कोलब				४,६४,२२९	६,२४,८१७	१०,८९,०४६
५६०	जिला	उत्तर	राजस्थान	करौली	सोसाइटी फॉर एजुकेशन कॉनसाइंटिजेशन अवर्नेस एंड ट्रेनिंग	कोलब				–	१,८९,६६७	१,८९,६६७
५६१	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	अल्मोरा – सल्ट ब्लॉक	हिमालयी क्षेत्र में पीपुल्स एक्शन एंड रूरल डेवलपमेंट के लिए सोसायटी (एस–पीएआरडी– एचए)	उप केंद्र				२,८०,३३८	३,०१,५००	५,८१,८३८

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
५६२	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	ललितपुर	प्रगति भारत के लिए सोसायटी	कोलब				५,१०,२८६	७,१८,०००	१२,२८,२८६
५६३	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	मंडी	ग्रामीण विकास और गतिविधी के सोसायटी	कोलब				६,२१,५२७	७,१८,०००	१३,३९,५२७
५६४	रेलवे	उत्तर	राजस्थान	भरतपुर रेलवे स्टेशन	सोसाइटी फॉर सोशल चेंज एंड डेव-लपमेंट सोसाइटी	कोलब				–	४,०३,३९८	४,०३,३९८
५६५	रेलवे	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	उधमपुर रेलवे स्टेशन	सोशियो-इकनोमिक एजुकेशनल ऐड सोसाइटी	कोलब				४,८९,०००	८,३८,०००	१३,२७,०००
५६६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गोंडा	सॉलिडेरिटी ऑफ़ द नेशन सोसाइटी	उप केंद्र				१,६६,८७१	३,०१,५००	४,६८,३७१
५६७	रेलवे	उत्तर	उत्तराखंड	देहरादून रेलवे स्टेशन	श्री भुनेश्वरी महिला आश्रम	कोलब				४,९८,१६६	८,३८,०००	१३,३६,१६६
५६८	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	उन्नाव	श्रीजन सोसाइटी	कोलब				६,७२,२६५	७,१८,०००	१३,९०,२६५
५६९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	हमीरपुर	श्रीजन सोसाइटी	उप केंद्र				१,९२,३७५	३,०१,५००	४,९३,८७५
५७०	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	महाराजगंज	श्रृष्टि सेवा संस्थान	उप केंद्र				३,००,९८६	३,०१,५००	६,०२,४८६
५७१	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	कानपुर	सुभाष चिल्ड्रन सोसायटी	कोलब				७,८८,०००	७,१८,०००	१५,०६,०००
५७२	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	कानपुर रेलवे स्टेशन	सुभाष चिल्ड्रन सोसायटी	कोलब				७,०५,८५२	९,७०,१४८	१६,७६,०००
५७३	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	पौरी गढ़वाल	सुमती फाउंडेशन	उप केंद्र				–	३,११,५००	३,११,५००
५७४	रेलवे	उत्तर	पंजाब	लुधियाना रेलवे स्टेशन	स्वामी गंगा नन्द भूरी वाला अंतराष्ट्रीय फाउंडेशन	कोलब				४,५०,२८७	८,३८,०००	१२,८८,२८७
५७५	जिला	उत्तर	पंजाब	लुधियाना	स्वामी गंगा नन्द भूरी वाला अंतराष्ट्रीय फाउंडेशन	कोलब				३,८१,५८५	७,१८,०००	१०,९९,५८५
५७६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मिर्जापुर	स्वामी विबेकानंद शिक्षा समिति	कोलब				४,८५,७३१	७,१८,०००	१२,०३,७३१
५७७	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	मिर्जापुर रेलवे स्टेशन	स्वामी विबेकानंद शिक्षा समिति	कोलब				६,२८,६६७	८,३८,०००	१४,६६,६६७
५७८	जिला	उत्तर	राजस्थान	श्रीगंगानगर	तपोवन ट्रस्ट	कोलब				५,१३,३४४	९,०१,१५१	१४,१४,४९५
५७९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	प्रतापगढ़	तरुण चेतना	कोलब				६,९२,२६७	७,१८,०००	१४,१०,२६७
५८०	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	उत्तरकाशी	तरुण पर्यावरण विज्ञान संस्था	उप केंद्र				२,७७,८८८	३,०१,५००	५,७९,३८८
५८१	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गोंडा	थारू जनजाति महिला विकास समिति	कोलब				५,७९,१९३	७,१८,०००	१२,९७,१९३
५८२	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	गोंडा रेलवे स्टेशन	थारू जनजाति महिला विकास समिति	कोलब				–	४,८९,०००	४,८९,०००
५८३	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	अलीगढ़ रेलवे स्टेशन	उड़ान सोसाइटी	कोलब				–	४,८९,०००	४,८९,०००
५८४	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	अलीगढ़ रेलवे स्टेशन	उड़ान सोसायटी	कोलब				६,७०,९७७	७,१८,०००	१३,८८,९७७
५८५	जिला	उत्तर	राजस्थान	उदयपुर	सामाजिक कार्य की उदयपुर स्कूल	नोडल				२,१४,९३६	२,२३,०५५	४,३७,९९१
५८६	जिला	उत्तर	हिमाचल प्रदेश	काँगड़ा	अर्बन ट्राइबल एंड हिल्स एडवांसमेंट सोसायटी (उत्थान)	कोलब				५,७०,६०३	७,१८,०००	१२,८८,६०३
५८७	रेलवे	उत्तर	राजस्थान	बीकानेर रेलवे स्टेशन	उर्मुल हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट	कोलब				७,३४,९६९	८,५८,८०२	१५,९३,७७१

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
५८८	जिला	उत्तर	राजस्थान	बीकानेर	उरमूल ज्योति संस्थान	उप केंद्र				२,४९,४३७	३,०१,५००	५,५०,९३७
५८९	जिला	उत्तर	राजस्थान	बीकानेर	उरमूल सीमांत संस्थान	उप केंद्र				४२,९९४	३,०१,५००	३,४४,४९४
५९०	जिला	उत्तर	राजस्थान	बीकानेर	उरमूल सेतु संस्थान	उप केंद्र				१,६४,२८८	३,०१,५००	४,६५,७८८
५९१	जिला	उत्तर	राजस्थान	बीकानेर	उरमूल ट्रस्ट	कोलब				२,६०,२३०	७,१८,०००	९,७८,२३०
५९२	जिला	उत्तर	हरियाणा	यमुना नगर	उत्थान विकास और अध्ययन संस्थान	कोलब				५,४०,०६०	८,९५,९४०	१४,३६,०००
५९३	जिला	उत्तर	राजस्थान	बंसवाड़ा	वाग्धारा	कोलब				५,८०,२८१	७,१८,०००	१२,९८,२८१
५९४	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	कौशाम्बी	वैष्णो ग्राम विकास सेवा समिति	कोलब				४,०८,०८१	८,२९,५५६	१२,३७,६३७
५९५	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	पिथोरागढ़	वरदान सेवा संस्थान	उप केंद्र				२,२८,४९०	३,४७,२०५	५,७५,६९५
५९६	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	महाराजगंज	विकल्प	कोलब				६,७१,१७८	७,१८,०००	१३,८९,१७८
५९७	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	डोरिया (भटनी रेलवे स्टेशन)	विकल्प	कोलब				७,७७,६४४	८,३८,०००	१६,१५,६४४
५९८	जिला	उत्तर	उत्तराखंड	नैनीताल	विमर्श	कोलब				६,७३,२२२	७,१८,०००	१३,९१,२२२
५९९	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	शाहजहापुर	विनोबा सेवा आश्रम	कोलब				६,८०,३७३	७,१८,०००	१३,९८,३७३
६००	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	पिलिभिलित	विनोबा सेवा आश्रम	उप केंद्र				२,१८,०९१	३,०१,५००	५,१९,५९१
६०१	जिला	उत्तर	उत्तर प्रदेश	कन्नौज	वारसी सेवा सदन	कोलब				७,१३,६६५	७,१८,०००	१४,३१,६६५
६०२	रेलवे	उत्तर	उत्तर प्रदेश	कन्नौज रेलवे स्टेशन	वारसी सेवा सदन	कोलब				३,३१,३१२	८,३८,०००	११,६९,३१२
६०३	जिला	उत्तर	पंजाब	चंडीगढ़	यूथ टेक्निकल ट्रेनिंग सोसायटी	कोलब				५,१६,४९५	७,१८,०००	१२,३४,४९५
६०४	जिला	उत्तर	चंडीगढ़	सहिज़ादा अजित सिंह नगर (मोहाली)	यूथ टेक्निकल ट्रेनिंग सोसायटी	कोलब				४,६०,१२१	७,१८,०००	११,७८,१२१
६०५	रेलवे	उत्तर	चंडीगढ़	चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन	यूथ टेक्निकल ट्रेनिंग सोसायटी	कोलब				५,७२,२८९	८,३८,०००	१४,१०,२८९
६०६	जिला	उत्तर	हरियाणा	अंबाला	जिला युवा विकास संगठन	कोलब				७,०८,८७५	७,१८,०००	१४,२६,८७५
६०७	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	तुमकुर	सामाजिक विकास के लिए अभिवृद्दी सोसायटी	कोलब				४,७५,५३३	७,१८,०००	११,९३,५३३
६०८	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	चित्तोर	गांधीवादी अध्ययन अकादमी	नोडल				१,७४,१०९	२,१०,०००	३,८४,१०९
६०९	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	चिकबल्लापुर	सामाजिक और शिक्षा विकास के लिए गतिविधि	कोलब				२,३७,८४०	७,१८,०००	९,५५,८४०
६१०	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	ठेमी	एएचएम ट्रस्ट	कोलब				४,९५,६९७	७,१८,०००	१२,१३,६९७
६११	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	विशाखा–पटनम	आंध्र यूनिवर्सिटी	नोडल				१,५८,६४७	२,७०,०००	४,२८,६४७
६१२	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	श्रीकाकुलम, पल्कोंडा	एआरटीएस (ग्रामीण प्रौद्योगिकी और सेवाओं में कार्रवाई)	उप केंद्र				२,९३,९९६	३,०१,५००	५,९५,४९६
६१३	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	चेन्नई एग्मोरे रेलवे स्टेशन	अरुणोदय– सेंटर फॉर स्ट्रीट एंड वर्किंग चिल्ड्रन	कोलब				५,२८,३३७	८,३८,०००	१३,६६,३३७
६१४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	चेन्नई	एशियाई युवा केंद्र	सहायता				१,५०,८९२	१,९०,५००	३,४१,३९२
६१५	जिला	दक्षिण	केरल	कन्नूर	विकलांगों के कल्याण के लिए असोसिएशन	सहायता				१,१३,६८२	१,९०,५००	३,०४,१८२
६१६	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	कांचीपुरम	सामुदायिक विकास सेवा संघ	कोलब				५,४२,७७८	७,१८,०००	१२,६०,७७८

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
६१७	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बैंगलोर	सामाजिक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए सहायता	कोल्लब				४,२५,३६३	८,३८,०००	१२,६३,३६३
६१८	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	कृष्णागिरी	ग्रामीण सामुदायिक विकास असोसिएशन (एआरसीओडी)	कोल्लब				५,६१,१७२	७,१८,०००	१२,७९,१७२
६१९	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विल्लुपुरम	ग्रामीण जन के लिए असोसिएशन	उप केंद्र				२,५०,२७०	३,५२,७३०	६,०३,०००
६२०	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विल्लुपुरम	ग्रामीण जन के लिए असोसिएशन	कोल्लब				४,८१,९३५	९,५४,०६५	१४,३६,०००
६२१	रेलवे	दक्षिण	हैदराबाद	कचेगुदा-रेलवे स्टेशन	एसोसिएशन फॉर सोशल रिफोर्मेशन इंटीग्रेशन एंड थॉट ऑफ़ हेल्थ अवेयरनेस (एएसआरआईटीएचए)	कोल्लब				५,८२,९०७	८,३८,०००	१४,२०,९०७
६२२	जिला	दक्षिण	केरल	कालीकट	विकलांगों के कल्याण के लिए असोसिएशन	कोल्लब				७,३२,२३१	७,१८,०००	१४,५०,२३१
६२३	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	करुर	ग्रामीण शिक्षा और विकास सेवा संघ (एआरईडीएस)	कोल्लब				४,७५,४५६	७,१८,०००	११,९३,४५६
६२४	रेलवे	दक्षिण	केरल	थ्रिस्सुर रेलवे स्टेशन	आत्मा फाउंडेशन	कोल्लब				५,१०,५३८	८,३८,०००	१३,४८,५३८
६२५	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	नागापट्टिनम	अववई विलेज वेलफेयर सोसायटी	कोल्लब				७,१२,५९९	७,८८,०००	१५,००,५९९
६२६	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	टुमकुर	बदुकू	सहायता				१,८३,२६८	१,९०,५००	३,७३,७६८
६२७	रेलवे	दक्षिण	कर्नाटक	बैंगलोर सिटी रेलवे स्टेशन	बंगलौर ओनियावरा सेवा कोट (बोस्को)	कोल्लब				७,७४,८०३	८,३८,०००	१६,१२,८०३
६२८	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	श्रीकाकुलम	बापूजी ग्रामीण ज्ञानोदय और विकास सोसायटी (बीआरईडीएस)	नोडल				२,०३,३६०	२,१०,०००	४,१३,३६०
६२९	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	श्रीकाकुलम (एससी-पतापटनम)	बापूजी ग्रामीण ज्ञानोदय और विकास सोसायटी (बीआरईडीएस)	उप केंद्र				२,६८,२२९	३,०१,५००	५,६९,७२९
६३०	जिला	दक्षिण	केरल	कोट्टायम	बीसीएम ओजेएएसएस (बिशप चूलपरांबिल मेमोरियल आउटरीच ज्वाइंट एक्शन टू स्ट्रेंथेन सोसायटी)	नोडल				१,८५,०६८	२,१०,०००	३,९५,०६८
६३१	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बरेली	बीडीडीएस- बेल्लारी डायोसेक डेवलपमेंट सोसायटी	कोल्लब				५,३५,६७२	७,१८,०००	१२,५३,६७२
६३२	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	धारवाड़	बेलगाम डायोकेसन सोशल सर्विस सोसायटी	कोल्लब				४,१३,४२३	७,१८,०००	११,३१,४२३
६३३	रेलवे	दक्षिण	कर्नाटक	हुबली रेलवे स्टेशन	बेलगाम डायोकेसन सोशल सर्विस सोसायटी (बीडीएसएसएस)	कोल्लब				३,६४,७९१	८,३८,०००	१२,०२,७९१
६३४	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	मंड्या	भीम एकीकृत ग्रामीण विकास सोसायटी	नोडल				१,९९,०१४	२,१०,०००	४,०९,०१४

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
६३५	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	त्रिची	बिशप हेबर कॉलेज	नोडल				२,१०,०००	२,१०,०००	४,२०,०००
६३६	जिला	दक्षिण	केरल	पथान–ाम्थित्ता	बोधना (तिरुवल्ला सोशल सर्विस सोसायटी)	कोल्लब				५,५३,९९६	७,१८,०००	१२,७१,९९६
६३७	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बैंगलोर	बोस्को	कोल्लब				६,६३,२८६	८,३८,०००	१५,०१,२८६
६३८	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन	ब्रो. सीगा सोशल सर्विस गिल्ड	कोल्लब				४,९४,५२६	८,३८,०००	१३,३२,५२६
६३९	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विल्लुपुरम	बैलगाड़ी श्रमिक विकास संघ	नोडल				१,९८,६४५	२,१०,०००	४,०८,६४५
६४०	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बीदर रेलवे स्टेशन	कारमेल सेवा ट्रस्ट	कोल्लब				७,८६,१०४	८,३८,०००	१६,२४,१०४
६४१	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	डिंडीगुल	केडा ट्रस्ट	उप केंद्र				२,९८,०७८	३,०१,५००	५,९९,५७८
६४२	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विल्लुपुरम	स्वैच्छिक कार्यों और अनुसंधान के समन्वय के लिए केंद्र (सीई–सीओडब्ल्यूओआर)	उप केंद्र				२,७४,४८३	३,०१,५००	५,७५,९८३
६४३	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	इरोड	सेंटर फॉर एक्शन एंड रूरल एजुकेशन	कोल्लब				६,८६,४२५	७,१८,०००	१४,०४,४२५
६४४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	त्रिपुर	ग्रामीण कार्य और शिक्षा के लिए केंद्र (सीएसईडी)	कोल्लब				५,५३,०००	७,१८,०००	१२,७१,०००
६४५	रेलवे	दक्षिण	कोइम्बतुर	कोइम्बतुर रेलवे स्टेशन	ग्रामीण कार्य और शिक्षा के लिए केंद्र (सीएसईडी)	कोल्लब				६,१९,४५८	८,३८,०००	१४,५७,४५८
६४६	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	श्री पोट्टी श्रीरामुलु नेल्लोर	चैतन्य ज्योति वेलफेयर सोसायटी	कोल्लब				२,७४,५९१	७,१८,०००	९,९२,५९१
६४७	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	हावेरी	चैतन्य ग्रामीण विकास सोसायटी	कोल्लब				४,४९,७६१	७,१८,०००	११,६७,७६१
६४८	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बैंगलोर	बाल अधिकार ट्रस्ट	नोडल				२,४५,०११	२,१०,०००	४,५५,०११
६४९	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	जोगुलाम्बा–गडवाल जिला	प्रतिबद्धता	कोल्लब				६,४२,४९४	७,१८,०००	१३,६०,४९४
६५०	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	चेन्नई	सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा सोसायटी (सीएचईएस)	कोल्लब				४,३१,४५६	८,३८,०००	१२,६९,४५६
६५१	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	कोडागु	ग्रामीण विकास के लिए कूर्ग संगठन	कोल्लब				४,४२,२६१	७,१८,०००	११,६०,२६१
६५२	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बल्लारी	सीओआरडी–ग्रामीण विकास के लिए केंद्र	नोडल				२,०८,२४०	२,१०,०००	४,१८,२४०
६५३	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	निर्मल	विकेंद्रीकृत ग्रामीण शिक्षा जागरूकता आंदोलन सोसायटी–ड्रीम सोसायटी	कोल्लब				४,४४,९७५	७,१८,०००	११,६२,९७५
६५४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	डिंडीगुल	डिंडीगुल बहुउद्देशीय समाज सेवा सोसायटी	कोल्लब				६,७१,५६३	७,१८,०००	१३,८९,५६३
६५५	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	मंचेरिअल	आदिलाबाद ह्यूमन प्रमोशन सोसायटी का दिओसस	कोल्लब				५,१५,१६२	७,१८,०००	१२,३३,१६२
६५६	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	मेदक	दिव्या दिशा	नोडल				१,८५,२९९	२,१०,०००	३,९५,२९९

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
६५७	रेलवे	दक्षिण	तेलंगाना	सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन	दिव्या दिशा	कोलब				७,१६,१०८	८,३८,०००	१५,५४,१०८
६५८	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	हैदराबाद	दिव्या दिशा	कोलब				७,८७,०९९	८,३८,०००	१६,२५,०९९
६५९	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	कोयंबटूर	डॉन बोस्को	कोलब				६,८९,१४५	७,१८,०००	१४,०७,१४५
६६०	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	सालेम	डॉन बोस्को अनबू इल्लम सोशल सर्विस सोसायटी	कोलब				५,८२,०२३	७,१८,०००	१३,००,०२३
६६१	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	चेन्नई	डॉन बोस्को अनबू इल्लम सोशल सर्विस सोसायटी	कोलब				६,७५,८९९	८,३८,०००	१५,१३,८९९
६६२	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	यादगिरी	डॉन बॉस्को सेंटर फॉर सोशल एक्शन	कोलब				५,५३,२१९	७,१८,०००	१२,७१,२१९
६६३	जिला	दक्षिण	केरल	कन्नूर	डॉन बोस्को कॉलेज	नोडल				१,८९,५०१	२,१०,०००	३,९९,५०१
६६४	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	गुलबर्गा	डॉन बोस्को प्यार	कोलब				७,१२,०२१	७,१८,०००	१४,३०,०२१
६६५	जिला	दक्षिण	केरल	कोची	डॉन बोस्को स्नेह भवन	कोलब				६,९०,०५१	७,१८,०००	१४,०८,०५१
६६६	जिला	दक्षिण	केरल	त्रिवेंद्रम	डॉन बोस्को विदु सोसायटी	कोलब				७,०७,७३८	७,१८,०००	१४,२५,७३८
६६७	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बीदर	डॉन बोस्को युवा सशक्तिकरण सर्विसेस	कोलब				६,१२,६००	७,१८,०००	१३,३०,६००
६६८	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बीदर (एससी-औरद)	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर कल्चरल और वेलफेयर सोसायटी	उप केंद्र				२,४५,३५०	३,०१,५००	५,४६,८५०
६६९	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	पेद्दपल्ले	अर्थ फाउंडेशन	कोलब				४,६२,७१६	७,१८,०००	११,८०,७१६
६७०	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	महबुबनगर	इको- क्लब (पर्यावरण प्रशिक्षण संस्थान)	कोलब				६,७९,१५३	७,१८,०००	१३,९७,१५३
६७१	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	मदुरई रेलवे स्टेशन	एकता रिसोर्स सेंटर फॉर वूमेन	कोलब				४,६६,२३६	८,३८,०००	१३,०४,२३६
६७२	जिला	दक्षिण	केरल	कालीकट	फारूक कॉलेज	नोडल				२,२२,५९४	२,१०,०००	४,३२,५९४
६७३	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	विजयवाडा	फोरम फॉर चाइल्ड राइट्स	कोलब				७,३७,२००	७,१८,०००	१४,५५,२००
६७४	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	विजयवाडा	फोरम फॉर चाइल्ड राइट्स	नोडल				२,७०,०००	२,१०,०००	४,८०,०००
६७५	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	महबुबाबाद	मैरी सोशल सर्विस सोसायटी के फ्रांसिसकन मिशनरी	कोलब				६,७८,८८१	६,७०,२०२	१३,४९,०८३
६७६	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	गुंटूर	गुड शेफर्ड कॉन्वेंट	कोलब				४,५६,४९९	७,१८,०००	११,७४,४९९
६७७	रेलवे	दक्षिण	तेलंगाना	निज़ामाबाद रेलवे स्टेशन	ग्रेसी आर्गे नाइजेशन फॉर डेवलपमेंट सर्विसेस (जीओडीएस)	कोलब				६,२८,६६७	८,३८,०००	१४,६६,६६७
६७८	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बैंगलोर-ग्रामीण	ग्रामीण अब्युद्य सेवा संस्था	उप केंद्र				२,८६,२९०	३,०१,५००	५,८७,७९०
६७९	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	नलगोंडा	ग्राम्य	उप केंद्र				१,६३,९४७	३,०१,५००	४,६५,४४७
६८०	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	सुर्यपेटा	ग्रीन क्रॉस	कोलब				७,०७,७९५	७,१८,०००	१४,२५,७९५

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
६८१	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	श्रीकाकुलम (एससी–इत्चापुरम)	गुन्ना उदाताय्या इटरनल सर्विस टीम (जीयूएसटी)	उप केंद्र				२,७७,६३०	३,०१,५००	५,७९,१३०
६८२	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	श्रीकाकुलम (एससी–पलासा	गुन्ना उदाताय्या इटरनल सर्विस टीम (जीयूएसटी)	उप केंद्र				२,८५,८३०	३,०१,५००	५,८७,३३०
६८३	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	कांचीपुरम	हैंड इन हैंड	नोडल				९५,४२५	२,१०,०००	३,०५,४२५
६८४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	वेल्लोर	हैंड इन हैंड	कोल्लब				५,१५,६६०	७,१८,०००	१२,३३,६६०
६८५	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	तम्बारम रेलवे स्टेशन	हैंड इन हैंड इंडिया	कोल्लब				७,९०,४७१	८,३८,०००	१६,२८,४७१
६८६	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	धर्मपुरी	हेब्रोन कैरिंग सोसायटी फॉर चिल्ड्रन	कोल्लब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
६८७	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	ओंगोले	हेल्प	कोल्लब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
६८८	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	थिरूवल्लूर	हेल्प ए चाइल्ड ऑफ़ इंडिया	कोल्लब				–	६,४०,४११	६,४०,४११
६८९	रेलवे	दक्षिण	तेलंगाना	हैदराबाद रेलवे स्टेशन	हेर चोइसस ट्रस्ट	कोल्लब				७,००,९५२	८,३८,०००	१५,३८,९५२
६९०	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	कन्याकुमारी	होली क्रॉस कॉलेज	नोडल				२,०२,०८६	२,१०,०००	४,१२,०८६
६९१	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	अनंतपुर (एससी–गुंतकल)	ह्यूमन एंड नेचुरल रिसोर्सेज डेवलपमेंट सोसायटी	उप केंद्र				२,९९,३२८	३,०१,५००	६,००,८२८
६९२	रेलवे	दक्षिण	कर्नाटक	वाड़ी जंक्शन रेलवे स्टेशन	हैदराबाद कर्नाटक एजुकेशन सोसाइटी	कोल्लब				–	९,०८,०००	९,०८,०००
६९३	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	चेन्नई	आईसीईडबल्यू	कोल्लब				६,३६,०८९	८,३८,०००	१४,७४,०८९
६९४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	कड्डलोर	भारतीय बाल कल्याण परिषद	कोल्लब				४,७०,९७४	७,१८,०००	११,८८,९७४
६९५	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	पेराम्बलुर	भारतीय विकास संगठन ट्रस्ट (इंडो ट्रस्ट)	कोल्लब				५,५२,०९८	७,१८,०००	१२,७०,०९८
६९६	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	नगर्कुर्नूल	इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला कल्याण संघ (आईपीडबल्यू डबल्यूए)	कोल्लब				३,४७,१७८	७,१८,०००	१०,६५,१७८
६९७	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	सिवागंगाई	एकीकृत ग्रामीण सामुदायिक विकास संघ (आईआरडीएस)	कोल्लब				६,६६,४८४	७,१८,०००	१३,८४,४८४
६९८	रेलवे	दक्षिण	तेलंगाना	खम्मन रेलवे स्टेशन	जागृति वोलंटरी सर्विस आर्गेनाइजेशन	कोल्लब				२,०९,६६७	८,३८,०००	१०,४७,६६७
६९९	जिला	दक्षिण	केरल	वायानद	ज्वाला	कोल्लब				५,९७,२९६	७,१८,०००	१३,१५,२९६
७००	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	धारवाड़ (एससी–कल्घतागी)	कल्याणकारी सामाजिक सेवा संस्थान	उप केंद्र				२,६५,७५०	३,०१,५००	५,६७,२५०
७०१	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	धारवाड़	कर्मणी ग्रामीण सेवा प्रतिष्ठान	उप केंद्र कुंदगोल में				१,९१,७४६	३,०१,५००	४,९३,२४६
७०२	जिला	दक्षिण	पुडुचेरी	माहे	दर्द और उपशामक देखभाल के लिए करुणा चैरिटेबल सोसायटी	कोल्लब				४,८०,१९१	५,८६,६००	१०,६६,७९१
७०३	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	उत्तर कन्नड़	करवार डायोकेसन डेवलपमेंट काउंसिल (केडीडीसी)	कोल्लब				४,४०,७८१	७,१८,०००	११,५८,७८१

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
७०४	जिला	दक्षिण	केरल	कासरगोड	विकलांगों के लिए कासरगोड रोटरी संस्थान	कोह्लब				५,२६,०९२	७,१८,०००	१२,४४,०९२
७०५	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	रंगारेड्डी	कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट	उप केंद्र				२,६८,८४४	३,०१,५००	५,७०,३४४
७०६	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	दवानगेरे (एससी-हरापनाहल्ली)	कोल्चे प्रदेस परिसार, परिव्रतन मथु हल्लीगा अभिवर्दी संस्थे	उप केंद्र				२,७५,११५	३,०१,५००	५,७६,६१५
७०७	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	कन्याकुमारी	कोटर समाज सेवा सोसायटी	कोह्लब				५,२३,१९३	७,१८,०००	१२,४१,१९३
७०८	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	अरियाल्लुर	कुंभकोणम बहुउद्देश्यीय समाज सेवा संघ (केएम एसएसएस)	उप केंद्र				१,७५,५३८	३,०१,५००	४,७७,०३८
७०९	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	वारंगल रूरल	लोदी बहुउद्देशीय समाज सेवा संघ	कोह्लब				५,५२,०५१	७,१८,०००	१२,७०,०५१
७१०	जिला	दक्षिण	केरल	त्रिवेंद्रम	लोयोला एक्सटेंशन सर्विसेज	नोडल				१,९४,७७७	२,७०,०००	४,६४,७७७
७११	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	विकराबाद	एम वी फाउंडेशन (तंदूर)	उप केंद्र				२,२०,७६५	३,०१,५००	५,२२,२६५
७१२	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	विकराबाद	एम वी फाउंडेशन (विकराबाद)	कोह्लब				४,३७,१०३	७,१८,०००	११,५५,१०३
७१३	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	मदुरई	मदुरई इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज	नोडल				२,४१,६८५	२,१०,०००	४,५१,६८५
७१४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विरुद्ध नगर	मदुरई मल्टीपर्पो स सोशल सर्विस सोसाइटी	उप केंद्र				२,३३,४०२	३,०१,५००	५,३४,९०२
७१५	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	थेनी	महलिर मुन्नेत्र संगम	उप केंद्र				२,१७,७९१	३,०१,५००	५,१९,२९१
७१६	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	शिवमोग्गा	मल्नद सोशल सर्विस सोसाइटी	कोह्लब				६,४५,९३९	७,१८,०००	१३,६३,९३९
७१७	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	सिवागंगाई	मनिथम चैरिटेबल ट्रस्ट	उप केंद्र				१,१७,२००	३,०१,५००	४,१८,७००
७१८	जिला	दक्षिण	केरल	कासरगोड	मारथोमा कॉलेज ऑफ़ स्पेशल एजुकेशन	नोडल				१,६०,६७१	२,१०,०००	३,७०,६७१
७१९	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	गुलबर्गा (एससी-वाड़ी)	मार्गदर्शी सोसाइटी	उप केंद्र				२,९३,४७५	३,०१,५००	५,९४,९७५
७२०	रेलवे	दक्षिण	कर्नाटक	गुलबर्गा रेलवे स्टेशन	मार्गदर्शी सोसाइटी	कोह्लब				४,६५,४२८	८,३८,०००	१३,०३,४२८
७२१	जिला	दक्षिण	केरल	इडुक्की	मरियन कॉलेज कुट्टीकनम	नोडल				१,३७,०८८	२,१०,०००	३,४७,०८८
७२२	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	संगारेड्डी	मेद्रन (मेदक डिस्ट्रिक्ट वोलंटरी एजेंसीज नेटवर्क)	कोह्लब				४,८६,८२८	७,१८,०००	१२,०४,८२८
७२३	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	वारंगल	मॉडर्न आर्किटेक्ट्स फॉर रूरल इंडिया (एमएआरआई)	कोह्लब				३,६४,०५१	७,१८,०००	१०,८२,०५१
७२४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विल्लुपुरम	मदर ट्रस्ट	उप केंद्र				२,१७,५०७	३,०१,५००	५,१९,००७
७२५	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	डिंडीगुल	सशक्तिकरण और ग्रामीण गतिविधियों के लिए म्यूच्यूअल (मीरा फाउंडेशन)	उप केंद्र				२,५२,६३५	३,०१,५००	५,५४,१३५

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
७२६	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विल्लिवक्कम रेलवे स्टेशन	मिर्टल सोशल वेलफेयर नेटवर्क	कोल्लब				१,९५,७००	८,३८,०००	१०,३३,७००
७२७	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	तिरुवरुर	नेशनल मदर चाइल्ड वेलफेयर आर्गे नाइजेशन	कोल्लब				६,३४,९२५	७,१८,०००	१३,५२,९२५
७२८	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	विज़िअन–गरम	नेचर	कोल्लब				६,७२,२७५	७,१८,०००	१३,९०,२७५
७२९	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बैंगलोर	नेम्मादी ट्रस्ट	उप केंद्र				३,०४,२६०	३,०१,५००	६,०५,७६०
७३०	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	निलगिरीज	नीलगिरी आदिवासी कल्याण संघ (एनएडबल्यूए)	उप केंद्र				२,४४,२१४	३,०१,५००	५,४५,७१४
७३१	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	मैसूर (एससी–एच.डी. कोटे)	निसर्ग फाउंडेशन	उप केंद्र				३,००,०००	३,०१,५००	६,०१,५००
७३२	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	चामराजनगर	लोगों के विकास के लिए संगठन	कोल्लब				६,३९,६३७	७,१८,०००	१३,५७,६३७
७३३	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बीदर	बीदर इंटीग्रल ट्रांसफॉर्मेशन ऑर्गनाइजेशन (ऑर्बिट)	उप केंद्र				२,५५,८४५	३,०१,५००	५,५७,३४५
७३४	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	मैसूर	लोगों के विकास के लिए संगठन (ओपीडी)	नोडल				१,६२,६७७	२,१०,०००	३,७२,६७७
७३५	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	मंगलौर	पाड़ी	कोल्लब				५,५१,४५५	७,१८,०००	१२,६९,४५५
७३६	जिला	दक्षिण	केरल	कासरगोड	पेंटेक	सहायता				१,४६,३१२	१,९०,५००	३,३६,८१२
७३७	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	तूतीकोरन	पीपल्स एक्शन फॉर डेवलपमेंट (पीएडी)	कोल्लब				७,०५,२५८	८,३८,०००	१५,४३,२५८
७३८	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	नलगोंडा	पीपल्स एक्शन फॉर क्रिएटिव एजुकेशन (पीस)	कोल्लब				५,२१,२१६	७,१८,०००	१२,३९,२१६
७३९	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	तूतीकोरन	पीपल्स एक्शन फॉर डेवलपमेंट	कोल्लब				४,६४,०११	७,१८,०००	११,८२,०११
७४०	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	रामनाथपुरा	पीपल्स एक्शन फॉर डेवलपमेंट	उप केंद्र				१,७६,८७६	३,०१,५००	४,७८,३७६
७४१	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	पूर्व गोदावरी	पीपल्स एक्शन के लिए रूरल अवेकनिंग (पीएआरए)	कोल्लब				६,५९,५७०	७,१८,०००	१३,७७,५७०
७४२	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	ठंजवुर	पेरियार मणियामई विश्वविद्यालय	नोडल				२,०३,२७०	२,१०,०००	४,१३,२७०
७४३	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	पोंडीचेरी	पोंडीचेरी मल्टीपर्पज सोशल सर्विस सोसायटी	कोल्लब				५,७४,१८१	७,१८,०००	१२,९२,१८१
७४४	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	हस्सन	प्रचोदाना (सामाजिक सेवा केंद्र)	कोल्लब				५,७७,५९६	७,१८,०००	१२,९५,५९६
७४५	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	वारंगल	प्रगति सेवा समिति	नोडल				१,८४,२४८	२,१०,०००	३,९४,२४८
७४६	रेलवे	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	तिरुपथी रेलवे स्टेशन	प्रजा प्रगति ट्रस्ट	कोल्लब				७,८३,३२७	८,३८,०००	१६,२१,३२७
७४७	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	अनंतपुर (एससी–कादरी)	प्रजा सेवा समाज	उप केंद्र				१,७८,२५१	३,०१,५००	४,७९,७५१
७४८	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	जगित्याल	प्रकृति एनवायरनमेंट सोसायटी	कोल्लब				४,६९,८०२	७,२३,९६१	११,९३,७६३
७४९	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	करीमनगर	प्रथम शिक्षा पहल	कोल्लब				३,८९,६५४	७,१८,०००	११,०७,६५४

क्रम संख्या	साझे–दारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
७५०	जिला	दक्षिण	केरल	पलक्कड़	प्रतिष्ठा सेवा सोसायटी	कोल्लब				५,९५,११५	७,१८,०००	१३,१३,११५
७५१	जिला	दक्षिण	केरल	मलप्पुरम	पीएसएमओ कॉलेज	नोडल				१,७९,८५०	२,१०,०००	३,८९,८५०
७५२	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	पुदुक्कोट्टई	पुदुक्कोट्टई बहुउद्देशीय सामाजिक सेवा सोसायटी (पीएम एसएसएस)	कोल्लब				५,८९,१६३	७,१८,०००	१३,०७,१६३
७५३	जिला	दक्षिण	केरल	कोल्लम	पुनालुर सामाजिक सेवा सोसायटी	उप केंद्र				२,५२,७४५	३,०१,५००	५,५४,२४५
७५४	जिला	दक्षिण	केरल	कोल्लम	क्विलोन डॉन बॉस्को सोसायटी	कोल्लब				४,७७,७७८	७,१८,०००	११,९५,७७८
७५५	जिला	दक्षिण	केरल	कोल्लम	क्विलोन सामाजिक सेवा सोसायटी	नोडल				२,०९,९६९	२,१०,०००	४,१९,९६९
७५६	जिला	दक्षिण	केरल	कोची	राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज	नोडल				२,५०,६९७	२,१०,०००	४,६०,६९७
७५७	जिला	दक्षिण	केरल	मलप्पुरम	राजगिरी आउटरीच	सहायता				१,७०,५५६	१,९०,५००	३,६१,०५६
७५८	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	चिकाबल्लापुरा	राजीव गांधी आर्थिक कल्याण और ग्रामीण विकास सोसायटी	उप केंद्र				२,२२,२१७	३,०१,५००	५,२३,७१७
७५९	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	चित्तोड	राष्ट्रीय सेवा समिति (आरएसएस)	कोल्लब				६,४८,२२३	७,१८,०००	१३,६६,२२३
७६०	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	अनंथापुर	रायलसीमा विकास ट्रस्ट	कोल्लब				४,९८,६९५	७,१८,०००	१२,१६,६९५
७६१	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	कडापा	रायलसीमा हरिजन गिरिजाणा पिछड़ी अल्पसंख्यक सेवा समाजम (आरएचजीबीएम एसएस)	उप केंद्र				२,९५,४८३	३,०१,५००	५,९६,९८३
७६२	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विरुद्ध नगर	भागीदारी विकास अध्ययन के लिए संसाधन केंद्र (आरसीपीडीएस)	नोडल				१,४०,५७९	२,१०,०००	३,५०,५७९
७६३	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	इरोड रेलवे स्टेशन	राइट्स एजुकेशन डेवलपमेंट सेंटर (आरईएडी)	कोल्लब				९,०८,०००	८,३८,०००	१७,४६,०००
७६४	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	हावेरी	रौशनी सोशल एक्शन सेंटर	सहायता				१,६६,६१३	१,९०,५००	३,५७,११३
७६५	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	कडापा	रूरल एक्शन इन डेवलपमेंट सोसाइटी	उप केंद्र				३,०१,३११	२,८०,६२०	५,८१,९३१
७६६	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	निलगीरिस	रूरल डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन ट्रस्ट	कोल्लब				५,२८,१७७	७,१८,०००	१२,४६,१७७
७६७	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	पुदुक्कोट्टई	रूरल डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन (आरडीओ)	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
७६८	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	अरियालुर	रूरल एजुकेशन एक्शन डेवलपमेंट	कोल्लब				५,४४,९१६	७,१८,०००	१२,६२,९१६
७६९	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	पुदुक्कोट्टई	रूरल एजुकेशन कम्युनिटी आर्गे नाइजेशन (आर–ईएसीएच)	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
७७०	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बागलकोट	रूरल एनवायर्नमेंटल अवेयरनेस कम्युनिटी हेल्प (आरईएसीएच)	कोल्लब				५,८४,९४२	७,१८,०००	१३,०२,९४२
७७१	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	मैसूर	रूरल लिटरेसी हेल्थ प्रोग्राम (आरएलएचपी)	कोल्लब				५,८२,८२४	७,१८,०००	१३,००,८२४

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
७७२	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	चित्तूर	रूरल आर्गेना–इजेशन फॉर पावर्टी इराडिकेशन सर्विसेस (आरओपीईएस)	उप केंद्र				२,४४,९२२	३,०१,५००	५,४६,४२२
७७३	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	कमाराड्डी	रूरल आर्गे नाइजेशन फॉर सोशल एम्पावरमेंट (आरओएसई)	कोल्लब				४,५६,९२२	७,१८,०००	११,७४,९२२
७७४	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	चामराजनगर	साधना	उप केंद्र				२,५१,०२७	३,०१,५००	५,५२,५२७
७७५	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बीदर (एससी–भालकी)	सहयोग	उप केंद्र				२,५२,५९३	३,०१,५००	५,५४,०९३
७७६	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	उत्तर कन्नड़	सह्याद्री कम्युनिटी डेवलपमेंट और वीमेन एम्पावरमेंट सोसाइटी	उप केंद्र				१,९९,९८३	३,०१,५००	५,०१,४८३
७७७	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	मदुरई	शक्ति	कोल्लब				४,८७,००३	७,१८,०००	१२,०५,००३
७७८	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	निलगिरीज	सरस ट्रस्ट	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
७७९	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	कोप्पल	सर्वोदय एकीकृत ग्रामीण विकास सोसायटी	कोल्लब				३,२०,७५३	७,१८,०००	१०,३८,७५३
७८०	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	चिक्काम ागालुरु	सामाजिक कार्य के लिए सर्वोदय संगठन	कोल्लब				४,१७,१९८	७,१८,०००	११,३५,१९८
७८१	रेलवे	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	विशाखाप–टनम रेलवे स्टेशन	साथी	कोल्लब				६,०६,९४३	८,३८,०००	१४,४४,९४३
७८२	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	मंगलौर	सामाजिक कार्य का स्कूल	नोडल				२,२९,९७२	२,१०,०००	४,३९,९७२
७८३	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	धारवाड़ (एससी–नवलगुंड)	सीडा	उप केंद्र				२,९२,३२५	३,०१,५००	५,९३,८२५
७८४	जिला	दक्षिण	केरल	मालापुरम	सेशी चैरिटेबल सोसायटी	कोल्लब				७,१६,८८३	७,१८,०००	१४,३४,८८३
७८५	रेलवे	दक्षिण	केरल	कोजहिकोड़े रेलवे स्टेशन	सेशी चैरिटेबल सोसायटी	कोल्लब				५,१६,४१४	८,३८,०००	१३,५४,४१४
७८६	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	गुलबर्गा	सेठ शंकरलाल ला–होटी लॉ कॉलेज	कोल्लब				१,९३,६३५	२,१०,०००	४,०३,६३५
७८७	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	रामनगर	शांता जीवा ज्योति	कोल्लब				३,३७,६६३	७,१८,०००	१०,५५,६६३
७८८	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	ठंजवुर	शेड (सामाजिक स्वास्थ्य और शिक्षा विकास) भारत	कोल्लब				६,०१,८०३	७,१८,०००	१३,१९,८०३
७८९	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	वानापरिथ्य	श्रमिक विकास केंद्र	कोल्लब				–	५,४४,८०६	५,४४,८०६
७९०	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	उडुपी	श्री कृष्णा सेवाधाम ट्रस्ट	कोल्लब				६,९५,८०७	७,१८,०००	१४,१३,८०७
७९१	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	शिमोगा	सिद्धेश्वर ग्रामीण विकास सोसायटी	उप केंद्र				२,८२,३३९	३,०१,५००	५,८३,८३९
७९२	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	हैदराबाद	सिदुर	सहायता				१,१७,३३७	१,९८,०००	३,१५,३३७
७९३	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	धारवाड़	स्नेहा शिक्षा और विकास सोसायटी	नोडल				४६,८२२	२,१०,०००	२,५६,८२२
७९४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	करिकल	सामाजिक आवश्यक शिक्षा और मानव जागरूकता (स्नेहा)	कोल्लब				४,८९,९८५	७,१८,०००	१२,०७,९८५

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
७९५	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बरेली (एससी-कुदिलगी)	एकीकृत सामुदायिक विकास के लिए स्नेहा सोसायटी	उप केंद्र				१,९४,९३९	३,०१,५००	४,९६,४३९
७९६	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	आदिलाबाद	एकीकृत विकास सेवाओं के लिए सामाजिक कार्य	कोलब				५,६५,४६२	७,१८,०००	१२,८३,४६२
७९७	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	गुंटूर	सामाजिक शिक्षा और आर्थिक विकास सोसायटी	नोडल				१,६०,३७४	२,१०,०००	३,७०,३७४
७९८	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	एलुरु	समाज सेवा केंद्र	कोलब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
७९९	रेलवे	दक्षिण	बैंगलुरु	येश्वन्थपुरा रेलवे स्टेशन	मुश्किल स्थिति में बच्चों की सहायता के लिए सोसायटी साथी	कोलब				५,५१,०६९	८,३८,०००	१३,८९,०६९
८००	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	खम्मम	ग्रामीण विकास में सामुदायिक भागीदारी और शिक्षा के लिए सोसायटी (स्कोप-आरडी)	कोलब				७,१२,३५६	७,१८,०००	१४,३०,३५६
८०१	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली	सोसायटी फॉर एजुकेशन विलेज एक्शन एंड इम्प्रूवमेंट (एसईवीएआई)	कोलब				६,३२,९०७	७,१८,०००	१३,५०,९०७
८०२	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	विशाखापटनम	शिक्षा और पर्यावरण विकास के लिए सोसायटी (सीड)	कोलब				६,९८,६०५	७,१८,०००	१४,१६,६०५
८०३	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	रंगारेड्डी	ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में संघटित करने के लिए सोसायटी (सिद्दुर)	कोलब				६,६०,९७६	७,१८,०००	१३,७८,९७६
८०४	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	रामनाथपुरम रेलवे स्टेशन	सोसाइटी फॉर पीपल एजुकेशन एंड इकनोमिक ट्रस्ट (स्पीड)	कोलब				-	२,३३,७४७	२,३३,७४७
८०५	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विरुद्ध नगर	सोसायटी के लोगों के लिए शिक्षा और आर्थिक परिवर्तन (स्पीच)	कोलब				५,२१,२७२	७,१८,०००	१२,३९,२७२
८०६	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विरुद्ध नगर	सोसायटी के लोगों के लिए शिक्षा और आर्थिक परिवर्तन (स्पीच)	उप केंद्र				२,३६,३७१	३,०१,५००	५,३७,८७१
८०७	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	रामनाथपुरा	सोसायटी के लोगों के लिए शिक्षा और आर्थिक परिवर्तन (स्पीड)	उप केंद्र				२,४०,३३६	३,०१,५००	५,४१,८३६
८०८	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	नागापट्टिनम	सोसायटी ऑफ डॉटर्स ऑफ मैरी इमैक्युलेट (डीएमआई)	नोडल				१,१७,६९२	२,१०,०००	३,२७,६९२
८०९	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली रेलवे स्टेशन	सोसाइटी फॉर एजुकेशन विलेज एक्शन और इम्प्रूवमेंट (एस-ईवीएआई)	कोलब				-	२,०५,१६१	२,०५,१६१
८१०	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	रंगारेड्डी (इब्राहिम्पटनम)	स्पंदन संगठन	उप केंद्र				१,८९,२७२	३,०१,५००	४,९०,७७२
८११	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बैंगलोर	स्पर्श ट्रस्ट	कोलब				७,४७,८५३	७,१८,०००	१४,६५,८५३
८१२	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	कोलर	स्पर्श ट्रस्ट	कोलब				-	३,०९,३३३	३,०९,३३३

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
८१३	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	दवानगेरे (एससी–होन्नाली)	स्पूर्ति	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
८१४	जिला	दक्षिण	अभिव्रुस	चित्रदुर्गा	श्री बसवेश्वर विद्या समस्थे	कोलब				५,७९,६४४	७,१८,०००	१२,९७,६४४
८१५	रेलवे	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन	श्री कृष्णा चैतन्य विद्याविहार चिल्ड्रन्स ट्रस्ट	कोलब				६,७१,२६६	८,३८,०००	१५,०९,२६६
८१६	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	कुरनूल	श्री परमेश्वरी एजुकेशनल सोसायटी	कोलब				३,८१,०६६	–	३,८१,०६६
८१७	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	गडग	सृष्टि एकीकृत शहरी और ग्रामीण विकास सेवा सोसायटी	कोलब				४,४६,६५५	७,१८,०००	११,६४,६५५
८१८	जिला	दक्षिण	केरल	थ्रिस्सुर	सेंट क्रिस्टीना होली एंजल्स होम	कोलब				६,१३,०३०	७,१८,०००	१३,३१,०३०
८१९	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	पूर्व गोदावरी	स्वराजय अभ्युदय सेवा समिति (एसएएसएस)	उप केंद्र ककिंदा				२,८२,१०१	–	२,८२,१०१
८२०	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	रामनाथपुरम	तमिलनाडु ग्रामीण पुनर्निर्माण आंदोलन	कोलब				५,१२,५५४	७,१८,०००	१२,३०,५५४
८२१	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	रामेश्वरम रेलवे स्टेशन	तमिल नाडू रूरल रिकंस्ट्रक्शन मूवमेंट (टीआर–आरएम)	कोलब				२,०९,६६७	८,३८,०००	१०,४७,६६७
८२२	जिला	दक्षिण	केरल	कन्नूर	टेलिचेरी सोशल सर्विस सोसायटी	कोलब				४,९२,१२२	७,१८,०००	१२,१०,१२२
८२३	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	तिरुवन्नाम लई	टेरे देस होम्स कोर ट्रस्ट	कोलब				५,८१,५१६	७,१८,०००	१२,९९,५१६
८२४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	तिरुवन्नाम लई	टेरे देस होम्स कोर ट्रस्ट	उप केंद्र				२,६१,७१०	३,०१,५००	५,६३,२१०
८२५	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	वेल्लोर	टेरे देस होम्स कोर ट्रस्ट	उप केंद्र				१,४५,४७२	३,०१,५००	४,४६,९७२
८२६	जिला	दक्षिण	लक्षदीप	कवरती	थानल धर्मार्थ संगठन	कोलब				२,१७,७५६	४,१९,०००	६,३६,७५६
८२७	रेलवे	दक्षिण	तेलंगाना	वारंगल रेलवे स्टेशन	थरुनी	कोलब				३,४९,३३३	८,३८,०००	११,८७,३३३
८२८	जिला	दक्षिण	केरल	अलाप्पुज्हू	अल्लेप्पी डायोकेसन चेरिटेबल एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी	कोलब				४,९४,८३१	७,१८,०००	१२,१२,८३१
८२९	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	दवानगेरे	डॉन बॉस्को चैरिटेबल सोसायटी	कोलब				४,९६,९१३	७,१८,०००	१२,१४,९१३
८३०	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	जोलार्पेट जंक्शन	द होप हाउस	कोलब				–	१,२८,५७०	१,२८,५७०
८३१	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	वेल्लोर	द होप हाउस	उप केंद्र				२,०३,०२१	३,०१,५००	५,०४,५२१
८३२	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बरेली (एससी–होसपेट)	होस्पेट सेल्सियन सोसायटी	उप केंद्र				२,३६,८८३	३,०१,५००	५,३८,३८३
८३३	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	रंगारेड्डी	सिकंदराबाद डॉन बोस्को नवजीवन सोसायटी	कोलब				३,६१,९६७	७,१८,०००	१०,७९,९६७
८३४	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	थेनी	सृजन वर्जिन मैरी के लिए प्रस्तुति की सिस्टर की सोसायटी	उप केंद्र				१,८५,१४८	३,०१,५००	४,८६,६४८

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
८३५	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	तिरुनेलवेली	तिरुनेलवेली सामाजिक सेवा सोसायटी	कोल्लब				५,१२,११५	७,१८,०००	१२,३०,११५
८३६	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	तिरपुर	तिरुपुर ऑक्सिलियम सेल्सियन सिस्टर्स सोसाइटी (मारियाला)	नोडल				१,५५,५९०	२,१०,०००	३,६५,५९०
८३७	रेलवे	दक्षिण	थिरुवन्तपुरम	थिरुवानन्थापुरम रेलवे स्टेशन	त्रिवेंद्रम डॉन बॉस्को वीडू सोसायटी	कोल्लब				६,३९,४१९	८,३८,०००	१४,७७,४१९
८३८	जिला	दक्षिण	केरल	त्रिवेंद्रम	त्रिवेंद्रम सोशल सर्विस सोसायटी	कोल्लब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
८३९	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	विरुद्ध नगर	शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के लिए ट्रस्ट (टी-ईएसटी)	उप केंद्र				१,५०,६७८	३,०१,५००	४,५२,१७८
८४०	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बीजापुर	उज्ज्वला ग्रामीण विकास सेवा सोसायटी	कोल्लब				५,२९,६८५	७,१८,०००	१२,४७,६८५
८४१	जिला	दक्षिण	पुडुचेरी	यनम	उमा शिक्षा आयर तकनीकी सोसायटी	कोल्लब				३,५५,३१०	७,१८,०००	१०,७३,३१०
८४२	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	बेलगाम	यूनाइटेड सोशल वेलफेयर असोसिएशन	कोल्लब				७,१७,४२०	७,१८,०००	१४,३५,४२०
८४३	रेलवे	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	पलासा-रेलवे स्टेशन	अप होल्ड	कोल्लब				५,०३,९६८	८,३८,०००	१३,४१,९६८
८४४	रेलवे	दक्षिण	तमिलनाडु	नागापट्टिनम रेलवे स्टेशन	वनाविल ट्रस्ट	कोल्लब				-	३,२५,२५३	३,२५,२५३
८४५	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	कडापा	विजय फाउंडेशन	नोडल				१,४९,९५६	२,१०,०००	३,५९,९५६
८४६	जिला	दक्षिण	केरल	कोट्टायम	विजयापुरम सामाजिक सेवा सोसायटी (वीएसएसएस)	कोल्लब				५,७०,७८५	७,१८,०००	१२,८८,७८५
८४७	जिला	दक्षिण	केरल	मन्नर (देविकुलम तलूक)-इदुक्की	विजयापुरम सामाजिक सेवा सोसायटी (वीएसएसएस)	उप केंद्र				२,८४,७३२	३,०१,५००	५,८६,२३२
८४८	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	मंड्या	विकसना ग्रामीण और शहरी विकास संस्थान	कोल्लब				४,८९,१५१	७,१८,०००	१२,०७,१५१
८४९	जिला	दक्षिण	केरल	थ्रिस्सुर	विमला कॉलेज	नोडल				१,९८,०३२	२,१०,०००	४,०८,०३२
८५०	जिला	दक्षिण	कर्नाटक	रायचूर	विमुक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट	कोल्लब				७,०३,८५७	७,१८,०००	१४,२१,८५७
८५१	जिला	दक्षिण	केरल	इदुक्की	सामाजिक कार्य और सामाजिक विकास के लिए वोलंटरी संगठन (वीओएसए-आरडी)	कोल्लब				५,८७,१२५	७,१८,०००	१३,०५,१२५
८५२	जिला	दक्षिण	केरल	इदुक्की	सामाजिक कार्य और सामाजिक विकास के लिए वोलंटरी संगठन (वीओएसए-आरडी)	उप केंद्र				२,४५,३१६	३,०१,५००	५,४६,८१६
८५३	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	भादार्दारी कोथागुदम	व्यवसायका मरियु अभिवृद्धि संस्था	कोल्लब				६,०२,४६३	७,१८,०००	१३,२०,४६३
८५४	जिला	दक्षिण	केरल	कोट्टायम	वी केयर सेंटर	सहायता				१,५७,२१४	१,९०,५००	३,४७,७१४

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
८५५	रेलवे	दक्षिण	केरल	एर्नाकुलम–रेलवे स्टेशन	कल्याण सेवाएं एर्नाकुलम	कोलब				५,५४,७४५	८,३८,०००	१३,९२,७४५
८५६	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	अनन्थपुरम	महिला विकास ट्रस्ट	नोडल				८६,५८२	२,१०,०००	२,९६,५८२
८५७	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	नमक्कल	वीमेन्स आर्गेनाइजेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट (वीआरडी)	कोलब				७,८८,०००	७,१८,०००	१५,०६,०००
८५८	जिला	दक्षिण	तेलंगाना	निज़ामाबाद	ग्रामीण विकास के लिए महिला संगठन	कोलब				५,११,४०२	७,१८,०००	१२,२९,४०२
८५९	जिला	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	श्रीककुलम	बेजीजपुरम (वायसीबी) का युवा क्लब	कोलब				६,५०,३७३	७,१८,०००	१३,६८,३७३
८६०	जिला	दक्षिण	तमिलनाडु	सालेम	वायडबल्यूसीए	नोडल				२,६१,८७६	२,१०,०००	४,७१,८७६
८६१	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	दिंडोरी	आदिवासी अवाम बैगा विकास उत्थान समिति	कोलब				६,८१,२०८	७,१८,०००	१३,९९,२०८
८६२	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	भोपाल	आरंभ	कोलब				५,७९,८७४	७,६८,५३६	१३,४८,४१०
८६३	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	छत्तरपुर	आधार	उप केंद्र				२,९५,३९६	३,०१,५००	५,९६,८९६
८६४	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	रायगढ़	अहिंसा वेलफेयर सोसायटी	कोलब				६,०२,०१०	७,१८,०००	१३,२०,०१०
८६५	जिला	पश्चिम	गुजरात	अहमदाबाद	अहमदाबाद स्टडी एक्शन ग्रुप	कोलब				४,७६,४१६	८,७८,७३७	१३,५५,१५३
८६६	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	इंदौर	समाज के जागरूकता के लिए लक्ष्य	कोलब				६,२६,१६३	८,०४,३८९	१४,३०,५५२
८६७	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	गडचिरोली	आम्ही आमच्या आरोग्यसाठी	कोलब				६,६८,३३३	७,१८,०००	१३,८६,३३३
८६८	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	शाजापुर	अंकुर प्रगतिशीला महिला केंद्र	कोलब				६,४५,३७७	७,१८,०००	१३,६३,३७७
८६९	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	सिंधुदुर्ग	अटल प्रतिष्ठान	उप केंद्र				१,२०,५३६	३,०१,५००	४,२२,०३६
८७०	रेलवे	पश्चिम	वड़ोदरा	वडोदरा रेलवे स्टेशन	बड़ौदा नागरिक परिषद	कोलब				२,०५,९४३	९,२५,०९५	११,३१,०३८
८७१	जिला	पश्चिम	गुजरात	बड़ौदा	बड़ौदा नागरिक परिषद	कोलब				२,९२,२६६	७,१८,०००	१०,१०,२६६
८७२	जिला	पश्चिम	गुजरात	छोतौड़पुर	बड़ौदा नागरिक परिषद	कोलब				४,१०,३४७	७,८७,०७३	११,९७,४२०
८७३	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	नागपुर	बीबीएसकेबीएस	सहायता				१,८७,३८०	१,९०,५००	३,७७,८८०
८७४	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	बुल्धाना	भारतीय बाहुदेशी लोक शिक्षा संस्थान	कोलब				६,५५,००७	७,१८,०००	१३,७३,००७
८७५	जिला	पश्चिम	गुजरात	पतन	ब्रह्मा समाज सेवा ट्रस्ट	कोलब				४,३०,३४०	७,१८,०००	११,४८,३४०
८७६	जिला	पश्चिम	गोवा	गोवा	कारितास	कोलब				५,३१,१८८	७,१८,०००	१२,४९,१८८
८७७	रेलवे	पश्चिम	गोवा	मार्गों रेलवे स्टेशन	कारितास	कोलब				३,५८,७४४	८,३८,०००	११,९६,७४४
८७८	रेलवे	पश्चिम	गुजरात	अहमदाबाद रेलवे स्टेशन	विकास के लिए केंद्र	कोलब				३,३८,६३८	८,५४,०००	११,९२,६३८
८७९	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	ग्वालियर	एकीकृत विकास केंद्र	कोलब				६,७९,०८४	७,१८,०००	१३,९७,०८४
८८०	रेलवे	पश्चिम	मध्य प्रदेश	ग्वालियर रेलवे स्टेशन	एकीकृत विकास केंद्र	कोलब				७,०५,३५२	८,३८,०००	१५,४३,३५२
८८१	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	मुंबई	चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन	नोडल				६९,५८९	२,१०,०००	२,७९,५८९
८८२	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	नाशिक	कॉलेज ऑफ सोशल वर्क	नोडल				२,०४,०४७	२,१५,९५३	४,२०,०००

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
८८३	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	सीएसटी मुंबई रेलवे स्टेशन	प्रतिबद्ध समुदाय विकास ट्रस्ट (सीसीडीटी)	कोल्लब				३,५८,५५७	८,३८,०००	११,९६,५५७
८८४	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	मुंबई	प्रतिबद्ध समुदाय विकास ट्रस्ट (सीसीडीटी)	कोल्लब				४,६४,५४९	८,३८,०००	१३,०२,५४९
८८५	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	बलाघात	सामुदायिक विकास केंद्र	कोल्लब				३,१८,१५९	७,१८,०००	१०,३६,१५९
८८६	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	छत्तरपुर	दर्शना महिला कल्याण समिति	कोल्लब				२,९५,२८१	७,१८,०००	१०,१३,२८१
८८७	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	नंदुरबार	दवल शा बाबा महिला उन्नति मंडल	कोल्लब				५,२९,९५२	७,१८,०००	१२,४७,९५२
८८८	जिला	पश्चिम	गुजरात	पन्च महल'	सामाजिक और मानव कार्य के लिए पहल का विकास (डीआईएसएचए)	कोल्लब				५,१८,०००	८,२७,२७३	१३,४५,२७३
८८९	जिला	पश्चिम	गुजरात	साबरकांथा	सामाजिक और मानव कार्य के लिए पहल का विकास (डीआईएसएचए)	कोल्लब				५,१८,०००	८,६०,४९८	१३,७८,४९८
८९०	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	मोरेना	धरती ग्रामोथान एवं सहभागी विकास समिति	कोल्लब				–	२,९२,८२८	२,९२,८२८
८९१	जिला	पश्चिम	दमन, दमन और दिउ	दमन	दीनबंधु यूथ वेलफेयर ट्रस्ट	कोल्लब				७,८८,०००	७,१८,०००	१५,०६,०००
८९२	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	रायगड	दिशा केंद्र	कोल्लब				३,४८,४४०	७,१८,०००	१०,६६,४४०
८९३	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	पुणे	दिशा केंद्र	कोल्लब				७,८०,९१९	८,३८,०००	१६,१८,९१९
८९४	जिला	पश्चिम	गुजरात	सुरेन्द्र नगर	गनातर	कोल्लब				७,१६,७६३	७,१८,०००	१४,३४,७६३
८९५	जिला	पश्चिम	गुजरात	गिर सोम नाथ	गिर पछत जाति विकास सेवा समिति	कोल्लब				४,९२,२०३	९,४३,७९७	१४,३६,०००
८९६	जिला	पश्चिम	गुजरात	नवसारी	ग्राम सेवा ट्रस्ट	कोल्लब				–	१,०४,७४२	१,०४,७४२
८९७	जिला	पश्चिम	गुजरात	भरूच	ग्राम विकास ट्रस्ट	कोल्लब				४,७५,४०९	७,१८,०००	११,९३,४०९
८९८	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	यवतमाल	ग्रामीण समस्या मुक्ति ट्रस्ट (जीएसएमटी)	कोल्लब				५,५५,५४८	८,२०,०४६	१३,७५,५९४
८९९	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	दमोह	ग्रामीण विकास समिति	कोल्लब				५,८७,२६९	७,१८,०००	१३,०५,२६९
९००	जिला	पश्चिम	गुजरात	अहमदाबाद	गुजरात विद्यापीठ	नोडल				१,०३,४०२	२,१०,०००	३,१३,४०२
९०१	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	मुंबई	हमारा फाउंडेशन	कोल्लब				३,९८,९२७	८,३८,०००	१२,३६,९२७
९०२	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन	हमारा फाउंडेशन	कोल्लब				५,५१,००८	८,४५,६००	१३,९६,६०८
९०३	जिला	पश्चिम	गुजरात	दांग	हेल्प ए चाइल्ड ऑफ इंडिया	कोल्लब				३,३६,६३४	७,१८,०००	१०,५४,६३४
९०४	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	अनुपपुर	सम्ग्र क्रिया अनु-संधान और विकास	कोल्लब				५,८१,३१७	७,१८,०००	१२,९९,३१७
९०५	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	नागपुर	भारतीय एकीकृत विकास केंद्र	सहायता				१,९०,५००	१,९०,५००	३,८१,०००
९०६	जिला	पश्चिम	दादरा और नगर हवेली	सिलवासा	इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी	कोल्लब				८९,९५७	७,१८,०००	८,०७,९५७
९०७	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	गोंदिया	इंडियन सोशल वेलफेयर सोसाइटी	कोल्लब				२,०८,९६८	७,१८,०००	९,२६,९६८
९०८	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	इंदौर	इंदौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क	नोडल				२,७०,०००	९०,५०१	३,६०,५०१

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
९०९	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	रायसेन	सामाजिक अनुसंधान और विकास संस्थान	कोल्लब				७,१७,३५९	७,१८,०००	१४,३५,३५९
९१०	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	जबलपुर	जबलपुर डायकोसेन सामाजिक सेवा संघ	कोल्लब				४,०९,११४	७,१८,०००	११,२७,११४
९११	रेलवे	पश्चिम	जबलपुर	जबलपुर रेलवे स्टेशन	जबलपुर डायकोसेन सामाजिक सेवा संघ	कोल्लब				४,८६,८६१	८,३८,०००	१३,२४,८६१
९१२	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	सिंधुदुर्ग	जागृति फाउंडेशन	कोल्लब				१,९३,५२७	७,१८,०००	९,११,५२७
९१३	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	सिंधुदुर्ग	जागृति फाउंडेशन	उप केंद्र				२,१९,६७६		२,१९,६७६
९१४	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	होशंगाबाद	जन आकांशा	कोल्लब				३,९१,१८७	७,१८,०००	११,०९,१८७
९१५	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	छिन्द्वारा	जन मंगल संस्थान	कोल्लब				२,८६,८९२	८,६१,७३४	११,४८,६२६
९१६	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	देवास	जन सहस सामाजिक विकास सोसायटी	कोल्लब				४,१४,५१६	७,१८,०००	११,३२,५१६
९१७	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	पन्ना	जन सहस सामाजिक विकास सोसायटी	सहायता				१,०४,८५५	१,९०,५००	२,९५,३५५
९१८	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	खरगांव	जन सहस सामाजिक सशक्तिकरण सोसायटी	कोल्लब				४,९३,३१५	७,१८,०००	१२,११,३१५
९१९	रेलवे	पश्चिम	मध्य प्रदेश	खइंदौर रेलवे स्टेशन	जनविकास सोसाइटी	कोल्लब				६,२८,६६७	८,३८,०००	१४,६६,६६७
९२०	जिला	पश्चिम	गुजरात	दाहोद	जय श्री मारुती नंदिकशन विकास एजुकेशन ट्रस्ट	कोल्लब				–	३,०९,३३३	३,०९,३३३
९२१	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	झाबुआ	जीवन ज्योति स्वास्थ्य सेवा सोसायटी	कोल्लब				५,०४,५०१	७,१८,०००	१२,२२,५०१
९२२	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	अलीराजपुर	जीवन ज्योति स्वास्थ्य सेवा सोसायटी	कोल्लब				१,१६,२४४	७,१८,०००	८,३४,२४४
९२३	जिला	पश्चिम	दमन दिउ	दिउ	जीवनदीप हेल्थ एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट	कोल्लब				–	१,०१,५००	१,०१,५००
९२४	रेलवे	पश्चिम	होशंगाबाद	इटारसी–रेलवे स्टेशन	जीवोदय सोसायटी	कोल्लब				५,४८,७६०	८,४८,०००	१३,९६,७६०
९२५	जिला	पश्चिम	गुजरात	खेड़ा	कायरा सामाजिक सेवा सोसायटी	कोल्लब				५,२९,४२२	७,१८,०००	१२,४७,४२२
९२६	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	लातूर	काला पंधारी मगस्वर्गीय और आदिवासी विकास संस्थान	कोल्लब				६,३६,६६४	७,१८,०००	१३,५४,६६४
९२७	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	गुना	कल्पतरु विकास समिति	कोल्लब				६,३३,२८८	७,१८,०००	१३,५१,२८८
९२८	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	मंडला	कामयाब युवा संस्कार समिति	उप केंद्र				२,१७,७९९	३,०१,५००	५,१९,२९९
९२९	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	सिद्धि	कानपुर कुटुम्बकम संस्थान	कोल्लब				२,९०,०३२	७,१८,०००	१०,०८,०३२
९३०	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	विधान, सिंग्रौली	कानपुर कुटुम्बकम संस्थान	कोल्लब				४,९३,९१०	७,१८,०००	१२,११,९१०
९३१	जिला	पश्चिम	गुजरात	मेहसाना	करुणा सेतु ट्रस्ट	कोल्लब				३,७९,१९५	७,९०,६७६	११,६९,८७१
९३२	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	जलगाँव	केशवस्मृति प्रतिष्ठान	कोल्लब				३,७८,९०८	७,१८,०००	१०,९६,९०८
९३३	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	बुरहानपुर	खंडवा डायकोसेन सामाजिक सेवा	कोल्लब				४,०८,४१४	७,१८,०००	११,२६,४१४

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
९३४	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	खंडवा	खंडवा डियोइसेसेज सर्विसेस सोसाइटी	कोलब				–	३,९०,३९८	३,९०,३९८
९३५	जिला	पश्चिम	गोवा	मार्गो	कोंकण विकास सोसायटी	कोलब				५,७२,५७०	७,१८,०००	१२,९०,५७०
९३६	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	उज्जैन	कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी	कोलब				३,५३,२८१	७,१८,०००	१०,७१,२८१
९३७	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	अगर मालवा	कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी	कोलब				–	७,८८,०००	७,८८,०००
९३८	रेलवे	पश्चिम	मध्य प्रदेश	उज्जैन रेलवे स्टेशन	कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी	कोलब				–	९,०८,०००	९,०८,०००
९३९	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	रायसेन	कृषक सहयोग संस्थान	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
९४०	जिला	पश्चिम	गुजरात	जामनगर	स्वर्गीय जे.वी. नारिया एजुकेशन और चैरिटेबल ट्रस्ट	कोलब				५,२६,८४५	७,१८,०००	१२,४४,८४५
९४१	रेलवे	पश्चिम	गुजरात	जामनगर रेलवे स्टेशन	स्वर्गीय जे.वी. नारिया एजुकेशन और चैरिटेबल ट्रस्ट	कोलब				१,६७,७६७	८,३८,०००	१०,०५,७६७
९४२	जिला	पश्चिम	गुजरात	देवभूमि द्वारका	स्वर्गीय जे.वी. नारिया एजुकेशन और चैरिटेबल ट्रस्ट	कोलब				३,७०,७७३	७,१८,०००	१०,८८,७७३
९४३	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	बलहाराश रेलवे स्टेशन (चंद्रपुर)	लोक समग्रह सोशल सर्विसेस सोसाइटी	कोलब				२,००,३५६	८,३८,०००	१०,३८,३५६
९४४	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	सतारा	लोककल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट	कोलब				६,७१,७९१	७,१८,०००	१३,८९,७९१
९४५	जिला	पश्चिम	गुजरात	बनासकांठा	लोकसेवा शिक्षण विकास ट्रस्ट	कोलब				६,९८,८८८	७,१८,०००	१४,१६,८८८
९४६	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	रत्नागिरी	एम.एस. नाइक फाउंडेशन	कोलब				३,५९,४६३	७,१८,०००	१०,७७,४६३
९४७	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	शेऔपुर	महात्मा गाँधी सेवा आश्रम	कोलब				५,४५,०३०	७,१८,०००	१२,६३,०३०
९४८	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	भिंड	महिला बाल विकास समिति (भारत)	कोलब				५,४९,८७४	७,१८,०००	१२,६७,८७४
९४९	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	चंद्रपुर	महिला विकास मंडल	कोलब				७,७४,९७८	७,१८,०००	१४,९२,९७८
९५०	जिला	पश्चिम	गुजरात	कच्छ	मालधारी एक्शन रूरल ग्रुप (एमएआरएजी)	कोलब				४,५६,४५८	७,१८,०००	११,७४,४५८
९५१	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	सागर	मानव विकास सेवा संघ	कोलब				६,९५,७८६	७,१८,०००	१४,१३,७८६
९५२	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	बीड	मानवलोक	नोडल				९७,१८७	२,१०,०००	३,०७,१८७
९५३	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	वाशिम	मनोदय समाज कल्याण संस्था	कोलब				४,८४,८४४	७,१८,०००	१२,०२,८४४
९५४	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	खारगोन	मंथन सहारा ग्रामीण एवं समाज सेवा समिति	उप केंद्र				२,९७,४७४	३,०१,५००	५,९८,९७४
९५५	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	औरंगाबाद	मराठवाड़ा ग्रामीण विकास संस्थान	कोलब				५,२९,७४०	७,१८,०००	१२,४७,७४०
९५६	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	नागपुर	मातृ सेवा संघ इन्स्टा ऑफ सोशल वर्क	नोडल				२,५७,८८७	२,१०,०००	४,६७,८८७
९५७	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	कटनी	एमपी भारत ज्ञान विज्ञान समिति	कोलब				७,७६,०००	७,१८,०००	१४,९४,०००
९५८	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	उज्जैन	एमपीआईएसएसआर	नोडल				२,०९,३९९	२,१०,०००	४,१९,३९९
९५९	जिला	पश्चिम	गुजरात	बरोड़ा	एमएस विश्वविद्यालय	नोडल				१,९८,४५५	२,१०,०००	४,०८,४५५

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५–१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६–१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८–१९	पहली किस्त २०१९–२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९–२०	कुल
९६०	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	वर्धा	महिला और बाल युवा देव का राष्ट्रीय इन्स्टा	कोलब				५,४१,८२९	७,१८,०००	१२,५९,८२९
९६१	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	मंडला	राष्ट्रीय महिला बाल एवं युवा विकास संस्थान	कोलब				४,७८,५९६	७,१८,०००	११,९६,५९६
९६२	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	तिकम्बाढ़	नवदिशा समाजिक संस्था	कोलब				५,३२,२९७	७,१८,०००	१२,५०,२९७
९६३	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	निवारी	नवदिशा समाजिक संस्थान	कोलब				–	२,६३,९४३	२,६३,९४३
९६४	रेलवे	पश्चिम	मध्य प्रदेश	खांडवा रेलवे स्टेशन	नवजीवन चिल्ड्रंस होम सोसाइटी	कोलब				–	४,३४,९३५	४,३४,९३५
९६५	जिला	पश्चिम	गुजरात	मोरबी	नवजीवन ट्रस्ट	कोलब				–	६,४४,४००	६,४४,४००
९६६	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	नाशिक	नवजीवन वर्ल्ड पीस एंड रिसर्च फाउंड	कोलब				५,८६,१४१	७,१८,०००	१३,०४,१४१
९६७	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	नाशिक रेलवे स्टेशन	नवजीवन वर्ल्ड पीस एंड रिसर्च फाउंड	कोलब				३,४९,३३३	८,३८,०००	११,८७,३३३
९६८	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	मुंबई	नवनिर्माण समाज विकास केंद्र	कोलब				७,०८,३६०	८,३८,०००	१५,४६,३६०
९६९	रेलवे	पश्चिम	गुजरात	सूरत रेलवे स्टेशन	नवसर्जन ज़ेवियर्स सेल फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट	कोलब				५,१२,९३८	८,३८,०००	१३,५०,९३८
९७०	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	नीमच	नीमच सहज समाज उत्थान समिति	कोलब				३,८४,२७६	९,१७,९३०	१३,०२,२०६
९७१	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	बुरहानपुर	नेपानगर जागृति कला केंद्र	उप केंद्र				३,०१,५००	३,०१,५००	६,०३,०००
९७२	रेलवे	पश्चिम	मध्य प्रदेश	रतलाम रेलवे स्टेशन	न्यू लाइफ सेंटर	कोलब				४,३७,७९६	८,३८,०००	१२,७५,७९६
९७३	जिला	पश्चिम	गोवा	गोवा	निर्मला एजुकेशन सोसायटी	नोडल				२,७०,०००	२,१०,०००	४,८०,०००
९७४	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	धर	सामाजिक परिवर्तन के लिए एक पहल	कोलब				५,५२,६२६	७,१८,०००	१२,७०,६२६
९७५	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	बरवानी	सामाजिक परिवर्तन के लिए एक पहल	कोलब				४,१५,४०५	७,१८,०००	११,३३,४०५
९७६	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई रेलवे	पालवी एजुकेशनल ट्रस्ट	कोलब				५,३४,४३१	८,३८,०००	१३,७२,४३१
९७७	जिला	पश्चिम	गुजरात	अरवल्ली	परक ट्रस्ट	कोलब				५,४८,६६७	७,१८,०००	१२,६६,६६७
९७८	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	शिवपुरी	परहित समाज सेवी संस्था	कोलब				५,१८,३५३	७,१८,०००	१२,३६,३५३
९७९	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	नांदेड	परिवार प्रतिष्ठान	कोलब				५,८१,२२७	७,५२,११७	१३,३३,३४४
९८०	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	बेतुल	प्रदीपन	कोलब				३,६८,८२१	७,१८,०००	१०,८६,८२१
९८१	जिला	पश्चिम	गुजरात	वलसाड	प्रथम	कोलब				४,९४,८७८	७,३५,६८१	१२,३०,५५९
९८२	जिला	पश्चिम	गुजरात	सूरत	प्रथम मुम्बई शिक्षा पहल	कोलब				४,४८,०७५	७,४३,८९५	११,९१,९७०
९८३	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	शिवपुरी	रचना	नोडल				१,०३,२८५	२,७०,०००	३,७३,२८५
९८४	जिला	पश्चिम	गुजरात	नर्मदा	राजपिपला सोशल सर्विसेस सोसाइटी	कोलब				४,२९,०००	७,१८,०००	११,४७,०००
९८५	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	रेवा	रामशिव बहुउद्देश्य विकास समिति	कोलब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
९८६	जिला	पश्चिम	गुजरात	गांधीनगर	साबरमती समृद्धि सेवा संघ	कोल्लब				५,९४,३३७	७,८५,७७०	१३,८०,१०७
९८७	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	ठाणे	सलाम बालक ट्रस्ट	कोल्लब				४,१२,९३८	७,१८,०००	११,३०,९३८
९८८	रेलवे	पश्चिम	मुंबई सबर्बन	बांद्रा रेलवे स्टेशन	सलाम बालक ट्रस्ट	कोल्लब				४,४१,४६०	८,३८,०००	१२,७९,४६०
९८९	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	ठाणे रेलवे स्टेशन	सलाम बालक ट्रस्ट	कोल्लब				९,०८,०००	८,३८,०००	१७,४६,०००
९९०	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	सतना	समरितन समाज सेवा सोसायटी	कोल्लब				५,८९,७३८	७,१८,०००	१३,०७,७३८
९९१	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	रतलाम	समर्पण	कोल्लब				५,६४,९७८	७,१८,०००	१२,८२,९७८
९९२	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	झाबुआ	संपर्क समाज सेवी संस्था	उप केंद्र				८०,३७९	३,४९,७८१	४,३०,१६०
९९३	जिला	पश्चिम	गुजरात	जूनागढ़	संप्रत शिक्षा और चैरिटेबल ट्रस्ट	कोल्लब				४,५७,७१२	८,०७,२९५	१२,६५,००७
९९४	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	कोल्हापुर	सांगली मिशन सोसायटी	कोल्लब				७,१८,०००	७,१८,०००	१४,३६,०००
९९५	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	सांगली	सांगली मिशन सोसायटी	कोल्लब				–	५,४४,८०६	५,४४,८०६
९९६	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	कोल्हापुर` रेलवे स्टेशन	सांगली मिशन सोसायटी	कोल्लब				२,०९,६६७	८,३८,०००	१०,४७,६६७
९९७	रेलवे	पश्चिम	मध्य प्रदेश	भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन	संजीवनी सेवा सोसायटी	कोल्लब				८,२३,१५३	८,३८,०००	१६,६१,१५३
९९८	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	नरसिंहपुर	संजीवनी सेवा सोसायटी	कोल्लब				६,७०,७२२	७,१८,०००	१३,८८,७२२
९९९	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	पन्ना	संकल्प समाज सेवी संस्था	कोल्लब				५,०७,५९६	७,१८,०००	१२,२५,५९६
१०००	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	धुले	सप्तश्रृंगी बहुदुदेशिया महिला संस्थान	कोल्लब				६,५०,३३१	७,१६,०२३	१३,६६,३५४
१००१	जिला	पश्चिम	गुजरात	कच्छ	सरस्वतन	उप केंद्र				१००	३,०१,५००	३,०१,६००
१००२	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	शहडोल	सतगुरु मिशन	कोल्लब				३,६८,२५७	७,७६,४००	११,४४,६५७
१००३	रेलवे	पश्चिम	पुणे	पुणे रेलवे स्टेशन	साथी	कोल्लब				५,०१,२०७	८,३८,०००	१३,३९,२०७
१००४	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	बुलढाणा	सावित्रीबाई फुले महिला मंडल	उप केंद्र				२,७२,१०९	३,०१,५००	५,७३,६०९
१००५	जिला	पश्चिम	गुजरात	भाव नगर	शैशव	कोल्लब				३,०६,७७८	७,४८,३८९	१०,५५,१६७
१००६	जिला	पश्चिम	गुजरात	अमरेली	शिक्षण अने समाज कल्याण केंद्र	कोल्लब				२,५९,१५१	७,१८,०००	९,७७,१५१
१००७	रेलवे	पश्चिम	सोलापुर	शोलापुर रेलवे स्टेशन	शोलापुर सामाजिक कार्य समिति	कोल्लब				५,२०,५७४	८,३८,०००	१३,५८,५७४
१००८	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	अमरावती	श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल	कोल्लब				३,७४,५१०	८,०५,१५४	११,७९,६६४
१००९	जिला	पश्चिम	गुजरात	बोटाद	श्रीजी एजुकेशन सेवा ट्रस्ट	कोल्लब				–	४,५९,८८२	४,५९,८८२
१०१०	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	ओस्मनाबाद	श्री कुलस्वामिनी शिक्षा प्रचार मंडल, उस्मानाबाद	कोल्लब				६,८९,९१७	७,१८,०००	१४,०७,९१७
१०११	जिला	पश्चिम	गुजरात	राजकोट	श्री पूजित रूपानी मेमोरियल ट्रस्ट	कोल्लब				३,४०,२९३	७,१८,०००	१०,५८,२९३
१०१२	रेलवे	पश्चिम	गुजरात	राजकोट रेलवे स्टेशन	श्री पूजित रूपानी मेमोरियल ट्रस्ट	कोल्लब				२,४९,६५६	८,३८,०००	१०,८७,६५६
१०१३	जिला	पश्चिम	गुजरात	खेड़ा	श्री वाडीलाल एस गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट (कपडवंज)	उप केंद्र				२,४३,५८७	३,०१,५००	५,४५,०८७

क्रम संख्या	साझेदारी का प्रकार	क्षेत्र	राज्य	शहर	संगठन का नाम	कार्य	दूसरा और अंतिम इंस्टा. २०१५-१६	पूर्ण और अंतिम निपटान का २०१६-१७	१ली और अंतिम किस्त २०१८-१९	पहली किस्त २०१९-२०	दूसरी और अंतिम किस्त २०१९-२०	कुल
१०१४	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	अहमदनगर	स्नेहालय	कोल्लब				५,३०,३२१	७,१८,०००	१२,४८,३२१
१०१५	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	परभानी	सामाजिक आर्थिक विकास ट्रस्ट	कोल्लब				६,२६,९९५	७,१८,०००	१३,४४,९९५
१०१६	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	सोलापुर	सोलापुर जिला समाजिक कार्य समिति	कोल्लब				५,४८,६५६	७,१८,०००	१२,६६,६५६
१०१७	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	सेहोर	स्वामी विवेकानंद शिक्षा समिति	कोल्लब				१,४५,७८९	७,१८,०००	८,६३,७८९
१०१८	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	जलना	स्वराज ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान	कोल्लब				३,४७,९८५	७,१८,०००	१०,६५,९८५
१०१९	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	हरदा	सिनर्जी संस्थान	कोल्लब				५,२८,५७६	७,१८,०००	१२,४६,५७६
१०२०	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	भोपाल	भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज	नोडल				२,७०,०००	२,१०,०००	४,८०,०००
१०२१	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	अकोला	तक्षनागट बहुउद्देशीय कल्याण सोसायटी	कोल्लब				५,८२,२१३	७,१८,०००	१३,००,२१३
१०२२	जिला	पश्चिम	गुजरात	आनंद	त्रिभुवनदास फाउंडेशन	कोल्लब				५,८३,३५४	७,२२,३४६	१३,०५,७००
१०२३	रेलवे	पश्चिम	गुजरात	आनंद रेलवे स्टेशन	त्रिभुवनदास फाउंडेशन	कोल्लब				८,२१,३३३	८,३८,०००	१६,५९,३३३
१०२४	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	हिंगोली	उज्ज्वल शिक्षण प्रसारक मंडल	कोल्लब				४,२९,०००	७,१८,०००	११,४७,०००
१०२५	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	कल्याण रेलवे स्टेशन	उरवी विक्रम चैरिटेबल ट्रस्ट	कोल्लब				६,८५,९०६	८,३८,०००	१५,२३,९०६
१०२६	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	नागपुर	वरदान	कोल्लब				६,६६,६१९	७,६९,३६८	१४,३५,९८७
१०२७	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	नागपुर रेलवे स्टेशन	वरदान, इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रमोशन ऑफ एडॉप्शन	कोल्लब				६,३२,३८६	१०,४१,९५०	१६,७४,३३६
१०२८	जिला	पश्चिम	गुजरात	तापी, गुजरात	वेद्ची प्रदेश सेवा समिति	कोल्लब				४,०४,९४४	७,२३,०००	११,२७,९४४
१०२९	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	विदिशा	विदिशा समाज कल्याण संगठन	कोल्लब				५,२०,४१६	७,१८,०००	१२,३८,४१६
१०३०	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	मंदसोर	विकल्प सामाजिक संस्था	कोल्लब				६,०४,५४७	७,१८,०००	१३,२२,५४७
१०३१	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	धर	विकल्प सामाजिक संस्था	उप केंद्र				२,७९,७५६	३,०१,५००	५,८१,२५६
१०३२	जिला	पश्चिम	मध्य प्रदेश	बरवानी	विकल्प सामाजिक संस्था	उप केंद्र				२,७९,५२३	३,०१,५००	५,८१,०२३
१०३३	जिला	पश्चिम	गुजरात	तापी	विकल्प ट्रस्ट	उप केंद्र				३,०१,०२४	३,०१,५००	६,०२,५२४
१०३४	जिला	पश्चिम	गुजरात	कच्छ	यूसुफ मेहेरली केंद्र	उप केंद्र				–	२,४४,६४८	२,४४,६४८
१०३५	रेलवे	पश्चिम	महाराष्ट्र	दादर-रेलवे स्टेशन	युवा	कोल्लब				८८,९५२	८,५५,७००	९,४४,६५२
१०३६	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	मुंबई	युवा	कोल्लब				२,६०,८९५	८,५५,७००	११,१६,५९५
१०३७	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	बीड	युवा ग्राम विकास मंडल	कोल्लब				–	१२,४८,२२३	१२,४८,२२३
१०३८	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	भंडारा (नागपुर)	युवा रूरल एसोसिएशन	कोल्लब				३,७४,९५७	७,१८,०००	१०,९२,९५७
१०३९	जिला	पश्चिम	महाराष्ट्र	नवी मुंबई	युवा अर्बन इनिशिएटिव	कोल्लब				–	६,४८,३८९	६,४८,३८९
							४,८०,२९८	९३,२००	२,०१,३१५	४४,०५,३१,५९९	५९,५५,०४,३२३	१,०३,६८,१०,७३५

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन के हितधारक

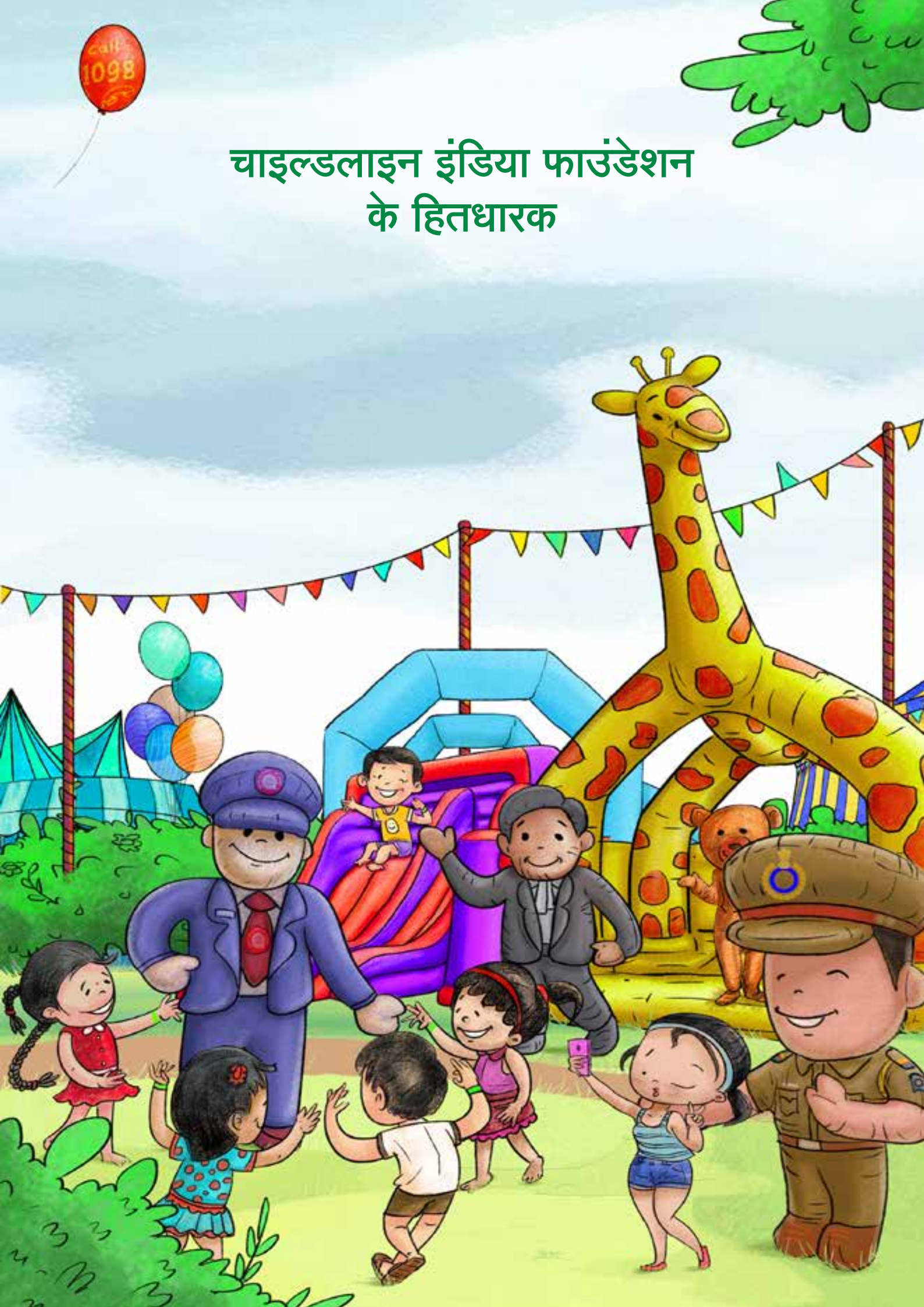

चाइल्डलाइन दोस्त

स्कूल

अंजुमन इस्लाम पीर मोहम्मद हाई स्कूल

बी.वी.पी. इंग्लिश मीडियम स्कूल

डॉ. काकासाहब देवधर मेड. प्राइमरी स्कूल

डॉ. विखे पाटिल मेमोरियल स्कूल

ईओएन ज्ञान अंकुर स्कूल

जे एन पेटिट टेक्निकल स्कूल

पंडितराओ अगाशे इंग्लिश स्कूल

पोदार इंटरनेशनल स्कूल

सरदार दस्तूर होसमंग बॉयज़ हाई स्कूल

श्रीमंगेश मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल

सेंट जोसफ़ हाई स्कूल

सेंट पॉल्स स्कूल

सेंट ज़ेवियर्स हाई स्कूल

द ओर्बिस स्कूल

विद्या प्रबोधिनी प्रशाला इंग्लिश मीडियम स्कूल

बिरला स्कूल

चिल्ड्रन्स अकैडमी स्कूल

जानकीदेवी पब्लिक स्कूल

लिट्ल फ्लार्स इंग्लिश हाई स्कूल

महारानी गायत्री देवी स्कूल

एसआईडब्ल्यूएस प्राइमरी स्कूल

कैन्यन एच. एस. स्कूल

होली क्रॉस इंस्टिट्यूट

इंडस वर्ल्ड स्कूल

मे डोस पोब्रेस हाई स्कूल

माउंट मेरीज़ स्कूल

आवर लेडी ऑफ़ कारमेल हाई स्कूल

आवर लेडी ऑफ़ लूर्डेस हाई स्कूल

प्रेज़ेंटेशन कान्वेंट हाई स्कूल

एस.बी.एस इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल

एस.पी.एम्स सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल

श्री देशीकेंद्र विद्यालय

श्री हमुमंतराव चाटे स्कूल

सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल

सेंट आर्नोल्ड्स हायर सेकेंडरी स्कूल

सेंट मेरीज़ हाई स्कूल

सेंट पॉल हायर सेकेंडरी स्कूल

ब्लू रिज पब्लिक स्कूल

डीआईसीज़ इंग्लिश मीडियम स्कूल

जडसन प्राइमरी स्कूल

आरएमडी सिंहगड स्प्रिंग डेल स्कूल

एस.बी. पाटिल पब्लिक स्कूल

सिंहगड सिटी स्कूल

सिंहगड पब्लिक स्कूल

सिंहगड स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल

सिंहगड स्प्रिंग डेल स्कूल

एसएनबीपी इंटरनेशनल स्कूल

सीएसआर एंड मुंबई मैरथन

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड

यूनिवर्सल मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड

एसबीआई जनरल इंशुरंस कंपनी लिमिटेड

टाटा मोटर्स इंशुरंस ब्रोकिंग एंड एडवाइज़री सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड

टाटा एआईजी जनरल इंशुरंस कंपनी लिमिटेड

सनोफ़ी इंडिया लिमिटेड

ट्रस्ट्स/फाउंडेशन/एंडोमेंट

अज़ीम प्रेमजी फिलान्थ्रोपिक इनिशिएटिव्स

संजीवनी ट्रस्ट

यूके ऑनलाइन गिविंग फाउंडेशन

मुंबई मैरथन चेंज मेकर्स

गुरप्रीत सिंह

मुंबई मैरथन इंडिविजुअल प्लेज रेज़र्स

मैथ्यू थेक्केकरोट्टू

सुशांत कुमार

अभिषेक अग्रवाल

विकास जैन

मीनाक्षी सिंह

कुनाल पोपट

पराग वेद

तृप्ति शिंदे

पराग नेगी

रूपश्री दीक्षित

ऑलविन डीसूज़ा

कुनाल पोपट

नवनीत बजाज

मेजर डोनर्स

ए.एच. रानिना

शोभा उडिपी

पी. जॉन निनन

हार्दिक घेलानी

शेखर तलवलकर

मायादेवी के

रामकवल विश्वकर्मा

दर्शन म्हात्रे

शर्मिला भट्टाचार्या

निर्मल नायर

दलीप टी वर्घीज़

रेनू रानी

प्रणव निशिथ पटेल

वड्डी सुंदर साई केसव राव

तनयवीर सिंह भाटिया

पारुल बेनीवाल

रेनू

क्षमा सुधाकर गावकर

अमर नाथ वीरामल्ली

अमन कुमार जगा

वीणा विनोद पाटिल

चाइल्डलाइन फैमिली

उत्तर

आगरा [चाइल्डहुड एन्हांसमेंट थ्रू ट्रेनिंग एंड एक्शन (चेतना), चाइल्डहुड एन्हांसमेंट थ्रू ट्रेनिंग एंड एक्शन (चेतना) – रेलवे कोलैब], **अजमेर** [राजस्थान महिला कल्याण मंडल, दिशा–रोमन कैथलिक डाओसेसन सोशल सर्विस सोसाइटी, गरीब नवाज़ महिला एवं बाल कल्याण समिति, ग्रामीण एवं सामाजिक विकास संस्थान, महिला जन अधिकार समिति, गरीब नवाज़ महिला एवं बाल कल्याण समिति)–रेलवे कोलैब], **अलीगढ़** [उड़ान सोसाइटी– रेलवे कोलैब], **इलाहाबाद** [ग्रामोत्थान जन सेवा संस्थान, कमला ग्राम विकास संस्थान– रेलवे कोलैब], **अल्मोरा** [संजीवनी विकास एवं जन कल्याण समिति, ग्रामीण समाज कल्याण समिति, सोसाइटी फॉर पीपल्स एक्शन एंड रूरल डेवलपमेंट इन हिमालयन एरिया (स्पर्धा)], **अलवर** [निर्वाणवन फाउंडेशन], **अंबाला** [ज़िला युवा विकास संगठन, डिस्ट्रिक्ट काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर (डीसीसीडब्ल्यू)– रेलवे कोलैब], **अमृतसर** [नवजीवन चैरिटेबल सोसाइटी फॉर इंटीग्रल डेवलपमेंट– रेलवे कोलैब], **अनंतनाग** [ह्यूमैनिटी वेलफेयर आर्गेनाईज़ेशन हेल्पलाइन], **आज़मगढ़** [रामसंवारी रामसिंहासन शिक्षण प्रचार समिति – आरआरएसपीएस], **बहराइच** [डेवलपमेंटल एसोसिएशन फॉर फॉर ह्यूमन एड्वांसमेंट (देहात), प्रथम मुंबई एजुकेशन इनिशिएटिव, डेवलपमेंटल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन एडवांसमेंट (देहात)], **बलिया** [नव भारतीय नारी विकास समिति], **बलरामपुर** [ग्रामीण विकास सेवा समिति], **बाँदा** [चित्रकूट जन कल्याण समिति], **बन्स्वारा** [वागधरा], **बाराबंकी** [बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान–सब सेंटर], **बरन** [एओईएस संस्थान], **बरेली** [दीप जन कल्याण समिति – रेलवे कोलैब], **बारमर** [धारा संस्थान, ग्राम विकास संस्थान], **बस्ती** [ग्रामीण विकास सेवा समिति], **भरतपुर** [दिशा फाउंडेशन सोसाइटी, सोसाइटी फॉर सोशल चेंज एंड डेवलपमेंट – रेलवे कोलैब], **भटिंडा** [नेचरल्स केयर], **भीलवाड़ा** [कंस्यूमर यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसाइटी सेंटर फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट (सीयूटीएस सीएचडी)], **भिवानी** [आदर्श पैरामेडिकल वेलफेयर एसोसिएशन], **बिजनोर** [प्रेमधाम चैरिटेबल सोसाइटी], **बीकानेर** [उरमूल ट्रस्ट, उरमूल ज्योति संस्थान, उरमूल सीमान्त समिति, उरमूल सेतु संस्थान, उरमूल हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट– रेलवे कोलैब], **बिलासपुर** [मानव सेवा संस्थान], **बदायूं** [जन मित्र नयास, समग्र विकास संस्थान, श्रमिक सामाजिक शिक्षा संस्थान], **बुदगम** [हेल्प फाउंडेशन], **बुलंदशहर** [संजीवनी मानव सेवा संस्था], **बूंदी** [ग्रामराज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान (जीवीपीएस)], **सेंट्रल दिल्ली** [सलाम बालक ट्रस्ट, – रेलवे कोलैब], **चम्बा** [एजुकेशन सोसाइटी], **चमोली** [हिमाद समिति (हिमालयन सोसाइटी फॉर ऑल्टरनेटिव डेवलपमेंट), जय नंदा देवी स्वरोजगार शिक्षण संस्थान (जेएनडीएसएसएस)], **चम्पावत** [रूरल एनवायरनमेंटल एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाइटी(रीड्स)], **चंदौली** [जनक समिति, प्रयत्न संस्था –मुगल सराय रेलवे कोलैब], **चंडीगढ़** [यूथ टेक्निकल ट्रेनिंग सोसाइटी (व्याईटीटीएस) – रेलवे कोलैब], **चित्रकूट** [सर्वोदय सेवा आश्रम], **चित्तौरगढ़** [श्री आसरा विकास संस्थान, प्रयास जुवेनाइल एंड सेंटर सोसाइटी], **चुरु** [झुंझुनू ज़िला पर्यावरण सुधार समिति], **दौसा** [ग्रामीण विकास एवं पर्यावरण संस्था], **देहरादून** [माउंटेन चिल्ड्रन्स फाउंडेशन (एमसीएफ), श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम – रेलवे कोलैब], **देओरिया** [प्रोग्रेसिव एजेंसी टू ह्यूमैनिटी (पाथ), विकल्प –भतानी रेलवे कोलैब], **ढोलपुर** [प्रयत्न संस्था], **डोडा** [इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी], **डुंगरपुर** [मुस्कान संस्थान, राजस्थान बाल कल्याण समिति, भरुका चैरिटेबल ट्रस्ट], **ईस्ट दिल्ली** [दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी], **फरीदाबाद** [नव सृष्टि], **फरीदकोट** [नेचरल्स केयर], **फर्रुखाबाद** [मदर निर्मला फाउंडेशन], फ़तेहगढ़ [साहिब एसोसिएशन फॉर सोशल एंड रूरल डेवलपमेंट (एएसआरए)], फ़तेहपुर [जन कल्याण महा समिति], **फज़लिका** [जन ज्योति कल्याण समिति], **फ़िरोज़पुर** [लाला फ़तेह चंद ब्रिज लाल एजुकेशनल सोसाइटी, लाला फ़तेह चंद ब्रिज लाल एजुकेशनल सोसाइटी– रेलवे कोलैब], **फ़िरोज़ाबाद** [चिराग सोसाइटी], **गौतमबुद्ध नगर** [एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा, एसोसिएशन फॉर वेलफेयर सोशल एक्शन एंड रिसर्च इंडिया (अवसर इंडिया), सोशल एंड डेवलपमेंट रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप–एसएडीआरएजी], ग़ाज़ियाबाद [आशा दीप फाउंडेशन – सब सेंटर], **गोंडा** [थारु जनजाति महिला विकास समिति, सॉलिडेरिटी ऑफ़ द नेशन सोसाइटी, थारु जनजाति महिला विकास समिति – रेलवे कोलैब], **गोरखपुर** [डिसा, पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति (पीजीएसएस) आश्रम – रेएलवे कोलैब], **गुरदासपुर** [डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड वेलफेयर काउंसिल], **गुड़गाँव** [शक्ति वाहिनी], **हामीपुर** [कृति शोध संस्थान, सृजन सोसाइटी], **हरदोही** [सर्वोदय श्रम, कल्याराम], **हरिद्वार** [आदर्श युवा समिति, भारत सेवा संस्थान – रेलवे कोलैब], **हिसार** [मॉडल रूरल यूथ डेवलपमेंट आर्गेनाइज़ेशन (एमआरव्याईडीओ)], **होशियारपुर** [कारमेलाइट चैरिटेबल सोसाइटी], **जयपुर** [आई–इंडिया, इंस्टिट्यूट फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ (आईडीएस), जन कला साहित्य मंच संस्था (जेकेएसएम एस), अंताक्षरी फाउंडेशन – रेलवे कोलैब], **जैसलमेर** [सीईसीओईडीईसीओएन], **जालंधर** [नारी निकेतन ट्रस्ट], **जलाउन** [परमार्थ समाज सेवी संस्थान], **जम्मू** [इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू, हेमोफिलिया सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **जौनपुर** [प्रोग्रेसिव एजेंसी टू ह्यूमैनिटी (पाथ)], **झालावर** [संकल्प सेवा समिति], **झाँसी** [परमार्थ समाज सेवी संस्थान, प्रगति पथ, प्रगति पथ – रेलवे कोलैब], **झुंझुनू** [शिक्षित रोजगार केंद्र प्रबंधक समिति], **जिंद** [डिस्ट्रिक्ट काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर (डीसीसीडब्ल्यू)], **जोधपुर** [जय भीम विकास शिक्षण संस्थान, ग्राम विकास सेवा संस्थान – रेलवे कोलैब], **काँगड़ा** [अर्बन ट्राइबल एंड हिल्स एडवांसमेंट सोसाइटी–उठान, गुंजन आर्गेनाइज़ेशन फॉर कम्युनिटी सेंटर], **कन्नौज** [वारसी सेवा सदन, वारसी सेवा सदन – रेलवे कोलैब], **कानपुर** [सुभाष चिल्ड्रन सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **करौली** [सोसाइटी फॉर एजुकेशन कंसिएनटायज़ेशन अवेयरनेस एंड ट्रेनिंग], **करनाल** [डिस्ट्रिक्ट काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर बाल भवन, करनाल], **कासगंज** [समाज सुधार समिति], **कठुआ** [जे के वीमेन वेलफेयर सोसाइटी], **कौशम्बी** [वैष्णो ग्राम विकास सेवा समिति, जन कल्याण महा समिति, कमला ग्राम विकास संस्थान], **कोटा** [अल्लारिप्पु, राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एंड गाइड, अल्लारिप्पु – रेलवे कोलैब], **कुशीनगर** [सामुदायिक कल्याण एवं विकास संस्थान], **लखिमपुर** [खीरी पेस, चित्रान्शु समाज कल्याण परिषद], **ललितपुर** [सोसाइटी फॉर प्रगति भारत, बुन्देरीखंड सेवा संस्थान, साई ज्योति ग्रामोद्योग समाज सेवा समिति], **लखनऊ** [ह्यूमन यूनिटी मूवमेंट (एचयूएम), नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर पब्लिक कोऑपरेशन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट (एनआईपीसीसीडी), एहसास–लखनऊ/एनईआर रेलवे कोलैब, एहसास लखनऊ/एनआर – रेलवे कोलैब], **लुधियाना** [स्वामी गंगा नंद भूरी वाला इंटरनेशनल फाउंडेशन – रेलवे कोलैब], **महाराजगंज** [विकल्प, पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति (पीजीएसएस), सृष्टि सेवा संस्थान], **महेंद्रगढ़** [राव लाल सिंह शिक्षा समिति], **महोबा** [कृति शोध संस्थान], **मैनपुरी** [मनीष सर्वोदय ग्राम ोद्योग सेवा संस्थान], **मनाली** [हिमालयन फ्रेंड्स ट्रस्ट, एच.पी. महिला कल्याण मंडल], **मंडी** [सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड एक्शन], **मनसा** [सोसाइटी फॉर ऑल राउंड डेवलपमेंट – एसएआरडी], **मथुरा** [चाइल्डहुड एन्हांसमेंट थ्रू ट्रेनिंग एंड एक्शन (चेतना), चिराग सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **मेरठ** [जनहित फाउंडेशन–रेलवे कोलैब], **मेवात** [चेतनालय],**मिर्ज़ापुर** [स्वामी विवेकानंद शिक्षा समिति – रेलवे कोलैब], **मोहाली** [(एस ए एस नगर) यूथ टेक्निकल ट्रेनिंग सोसाइटी (व्याईटीटीएस)], **मोरादाबाद** [सोसाइटी फॉर ऑल राउंड डेवलपमेंट – एसएआरडी, शोभना ग्रामोद्योग सेवा समिति – रेलवे कोलैब], **मुज़फ्फरनगर** [राष्ट्रीय समुद्देशीय विकास संस्थान], **नागौर** [ग्रीनवेल चिल्ड्रेन सोसाइटी], **नैनीताल** [विमर्श, धरोहर विकास संस्था – हल्द्वानी रेलवे कोलैब], **नई दिल्ली** [सलाम बालक ट्रस्ट, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **नई दिल्ली** [प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर सोसाइटी, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन], **नॉर्थ–ईस्ट दिल्ली**

[दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी], **नॉर्थ वेस्ट दिल्ली** [प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर सोसाइटी], **पाली ग्राम** [विकास सेवा संस्थान], **पलवल** [अभिव्यक्ति फाउंडेशन], **पानीपत** [डिस्ट्रिक्ट रेड क्रॉस सोसाइटी, पानीपत], **पठानकोट** [डॉ. सुदीप मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट, सेंट फ्रांसिस होम], **पटियाला** [नवजीवनी स्कूल ऑफ़ स्पेशल एजुकेशन्स], **पौरी गढ़वाल** [हिमालयन इंस्टिट्यूट फॉर रूरल अवेकनिंग (एचआईआरए), सुमति फाउंडेशन], **पीलीभीत** [समाज कल्याण एवं विकास अध्ययन केंद्र, पहल ग्रामीण सेवा समिति, विनोबा सेवा आश्रम], **पिथौरागढ़** [एसोसिएशन फॉर रूरल प्लैनिंग एंड एक्शन (अर्पण), वरदान सेवा संस्था], **पुंछ** [नेशनल डेवलपमेंट यूथ क्लब], प्रतापगढ़ [तरुण चेतना], **राजसमंद** [जतन संस्थान], **रामपुर** [चेतना सेवा संस्थान, जनहित सेवा संस्थान – रेलवे कोलैब], **रेअसी** [अमन मूवमेंट कचरू ट्रस्ट], **रोहतक** [भारत ज्ञान विज्ञान समिति, हरियाणा], रुद्रप्रयाग [गोमती प्रयाग जन कल्याण परिषद (जीपीजेकेपी)], रूपनगर [(रोपर) एसोसिएशन फॉर सोशल एंड रूरल एडवांसमेंट (एएसआरए)], **सहारनपुर** [भारत सेवा संस्थान], **संत रवि दास नगर** [जनक समिति], **सवाई** [माधोपुर मर्सी रिहैबिलिटेशन सोसाइटी – सवाई माधोपुर], **शाहदरा दिल्ली** [दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी, डॉन बोस्को आशालायम – आनंद विहार रेलवे कोलैब], **शाहजहांपुर** [विनोबा सेवा आश्रम], **शामली** [श्रमिक सेवा केंद्र], **शिमला** [हिमाचल प्रदेश वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन], **श्रावस्ती डेवलपमेंटल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन एडवांसमेंट' (देहात)**], **सिद्धार्थ नगर** [शोहरतगढ़ एनवायर्नमेंटल सोसाइटी (एसईएस)], **सीकर** [आशा का झरना], **सिरमौर** [पीपल्स एक्शन फॉर पीपल इन नीड (पीएपीएन)], **सिरोही** [जन चेतना संस्थान], **सिरसा** [दिशा], **सोलन** [हिमाचल प्रदेश वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन], **सोनीपत** [आदर्श पैरामेडिकल वेलफेयर एसोसिएशन], **साउथ दिल्ली** [बटरफ्लाईज़], **साउथ ईस्ट दिल्ली** [बटरफ्लाईज़ – हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे कोलैब], **साउथ-वेस्ट दिल्ली** [डॉन बोस्को आशालयम], **श्री गंगानगर** [तपोवन ट्रस्ट], **श्रीनगर** [हेल्प फाउंडेशन], **सुल्तानपुर** [प्रताप सेवा समिति], **तरन तारन** [इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट], **टेहरी** [गढ़वाल ग्रामीणक्षेत्रीय विकास समिति], **टोंक** [शिव शिक्षा समिति], **उदयपुर** [सेवा मंदिर, उदयपुर स्कूल ऑफ़ सोशल वर्क, सेवा मंदिर – सब सेंटर, जन संस्थान – रेलवे कोलैब], **उधमपुर** [हेमोफिलिया सोसाइटी, सोशियो-इकॉनोमिक एंड एजुकेशनल एड सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **उधमसिंह नगर** [कुमाऊं सेवा समिति (केएसएस)], **उना** [ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन सेल एंड वेलफेयर एसोसिएशन], **उन्नाव** [सृजन सोसाइटी], **उत्तरकाशी** [श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम, तरुण पर्यावरण विज्ञान संस्था], **वाराणसी** [एसोसिएशन फॉर द सोशली मार्जिनलाइज़्ड इंटीग्रेटेड थेरप्युटिक एक्शन (अस्मिता), गाँधी अध्ययन पीठ, गुरिया स्वयं सेवी संस्थान – रेलवे कोलैब], **वेस्ट दिल्ली** [डॉन बोस्को आशालयम, यमुना नगर उत्थान इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेवलपमेंट एंड स्टडीज़]

पश्चिम

अगर [मालवा कृपा सोशल वेलफेयर सोसाइटी], **अहमदनगर** [स्नेहालय], **अहमदाबाद** [अहमदाबाद स्टडी एक्शन ग्रुप (एएसएजी), गुजरात विद्यापीठ, सेंटर फॉर डेवलपमेंट – रेलवे कोलैब], **अकोला** [तीक्ष्णागत मल्टपर्पस वेलफेयर सोसाइटी], **अलीराजपुर** [जीवन ज्योति हेल्थ सर्विस सोसाइटी], **अमरावती** [श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल (एचवीपीएम)], **अमरेली** [शिक्षण एंड समाज कल्याण केंद्र], **आनंद** [त्रिभुवनदास फाउंडेशन – रेलवे कोलैब], **अनूपपुर** [होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवलपमेंट], **अरावल्ली** [पारक ट्रस्ट], **औरंगाबाद** [मरथवाडा ग्रामीण विकास संस्था], **बालाघाट** [कम्युनिटी डेवलपमेंट सेंटर], **बनासकांठा** [लोकसेवा शिक्षण विकास ट्रस्ट], **बरवानी** [पहल इनिशिएटिव फॉर सोशल चेंज, विकल्प सामाजिक संस्थान], **बीड** [युवा ग्राम विकास मंडल, मानवलोक, **बेतुल प्रदीपन, भंडारा युवा रूरल एसोसिएशन**], **भरूच** [ग्राम विकास ट्रस्ट], **भावनगर** [शैशव], **भिंड** [महिला बाल विकास समिति (इंडिया)], **भोपाल** [एडवोकेसी फॉर ऑल्टरनेटिव रिसोर्सेस एक्शन मोबिलाइज़ेशन एंड ब्रदरहुड (आरम्भ), द भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेस, संजीवनी सर्विस सोसायटी नरसिंहपुर – रेलवे कोलैब], **बोटाद** [श्रीजी एजुकेशन सेवा ट्रस्ट], **बुलढाना** [भारतीय बहुद्देशीय लोक शिक्षण संस्थान, सावित्रीबाई फुले महिला मंडल], **बुरहनपुर** [खांडवा डायोसेसन सोशल सर्विसेस, नेपानगर जागृति कला केंद्र], **चंद्रपुर** [महिला विकास मंडल, लोकसमग्रह सोशल सर्विस सोसाइटी – बलहरशा रेलवे कोलैब], **छत्तरपुर** [दर्शन महिला कल्याण समिति, आधार], **छिंदवाड़ा** [जन मंगल संस्थान], **छोटा उदयपुर** [बड़ौदा सिटिज़न्स काउंसिल], **दाहोद** [जय श्री मारुति नंदकिशन विकास एजुकेशन ट्रस्ट, *एरिया नेटवर्किंग एंड डेवलपमेंट इनिशिएटिव्स (आनंदी)], **दमन** [दीनबंधु युवा वेलफेयर ट्रस्ट], **दमोह** [ग्रामीण विकास समिति], **डांग** [हेल्प ए चाइल्ड ऑफ इंडिया], **देवभूमि** [द्वारका लेट टी.वी. नरिया एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, देवास [जन साहस सोशल डेवलपमेंट सोसायटी], **धार** [पहल ऐन इनिशिएटिव फॉर सोशल चेंज, विकल्प सामाजिक संस्थान], **धुले** [सप्तश्रृंगी बहुद्देशीय महिला संस्था], **डिंडोरी** [आदिवासी एवं बैगा विकास उत्थान समिति], **दिउ** [जीवनदीप हेल्थ एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट], **गढ़चिरौली** [अम्ही आमच्या आरोग्यसाथी], **गांधीनगर** [साबरमती समृद्धि सेवा संघ], **गिर** [सोमनाथ गिर पछत जाति विकास सेवा समिति], **गोंडिया** [इंडियन सोशल वेलफेयर सोसाइटी], **गुना** [कल्पतरु विकास समिति], ग्वालियर [सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट (सीआईडी), सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट (सीआईडी) – रेलवे कोलैब], **हरदा** [सिनर्जी संस्थान], **हिंगोली** [उज्जवल शिक्षण प्रसारक मंडल], **होशंगाबाद** [जन आकांक्षा, जीवोदय सोसायटी – रेलवे कोलैब], **इंदौर** [एम फॉर अवेयरनेस ऑफ सोसाइटी (एएएस), इंदौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क (आईएसएसडब्ल्यू), जनविकास सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **जबलपुर** [जबलपुर डायोसेसन सोशल सर्विस सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **जलगाँव** [केशवस्मृति प्रतिष्ठान], **जालना** [स्वराज ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान], **जामनगर** [लेट जे. वी. नारिया एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट– रेलवे कोलैब], **झाबुआ** [जीवन ज्योति हेल्थ सर्विस सोसाइटी, संपर्क समाज सेवी संस्था], **जूनागढ़** [सम्प्रत एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट], **कटनी** [एमपी भारत ज्ञान विज्ञान समिति], **खंडवा** [खंडवा डायोसेसन सोशल सर्विसेस, नवजीवन चिल्ड्रन्स होम – रेलवे कोलैब], **खरगोन** [जन साहस सोशल एम्पॉवरमेंट, मंथन सहारा ग्रामीण एवं समाज सेवा समिति], **खेड़ा** [कैरा सोशल सर्विस सोसाइटी, श्री वाडलाल्स एस. गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट (कपड़वंज)], **कोल्हापुर** [सांगली मिशन सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **कच्छ** [मालधारी एक्शन रूरल ग्रुप (एमएआरएजी), सारस्वतम, मांडवी, यूसुफ मेहेरली सेंटर], **लातूर** [कला पंधारी मगस्वर्गीय एंड आदिवासी विकास संस्था] , **मंडला** [नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ वीमेन, चाइल्ड एंड यूथ डेवलपमेंट, कामयाब युवा संस्कार समिति], **मंदसौर** [विकल्प सामाजिक संस्थान], **मेहसाणा** [करुणा सेतु ट्रस्ट], **मोरबी** [नवजीवन ट्रस्ट], **मोरेना** [धार्त्री ग्राम त्थान एवं सहभागी विकास समिति], **मुंबई** [हमारा फाउंडेशन, यूथ फ़ॉर यूनिटी एंड वॉलंटरी एक्शन (युवा), चाइल्डलाइन इंडिया फ़ाउंडेशन, युवा अर्बन इनिशिएटिव- नवी मुंबई कोलैब, कमिटेड कम्यूनिटीज़ फ़ॉर डेवलपमेंट ट्रस्ट (सीसीडीटी) -सीएसटी मुंबई रेलवे कोलैब , हमारा फाउंडेशन – मुंबई सेंट्रल रेलवे कोलैब, युवा अर्बन इनिशिएटिव -दादर रेलवे कोलैब], **मुंबई उपनगरीय** [कमिटेड कम्युनिटीज़ फॉर डेवलपमेंट ट्रस्ट (सीसीडीटी), नवनिर्माण समाज विकास केंद्र, सलाम बालक ट्रस्ट – बांद्रा रेलवे कोलैब , पलवी एजुकेशनल ट्रस्ट – एलटीटी, कुर्ला रेलवे कोलैब], **नागपुर** [वरदान, इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ प्रमोशन ऑफ एडॉप्शन, मटरू सेवा संघ (एमएसएस) इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, बापूजी बहुजन समाज कल्याण बहुद्देशीय संस्था, इंडियन सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, वरदान – इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रमोशन ऑफ एडॉप्शन एंड चाइल्ड वेलफेयर – रेलवे कोलैब], **नांदेड** [परिवार प्रतिष्ठान], **नंदरबार** [दवलशा बाबा महिला उन्नति मंडल], **नर्मदा** [राजपीपला सोशल सर्विस सोसाइटी], **नरसिंहपुर** [संजीवनी सर्विस सोसायटी], **नासिक** [नवजीवन वर्ल्ड पीस एंड रिसर्च फाउंडेशन, कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, नवजीवन वर्ल्ड पीस एंड रिसर्च फाउंडेशन – रेलवे कोलैब], **नवसारी** [ग्राम सेवा ट्रस्ट], **नीमच** [नीमच सहज समाज उत्थान समिति], **निवारी** [नवदिशा समाजिक संस्थान], **नॉर्थ गोवा** [कैरिटास-गोवा, निर्मला एजुकेशन सोसायटी], **उस्मानाबाद** [श्री कुलस्वामिनी

शिक्षण प्रसारक मंडल], **पंच महल्स** [डेवलपिंग इनिशिएटिव फॉर सोशल एंड ह्यूमन एक्शन (दिशा)], **पन्ना** [संकल्प समाज सेवी संस्था, जन साहस सोशल डेवलपमेंट सोसायटी],**परभणी** [सोशियो इकॉनोमिक डेवलपमेंट ट्रस्ट (एसईडीटी)], **पाटन** [ब्रह्म समाज सेवा ट्रस्ट], **पुणे** [ज्ञान देवी, सोसाइटी फॉर असिस्टेंस टू चिल्ड्रेन इन डिफिकल्ट सिचुएशन – साथी – रेलवे कोलैब], **रायगढ़** [दिशा केंद्र], **रायसेन** [इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, कृषक सहयोग संस्थान], **राजगढ़** [अहिंसा वेलफेयर सोसायटी], **राजकोट** [श्री पूजित रूपानी मेमोरियल ट्रस्ट, श्री पूजित रुपाणी मेमोरियल ट्रस्ट – रेलवे कोलैब], **रतलाम** [समर्पण केयर, अवेयरनेस एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर, न्यू लाइफ सेंटर – रेलवे कोलैब], **रत्नागिरी** [नेम ऑफ़ चाइल्डलाइन पार्टनर], **रीवा** [रमाशिव बहुद्देशीय विकास समिति], **साबरकांठा** [डेवलपिंग इनिशिएटिव फॉर सोशल एंड ह्यूमन एक्शन (दिशा)], **सागर** [मानव विकास सेवा संघ, सांगली सांगली मिशन सोसाइटी], **सतारा** [लोककल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट], **सतना** [समारिटन सोशल सर्विस सोसायटी], **सीहोर** [स्वामी विवेकानंद शिक्षा समिति], **शहडोल** [सतगुरु मिशन], **शाजापुर** [अंकुर प्रगतिशील महिला केंद्र], **शेओपुर** [महात्मा गांधी सेवा आश्रम], **शिवपुरी** [परहित समाज सेवी संस्था, रुरल एडवांसमेंट थ्रू कम्युनिटी होमोजेनाइज़ेशन एंड नेशनल अवेयरनेस आर्गेनाइज़ेशन (रचना) , सोलापुर सोलापुर ज़िला समाजिक कार्य समिति, सोलापुर ज़िला सामाजिक कार्य समिति – रेलवे कोलैब], **सिद्धि** [कानपुरा कुटुम्बकम संस्थान, सिलवासा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी], **सिंधुदुर्ग** [जागृति फाउंडेशन, अटल प्रतिष्ठान], **सिंगरौली** [कानपुरा कुटुम्बकम संस्थान], **साउथ गोवा** [कोंकण डेवलपमेंट सोसाइटी, कैरिटास –मडगाँव रेलवे कोलैब], **सूरत** [प्रथम मुंबई एजुकेशन इनिशिएटिव, नवसर्जन ज़ेवियर्स सेल फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट – रेलवे कोलैब], **सुरेन्द्रनगर** [गणतर], **तापी** [वेदची प्रदेश सेवा समिति, विकल्प ट्रस्ट], **ठाणे** [सलाम बालक ट्रस्ट, सलाम बालक ट्रस्ट–ठाणे रेलवे कोलैब, उरीवी विक्रम चैरिटेबल ट्रस्ट –कल्याण रेलवे कोलैब, **टीकमगढ़** [नवदिशा समाजिक संस्थान], **उज्जैन** [कृपा सोशल वेलफेयर सोसाइटी, मध्य प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस एंड रिसर्च (एमपीआईएसएसआर), कृपा सोशल वेलफेयर सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **वदोदरा** [बड़ौदा सिटीज़न्स काउंसिल, फैकल्टी ऑफ़ सोशल वर्क, एमएस यूनिवर्सिटी, बड़ौदा सिटीज़न्स काउंसिल – रेलवे कोलैब]

पूर्व

अगरतला [वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ़ त्रिपुरा (वीएचएटी), त्रिपुरा आदिबाशी महिला समिति, त्रिपुरा काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर], **आईज़ोल** [सेंटर फॉर पीस एंड डेवलपमेंट], **अलीपुरद्वार** [डुआर्स ऑल्टरनेटिव मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (डीएएमआरआई), बिमला स्मृति समिति, बीरपारा वेलफेयर ऑर्गेनाइज़ेशन, रूरल एड–रेलवे कोलैब], **अररिया** [विकास विहार], **बालासोर** [ऑल्टरनेटिव फॉर रूरल मूवमेंट, अस्वासन], **बलौदाबाजार–भाटापारा** [गृहिणी], **बलरामपुर** [मानव संसाधन संस्कृति विकास परिषद (एमएसएसवीपी), छायादीप समिति, वाड्रफनगर], **बांका** [मुक्ति निकेतन, दिशा ग्रामीण विकास मंच], **बांकुरा** [शामयिता मठ], **बरगढ़** [पतंग], **बारपेटा** [आंचलिक ग्राम उन्नयन परिषद, स्टूडेंट्स वेलफेयर मिशन, **बेहरामपुर (गंजम) इंडियन सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट (आईएसआरडी), नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रूरल मोटिवेशन अवेयरनेस एंड ट्रेनिंग एक्टिविटीज़ (निर्माता), इंडियन सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट (आईएसआरडी) – रेलवे कोलैब], बेलोनिया (साउथ त्रिपुरा)** [आर्गेनाइज़ेशन फॉर रूरल सर्वाइवल], **बेमेतरा** [स्नेह सर्वोदय सेवा संस्था], **भद्रक** [सोसाइटी फॉर वीकर कम्युनिटी, प्रगति जुबक संघ], **भागलपुर** [दिशा ग्राम विकास मंच, नौगछिया जन विकास लोक कर्यक्रम, दिशा ग्रामीण विकास मंच– रेलवे कोलैब], **बीरभूम** [एल्महर्स्ट इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिटी स्टडीज, जयप्रकाश इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल चेंज (जेपीआईएससी), सिउरी, रामपुरहाट स्पैस्टिक्स एंड हैंडीकैप्ड सोसाइटी], **भोजपुर** [दिशा एक प्रयास], **भुवनेश्वर** [(खोरदाह) रुचिका सोशल सर्विस आर्गेनाइज़ेशन, भैरबी क्लब, हमारा बचपन ट्रस्ट– रेलवे कोलैब], **बिलासपुर** [समर्पित–सेंटर फॉर पोवेर्टी एलेविएशन एंड सोशल रिसर्च, शिखर युवा मंच (एसव्याईएम), समर्पित–सेंटर फॉर पॉवर्टी एलेविएशन एंड सोशल रिसर्च– रेलवे कोलैब], **बिष्णुपुर** [न्यू लाइफ फाउंडेशन–मणिपुर, पीपल्स रिसोर्स डेवलपमेंट एसोसिएशन (पीआरडीए)], **बोकारो** [सामाजिक परिवर्तन संस्थान, आस्था रिहैबिलिटेशन सेंटर, सहयोगिनी], **बोलंगीर** [आधार, कल्याण, यूथ सर्विसेस सेंटर], **बक्सर** [ग्रामीण संसाधन विकास परिषद, दिशा एक प्रयास], **चाईबासा** [सोसाइटी फॉर रिफार्मेशन एंड एडवांसमेंट ऑफ़ आदिवासीस (आसरा)], **चंदेल** [न्यू एरा एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट सोसायटी], **चतरा** [चेतना भारती, लोक प्रेरणा केंद्र], **चुराचंदपुर** [रूरल एड सर्विस, एक्शन फॉर वीमेन एंड चाइल्ड एडवांसमेंट, सोशल ह्यूमन एक्शन फॉर रूरल एम्पॉवरमेंट], **कूच बेहार** [सोसाइटी फॉर पार्टिसिपेटरी एक्शन एंड रिफ्लेक्शन (स्पार), हल्दीबारी वेलफेयर आर्गेनाइज़ेशन], **कटक** [बसुन्धरा, ओपन लर्निंग सिस्टम, दक्षिण दिनाजपुर सोसाइटी फॉर पार्टिसिपेटरी एक्शन एंड रिफ्लेक्शन (स्पार)], **दरभंगा** [कंचन सेवा आश्रम, ईस्ट एंड वेस्ट एजुकेशनल सोसाइटी, ग्रामोदय वीथी (सिंघवारा सब सेंटर), ग्रामोदय वीथी, (केओटी सब सेंटर), ज्ञान सेवा भारती संस्थान, सर्वो प्रयास संस्थान, नारायणी सेवा संस्थान– रेलवे कोलैब], **दार्जिलिंग** [चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट, नॉर्थ बंगाल यूनिट, कंचनजंघा उद्धार केंद्र वेलफेयर सोसायटी], **डारंग** [सोशल एक्शन फॉर एप्रोप्रियेट ट्रांसफॉर्मेशन एंड एडवांसमेंट इन रूरल एरिया (एसएटीआरए)], **देवगढ़** [दिशा, सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड रिसर्च (सी. एस.डीआर)], **देवघर** [ग्राम ज्योति, नेटवर्क फॉर एंटरप्राइज एनहांसमेंट एंड डेवलपमेंट सपोर्ट (नीड्स), यंग एक्शन फॉर मास, इंडिया (व्याईएएम, इंडिया)], **धलाई** [प्रभा धलाई], **धमतरी** [सहभागी समाज सेवी संस्थान], **धनबाद** [भारतीय किसान संघ (बीकेएस), ग्राम प्रौद्योगिक विकास संस्थान (निरसा), ग्राम प्रौद्योगिक विकास संस्थान (टुंडी), माथन–रेलवे कोलैब] **धनतेवाड़ा** [ग्रामोदय सेवा संस्थान, शामयिता मठ], **धर्मांगर** [आदर्श संघ (जम्पुई हिल्स), आदर्श संघ (कंचनपुर)], **ढेंकनाल** [सोशल आर्गेनाइज़ेशन फॉर वोलंटरी एक्शन (सोवा), आशा], **डिब्रूगढ़** [नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ यूथ एंड मासेस (एनईएसव्याईपीएम)], **दीमापुर** [प्रॉडगल्स होम, कम्युनिटी एजुकेशनल सेंटर सोसाइटी], **दुर्ग** [लोक शक्ति समाज सेवी संस्थान], **ईस्ट जैंतिया हिल्स** [जैंतिया हिल्स डेवलपमेंट सोसाइटी], **ईस्ट सिंहभूम** [आदर्श सेवा सस्थान, टेक्नोलॉजी रिसोर्स कम्युनिकेशन एंड सर्विस सेंटर (टीआरसीएससी), आदर्श सेवा संस्थान– टाटा नगर रेलवे कोलैब], **गजपति** [इंडियन सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट (आईएसआरडी), सेंटर फॉर चाइल्ड एंड वीमेन डेवलपमेंट, प्रोग्राम फॉर रूरल अवेयरनेस एंड वेरी एक्शन (पीआरएवीए)], **गंगटोक** [(ईस्ट सिक्किम) एसोसिएशन फॉर सोशल हेल्थ इन इंडिया (एएसएचआई), यूथ डेवलपमेंट सोसाइटी ऑफ सिक्किम (ओडीईएसएस), रोंगिली, यूथ डेवलपमेंट सोसाइटी ऑफ सिक्किम (व्याईओडीएसएस), – रोंगपो], **गढ़वा** [सरवांगिन ग्रामीण विकास समिति, एक्शन फॉर वीमेन एड रूरल डेवलपमेंट –अवार्ड, जन सहभागी केंद्र], **गरियाबंद** [लोक आस्था सेवा संस्थान], **गया** [पीपल फर्स्ट एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट, पीपल फर्स्ट एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट– रेलवे कोलैब], **गिरिडीह** [जागो फाउंडेशन, बनवासी विकास आश्रम, सवेरा फाउंडेशन], **गोड्डा** [सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट इन ट्राइबल हेल्थ एजुकेशन एंड एनवायरमेंट (साथी), रेगुलेटरी एसोसिएशन फॉर सोशल एंड टेरिटोरियल असिस्ट (रास्ता)], **गुमला** [एनिमेशन रूरल आउटरीच सर्विस, सृजन फाउंडेशन, विकास भारती बिष्णुपुर], **गुवाहाटी** [इंडियन काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर (आईसीसीडब्ल्यू), नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर पब्लिक कोऑपरेशन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट (एनआईपीसीसीडी), इंडियन काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर (आईसीसीडब्ल्यू) – रेलवे कोलैब], **हैलाकांडी** [देशबंधु क्लब], **हज़ारीबाग** [सृजन फाउंडेशन, दर्पण, जन सेवा परिषद, नव भारती जागृति केंद्र, समाधान],**हुगली** [सत्य भारती], **हावड़ा** [डॉन बोस्को आशालयम, डॉन बोस्को आशालयम– रेलवे कोलैब], **हटबे** [प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर सोसायटी],**इम्फाल ईस्ट** [मणिपुर महिला कल्याण समिति, डिपार्टमेंट ऑफ़ एंथ्रोपोलॉजी], **इंफाल वेस्ट** [इंटीग्रेटेड वीमेन एंड चिल्ड्रन डेवलपमेंट सेंटर], **ईटानगर** [डॉन बोस्को स्कूल], **जगतसिंहपुर** [राधाकृष्ण क्लब], **जगदलपुर** [बस्तर

समाजिक जन विकास समिति], **जलपाईगुड़ी** [जलपाईगुड़ी वेलफेयर ऑर्गनाइज़ेशन, चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट, नॉर्थ बंगाल यूनिट- रेलवे कलैब], **जमुई** [जन प्रगति संस्थान, परिवार विकास, समग्र सेवा], **जांजगीर- चम्पा** [हेल्प एंड हेल्प्स समिति, निवेदिता फाउंडेशन], **जशपुर** [समर्पित- सेंटर फॉर पोवेर्टी एलेविएशन एंड सोशल रिसर्च], **झारसुगुड़ा** [सोशियो इकोनॉमिक हेल्थ एंड एग्रीकल्चर डेवलपमेंट एसोसिएशन (एसईएचएडीए), सोशियो इकोनॉमिक हेल्थ एंड एग्रीकल्चर डेवलपमेंट एसोसिएशन (एसईएचएडीए) - रेलवे कोलैब], **जोरहाट** [प्रेरोना प्रतिबंधी शिशु बिकाश केंद्र, नॉर्थ ईस्ट अफेक्टेड एरिया डेवलपमेंट सोसाइटी (एनईएडीएस) - माजुली सबडिवीज़न], **जोवाई** [जैंतिया हिल्स डेवलपमेंट सोसाइटी], **कैलासहर** [पुष्पाराज क्लब, ब्लाइंड एंड हैंडिकैप्ड एसोसिएशन], **कैमूर** [गांधी कुष्ठ निवारण प्रतिष्ठान, वीमेन लाइन, दुर्गावती], **कालाहाडी** [डेवलपमेंट एजेंसी फॉर पुअर एंड ट्राइबल अवेकनिंग - डीएपीटीए], **कलिम्पोंग** [बाल सुरक्षा अभियान ट्रस्ट], **कामरूप** [इंडियन काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर (आईसीसीडब्ल्यू), असम सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट रानी ब्लॉक, असम सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट, बोको ब्लॉक], **कंधमाल** [बनबासी सेवा समिति], **कांकेर** [सहभागी समाज सेवी संस्थान, बुल बुल शिक्षण प्रशिक्षण], **कर्बी** [एनलॉन्ग जिरसोंग असोंग, **कटिहार** [बाल महिला कल्याण, वेलफेयर इंडिया, बाल महिला कल्याण) - रेलवे कोलैब], **केओन्झार** [मनोज मंजरी शिशु भवन, वीमेन्स आर्गेनाइज़ेशन फॉर सोशियो-कल्चरल अवेयरनेस (डब्ल्यूओएससीए), आनंदपुर ब्लॉक, वीमेन्स आर्गेनाइज़ेशन फॉर सोशियो-कल्चरल अवेयरनेस (डब्ल्यूओएससीए), बांसापोल ब्लॉक, प्रकल्प (केओन्झार डिस्ट्रिक्ट)], **खोवाई** [त्रिपुरा आदिबाशी महिला समिति], **खूंटी** [सहयोग विलेज], **किफिर** [शालोम चिल्ड्रन्स होम], **किशनगंज** [क्रिसेंट एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट (क्रिसेंट पब्लिक स्कूल), ईस्ट एंड वेस्ट एजुकेशनल सोसाइटी, कॉमपीरिंग सोसाइटी फॉर सोशल वर्क एंड रिसर्च नेटवर्क (सीएसएसडब्ल्यूआरएन), नीलू जन विकास संस्थान], **कोडरमा** [समर्पण, राष्ट्रीय झारखंड सेवा संस्थान], **कोहिमा** [नागालैंड वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन], **कोकराझार** [नेदन फाउंडेशन], **कोलकाता** [चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट अर्बन यूनिट (सीआईएनआई आशा), सिटी लेवल प्रोग्राम ऑफ़ एक्शन फॉर स्ट्रीट एंड वर्किंग चिल्ड्रन, बस्ती लोकल कमेटी एंड सोशल वेलफेयर सेंटर, इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजिकल एंड एजुकेशनल रिसर्च (आईपीईआर), चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट-अर्बन यूनिट- सियालदह रेलवे कोलैब], **कोंडागांव** [साथी समाज सेवी संस्थान], **कोरापुट** [साउथ उड़ीसा वोलंटरी एक्शन (एसओवीए), एकता, वीमेन्स आर्गेनाइज़ेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट (डब्ल्यूओआरडी)], **कोरबा** [सोशल रिवाइवल ग्रुप ऑफ़ अर्बन, रूरल एंड ट्राइबल (एसआरओयूटी), शिखर युवा मंच (एसवाईएम), पौडीपोरा], **कोरिया** [पथ प्रदर्शक, सेवा भास्कर समाज कल्याण संस्थान], **कवर्धा** [(कबीरधाम) आस्था समिति], **लोहरदगा** [लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान], **लोअर** [दिबांग वैली अलम्ब्रो मायु याकु ची अमे अरोगा (एएमव्याईएए एनजीओ)], **लुंगलेई** [ओपन डोर्स], **मधुबनी** [सर्वो प्रयास संस्थान, बिहार सेवा समिति, सखी], **महासमुंद** [निदान सेवा परिषद], **मालदा** [हैदरपुर शेल्टर ऑफ़ मालदा, चंचल जनकल्याण समिति, न्यू अलीपुर प्राजक डेवलपमेंट सोसाइटी- रेलवे कोलैब], **मलकानगिरी** [परिवर्तन, हारमनी, परिवर्तन (पोडिया एंड कालीमेला)], **ममित** [सेंटर फॉर पीस एंड डेवलपमेंट], **मयूरभंज** [रूरल डेवलपमेंट एक्शन सेल (आरडीएसी), सेंटर फॉर रीजनल एजुकेशन फॉरेस्ट एंड टूरिज्म डेवलपमेंट एजेंसी (सीआरईएफटीडीए)], **मोकोकचुंग** [केयर एंड सपोर्ट सोसायटी], **मुर्शिदाबाद** [पल्सा पल्ली उन्नयन समिति, चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट -मुर्शिदाबाद यूनिट, डोमकल विकास केंद्र, गोराबाजार शहीद खुदीराम पत्थरगढ़, मारफत], **मुज़फ्फरपुर** [नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर रूरल डेवलपमेंट, एजुकेशन, सोशल अपलिफ्टमेंट एंड हेल्थ (निर्देश), ग्रामीण जन कल्याण परिषद, हनुमान प्रसाद ग्रामीण विकास सेवा समिति, महिला डेवलपमेंट सेंटर, नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर रूरल डेवलपमेंट, एजुकेशन, सोशल अपलिफ्टमेंट एंड हेल्थ (निर्देश) - रेलवे कोलैब], **नबरंगपुर** [सोशियो-इकॉनोमिक डेवलपमेंट प्रोग्राम], **नदिया** [स्त्रीमा महिला समिति, छपरा सोशल एंड इकॉनोमिक वेलफेयर एसोसिएशन], **नागांव** [ग्राम विकास परिषद, सदउ असोम ग्राम्य पुथिभरल संस्था], **नामसई** [अरुणाचल पाली विद्यापीठ सोसायटी], **नारायणपुर** [साथी समाज सेवी संस्था], **नवादा** [बाल विकास धारा], **नयागढ़** [गनिया उन्नयन कमेटी], **नोंगस्टोइन** [(वेस्ट खासी हिल्स) नोंगस्टन सोशल सर्विस सोसायटी], **नॉर्थ २४ परगना** [धगागिया सोशल वेलफेयर सोसाइटी, सेंटर फॉर कम्युनिकेशन एंड डेवलपमेंट, चारुगाछी लाइट हाउस सोसाइटी, जॉयगोपालपुर यूथ डेवलपमेंट सेंटर, कटाखाली एम्पॉवरमेंट एंड यूथ एसोसिएशन, हसनाबाद, खालिसाडी अनुभब वेलफेयर एसोसिएशन, नॉर्थ २४ परगना सम्याओ श्रमोजीबी समिति, सयेस्तानगर स्वनिर्भर महिला समिति], **पाकुर** [जन लोक कल्याण परिषद, भारतीय किसान संघ (बीकेएस), अमन समाज कल्याण, ग्रामीण विकास केंद्र, झारखंड विकास परिषद, लोक कल्याण सेवा केंद्र, टैगोर सोसायटी फॉर रूरल डेवलपमेंट, पलामू सम्पूर्ण ग्राम विकास केंद्र, महिला समग्र उत्थान समिति, पनकी ब्लॉक], **पश्चिम बर्धमान** [जयप्रकाश इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल चेंज (जेपीआईएससी), न्यू अलीपुर प्राजक डेवलपमेंट सोसाइटी- आसनसोल रेलवे कोलैब], **पश्चिम मेदिनीपुर** [प्रबुद्ध भारती शिशु तीर्थ, विद्यासागर स्कूल ऑफ़ सोशल वर्क, चक-कुमार एसोसिएशन फॉर सोशल सर्विस, प्रबुद्ध भारती शिशु तीर्थ-खरगपुर रेलवे कोलैब], **पटना** [बालसखा, ईस्ट एंड वेस्ट एजुकेशनल सोसाइटी, नारी गुंजन, बालसखा - रेलवे कोलैब], **पेरेन** [रोंगमेई बैपटिस्ट एसोसिएशन], **पोर्ट ब्लेयर** [प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर सोसाइटी], **पूर्व बर्धमान** [आसनसोल बर्दवान सेवा केंद्र, जयप्रकाश इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल चेंज (जेपीआईएससी) - कटवा], **पूर्वी चंपारण** [नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर रूरल डेवलपमेंट, एजुकेशन, सोशल अपलिफ्टमेंट एंड हेल्थ (निर्देशफ), कॉम्प्रीहेन्सिव हेल्थ एंड रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (सीएचएआरडीएस), इंस्टिट्यूट फॉर डेवलपमेंटल एजुकेशन एंड एक्शन (आईडिया), प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर सोसाइटी], **पुरी** [रूरल एंड अर्बन सोशियो कल्चरल हेल्प (रश) - रेलवे कोलैब], **पूर्णिया** [तटवासी समाज न्यास, अखिल भारतीय ग्रामीण विकास परिषद, परिवेश पूर्ण जागरण संस्थान, तटवासी समाज न्यास, सब सेंटर], **पुरुलिया** [सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल एंड सोशियो इकॉनोमिक रिजेनरेशन], **मणिपुर** [लेप्रसी रिहैबिलिटेशन सेंटर],**रायगढ़** [लोक शक्ति समिति, रायपुर संकल्प सांस्कृतिक समिति, चेतना चाइल्ड एंड वीमेन वेलफेयर सोसाइटी, संकल्प सांस्कृतिक समिति - रेलवे कोलैब], **राजनंदगांव** [सृजन सामाजिक संस्था], **रांची** [ज़ेवियर्स इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ, द नेशनल डोमेस्टिक वर्कर्स वेलफेयर ट्रस्ट- रेलवे कोलैब], **रायागडा** [शक्ति सोशल कल्चरल एंड स्पोर्टिंग आर्गेनाइज़ेशन, पल्ली विकास], **री भोई** [बॉस्को इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट सोसायटी (बीआईडीएस)], **रोहतास सुराजे, परिवार विकास**], **राउरकेला** [(सुंदरगढ़) दिशा, कम्युनिटी एक्शन फॉर द अपलिफ्टमेंट ऑफ़ सोशियो-इकॉनोमिकली बैकवर्ड पीपल, दिशा- रेलवे कोलैब], **सहरसा** [अनुसुचित जाति/ अनुसूचित जनजाति कल्यान समिति, कोसी सेवा सदन, मीमांसा कल्याण समिति], **साहेबगंज** [ग्राम प्रौद्योगिक विकास संस्थान, चेतना विकास - बरहरवा, जन लोक कल्याण परिषद- तालझरी], **समस्तीपुर** [प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर सोसाइटी, जवाहर ज्योति बाल विकास केंद्र, स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान, यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी], **संबलपुर** [एडीएआरएसए, आशा, रूरल आर्गेनाईज़ेशन फॉर पीपल्स एम्पॉवरमेंट (आरओपीई)], **सरन** [नारायणी सेवा संस्थान, कंचन सेवा आश्रम - रेलवे कोलैब], **सरगुजा** [मानव संसाधन संस्कृति विकास परिषद (एमएसएसवीपी), छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान (सीजीपीएस), संगता सहभागी ग्रामीण विकास संस्थान], **सेनापति** [मणिपुर नॉर्थ इकॉनोमिक डेवलपमेंट एसोसिएशन (एमएएनईडीए)], **सिपाहीजला** [वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ त्रिपुरा (वीएचएटी)], **सराइकेला-** [खरसावाँ टेक्नोलॉजी रिसोर्स कम्युनिकेशन एंड सर्विस सेंटर (टीआरसीएससी)], **शिलांग** [बोस्को इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट सोसाइटी (बीआईडीएस)], **सिलचर** [देशबंधु क्लब, राजीव ओपन इंस्टीट्यूट], **सिमडेगा** [सहयोग विलेज, छोटानागपुर कल्याण निकेतन], **सीतामढ़ी** [कर्पूरी ठाकुर ग्रामीण विकास संस्थान, एडीआईटीएचआई, प्रगति एक प्रयास, रीगा, प्रगति एक प्रयास सोनबरसा/दोस्तिया, प्रथम मुम्बई एजुकेशन इनिशिएटिव

(पीएआरआईएचएआर सब सेंटर)], **साउथ २४ परगना** [चाइल्ड इन नीड इंस्टिट्यूट–डायमंड हार्बर यूनिट], [सबुज संघ, स्कूल ऑफ वीमेन्स स्टडीज़, जादवपुर यूनिवर्सिटी,दिगबरपुर अंगिकार, सुंदरबन सोशल डेवलपमेंट सेंटर], **साउथ सिक्किम** [दृष्टि, तुरुक डेवलपमेंट सोसाइटी, मेली, कपिंज़ल सोशल फाउंडेशन (केएसएफ), रावंगला], **सुपौल** [ज्ञान सेवा भारती संस्थान], **सूरजपुर** [छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान (सीजीपीएस), पथ प्रदर्शक], **थौबल** [इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट सर्विस आर्गेनाईज़ेशन (आईआरएसडीओ), ऑल बैकवर्ड क्लासेस एंड इकॉनोमिक डेवलपमेंट आर्गेनाईज़ेशन (एबीसीईडीओ)], **तिनसुकिया** [नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ यूथ एंड मासेस (एनईएसव्याईपीएम), सरजुदय (मर्गेरीटा ब्लॉक), सरजुदय (सांडिया ब्लॉक)], **उदयपुर** [आर्गेनाइज़ेशन फॉर रूरल सर्वाइवल], **उदलगुरी** [रूरल आर्गेनाईज़ेशन फॉर सोशल सर्विस (आरओएसएस), उखरुल एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा], **उत्तर दिनाजपुर** [चाइल्ड इन नीड इंस्टिट्यूट उत्तर दिनाजपुर यूनिट], **वैशाली** [नारायणी सेवा संस्थान, स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान, वैशाली समाज कल्याण संस्थान, **लक्ष्य, स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान– हाजीपुर रेलवे कोलैब], **वेस्ट चम्पारण** [जन विकास, सर्वोदय पुस्तकालय शिक्षण एवं विकास संस्थान], **वेस्ट सिक्किम** [कपिंजल सोशल फाउंडेशन (केएसएफ)]

***ये पार्टनर वित्त वर्ष के कुछ भाग के दौरान परिचालन में थे।**

दक्षिण

आदिलाबाद [सोशल एक्शन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट सर्विसेस–एसएआईडीएस], **अलाप्पुज्हा द** [अलेपी डायोसेसन चैरिटेबल एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी], **अनंतपुर** [रायलसीमा डेवलपमेंट ट्रस्ट–आरडीटी, वीमेन्स डेवलपमेंट ट्रस्ट, ह्यूमन एंड नेचरल रिसोर्सेस डेवलपमेंट सोसायटी, प्रजा सेवा समाज], **अरियालुर** [रूरल एजुकेशन एंड एक्शन डेवलपमेंट, कुंबकोणम मल्टीपर्पस सोशल सर्विस सोसायटी], **बगलकोट** [रूरल एनवायरनमेंट अवेयरनेस एंड कम्युनिटी हेल्प (आरईएसीएच], **बैंगलोर** [बैंगलोर ओनियावारा सेवा कूटा (बोस्को), एसोसिएशन फॉर प्रमोटिंग सोशल एक्शन – एपीएसए, चाइल्ड राइट्स ट्रस्ट, बैंगलोर ओनियावारा सेवा कूटा (बोस्को) – रेलवे कोलैब, सोसाइटी फॉर असिस्टेंस टू चिल्ड्रन इन डिफिकल्ट सिचुएशन –एसएटीएचआई–यशवंतपुरा रेलवे कोलैब], **बैंगलोर** [रूरल स्पर्श ट्रस्ट, नेम्मदी, ग्रामीण अभ्युदय सेवा समस्थे], **बेलगाम** [यूनाइटेड सोशल वेलफेयर एसोसिएशन], **बेल्लारी** [बेल्लारी डायोसेसन डेवलपमेंट सोसाइटी –बीडीडीएस, सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट –सीओआरडी, डॉन बॉस्को – द होस्पेट सलेसियन सोसाइटी, सोसाइटी फॉर इंटीग्रेटेड कम्युनिटी डेवलपमेंट (एसएनईएचए)] **भद्रादारी** [कोठागुदेम व्यावसायिक मारियु अभिवृद्धि समस्त], **बीदर** [डॉन बॉस्को यूथ एम्पॉवरमेंट सर्विसेस, सहयोग, डॉ. अंबेडकर कल्चरल एंड वेलफेयर सोसाइटी, आर्गेनाइज़ेशन फॉर बीदर इंटीग्रल ट्रांसफॉर्मेशन (ओआरबीआईटी), कार्मेल सेवा ट्रस्ट) – रेलवे कोलैब], **बीजापुर** [(विजयपुरा) उज्वला रूरल डेवलपमेंट सर्विस सोसायटी], **चामराजनगर** [आर्गेनाइज़ेशन फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ पीपल (ओडीपी), साधना], **चेन्नई** [इंडियन काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर (आईसीसीडब्ल्यू), डॉन बॉस्को अंबु इलम, कम्युनिटी हेल्थ एजुकेशन सोसाइटी (सीएचईएस), एशियन यूथ सेंटर, अरुणोदय सेंटर फॉर स्ट्रीट एंड वर्किंग चिल्ड्रन–चेन्नई, एम ोर– रेलवे कोलैब, ब्रो. सिगा सोशल सर्विस गिल्ड– चेन्नई सेंट्रल– रेलवे कोलैब, मर्टल सोशल वेलफेयर नेटवर्क –विलिवक्कम–रेलवे कोलैब], **चिकबल्लपुरा** [एक्शन फॉर सोशल एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट एसोसिएशन, राजीव गांधी इकॉनोमिक वेलफेयर एंड रूरल डेवलपमेंट सोसायटी], **चिक्कमगलुरु** [सर्वोदय आर्गेनाइज़ेशन फॉर सोशल वर्क], **चित्रदुर्ग** [श्री बसवेश्वर विद्या समस्थे], **चित्तूर** [राष्ट्रीय सेवा समिति, अकैडमी गांधियन स्टडीज़ (एजीएस), रूरल आर्गेनाइज़ेशन फॉर पोवेर्टी एराडिकेशन सर्विसेस (आरओपीईएस), प्रजा प्रगति ट्रस्ट (पीपीटी)– तिरुपति रेलवे कोलैब], **कोयम्बटूर** [डॉन बॉस्को अंबु इलम, सेंटर फॉर सोशल एजुकेशन एंड डेवलपमेंट (सीएसईडी))–रेलवे कोलैब], **कुड्डालोर** [इंडियन काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर (आईसीसीडब्ल्यू)], **दावणगेरे** [द डॉन बॉस्को चैरिटेबल सोसाइटी, स्पूर्ती, नेसारा, कोलाचे प्रदेष परिसर, परिवर्तने मथु हल्लीगला अभिवृद्धि समस्थे, ** धर्मपुरी हेब्रोन केयरिंग सोसाइटी फॉर चिल्ड्रन], **धारवाड़** [बेल्गौम डायोसेसन सोशल सर्विस सोसाइटी (बीडीएसएसएस), स्नेहा एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सोसाइटी (एसईडीएस), कल्याणकिरण सोशल सर्विस इंस्टीट्यूशन, कर्मणी ग्रामीण सेवा प्रतिष्ठान, *** एसईईडीए ट्रस्ट, बेल्गौम डायोसेसन सोशल सर्विस सोसाइटी (बीडीएसएसएस)–हुब्बल्ली रेलवे कोलैब], **डिंडीगुल** [डिंडीगुल मल्टीपर्पस सोशल सर्विस सोसाइटी (डीएम एसएसएस), मीरा फाउंडेशन, सीईडीए ट्रस्ट], **ईस्ट गोदावरी** [पीपल्स एक्शन फॉर रूरल अवेकनिंग (पीएआरए)], *****स्वराज्य अभ्युदय सेवा समिति (एसएएसएस), **एलुरु (वेस्ट गोदावरी) सोशल सर्विस सेंटर, *****डिपार्टमेंट ऑफ़ सोशल वर्क, डीएनआर कॉलेज, इरोड** [सेंटर फॉर एक्शन एंड रूरल एजुकेशन–सीएआरई राइट्स एजुकेशन डेवलपमेंट सेंटर (आरईएडी) –रेलवे कोलैब], **गडग** [सृष्टि इंटीग्रेटेड अर्बन एंड रूरल डेवलपमेंट सर्विस], **गुलबर्गा** [(कलाबुर्गी) डॉन बॉस्को पीव्याईएआर, सेठ शंकरलाल लॉ कॉलेज, मार्गदर्शी सोसाइटी, मार्गदर्शी सोसाइटी–रेलवे कोलैब, हैदराबाद कर्नाटक एजुकेशन सोसाइटी (सेठ शंकरलाल लॉ कॉलेज)– वादी रेलवे कोलैब], **गुंटूर** [गुड शेफर्ड कॉन्वेंट, सोशल एजुकेशनल एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट सोसाइटी (एसईईडीएस), जेएमजे सोशल सर्विस सोसाइटी)– रेलवे कोलैब], **हसन** [प्रचोदना (सेंटर फॉर सोशल सर्विस)], **हावेरी** [चैतन्य रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, रोशनी सोशल एक्शन सेंटर], **हैदराबाद** [दिव्य दिशा, सोसाइटी फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट इन अर्बन एंड रूरल एरियास (एसआईडीयूंआर), दिव्य दिशा–सिकंदराबाद रेलवे कोलैब, एसोसिएशन फॉर सोशल रिफॉर्मेशन इंटीग्रेशन एंड थॉट ऑफ हेल्थ अवेयरनेस (एएसआरआईटीएचए) – काचेगुडा रेलवे कोलैब, हर चॉइसेस ट्रस्ट – हैदराबाद रेलवे कोलैब], **इडुक्की वोलंटरी** [आर्गेनाइज़ेशन फॉर सोशल एक्शन एंड सोशल डेवलपमेंट (वीओएसएआरडी), मैरिएन कॉलेज कुट्टिकानम, वोलंटरी आर्गेनाइज़ेशन फॉर सोशल एक्शन एंड सोशल डेवलपमेंट (वीओएसआरडी)–सब सेंटर, विजयपुरम सोशल सर्विस सोसायटी], **जगित्याल** [प्रकृति एनवायरनमेंट सोसायटी], **जोगुलम्बा**–[गढ़वाल डिस्ट्रिक्ट कमिटमेंट्स], **कामराड्डी** [रूरल आर्गेनाइज़ेशन फॉर सोशल एम्पॉवरमेंट (आरओएसई)], **कांचीपुरम** [एसोसिएशन फॉर कम्युनिटी डेवलपमेंट सर्विस –एसीडीएस, हैंड इन हैंड इंडिया, हैंड इन हैंड इंडिया –तंबरम रेलवे कोलैब], **कन्नूर** [टेलिचेरी सोशल सर्विस सोसाइटी, डॉन बॉस्को कॉलेज, एसोसिएशन फॉर द वेलफेयर ऑफ हैंडीकैप्ड (एडब्ल्यूएच) –ड्रीम्स], **कन्याकुमारी** [कोत्तर सोशल सर्विस सोसायटी, होली क्रॉस कॉलेज], **कराईकल** [सोशल नीड एजुकेशन एंड ह्यूमन अवेयरनेस (एसएनईएचए)], **करीमनगर** [प्रथम मुंबई एजुकेशन इनिशिएटिव], **करूर एसोसिएशन ऑफ रूरल एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सर्विस,****** कुरनूल श्री परमेश्वरी एजुकेशनल सोसाइटी, कासरागोड** [कासरागोड रोटरी इंस्टिट्यूट फॉर डिसएबल्ड, मार थोमा कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन, पीएएनटीईसीएच], **कवारती** [थानल चैरिटेबल आर्गेनाईज़ेशन], **खम्मम** [सोसायटी फॉर कम्युनिटी पार्टिसिपेशन एंड एजुकेशन इन रूरल डेवलपमेंट एससीओपीई–आरडी), जागृति वोलंटरी सर्विस आर्गेनाईज़ेशन– रेलवे कोलैब], **कोच्चि** [डॉन बॉस्को स्नेहा भवन, राजागिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेस, वेलफेयर सर्विसेस सहृदय–एरणाकुलम रेलवे कोलैब], **कोडागु** [कूर्ग आर्गेनाइजेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट], **कोलार** [स्पर्श ट्रस्ट], **कोल्लम** [क्रिलोन डॉन बॉस्को सोसाइटी, क्रिलोन सोशल

सर्विस सोसाइटी, पुनालुर सोशल सर्विस सोसाइटी], **कोप्पल** [सर्वोदय इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट सोसायटी], **कोट्टायम** [विजयपुरम सोशल सर्विस सोसाइटी, बिशप चूलपरंबिल मेमोरियल आउटरीच ज्वाइंट एक्शन टू स्ट्रेंथेन सोसाइटी (बीसीएम ओजेएएसएस), वी केयर सेंटर], **कोज्हिकोड़े** [एसोसिएशन फॉर द वेलफेयर ऑफ़ हैंडीकैप्ड (एडब्ल्यूएच), फारूक कॉलेज, शेशी चैरिटेबल सोसाइटी – रेलवे कोलैब], **कृष्णागिरी** [एसोसिएशन फॉर रूरल कम्युनिटी डेवलपमेंट (एआरसीओडी)], **मदुरै** [शक्ति (विदियल), मदुरै इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, (कैप्ट.डीवीआर फाउंडेशन फॉर एचआरडी), एकता रिसोर्स सेंटर फॉर विमेन – रेलवे कोलैब], **महबूबाबाद** [फ्रांसिसकन मिशनरीज़ ऑफ़ मेरी सोशल सर्विस सोसायटी], **महबूबनगर** [इको-क्लब (पर्यावरण परिरक्षण संस्था)], **माहे कारुन्य** [चैरिटेबल सोसाइटी फॉर पेन एंड पैलिएटिव केयर], **मलप्पुरम** [शेशी चैरिटेबल सोसाइटी, पॉकर साहिब मेमोरियल ऑर्फ़नेज कॉलेज (पीएसएमओ कॉलेज), राजागिरी आउटरीच], **म नचेरि**यल [दायोसीस ऑफ़ आदिलाबाद ह्यूमन प्रमोशन सोसाइटी], **मंड्या** [विकासना इंस्टिट्यूट फॉर रूरल एंड अर्बन डेवलपमेंट, भीम इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट सोसायटी],**मंगलौर** [पीएडीआई, स्कूल ऑफ सोशल वर्क (रोशिनी निलय)], **मेदक** [दिव्य दिशा], **मेडकेल** [द सिकंदराबाद डॉन बोस्को नवजीवन सोसायटी, उप्पल], **मैसूर** [रूरल लिटरेसी एंड हेल्थ प्रोग्राम (आरएलएचपी), आर्गेनाइज़ेशन फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ पीपल (ओडीपी), निसर्ग फाउंडेशन], **नागपट्टिनम** [अव्वाई विलेज वेलफेयर सोसाइटी, सोसाइटी ऑफ डॉटर्स ऑफ मेरी इमैकुलेट (डीएमआई), वनविल ट्रस्ट- रेलवे कोलैब], **नागराकुर्नूल** [इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला वेलफेयर एसोसिएशन (आईपीडब्ल्यूडब्ल्यूए)], **नलगोंडा** [पीपल्स एक्शन फॉर क्रिएटिव एजुकेशन (पीईएसीई), ग्राम्य, **नमक्कल वीमेन्स आर्गे नाइज़ेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट (डब्ल्यूओआरडी)], नीलगिरीस** [रूरल डेवलपमेंट आर्गेनाइज़ेशन (आरडीओ ट्रस्ट), सरस ट्रस्ट, नीलगिरीस आदिवासी वेलफेयर एसोसिएशन], **निर्मल** [डीसेंट्रलाइज़ रूरल एजुकेशन अवेयरनेस मूवमेंट सोसाइटी- ड्रीम सोसायटी], **निज़ामाबाद** [वीमेन्स आर्गेनाईज़ेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट (डब्ल्यूओआरडी), ग्रेसी आर्गेनाईज़ेशन फॉर डेवलपमेंट सर्विसेस (जीओडीएस) -रेलवे कोलैब, ओंगोले हेल्प], **पलक्कड़** [प्रेषिता सर्विस सोसाइटी (समग्र)], **पठानमथिट्टा** [बोधना], **पेड्डापल्ले** [अर्थ फाउंडेशन], **पेरम्बलुर** [इंडियन डेवलपमेंट आर्गेनाईज़ेशन ट्रस्ट], **पुदुचेरी** [पांडिचेरी मल्टीपर्पस स्कूल सर्विस सोसायटी (पीएम एसएसएस)], **पुदुक्कोट्टई** [पुदुक्कोट्टई मल्टीपर्पस सोशल सर्विस सोसाइटी (पीएमएसएसएस), रूरल एजुकेशन फॉर कम्युनिटी आर्गे नाईज़ेशन (आरईसीओ), रूरल डेवलपमेंट आर्गेनाइज़ेशन (आरडीओ)], **रायचूर** [विमुक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट], **रामनगर** [शांता जीवन ज्योति], **रामनाथपुरम** [तमिलनाडु रूरल रिकंस्ट्रक्शन मूवमेंट (टीआरआरएम), सोसाइटी फॉर पीपल एजुकेशन एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट ट्रस्ट (एसपीईईडी), पीपल्स एक्शन फॉर डेवलपमेंट (पीएडी), सोसाइटी फॉर पीपल एजुकेशन एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट ट्रस्ट (एसपीईईडी) – रेलवे कोलैब, तमिलनाडु रूरल रिकंस्ट्रक्शन मूवमेंट(टीआरआरएम)- रामेश्वरम रेलवे कोलैब], **रंगा** [रेड्डी सोसाइटी फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट इन अर्बन एंड रूरल एरियाज़ (एसआईडीयूआर), कस्तूरबा गांधी नेशनल मेमोरियल, राजेंद्रनगर, स्पंदन, इब्राहिमपटनम], **सलेम** [डॉन बोस्को सोशल सर्विस सोसाइटी, यंग वीमेन्स क्रिस्चियन एसोसिएशन], **संगारेड्डी** [मेदक डिस्ट्रिक्ट वोलंटरी एजेंसीज़ नेटवर्क (एमईडीवीएएन)], **शिमोगा** [(शिवमोग्गा) मलनाड सोशल सर्विस सोसाइटी, सिद्धेश्वर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी], **शिवगंगई** [इंटीग्रेटेड रूरल कम्युनिटी डेवलपमेंट सोसाइटी (आईआरडीएस), मनिथन चैरिटेबल ट्रस्ट], **श्री पोट्टी** [श्रीरामुलु नेल्लोर चैतन्य ज्योति वेलफेयर सोसाइटी (सीजेडब्ल्यूएस)], **श्रीकाकुलम** [यूथ क्लब ऑफ बज्रिपुरम (व्याईसीबी), बापूजी रूरल एनलाइटनमेंट एंड डेवलपमेंट सोसाइटी (बीआरईडीएस), बापूजी रूरल एनलाइटनमेंट एंड डेवलपमेंट सोसाइटी (बीआरईडीएस)-सब सेंटर, गुन्ना उदतैया इटरनल सर्विस टीम (जीयूएसटी), गुन्ना उदतैया इटरनल सर्विस टीम (जीयूएसटी) एक्शन इन रूरल टेक्नोलॉजी एंड सर्विसेस -एआरटीएस, अपहोल्ड-पलासा रेलवे कोलैब], **सूर्यपेट** [ग्रीन क्रॉस], **तंजावुर** [सोशल हेल्थ एंड एजुकेशन डेवलपमेंट इंडिया (एसएचईडी), पेरियारमणियाम्मई यूनिवर्सिटी], **थेनी** [अम्बेलाल हेनरिक मेमोरियल ट्रस्ट (एएचएम ट्रस्ट), महावीर मुन्नेत्र संगम, द सोसाइटी ऑफ सिस्टर ऑफ़ द प्रेजेंटेशन फॉर द ब्लेस्ड वर्जिन मेरी (जीवन ज्योति होस्पिस)], **तिरुवल्लुर** [हेल्प अ चाइल्ड ऑफ़ इंडिया], **तिरुवनंतपुरम** [त्रिवेंद्रम डॉन बॉस्को विद्यू सोसाइटी, त्रिवेंद्रम सोशल सर्विस सोसाइटी -टीएसएस, लोयोला एक्सटेंशन सर्विसेस, त्रिवेंद्रम डॉन बॉस्को विद्यू सोसाइटी – थम्बनूर रेलवे कोलैब], **तिरुवन्नमलाई** [टेर दे होम्स कोर ट्रस्ट, टेर दे होम्स कोर ट्रस्ट -सब सेंटर], **थूथुकुडी** [पीपल्स एक्शन फॉर डेवलपमेंट (पीएडी), पीपल्स एक्शन फॉर डेवलपमेंट (पीएडी)-रेलवे कोलैब], **थिरुनेलवेली** [शरणालयम-टीएसएसएस], **त्रिशूर** [सेंट.क्रिस्टिना होली एंजल्स होम, विमला कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, एटीएमए फाउंडेशन) – रेलवे कोलैब], **तिरुचिरापल्ली** [सोसाइटी फॉर एजुकेशन विलेज एक्शन एंड इंप्रूवमेंट (एसईवीएआई), बिशप हेबर कॉलेज, सोसाइटी फॉर एजुकेशन विलेज एक्शन एंड इम्प्रूवमेंट (एसईवीएआई) – रेलवे कोलैब], **तिरुपुर** [सेंटर फॉर सोशल एजुकेशन एंड डेवलपमेंट (सीएसईडी), तिरुप्पुर ऑक्सिलियम सलिसियन सिस्टर्स सोसाइटी (मरियालय], **तिरुवरुर** [नेशनल मदर चाइल्ड वेलफेयर आर्गेनाईजेशन (एनएएमसीओ)], **तुमकुर** [अभिवृद्धि सोसाइटी फॉर सोशल डेवलपमेंट, बीएडीयूकेयू], **उडीपी** [श्री कृष्ण सेवाधाम ट्रस्ट], **उत्तर कन्नड़** [(करवार) करवार डायोसेसन डेवलपमेंट काउंसिल (केडीडीसी), सहयाद्री कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड वीमेन एम्पॉवरमेंट सोसायटी], **वेल्लोर** [हैंड इन हैंड इंडिया, द होप हाउस, टेर दे होम्स कोर ट्रस्ट, द होप हाउस- जोलारपेट रेलवे कोलैब], **विजयवाड़ा** [(कृष्णा) फोरम फॉर चाइल्ड राइट्स, फोरम फॉर चाइल्ड राइट्स सब सेंटर, एसकेसीवी चिल्ड्रन्स ट्रस्ट (श्री कृष्ण चैतन्य विद्याविहार) रेलवे कोलैब], **विकाराबाद** [एम. वेंकटरंगैया फाउंडेशन, विकाराबाद, एम. वेंकटरंगैया फाउंडेशन, टंडूर सब सेंटर], **विल्लुपुरम** [एसोसिएशन फॉर रूरल मास, बुलक कार्ट वर्कर्स डेवलपमेंट एसोसिएशन, एसोसिएशन फॉर रूरल मास, सेंटर फॉर कोआर्डिनेशन ऑफ़ वोलंटरी वर्क्स एंड रिसर्च (सीईसीओडब्ल्यूओआर), मदर ट्रस्ट], **विरुधु** [नगर सोसाइटी फॉर पीपल्स एजुकेशन एंड इकोनॉमिक चेंज (एसपीईईसीएच), रिसोर्स सेंटर फॉर पार्टिसिपेटरी डेवलपमेंट स्टडीज़ (आरसीपीडीएस), सोसाइटी फॉर पीपल्स एजुकेशन एंड इकोनॉमिक चेंज (एसपीईईसीएच)-सब सेंटर, मदुरै मल्टीपर्पस सोशल सर्विस सोसायटी (एमएमएसएसएस), ट्रस्ट फॉर एजुकेशन और सोशल ट्रांसफॉर्मेशन (टीईएसटी)], **विशाखापत्तनम** [सोसायटी फॉर एजुकेशन एंड एनवायरनमेंट डेवलपमेंट- (एसईईडी), यूजीसी-डीआरएस प्रोग्राम, डिपार्टमेंट ऑफ़ सोशल वर्क, सोसाइटी फॉर असिस्टेंस टू चिल्ड्रन इन डिफिकल्ट सिचुएशन-एसएटीएचआई-रेलवे कोलैब], **विज़ियनगरम** [नेचर], **वानपरिथी** [श्रमिक विकास केंद्रम], **वारंगल** [मॉडर्न आर्किटेक्ट्स फॉर रूरल इंडिया (एमएआर आई), प्रगति सेवा समिति, थरुनी-रेलवे कोलैब], **वारंगल** [रूरल लोदी मल्टीपर्पस सोशल सर्विस सोसायटी], **वायनाड**[जॉइंट वोलंटरी एक्शन फॉर लीगल ऑल्टरनेटिव्स], **यादगीर** [डॉन बोस्को सोशल एक्शन सेंटर], **यानम** [उमा एजुकेशनल एंड टेक्निकल सोसाइटी], **व्याईएसआर** [कडापा विजय फाउंडेशन, रायलसीमा हरिजन गिरिजन बैकवर्ड माइनॉरिटीज़ सेवा समाजम, रूरल एक्शन इन डेवलपमेंट सोसाइटी (आरएआईडीएस)]

***ये पार्टनर वित्त वर्ष के कुछ भाग के दौरान परिचालन में थे।**

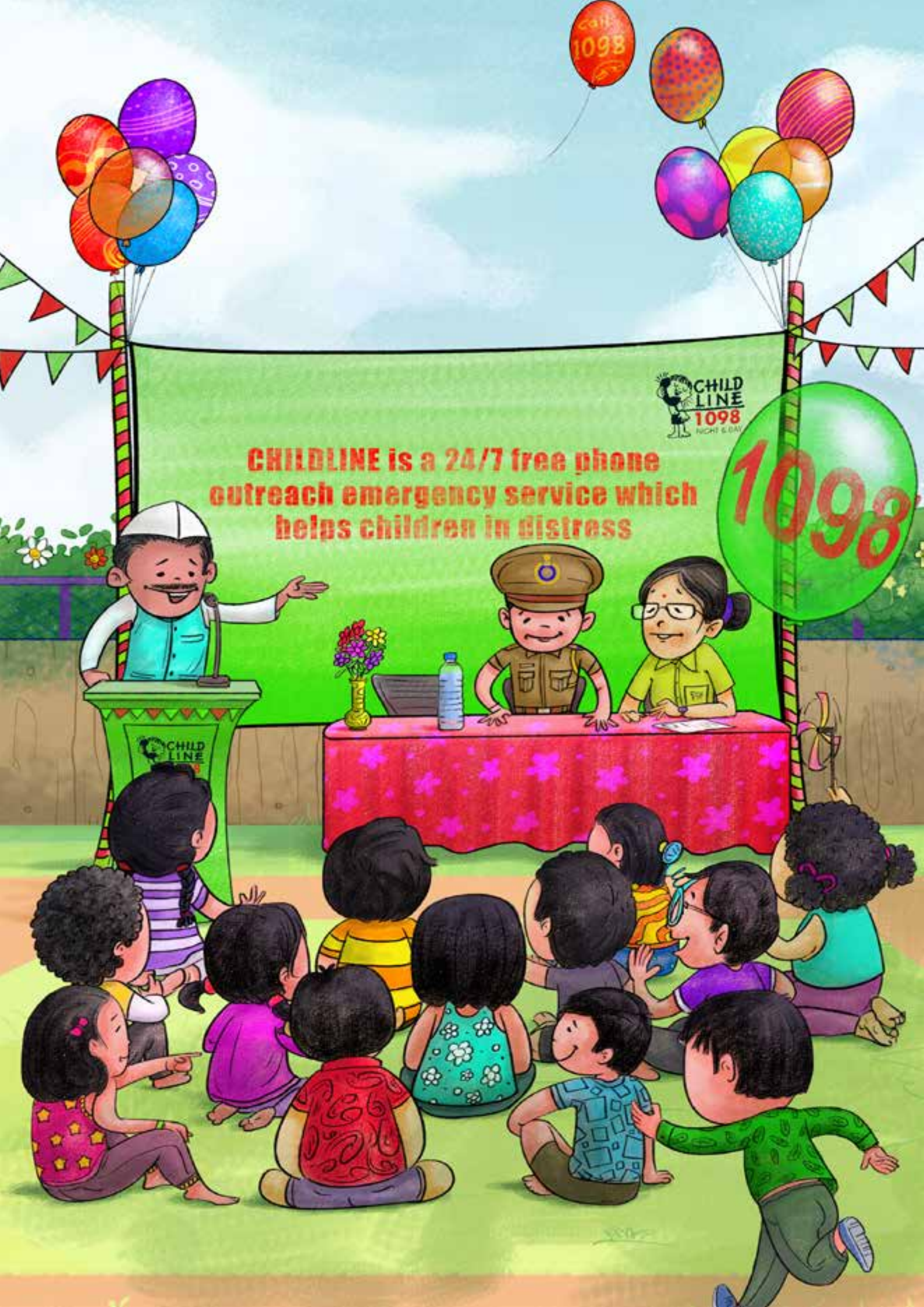
Call 1098
CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY
CHILDLINE is a 24/7 free phone outreach emergency service which helps children in distress
1098
CHILD LINE

प्रबंध मंडल

श्री राम मोहन मिश्रा, अध्यक्ष
महिला और बाल विकास मंत्रालय के सचिव

श्री अली रज़ा रिज़वी
विशेष सचिव और वित्तीय सलाहकार, महिला और बाल विकास मंत्रालय

सुश्री अनुराधा एस चगती
संयुक्त सचिव, महिला और बाल विकास मंत्रालय

ए कुंदन
प्रमुख सचिव, महाराष्ट्र सरकार

सुब्रमण्यन रामादोराई
उपाध्यक्ष, टीसीएस

शालिनी भारत
निदेशक, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टी.आई.एस.एस)

रजत गुप्ता
सीनियर पार्टनर, मैकिनसे इंडिया

विद्या रेड्डी
डायरेक्टर, डायरेक्टर ट्यूलिर – सेंटर फॉर प्रिवेंशन एंड हीलिंग ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज

विनायक लोहानी
संस्थापक सचिव और प्रमुख, पारिवार एजुकेशन सोसाइटी

संदीप जोशी
प्रोफेसर, मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान

मैरी वीनस जोसेफ
डीन, राजागिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज

निगहत शफी पंडित
अध्यक्ष, सहायता फाउंडेशन

सुबोनेंबा लोंगकुमेर
अध्यक्ष, सामुदायिक शैक्षिक केंद्र सोसायटी

डॉ. अंजैया पंडिरी
कार्यकारी निदेशक और सदस्य सचिव, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन टीम

एकाउंट्स

अजय केसेरे, आरती सुनील जाधव, अवनीत सहाय, गीता राजदीप, हर्षदा मोर, लैब कुमार नस्कर, महाश्वेता मजुमदार, मो. सादिक अली, मो. मोहसिन, पॉल सुधाकर, प्रदीप कुमार, प्रियंका अनिल चव्हाण, संतनु कुमार समई, विकास कर्गीकर

सर्विसेज

अभय अवस्थी, अभिषेक विश्वास, अभिषेक पाठक, अभिषेक बंद्योपाध्याय, अलंकृता गौतम, अमित हीरामन सोनावाले, अनुराधा विद्याशंकर, अर्चना, अर्का लहा, अरुणांशु मोंडल, अरुणमोझी एस, आशिमा, आतिशी दत्ता डे, अविक मित्रा, अय्यप्पन मुनंदी, बबीता बालू पाटिल, चंद्रनाथ सामंता, छाया सालपे, चित्रा अनाचन, चित्रकला आचार्य, चित्रेश भट्टाचार्य, डेज़ी नाथ सैकिया, दस्तगीर क़ुमर, देबस्वती चक्रवर्ती, देबनाथ घोष, दीपक सिंह, दीपशिखा, धनराज जगन्नाथ खरे, दीपिका, एलेन टोंसिंग, हर्षमनगरी नंदा, हसनैन चिश्ती, हीनू सिंह, जहीरुल चौधरी, जयदीप सेनगुप्ता, जेनिफर यसुपालन, जेस्टिन जोसेफ, जूलियट पाथ्रोज़, कल्लोल चौधरी, किशोर शांताराम पाटिल, माधुरी एस पथारे, महेश जकाती, मनोज सिंह, मनोज जोसेफ, मेरी भट्टाचार्जी, मस्तानबी नडेला, मुहम्मदली सांसद, मुनमुन मोंडल, नीलम दिनेश दाभाड़े, नीरू बसुमतारी, नेहा सिंह निलांजना शर्मा बसीस्ता, निरिश एंटनी, ओरिस यूसुफ तुमान, पूजा, प्रभु मारियाडोस, प्रदीप अप्पाराव पचपेन्डे, प्रणय प्रतीक कुमार, प्रशांत बापुराव उबाले, प्रवीण वसंत कुमार, प्रीता बनर्जी, राहुल मिश्रा, राहुल समधन देथे, राज कुमार, राज नाथ झा, राजीव सागर, राजेश कुमार केशरवानी, राजू कोटई, रमेश कोक्करगड्डा, रवि कुमार, रीना, रूपिका श्रीधरन, सामिया इब्राहिम, समक्षा रापरिया, संपा दास, संपत कुमार, सम्राट, संदीप कुमार मित्रा, संगीता ज्ञानेश्वर वानकर, सतीश कुमार, सविता सोनवणे, रामेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा, सीमा तुकाराम कोनले, शाइजू वर्गीस, शंकरानंद झा, शर्मिष्ठा घोष, शेफाली आहूजा, शेस देब भोई, शिजन थॉमस, श्रेया बनर्जी, श्रेया दास, सिद्धार्थ दास, सौविक चक्रवर्ती,

सौविक चटर्जी, सोम्मिया सी, सुभ्रा गुहा, सुभ्रो कर, सुबीर देबनाथ, सुखेंदु बैंक, सुरेश एस, सुरियाकला मायाकन्नन, सुसोवन सी, टेरेसा बेनेडिक्ट पुत्तनपुरकेल, टाइटस सिंह, त्रिपर्णा नंदी, वैभव गोथे, वैजंती मम्तोरा, विनायक सुरेश पाटकी, यमाला जॉन पीटर, जेड एंड्रयूज अब्राहम

एच आर और एडमिन

चंद्रशेखर उपाध्याय, धीरज बादभाई नगर, लक्ष्मी नारायण तिवारी, पूजा जयंत, प्रथमेश गजानन कदम, प्रियंका किसान कोरडे, राकेश डी कांबले, रॉबिन्सन जेरेड इसाक, रोशन सालुंके, संतोष नाथ, श्रीनिवासुलु गुर्रमकोंडा, तापस नस्कर, वैनेसा परेरा, विजय मथल

परिणाम की स्थापना

अदिति सागर खरडे, गंगम्मा कोंगंडा मदप्पा, गार्गी निखल नवारे, हिरेन भूत, कृष्ण कुमार आचार्य, मिरल मुकेश गोसलिया, रश्मि प्रभाकर ढोले, संभाजी महिमाजी शृंगारे, सोहली वर्मा, सोनाली विनय प्रधान, सुखदेव विष्णु कदम, विकास पुथरान, विनायक श्रीपादभात जोशी

संचार

चांदनी दिलीप झवेरी, दिपेश एम पांचाल, सुनली वाई कोठारी

चाइल्डलाइन का संपर्क केंद्र

बृजेश रामआसरे मिश्रा, डेनिस जी. रोड्रिग्स

ए.पी.पी.आई

अभय टी एंड्रयूज, अकबर आलम, अमित तुषार वोरा, अमिताव अभिचारी, अर्पिता चौधरी, भास्कर ठाकुर, दीपक दिनेश, गणपति सुब्रमणियन पलानी, गणेश एस थले, जोबी ईटी, लीना बसु, मोहम्मद ज़ुनैद खान, निदा सिद्दीकी ज़मानी, पी उमामहेश्वर राव, परवीन करीम खान, रजनीकांत दासी, राजेश रमेश पवार, रश्मि एमटी, रियाज अंसारी, रोशन कांबले, संगीता डे, स्मिता सुषमा सेकीरा, सोफिया फ्लोरेंस, सुनीता मिश्रा, स्वाति कुमारी, विजय रामदास नायर, विजेंद्र तुकाराम केट, विलियम केरी

कार्यकारी निदेशक

डॉ. अंजैया पंडिरी

उप निदेशक

सुश्री हरलीन वालिया

चाइल्डलाइन का संपर्क केंद्र (सी.सी.सी)

दक्षिण क्षेत्र

चेतन एम, निशा, विशालाक्षि, गुलाब जाधव, यशस्वी पांडुरंग, शिवराय अरबनवी, पुष्पावती, आनंद मल्लप्पा मालगी, पुष्पा, बसवराज हुनसगी, मंजुश्री एस, सुंदरकृष्ण के, स्वेता, उमेश, विनोद दास, अनिल कुमार, निश्कल के, भारती के, मारुथि एच, सुजाता एच, शांताव्व, प्रदीप गोदारा तम्मनावर, ज्योति, कस्तूरी, योगिता कुम ारी, प्रवीणकुमार के, शिल्पाश्री बदिगर, सुनील, सौम्या ओलिवरे, भाग्यश्री, विट्ठल जरी, आदित्यकुमार कुराने, निशा के, इब्राहिम के, प्रेमा, दीक्षिता अमीन, मल्लप्पा मगदुम, शेखरप्पा जी, ज्योति चिकम ठ, प्रदीप कुमार, मोहन शेवु गौड़ा, स्पूरथी सी, शशिकला नाइक, श्रुति मोरिगरि, सुष्मिता एल, मल्लव्वा रूमोजी, आर्यलगन कृष्णमूर्ति, आनंद कंदासामी, अशोक भीमप्पा मुगलखोड़, मधुबाबू कटारापु, अंबरीश विठल, विट्ठल दासप्पनवर, सतीश बाबू, करप्पा चंद्रप्पा मडिगरा, चिन्तकिन्दी राजू, श्रीकांत समला, अनिलकुमार नागप्पा, प्रभा एम, अरुणकुमार जी, जॉनाल्डो पी, वाग्य नाइक, उदय प्रभु, सुरेश रामुलु, शिवानंद कुंभार, कुमार धर्मन, ऐवराजन एस, करुप्पैया जे, मुथु लक्ष्मी, पॉल दीपक, अरुण कांबले, मंटेश संगममद, नागराजा एन, वाग्य नाइक, उदय प्रभु, सुरेश रामुलु, शिवानंद कुंभार, कुमार धर्मन, ऐवराजन एस, करुप्पैया जे, मुथु लक्ष्मी, पॉल दीपक, अरुण कांबले, मंटेश संगममद, नागराजा एन, रमेश मुशायप्पा, चेरुकु सम्बासिवा राव, प्राणेश कुलकर्णी, शिल्पा एस, सिबिन जोसेफ, मोहन कुमार, बिंकोमोल जॉब, राजू मल्लीपुड़ी, भुक्य कम ला, मसकुरी श्रीनिवास, अजेश सी, अनिल गुजुला, वाणी जी, नन्दिधि जे, सौम्या मेकाला, वेंकटेश्वरलु जेटी, गोपीनाथ जी, शंकराण श्रीनु, यामिनी ससी, जयंती राजेंद्रन, उमामहेसरव प्राठी, थंगादुरई पंडी, श्रीकांत पी, प्रांता जी, जिम्नेश टी, पोपटावथ मंथ्रू, गुगुलोथ वेंकन्ना, इसहाक मुथुमानी, एंटोन माइकल, अंजू जॉनसन, सुरेश टी, मरपटला प्रियंका, रेवती सेल्वराज, देवकी एस, दिनेशकुम ार ई, सुमा सियारीक, जयश्री थम्पीकुट्टन, हरीशमा सी, जेनफर जॉन, भाग्यलक्ष्मी वी, जोतेश्वरम्मा अमिति, थातिकोंडा कार्तिक, कायला अपर्णा, मेघा जॉय, अगना एस, थरलक्ष्मी के, सुचित्रा बी, कृपा सनी, सौजन्या बूरा, थोमंड्रू अनीथा, गुदेली नानीबाबू, जॉय अनीथा, शेख रमीजुनेनेसा, मोहम्मद मुइनुद्दीन, वेट्रवेल एम, भुवनेश्वरी के, संथिया के, वेलमुरुगन पलानी, नन्दिनी पी, गण संतोष कुमार, कोर्रे माचू रवि बाबू, एडविन राज आर, कोंगी मथम्मा, बीर राम राम रेड्डी, तमिलसेल्वन, गुंडुगोलनू श्रीलथा, मोहम्मद अरसथ ठाकसेन, सोम्मिया के

उत्तर क्षेत्र

राकेश कुमार, सुनील दत्त, प्रज्ञा श्रीवास्तव, किरण बाला, सपना सिंह, प्रतीक गुप्ता, पंकज चौधरी, एकता प्रियंबदा, सावित्री धनगर, सोनिया, श्रीति सिंह, सपना, दीपमाला सिंह, दीप्ति मनराल, शिवम श्रीवास्तव, मोहित कुमार, मुबीन खान, शाहनवाज खान, विक्रम शर्मा, नरेश कुमार, पूनम सिंह, पूजा गुप्ता, सीमा सीमा, मोहम्मद सलमान, नेहा सिंह, अशोक कुमार, गोपाल लाल बुनकर, विष्णु अंगद, विशाल कुमार, विशाल नरेश, रत्न नागेंद्र, लखविंदर कौर, अंकित नरेश, यशवंत राव, चंदरपाल जोगिंदर, रिंकल नरेंद्र, बबली कुमार, शुभम राकेश, ज्योति भूपिंदर, त्रिदेव विरदी, कृष्ण सिंह, गार्गी यादव, अंकित पुराण, प्रदीपकुमार राजाबाबू, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, आलोक कुमार, कुलदीप कुमार, प्रीति रमेश, पूर्णिमा प्रकाश, इस्तेखार हुसैन, सुरेंद्र कुमार, अंकुर कुमार, संदीप कौर, तृप्ति सिंह, मनीष कुमार, सतीश बगोरिया, अरविंद कुमार, आज़ाद गौतम, शिवानी बाफिला, संदीप कुमार, आशा प्रेम, ईशा श्रीवास्तव, हेमलता दीवान, रवि प्रकाश, सूर्य मणि, मोहम्मद तल्हा, नेहा कुमार, राहुल मेहरा, अनिकेत त्रिपाठी, राजेंद्र सिंह, हीरा, मोहम्मद रज़ा, सत्यम सिंह, विजय कुमार, संयम बहादुर, नितीश पठानिया, हर्ष वर्धन, नेहा पांडे, सुनील कुमार, सुनील कुमार दीपशिखा, अमनदीप कौशिक, अमितेश वर्मा, अमित डोगरा, निपेंद्र सिंह

पूर्व क्षेत्र

सौम्या चक्रवर्ती, प्रतिभा चेत्री, सौविक भट्टाचार्य, संदीप मुंशी, सहानार खातुन, तापस महापात्रा, पूनम शॉ, मौपर्ना सूर, सुचिस्मिता सेनगुप्ता, प्रोवा कर, राकेश पॉल, देवदत्त चौधरी, उदित चक्रवर्ती, सयब मोंडल, रंजीता दास, श्राबंती रॉय, काकली घोष, सुभयान पिपलाई, अयान बैद्य, दिव्या रंजन, लक्ष्मीधर नायक, तिकन बेहरा, संजय कुमार, कुंदन कुमार, प्रसन्न कुमार, सुजान मिस्त्री, सुतनु पात्रा, उज्जल कुमार, नारायण साहू, संतोष कुमार मिश्रा, अर्पिता भट्टाचार्जी, लिपिका दास, पायल विश्वास, अर्पिता गांगुली, शिल्पा दास, सुजॉय कर, पलास चंद्र, जितेंद्र नायक, सुहैता सुहैता। , बैकुंठ कुमार विश्वकर्मा, पलाश घोष, मानस रक्षित, ब्रूनो कछुआ, संजोय सरकार, शर्मिष्ठा मिश्रा, लिएंडर लामकांग, इनली ऐ, लिंगराज बेहरा, लोपामुद्रा मोइशाल, अन्नसा सरकार, ज़ेवितुओली वीत्सु, मधुमित्र भद्रा, समिक चौधरी, ज्योति कुमारी, नोपावंगिया एन सी, मिठू शिट, स्वर्णेंदु रॉय, तनुश्री दास, रितुपर्णा खटुइया, सौगत रॉय, देबोष्मिता चटर्जी, जेसिका जोगी, सौरव नाथ, पल्टू जाना, बदिरुल चौधरी, गोल्डन ब्यानेपावी, बन्धिलुंग रोंगमेई, मर्लिन ग्रेस रथैप, एल्सी ग्रेस मलाई, सुमित विक्टर, मोइनक पॉल, ज़हीर हुसैन, सुब्रत घोष, चंद्रा बनर्जी, गौरव चक्रवर्ती, अर्कमिता चक्रवर्ती, ताहिती डे, नंदिनी पात्रा, सुमिता नंदी, दिपशिखा मुखर्जी, पुशन भट्टाचार्जी, अरपा बसाक, बिस्वजीत सथुआ, प्रत्यूषा भट्टाचार्य, संजुक्ता साहा, चिंतामणि राउत, प्रीतम दत्ता, मोईरंगथेम सूरज मीतेई, ओनाम सोनिबला देवी,

पश्चिम क्षेत्र

सुराज पुरुषोत्तम माकोडे, शर्मिला लक्ष्मण, दीप्ति दीपक, आनंद विष्णु, बिपिन सुंदर, गाथा शशिकांत, तृप्ति परशुराम, श्रीकांत पांचाल, योगेश गिरीश, संजीता संदीप, दिपाली अशोक, विश्वेश्वर शांताराम, राबिया बेगम, मेघाली शशिकांत, प्रियंका कुंभार, दिपाली प्रफुल्ल, संध्या कटकर, भाग्यश्री अनिल, विद्यावती वी दुबे, मोहम्मद शेख, तरुण प्रभाकर मंजरे, शमशाद अहमद, राजेश अशोक वेद्रे, अक्षय दाताराम शिवगन, कविता गावड़े, राशांत बैन, संपत वैभव हटिस्कर, अक्षय अनंत आगरे, सविता जाधव, सचिन तावड़े, संतोष नागेशकर, विजय संतोष पाटिल, पल्लवी मालवंकर, सुनीता गणेश टपल, गायत्री गुप्ता, आशा संधेश, ज्योत्सना गौतम, रीना उत्तम अहिरे, कौशिक भूपत्र, नाना सुदाम, आनंद गजानन जाधव, भाग्यश्री भरत कुमावत, पूनम संजय, भावेश लावजी मानसत्ता, मनीषा वाघमारे, तुषार शाम कांबली, संकेत सुंदर, मनीषा विद्याधर, गुप्ता राजकुमार, हलीमा महबूब, अपर्णा अमित, विजया सदानंद, संगीता ईश्वर, कोली गीता सुधाकर, विनोद जयराम, नफीसा मैराज, सुवर्णा संजय कदम, सतीश ज्ञानोबा, कमलेश जरवाल, मकरंद बाबाजी मोर, मनीषा श्रीधर, अमित विजय, फाल्गुनी दीपक, रुबीना सैय्यद नदाफ, किशोर दगडू, वृषाली जनार्दन, पद्मनाभ दुमन्ना, आरती किशोर, विजयकुमार राम बंसोड, शशि रामवृक्ष, रत्नदीप मनोहर, उर्मिला जाधव, धनराज खरे, लक्ष्मी चंद्रकांत, अर्चना दीपक गायकवाड़, पूजा विजय रीते, तुकाराम शाहजी महादिक, संचिता सुरेश पाटिल, पूनम दत्ता गुरव, हेमलता नागेश नारायणकर, स्वाति चटगोडे शुभाश, गीता गोंडादेज, विधी पुरानी, सागर दिनेश तांबड़े, अंजलि गुप्ता, धर्मेंद्र चौहान, अर्चना मिलिंद खरात, अक्षता राणे, विजय वनखंडे, हरिश्चंद्र वाघ, गीता पटवा, प्रिया माने, तृप्ति शिंगारे, संस्कृति पवार

देश भर में चाइल्ड लाइन

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

मुख्य कार्यालय

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन

बी –११०१, रतन सेंट्रल, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर रोड,
परेल (पूर्व), मुंबई ४०००१२, महाराष्ट्र

फोन नंबर: + ९१–२२–६८२५ १०९८

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन क्षेत्रीय कार्यालय:

उत्तर क्षेत्रीय रिसोर्स सेन्टर (एन.आर.आर.सी)

एच नं. १४४/२, हरि नगर, पहली मंजिल,
मथुरा रोड, आश्रम,
नई दिल्ली –११० ००२

फोन नंबर: + ९१–११–४३५२ ८४६७

दक्षिण क्षेत्रीय रिसोर्स सेन्टर (एस.आर.आर.सी)

डी नं.: ७१, दूसरी मंजिल, हरिनी बिल्डिंग, नेल्सन मणीक्कम रोड,
अमीनजीकराई चेन्नई –६०० ०२९, तमिलनाडु

फोन नंबर: + ९१– ४४–२३७४ २०९८ /

+ ९१–४४–२३७४ ३०९८

पूर्व क्षेत्रीय रिसोर्स सेन्टर (ई.आर.आर.सी)

बीए –२०१, सेक्टर –१, साल्ट लेक सिटी,
हरियाणा विद्यामंदिर के पास, कोलकाता –७०० ०६४,
पश्चिम बंगाल

फोन नंबर: + ९१–३३–४०६५ ६०८६

पश्चिम क्षेत्रीय रिसोर्स सेन्टर (ड.ब्ल्यू.आर.आर.सी)

१० ए, ठक्कर औद्योगिक एस्टेट, एन.एम. जोशी मार्ग,
लोअर परेल (पूर्व), मुंबई ४०० ०१३, महाराष्ट्र

फोन नंबर: + ९१–२२–६११८ ९८००

Dial
1098
Dial
1098
1098

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन
बी–११०१, रतन सेंट्रल, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर रोड, परेल (पूर्व),
मुंबई –४०००१२, महाराष्ट्र फोन: + ९१–२२–६८२५ १०९८
www.childlineindia.org